र्षेत्रंक।

# नेनान्नेनान्न

र्नेन्यारमाउत्पुत्यन्तुः र्केमान्दर्केमाश्चर्षः द्युत्यते सेमानाम्ब्रम्या





वर्वी सःस्य मिर्वे व तु न्ययः श्री सः न इसस्य

ग्रे रुअ:नु:दर:र्से। क्रेंअ:वर्नुद:मी:हःन। कुय:दनश
नसूर-य-सू-५-र-भी-भूनग
सर्केन्'सर्'निह्न्पा
सटार्स्स् राजगुरानदेः गार्टार्स्न्स् ग्रीः भूत्रम्
ุ พรพ:∄ฺพ:ฆิ:พฺธฺรฺาฺหฺฉิ:พุกฺพฺ
.নমূর্যারি'বাদ্দ্রম্মার্থী'শ্লুন্মা
য়ৄ৾য়য়য়ৢ৾য়য়ৢয়
র্ম'র্ম্-রম্মের্ই্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র
র্বি সূত্র স
कें अ कुष से अ द्वें त्र इस अ छी अ च सूत्र पा पाई पा अ पारे सूत्र आ 48
र्वेट्-ग्री-क्रिय-में-इसमा-इ-क्रुट्-यमा-युट-नक्ष्र्व-पवे-भ्रवमा 56
র্বি ব্রদ্ধ ক্রিন্থ ক্রিবাশ নেই ক্রুথ ক্রম শ্রী শ্লুবশা 58
त्तर-दर-अशनभूत-य-वसूत्रशहेश-वेद-भे-विय-य-केश-वार्द्वा

मिर् रुष्यानुःमिष्ठेशाया नसून्यान्धेः द्रमान्धाः	
नश्रूवःपःधुःद्र-चीःवें केंग्रयःद्र-त्रुःकेवःचें वःश्रेग्रयःपदेःश्रूपश्	.73
র্ম.জ্ব.গ্রী.শ্লবনা	
วูงามสู่รุงาวฏิทุงารเริาฟูกงา	
म्यु से अ दर्भे दर्भे व ग्री अ वार्ड्या या । विदः व ह व र ये दे भू व अ।	
वर्षायावह्रेषायदेष्या क्ष्या क	91
मुल'ख्र'पिट'मी'भूतश	104
वियःषः।पःयदः भ्रम्यश	109
ষ্ম- শূন্য	110
न्नो निन्ने अ मु न न न न न न न न न न न न न न न न न न	112
ঀ৾৴ৢয়য়য়ৢয়	
श्ची.पर्सेकायाडू.पूर्यंग्यीयश	120
ন্ব্ৰ-ম-ম-মইবি-ন্কু-ব্-শ্ৰেনা-ম-গ্ৰী-শ্লুন-মা	191
美工、美知、後知、別、コヨエ、我心、成、如、別、梨コギ	
শ্রম্মার্মার্মার্মার্মার্মার্	205

	र्हे.इ.चल.सपु.जू.भू.जू.	211
	सर्-रग्-ग्री-ब्रेदे-क्.क्रिश-क्री-श्री-श्रा	234
_	र् रेश.ये.यधु.स्। याश्चरःक्रयाश्चराश्चरःश्चा स्रश्चरः	
	हेश.यचर.र्ट.यवश्रायपु.श्रेयश	
	নাপম:প্রট্রেম:প্রবৃত্তি:শ্লুন্রপা	249
	अःर्वे र्द्रं न-न्दः वास्रासुस्र श्रीदानीयानसूत्रः महे सुद्रः नश्चिद्रश्राम्योः भूनया .	
ठ	रे रुषानुःश्रमा हैं में है नकुर्मारायक्षामंदे भू	
	हें ने न्दरवर्षे अर्देव न्दर र क्षेट की क्षेत्र या	
	र्सि: र्हे नि: र्ह्म नि: भून श	
	রুদ'রদ'মন শ্র	329
	न्रामानात्र्रापळप्राप्ताचे भूग्रम्	330
	बूर:बर:यंदे:भूतश्	344
	पिस्राख्रिराचार्तरान्त्राचित्रः स्त्रीचार्याः स्त्रीच्या	346
	श्रेच.र्ज.यग.यी.तीज.यपु.श्रीयशा	347
	ปิ.สิน.ชน.ชี้น.ชน.ฟิชฟ	372

### न्गरःळग

	मु : य : पंदे : भू न य ।	379
	न्वेवित्रायानित्राम्यायान्दरः वित्रायानाः स्वितानक्षुन्द्रान्दरान्यस्याने स्वान्या	388
	ह्र.च्र.हुत्रश्च्यायक्षेर्यावयःग्री.ज्र्यम्भ्या	
ळ	र् रुष्ठानुग्रा हैगार्थे प्राक्ष्य मकुर्प्य र्	ויקדין
	र्नु:र्क्न् नुस्रार्क्ष्य स्वाया सि स्ट्रम् नुम् निर्मा	
	र्ह्याःस्य मुद्दाः प्रदरः प्रदरः भूत्र ।	401
	শ:হ্রম:বর্জুন্:মন্দ্রম:মার:শ্লুনমা	419
	মর্চ্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্	423
	ळ्ट्रसःइसःवर्षेषःग्रीःचर्रुट्रपंदेःभ्रवम्।	425
	ত্রমমার্কুমানর্থ, থ্রিমামার্মী, শ্লীনমা	426
Ę	र् रुषानु निर्मेषे निर्मेषे निर्मेषे निर्मेष	· <b>¾</b> ~
	র্ম্ ব্রাই র্ম ক্রিম ক্রম ক্রিম ক্রম	430
	ন্দ্রমান্য ন্থেনাম শ্রেনাম শ্রিনাম শ্রিনাম শ্র	436
	ले. नेश. वियश खेयेश की. भेयश	449
	ग्निवःहें'ग्निवाय'ग्रेःक्रॅंर'ग्रेःभ्रवया	459

#### न्गरःळग

नदे 'सर्केना'नी 'भूनश्।	. 465
শ্বাংশ্যু নাৰ্দ্ : শ্বু না নী : শ্লু ন শ্বা	.477
१ रुषानु नकुराय। सदयन्य मार्थे दूर्न के दार्थे सराम	गःद्रशः
्यक्रुन्ने 'न्याय'र्से 'चयाय'यक्रुन्' ठेर्य'स्यायाय'र्यदे 'सून्य	
ह्र्या.सद्य.यक्चेंद्र.सद्य.श्लेयशा	.486
বহুম'ন'মম'শুবাম'শ্রী'শ্লুনমা	. 504
	. 546
	. 567
	. 574
	631
	. 633
	670
वर्त्ते।विदःक्रेशः हे 'द्रिशः श्लें न'द्रदः नठशः पदे 'श्लेनश	
	स्याः

### न्गरःळग

বর্র দ্বিদ্রের বাদ্র দ্বর্ম গ্রী শ্লুবর্মা	741
स्नाख्रास्त्र्रिनः सन्दर्गन्य स्थान्य	743
ন্ত্ৰম্প্ৰম্	
क्रूंशाई माद्र मार्थ के वाप्त मार्थ	804
শ্বর্ণাণী শ্বশ	821
र्में न् कं न्यान्य के व न्यान्य व व व व व व व व व व व व व व व व व व व	829
	840
गुनः केत्रः संर्भेनः नकुन् न्दरः नठरुः सदिः भूनरु।	850
ब्रि.सी.सपु.श्रीयश	861
वर रेत रें के र्रेन अर्दर नडरा पदे स्मान्या	868
सळ्यःगुरःबरःसदेःत्वःर्नशःग्रेःभूनश	874
য়য়য়য়য়য়য়ৢঢ়ৢঢ়য়য়ৣঢ়য়	876
सह्यासुन्-नुस्यन्-सदे-नगदन्कुन्-न्-नुम्रास्दि-नगदन्	<u>'</u> 5'
र् ज्ञान्य रादे नात्र र नाया र स्याया र स्याया स्या	883

## र्थेव से न

वि.क्वी. प्रक्रमा व्यक्ष. प्रक्रमा व्यक्ष. प्रक्रमा व्यक्ष. प्रक्ष. प्रक्ष.

शेर-श्चर-दसर-प्रहस-त्व्यक्ष-ग्रीश

ราฐาราธุรา marjamson618@gmail.com

# ७७। । विन्यान्य क्ष्यान्य क्ष्यान्य क्ष्याः विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया वि

ব্বীমার্টা বার্টির ব্র'ব্যব্য শ্রীমান স্কমমা

गो तुअनु'न्न'में। ॐअप्वहुन'में। हुप'न। हुप'नम्य नेष्ट्रम्'न। अप्नाम्य

# अळॅ ५'स र 'नहें ५'स।

७०। | सरमा क्रिमाय स्वाप्त स्

नन्गानिनःवन्त्रभानुःवर्धेनःनन्। । इस्यायाश्चर्यं वास्याकेन्यं विक्रान्ये वि र् क्रिं व्यव क्रिया ग्री प्राप्त प्राप्त के क्रिया स्वाप्त विश्व में क्रिया स्वाप्त क्रिया क हुन्यामदे के शञ्चाकु के व कुव भे कि नम्म स्वाह के सहन सम्बाह ॻॖऀॎऻज़ॣॖॖॖॖॖॖॖॣॖॖॖॖढ़ॾॣॣॖॖॻऻॹऄ॔ख़ड़ॖॶॶऒॖॱॿऀज़ॹॖॖॗॖॖढ़ॴॹॖॣॖॖॖॖॖॖॗढ़ॴॹॖॖॖॣॖॖॖॖॖॖॖॗज़ॹॗढ़ॶॾॖॖॣॖॖढ़ॖॴॣॖॖॖॣॖॖॖॖॖॗॖॖॗॖॖॖॖॗढ़ॴॹॖॣॖॖॖॖॖॖॗॖॖॗॖॖॖॗज़ॹॖॖॣॖॖॖ यः नन्या वे सुया पळ्या या । या न विया से ससा उत् सससा उत् क्षेत्र परि श्चर्र्, द्याय विया हु वे से नविव प्ययर यर श्वर हेर्या । या यर हेर्या श पर ग्रुट कुन कें श ग्री पर्विर लें श्लुर अर अर रन हु ले नर अर हे ग्राट क्रेंबर नमा ।श्रेन्याम्बुसमीःवहेग्यायावर्षेग्राकेन्यूर्केग्यायाम्बन्याक्वा इसराग्रीराइसामानु समामनायह्याम। । श्वामाइसराग्री श्वामाञ्ची केत्रसुग्रायात्रः इस्ययासुरहेयासुर्येत्रायाने त्यासुग्रात्वत्याते । तहेग हेव'गशुस्राग्री'शुँद'रा'यश'र्ग्रेव'वससावदस्रित्रार्यः र्राचिव क्षापर्रे राक्ष्य राष्ट्रिय वास्त्र विदाय प्राप्त विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय क्यायरान्ध्रान्गवररान्दान्याववरायायवर्गाष्ठ्रनावेदायळवर्येन्क्या हैंग'८८। । व्यानमिर्वादिरं भुदि कुयान इसमाग्री से सहसासहसामा नने नदे सुप्य सुमा दक्ष्य वी ।

## अद'भैं अ'नगुर'नदे'न्द्रि'रनअ'ग्रे'श्ननअ

ने भूर भुरवि त्य येवाय पर भुराव पर केंद्र ये भूत विशेष येथा अर्केन्'नर्न्न्ह्न्'त्रशर्चिषा'अर्द्र्भेष'त्ती'श्रृंत्र'प'वर्नेवे'षानुरःर्वशःत्रे' नर गुःक्षे ने प्यर खर त्या क्रिंव या से र क्रुं व न त्वा सारि कें ल्या इस्रभः यादः स्रभः श्रुभा विवा संयादः स्रमा विवा विवा स्रम् बेरायर्ने वा हे भूर खर नम्मा छंर में वर्ष पाया बुदे ने रावर में वर्ष बुर्यायय। क्रेंत्रायया भूगे देवाया कुराव भर्ता सुर्वाया स्वयया वर्षा हिन्यान्रहेन्डिन्ने अपने नावसार्धन्ती। है नियानी अपन्याने हेन्द्र याल्यायों सूर्यासे। र्वेज्यायी तुरा कुरा नसूरा नरा रे विया रे पराया थी। हिन् ग्रेश भूग्रदे र्स्व ग्री रेग्या कुन् यया न इससा हे र्स्व या पर ग्रीस निवा ने अंक्टर भे द्वारा निया महा अंति भें तरा मुरा श्रुर निवार भें प्यार अं शुःश्रूषान्त्रुवाःश्रेःसद्याःवा ब्राह्मयानीःत्रुष्यः भूग्रिते स्वानीः नेवाषाः मुन अर्बेट्रनिरं हेट्रेन्ट्रेन्य्य विवायन्य देश देश्यय यह या हे सूत्र निष्यय या यायन्यावयान्याक्रयायाञ्चराया वहियाहेवायने वियापिते के सेयया ठवःसयः केरः दें न् वाययः ग्रीः भूरः भ्रीयायः ययायायः नम् यः न् न् रहें। वळग्रायदेखंया कुयार्रान्दार्रा चुदानदेन्तर कुरायर न्नित्र्या।

कुयारीं सदारीं सामगुरानवे कें से इससाग्री सेदासे ससाउत्वेस न्या देवे नुःदिन् अहे अन्ते ने दे दे के के त्या कुं मः विवा विवा के या वे या ने दे दे नु न वो न नेवि के से या हो ना उना नेवि नु नियो मके ना नेवि के से या हो ना मेवि नु'ग्रार्शे र्र्ह्रे ट'यसग्रार्श देवे के 'से 'त्य 'तू 'यदे 'मृद्र्य देवे 'हुं 'र्वे र 'त्य हो त' हे ग्र वुर्न्न प्रमार्म प्रमानु रे पी के से प्राप्त प्रमासी मा कुया में प्रमानु से प कें 'कें 'द्रम्म' हु' से द' पं भेद'र्दे। द' यश कु ते 'च कु मायश प्रदः १ हो व 'चू द नःवर्भावित्रःवेत्रःश्रुत्रःनवेःश्रुवार्भेःसहेत्राम। नेवेःनञ्जार्षेत्रःमरःभः ह्रेव डिग हुर न प्रशादिर पेंश हुर न हे सहेश हे सहेश ही मर प गणमान्य न्त्रीत हिंग हुर न यम प्रिंग से मुन् मुल सहे माथ्या नेवे महारामार्धिव परान्ति होता हो हारा वाया है। यह या श्वा है। ने पानि वे म्रीट नवे वशामि मारी नर या द्वार नवे विष्य मिर के मुरम् सहें अ'ख़्द्र'ग्री'त्रानवर'र्से द्रश'गुद्र'द्र्य अ'र्द्रिन'वेर'ग्री'नर'सेर'र्ड्स्य'रा शुंश है। गुंद दशर्दि ने र ही र न हु र त्या हु य में पर्वे प्रस्त है । यहें त्रुं नुरुरे । व्यान्यायन्यावेषानेषानेषा । न्यायन्यानेषाने मुयार्भे खान्नि निवि स्ट्रिंट एएया दसमा मे सासी खुं मा साम सुट स्ट्री वासाया मुयानायमामुयार्गि निवेरनुमम् निवेरम् क्रूॅर-एुवान-राष्ट्रक्षेर-तुरक्षेत्रअर-कुवार्यन्त्र्रेत्न्त्रम्याविकानुदे । देवे तु'नकुर्'य'कुष'र्ये'नकुर्'ब्रि'नबि'र्स्ट्रेर'ग्र'ने'यदे'र्सेट'र्नुर'स्रे। । व'स' ळंटशः ब्रेविक्ति देवे तुः व कुट्राया कुया से शुर्शा विक्षेश क्षेट्रा सूटा से रे के वे में टर र्नुहरमे। मयानवानुरहदार्वे। निवेन्नुनक्कुर्वा मुलार्चे सुसामि हैया सूर मॅरिष्टिर न्यर में अप्तर नुस्के। यस क्रम में के वर्ष में विरोग म्रे। मयानमु न्त्रेत वियानुर्वे । देवे नु नमु न यामु या में स्या वि हे या में न र्ग्रेटाहोरागाड्गानाहराडुटाक्षे। बायाक्यानदे। देवेरन्यकूटायाक्यार्था वि.चक्चर्-क्रूर्ट्स्ट्रिट्र्ड्स्ट्र्ड्स्ट्र्ड्स्ट्र् नकुन्यःक्षयःर्भे हिः क्षेर्यं हिर्दे हिर्दे वित्रं होत्र हो। व्ययः स्रोदे क्षेत्। रिवेरन्यन्तुरायः कुयार्या विषेत्राक्षेत्राक्षेत्राचेता विस्तराया येता विदासे। वा यः कुषः र्यः कुष्यक्षेते खुष्वे यः चुर्वे । देवे चु न कु न व्या कुषः र्यः वि न कु न र्हेनः मॅरिहोर्न्न अदि मेरिनु चुरिष्ट्रे। वाया ह्रिमें या नवर में देवे नुप्त कुर्य मिलासुर्ध्वे मिलासूरामिलासुर्वे पिता मिलासुर्वे वासास्वर्वा से देवे तु नकुर्णकुयारेष्ठि।विष्याराष्ट्राशेराबुराधे। बाश्राकुयारेष्ठितराष्ट्रवाकेत बुरक्षे। विस्तरमु सर्वेदे विति विति वर्षे दे वित्र में वित्र में वित्र में वित्र में वित्र में वित्र में वित्र है। इस्तर्गयम्भूतः हुनिन्। निवेष्त्रहुन्यः हुयारीष्त्रहुन्। विष्तेष्ट्रिन

म्र्या हो राष्ट्र एव र प्रमुद्द र हो। या सार्य दे या दे र दे ।

नेदे न कुन्य कुषार्थे प्रतुषाना साहू की साधुर के । वाषा कारे निष्ण र्रोदी |रेट्रे.चकुर्जायाक्षणर्रा.पर्येश्रास्थात्वीयाश्राक्ष्यायास्य विराही व यः कुषः रें स्वद्देव हैं। । देवे नकुद्रायः कुषः रें नकुद्रा वि नवे स्रूट से वि यर वुर है। वाया खुळे वायेंवि । देवे वक्कु राया कुया वि वि वि वि वि वि श्रे.म्रे.कर.म्रे म.म.स्.मिर.ट्री सि.मिर.म्.म.म.म.म.म.म.म.म. न्गा बः अभीरः हुः अना नेवे नकुन्यः कुषः से नित्र हो नित्र होरा केर हिरागुन सूरा र जुरा है। या अवसाय साय दे निया है। दे दे सु सु सा सु र गी'तु'नकु्र'ल'कुल'र्से'नकु'वस'रा'न'रहू'सेर'तुर'स्री व'स'गी'गेर्दि । नेशर्दिन श्रुम्मी इम्प्रा ग्रम् रहा रहे वा पुरि से स्रा मा से क्षेत्र प्रा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान र्शे देवे:तु:वेग्रमःश्लेश देवे:वक्तुदःय:कुयःर्शे:वक्तु:वर्शेद:तु: इरक्षे वया इत्य देव देव देव देव विकास विका ५:अ:रन:५:वुर:नःथ:र्शेशःपशःयनःथःवुशःपशःग्वरःश्रे। <u>५</u>८:र्शेरः अर्देवान्ववार्धेन्यःस्वानु चुदान्यान्ववान्ववित्रायदेः वया ग्रीयावर्धेः वदाये। तुराग्रीरामेंदावद्यानुरासे ।देराम्बदाक्षेणे स्वीत्रेष्ट्रीयारी पर्वेष हे मान्यार्थे । दिवे के स्रुवायां वार्षेत् उत्रम् इवे स्वायायीया सूर्वेत स्राचनरार्थे त्याद्यम्यम् स्रुत्राचे स्रुत्राचे स्राम्बन्त्र स्रुत्राचे । देत्रासे ग्वित्र विग्राप्त स्थान् के विग्राप्त का श्रुट प्राप्त स्थान विग्रास्य स्थित स यगा उत्र सम्मार हे ने नम्माय सम्मार हुन ने ने हे हिन य सिम्मा यद्यायात्वायात्वायायात्रायायात्रात्रे भूत्रयार्थे दिन्दे तेया भूत्र देवा यःभ्रम्मन्यः वित्रः भ्रम् देवाः यःभ्रम्मन्यः सेन्दे चेनः न्या वुः सेन्दे ने न्यः रेगा से प्रस्ति। प्राप्त अभूत्र साम सक्षेत्र पा प्रमाय सिंद् भी हिंद् भी। र्गेशः क्रुवः ग्रेवः वशः गाववः ५८ः श्रेनः भे । देः श्रेः नर्शेनः श्रेशः है। श्रेटः श नेशाहिनार्वि नेवि में शाक्क ना श्री शासी श्री शासा ना विवाद निवाद सन् ना स्थित है निवार रेग्राश्यमा ने निर्माणीय र्वेर्या ग्री नर्वेर्या ने न्यम ने निर्माणीय विष्य नुः सँ अ हैं 'सँ 'न अ द 'दें 'बे अ 'गु 'र्डे 'न दें व 'हे 'क्रे 'ने 'गुव 'ग्री अ क्रु ग्राय पा दर। मङ्गते इ लग भूग है रल में विग उद मैं हि सदे रुट रु रविग दश है रेंदि वटानु खुनाया थे। अभे में में या अर्थेट व्यय स्वा शुरावरीया नवटा से नयह र्ने विया हिन् रन हुन इन श्रॅन में कुया सळव श्रें ग्राय वया वर्ने वर्न नवे यश हो ५ न्या हे हाया वहें वि वि वे स्वाप्त वि नय वहे वह वे प्याय हो होत्रेन्ते विषाञ्चर्या ग्रात्र व्याप्तरात्रे देश्यवा या द्वेत्र गा विवा पुः वर्षेत्र या व्याप्त क्रियार्से त्यास्याते। वदेशान बद्धान द्वापासम्बद्धान स्थान गुरार्से। कुयारी वे से हिंगा प्रयान्यया येटाया विवारी या वे ना वे स्वया दे प्रस्त व्या ये

इटार्स्ट्रिट्यर्देग्वन्यार्थेर्त्र्यर्भ्यः तुर्यास्य देन्यः स्वर्यः त्र्यः देन्यः स्वर्यः देन्यः स्वर्यः देन्यः न्दान्यस्यान्यस्यान्वितायान्वित्रस्यस्यम्द्रस्य तुःद्वे धीत्। यसः यग्रास्त्री इत्याद्युर्र्र्रिया सुर्यात्युर्र्स्य सुर्युर् हे सेस्रास्त्रीय सामित्र हैं। क्ष्र-नेया ननेव नदे के वा वी या निवा वी ख्या ही सा हु हा वी से स्या ही या अप्पेत्रत्रसावत्रसेतिः भ्रवारायिः अर्देवाः वार्शेरः श्रीः अर्देवाः तुः श्रुरः वेवाः वेराः श्चरायाया तृत्वारोर सर्वा तृत्युर हे प्येट के या र्ये । वि ति स्ययास्य स्व नन्गामी दर्शे न दे मान भ्रे न दे मान तु न्या से त से न से न से न से न नः भेर दें चेर वा तुः नक्षेर पदे तु शरा क्षेर पिर द्या नर्गा गर्वि व तु त्या रगः तुः चुरा चर् सेर् भ्रे मुर्या ग्रारस्य व्यापा स्याप्य स्था चर्मेवः श्चित्राचि खुलाइवाचरा श्री अपनिया यावता तकता चित्रे से साम होवावा खुला इव्ययस्यायायव्युम्। देशःहाय्युयाग्रीःहाळम्ळेव्सीय्यम्। क्रिंक्रम्यवेः विवासारा सुसारा देवा हिट हुट ग्राट सेंसा सुसारा सेवा प्रसास्या निवास यववःवया र्वेवःग्रीःख्याः इवः यरः ग्रुयः हेः विवा यदेः वर्रे दः कवायः इवः वयात्वानावान्द्रयायावियास्य विकास्य वशक्षेत्रविदेन् वेर् श्रीवावया नित्र विद्यान नित्य नित्य विद्यान नित्य विद्यान नित्य विद्यान नित्य विद्यान नित्य न ८८. हे. यह ती. संस्थानी रामा के या है खिया का की । वी है का है अहे कि ने से सी का निव हिर्क वर्ष निर्देश । इट र्सेट रेट राज्य राजे राजिय राज राज्य सिट

क्रेंगिशः सर्हेट दिशः नर्दयः नर्शः नुः रसः निट मी रह्यः व हितः पहिरापि राष्ट्रयाः प सर्वेट है। दे देवे नु नु ने राहे पावरा शु विद्वरास नु न से दि देवा रे ममा हे सदे दें निका होता माना है सदे देवा मा वै निकार हो सदे निकार है सदे देवा मा वै निकार सदे हैं स्वर्ध है स नशर्मैं हिस्स रदानी प्यत्र विवासिक क्षेत्र स्वराप्यता क्षेत्र या सुरा निरमी राष्ट्र वर्ष हेर मश्चार्य स्थानिरमा विष्य यह मार्था रुष या देया द कुलार्सेरान्वरावश्चरा वर्ते वे पाठेवार्वे । ने इरार्श्वरापी इरात् स्वरा र्वै, प्रस्तान्द्रि, अक्ष्मा विद्यम्भानम् । यद्याः विवासी सः अर्थेटः यः पटः भ्रेत्राच्या क्षेत्राच्या व्याप्या व्याप्या क्षेत्राच्या क्षेत्राच्या श्रुर्प्यानेत्रेत्रेत्रेत्र्याप्यम्यम्यायायायायायाया विवारिवा भ्रेवापारे चुर्या वर्नेद्रा । ने क्क्रेंन से न पर हिंद छैरा न सर परे हैं सक्त है सामर नन्द्रभाद्रम् विद्यादे माहेश विचाय देर देर या ये। विदेश ये दे। दे वि वित्रुवि देश्यर्वेद्द्रव्यादेश्यक्ष्यः भ्रीयादेश्यित्रव्याद्यः मृत्या श्रेन्यान्नरानश्चरारी।

नेतरातुः भेरायरात्वे त्रात् नेति व्यायातुः स्वायाः भेरायाः व्यायाः भेरायाः नेति त्रायाः भेरायाः नित्रायाः भेरायाः भेरायाः नित्रायाः भेरायाः नित्रायाः भेरायाः भिर्मायः भेरायाः भेरायाः

यातु निवे के अरायन्य मिर्टिन्दा यमा इत्या स्टिके विद्यान्ता म्राम्पात्र यह में । त्रामिष्य विषा व ने वे मह व के निष्य मानि व व स्थित विषय र् कुर्व्यापर्वापाया ह्रेव्येयार्व्या ह्या वर्ष्व र्थे मान्त्र नर्या मार्ने व तु कुष श्रेन पर्ने न मार्थ श्रेय न न मार्थ । मीर्थायर्था हिर्ड्यात् कुर्यार्थे मान्त्र निमामी तुः सँ मानुम्याय नार्या विगाः अर्वेदः तथा कुषः रें दे रहं तर् रेंदः के नगः नियाः नियाः स्वार् रहेगा हे र्रेंदः। नु रसा निरमायमा मा भे रामें न दुव में प्रामा गुसाम स्था स्था से मार्सि । र्द्रास्त्रिं न्याविवान्वराक्षे द्रिः तुः स्वान्नेतः न्यान् ति स्वान्नेतः न्यानेतः न्यानेतः न्यानेतः न्यानेतः वर्ह्मान् श्रुविन् । निर्मित् लेशमार्श्याप्त व्या नुम्या भेटाय वयाय श्रुवि र्रे ता श्रुषायथ। सुर्ते प्रविषात्र्यातु र्ते कुषा श्रेन ता है तुर प्रविषा है त वर्दे वारेशमां अक्षेत्राहे। तुः कं वर्तुर विदेशे सावर से द्वा हुर दवर नु-५८-तु-र्श्वे मार-द्युर-वी-रेश-धदर-स-सक्रेश-र्शे विशः सुरा-धरा दे ब्रम्याने प्रायापारम् मुन्याया । व्यास्रीयायम् व्यास्रीयायम् श्चेन्द्रन्यम् कुष्यंश्चेन्द्रमद्वेभः श्चेन्द्रम्मभः स्विन् स्त्रेभ्यः । <u> ५८.भ</u>ितास्त्रीर्यासायवियात्ताविरास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रात्तात्त्रास्त्रात्तात्त्रात्तात्त्रात्ता नशः श्वेर्यामा विर्म्यून मिया सुरया निव ने ने निव योगया थे ने निव सम् नश्चेद्राचा विर्धिति वेद्राचित्र वेद्राचेद्र वा विर्धिति वेद्राचेद्र वा विष्टि विद्राची विष्टि विद्राची विष्टि विद्राची विद्राची

वेशःश्चेरश्रामान्दा वदीःयाद्देःष्ट्रमःक्रयाश्चेदःद्यावःक्रयःस्मानः र्बेन्। सुर्ने नव्याव्यात्रयातुर्ने न्दर्यमुर्ना वेयायायायी सुर्या क्याये हो सुर्या में हो से क्रेंत्रअर्द्राष्ट्रवर्ष्यअरदेरित्यर्ग्यक्षुत्ररथः वार्वेवरवु क्ष्यश्रञ्जूवार्षुः वार्शेषा हेशमा सेन्या स्थान स स्रेसरानिराहेसामासेन्यतराङ्गुम पेन्यतरादिमार्गे उरासेः झुनान्या म्नेंत्रस्यमार्ग्यमान्याने नार्वेत् तु द्रम्यमा मुयारेवे स्वामा सूरायवे वनशः तुर्दे विशः नर्ते शत्रा श्रेन स्रिन स्था ति दे स्था ति स्था र्क्षेयायान्त्रेयायान्त्रेयायान्ययान्त्रेयायान्ययान्त्रेयायान्त्र्ययान्त्रायान्त्र्यायान्त्र्यायान्त्र्यायान्त्र मविव् नु मुस्र स ग्री स देश मा सुदे रहें। विवा पर न स्र स स र र ब्गिशंभिया दे:द्याः श्चेदः श्चेशं र्ळायः दः हे चः द्राः। क्वेंबः र्येशः कुयः रीः श्चेवः इत्याने वित्यामया गुर्डिये शुर्चियात्या के प्येता गर्वित तुरम्यया स्री रशमिव्यान्त्र मुर्गार्श । भ्राम्भ मिन्न मि निया | दे : इस्र सञ्जूषा प्रमः ग्रुसः प्राप्ता मुखः रेविः म्रापः याप्ता प्राया प्राय प्राया प नन्ग उना वर्षे र भी भी रें निर क्षेत्र है ना सके शत् की निनाना सर निर्धा न'न्न्। क्विंत'र्यश्चें'अ'नगुअ'नगु'वहेन'र्स्ट्रेन्श'यर'वगुर'र्से ।क्वें'केंन् ठेगानठन्द्री । ने न्याने क्यायान स्टास्टा मी श्रीट स्ट्री हिन् म्यायान स्त्रीया यारशारी प्राप्त के वि स्त्रा स्त्र के प्राप्त के प्राप् ग्रवशन्दरहे न विग्रा हु वें अदे हु वार्से नित्र हे ग्रवशन वस्तर से वर्त्ते । दे इसमायर कें दर्दर्द क्यामा भी माने दर्भ कें में केंद्र में र र्रेर-शुर-प्रन्ता भेर-भुभ-देशप्रशहे-भूर-पीत्रप्रश्रुभप्रश्रा रह-रह रेग्राम्मुयाश्चेन्राश्चेन्रायायास्त्राह्म ने स्रम्याह्म श्चेन्यो स्वित्या स्वन्या धेव सूत्रावया समान्वेव श्री श्री मार्थे न स्थान यर में नड्या हे कि ते में म्यूम पार्टा व्ययमा हत सी के मार्थी पार्टी से मार्थी मार्थी से मार्थी मार्थी से मार्थी मार्थी से मार्थी मार्थ यथा श्रेरःश्रुशःश्रेयशः हे पाठेपायाश वित्याय प्राप्ता श्रेरःश्रुशः अविद्योश वर्ग्नेत् । इतः श्रेम वर्ततः श्रेमः हो हो नः वर्तः हो नः नः नवाः उवा वात्र शवाब्द र अकेदी श सेवा शर्य वा रेवा इट सेट देश वासे र सी । ॻॖॱॺॱतॖॺॱक़ॗॸॺॱॸॖ॓ऻॎख़ॖॱक़ॗॖढ़ॱॻॖऀॴऒॕॸॱढ़ॖॎ॓ॸॱॻॖऀॱढ़ॺॱय़ॱॻ॓ॴज़ॺऻॎॸ॓ॱढ़ॺॺ ॻॖऀॳॱक़ॕ॒॔॔॔ॱढ़ऻॖॎ॓ॸॱॸऻॖॾॆॳॱय़ॺॱऄॸॱॷढ़ऀॱॻऻढ़ॏॱढ़॓ॺॱॻ॒ॻऻॺॱऄ॔ॎऻॗॸ॓ॸॸॆॱॿॺॺॱ वसेवानरम्यूरत्रार्देगाम्यावसेवानरसम्यूरमान्दा सूत्रारे क्रा ग्री सेसरा ने रात्र राष्ट्रियारायावदाविया प्रस्ताया हेर में राष्ट्रिय प्रश्

नश्चर्यान्त्रम् विश्व नुर्दे । नि इस्र शर्के वार्या द्वर्या उत्ता श्वर्या पर ने सक्रमानायमाळ्वासान्नान्यमान्नी । विविवानित्रमाळेवानेमानान्या वेश नडशर्शे | देवे के कुष रें प्यम्यश्चे शर्भे शर्भे शर्भे शर्भ मुं स्था द्वा है। क्रम्यान्त्रान्त्र्व क्रिन्स्मा क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क र्बे दिर क्षेत्र हिया हो दे दिया है हिया का जाया का जी । की जाया विवास इययाते सेंद्र पर्दे लेया द्वार केंद्र में या केंद्रा पृत्वे हैंद्र प्रया सेंद्र पा लेया म्यायाराने भूगा विया मुद्या विया मुखार्थी प्राप्त मुखार्थी । विया मुखार्थी । व श्रेन्द्रमायःन्नरः नश्चमा नेयरः तुः सेन्यमः भी त्र सः भूनः सन्यः मार्नेरः नृतः। यगाः इन्द्रा सूद्रार्थे के वर्षा इस्रमान क्रिया स्थान म्राचित्रः व्यास्त्रः स्वाप्तः स्वापतः स्वाप्तः स्वापतः स्वापत वश्यकुर्यं कुष्यं भ्राविष्यं भ्रित्रे सम्मूर्युर्दे । दिवेष्यं सम् निटम्न इस्मिश्या अटम्ब्रियाम वहुमित्र यहुट निर्देश समान् नित्र ने यातु से दावी वे विवास दि से दावी सु विहेश हे से दावी वे विवास वे वह स नुदे नु द न्यालु र्चियाया इसया ग्री सर्वे पार्चे ।

ने प्यानु निवि हो। वर्षा पार्ड मान्या वर्षा न्या वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षे वर्षा वर्षे नर्राक्षेत्रस्था । तुःसँ माउदायादा द्यारासँ द्या होदे साद्या नर् श्राण क्रमात्वस्य हैं हिं क्रमा हैं त्या क्रमा क्रमा हैं त्या त्या हैं त्या

सहमाहेब्यम्यायायः केव्या वर्षः स्थान्यायः विद्यायः स्थान्यायः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः

हिर्-र्-कुय-शेर्-पश्चरमा देवे-वेवा-ह-स्विह्य कुय-व-मा सून-वे वहिम्यार् होत् वित्र वित्र महाया वित्र मा वित्र मा देवे वित्र वित् मु:मुय:रॅं ख़:बूँटा देवे:देवा:हु:गा:वेज्ञव:मुव:सुव:सूँटा देवे:देवा:हु: षद्भःगविःक्रवःर्रेःनर्त्रः र्हेटः। देवेःवेनः तृः श्रुःशेःश्रुत्नः क्रीःक्रवः वि ग्री कुल में बि। देवे केवा फुल वा इवे कुल में बि केवा में मा देवे केवा फुल याये इते क्यारें विष्युर्देता राज्या नेते राज्य कुराया कुराया क्रूॅर-५८-क्रिया-मु। देवे-व्या-हु-वयम्या अः भ्रुव्या-देशः देशः नु-व्यन्त्रः न्दा यगाः इंडवः न्दा ग्लाद्येव वर्षः न्दा मद्यान्य उवः ने निर्वे । म्राम्यार् न उत्र श्री सु म्राम्यार् न उत्र विनया देवे सु मान्या देवे सु मान्या देवे सु न यह पात्रमा देवे मुले स्वामा देवे मुला मार्क हिन्दु । मार्क पार्क हिन्दु । मार्क हिन्दु । नगरन्द्र होर्दे वस्प्ता नर्द्र है वस्प्ता वर्षे वस्पार्ट मी स्र नर्डे अप्युत्तरम् नर्डे अप्युत्तर्या ग्री ख्राया उत्ते वित्ते वि क्रॅंश सर्देव प्रायम निमानि स्वीय रिया स्वीय स्व इस्रयाणी भी क्रियायायमा निष्यासे विषा चुरारे । विरी यासरारे सा नगुर्नान्य वर्षा वर्षा वर्षा प्यति । कुष्य देश वर्षा वर्ष

गडेग'नकु'ले'न्गुर्दे।

यद्विमाःहेत्राम्वार्याराःदेःहेद्वाया वर्षाः वर्षाः वर्षाः कुलारेंदिः स्वर्भा वेर्या परिष्येदाने। यदारें सावगुराव। देंदा सहे स न्वो न्यो न्यो सर्केया यार्श र्श्वेट प्रस्याया द त्यं य न्या सह य या हे सह या सहसाउवा सहसाध्वा क्रमाचेना सेन्या से सेना नहराना नहर ब्रा अम्म ब्रम वार्म रमर्ग न्वः श्र्रिम निम्ह श्रुम् गुरवा नुवा उवा न्या उव केव सें। या वी या वे केव सें। या वि हे परे या वी या वी केव या कुरानेना कुरानेन केत्रया येग्यायर्वेना येग्यायर्वेन केत्रया मर्वेद्रशेषा हे नवे मर्वेद्रशेषा इ.ग्रा देश वर्गे नदे ग्रेदा दन वर्षा र्न हु भु म्याया रन या तुर थ्वा दें र हो ता भ्वर दें। दे र र या भ्वर दें थ्वा शे भ्रे शे शे भ्रे ते भ्रे ते भ्रे भ्रम् वि ने ते नि न कुन कुन कुष में प्रमा शे भ्रम् वहेंत्र रु कुया श्रेर न श्रुरमा देवे विंग रु र ग्रायर्या देवे तु न कुर कुया येनरायनेनर्भ देवे तु नक्तु द ग्री कुष में दुवा वि शुरा र्रें द वी राप र हू श्रेर कुल श्रेर नश्चरशा देवे देवा हुन र्वेर प्रमाय गाय वा देवे तुन कुर ग्री मुल में बिन बे मूँ ट में ट हिर प्य र पहें व र जुटा देवे के मा कुल में क्रम्याम्यान्त्रीत्। नेतेन्तुन्नुन्नुन्नुः क्रम्यार्भे स्रुयान्तिः हेया स्रूर्णेयान्त्रारकेता मिन्याश्राक्तिता श्रीताम्बरा देवार्यमा हिस्स्या श्रीम देवार्यम्बर् या नेवे.ये.यक्टेंट.श्रम्राम्न.केम.क्ट्रंट.ग्रम्ल.स्येंट.ये बेट. र्वेना हु र के तर होता देवे र तु र तु सुर शुर्थ हो है र स्ट्रेंट मे र हो र स येनसःवनेनसःसुःकुषःश्चेन्।नश्चुन्सा नेवेःवेनाःतुःकुषःयःसःकुषःनःसा नेवेः नु'नकुन'वि'हेश'र्स्ट्रेन'योश'गाठु'गुन'ह्न-कुल'र्सेन'यातुन। नेदे'र्देया'हु' नश्चित्रा देवे देवा ए क्या ये सु देवे च कूर है हि खे कूर वी या हा या स्रित्रे में द्विर तु मुल श्री द्वा ने दे दे देवा कुल से स्रित्र स्रित नकुर्णकुषार्राविष्ठेशार्स्ट्रिंगालस्य विदा देवेर्वेषातुः कुषार्रात्या उव मदेख्य नेदेन् न कुन्य कुष में वि न कुन्यें प्रमान के नेदे र्वेना हु र्ह्से नवर। नेवे तु नक्कुन् हे वि केना स्ट्रेंन ने शक्कु य रेवे निन हु कुय श्चेन्-नश्चुम्या नेवे-वेना-हु-सुद्य-सेव्या निवे-तु-नक्कुन्-व्य-कुव-र्य-कु यानामाहूरभेमानुमा नेवेर्वेनामुन्नमाळे वर्षे। नेवेरनुम्नमुन्नमुन् निवः र्रेट्रगुः भेः थ्वा देवेः वेवा मुक्तः अर्केः थ्वा देवेः नुः नकुदः र्रेट्रगोशः गुः यहेन्द्रमुख्यश्चेद्रपश्चरमा देवेर्वेमान्द्रमायश्चरश्चेद्रा देवेर्नुपश्चर नकुर्विःनविःश्रृंदःनीयःगुःविःथ्वःतुःकुषःश्चेत् बुद्रा देवेःहेयःशुःयःनार्डे।

नेवेरतुरनकुन्राङ्गिरायीयानानाहृत्येन्राकुषाञ्चेन्याबुन्। नेवेरहेयासुर्या नन्य नेवे.यं.चक्रूनःक्रूनःचीयावन्ययासेनःनुक्तायान्यान् नेवे.व्या.पः राष्ट्रिया नेवेरनुम्कुन्कुषार्यामकुन्विमवेरक्षेराष्ट्रेरामवेर्मेन्छिरनु बुरा नेवे हे अ शु कुय में ख़ के द में नेवे चु न कु न कु य में न कु न वि न वे क्रूॅंट र्बेट हिर पदेश पर हुट। देवे र्वेग हिरेश प्रेश हिन नेवे.तु.सु:हुन्नह्ना नेवे.तु.ळ्न्भें के। नेवे.तु.चना नेवे.तु.हे.चा नेवे.तु. बन्यारुवा नेदेर्नु बर्धवा नेदेर्नु गुर्वे साञ्चना नेदेर्नु सङ्ग्राक्षा नेदेर्नु र्वेशनितः में। नेते नुर्केश ग्री से। नेते नुर्केषाया नेते नुर्केषाया हेते । यः ह्रेग्रम् हे। नेते यः श्वास्त्रम् । नेते यः श्वास्त्रम् नेते यः स्वस्य । नह्ना नेवे:नु:क्न्यावळंस्या नेवे:नु:नुक्रुस्या नेवे:नु:सु:नेटा नेवे:नु: स्मिश्यानम्य देवे तुः ह्यान वर्ग देवे तुः नदे होता देवे तुः गुन द्याय वि देवे तु से खेंद ल्या देवे तु स्रुट न से देवे तु सुय न हु सर्के व दिवे तु नवयन हर थ्वा दिये तु नवय न हर से दि दे तु ख्वा से दि दे तु . गवित्रः श्रीश्वाश्वा देवे राज्ञ नहत्रः में ।देवे राज्ञ स्ता देवे राज्ञे हैं नशः र्ये के। देवे रामविव पक्षे देवे राम्ब्रिंग्य हैं प्राप्त देवे रामविव पह्ना देवे रा मल् न इंगा देवे नु मल् नकु मा देवे नु मल् द्वा ने वे नु स्वा धरःक्रियःचदेःग्राब् देदेःतुःग्राब् च्या देदेःतुःग्राबुःश देदेःतुःग्राबुःचह्र्या

नेवे.वःनेनःहनवुःमा नेवे.वःनेनःहनकुन्मा नेवे.वःनेनःहन्गुःमा नेवेः नुःनिरःहःश्वःर्क्षेणया नेदेःनुःनिरःहःह्यःयःश्वःर्क्षेणयाः नेदेःनुःनिरःहः नक्षेट्रम् देवे तुः नेट हम्म देवे तुः नकुट नत्त्र वि नत्त्र क्षेट्रमी या म्र्रिः विरायेग्रायराष्ट्ररातुः मुलाश्चित्रा नेते देवे देवा पुत्रायावरा नन्गारी नेवे.नु:ग्रुशनशुरा नेवे.नु:नकुन:कुष:र्शनकुशन:रःहू:शेरः मुलाश्चेन्। नेदेश्वा, हुःग्रेगी नेयायम्यामुयादेन् श्वुम्यावार्क्रमः यरःश्रुतःतेःत्वायःध्रवःतःश्रुवःवा । देवेःतः येवायःयरःश्रुवा देवेःतः नक्ष्र-क्ष्यार्थ-नक्ष्य-वाद्द्रद-र्यक्षय-स्रोत्-वश्चरम् नेदेरहेम्।स्या इना नेवे.वु.वैं.ह.स.न्म.इ.स.विश्यायया वैं.ह.सवे.वु.वु.स्यानेम श्चेश नेवे.ये.वर्षेट.केवार्य.च्येशक्ष्यत्यी.वह्य.रे.श्चेट.वर्धेट.वर्षेट्रवर्षे हुःवयग्राश्चेशमा देःयानुःचित्रवयम् यगान् उत्। मुमळेतायन्या म्राम्यात्र विद्या । म्राम्यात्र विद्या । स्राम्यात्र विद्या । स्राम्य । स्राम्यात्र विद्या । यरमात्रमा नेते. तु. सेरमो प्रम्यामा नेते. तु. त्र सम्बद्धाः नेते. तु. पर्वे साथ्यः वन्या नेवे:नुःश्चायवनः वेव वेयावतुरः दे। ने वायरा स्यानग्रामानया वर्याप्यद्रात्यत्र मुलार्से त्त्रुया स्वाप्यकृत्। सुया वि से दास्य मु सुस्रा हु इनि वि व्यें दि में सर में सानगुर नि वि गित्र र मार्स मार्थ ।

### यनयाकुयागु।यह्यन्यनेप्रम्नवया

वर्देरःग्रान्ग्राश्यरःवर्षानःषश्चार्यद्वरःनवे कुषःरेवे रन्यशःश्री য়ৼয়৻য়ৢয়৻ৼৼ৻য়ৢৼয়৻ৼৼড়ঢ়৻ৼ৾য়৾৻য়৾৻য়৾৻ঢ়য়য়য়য়৻য়৻ৢয়ৢৼ৻য়৾য়য়য়৻য়ৢ৻ यरयामुयार्दिन् श्रुप्यायद्विषाःहेत् नुः चुरः हो। नेरः चुरः कुनः येययान्ययः नर्डे अ.र्वेच.र्वेच.त्र्या.त्रंच्या.त्रंच्या अ.राष्ट्रः अट्यः क्रियः रूट्यं व्यायः अ র্বিমে'ধরি'বৃষ'ব্'গ্রহ'ক্ত্রন'র্র্বন'মহ'গ্র'বরি'গ্রীহ'র্মুব্'অম'বদ্বাস্তিহ'। क्रम्यायम् श्रुन्याश्रुन्ययान्यायः स्वाधीः स्वेतः मेया शुः श्रुयः है। ने ने न केंदे कर है शेर् पर रे शेर र पाव या रें विया र पाद ख्व पदे केंदे कर र र मान्यास्य प्रता कु मान्यायायायायाया न्यायः स्वाराधेतः के ते कि त र्थे हो न स्वा थ्र न इ इ न र्व र र अ थ र व व र व व र र व व र र व व र र व व र र व व र र व व र र व व र र व व र र न्नाः ह्रेन्या अत्या स्वारा स् कुन्न राज्य सेन में या वेया सारा स्थाय या वेया सारी। यहेन सारा ही नाम से ब्रेटे ने या नुवाला विं में में इंड्रेटे हो ए नुवाले के तर्या के तर्या हो हो ए सळ्समाश्चरत्रमान्द्राहेन्द्रम्यायरान्द्राहेन्द्री हिन्द्रमायमासुन्द्र है हैंग्रम्य पर वर्दे द्राया दे । यह देवे । युवा दुः क्रे न विषा हे मान क्षुम्य हे। अः इसमाग्रीमासुनिमाग्रीः भूवामान्ते नकुन्ग्रीमाहसूदे स्नीनः स्नानि

स्वामान्यत्वीर्यात्वा । त्रिस्मान्यत्वा व्याप्तान्यत्वा । विमान्यत्वा । विमान्यत्वा । विमान्यत्वा । विमान्यत्व क्ष्मान्यत्व विमान्यत्व । विमान्यत्व विमान्य विमान्यत्व विमान्य

वह्रशाह्येरानवे से कासुग्रमाया वहे सुन्तु नुसामान वि वेदा हे दें सम्बद्धर वया देवने इससमाईना यना निर्वे नामी सर्व वर्षे देन विना पेंदा स यान्नेशाने। यन्नद्रायदेग्वादेग्वेद्राक्ष्याम् विष्यं धेवाने देश्वराध्य र्रटार्स्स्स्टरन्त्रन्ताद्धनात्वनातिहाने त्यादिन हें स्टिर्ने त्यादिन विवा विगान कु गार त्र या शुर र न यर से । तुर न दे र नो : श्लेर न वे कु दे । धुयः र् भूगमा देवे र् मार्ग क्या कास्यामा के प्राचित्र निष्म धिव पः में या भेषा चेया या या विव श्रया ग्राम्या विवा विवा से या य विगामीश हिंगशादि तमाईगायमामिराधिरामादरा रेस्हें सेरायादि नक्ष्रास्यार्थे न्दर्ञ्च नाम्यया उद्यास्य सुत्र स्य सुद्रा विषा नत्त्र सारमेषा डेशप्त्युद्यानाधेवर्ते। १देग्ध्रम् स्वापान्यस्रम्भवस्य विश्वेर्भेनामप्तर्मेषा हेन् सँग्रासम्दन्ते। ग्राम्यायहिन्यान्त्रायहिं सामनः तुन्ववेराने। वै के.स्.इ.र्गुर्मियः हुर्ववाया रे.य्याद्यियः ययः हुर्वेरः र्या हुर्योयः नश्रेव पर हैं ग्राय व्या वे द्वा पुर्ग प्राय श्रुर प्रथ भीव श्रुर रेट पर शुर्मायय। क्षर्मोरिष्ठिरान्देश्वाग्रीत्रार्थेर्पावर्थेर्पा सरानः क्रूटि वी सायव न इ जुग वी नर र र हिट हिर जुरा परे दे दे श्वा क्रूट क्षेप्राचार्य के स्वार्थिय वर्षा भ्राम्ये स्वीत्वाप्रमा स्वीत्राचा स्वार

शुर्रों । देवशर्वेरङ्खादराहेरवदेश्चनाविनाने सेरर्राववनायाया चनानेशस्य नर्वेन पर विनायर शुरायश अशर्रे हे नान्तर नुपालेनाश नर्न्त्रभूय। नकुः चैत्र चौत्राः दुर्देदः नगुः वित्राः शुः श्रूयः मः यत्राः स्त्राः स्त्राः हे निश्चस्य स्वर्ष हैं है या दव द जुट कुन ग्री किट जुट दु स्वर स्वर त्य निव्य स र्शे। । नेदे के नर्र श्रेना उद श्रेम रिन्य भरे सुव अळद नार्थ य प्र नसससामा ग्रा ग्रा ग्रा हिंदा से समान्य दे हैं या ने सामे निर के ता है। ग्रन:कुन:शेस्रशन्दि: वन: नु: दिन: त्रा सेन: श्रुदे: ग्रेन: श्रुदे: श्रुद: श्रुद यववा द्वारायक्रमा विकासमायायययात्राम्यात्रा हिर्दे हेरा ही रायदी व वर्गाकेशःश्रुभःमभ। ग्रुटःकुनःश्रेभभःद्रमदःवःवदेदःयःद्रदःवार्वेदःश्रेभभः ८८. इस.सर. ५ वहे. संदे हिंगा स.स.माश्रुस हुट न ५८ । दे स.समा न ५८ ही. यद्यर देवा से वाहेव रेवि द्यवाय वास्या वस्तुर हैं। । देवय वर्त्र र की य नरःश्रूरः नरः यावि र्वेदः पदे न्युरयः यन्यययः ने। यर्केदः कःश्रूर्केषायः ग्रे.कर.तय। वहेवायासु:रुट.यदे:श्रु.सट:र्से.यश्रुवाय। यर्ट्राग्रे.यं.स्या नुन्सेन्सहंस्यसम्बूयःहेनसुर्यास्याग्रह्यस्य नुनुन्त्रस्य स्टू र्विरःध्यामी धे रेवः ह होरहे लया यह यहिषा हा या वर्षा हो वर्षा बुव-८८-धें या अर्देव-वे अ-८८-धें ना शुअ-५ क्रुट्री नी प्राट- बुव-या केंव नाव अ हेशःशुः इतः पानश्चेत्। शुक्षः शायाः शुक्षेते श्रीयाः प्रदाशयाः वतः प्रदेश स्वर नेशनभ्रेननी ननेवनवी मुग्रास सु स्ट्रन्स सर्देव सर हैं ग्राय सर यदयाक्त्र अर्थे । दे प्यदासे से स्वापी यापि १५ ता यदस क्र या सामि या पी ५८.भीय.२वाय.चू.लट.भीय.सर.य.च८.टू. । रेपु.वाचय.पह्र्य.ची.र्.जू.च याववरर्रान्निर्दे । यदयः क्रुयः वयाः यर्वः श्रवाः यर्वः क्रियः यः मुश्रम्बा देव्यः स्राध्यानभूषः द्यानः मृत्रे स्थाः स्राधः नह्रस्य ने के सामी प्रतिस्था में स्थान मे स्थान में स्थान में स्थान में स्थान में स्थान में स्थान में स्था मूर्मित्रियः कि थि.कि.च के अ.मिर्ने चे प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमुख्य श्चरः में र हिर ने १ थ्वर र मिने में अपने र ने प्रायः से र र र ने प्रायः से न अपने व रायानर्गेति देवशन्ते द्वार्ययायाय नावश्रास्त होता क्रिया क्रिया रयः राष्ठवः वर्षिरः स्टान् कुः तुर्दे सुर्वार्षे द्यार्थः वर्षे स्वार्थः स्वार्थः वर्षे स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्यः स्वरं स्व यिष्ठेशायिं राष्ट्रेशायकु खाय दुःष्ठेशायकु खाय दुः प्राय द्वाप्ता स्रेष्ट्र स्ट्री वस्र १८८ र न १ हुर है रेस पर मने मेरा है। कें त्यु या मुसर ही বান্মম'নম'ৰমম'ডন্'শ্ৰীম'ন্ন্ৰ'নইম'ন'ৰ্ষ্ট্ন'নম'লুম'ৰ্ন্ট্য । ন্ৰ'ন্বম'ম' गःइरःनहरः वरः वीः रूपः तुः ग्विनायः है। देरः ग्वाञ्चनायः उदः श्वेदः सें स्थेः वतुअ।ध्रमानुःअ।दरःवठअ।य।दरःध्रःवकुद्राधि।दरःवठअ।य।वदेव।य।य।

नुःविद्रिःहैशःनकुःधःनदुःद्रःनदशःभःद्रमःनर्देशःभःवःनर्गेद्रो देःदशः देर्-श्रुम्याग्रीः र्वेषायान्मान्ययायाः स्र्रेम् हियानकुः स्वार्वे दिन्तो स्र्रेम् वीः न्नो वन्त्र लेश म्याया शर्भे । ने न्या सर्वे व से न स्था से व से से व मया कुलासेंद्रीपनात्रमामक्रास्प्रदार्धिन्न् नामिनामार्भी । नेदे के वसामार्थन ग्रीयासेरासुरासुन् इत्यान्या सेरासुदे हु में इते पाई पायपापिरा हुया हे। वेर्-नत्वाया भूगुःसर-वेर्नन्यःयः नर्गेर-रें। रेरनवेद्र-र्अष्ठ लूर्यार्या त्रामा अर्था राष्ट्रवार्या की जात्र हुन हुन निर्मा वार्था नडशः १८। कुः श्रेवः व्रेशः या स्र्रिः या त्रः स्वार्था स्वार्था स्वार्थः या स्वार्थः या स्वार्थः या स्वार्थः य यहर्निक्ता श्रमाञ्च वाश्रमाश्री वात्रमाश्री प्राप्त मार्थि । विस्ति विस् मन्ता नेत्रसाध्यामान्वेराञ्चायसामनसामायार्सेनासामासहन्दित्। क्रॅंप्यसुवाकेत्रमें यासुस्रेग्यास्स्रयाग्रुवानावार्येग्यायास्ट्रिडेटा कें त्युव के दर्भि अभ्रेग्य इस्था गृत्य न या सँग्य पास हिं पा कु केव में अहर त्या दे द्वा मी सृ सि है रे से सम्बाध स्याय समाव सम्बन्ध इस्रा भी शाक्षेत्र पान् ग्रम् वात्र सामि से से से स्याप्य पान विवास विवा हैंग्रायास्य व्यक्षेत्र वर्षा व्यव्याप्त वर्षा व्यव्याय व्यव्या विष्ये व्य शुया दुः इत्याशुयायायय। नन्या उपायी हें वाया भूण शुनाया दे तें निक्र

इना. ह. र गाय झे र त्यान र या र र । अर र मुरु य र र मुरु र तर र नुर र म्बर्यासन्दर्भे के या मिन्द्रिया मिन्द्र्य मिन्द्र्य स्त्राम्य स्त खु'न'हे'रुदि । यद'ने'खु'न'हेर्द्राम्बुस्यम्बि यद'नहे'रा'ने'खु'न'हे' उद्ग्री वि.स.चु.स्विद्ग्री विवासच्यात्र प्रमास्य विस्त्री विशेषास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्व र्देश्यार्से विया हुर्ये। विक्वराया शुःशुःश्रामी सेरावे। वियापार्यो विश्वेः र्दो । नडुःमः श्रेद्धः न तृषः नः लेशः ग्रःनः सूरः में के ने रे खे खे ल्वाशः शुदे । नदुःग्रेन्। स्कृत्यसेदे। विन्तुःग्रेक्ष्यस्य ने स्कृते में दर्श्वा विद् गशुस्रामा सर्केन हेत् मी ने स्वामित । न स्वामित से सि हे हि न न न ने स्थापन र्द्य । नर्डे व्यायामा से व्यान क्षु निराह में इते गुन द्वाया साम स्री । नह वुवायाक्षात्रावायार्से ।वद्धावतुवायाक्कृत्यासेवे।ववातुर्वे ।वर्केवकुत्या नुःयः कुयः रेविः विनः हुर्वे । नु वुरः वाव्यः नविः वे। वाद्यः विरः विरः रेविष्यः अर्थे श्रेगिरिवेगुवर्गवर्गवर्गवर्गे विराधिर्यं अद्भवर्षे र्र् हेरःगडिगान् ग्रुरःगात्रश्रास्त्र में लेशायसगाश्रासागात्रश्रामहत्रासायर्तेतः र्ने वेशयगुरारें। । अवराग्राराग्री:ध्याः इत्यळेंगाः गी गावशः वेराशायाः इरा 



## . ครุสานนิ ฯ ฦ ฦ ๅ ฯ ฅ ฬ ฃ ํ ฆ ฅ ฬ ๅ

য়ुःदवःषशःवद्शःहेःकुषःसेवैः।वनःहःनगवःनश्नःनःसहदःदे। देः न्वाय में त्या ने राज्य विषे वीं राष्ठ्र त्या निराष्ट्र मुराया ने राष्ट्र में जाया नेशन्त्रवार्यात्या नेशलेवाश्वर्याद्यात्रम्भन्यावाहन्यम् ख्रान्य्य यशः हुरः नः धेवः दे। । यद्गरः मिनेग्राश्रः पर्वेषः प्रायशः श्रुनः प्राव्यशः हुः क्वें गादे नर खर नविव र प्रमुद्द न तथा देश ने व्यान विश्व पर प्रमु वहें या नेशरवड्डा से ज्या नेश र्सेन सन्तो र्सेट हेनशया नेश सुन्य न न्या नेमम्भूनया नेमस्भिनया नेमस्भूनया नेमस्भूनया नेमस्भूनर् मुल्यः भाषा देशःगुः सूरः हत्या देशः भाषाः हत्या देशः वा सूर्यः वा देशः अर्दे जिल्ला ने राज्या दे गावाणवाला वाला ने राज्या है राये हो लावा वाला यान्त्राद्वेशस्यविश्वास्यस्यश्वास्यः निर्वास्यस्यः निर्वास्य ख्रा । स्वा शक्ष्यां स्वा त्रा त्रा त्री वा त

ने त्र या त्यवायायाया है। या गुरावयाया केरावा ने वाया है। हा व्युवा ही। क्रिंदर्स्याग्रीश्वर्यवाश्वर्श्वात्रेत्रम्याद्वर्श्वर्त्तात्र्वे विष्टर्श्वरेत र्थेट्याग्रीः भ्रे में देरे कें प्राया स्ययाया हे नार्या सहन त्या विकरापा के नायाया लिव के । इ. प्रस्था श्री अ. भ्री . क्रुप अ. प्रमा अ. प्रमा श्री अ. श्री . प्रमा अ. प्रम अ. प्रमा अ. प्रमा अ. प्रमा अ. प्रमा अ. प्रमा अ. प्रमा अ. प्रम अ. प्रमा अ. प्रम थ्र- र् निविष्य द्रश्या द्रा इस्र स्वर्ग निव्य विष्य विषय इस्र निस्तु निर्मा वर्षित क्षा वर्षित हिस्ति मुलर्सेदेर्से न्यर्गी अनम्बन्धन वर्षा वर्ष्य उर्ज्या यत्र नित्र वर्षे न'ने'न्ग'न्गव'नर'सह्न'क्षा नर्डेस'स्व'व्न्थ'ग्री'नस्व'च'कु यह्रेट्री नश्चेत्राः स्ट्रिंट्याः शुःनश्चेत्र्याः त्र्याः से स्याः उत्त्र्ययाः प्राः सहरारी वसवारायान्वविद्यार्थात्रम्यावस्त्रायान्तर्हरा इत्युवा য়ৢ৾ॱक़ॕॱढ़य़ॗख़ॱॸॺॗढ़ॱढ़ॺॱॲ॔ॸॺॱॶॖॱॹॖॱॸढ़ॱख़ॺॱढ़ॸॣॺॱऄ॔ॎऻढ़य़ॹॺॱय़ॱॶॱ ववे में अ उव मी अ ग्राम्याम् मी हे वे अ मु नवे कें मान में नि अमें र्वेदे-रे-र्वे-ल-पार्द्वपालमा। त्रदासदिन्द्रमा वसम्यायाया हेरास्यया रवा तुः सुदा

विट नश्चेत्र पर हैं ग्रायात्र या नर्षे या नर्षे या ने प्राया विद्या प्राया ने प्राया विद्या व नमून'रा'वाहर'रे'र्वेटरा'र्यु'र्यु'र्यु'र्य्यर्था'यर्व्यर्थे । वसवार्थारा'हेर'सूर्यः ग्रेश्राग्यरायर्त्रभेगाउदायह्याहै। स्याभ्रेत्राह्यावद्वायक्वरायाक्याह्य नदुःगिहेशः सरः ग्रावशः वशा देवे ग्रान्सशः न्याः नत्वः श्रीशः नयोः श्लीरः क्रयश्रीशन्त्रान्वर्स्यान्तेन्यान्तेन्यान्त्र्यान्त्र्यश्रान्त्र्यश्राम्यस्यश्रीशः नगररें। ।नरःभ्रनशरेरःश्चारतः सेर्डिशः ग्वःतः भ्रेनशः ग्रीशः वर्षिरः वेशः श्चूर्यते कुषार्थे तुराक्षे वर्षे अध्याय्व पर्या ग्री वर्ष्व पाया प्राप्त स्थित व्यव विषय के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्य के स्व इससायार्से से से से राज्येर जी कियार्ये । जिराक्ता जी भीराया परा ने नशक्तेशक्ष्मा धर रन हु न्दर न क्षेत्र श्रानगुर क्षेत्र के न से नुशने। गर्भर-१८५५५ वर्ष-१८ वै दुइ-१८ लेख ग्री-रद-नविव ग्री-तुस-माञ्च-क्रियायायाद्वितः क्रुयाप्येत्यासुर्ग्यक्ष्रियाया स्वयया ग्रीयादे त्या वियापार्थिया है। नेर-दिर्भात्रभावे पृते नर-५-५वो क्षेट प्रतुभाद्यवा वाशुभावा क्षेत्र से जुर्भा है। न्दर्से यायायायायाय स्प्रिंग्स्रिया मुयायान्दर मुयायळ्ताया र्शेवार्यायाळें दित्र विदेशायाया स्वेताया स्वर्थाया विश्वायाया स्वर् र्शेदे भ्रे में मंग्री मार हम मारा कर मारा के रामें रामा सुरा मुरा मार्थिया रा

र्शे | दिःरंभः ५:देभःग्रीभः ५ विषाः भः ५८ःष्ये भः विः भः ५ वाः ५ व है। विक्रिस्प्यर्गियर्व क्रिस्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य राष्ट्रेर सुर्या ग्रीया ये स्वा उदाया यदारा सहर उदार वसूदारा पेर्या शुः नश्चित्रात्र्य। वयवायायाः क्रि.हे.याः स्वानुः हिंदा विदानश्चेतः यसः हेवायात्रयः न्यानर्डेसामानेनायानर्गेन्ते। ने यानसून मागान्न न्याणेन्यासु सु । ययायन्यायायाः हुः हे गाया ग्राम्य स्वार्था स्थान्य स्वार्था स्थान याहर्व्याधेर्यासुःसुःस्वाययायर्थाःस्य । वस्यायायास्य वार्षेयाग्रारः नमून्याधित्यासु नमून्यानि दासे समा उत्ताया सन्यास महिन्त्या वसवार्यायायायोग्यायार्वेटात्यावसूत्रायातृत्राते खेट्यासु सु । स्व वन्यार्थे ।वसवायायायोग्यायार्थेन्यायाः वीयायाः विश्वायाः विश्वायः विश निरंशेश्रश्राच्यायम् प्रास्तित्या धेर्श्याशुःशुःद्यायशाद्र्याशी । है र्डं अ र् प्याद्य पाउत् र प्याद्य पाउत् र प्रवे र ने में सूर ह्या या श्री या र र र र र अधिव रवि गवि न इ इट है। ने नग वस्य उद वर्दे द ल से ग्राय रवि द्या नर्डेअप्याननुत्रानकुः इस्रशाग्रीशाहेष्ट्रान्यान्त्रान्ते स्वीत्रा ननुत्रानकुशा नशुःनःसह्नः । नरःभ्रनशःनेरःनर्डसःथ्रनः व्याधिरशःशुः सुःदनः यशयन्याव्याव्याः शुर्यान्य । य्यान्याः सेन् । स्थान्याः सेन् । स्थान्याः सेन् । स्थान्याः सेन् । स्थान्याः सेन निवया पिकेर येग्राय अर्बेट गुर है। यय द्या यय दे या सेट गो वेश नु नदे से ८ - इ. मुन मा नर्डे स स्व प्य सामी न स्व प्य न्यानर्डेसमान्द्रेन्स्स्रित्स्युसन् नुसार्स् । हि.इस.स.च्रान्यस्य मुयार्से गानि भी विश्वाम्य सेटा यो प्रभू प्रविश्वी सामा के सालु या शासी । दे या वस्यायायायायोयाळें यात्रस्त्राही । देयादे त्याळें याचे यात्रया च्या वस्त्रायायायायायायायायायायायायायायायायायाया यसर् सेंदरकें। गानि मिति सर्केंदरहेतरयर न ए पात्र सर्पादर दे हे समस ग्रीभागर्डे साध्याप्त्र भागी। नस्त्राया श्री वाया निया निया नर्भे नाया निया चुर्यार्शे । निर्मे र्सून इस्रयायायान निरम्भव वया निरमे निरम्भव ची वयाया छी । यदियाःजयाः।यटः र तसयाश्वासः स्रियशः व्यायाश्वासः श्वासः प्रदे । तसयाश्वासः स्रियशः व्यायाः थ्र'नकु'न्रा न'शु'शे'रु'य'र्शेन्यश्चि'नदुन'र्य'नवि'नकु'क्रयश'न्रा ग्रम् कुन से सराम्य प्राप्त व्याप्त के साम के स नन्द्रायास्त्रक्षा विक्रियाद्या स्वर्षे क्य द्रो र्भेना या विवाया । त्र व्याप्त विवाया । त्र व्याप्त व्याप्त व्याप्त विवाया । त्र व्याप्त विवाया । व्य वर्गाम्यस्यम् सर्वास्य स्वास्य स्वर्टा न'गर्वित'तु'न्रमय'ग्री अ'नश्चुर'न'धेत'र्वे। निश्नुत'रादे'गानुन्'र्न्य अ'ने 'उं अ' विगाखुरायमामर्वेरानमान्त्रमायाधिनाने। हेर्निहेदार्वे कुमाग्री धोपी व हैं नें नू रें न प्रशहें नें हे ल न सून पान द न र हैं हैं न र ल न ने न र

विश्वान्यायाःश्वान्यायाः स्वान्त्रात्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त विश्वान्त्र विश्वान्त्य विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्य विश्वान्त्य विश्वान्त्य विश्वान्त्य विश्वान्त्य वि

#### য়ৄ৾ড়য়য়ৢঢ়ঢ়ৢ৾য়ৢয়ড়য়য়য়য়

शॅं शॅं वर पदे नश्रू रापर थे पा इसामा वर्षे न कु ८ ५ की साम यथ। इस्रापान्यें नकुन्यें वस्रयाउन्ग्राप्यम्य कुषाग्री नक्ष्रापाने लुय.स.चु। अ.चा.चै.चवर.झुदुःध्यात्रात्मा स्टूर् तात्त्रत्रा त्रात्मा स्टूरास्त्र खुरअ'ग्रे'त्र'सु'तेवे श्रेव'यत्वा कुव्य'र्ये ग्रे'ते वे या ग्रुप्त ग्रुप्ता हे दे ही । यसर्नुस्ति केते कुरार्मे अस्तिर्द्य मानुस्ति स्वार्मे नित्र सहमास मिन यन्ता भ्रेंबायदेधिवयार्विवययभ्रेषायन्ता द्वेत्रेषानन्तरस् गरः व्हेंद्रः होत्रः यद्दा व्याद्वः विद्रः स्वाद्यः स्वादः स्वतः स्वादः ५८। गुन्द्वादाराना से किंवा ५८ त्वा स्वास्त्र सुन्स्त्र सुन्स्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास नर्षेत्रप्रार्श्विष्याप्रप्राप्ता सुर्धे सुगुर्श्वेर्या सुर्धे प्राप्ति स्वाप्ताप्तर होत्रयन्ता होत्रयावद्ययम् व्यायव्ययम् होत्य कुषःर्वेरः द्वरः वश्चरः वः अर्वेरः वः द्राः प्रशः ध्वाः विवाः शेः वर्वेः वक्चरः

ॻॖऀऺॺॱॸॺॕॎॺॱय़ॱॺॺॱॸ॓ॱॸ॓ढ़ॆॱॺॻऻॱॸॖॱॺॸॱॸॺॱॶॖॻऻॱऴ॔ॸॱॺॱॸ॓ॱॻॗॗॸॱॸॱॸॸऻ भ्रे में दे के प्राया के तार्य प्रायम्य के तार्य के तार के तार्य क नदुः ही अः नश्नान्त्रा हो अः शुः न्वाया नश्चाया विदेशा भूतः वन्या देर-श्रुर-य-वुश-श्री । नर्डे सन्ध्रुत-यन्श-ग्रीश-ने न्ना-कुय-से-हिंद-य-हेश-न्भेग्रम्भःसुःवज्ञूनःनःसध्येष्ठःग्री सर्वेन्सःमःष्ठःकेःवेन्यमुःमवेःके। यनः र्वा.तर.क्र्याश्रातपु.शरशाक्यां श्रात्त्रीयाः विच.तपु. यश्रेष्याः ताः श्राः श्रीरशाः तपुः न्नो र्श्वेट इस्स्य राष्ट्रिय द्वारा प्यारा प्रवास्त प्राप्त प्राप्त स्वास यायगुरावया सुरार्थे सुरार्थे सुरार्थे व्ययस्या सह्या सार्वे वाया प्राप्ते देवे सुरा र्शे । ब्रिंव प्रश्नेश्रीय प्रदेश क्षेत्र प्रदेश महिंग त्या प्रदेश प्रवासित व वार्व या प्रश्ने नमानेवे क्षमार्भे। उत्पन्त प्राम्यावन सक्षमाम सर्वे प्राप्त नेवे। धरावहें वारावज्ञुरावरादेवे क्षेत्रार्शे गुवादवावारावि से हिंवा वार्शिवारा मस्त्राम्या स्वाया स मः इसमान्ने वित्वानी वित्यार्भे निर्मानिमानिमानिमानिमानि नेवे क्ष्रभार्से । ब्राम्पर्से सुग्रु भार्क्षे भाग्ने व्यामान्य विष्य प्राप्त हो न वो । श्चॅरःश्वेषा'म'ठव'म्रीशर्ख्याविस्रस'न्राध्व'मदे'न्वो श्चॅरःवेषाम्रीशपार्वेव' यात्र वृत्त्र या देवे प्रथा स्वा । से या उत्तर स्वा सार दे हो दु सा या वह त्या सुत् रात्री क्ष्याविस्रभाष्ट्रस्रभारम्भाक्ष्याविस्रभाद्रात्राक्ष्यात्रम्भाद्रात्रात्रम् नमनेवेष्ट्रमार्से । श्रेषु मुयार्से मान्यम्यमानि हेवे पुर्यासु से मान्य मः इस्रमः कुषः सँ रः प्रवरः वश्चरः वर्षः प्रवेदः स्रमः सँ। । श्रेः वर्षेः বক্সুস্'শ্রীঝ'মঝ'ৠবা'বাইবা'বর্বীঝ'ঘঝ'র্ঝ'য়বি'অবা'দ্য'ঝ'য়য়য়'য়ম' वुर-न-दी नृगु-मुन-मदे-नम्भन-म-भे-म-नर्हे-नकुन्-नु-क्रेश-ग्र-मम् उट्रान्त्रयायर में वायदे भ्रवाया उत्राधित प्रशादे दे सूत्रा श्री भ्री में में दे दे किया श वर्षात्रमावनाः हेर्न् होर्पाने। वृण्युः श्रुन्याये नमून्याः हेर्पाये हेर् ग्रीयानुनामरावशुरानयानेवाष्ट्रयार्थे। वियाग्रानवानेनेनावगुरारी। विशासान्त्राः में मुस्यार्थे । धुत्यास्य कें नायासास्ययाः सुरा हुट व्याध्ययः सेटः विगारु विंदा हे भे पानहें नकु ५ ५ को भाषा कुषा में हु एत के ५ छी । रेट ला हें न प्रते क्रिया विवा वी या की या ने प्रते क्षेत्र न न में त्याव या नह्रवायान्द्रान्त्रो त्र्वायाकेवायाविकाक्षाक्षा व्याकेवायायदानेवा श्रीश्रान्नो पन्तु न स्था के तर्श्वे पान्ता वा श्रुन् पाठिया पान्ता वहिया हेत यश्चर्यश्चरम् श्चर्याचरम् अट.र्नुश्चर्याचर्याचरम् वर्षाचरम् <u>५८। अर्केन हेव यन्ता अर ग्री रे में यन्ता त्वारी रे में यक्षेत्र मुन</u>

र्ने । मान्यायह्रवायायार सेया ग्रीया ग्रीयावाया मान्यायह्रवाया हिनाया मान्या रे'य'वेशग्रार'वर्हेर्'य'द्रा वस्रशंख्रिंप्यरंश्चर्यंद्रियंत्रहर्यं दरा क्रेंश्रासक्रियाचादरा नवरासेदेश्यस्याचादरा गुन्तीस्रानगुरानाया पि.कृपा.स्य.चर्षे.या.स.लर.बुर्या पि.कृया.यु.यी.स्य.स.खुर्या.या.स्य. त्रा अरःक्रूॅब्रायात्रा क्रॅब्राञ्च्यायात्रा क्रम्यवरावनेवयायायात्रा ठेगार्देन शुरुराया बेराना मुः यायायावि छेगार्थे नरा शुर्नाया बेराना क्षेत्रस्यान्य दुराग्रेशार्शे । देवे सुम्यान्य दरारेवें ।

स्यायायाहियायही यावि स्यायविव यययायावयायहवं याद्रा न्नो तन्त्र यय केत्र पन्ना इस पर् हो हो हो न पर हो हो न र्शे । गाव्यानह्रवायाप्यम् वस्या उत् प्रित्यम् क्षु न न्द्रा गाव्या सानु दे से यानिकासुम्मेरास्त्रा । वस्रयाउदार्षिदायराङ्कातायदाङ्ग्यायानिकाने। वस्र १८८ व्या १ १८ व्या १८० व्या १ १८० व्या १ १८० व्या १ नगुर्नान्द्रा केंश्रासकेंगाचाद्रा नवदासेंद्रीत्यसामद्रा मेंद्रिस्तुग रास्त्रे मात्र रामहत्र पायाप्यत्यमायत्मिहेरान्ता हेरायमा द्वा हु से र्शे । दगे वर्त्र सव केत्र माया दगे वर्त्र सव केत्र महा वर्ते दि हैं मन्दा तुनःग्रीःसे संपद्दा कुल सिर्वे से मन्दा महरूरे मं प्रदेश

यक्ट्रिंद्रम्प्यात्वेद्रा द्वाय्यात्र प्राप्ता व्याप्त विष्णा वि

लट्सियोश्यास्त्रेश्चात्रेशः श्राम् श्राम नकु: ५८: शुअ: इ: स्वर्वा कुव: र्रे : ५वाव: र्वे : ५८: ४५: अ म्र्रिस्याङ्चे नुः हर्ने नुः हर्ने सुर्या केत्र में त्या स्वाया स्वया स्वाया स् धर-रेषा-धः र्वेच-धः इस्रश्नात्वष्यात्रात्वा नतुन् ग्री-श्रीष्यात्रास्युर-धदेः र् कें रायान्या में राया व्याया या न्या न्या स्था विष्या विष्या विष्या लूरमाश्री यहेवी.यी यरेवा.धेरे.वार्च्य यर ग्रेटेर ता ही यावे.के.वर्चवामात्रर नेन्यमा क्रेव न्यमा व्यापित मात्री मात्री मात्र न्नो वन्त्र सवा केत्र सर्वे । ने क्ष्र न्या द्या द्या स्था सी नि वन्त्र त्रे विद्यास्त्रियाः विद्यास्त्राच्या अद्यास्त्रम् अद्यास् वशःवीं नकुः अवाः विहेशः वीद्याः वावशः वह्वः वावशः अवेः नुशः वसूवः यः लट्ट्यात्रर्भश्रा अयाश्याश्रुश्चराद्धे त्यात्र स्वाराक्रेत्रा सुवा है। विया के वारान्ता वासून वाहे वारान्ता वायर वाववार निरा अरा

र् कें रापान्या निर्मायान्य क्षान्य निर्मायान्य वर्षे । वर्षे प्रमायान्य वर्षे । वर्षे यान्य वर्षे । वर्षे या उदः भेंद्राचरः श्रुप्तानत्त्रः है। वस्र शंक्ष्य प्रमः श्रुप्ताद्या इस्राधरः होः क्रेश्चानन्ता अराक्षेत्रमन्ता केंग्राञ्चरान्ता वेंग्रान्यम्नन्ता देन श्रुरम्भारान्ता वर्षे नाम इसमार्से । पात्रमासदे नुः पानि मा यदे:तु:म:५८१ क्रेंश:यक्रेंग:म:५८१ वय:नवर:म:५८१ यर:मेंश:नगुर: नः इस्रश्रेश | देः क्ष्ररः न द्वः न तुवः दरा निर्श्रः रेः पः दरा नर्देः न कुदः दी। ख्यायायायुर्यायदे भ्रान्यायदे र से से दे चुन सबद इस्य चे यायाययात्र र्स्नेन-दर्भन येग्रम्थन यही दाने ग्रास्य स्ट्रम्सन ने दार प्रियम्य स्ट्रम्स र्चेट्रम्मर्थायाययाकेराष्ट्रेपाकटाया इत्तराचेट्रिकेश म्याप्रायाटायहा केत्रची वया श्रूप्तर्था ची स्वाप्त्रिया प्रश्रूत्या हेया प्राप्त्र प्रहिया हेत् यथा वन्यासराङ्क्षानामाद्रेयाग्री मुद्रासेटानवे से से मरासवे सर्दे विमायन् मान वःश्रेः र्वात्रः स्थ्रितः राष्ट्रितः स्वात्रः त्रुषः स्वातः देशः । । यदः स्थेः यः वर्षेः वर्षे त्रः र्रे वस्तराद्य में इस्तराय में वायदे म्याध्या साम्यास्य मार्थित साम्यो नन्गानुः झुःनवे से साइस्र राज्य नन्गा से न हिंग्र संवे त्यस हेन से न स्था नन्गानुःश्चानाने द्वस्रसाग्री प्यान्द्वसायम् भूयान्यते वनसाग्री प्रान्दार्थे स्थान वर पदि क्रेंब पदि दे दे इसका वार्षि द्राया रका खुवा साम् सका पदि देव लट.कैया.स.क्ष्य.विषय.ग्री.पश्चय.स.स.ध्यय.स.स.च.ची.ट्यूय.श्री

यान्तर्भावत् स्वार्था विश्वार विद्या स्वार्थ स्वार्थ

वन्यः श्चालेया निर्मा हित्या हित्या हित्या श्चा । यद से या नगुर नवे हो । चनान्। विष्यायास्य ने सावयाययाय चुनाया विष्यान्य ना निर्मा नःमा ।गुःरुःगुञ्चेःनेःस्रभःमाववा ।सरःरुःर्वेशःसःवेशःग्वःरुरः। ।गवशःसः नुःवेशः नुर्दे । मुषः नुेन् क्षयः नः पान्यः पर्दा यद्देषायः सेनः ने त्यः पान्यः मन्द्रा गर्द्वायमान्द्रकेष्यमान्यमा । ग्रम्भम्द्रम् न्रेम्यम् वर्रेन्। ।ने सूर हो ज्ञानर्डे नकुन्न्। । भूगु से द मोदे नसून पाने। । गुर हे वर्जे नदे सुरा है व के से स्वामी से ताम के साम के स द्ध्याची विद्भाग महिन्तु राष्ट्र व र ग्रीयानश्चर्तात्राययात्री याश्चरयायायायात्रार्श्वतात्रा वृत्राग्चीःरे तें पाया इरमी रेप्पर्प ग्रम्मम्बर्भप्य प्रमुख्य प्रमुख्य गुर्जु गुर्जु स्थाय थ श्चिम् राम्या विकारमें विकारमें विकारम्य विकारम् गठिगा हु र्देट दर्गे अवदर। । द्रो से वह राज्य अधीत वस सूत्र से । दि व बें पानर्रे नकु न से वस्र राजन् कु या से मी मी दे ही त्यस खु न न सूत्र पायस यर्याक्तियात्री प्रमेष्याता मे प्रमेषात्रा में साम्यात्रा प्रमेषेयात्रा में योषा मदे कें मदि कें माने निव हु से वर्ष ना में निव कें माने निया समा समा समा र्बेसम्भे रुप्ता केंत्रमित्री सेंत्रमित्रीया के स्वामित्रमित्रम् वया द्वेश ग्रे क्रेंन न्यें दर्श र्रेश र्रेश कें मा के वर्तन न मा जुरा न प्रेंदा में दिन प

त्रेन् श्रेन् स्वर्धान्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर

यरः हैवाश्वायात्यः श्रीवाश्वायवे व्यश्व स्थशायवा वा विश्वेतः प्रसः हैवाश्वायः क्रायान दुर्वे ले यायनुत्यान वहीं कारा क्राया वहीं वायने वहीं के हो। रहा हुट हिन याल्यायाययाउटानेयार्गीते हार्टा हार्ययार्टा वाराध्यार्टा क्रार्य यन्ता भेरकेत्रभेष्यक्षयाणेत्। । नगे र्सेटक्र्यनेवा वीयायायायाया र्शेषायाम् स्थया ग्रीदे । क्षेत्रायमाप्या त्रूम्यायायया विम् सुमा केत्र सेति दि। દ્રેશ નૈદ સફેશ પશ્ચ વેગ્રાય દ્રેત્ર દ્રોદી ક્રિંગ વેર દ્રેશ વિશ્વ ક્ષદ્ર પશ્ચ ક્રેં. वर्षेत्रः इस्र अस्ति । व दुवे र्स्वे वा या श्री साम्य स्वर्धा सुन्य स्वर्धाः दे सूर्रहेश शुः वावदः वदे वगाव ह्रस्य वस्यावाय या ग्राह्म वार्ये वः व हो द दी र्देव ग्रीश दे क्रियर दे नविव ना ने नाया यथा ना सुरया पित्र हित्तु । निया सुरया यदे भ्रेर में । दे केंद्र भ्रेर भ्रेर मार्थर अप्या । यह अप्राम् अप्या श्रद्ध देव यः हैं वर्षः है। केंगाय वर्षः वर्षे वर्षः वर्षे वर्षे वेषः वर्षे । विषणा शुर्वा वर्षे । बे्रे य नर्डे न कु ५ ५ र के अ नर्थ अन्य र्थे ।

## संस्मान निष्ट्रमान सुन् गी 'स्नान स

याम्याः व्यव्याः वित्ताः वित्ताः वित्ताः वित्याः वित्

य्याश्वर्यात्री यङ्गे मुझ्याय्ये स्वापन्त्र स्वाप्त्र स

यश्चा विद्वानिक्षा क्ष्यं न्या निक्षे क्ष्यं न्या निक्षं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्षयं क्षयं

मायदी याद्य हिंद्या । स्या हु द्याया यदि सार्चे ना । वि से द्वा नकु द्या मुखर्की | भेगाभासा गुळे दार्शे दी | निम्मा हेम के दार्श मे शाग्रम विग्ना | नभून नर्डे अः श्रुः र्कें ग्रायः नें न दूर हो। । दूरे अः में स्मेन प्राये हें न दे हे ग्रा । ग्राटः कें खुरादे में राजा । नदे ना उत्रात् कें नर त्युरा । दे वे अवर ग्रीया यरयामुयादेन। ।देयायाचित्रराधरात्वात्रेन। ।देयामुरादरा वेवाया येन् छेया चुरे न्वो क्षें न्वे। विश्व नर्डे याने वे ने व त्याया वर्षे व से देशर्देव:इट:ववेर्देव। । इस्रायासटार्से रचा तुःवर्गेन। । वहिषा हेवरिषा गा क्रूॅब्र-नद्याक्षेत्र। ।याब्रद्य हेत्र-द्यं या उदार् त्याः वे या ख्रदान सूदा परे श्चेंतर्रित्रविश्विश्चेश्वर्शेश्चेंश्चर्यर्द्दर्ववायः केत्रवित्रुंवाक्च्यायरः यह्रिन्। युःश्चरव्हिमाहेवर्र्चुर्यंत्र्यंत्र्ये श्चिर्यं यह्रिमाहेवर्ष्यं क्रमार्भेन'न्येव'ग्रेम'नभून'ने। नभूव'म'मुम'यर'मह्न'ने।।

स्याक्रेश्वान्त्राक्ष्णे व्यक्ष्णे व्यक्षेत्र व्यवक्षेत्र व्यवक्षेत

### वॅन्गुं कुयानवसागुः स्नवस्

र्येन्द्रिः क्रियः स्वर्था । श्रृं व्यात्वन्त्राचि स्वर्थाः व्यात्वन्त्राधि । स्वर्थाः व्यावन्त्राधि । स्वर्थाः स्वर्याः स्वर्यः स्वर्थाः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थाः स्वर्यः स्

मुश्रामेश्वर्भन्त्र्राच्यव नत्वर्म्य विवादि । यः कुः त्रे 'विदः हे 'वेदः द्वाया कंषा द्वादः विः कुरः वेदः तः विदः तेरः वाया विवाया नःलूट्रेंट्र्जी पर्वेट्रेन्स्डिःस्त्रं स्थान्य भाष्ट्रेत्रं क्रांत्रं स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य नकु: ५८: नकु: नर्व नवेश: यन्देर: देर: वे: नर: मिन्य श्रायर: वळ ५: दे। गहसःस्याने ने में ग्रुसायनय विगामी निन् ग्री खुलायने व्यान मुग्न मान नुरान्यायरासुरान्दरियायायवे मार्नेदाया सेदाया सेदाया सुनाया हिना मदे-तुरायरास्य स्ति स्वाधी र्विषा सास्नु से रातु स्थान्य रात्र रात्र स्वारा स्व यग्।नर्डे नकुन्न्य उपिष्ठेयानर्डेयायदे स्व । उपि वेया गुन्ने रक्ष र्रे न्युर वी कें वाश वाडिवा न्र न्य रुश वाध्य विद्यो न्य स्थे । यु न्ये न ग्री:ळ:ख्यायार्य,श्रीयाय्यार्य्य,श्रीयाय्यार्य,श्री:वि.यायाः व्यामी:दी:वि.यायाः वे. ग्रव्यास्तरे देग्रयायया देट यह दायह में दि हे या ग्राम्य या या थित हैं विशः र्स्सिन दर्भेन विशः रन वि क्षा न वि दर्भ के वि क्षेत्र की प्री के दिन सम्मा यश्राष्य्रायदे यार्श्व अदार्श क्रिया वेश वेराया वेश वेरा वेश वि वकन्यापर क्षेत्र न्येव नेश रनार्ये किये गशुर न्य क्षेत्र व वर्धेत रे । हिन् पर-तु बुन पर-तत्वाया परि तु या द नि ते या तु न सुर है या तु नन्दाया त्रामिरकेर केर प्याप्य प्राप्त क्रिया व्यवाय प्राप्त केर के वाया व्यवाय क्रिया क्रिया व्यवाय क्रिया क्रिया व्यवाय क्रिया क्रिय क्रिय क्रिय क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्र

वेशमाशुरशःश्रूरःहें।।

ने या महत्र वि न उत् से पूर्य के तर्भे प्राप्त पूर्य से ज्ञा भर्या प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्त वह्रअन्यया इन्वे कुन्त्र श्रीमावर्ष्य वश्रान्य अपन्य अपन्य । यः विवः तुः याश्रयः विवाः श्रूटः या देवेः भ्रूत्रशः शुः इत्ववेः कुट् यशा येः इ.वेः इससरिवासरसु: सुरा विसादसुर नसायी र सुदि रेवास धेतरा प्वार्वी १ने भ्राव निर्मे वि नह वर्षे में निर्मे ने वर्षे सु वि नह वर्षे निर्मे नह वर्षे र्या श्रें हि नडं दर्या से माहि नडं दर्या माहि नडं दर्या से नश्हे नडंदर्भे देरमादी माद्या श्री वि न द्वर्भे । देवे श्रय श्री मुया नडंदर्भे श्रु ने गुरक्ष ने नगर्ने नरकी होरम गर्हिया हिया है । हो में लेग हो ने में ज्याया है कें ज्याया गु.र ज्याया वहूर है ज्याया छे कें लेगाया हि न्नार्भाषीः येग्रभानुगार्गे । अनुभानि थे। थे। त्युषान्यमानुनान्यन् भे। र्वेयात्रया थे। में में या देश हैं में या त्या हे में या देश है या है। नर्वा ने नग्भे नकुन्ने । कुयर्ने ने से नर्वा विनर्वन वया विश्व न्युरमानरम् विः विंगा हे विंगानरम् व्या विं विंगिष्ठ ग्राबुद्रशः नड्रवा वर्षे गिष्ठवः धेर्डा स्रूगः रे ग्राष्ठ्रवः ग्राबेग्या । ग्राव्यः रे सेंदः नर्व र्शेट्टनर्व क्ष्रमारी गुट र्शेट गुट नर्व सट र्शेट सट नर्व

वर्षास्ट्रायरार्धाहै। सुरावसावस्यानी कुषार्थे। विष्ट्रेगार्ख्यापह्रासेश षमार्क्षेत्रमा विःश्रॅरःष्ट्रेन्चर्वा स्रावेन्चर्वःभा विःष्ट्रेःश्रॅरःनद्वा रयःयः ववा वि. खंशानव्य न्या नेते. खंशान्य सामे व्यन्ता नेते. खंशा म्याश्चित्रविष्य श्रमाद्वायाः विष्य वहेषायाः प्राप्य प्राप्त श्चित्रवेषे नव्यामा है सम्मित्रस्य स्थान स्यान स्थान स शुः अर्वोद्या नगः निश्वः धे अर्वोद्या धः यद्या अर्वोदः इस्रशः श्री । के नशः सरः थिय। नरःसशःशुः इत्या कुरः नशः विरः ब्रें गुः गे ते स्रादः विनशः वः ल्रिन्स लिव ही । नग्निम निवास निवास के सामित स्वास निवास के सामित स्वास देवें विर्वेर्रेरे वाश्वरातृ वा कुर्दिन्दे न कुर्य विर्वेर्रेर यनः अर्थानाशुर्धारतः हुन्द्वरार्श्वेर्द्धराये । देवेः अर्थाः अर्थाः नेवे अभ वें न से भ शेन गा बुदा गा खुदा सें गुदा खुन वें न वें न वें न गिहेशर्ना हुर्। देर्भेदेश्र्या हे हो नेदेश्र्यादनर हो नेद्राया नियासे। इसे। दूरवारे ना नडंद सूवासे। नगः नियासे। ग्रामायान द्दासे। म्यायायायाये। अर्थेवाये। नेदेरश्रयादहिन्दरस्यान्दराषात्रवास्याविया म्रे.यपु.र्ययान्त्रे.याः ने.ययाः यहे.यन् यह्.र्यः यो.ये.यो.यो.ये.लायह्रेरः

सया देवे.चु.गा.लव.सया देवे.चु.चर.चन्नच.सया देवालाळेवे.कुया नकुन्कन विःनगःनियानहेग्यानान्ययायाय्ययान्ययाद्येर्दिन्देशकुन् क्रे.योशिषा चर.स.पूर्टे.क्रे.ज.श्रश्चयायधु.जश्चाश्वरातावि.क्टरी ट्रेयु.श्रश्च द्रि-श्चिन्यनम् ने या श्रमान नुवायमा नाष्यु उत्ता ने वे श्रमाहे निवाय ने या श्रभागश्रभायमायमायमाय दे याश्रभायवे यभार्दे में द्वापर्वेम दे याञ्चराम्बुद्यायया है याच्या । दे याञ्चराष्ट्रायया है नि दे नि युगुः यर्गेवा देवे श्रमाहे में नूगानगानिया दे त्याश्रमानिया स्ट्राना सदयः यद्याः य्यावाराः देवः केवा देः यः श्रराः यविः यराः यविश्यराः वृग्यः सर्वेवा नेवेरश्रमार्केमाहेरवर्षां भूगुर्भेदा । वक्रुन्याने इसमायमा ๚฿ฺฺฆ๛ลูฆ๛ฺฆฺรฺๅ๎ๅ๎ๅๅ๎ฐ๛ฺ๛ฺ๛๛ฃฺ๚๛๛๎ๅๅ

### ळिंसाकुत्यां से सान्ने वाक्षस्य मान्ने सान ह्रवायां ना सुना सान हिंदी सान दे । सून सा

ध्युः विश्वास्त्रम् विद्यास्त्रम् विद्यास्त्रम्यस्त्रम्यस्त्यम्यस्त्यस्यस्त्यस्त्यस्यस्त्रम्यस्त्यस्त्रम्यस्त्यस्यस्त्रम्यस्त्यस्त्रम्यस्यस्य

नश्रात्रयायात्रव्याननशाचेरानार्वेदानात्रयाधेदाची। देवायायक्वेत्रहें श्रेश्रश्रादक्ष्मित्र विर्द्धानायी के श्रेश्राक्ष्मित्र विरादित्यायाया क्रिया र्रेश थी मो से भी श्र भी द्वा देव से में निया मे वेरावादि द्वायाद्य है। तुराष्ट्रियाद्वयायया सूरावीयावया देराष्ट्रीत्। यानम्सं वि'न'वर्के न्रायह्य नवे के। यानम्सं वे नास्राय विन् ग्री नर्म र्रे दिन हिंदि दिन प्रति माश्री अधि । दिन श्री दिन श्री प्रति । से यदेःनुःगशुयःनुःगुरःन्यःनेन्निःन्।नश्रुनःमःश्रेयःनदेःश्रेवःययःनन्नःमः धीव हो। नडव से प्या अभी शिन् ग्राम्य स्था स्था दश पदि व र्नेर्ग्रेम्य रनम्र र्गु भेर्म्य केर नमूर्य भेर्म्य स् निविद्यार्थं निविद्यात् स्थून निविद्या नश्चम वर्षे वेशमावे नावर्षे न्दरवर्षे म्या

ने या में में में माद्रवान द्वा मी में मार्थ के भारी मार्थ के भारती के भारत ग्रे भ्रेग्रायायार्थ्य ग्रुट्यायेष्ठ ग्री वे नान्द्रम्य मारान्द्र विष्ठ वया क्रेंनन्येव क्षुन्या प्रदेशेन वो वेया ग्रामाय प्रीमाय विवास यर नक्षनमा वेंद्र देंद्र अवसा कु म्या र की छी से से प्र न इ सम वेंद्र ही र्शे.श्रेंश.क्रेंर.चेश। रेचेंट्श.पर्वे.वैयो.जश.ला.ला.ला.ला.ला.ला.ला.के.यर. यर्तिः विद्या ग्वितः इस्रयः चव्याः अःग्रयः चेदः ग्रेः ह्यः यः चर्गेद्रा ग्रयः ग्रेन्यमाग्रम्ति भ्रेमान्त्र भ्रेमान्त्र विदेष्यम्यविष्यम् र्शेवाश्वासी प्रतिशासमा विवाश विश्वासी विवाश के कि मिन्स विवास के कि मिन्स विवास के कि मिन्स विवास के कि मिन्स र्धेग्रयायायावावावीयायीयाउ कहालेयाचेराते। दे म्यासुस्य नर्गेत् कु ग्रामः यः सेन् गुरः र्वेन् यः वःन्रः वः न्रः वः क्रस्य सः न्र्वे सः सरः न्वे रसः ने नर्द्वा म्बुसर्सेन् । पर वित्रे । १८८ म्ब बुद्दार्य । नया में द्वराय के प्राप्त विवासी या क्रिंश हे तु हें द त्य थी यो प्रमुद्द प्राद्या १ व तु प्राद्य है कि हे से द व है । वर्तेन वन्ने अन्तरम्बन्ने । ने क्ष्र ग्रुम् ग्रुम् माना मुल में माना सुन में र र् जियो क्रेंन र् ज्यान क्र्वा वित्र क्रेश सर्हे क्षेर्न में दा क्रिन क्रिन क्रिन क्रिन यो द्वाया अपना अपना अपना भी वरहे विष्या भी न प्तरा के अ क्षेत्र स्था विषय ५८। व्यः संग्यः स्वायः म्रस्ययः ग्रीः स्वयः स्वायः ५ ग्याद्या देयः सरः संर नश्रमान्त्र नर्से स.रू.न दुवा त्रा हु तसुवा र्चे न सासर रू. व्यूरा भूषायोष्ट्रायाद्याया र्यंत्राया र्यंत्रायाः । स्वयःपर्या यर वर्षा मी माई मायमा मिर यर सर र न विरमा न इत से मिहे स से स ग्राट तस्य अस्ट प्रदास के देश महिमा स्वाप्त मार्थ मार्थ प्राप्त मार्थ प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्व

नमु'न'न्र'हे हे न्'य'क्रस्य स्था क्रन्'य'न्र प्रस्य स्थि हिस्स्य से प्रस्य नक्या तनम्याम्ययायदम्धानीन्दम् क्षेत्रेयान्युनुनायार्थेन्ययाये क्रिंशसुनार्यायेनार्यास्य निर्देश स्वाप्ति चुरानायानार्यस्य प्रदेशस्य मिर्नेम्बर्क्ष्यम्बद्धः भेदः हुन्दरः चर्याः चेद्रः विस्वरं द्यादः चेद्रः चर्याः धेद्रा मुर्थान्त्रिः मुद्धना नहत् मुः र्ह्नेत् र्मेर्या सक्ष्य्या सुदेः हः न्येर्य न्या मुत्यः र्मे श्रॅंटःनर्डन् ग्रीःगश्रुटः। द्वेःन्नेंब्रश्रशःनेवेःश्रेटःत्रःश्रेःनन्गश्रःनंवेगः वर्चरा देशस्य मुयाग्री वस्त्र या मुयाय चेदार्दे लेयाय बदया ग्री चुरा नु'य'ने अ'रा'हे न'रामा थे'ने 'र'धे न'सूमानमा न्या'न्यर'वम् न नर्या र्शेम्श्रासदेःगर्द्धमायमापिटायम्यविमाग्राटामहेम्श्रा वे सुवाद्यस्ति मदेःरवः तृ चुरःवः इस्रशः दरः कुवेः खुवः दशः दृः वरः सरः सें श्रुवः इरशः हेः नश्रुवायायात्रुवायम्यास्त्र्याद्वात्यात्रेत्रिक्षास्यातुत्र्यात्रुत्यात्रेत्र्यात्रुत्या ने<sup>.</sup>पन्यात्रयात्री श्रॅनाष्ट्रे नड'क् कुषार्थे होन्'पदे के या वन वेया हु। नदेः र्ह्मेन में निन्द में के के अप्याभी निवाद निया निवाद न र्ने.यश्चेत्रा के.यपु. हू. पू. श्चे. रूट. र्ने.यश्चेत्रा याद्या. तया. पट. इसया श्चे. नन्यारात्र्या कुषार्थे कें यापार्त्र राष्ट्र र यदे ज् भूट इसम कु खुय पुरा दुर्ग माय म्य या देवे खूस पा या हे या खुम  नर्नमून्य मुद्दान्य भेता देवे केंगा तुर्मे अन्य द्यापवे केंया ह्या नर्म यः श्रेंश्रान्तरे में वाश्रादवींशः मृत्राद्या । द्वादःश्रादः भी द्वादः वाश्रायः बूट यः श्रें वा श्राम्य मुशाहे। श्रद्ध भी दिर वा श्रयः बूट वी श्रामुदे मुखा सेंदिः इ८.२. मुना ने या तुरान्य स्था स्था स्थित खुट पर्ये वाया परे प्राप्त प्राप्त स्था वशक्षेत्रामदेख्रम्येवारामम्यर्वेत्रा न्यन्तियः सर्वेत्रामः केव्रार्चित्रम्या अटाली व्यायह्या क्रुया क्षुरास्या व्याप्ति न्यर उत् ग्री 'धुत्य नु 'न्य प्यते कें या यही त प्यते 'हुर कुरा से यय 'न्यतः वर्त्यूर्यं त्रम्भूवं पर्ने हिंद्र धेवा कु ग्रम् श्री अपवर में बि न पर्के बेश यनिः में निः मी विष्या में या निः स्वापितः या विषयः या निः स्वापितः स्वापित सर्दि लेश उद विवा मेश ग्राटा सर ले प्रत्या स्था सूर विहेश से ग्राट कुनःशेसशन्दादेःश्रुवायाधितायम् सुनायश्रुवा ने पिष्ठेशः श्रीशः सुन्तरा केंशनसर्भे सेंदर्स साम्याने हिर्देर्स राज्या सावदाने शकदारान वर र्नेग्रास्याञ्चर्या द्वेयाग्रयाञ्चरायराध्ययात्त्री।परान्धेत्रन् नङ्गेरास्या नेरागड्यायमाप्तरमहिरामस्यारा नेविन्त्रेत्रस्याम्य मुन्यामन में ले न वर्के न्र सहया दें भ्रिया हस सारी से निर्मा

कुर्याग्री नमूत्राया त्राया र्वाया र्वाया रावे रावाया के रहेर यात्रा यात्र र्वे रावाया न्द्र-क्रिन'सर्केन'रहु सेसस'न से हुन'रा वुस'रास वस'सामय'यस'न्याय'र्दे वेश ग्रु नवे श्रु त्यव माश्रु श ग्रु हो हो ने वश हैं हो मानव न न ग्रु हो ग्रु केत्रसंखासकेंद्रस्यस्थानमा द्युव् ह्या द्येट संखाकर केत्रसं नना सूर र्येग है। न्त्र श्रमुय रेवे नुरा रेवे नुरा रेवे नुरा है। यावत रेवे नाश्र स्वयं नश्रून्यता नर्व रेविः विष्यत्रमा सःविरः मीर्भः कन्यः नरुन् नेवारार्षेनः मश्रित्धुर्न्, श्रेन् विवारश्रिवा पुरवर्षेश क्वराय श्रेवाश न्द्र क्रें नुसान्यायात्राच्याचे देश्या विद्याया विद्याय ने वया ग्रया सूर ग्रीया सम्बर्ध सुव इरया वया देरया पा सुर्या । मेनमा नर्दन्रस्मार्स्स्न्रस्मार्थाः स्वापार्थाः स्वापार्थाः नित्रस्मार्थाः नित्रस्मार्थाः स्वापार्थाः स्वापार्याः डे धेव राये वाया सर हैं वाया था लेवा डेवा व बर में बिवा व वरे रायर श्रुव वहेन में जुर्या ह्रेंन में इस या ग्रीया हीन ही हो हो जिस सामाया या विता में विता ग्रीया या कि विता में विशःदेशःमश्रा सम्वःरितेःवयःदशा मिःरितेः र्हेशःसुम्राशः दे रिम्याः मशः येग्रम्भर्मरम्म्रम्भरहेग्मराव्यद्वर्याने होत्। भ्रेष्यद्वर्याने भ्रेष्टेर्या धेवः वेरा नेरःकुषःर्रेः र्ह्वेवःर्रेः न्रान्यक्षः प्रश्रुवः परः नश्रसः प्रश्रुवः इत्या तुयानुः कवानुः वहवा वहवः में या सुवाः यहन्। नेवे के यावनः में या

दिः भ्रेत्यादिन् श्रुम्या ग्री निश्चन याया नया सिवे स्रक्षिन् हेन ग्री जुम्तु। विन्तु। न्यामदे के शासेयान सूर्वाययान नामाने सुषाम्यान सुषान्या वेया र्स्य चित्र ची यात्र न्या ने स्वर्धी से नाया निया ने स्वर्धीय ने स व्यानरंदार्रायान्गे नान दुःन्नाम्ययानर्रान कुन्यार्थेग्यायाने रहे या यर में न १ न १ न में न में भी के ते के ते में इसस कि में न सर में में ने सर में में ने सर में में में में स्थान वुरावर्शा ह्रें त्रासियापायाप्याप्याप्या ह्रस्य स्थित्यापा स्थे सात्री वर्षे रहे गुर्भाम्यायम्। अर्उ रायदे स्रूरमान्दर्गे या वेरान्या वर्ष्वर्भेया यानव रेवि शुव श्रम्या श्रेम सम् रेवि स्था के सुरा मश्रम सम्बर्धिः वियात्रमा मिं में निया में मारवेष्ठ्री में मारी के साथ वित्र मुस्सामा सामा विवा मङ्गार्थ्या इ.स.वेर्था ग्राप्ता ह्यूदे त्रीतात्र के नदे देवारा ख्वारा आवत विवा र्थेन ने न्या ग्रम् श्रुव विदेव नु गिर्देन कुय में न्या भी या ग्रम् श्रुव विदेव मः मिन्दिन विवा वाशुन्या व्यावनः में नवः मिन्दः सेनयः मान्त क्षेत्रः निवः मङ्गापरादे वासेन्यायद्वा दे कुषारेवि श्रुवायदेव प्रयाश्रुव इत्याव्या र्देरश्रायात्रा र्वेषाः स्वरायम्भवः सामञ्जानिकः स्वरायाः न इसरायमा ने न्या ने या ग्री सामवता न्यन मुस्त्र स्यापि के सा

ग्रे-श्रुट्यर्ग्नर्भ्या देवस्यस्याग्रीसःग्रुट्यायस्यस्यम् वटाञ्चायः केशमर ग्रुमि ग्रेशमाया मुया केत्र रेशमित में विष्य विषय ममा ने न मे नमर में में त्या वर ख़ूरा विवा न का नुसा तयर वर कु'य'नभुम् वेश'ग्र'न'य'र्शेन्यश'रा'वर्नेश'वर्ने'ग्रुश'मस्रारा'ठ्न् मुर्श्यर श्रुमा ने वसमा उन् श्रुमान्येव श्रीमान्याया नामा ने वसा नमायाया ग्री मार्डमा स्वमापिट के त्रे देशि स्राट महिटा स्वापत्र देशिस्य स्था सुत्र स्व हें र्ने जिर्मा अर सुवा क्षा क्षुवा इरका क्षा विद्या स्टूर पुरा कुर्म र्षे अ'त्रभ'शुया'यी'नर'याद्वंया'यया'विट'स्त्रीट'स्रव'श्वयार्थ'रे'न्ट'नठर्थाय' येग्रायरम्युन। नर्द्रस्याहम्यमेदन्रुन्रायराय्यम्। ह्युदेन्त्रीर उं अ पु ग्या या परि ह अप के वर्षे पुरा पर में र अप के के या पु वर्षे पर वर वर्षे पर हेन्'ग्रे'नेर'य'विस्रस'पद'कन्'न् केंस'ग्रे'ग्र्'केद'र्से'नड्'नहिस'नड्गस् धेर्पार्द्रायकेश्रयास्त्रः भ्रवायात्र्यायाः धेर्पार्याय्यायाः विकास्त्रायाः दस्र-नः अरः में जुरः वेशः म्यायाश र्नः मुः जुरः नः त्र अशः उनः ग्रीः वर्ळेः नः त्रः वशःश्चित्र स्वाशःसळवःहेत्ःग्रीःळेशःसवःश्चेःकेःवश्चरःविदःहवःनवतः ग्रीअ'नान्द्र'य'यन। रुअ'म्रीअ'न्रे'भ्र'मा'स्दे'ल्य'द्या ने'रुअ'ग्री'र्नेन्'ग्री' 

# वॅर्गी'कुय'वॅ'इस्स्रिक्ट्यंकुर्यस्युर्ग्नह्रम्यवे'स्न्रिनस्

 नर्हेव। हिगारिक्तरे के सुर्धित्व । ने का स्वास्त्र मासी । ने नविव कुय में अर में दी विषय पर्र अयर में द्वा वि में वी श्वर कें वा शक्ष ग्रेन्यम् । वि. सक्यावि सक्या या या प्राप्त । या प्राप्त ने या विवास क्या वि नवरा । ने निवेदायर्सेयामिंदिरहेन निर्मा । मिरायदे वर्षेया वेद्या मह्दारा धेवा । शश्चरशर्द्राचे ने दुर्द्रा विद्राध्व हे द्वे छे साधेवा । श्रासर वकर कुषार र रहे वा है। या र्से इसाय श्रु रहें नाया धेता हो रे रें ना खानाय है। इयाविना वेटा ही रेला भ्री न्त्राया है न्या हे न्या हिया खुटा न सूत्राया धीता है। न्तरमी मुंग्राय प्राप्त प्रवास के विद्या क्षु स्वर हे सुर रहें।

र्थे नकुन् दुरकुष श्रेन् वेन्य दे ते ते नकुन् दुः इ गहेश न तुग्रा निरा नर्नुगुरःश्रॅरगुरःनर्द्वाग्रेशग्रहाकुषःश्रेन्द्रः वन्यह्नार्धा क्रियासान्द्रामें सान्गरासे न्द्रान्गरासे केतासे ते नहुतासे देशसे केता गशुस्रा भे। गेरिसे दरा नया से नवदर्दा वर्षे रानवदास में दर्ग रही। कुयावे व्यास्त्रिम् अपूर्विमानी सुयाययर प्रमर हो प्रायमि । दे प्रविव र् मुलारी सरारी है दिवा दशाद हुराव इसशाहे। हु सकेवा है सरार्शेट रें। ह्यु अर्केना न वर दे सुर द्वार क्या कि स्ट्रिंट हे से अ अना कें अअ से विश्वर है देव्यात्र्य विवास्त्र विवास्त्र क्षित्र क्षित

### वॅन्प्न कु'र्ने म्प्यार्थे न स्थाय दे 'कुयामनस्य ग्री'स्ननस्य

श्रॅट्र नर्द्ध त्र अर्द्ध नर्द्ध नर्द्ध नर्द्ध न्य के त्र न्य के त्य के त्र न्य के त्य के

ह्मिश्रायदे हे श्राय के द दि दूर मी कुय में मिह्र श वुरा दे दश दि स्था दि स इंट वियापात्रयात्र ब्राम्बे कुषार्ययात्र द्वा दिया दिया अट स्यट विया मदे र्ह्मेन में महिमा मी अर्टे केंगा ग्रुअ हे कें मर्जे मही मा है महिमा है ने मा हिमा है ने मा हिमा है ने मा है में महिमा है महिम ग्री'नक्रुन्'मं म्रोद्ध में र प्र बेश प्रश्राध्य । अर अर प्रमान क्षेत्र म्रोत् म्रा अर प्रमान क्षेत्र में प्रम क्षेत्र में प्रमान क्षेत्र म नेवे-तु-न्व-भेव-ने-कुष-में-तुर्। व्हेवे-तुर्ग-सु-हं-न्व-भेन-नवे-मङ्गे-न ननेवायासर्वेदानामिक्राण्येयाचेनायाकुदानुवे कें यान्वान्यान्या मितःलीकारी श्रीम्या द्रम्य श्रीमः सम्प्राप्त श्री स्था स्था स्था नश्चरा ने वया ग्राइट है न हिते नर न कुत न हित्या ने वया न्वाची मुलारम्बा है जु सम्बे न्वा न्वा न्वा है ते मुला से दे तुषा स्वा कं से कं वेर'नवे'र्ज्ञेत्र'र्से शक्तुय'र्स'र्ज्ज्यात्र'त्र्याश्चर'र्ज्ज्यार्स' जुर्या देवे' क्रॅंब्रॅस्.यं.यं.वंश्रामं वियाचीशः क्रियाशा देवे हेशः शुः नेयुः क्षेटाचीः नकुन्यायान्द्रकेरानभेक्षियानुद्रानि नभेक्षित्रम् नुष्रान् हैं में खेद नु नहरा वेंद नु रानरी हैं र वित्र रादिया देश है प मीशक्त्रायां उत्तर्दे में येद प्रमान्येद प्रमान्येद ने या प्रमे केंद्र ८८.३ थे.श्वर.४.५.६.२५५५ विष्ट. ११ विष्ट. ११ विष्ट. ११ विष्ट. ११ विष्ट. ग्राबुद्रा क्षेद्रःश्रद्राकुषःसिदिवेषकुद्राध्या द्रयग्रद्रम् कुषःसिवेषकुद्र 

सर्केन्। केट सट मी न कुन ने किन द स्था सुदे नायट ने थि वेर नदे कुय में यन्तुःगहिरानुदा देव्यावदाग्दाद्दरावेयाययाकुषायार्वेग्याही देवेः बरानी कुषारेंदि र्वेना साधिता देशा रार्थि सूना नी र्वे वा कुषा राज बुराद्या र्ये निर्मुर श्रीन निर्मुत्या निर्मु द्वाया प्रमुखे स्वापित स् मुश्राह्य विश्वादिश्वाद्य स्त्रात्र स्त्रीत्तर्म विश्वाद्य स्त्रीय स्त्रीत्य स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स न कुरे ने न न स्था विषय स्था ने दे तु बर बरे हुं र बे अ स्था से हि व्याक्त्यायायाव्या देव्यायाद्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या न्रःश्चेश्वात्रः त्रेशः न्रः व्याव्याः व्यावः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्यायः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्याव्याः व्यायः व्याव्याः व्याव्यायः व्यायः व्याव्यायः व्यायः व्यायः व्याव्यायः व्यायः यायः व्यायः व्यायः मश्राभित्राया में द्राविश्वर्याया दे द्राविश्वर्या दे द्राविश्वर्या हिन्द्रा न्यमा श्रेर वें मान्य यमर हैं दान उत्यम से राद्र रेत रें के वे रेम्य यर में न सुर द्राया वरे हुर वी श स्र श से स्वर किर में र हैं स्यायार्थे सूराया हीता दे तया पळापारा गुत्र द्यायार्से हे दे प्रायो से हि धिवाया वर्गन्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र र्र्यायु र्वा तर्यो न स्वा राष्ट्रीय राष्ट्रीय राष्ट्रीय राष्ट्रीय स्वर स्वर हिर वी रा वन्या नेवे:नुःके'गादुःहं र कुषःयर नर्ने वा नेयः कुषः चें नुन्यवे खुषायः र्सि हि त्या श्रीमा निवेश्व श्रीमा निवेश्व श्रीमा निवेश्व श्रीमा निवेश्व श्रीमा निवेश्व श्रीमा निवेश श्रीमा न वन्यानिमा अम्राश्चिम्यम् नर्ष्यम् नर्ष्यम् नर्ष्यम् नर्ष्यम् नर्ष्यम् नर्ष्यम् नर्ष्यम् नर्ष्यम् नर्षयम् नर्षय म्नें व्यापराष्ट्रीयार्थात्र्यात्यात्र्यात वर्षासम्बद्धा कुन्दर्भेद्रा कुन्दर्भेद्रा कुष्य में मिद्रेर्भ में स्वाद्य सम्बद्ध विदर रेशायवायान्यवान्दर्भाकते हिंद्राया कुषायस्य दुःस नुस्रा हिंद्रायर्स ब्रॅट कुय अर नर्से अवशर्य है . शु इ नि हे न या शुन्य अ र्थे हिते खें या र्वे द न्यमानीयात्रमान्ययात्रयात्रम्य । धुन्तुरानीः धुन्तुरानीः म्रम् मृयःभ्रेन्यां सुसः दुः सः नृत्यां निवः दुः सः निवेशः सः सः सः सं प्रसः सः वन्या नेवे श्रयावन्या श्रीत्या में हे किया यम नश्रीया खराकी निर्मेत हैं इंट्रक्तित्रास्थायाञ्चात्र्याक्ष्याक्ष्याचीत्र्याचीत्र्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या नश्चित्रा रट.जू.र्ज.च थे.क्.चैवा.स.क्.खेवा.ट्र.क.क्टश्रास.लुची कॅर.बद्र. इं र मी श न इं त : सॅंदि : दोर्चे र : त : प्यें र : य डे मा : ब दे : हुं र : दर्श : त श : न त : सॅ र : ल्रिन्यत्वरायम्बर्ग के.यायःहर्म्यो प्रश्चराम् यारःहरःयन्यः र्शन्तुःषःकुषःशनङ्ग्रिशःबेरःनदेः।वःळेस्रशःषेर्ग्युःसरःवीशःकुषः र्रे नुषा रुषाया दुष्पेदायषा दुः द्वेषा वेषा नुर्वेषा निषा नुषा नुषा र्वेषा यःश्रेवाशःसदेःशःकःसदःनुःर्ह्ववाशा कुषःश्रेंदिःनेवःनुःश्रःवःषीवा वदेशः निटार्सि होतु ते अपर्वे हैं भु स्वाविवा कुया अ वुया स्टार्वे वकु न हु या

इन्ज्याक्त्यार्थेन देहेशक्तर्थेन देहेशक्तर्थेन्थं मुयार्सेदे नु हु महुममुयायम नहेंद्रा के में हे निया वर्ष संस्ति स्था हि बे गड्गानह्र पट कुय अर नहें वा इट इट में अ लें ड्या कुय अ चुय वर्गा न्त्रानः वे स्वाय द्वासाय स्वाय स्व न'य'गीअ'नेट'र्गेट'र्हे'र्नेट्'र्न्यह्ट्या वें'रे'हेट्'य'से'ह्ट्रव्य्याहे'र्ग्ट् र्ये.कं.चर्.क.कं.त.लुची के.ब्र्.यं.चं.चं.के.चे.क.कं.चं.त.लुचा. नर्भूषाने से हं रावी नु वार्ष्याया धेवा गीया भेरा में राहें या में राहें प्राचें राहें या राह इन्तत्वामा में में में नोडेग नत्वामा भ्रामा सुवाम सुवाम सुवाम स्वाम स्वा क्रॅन्थाबरामी कुषाप्रस्यायह्यायात्रसार्था नकु न्रान्य दुनुया स्रा बदे हिंद मी कें त्रान है सामाय । बद गाय हिंद मी कें सम्बाद स नक्षेत्रात्राचिन्नान्दाक्षेत्रात्वा ने हे त्राणी संभिद्रात्रा ने हे त्राणी संभिद्रात्री दिहे वर्षात्र्यात्र्राचर्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्याविष्ट्रेयाद्वापत्रह्र्यानेवाया ने हेन त्य श्रम वि श्रॅन थे नडं व कुष सम नहें वा कु वग हु के स हुन वर्ग विःश्रॅटःधेःनडदाग्रीःनुश्रःशुःर्यःक्षॅटःहेशःनकुःश्रॅटःवेशःश्वःनवेदःदःश्वरःहे। न्वःह्राःक्रियःस्याःभिरःस्याः व्याः व्याः निवः वर्षः व्याश्रुयः क्रियः सः

चुर्या स्टार्के नितुष्ठ इत्वाशुस्र यासे से सित्या देवे स्वार्व न्या स्वार्थ हो स्वार्थ ह बे सिं ह्वेद्राय हेत हर मे ज्या शुक्ष यह रहिर कुय वर नहेंता कें नतुन मुयार्च मुयात्रया न्त्रान्य व्यान द्वान विष्य स्था स्था विष्टे याह्माह्मानी नुःके ना बदे हम् कुया समानहें न देवे हिम् वे में में मु न्यग् गुर्न्य भेत् दुर्ने या नेंद्र ह्यय ग्रीय क्रिके हिंद्र में दि है क्या यर्ग्नेश्वर्दा रेट्सॅर्स्सर्वेव्यर्वेहेट्स्कुलर्वेश्रेन्वय श्चेर् विरुद्धार मिया कुया या विरुद्धार विष्ठा विष् यायन्या भ्रम्यास्रेतिते विष्याया विष्ट्राती मुन्हे ना ने महिन महिना ने हिन्य वि र्शेन से नर्द प्यन्य व्यास्य स्था के ना सु दे नर्द में नर्भे या वि नदुःननुन्यः क्रुश्राशानुश्राने से से स्मूरायायन्त्र। हु से नहन्ये क्रुया यर नर्सेया यु. ट्र. न किट. किया या चिया या चिट. हु. हु ये त्या तर या वु. ट्र. हेन्याविष्टेर्भेन्यदव्यक्रीय नेन्द्रम्म्यायेयार्थेर् सुर्वास्य อ्रमान्या वृषाः इः सन्वेः सः नेटः सें चुः यः यद्या वे से दे वादेटः हैं दः मी व् ळे.च.भुवःह्दःचङ्ग्रेश वे.चाड्याः क्यायः च्यायः व्यायवः व्यायः व्यायः वन्या भे से हि य पुन हर मी तु के न जुन हर न भूया ने य से हि नदे र्ये.ज.उर्मा म.मू.सं. देव.हंर.मी.य.में.सं. मेंचम.रं.नेर.रं. र्वेर्ग्री:क्रुय:वेंग्वर्याचेरायर:वेरावेंग्ह्रःवरावायावर्या वेंग्रेग्यावायेः यक्की स्वाहित्य स्वाहित्य

यत्यार्सेटार्टे। विवासदे र्क्केशवर्ग्युटातु सार्से खुनावात्मार्यदे र्क्केश नसूनसामरानन्ति। वें निहेसाग्रीसासरानार्यसार्थे। सुःह्रामुयार्यसा व्यान्यक्ष्याश्चित्राच्चित्रम् न्त्रात्याः श्वाराव्याः श्वाराव्यायाः व्या र्ये दे त्या शुः ह् दः वी तुः शुः प्रः शुः हु दः वर्ङ्ग्रेश वि र्यः तुवा श्रेदः वर्ङ्गुद्रश द्वादः र्थे शुंश दुः इन्विन्य भिन्ते सुन्य विन्थे सुन्य विन्थे सुन्य विन्ये सुन्य स नदुःगशुस्रामः त्रुत् हुं रान्त्र्रीय। न्रामें वर्षो क्रियापस्यामें त्रुरानुस्य वेंद्रिंगुःवर्ष्यः अष्येःवरः क्षेंद्रः क्षेंद्रगुःद्रद्रन्तुः वक्कुः षेंद्र विश्वः ह्रद्रह्रद वयावाद्यास्त्रे में निरायायम् सेवास्य या मुरायम् विरायम् वीयायस्य विष्या उन्देन। व्याद्राम्यायाः पद्याप्यायाः व्याप्यायाः व्याप्यायायाः व्याप्यायाः व्याप्यायायः व्याप्यायः विष्यायायः विष्यायायः विष्यायः विषयः विष्यायः विषयः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्यायः विष्यायः न्दः त्र्रेयः कन्। ने सूनः बदः वी कुयः वें गादः हुं दः त्र्यः वें हियः नकुः न्दः शुअ-दुःशॅ-५गुःशॅट-बेम् येग्रथ-धर-वहिश-दःशुग्रथ-देग्यनुग्यदःयः नवि ग्रम्भ कुः से सुवायायन्य निर्मे हार्या से हिर्मी गुःश्या ही । इर्न्स्यूया वे नर्डे ध्रम्भेर्गातुरा यार्थ हेतु व वर्षा देवे नर्त्राय हे हु र अ से नु त्या व से के स्था के से स्था के से स्था त स्था के से स्था त स्था

निर्देश्चित्वायादेवे तुर्वा भारते देरा नक्षेत्रा वे निविश्वेदान इता हो हो र्षेश्वायायन्त्रा नेव्याक्त्यास्त्रयाकन्ते। श्रीमायाने क्रियाचे क्रियाचे ८८. प्रथाता त्रात्र त्राचिता के का विषया व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्यापति नकुर्निन्न्याच्याचेराने। बरागितःहरानीयायार्से स्वाप्याक्रिया न्निम्यामात्रमा ये से से प्याप्ता प्राप्ता मा स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स क्रिंशसरार्धे नश्चुन दे प्यत्र क्रेंद्र त्या कु प्ये प्रेंद्र ता है शान कु ग्रुट्र वर रुषायदे से मा बया गराया कर से से मिरो से से मिरा गराय से मा होंगा ने कु म्यान की श्रेन निर्मेन निर्माण हेन की श्रेन संभित्र वेन वर में कुल में ष्ठे<sup>ॱ</sup>संप्रदे ।प्रस्र स्व गुर्स पो भे सः क्रुयः सर्व न सूत्र पदे न न पा से हो न मदेर् अःधेवःर्वे।।

लट्टार्स्त्रम्थः क्रियास्त्रहेषाः स्वाधः क्रियः स्वाधः स्

राद्र-कितात्र्राताकितारचन्नातकिरास्त्रेचातिरात्री साकराविरा कितारचन्ना नमुन्यक्राम्यक्ष्याम् । क्रिन्त्रक्ष्यम् । क्रिन्त्रक्षेत्रक्ष्यम् म्रेव खराय र्शे वार्य परिस्था से दे में वार्य क्या स्वर्य दे त्य परिस्था से वार्य स्वर्य दे त्य परिस्था से वार्य स्वर्य से वार्य से वार से वार्य से म्रेद्धः नेम न्रान्तिः वित्रां दूरमायमा सदालीयाम् मितायममामुरासूना दूरामिमायमामुरा वेरा विवापराज्याहे स्वरानम्या क्याप्यमारे त्याप्यम् ने ने वमा भूत हे भू नई त की नर र कुष रन नकुर भूत हेर कुर । के नित निरे म्रोदिरे मुयारनमान्त्रानमुन् ग्री हे मार्श र्में त्री के नात्रि है । बे मार्थ मुयायान्त्रम्या देवे मुयार्ययायाष्याप्रदान्त्र वेरा वसूर्यार्य वुरा कुलर्से न्तु भर्द्व न्वर्यो नुष्रश्राद्देर वीद कुलर्से चुरद्या देर वीद ॻॖऀऺॺॱक़ॖॱॸॎॺॺॱॸ॓ॱक़ॗॸॺॱॺॕऻॎऄॱऴ॓ढ़ॱक़ॗख़ॱय़ॕॱक़ॗख़ॱॺॸॱॸॿॖॻऻॺॱढ़ॺॱऄॱ न्नेव र्वे न इ न शुरा रावे न श श श्रुव हे वे कु य में नाये द ह कु य अर नस्राव्याया नायवा नायवाची मास्रान्ये मास्रान्ये वास्रान्ये वास्रान पिस्रशः सुर्या मुलार्से सासुरागितः वर्षाः भूगाईवः मुर्या हेरः रुगोः गवः मिलासुपुर्ने अ.श्री.यश्चरीतशास्त्राद्ध्यर.वैटाट्टा ट्रेंट्र मिलायश्चराता हिंदिनिव ने माले अपाई श्रुप्य है 'से अर्थे व सी अर्थे अर्थ अपार गुव द्वार हैं है अर

श्रेशः श्रुष्यः श्रू

र्नेरःग्री:मुलःरनशःल। ८८:सॅरःग्वस्थाग्री:तुःर्सेरःहःके। देवे:तुः नरके नाता नेते नुष्य करा नेते नुः के हे से रामाता ने न स्वर श्वर सेते पियार्वेद हेर पर म्यायाय प्रथम इ. ए हुर माद्य प्रथेद हेर हेर सुर प्र हराड्डे मेर्किया नेवे जुगा राम के नुवा नेवे जुर सेस्याहर्के है। नेवे जुला ह्य नेवे.चु.चु.चुक्र सेराम्बा ने प्यन्याहेर क्या से प्यायक वें प्ययाहे सान्तर त्तुःनवे नेरायया भ्रेयाया में दिवास्य करा सुरावादा विवे तुः वादे के। देवे तुः भ्रेर विस् देवे:तु:अ:तवःर्वेदिता देवे:तु:पावे:बु:पावा देवे:तु:ववे:वीटा देवे:तु: र्विरः र्विमा भीता देवे सु र इस के कि निवा है वे सु मासु स्थाना है वे सु नर श्रमःहिटानीत्रक्तयार्थे। कुःद्रःश्रमायायहित्य। श्रुत्रःथ्रं देशःव्रार्थः 

नडुःगहेश्रायान्गुरार्थे जुगाडुः इत्राडिगामाश्री हुगा झु रु गान्यानु यानेवाया दे हे य अ वीं प्रया वित्र या दिवे अय वीं ख्या कु य विया सु व्या ब्रिट्यायायावरश्चीरार्थित्या रो के के वायावरश्ची ख्रयाया ख्रीयावरा भीटा हते नर से से स्था है। रर से नक्ष न स्था निया से स्था हर्ने सार्थे न इ.चाशुम्रा दर्देदे:रेट.ल.सूर.घट.ची.नसूर.वचुर.चुटा में खुनाकुयः इंट्यीयार्यायायाया धेरस्त्राचेरस्र स्टिप्यायीया वना नवि न इ। गुः निया में श्रमा मुया में या में या में या में सुर यह व षार् कुषारें अर्थे श्वा देव केव द्रया कुषारें अ त्रुपा विष त्रुपा हुषा मियायार्द्गेट्या मियास्ट्रिटाक्षयात्रास्त्रम् त्राचेयात्रस्त्रम् क्रिस्यी क्रिस्यी र्त्रमा मर्स् हेतुरेन्यमहिरोधरक्त्यार्समक्त्यम् मार्सहेतुरे त्रभःनेरःश्ररःवीःश्रेःश्रेयः. १२ प्रतः त्रः विक्तः । प्रतः विक्तः विकारी वित्रे से दास्य में अप्ता स्था स्था स्था स्था से से स्था से स् न्नरमी अर्थे हैं शुः इपिहेश निवेद हैं र मी अर्थे निवे वितर्भ थें नक्त्र डेव श्रूट में अ वें न इ मार्थ मा की व श्री कें न तुवा सेव अव से वें से विवास में म्राटायाक्चियायर विटावयाकु श्रेवेरावर ते विवा कु वावयाकेटा कु वावयाकेटा

र्धेम् क्ष्यः भगा बुद्दम् भः भिदः ख्राणी भः भें ग्व खुत्या वेषा से श्रे भिदः निर्देश कें विक्रा क्ष्यः मित्र प्राप्त क्ष्यः स्त्र स्त्र स्त्र क्ष्यः स्त्र स्त्र

ते त्या कुँ त्र श्री क्रिया स् श्री व्याप्त स् श्री व्याप्त स् स् स् या श्री स् स् या स् या स् राम स् स् स् राम स् राम स् स् राम स् रा

# 

यद्र-मुश्राम्य स्वर्धियाम्बर्ध्याम्बर्ध्याम्बर्ध्याम्बर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धः स्वरं स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वरं स्वर्धः स्वरं स्वर

पिट हिया पाया श्रीया शाया श्रुशा श्री विश्व पायश्रू यश हे शार्वे द शी श्रिशाया इस्रयाचीयाचारान्येव सर्वेवावासुरायान्येयायान्यस्य द्वार्यान्य ८८.५.श्रेज.थ.य.वायमाराष्ट्रमामाराष्ट्रेय.श्रे.चूर.स.ट्रे.८वा.वीमाग्रेट. र्रिन्ग्रेश्चून्यः र्ख्यानिव्दुः १३ सम्बन्धः स्त्रिन्। नस्वाराः श्चीःयः षरःगुरुषःमरःगुरुषःमर्या अदयःनद्याःस्यःपःष्यतः केंद्रःद्यगुरःनदेः नगाय: न्दानश्रुव: नर्डे शः ग्री: मुः इस्र शः यो नायः प्रमः नश्रुद्र शः प्रभा र्थे व वर्गुर्रान्ययाके नार्ष्ये वर्षे र्योद्या श्रुर्त्रा प्रेर्त्राचित्रया वशःस्रिनाशःवरीरःस्वानुः त्युरःवास्रिवःयासर्वेदासाम्बनानुः द्यावारः केशाने। याद्वयाः वयाः विद्यां स्थाः स्थाः विद्यां स्थाः वर्त्रम्भे वर्के नायेग्रायम् श्रुम् न्या न्यो वर्त्त्रम् न्या न्या वर्षाय वसेयानाधेवाय। विस्रसावसानेन्युयान्तुसासुन्तो वर्तुन्ते हिंदारादे नुसा सक्सरात्री तुः क्रेंत्र देतः से किरा म्वा से विवा यो द्या यो हे रा शुः प्रचर रा व्याभुग्रायार्थे ग्रायानभूवायानभूवयानस्यानत्वात्रास्यास्यास्या यानमूत्रामा गुराना पेता विकामा सुराया नमूत्रामित्रा निवाहासाम्या रात्र्रीसः र्ह्रेन् परे वियान्य। नत्न रु स्व क्रिन् रामा संस्था या विदान धेव'गशुरर्दे। । शर्चे भूग'रे वशर्थे दुग'र्ड हम्थ'रा कुर्से हम्याका है न र्वित् नु न्विरक्षेत्र न्विरक्षेत्र न्विर्म विद्या निर्द्य क्षेत्र न्विर्म क्षेत्र न्विरम क्षेत्र निरम क्ष

नर्द्व र्ह्में में अप्तत्तु राग्विया ग्री अप्तार्ख्या ग्री राष्ट्र नहार नहार नहीर नहीर नहीर नहीर नहीर नहीं विष् यावर र श्रुव देवा में श्रुव अक्षय या स्वाय प्राय म्यय श्रीय श्रीय या र्श्रेम्यायायेनायम्। विद्यायम्। वर्षेत्रयो वर्येत्रयो वर्येत्रयो वर्षेत्रयो वर्षेत्रयो वर्षेत्रयो व ग्रीश्राक्षराया नहेत्र त्राविष्ठा वार्ष्य । वार्ष्य वार्ष्य । वार्ष्य वार्ष्य । वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य रान्ता वारायराञ्चावरान्ता नेदेखावनानुः इस्र राष्ट्रीयानुः मुराख्या ८८। गठ्यामी कें मार्चे ने ने गुर्राया में गया प्राप्त में पर्व में स्थार है। धरःहेवाश्राधायाप्त्रप्रित्वो प्रत्वाध्याप्तेश्राधराप्त्रो पर्वेश क्रॅ्रेन्स्याम्युर्न्स्ये याचे स्वाप्याम्यम्। याचा स्वरं स्वायास्य स्वरं स्वयास्य बेन्ग्यर्न्ने र्श्वेर्ने न्ने प्र्तुवर्ने सम्मर्ग्वेता ने वश्वरम् उवर्गः शु बेशकार्श्वम्यायात्रीं त्रायाधेत त्रयासूत्रार्थे॥॥

## मि तुम्रानु निष्या निष्ठ्रम्या निष्ठ्रम्या निष्ठ्रम्य

#### नश्र्वायाञ्चित्राज्ञीयाञ्चेन्यात्राञ्चे वार्यायाञ्चेन्यायाञ्चेन्या

नष्ट्रवाराष्ट्री: इ.स.कु. इ.स.कु. वाराणवान वि. त्याराष्ट्री वरायातुः नुसानड्वामी सानक्ष्रायानक्षुनसामदे नुसासु न्या सुर्ने से दे दे से साम्या

ने न्यायमें भून श्रेन् शुन्त्र स्ति स्वा भून स्वा भून भून स्वा भून भून स्वा भून स्वा भून स्वा भून स्वा भून स्व विःशुसः हे विशापिः र्वेत्रः रिनेशः र्वेशः न्दः युत्रः पदेः कुयः रिदेः नगदः र्वेतः सह्राव्या देशार्थे सुसाद्वासाध्यायाया स्त्रीतायसायात्रात्रा कें तर्वे अ है। हैं ८ मि न दे मिस्र श शु कु में ही न त शु त्वि र श है। दे ख़ श वरःशॅवःवशःविरःनर्वेवःनवेवःश्रम् वेवःव्ह्यःन्धवःवःवःच्रूशःशुरः न्नरमा पर देव केव हैं है विभाग्जान प्रमाम मा मुव रमा निमाम हो। वयः अर्वेदः यः वियाः यः जुदः कुतः अर्केयाः हुः से सरा य सुन् । सुः सुरा यदेः गर्जा में राया प्रात्ता करा हो स्वर्ग कर में स्वर्ग हो स यार्षा वार्यायायवात्रया यदः श्रुवायाद्वीत्याया वर्षेत्रः वर्षे स्वाप्यस्यः नमयान्यान्यायी | निर्द्रास्त्रीं निर्द्रास्त्रीं निर्द्रास्त्रीं |नश्रृद्र'राःसुम् राज्युरःसुरायरः सुरायदेः सुर्। | ५८: धॅरः नद्याः वीर्यार्या

हुः हुरः नरः ह्य दे वया गर्डरया र नाया या ही या यावतः में ह्या गर्षे दर न्यरः श्री अः श्रें नः नृर्धे नः शुरुष्य व्या अळ वः प्यरः नृषे नः वाश्यः नुः न न्याश ने न्या ग्रुट र्स्येम्या श्रु स्रोत्र हे रहा क्षेत्र हे स्यापर से क्ष्मा स्रोते स्थाय रु. र्सेत्र है। वैं र्रेट्सेट्ने म्वायायाय प्रत्याय या यह प्राया स्त्राय स्त्राय स्त्राय स्त्राय स्त्राय स्त्राय स्त्राय स् नभूत नर्रे अर्दर नरु अर्थ सु स्केत में त्या ही तार्वे ता सु हिंद ही अर्दे नविता मिनेग्रासिन्स्रम्भ्रम् यास्रुवानित्र निष्या स्वाप्ति स्वाप्ति । विर्मिने निष्या मर्भाषुत्र मेरानु के प्रकेरिया क्षा मित्र के निष्य न्तुयात्रयाक्त्याचे याचे याच्यायात्रयाच्याच्याचे न्त्रयासुरसुरमे केवारी गुरावयावर्ष्वायार्षित् ग्रीयावाश्वयायार के सेत्र ग्रावेंद्र सर्केवा र्वे विरानेर र्रे दियायवावयासूर विवासी वर स्वित्र राष्ट्र से मित्र हैया हेश द्याना क्रिं ची ख्राहेत सर ५ नत्या सामे प्राप्त में प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् निना हु गा वेंद्र सर्वे ना नाना रा प्रदासा स्था ने रा स्वा में सार्रे या हु ब्रेन्द्राचे वर्षे व र्शेम्बर्गस्यस्वर्भदेश्वेम्पार्यः केव्यर्भे विष्युः महिष्यः शुप्मव्यव्यव्या सर्वदः

र्वेदिः स्ट प्ययः त् मूट र्वे के पार्वेपा प्यः पर्वे प्रथः त्र शर्वे र प्रः पे के सुपा हुन्मूस्रम्य केंद्र वर्षा गुव हु कु विद र्चेव पाया से क्सर्य गुव व रे। नर्डन महिंद शिर्वेर तुन वर है। दे सूर रे विगार्के न प्यार सेदा देव यरक्षे भेगा नेरम् । देवसासदयासदात्र वसावसस्य प्रमा वसूदारा देवा केवर्र्भ्रूया से हो। पिव प्रवास्त्र केंगा मी र्वे र ही वायर। । प्रयव स्थय रेवर प्रयो यहेर्न्यश |रेवियावयाश्याव्यवश्यराध्य ह्या सुस्र र्रित्रे र्यापि सुस्र र श्रा रेप्त्रिम्प्रद्रियाद्र हेप्य द्रियाद्र हेप्य द्र्या हैय स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति शः श्रें ग्रायानान्द्रान्यान्य निर्मेद्राया केदारी निर्मेश स्वानान हे याया सन्तु वुरा इन्दर्वसम्बर्भातुःवार्सेन्सासहेरस्यानेरवर्वेदाराकेन्त्रम नन्या उया यी श ग्राम हो न ग्री या श नम्म न में हो न प्राम न हो हैं जो श त्यामयाम्बरम्य यात्वान्तिमान् र्वेवन्ति।

हेत्या श्चित्रायात्त्र्यस्य प्राप्ता स्वाप्ता स

नहनःमें। १२ तमानन्या हेर छेत से देश हैया कर पह्या परि द्वा परि देश परि यालेशानुन्यान्यो। यदे द्वियाशाचे । धारा श्री ने न्या । देवा । ने न्यान्याया प्रदे केन नुः श्वापन न्या केन स्था क्रॅंब है पर सुय देर बुद्य वर्डे पर रह है द श्री य अहंद वया वर्ड्य श्रुयः ग्री-न्गो-नदे-इन्न-वान्वईन्य-स्यह्न्ने ।ने-क्ष्र-न्यायदे-हुन्यने-क्ष नुसन्दर्भः भ्रेसान्याः भ्रामें राषे नेया मणुदः हुदः वेया ग्रामें रायो राया र्रे न्दर्य करा न्व ने पा मु र्रेव सान्द्र व्या व्या विक्र से सान्य स्थित के सायन् या व वयाग्रह्मायदे नक्ष्यायदे ग्रिन्स्यया निष्ट्रित्यया स्टिन्स्य स्टिन्स्य हेशःशुःनरःग्वर्यःनह्रवःग्राग्यायः। वेयःग्रःनरनः हुःग्रुदः स्रे अःनरःग्रेशः गिरेशको इर्डेग्गगिरेशशी दिनविवर्त्यविदर्भयाग्रीहेर्देवेशन्यन ८८। श्रम्भःमुः अर्ळे: बेशः ग्रः नाहेशःह। नवरः श्रम्भः महेशः श्री। प्रयः यः ई हे नियम् धुया निम्य सुवसायया भी नियय की नियम धुया या है साहे। वयानसूनसामित्रेसास्। वित्यस्मार्क्सार्स्स्य मार्क्सार्स्स्य स्वितारम् यिष्ठेशकी ब्रिटादर्ख्याविश्वार्शी विद्यूया श्री अविद्या स्त्री स्  वि'नवे'न्यार्थं क्यानेम्। । श्रृं स्नान्हेंन् स्वन्यः नहें स्वन्हेंन्यवे हेंग्या |दे'ख'दर्शेव|अ'द'वदे'व'दे'द्व|'द्द| अव'ठेव|'द्वे प्रेत'र्शेव|अ'ख'वर्डेव' यर पात्रभा रुभ पाल्व लिया व पक्क हो व प्य से पार्भ पार्थ पर पिराय भ ग्री । ख्वे पर्डे में न्रायम् र नुः या पड्या पायर में यह त्ये मा ख्रेपाय है। यह न यानुराद्याक्षाक्षाक्षाक्ष्याद्याचित्रायाद्या त्रुक्षेत्राच्याच्याक्ष्याद्या थ्व मदे महस्र श्री अने निया भेद के सम्सम् सह निर्मे । भर ने निया व ने नद्वन्यार्ह्यिन्ने नवन्त्रसे साधिन्यि प्रिंत्रि प्रिंत्र प्रिंत्र विकासि । श्रूट्रा विर्म्ट्र इसमा भेषा स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया स्ट्रिया क्रेव्सेन्द्रेन्द्रेन्द्रभागम् अव्याप्यम्भागम् अव्याप्यम् । विष्यापाया धेव नी। नन्म वे नेम पळेव में त्य लुम्य पवे हुँ र नवे त्यस प सूर न र्वेन'रा'ल'ल्ग्राराये'नद'रे'र्गे'न'ग्राराण्ये व'लेराम्युरम्। पर'ङ्ग्रान्य' मालवर्त्रा न्दर्भे जुन्से न स्क्रिंग प्रकेंद्र स्था । न्दर्नु स्था स्था से सि सुस है। । वर यासु तु न्यो न याया विया ग्राम्य स्था । ने सूर तु के द से या से निव निड्र इन्त्रा यन्तर हिना हिन्दी वे शुरु इन्ध्र निव हेना हन्त्वना श नक्त्र-इःइन्नेन्यः भेटः स्यामि र्ये या नायः स्वर्त्तान्य भेषा भेटः सयाः वर्दे नश्रूव मानश्रुवया परि श्रुवाया ग्रुवया वर्त्व कु इ स्थाया धिवा दे स्थूय हु केत्र'र्सेदे'ल्य'त्रम्। तसम्मार्भ'र्मार्भमार्भेन्'न्न्यहुत्र'म'सके'नदे से यद्विशःग्रीशः क्रियः नवेः धुअःग्रीः नवें दिशः सः श्रेः वदः नः नग्रवः नः ने विः वें शः मुयःळनः ग्रुस्रसः सर्वे दियः वर्दे दिवे सः ने स्थितः देव दे विदेशः ग्रुटः दिः न्वायः स्वायः विवायः विवायां विवायां या विवायः हेतः श्रीः विवयः विवायः विवायः वसग्रमायायहरूप्यार्चेत्यपरावसूत्रियार्वेत्यम् वित्रेत्ते सर्वेत्रये ਰੁਲਕਾਮਾਰਵੇਗ੍ਰਾਜ਼ੇਰਾਗੇ।ਸਿਲਕਾਰਵੇਸ਼ਲਾਰੁੱਰਾਸ਼ਸ਼੍ਰਾਵਿਲ੍ਹੇਰੇਸ਼੍ਰੀਸਰਵੇਾਬਲਕਾ उद्दर्भेः नःनकुः उं अद्राये वद्गे अगाश्चरः दें। । नन्द्रायदे द्वे अअद्वे व मीश्रासुकेत्रासिदायाष्ट्रमायाद्या सुकार्थानेश्रासुवासिक्रास्यात्र कुषार्श्वेदावर्षत्रश्चरार्थाः यार्श्वेत्याद्विद्यात्रयाधीः वी वदी विद्येयायदेः ये भें भें तु प्यत् कर् रु भें नकुर् नकु रूर निवे न दु इ नकुर पर्या । 

#### **ॲ'ळे ज'ग्री'ऋनका**

ब्रॅट्स्चर्वित्याव्यात्र्यास्याच्याः मुस्ट्रिस्चर्याः या र्से हिरे वें वा वें हूं न देव केव न व द से विद्या विद वी वा न वें प्रायुवा नवेशमंद्रेक्षं अपिद्रमें पो नेशमंत्रमा मान्यमा विष्टर

ह्रं वशानर्गेन् परे ह्र स्यापर वर पात पर्त्या । ने क्षर त वे वे वे व्राप्त प्राप्त हि वुरःनवे र्वे दे निष्ठा नक्ष्र्व पानक्ष्र्वका प्रवे खुवाका वु वका वे नित्र हु पा धेवः है। नश्रुव पः तुराना पर द्वुराना वंदा श्राया स्वार पर से सार्थ वर सर्वे । र्थे दूं नमानकु न् दुः इन्थ् निवेशनाया है में है भार्ने न् नु है वा वें दूं नमा सहया श्वीर सें केंद्र पर्दे भ्रामिविद राज्यापिकेर श्वी श्रम सक्ति हैर ग्रे:क्रॅंशयर:र्रें नश्चुर्व य:र्रेय:हु:ध्रेत्यर:दर:क्रुर्ग्ये:ध्रिवाय:विहेयाये:वि नन्द्राम् केर्यस्त द्रवर्द्दा द्रवर्द्दा व्यव्यक्षित्राम् नश्रुवाराश्चात्रात्यकाश्चीत्रास्याकाश्चीत्रश्रुवारार्वेदातुः द्रात्राया ळर'र्थे दूं न'वर्रे विं वदे नगदर्देव धेव। मङ्गे ५ नर्व इस्थ नश्चेव वश ग्रवश्याद्याः हे स्वाद्याद्याः स्वाद्याः स्वाद सुया गर्डमायगापर पर नवेरमा विरुवे गर्जनापर प्राप्त रेट मे याद्वयाः वया। विदः वः श्रीयाश्वः यात्रशः यात्रे याद्वयाः वया। विदः ददः अर्केदः हेव'सट'र्'नवेटम। गुर'नेट'नईव'त्युम'कुष'सळव'ष'र्सेग्रापदे' द्यार्चेत्। वस्याग्रीःसहरायापराञ्चाम्यात्र्यास्यवेरसायादराव्याः

रायाश्चित्राश्चरे सेते हे शाग्रदावावन ग्रीश श्चित्राश्चरा यळन पर न्नासर निर्देन सायदार्थ क्री हिरे सून नुष्युय स्वामिष्ठेन विन् में भून नु वनुसः स्वा पार्वेन पाव्य व्य प्रेंत् ह्रेत हे वनुसः स्वा पार्वे पाः इससः पर्हेत्। सवरहें तें है स सून पाय वहुं द दे। सून पिर वी से रें या द से सुरा देश र्धिन्यायाळे प्रदेवि इसायम हेंगायान्य मार्ने वार्षिन होन् हो इसायम हैंगायप्राप्त वास्रयासी ह्रस्यायर हैंगाया हस्य अञ्चर हेगा सारे भी अञ्चर शुर इस्र रा ग्री रा विं रे विं रा विं रा विं रा वे या वे रा त्र रा वे रा व हे निर्वारिन हिन्सून प्रशासके निर्वा निर्व निर्वा निर्व निर्वा निर्व निर्वा निर्वा निर्वा निर्वा निर्वा निर्वा निर्वा निर्वा निर्व निर्वा निर्व निर्वा निर्व निर्वा निर्वा निर्वा निर्वा निर्व निर्व निर्व निर्व निर्व निर्व निर्वा निर्व नकुन्यः निरः से त्थ्रायायाष्ट्रा से रागे रात्र स्थापन वा विरक्षया नश्रव रावे के। व्यायानवार नवे व्यास्त्र म्या स्वार्थ के यन्ता भेर्निवानी करत्वेनशयाया श्रेवाशया मेंत्राय है शराया श्रेवाश मः भ्रे में म्बस्य उर् ग्रे सर्व सुसर् गुम् गर्र गार्व सा ग्रूर प्रसाय र न्यर्नायाशुर्वानुन्नाया। देविनाःभूरःवनुनाःभूःनुवेःश्चाळेवःर्नेःन्नः नडरान्यायानरःश्रॅटःहैं। विं क्रेन् ग्रे सूनराःश्री

#### नुसम्बद्धानसम्बद्धानसम्बद्धानसम्बद्धानसम्बद्धानसम्बद्धानसम्बद्धानसम्बद्धानसम्बद्धानसम्बद्धानसम्बद्धानसम्बद्धानसम् इत्यामञ्जूष्ट्यानसम्बद्धानसम

याववरणराञ्चात्वरकाणे ने अप्तर्राधिया कुर्यार निरास्चिता या प्रियं हःइस्यायाश्वर्या वर्षायाये वर्षायाये वर्षायाये वर्षायाये वर्षा र्स्ने न्या विक्ता विक्रा विक्ता विक्रा विक्र विक्रा विक्र र्शेम्यायाये स्वेत्रायाय स्ति दे स्वयं व्ययं विक्रायाय स्ति दे त्याया विश्वाचेरार्से । मावतायाराञ्चायेतारेरायाशुः त्रुं ते पूर्वे स्री पाके महा केत्रनुः ज्ञानायायाने : श्रुवः इत्यावया नेयायन जीयायाने वा जित्रा विवादा क्रिंट सन्दर्भ देवे त्र बोय के वन्दर्भ अदेव सम्दे वार्य सवे क्रिव त्र बोय दर्भ नडर्भापायार्थेष्य्रापायार्थेया, तुः द्वेत्राप्यते स्रोते प्राप्ता निष्ठ्रता स्रोत्या स्राप्ता स्राप्ता स्राप्त नश्चम् में केंद्र श्री श्रीन सम्में दूं न सकेंग हु सामरा मासर हु श्रूर न इसरा ग्रीसप्तर्वापतिः से से द्वारा संदित्। संदेवा मुन्ता स्वारा ग्री केंश ग्राम्य । हिन्यम् स्निन्यम् विन्यम् स्निन्ये के के विकास के व वर्षेयान्ता नेवे न्दावर्षयान्ता युन्न न्द्रिवे वर्षेयान न्यु मुत्र हिवे वर्षेयान्वन्यःश्रीम्यायायाः स्टान् न्यू र विदा वक्षन् १३व श्रीयान्वन्यः यन। ने प्रशासके न स्थान तुरुषा वार्ष मार्थी विवास प्रमे मार्थी । वक्रन् १३व मुद्दा वेदा नेवे के मुद्दार्य म्यायाय से वेया मुत्य सामया सरम्यायाया

वेम ध्रिमार्थे द्वं न र्हे ध्वर नेमार्य द्वा कर्ष कर सम्मानमा इसरा ग्रुट्य सामराया केत्र में हूं त्य श्री त्यार श्रुत सामर में प्र में प्र हिंदा ने पार्शेवाश्वापित महे न सर्ति हैं न सर्ति स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व सहरामान्या दिन्सेते सेरायाहे सिंहे सुन इरमान्यान्या वृत्रा न्याः सहन् नः न्रा नेते स्राया स्थितः स्टाया से से त्युवाः वी से सायवितः वियानुन्नान्त्रयान्द्रान्ययान्यस्यान्यस्य के स्रेत्रान्द्रम्या के त्रान्यस्य के त्रान्यस्य के त्रान्यस्य के त्र नःलर्विश क्रुंशः क्रुंतिर्द्रः क्रुंग्रेश्वायः सरः श्रें श्रेरः वर्श्वेरा बर्यः द्यारः र्थे दूं नमार्क्षन्या कुत्रापर नेवे नुमार्श्व मुन्न नामहित्र कुरान स्वार्य रेशक्ष्रिं ग्री कुषारें दे क्रथा ग्रीया नक्ष्र प्रदे विनया है वा नश्चियापादे क्ष नु ने भुष्य मान्व मार न प्यर सासके मा के मार्ये र ने प्य र वें हूं न र र । गक्ष्वार्थे द्वाद्वा हिरासे क्ष्याय ह्वादिता यद्वाय स्था है। व्यन्तेशर्मन्त्रान्ता सम्बुत्त्र्त्राः नेशर्मा क्षेर्वे व्यात्र्राम्यश्राणे व्यावा ळॅत्रयान्त्राम्यार्भे न्वरम् कुषाणरार्धेन्ने र्ळेमाय्विरने यास्रेवामा वर्षत् पि'र्से'केश'सङ्कु'त'यानुस्रशकेंश'येग्राश्चर्म्यस्'नश्चित्र'मश्चित्'तु यव के। रुप्ता १९व शोश के शायि र विवाद शाया रिष्ट श्री रिष्ट शाया रिष्ट शाया रिष्ट श्री रिष्ट शाया रिष्ट श्री रिष्ट शाया रिष्ट शाया रिष्ट श्री रिष्ट शाया रिष्ट शाया रिष्ट श्री रिष्ट श्री रिष्ट श्री रिष्ट शाया रिष्ट श्री र व्यान्या स्रम्प्रेन्त्र वित्रित्ते स्रित्ययाचेन्यायम्य स्रम्य प्याद्वात्त्र स्वत्त्र स्वत्त स्वत्त्र स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य स्वत्त्य

दे.ल. श्चे - श्

सर-र्-तवियाशःश्री ।रे-क्षेर-व-श्रीर-वर्षनःश्रीसारी-विश्वरशःवर्शःविः नकु:८८:नकु:गाशुस:५८ स। नसूत्रप:नसूनस:५दे:धुग्रस:ठु:त्रार्स:नकु: ८८.यधु.यथु.स.योध्या.य८४.ई४.यो.क्.स्.स.स.स.ह.य.ह.स्.य. नेवे के हे सर प्रश्रे में जिंदी वित्र ने में तर सके मा कुष में श्रे में न्नाः वेता नेते के ना बुरु न्या या अर्देन ने रामा है रा ग्राम्य सेते । ग्राम्य नेत् मुःवर्षानावह्रवारावर्षानवे स्रूनानिहराया बुग्या ग्रानवे सामवः नु'नर्दन्'नि'र्ने' के अ'र्ये हि' शु' इ'माशुअ'र्येन्। ग्रा बुश'ग्री'नु' के न्द्रस्य श'ग्रार' ने नुरुष्णिन्। वे रहूं न ये द रहें न रवें न रवें र न रहें या है या वें र न वें र वें र वें र वें र वें र वें र शेटर्गरः भूगुःर्देन हिर्देशमुन ग्रेःहें ह्व नवे रेदि वेरह्मश्राग्रद र्षेत्। हैं तें तें त्रुं तुं तुं तुं ते हे र माशु अ या त्या वे त्या ते त्र हो । नरः ह्युः केत् वर्षेनाः श्रेष्पराम् वेग्या वर्षेनाः श्रेष्म वेग्याः ह्याः शुः हुः गरः ध्यान में न न में न होना या र न है न न है न के न है न न हे या या से या सामा मुनक्षेद्राची केंश इस्र मुळेर मुस्य हैं में हैं मिले निराद्य या उस यान्यायायायाया मुयानेन्द्रित् यायान्द्राष्ट्रे द्रयास्तरायास्ययाया वि वेद्र'नकुद्र'रा'श्र्यते'केंश'क्र्यश'गश्रद्या पि'के'क्क्ष्यमेंद्र'णद'र्नेद्र'रु येनरान्या ने हेन् श्री सुराया सहन ने नुया श्री प्राची स्वाम न्याया क्यानरन्तुं वित्वया अराधरान्य विवास्त्रवाः अराधेवाः विवास्त्रवाः विवास्त्रवाः विवास्त्रवाः विवास्त्रवाः विवास्

म्र्यान्यान्यान्या दे हे अस्य स्यान्यान्य स्यान्यान्य स्यान्यान्य स्यान्य स्या न्यान्यात्राक्षेत्राम्ब्य्यायाश्चरम् हिर्नि हे मिलेग्यायात्र सामि हिर्मि हिर्मि हे मिलेग्यायात्र सामि हिर्मि हिरमि हिर्मि हिरमि हिर्मि हिरमि हिर्मि हिर्मि हिर्मि हिर्मि हिर्मि हिर्मि हिर्मि हिर्मि हिरमि हिर्मि हिर्मि हिर्मि हिर्मि हिर्मि हिर्मि हिरमि वॅर्न्सिर्न्स्राश्चरा नेन्स्राक्चान्त्रार्ज्ञ्च्यार्न्ज्ञ्च्यार् ने हे अनिर सेर सेर अवश्वरा कें हैं जु इन्विया हु वर्शे में व अही हैं में गिनेग्रास्यार्थे निवि निर्वासायार्थे दूं निर्मे स्वरनेश्रास्या ग्रीसान्ये वर्चोस्रमान्त्रिः क्षेत्रान्दर्स्य स्त्रिमान्यायाया से स्त्रिन क्चा के सामान्या नेवे के नगवनान्यया पवे सुरायकेन गासुयान्य सेव सुरा स्थाप सेवाया या नद्द्राक्षेर्यान्यान्याम्याम् अरम् अरम्भूनानमुन् ग्री नमून्याम् मुर्यानम् यहरी ह्यालय स्था वर्ष्ट्रर्चनर है। सुश्क्रिय ही रश्या की वर्षित न्ग्रेव् अर्क्षेत्र कुय में प्यान्यया न में स्वेत् स्व स्व म्यान्य ब्रम्भागरार्थे द्वं नाभ्या अकेता नुःवेष् वाष्ठ्वावेष् वर्षे अत्रेष्ठा स्वर्भा र्रे यात्यार्श्वेषात्रायत्राकुर्ग्यी नत्रित्रे हो नद्भन् क्रिया क्रिया व्याप्ति हो नद्भन् व श्चे.ज.र्टातविरश्चात्र्याविया । य.इ.कि.त्यात्या.इ.स्.इ.र्टा विराक्षरा मदेःश्रमःश्चें स्वापायः भूगःभेरावो प्रस्ति श्चें वाग्री माहे रासदे कुष्टा ग्री प्रभूतः यःकुःकेरःसद्दायायार्थेषायाते। देःत्यार्वेत्वरःस्याक्षयाः विश्वरायः



खुवायान्यस्य अस्ति वायब्रिस्य। न्रास्य वायव्यवान्यस्य ग्री वान्यस्य । इस्रभाग्यम् ध्रिभाह्रे नद्भः से त्यदे विनम् त्या निष्मभाग्यः मु व्रयमः शुः निवे मः मम। वा ना मः से नः मदेः धोः वे मः के वः महे मः व मः दर्शेः नदेर्न्न् क्रुन्यार्थे के सहन्या क्रुन्यो न्यून्यो न्यून्यो न्यून्यो न्यून्य है। देवे क्केंन अपट क्केंन या र्रेन या रावे मह या दरायेंन प्रत्य में के नाम है या ग्राचर्यसाम्चीरासी विचासर्वे विसालेरासम् मुर्वे । यदी उसाम्चीरा ग्रामान्योः नवे न ने अ माहे व परी 'न्र परी 'न्र अपरी 'न्र परी 'परी 'वे अ मु नवे 'रे अ भ हैंग्राय:पर्व्युर:र्रे । रुष:यर्द्धर्य:प्रश्चेग्रय:प्रेरे:भ्राय:र्रे । ।।

### য়ৣॱऄয়ॱॸॖय़ॕज़ॱॺॣॕॸॱग़ॖऀয়ॱॸऻख़ॖऺॸऻॱय़ॸऻढ़ॸॸॸॸॸॱय़ॸऀॱॺॣॸॺऻ

चित्रे खें त्या स्ट्रें स्वर्ची त्याची त्या वित्य स्वर्च स्वर्च हित्र से वित्र से त्यो प्रत्ये स्वर् म्रुव पो भी अप्यवस्त्रा हैं या ग्रुट कुन यग्नुट याव अप्य सें या अस्य हुं वुरा नेवे भ्रे के लाभेर मन रेटम बुटा भी मो मान्य राभेर मंदे भ्रापट

र्शेनाश्रापानर्रे नकुत्रमा तुन् हिन्। तुन् हिनाश्राप्ता सुरान्या स ८८.यबु.ज.म.य.यबुर.चायाय.८यो.यन्त्रेय.ध्रांश्यायाद्वेय.ज.यादीर.याद्वेय. बेरा सुरायासुरश्यापिहरासी सामदातुर्वो प्रतेशसूदाये लेशायनर मी क में मूर्य भेर ने या मुद्रा वर्ष या क्रिया के या कि या क सक्रमा वसरमान्नरासुनाक्त्रायास्त्रमा वर्त्रमानवे सुरा श्रुअ मिहेश मित्र मित्र मित्र के के कि सम्भाय वेस मित्र में मित्र में सित्र मित्र नवेटशःसम्बर्धः हे सूर्दे हे लेशःरनःसम्बर्धः सेदः धरः से के नशः ग्रम्थाशुःनग्रम्। ग्रयःतुःदेःस्वित्तुःदेःनस्यःकुरःनःहस्ययःयःवेत्रं शुयः र्यश्चात्री. मूर्यापर प्रमायवेरमा स्वार स्वेश स्वार स्वार प्रवेरमा स्व वसाग्रीसायनाग्री:राळ्यानवेटमा देखसाग्रीयाध्रसाग्रीख्यावरा निवेदमा हैं नामी संपोद्यान सम्मिन्न स्वाप्त स् दशकः भेगान्द्रमात्वे भग्रवन्त्रावास्य नायः भेग्रायः स्वित्या द्वे त्वारीः द्युःसर्दे त्यः स्वाया प्रति त्रे स्वी स्वाया निष्य द्यो प्रति स्वाया निष्य स्वाया निष्य स्वाया निष्य स्वाया निष्य स्वाया निष्य स्वाया स्वया स्वाया स

बेर्या श्रेंग्रायाचे प्रवादे प्रवादे के से से प्रवाद प्रवाद के प्र व्यःश्रव्यःव्याः वटःश्रं के निवेट्या न्यो निवेशः सुः से शः शुः सके न्या है शः ग्रीमासी कें मारी मियानु नायस निकं निवेदमा ग्रुप्सेमान्यो निवेदा केंद्र र्स्यागुः कुःग बुद्र। देवया मुद्धिते क्षेंद्रा यद्या म्यावस्य निवस्य। देवस्य मद र् र्चेता ने त्रमके र्सेट सर से र स्वाप्यर प्रत्याया ने त्रम बर र् र्चेत मदे प्रया नु में न्या सु से साम में मिल के से कि से मिल के से मिल गिवे श्रूम् अपन्तु प्रमासकें प्रहेत दें प्रकात प्रवास दे त्र सामु से सामी यानव्यः न्यो निक्षा थे प्रत्य क्षा या मिन् क्षा या मिन् क्षा या मिन् या मिन स्वा मिन स्वा मिन स्व स्व स्व स्व स नन्गारु ग्यायु हे हैं नाशुया यर्केन मान्यायु से है । मान्यायु हे हैं । मान्यायु हे हैं । मान्यायु हो हो हो । अन्यासुरमाद्रवाराद्यो निर्वेशायम् अवारायद्विशाम् स्थान्ति । रासर्वेशन्य। धुरर्वेग्। ५८ हे वेर पाहेश्या बुर व्यापाह्य ही बर पा इससारे दसा हो या दवो निक्षा प्रसान्तु द हो साम्या स्वा है कि या मुद्रा दे दसा यार.स.ब्र्या.रेर.क्षेर.क्ष्याश्राय.श्र्याश्रायद्यायेश्वाचेश्वाचेश्वर.संद.यां बर. नःयग्राश्रार्थे। नगेःननेशःगुःभःसर्देनःनेशःयःस्वाशःभवेःस्राप्तनःनुःपरः यर.री.यश्चेरमा वर.रेम.यी.स.से.पिर.यो वर.यपु.सेयम.सी.रेगी.यपुम. म्यायमान्त्रम्योदासान बुद्या देवे पुरासु प्रमोपन ने माम्यासार मायास्य याडेशःश्रुवाःश्रेःचित्रः तृःश्रुदःवया होःश्रःश्रावदःवीः वदःगाः कुः र्ह्यः देशः

स्तः क्ट्रीं स्त्राप्तः स्त्राप्तः स्त्राप्तः स्वर्णाः स्वर्णाः स्वरं स्त्रे स्वरं स्वरं

देव्यास्य स्वास्त स्वास्त स्वास्त स्वास्त स्वास्त स्वास्त स्वास स

र्रे निवे थ। कुषान गुरुषानि देश्यानि विद्युषानि विद्युषानि वि नबेटशरादे कुषा सुना खूश ग्री खू । तिर पूर्ने र त्री श विर पर पर पर विषय र्हेग्'गेश'नवेरश'मदे'ग्वदि'गुव'न्गद'र'न'नवद'शेश'हिन्'मर'नु' वसवासा नवो नवे सन्तु से सः संवास सः नव ने से न न न न न न न नबेटशरादेगार्द्धगायगापटा नगे ननेशरीशाद्यन्तरम् रायायाया यहिराग्री से सक्सरास्य विद्यासदी याद्वा त्या विद्या स्थापदा विद्या नर-र्-त्यमार्थान्य वराधित हैं। । त्यु से र्था र्यू तर्मे तर्मे वर्षे वर् দেহ'বদ্ব'ধই'শ্লব্য'র্ই[[ [[

## यन्यायायम् वायविष्याः सुष्यायायम्

ने क्ष्रासु से सन्दर्शयायाय सन्दर्भागित के निम्हर सुर सुर विट्याट्यान्यान् कुट्यादे द्वाया द्वाया हो यु से साया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स नडुर्यानस्य शुः र्वेद् रहे नस्रेद्रायर हैं गया वर्षाय वर्षाय प्रमानस्य वश्सूरप्रव्यागर्दार् भ्रिया वें स्ट्रिया वें में अट.र् में या प्राचे कें र में र में र में र मिश्र र में शुःगरुषः ग्रुप्तभूरमा स्रमः गुःळवा वर्षेरः ग्रीमावसमः ग्रुसः ग्रुरः। सुः मेमारीयाम्याकुत्यार्भेषायाया त्रुटात्रयायायायाया हैपात्रुटा क्रनःवर्गुरःगात्रम। गुःसेरःक्ष्यःविस्रसःवर्गुरःगात्रम। सूत्रःभेराःभेराः र्या अवसर्हे हे प्रदर्ध्या के क्रेंच सके के नाम ने मुन्ने मुने सम्बर र्रे.च्यु:द्यु:द्युदे:क्रुद्द्रात्येग्रयःपदे:वेयःस्वाद्दा च्यु:द्यु:वदे:क्रुॅग्रयःवेयः र्यात्वुराविशाद्रा वावुशाई हे कुया सळव वासुसायश हुरसा श्चित्रायादेशाग्चेशायी द्वार्श्व श्चित्राते। व्याने वित्यावहें द्वार्ट्य व्याने न्यू गुः से 'त्र 'वाहे स' त्य 'झ्त 'त्र 'त्र स्य प्य स्य 'वेद 'त्य वा 'त्रे द 'ग्य र त्र सूत स्य ग्रुशःग्रेशःग्रुशेशःयःगृतृग्रश्राह्यः केरःव्योयः द्रः न्याः संस्थान्यः व र्श्रेम्यायाचेताक्षेत्रम्ययायाञ्चरया त्याचेत्रासुन्याञ्चेत्रायादेशः ययर.ज्यायायर्गयय्यय्ययायाय्यर्भः श्रीत्रायः श्रीत्रायः श्रीत्रायः ग्न-प्रास्ट्रेट नहना ग्रा स्थान स्थेत स्थेत विष्ट्रे विष्ट्र स्थान यायहैस्रस्य भीसार्य देंद्रिती सरयर्रस्य अस्र रेस्ट्रिया स्राप्तस्य सेत्र र्रेर-गुर-पदे-धु-द्रशना बुश-य-वर्द्यान-वाश्वता र-श-वह्रस्रशसु-वर्द्या यद्रायन्त्रम्यायद्वम्या ने त्यार्स्ट्रन्तु विद्यात्वा विद्यस्य शुःगर्वितः र्ख्या न्त्रुशः शुःवर्द्वेगः शेटः नगरः ह्रेन् ः यः सुः शः भेशा वर्नेशः

र्गे हिसन्तर्भार्गे हिसन्य भेर ने सन्तर्भाष्य स्टार्स् इते के से म्यायायाः मुयायळेता यार्ट्य याव्या यात्रः स्याप्ट्य स्याप्ट्य नदे नन् न्यु नहुं न्या देवे नु के देवे सुव क्षेत्र के स्थाय क्षेत्र स्था सळ्य.क्ष्याविस्रयाञ्चारावेशाचारानेश स्वाचीःपार्श्यावरान्राचीःक्षेराया श्रीयाश्वाराचा बुदाव्या वल्पाया वसुद्राया । सुवार्ख्या विस्रया बुदार कुरा दी। लियाक्नि.मु.सू.१र्थू.१४४.११। नुमायस्य लियाक्नियाय बिटायमायन्तर्या मुम्मूरमा मर्था च.क्रेव.क्रियानायाधार.चेर.रेचर.वीया.म् । म्रू.क्रेर.क्षेत्राविमन्नायचीरः यावर्याची धायायार्थे त्रत्र्यासीराया वर्ष्व वरा र्रेट स्रमा गुः कु द्वयया ग्राच्यान्त्रम्य वित्रम्य देवे.ये.क्ष्यत्त्रम्ये क्षेत्रम्यद्वा रेव केव त्रुः या देवे तु केव भ्रम्या ग्रया गरे श्रेर में धेव दें। कु पर्या या यहें व.स.वे.पविरमालेकाश्चरार्क्षेरासरारायालुयी केराकेरावमालयालीया यन्यान्यान्यान्वे नुःर्रेगाः स्टानदेन दुन्याः इययाः ग्रीम्येन पुः द्वितः मभा विराम बन्न मान्य प्रमास्य प्रमास्य देश ग्री से प्रमान विषय वयायत्वात् याव द्वाप्य राव भूताते प्रवाय वार्वे तात्वा वद्व मः इस्रायः श्रुः विदःस्रायदे ग्राये नः हुः हय। सर्दे स्रोते ग्रावुदः या स्रोता द्वा चुर्याने र्स्नेम्यान्यस्य वरायान्तर चेत्राने र्स्मा उत्राप्त वरायान्तर र्श्वेन मुर्नेन मान्न पर्मित्र भागार्थ मान्य मान्य ने मान्य मान्य

इ८५७ व्यापाय विकास वाशुस्रावात्यावास्त्रा वार्कें केर सेवा ह्यार सक्स्या वी हिसार से हा सार गशुस्रायाश्चरमा भ्रसाययराग्यम् ही । ने सूरान्ग्राराके स्वी प्रदे नर-५-१८५०।नः इस्राया श्रुट्याया स्रवरः श्रुवाया सहंदात्रा देव्या देव्या देवे निनेशः ग्रीः कः गृत्तुरः क्षेः नृत्तुरः वें निक्तुन् दुवे निरः नृत्ववाशः श्रवे अधियः न्वायन्यमित्र्यम् न्वीव्यस्कुः भ्रेषाः ख्रम्बा इत्वयः क्रियाविः सर र्निस्त्रें र विद्या पर्वा पर्वा प्रमानिक केर सहित प्रमानिक स्थानिक नवेशःसशःश्रें श्रें वरःसवया कुः केरः ववेषः सवया गूःरे गूः बुदः रे उधः यश्रिम् नन्त्राचे म्रम्याव्यक्तियाया बुर्नि विष्या सहित्री न्गुरःवें नकुन्दुः इः वृः यः वृग्यायः यगः यः अरम् ग्राम्याये गर्या । नेदेः श्चें नः अगानान वि गिर्दासान दुर ग्राम्य अपाय गानान वि त्या वदर वर्षावहेत्रम्भिम्भान्वाभूताम् राम् र्नेन्द्राम्मम्भाग्रामन् अवयःचले चर्हेत्रःवशुभःवनरःश्चेशःश्चरःरेः दुश्रःश्चनाः न्वा ३८:त्रशःच-१८: मदेरतुः केवरम्बर्दार् सेवर्भुन्यार्थे। विस्वत्वमार्थेर्द्रस्ख्यास्य अर्प् र्वे द्वा द्वाय प्राप्त क्षाय यर्गुरहे। यर्गुरळंर्रेट्र्यन्द्रियंत्रें यायान्ये। देवेर्ह्मयाया नन्रसेटा नेवेः श्रेन्या वर्षा साईराणित्र नेवेः श्रेन्या स्वावर्धेरा सुरा

शेटर्टा स्थानिः हैं स्थान्ता गलुः मः सूर्या स्थापर्वे र ग्रूट सेट मेशक्ष्विराधिरम्। दरावक्षाक्रूरम् अन्ति ध्रिशक्षम् ध्राप्यम् ध्राप्यम् नेते र्र्सेन संगान र्रेन्न न्या ग्रीय स्वित स्वान्य स् वर र से के म बुर । क्रें र से खुर न न न अ के चुर कुन में हे श कु ते मु न यः नक्किः द्रसामिनः वसान्त्रसान् स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य विष्टा स्र्वा सः र्कें स्रे निवे र्वे त्यामानानिवे ने न न से सर्वे मुख्य स्थान यिवियां अ.क्ष्रुंत्रःश्चित्रं याचित्रत्यात्रह्मेत्रःहे। तीयायाद्यतः हूटायितितः री स्यायार्थात्ययात्यादिया तत्रे के वर्त्यात्य स्याप्तिया सक्या सक्या वर्ष्ट्य वर्चीश्राययम्.री.यथेवाशा श्रूया.जातरीजायायश्री प्रिटार्सी.स्.स्.स्.स्.स्.स्. रायामिनेग्रास्य कुर्दरास्र क्रिं तुर्द्य तुर्द्य तुर्द्य तुर्य तुर्वा त्याय त्याय त्याय स्थाय र नक्षुनम्। कुषःकं विराधे त्यान्तुःकंन्। बरमान्ग्रन्थं कृ नायाधीं ग स्र-निन्नु निर्मा मे निन्ना मे निम्न मुक्त निर्मा स्र निम्न स्त्र स्त्र निम्न स्त्र निम्न स्त्र निम्न स्त्र निम्न स्त्र निम्न स्त्र चुर्यायय। दर्वायान्दरादमात्यानान्दर्य चित्रः नसून्याम् विवास्ययः यासर्वेदानयाद्या वे द्यारास्यायात्रम् राम्यान्यास्याः क्षर्यायेत् सह द केट प्रत्याया क्षेत्र स्वर्धे प्राप्त के वार्य क्ष्य स्वर्धे प्राप्त के वार्य के वार्य के वार्य नत्त्रः इः त्वा वृता ने १ द्वर वा वी या नद्वर परि वा ना के र यह न

न्गुरर्वे न्नुव द्व इन्नुव प्य स्व प्य स्व वा स्व स्व वा स्व प्र वा स्व वा स्व विक स्व वा स्व विक स्व श्चित्र सः स्वर्था वार्षेत्र तुः सेर वो सः वार्ष र र दुयः व र तु सः वि र सः न्वें त्रें रें के अन्नर वार्शे वा अन्य दे हैं ना अन्य से विक्रमा वार्य र से राम ब्रे.५५,व.५६,व.मे.४.२५,श्रेम.व.श्रम्थ.त्र.५५,म्.मं.५५,म्। चेर. भूग'न्नेंद'रेंग'र्केश'न्नर'मेश'ग्रु'यन्त्य'मिनेगशदश'र्वे'गशुसद्, बुदे' स्वेरगान्त्रस्य स्ता ने त्रमाग्रह्मे स्वागी गार्ट कूर ग्रेम राम् ग्राच्या र्म्यानी र्स्स्रिन स्थान्त्र स्थान्त् गर्रेण देवे र्रेन सन्तर्भेत स्वतः यः बुयः सुवे स्यापन में कें या गाया या नेव से नियं से नाया या नेव से नियं से नाया या नेव से नियं से नाया या नेव से से नाया या नेव से से नाया या निव से से निव से नाया या निव से से नाया या निव से निव न्दा वर्षावहित्रमुन्यन्यवाष्ठ्रमध्येत् नेमहिर्यम्भः मुन्देन र्रे केर्रे पर हे अ पदे अपित तु द्राय थ्रव में अ ग्री अ श्रूर वर पा बुर । य ह्यरः क्रेंट वर्गा क्रें का स्वार्क वर्षेत्र के स्वार्क वर्षे क्रेंच स्ट स्वाय स्वया ह्या स्वयं शुःनन्द्राः सहि। देवेःतुः केव्यादयः देशःत्वाः नर्वे सः श्री शःद्रमयः केवः र्देर्यार्वेव यः विवाश निश्वाश्वाश्वाश्वाश्वाश विश्वाश्वाश विवाश व हे अविश्वास्य सुराज्य श्वास्य स्वास्य विद्यालय स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य

यदेःतुःकेत्रसेरःगेःवेयागर्देत्। कुदेःगत्रःयान्दुःया सूरःकुःद्धयः विस्रभाषेत्र हत्। द्वारार्भे पद्वाराद्वेता सूराक्त रेता हुं भेरानारेता कुया पि. रे. अर्था हिंदी वह अर्था रा अर्था हिंदी वह अर्था रा सेंदी हिंदी. रापो म्यामा सददर्भभाराद्याय दर्भिराक्ष विभारता विभाराद्य सार्द्र वेरः इस्र रात्रे। वि केषा प्रस्था दें प्रवेर वेर वर्ष कर धेव वेर छै। सुर वर्ष वहें व गिर्दासान दुःयान ग्राम् देने नरास्य भी देश वे दु: रु: न १९ : पा सह ५ : पा सा दु: के वा क्षेत्र : वित्र रा कें न : वित्र रा कु वा विस्र रा मुयारीं देवे नु के वा श्रूया वा अर्थे ना श्रूर पर त्या ना यह वा महिस्या वर्यभा नेत्रःश्चित्रायान्यात्यात्यात्यात्रायात्रायायाया नेत्रःश्चित्राया मिलाम्.सी.चाक्ष्वामित्रकाचीयात्र देवार्श्विचात्राद्यात्रात्राच्यायात्राचा र्श्वेन त्यस र्श्वे में अर्थे ग्रम् र्श्वे व्या कुते श्री क्र र त्र ग्रम र में हे स्र र त्र गर र्द्गेन्यः इस्वेयः यम्यायाया नेयः व्यान्यमः न्यमः न्यम यदे र्श्वेन स्वादित विश्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे स्वादे सार्वे सार कुःषःरवः तुः द्वदःवयः कुः ददः क्रेः विंषः ध्यवः देदः दुः वायव। व्यवाद्यरः विः वरकेंशलें नशुश्रस्त् देवे हें होता सामने सामहेता नृता न्या वर्षावहेरामहेरामोर्भान्याहेर् सेंग्यास्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्ती हैंगान इंदर्गन से अरतु न सुवाद अर कु से ना से र्सेन्सी सिन्दर से सहि। देवे क्कें नः सः इट से खुट मी ग्रे सं म्वाम सं खुया निद्या के पित्र हो मा निद्या है । या सवदः र्हेन् ग्रीया सुदः रेन्त्रा रेन्या सुप्तन्तु न स्वया मनेया गरेन न्याः गुनः ग्रेशः नहते गान्दा शासहनः या ग्रेंगः शुन्याः वर्षेत्रः ग्रेशः ग्रम् देशर्देवः सेर्प्य विद्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्यास्त्र व्या र्यादिन नर्वेदार्याक्षित्वह्रदाशेटाचे । भूगार्देरान्टानवे सुदा स्थेशालेशा र्नर्दिन्ग्रीयान्त्रयायह्न्ने कुःसेनात्र्यायुःनः इसया ग्रुट्नाधीत्। यदा विक्रियह के दारी अञ्चर सुरार्स के राद्य राज्य अस्त से में के रिवा बेट कुट्ट नश्चर्यायायायायेट नो बियानित्र न्टर न्याया है केंत्र की या याश्वर्वश्यानिश्वरम् श्रिःमार्थः त्रेरम् स्त्रा श्रेरमो नियानिवर्षः स्त्रिः भ्रेअन्तर्भद्वस्थासर्वितर्धियान्यम् देखानुः द्वितन्त्रियानु स्ति इस्रमाने पर्वापदिन केतारी त्रिया सुरास्या प्रमाय स्वाप्ता निवासी साम धेवा

निव्या प्रतिःश्चित्राया व्याधितःश्चित्रयाम्यात्र्यात्रयाम्या देवेः श्चित्रयास्त्रव्यात्रविद्याः व्याधितःश्चित्रयाम्यात्रयाम्यात्रयाः श्चित्रश्चित्रया व्याधितःश्चित्रयाम्यात्रयाः व्याधित्यः व्याधितः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः नःनेशन्नानवरःर्यः हे। यदेः पष्ठिश्यः याने त्र्यापष्ठयः चीः वर्षः यो यर वित्रें । कुर्र र्र र प्रेश की क्षेत्र साम्राम्य न इत्र प्राम्य मित्र ग्रीशःश्रुवःगाणशःशुःर्त्वेवःवशःवन्ताःनवेःनन्दःपशहः। प्रशःदेरःणदः वर्षानवे नभरक्त्र नक्रुर्पान इंड साक्ची नर्पु नुदे में रिष्ट यटानु पदे देश क्षेत्र देव केट्र यायाया केत्र याया देश या वस्य उद सिव्यायार्थियायार्थियात्रायदे वर्षायायदे वर्षायार प्रमान

लटलश्चितायाद्वर क्रियायप्रमान्य वियायाप्रमा र्षि. मॅदे के क्रून प्यत्र नु तर्वा निवेशन निव मान्य साम मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य

मान्वरायरात्र्यश्चिम्रायत्रे व त्रुयास्य क्रिंस्स्रे स्प्रा न्याया गर्नेटा ग्रें अः इस्र अवः वर्षायदे यन् वर्षे वर्षे दर्र दर्षे द्राया विद्राय र ग्रें र्देव-दु-गहेर-नः इसमा ग्री-हेव-सासह्द-माधिव-हे। देट-सट वे प्दर्णनदे क्रॅंशः श्चानः इस्रशः श्चीः सर्वेनाः नाव्यान्त्रः नह्रवः केवः सें 'द्रो 'येनायाद्राया वेया व्रदी । नुश्रः ग्री: न्वरः वीश्वः नवीः श्चेंदः सः प्यरः स्वः व्यः व्यः विदः विदेशे नद्वन-न्यायार्क्के नवराम्यायायाये न्यया मुर्याप्तर्या स्थ्री राष्ट्री न्याया स्थ्री या न्याया स्थ्री या स्थ्री राष्ट्री यान्व केव क्रें न्याया न त्या पर्वाय न यो न या स्मान्य विष्ठ र न ने व र परि

ग्वम्यस्यम् सुन्यम् सुन्यम् सुन्यम् न्यम् मायमामायद्या श्रेमायिमार्भेटाचरे के नायटा नुहान विद्रामा सम्म उद्दर्यानात्र्यादे अद्वर्मात् निष्ठित्रात्रे के सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे सार्वे नवेन्यार्सेग्रामामामानिये प्रिन्ति स्थानि स्थानिया । इ.स. १ वि.स. १ वि हे खुःगठेगागे अव रगाय नहेव वय क्षेत्र ग्राम्य य क्रिं क्षुर्य वय वर्षिर न अवव न्वा य जी न व वुर न वे क्लिंश स्थान वस्र अ उन् र्शे र्शेर विश्वश्रादिन्रादितायदुःचश्रुवायाद्वे। श्राप्तरावित्राचीरायात्वेवाद्वी । श्राद्यः रेशः र्वेदः नुः सदयः नद्गाः श्रेदः देशः धनः सेशः ग्रेः श्रेवः न्दः नक्ष्रवः मः वः विवः हुन्न्यून्। देवे के सम्बन्धेन सेन्यस्य प्रमास्य मास्य मास्य नि अर्केग्'में दुरद्रर्र्ररह्म्यश्चर्राही विरस्तरमें अर्क्ष्यपरणे नेश र्दिन्-नु-नश्चुम्। ध्रिशःकु-नामः-नमःध्रिनाशःग्रीःमङ्गे-नःइसःम् वःश्चुन-इम्शः वश्याद्राचित्रं वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षे वर्षा वर्षे वर यःश्रेष्यश्रायदेश्यात्रयात्री विदःश्रेष्ठिः यः श्रद्धाः श्रेदः यो श्रा श्रेष्टा श्रद्धाः रेशप्र्यायहेवाया कुमारमकुर्यार्थेर्यरमवेत्। ।रेप्यरक्षुत्रपरे नकुर्द्द्रभी । नभर्ष्द्रभवे कुर्द्द्रम् अया गरिष्ठा । श्रुवः परे विकुर्द्द्रभा यरे.के.के कि.के.व.ध.म.त.व.क.त्री विषयार्थता वैकार्य विषया

वै। । ने वे इ कुन के व में प्यमा । खन न सूव र्घेन म र्घे पेन मी । न प्रयासेन क्षुत्र गुरा पार्ड्या यया। पर्ना वित्र व्या मु यार भर मु या वि यान्यान द्वार सुत्र प्रदेश प्रवृत्त व्याप्य । या वायाया प्रदेश कुष्य अर्वे त्या विवायाया विवायाया । या वायायाय लुशा विषयावायकायम् क्रीमानाली । इस्तिया विषय विषय विषय ग्रीयाश्चित्रः इत्यावया । श्वायाः हेते हो स्थयाः कुत्रः पश्चितः पश्चितः प्रदेतः केव गव्या हिते । व्यापव में यह द व्या सुन न सुन हो या । दे थी । यान्त्र नु नार्रे ने नार्य्या । नने ह्ये न्यू नु न्य प्रमा । हे ने न्यु न्य प्रमा न्मो र्सूर महूं म्यायर्थे । यहुं म्यायये सम्बन्धि हो। । वर विर खुय छी । यहुं म्यायये सम्बन्धि । नःवहेत्। व्हियःविस्रशानायमानीः सः सः न्दा । सिमानी विस्रशः नुः निवरः नुः नश्रुम्। । धेर्न मन्तरमेन केन मममा उत्यो। । क्रुम क्रुम पर्वाप परे से से मेर या । सर-र्-वेश-भेर-रेश-गुर्श्यायशा । सूत्र-पश्चरास्त्र स्रोट-गिर्मा । विग्राश्चेत्रः श्चेत्रः यश्चेत्रः करः यय। | रतः ग्चुरः व्यत्वे सुत् श्चर्यात्रय। | नश्रूव मः देव के व कुषा सह द या । सक्व व ष विव कु न हें द द न न व वि । न्ने र्सूर कुषानदे नेयारन से । सुसूर केंगाय येग्याय सुनय प्राय सके सन्गा । नः शुः थूर विर दर नः श्री । श्रे सः सके गारे दर स्वर सर श्रित्। दे'षेशःइसम्यण्ये। विस्रयायेदानसूनसम्बर्धःद्रम्यदे। विस्यायायेः

म्याम्यान्यसः ने प्याप्ति । पर्वत्याप्यम् निर्मायः । पर्वत्याप्यमः । पर्वत्याप्यमः । वस्रश्राच्यात्रम् । भ्रुतातकुत् स्रास्राम् राजित्रम् । निन्त्रापदे तकुत् यश्यक्तित्रात्रम् । ह्रुं त्रे वे वे श्वाम्यम् रायश् । र्रो र्शे वर्ष्टर दे पे वर्षेया वित्यानान्यूर्यामालेयान्या विषे ह्यूराम्यानेयानेया ने यः वु अः व अः वशु रः अरः वर्षे अ। । वाववः अरः द्वो : श्वेरः दे : धे अःवे। । शु अः नक्कुःमःन्द्राने भी त्रेष्या विद्राष्ट्रम्य विश्वानि मान्त्रेष्ट्रायात्रा यःमङ्गेन । भू शुः हु ने भू हे न्या । न मे र्से म न में स्वर्थ न सु म न स्वर्थ न । स न्नाःकन्यः वस्याः उन् नर्वेश । धुयः न्तु सः न्देः न्नः नसूत्र गुरु ने। । विग्रमा है मा कुन नक्षत भ्रम् । विन कुन में निम्म निम्म निम्म र्श्वेन'स्र'यायत्विमान्नुप्रदेश विमेयामानेमान्श्वेन्द्रने प्रिमान्यम्। निःसिदः पिके प्रकेत स्वायाया | प्रमे रहेल क्ष्य स्थय श्री गा के गा | या अह की हैं के या। विश्वान्तित्वीर त्या विष्या विश्वान्ति । मि विष्या विश्वान्ति । मि न्ये गशुस्र न्दरम् सुन् नुस्र न्या । न्यो सूर कुष विस्र न्य न्दर्भ । न्नोः रूपः श्रीः तेः वेः दीः प्याः । श्रीः न्येः नयः सेतेः पुष्यः त्र्यः ते। । श्रीतः प्रसः श्रीः यिट र्चेत्र प्राच्या । इस प्रायित कु द्रिया विषया विष्ठेते स्वापत र्थे प्राप्त प्राय्या ।

ने न य ने ने लु अ न आ । न हु र ने न न न न न ग ग र अहं न । न ने हिंद यी वे 'वे 'दे 'दे 'दा । द्वो 'र्से द जुर खुर प्युर पाव य ग्री या । व्यावया मु पार निरः सुर्यायः ग्री । यापयः नर्द्धवः ग्रीनः स्वनः ग्रीम्यः शिनः न। । यद्धवः वयः निवः हुन्हें न्नायन दिं भगार भे हैं सा निगे हैं र खेल विस्र कुल नि नश्चम । ने नगम्बर्यायावरावरावरावी । वर्षावहें व केव में या व्यापी हिन् उद्या । यावयायार्यायायाय्यायारायया। निर्वे हिन्यायह्या । निर यन्ययः ग्रीः वर्शेनः यथा वाष्या । न्योः वन्यः वश्चनः यदेः यविः अर्ने दी। वः केदे अवश्राम्य प्रकृति । याम हे ह विश्व ग्रुम्य । या दूर मन्या अदार्थेम नकुर्याणी । अफूर्यं विश्वान्यायी । अपिश्वामा विश्वामा विष धे निश्वास्त्र । निष्यास्त्र निष्यास्त्र निषया स्त्री । विश्वास्त्र निष्या स्वास्त्र । मीर्याम्यवर्याधीवा विर्यामश्चर्याही विर्वतिष्ट्रमाव इसाम् व्यान्ता हो हा गायनायेत्री नकुर्परश्रूर विटा शुः त्रुं हे भी भूके त्या श्री न स्था नन्द्रपदेनकुद्रपदे । १८५० मान्द्रव्य पदेन्त्र क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष क्रिक्ष

#### कुयाञ्चावनानीाञ्चनमा

मुं से अ'ग्री'गा'न'न बिर'ग्राग्र अपा मुव्यः सुप्तर सागिर्ग्र मार्थ याव्यायाशुर्याची सावयान्य स्वर्याची भी यो साहेत्। कुषाक्षापर पर्ने चुर्या यःश्वर्वरार्दे हे न्वरः धुगावी यनःश्वर्वरार्दे श्वर्या धुरावरः धुरार्श्वेयः निवेशनार्थार्स् भूगायायनुवानिदेशनभूवानाम्ययात्र्यान्त्र्यासु गुन्। र्रे वर्षे व गशुस्रामाधिता दे हे सायाद्वास्य क्वामी गाईवायवा विद्या धेसा र्शे. न र्वे न न वे मारा कु र्से ही न दे र्यो त्या कु ता खुना मारा व न र वे मारा है न र वे न र वे न र वे न र व पिट.यंबेट्या क्र्.यंट्र.या. ई.सर.तातिवेट्य.ता. लुवा रट.क्र्.यंभेटे. वे. इ.र्ज. रासुग्रासर्से हैं नाया ग्रेग्या विंदा ग्रेस हैं ग्राम दुरद्या नदे न श्राम क्रियान् भेता दें हे यान्व यान्य स्या दें हे यान्व यस न्वी कुष्य यादेश मालवः विमान्य अपिटायाः कुं सायनुष्यानाः भवः नुः मञ्जूषाः नुष्याः नेः मञ्जूषाः वर्षाः नेः मञ्जूषाः वर्षाः वर्षानान्वरावेरा देख्यां क्रियां क्रियां क्रियां स्वार्धित स्वार्य स्वार्धित स्वार्धित स्वार्धित स्वार्धित

पिट प्रतिन्त्र प्रदेश कुर्से ही प्रत्य स्था थी र्ले हुया पर से से सुष्य पर से प्रत्या प्रदर्श के सु से स त्य त्य त्य या से स से स ति से त त्य स या स इरमी क्रें अप्ते नर्तराधिता सिक्रें तर्र हैं में क्रें तर्दे तर्दे तरादे त्या कें लें इं न क्रे अ वें न हेते हे अ शु सूत्र छ य गुर के र वें न सु य युन या यहिर य <u> थः पश्चायाध्यायाध्यायाध्यायाद्यः यर भ्र</u>म् हे सः वे प्रवे प्रवे प्रवे । गहेशमान्वस्यरम्ब्नाया रद्धार्मिन्तु। यह र् में नियं स्वापन में भी वर्षे मार्से नियं मिल वर्ष मार्थ भी वर्ष मार्थ से नियं में में नियं में नियं में में नियं में में में में में मे नर्वासाकुःहायान्वास्य स्थेनमा दे हे साकुःख्यावसार्थे न दुःनर्व यान्व अर न ब्या अ है। ने व न बे न अ स्या अ या भे या आ इ उ इ र न अ स्वायाची त्यायविष्या वैया इत्याविया सास्यायाची त्यायान्य स्वराया वश्यां पञ्च पत्वाया रहाये पत्व दुर्धा या शुष्या विषय के या स्व मेनसन्सन्धन्त इन्त्वनास रम्ति देवनासुस्र सास्य स्वाप्य निवास वर्त्रें अर्धेन् अर्थे हिष्णविद्या विष्ठि हैं पार्श्विया अर्थे वार्या प्राप्ति यर वित्रवयायां निवाया रह ये व्या इस्ति वित्र स्वायाया नेवाया <u>दे हे अ क्षेट से है ज क्षा कु हो य जर अर ही अ द हार पाई पा पाद्र अर</u> नव्यायायायार्मियाया विःन्याः यान्यः याः हिन्या न्योः न्येयः द्धाः

गन्न अर सेन अ त्रा में नित्त नित्त नित्त मा र दे में नित्त हु पा अ से प्र यानिवाम। वरादिराधुवामाद्युवादमाःकुःख्वायो वरावे विवादि शर्भूत्रा मुयानिदास्त्र्राष्ट्रित्स्र्राष्ट्रित्स्र्राचास्त्राचास्याच्या इग्निहेशमिनिट सें हे दुयानित्रस्य मेनसम्बर्धानत्त्रम्ब रटार्वे द्वाश्वारा भीटा ख्वा त्या नेवाया वे अं श्वे त्वारा हिते वर वे र्राक्ष विषा दे स्वाचित्र न्नाःनब्नायाने। नन्नाद्वाद्वाद्वाद्वायानेयाया नरायनेरायाद्वीया यान्वरश्रेंह्या न्योर्वलेशस्त्रवरशर्थे सेतुरायराष्ट्रिया महर्ये न्या सु इयिहेशयश्चान्ययान्वरश्चर्चेत्रव्यावेत्वाश्चान्वरायाः इ.इ.चबु.स.सैयोश्रस्यो.स.योज्येयोश क्रीयर.च्येच स्थापूर्य. नकु:५८:नकु५:इ:ॲ८:दें। ।५वो:ननेश:ई:व५्व:क्रीशःकु:र्से:व्रे:नदे:वें: याडियार्यायाद्यः अस्त्। अस्य अस्य प्रायाद्यो प्रायाद्ये अस्त्रीत्य अस्त्रीत्य प्रायाद्ये स्था इगा इ इ थ म क से मूर या मार्व सर मे न स क से म क र म त स स नर्त्रः इः निहेशः सः भ्रुवाशः श्रुेः त्यः वालेवाशा द्वोः चलेशः भ्रुटः देः चः भ्रुवाशः  नक्त्रान्त्र अः अह्त देःह्रेअः यः सूरः ह्रेत् भेरः येरः वी अः अः धें अः त्रः निराश्चेते नराते नुगागन्त या यहा वराश्चेत पक्षेया प्रयानिरा नुप्रया ये गुरे में न दुः न्युया गुन्द या यह द्वा दे हे या या हि द्वा यह हि है या न नर्डे ख्रामन्द्रा अर्द्धेन्यायाया अति ने द्वार्या मह्या साम्यायाया र्देर-देशवास्त्रीत्रीया क्षाविद्यास्त्रीयाया वद्धवारास्त्रीत्रीया र्वेग इरश सेर सुः धः नकुः उस नस्य र्देर देर देग वर्के द्वरा गसेर वे ५५ ता वे अर में विवाद अप के प्राप्त वार्थ निर्मा विश्व के प्राप्त वर राविराध्रेशावर्षेश न्राधीः भ्रावरावार्षे साम्राची चार्वावारा भ्रावरावार्षेश मदे हेत् श्री अपार्डे में श्रुव मान बेह्या स्व मात्र अपीया द्यो प्र वेश यात्रशानहत्रची शाकु सारात्रशासे विद्यापी निरादेश नित्र सित्र सेरायो । वनुसानीसासे सूवाद्यायाणीया ग्रीनाविष्ठे भुः स्वासुस्र सावदारी नर नश्चारात्र्वात्रत्र्यात्रश्चरात्र्यात्र्यात्र्या वृत्तः क्ष्रार्थेययात्र्याः म्नाटान्याये हिते न्याये पर्वे निक्कित्। गुन् श्वट्याये देश न्याये ख्वाप्त्या निरः चुदे न्यर वें नर्के नकुत्। यावत केत हुं त शहूं निर वें ह ता वहिरया र्शे.योधेश्वाताःश्वीटाधीटाव्यात्रेयोशाल्याशाल्याः की.योट्याद्यात्रे श्वाचित्रः व सहित रट.जू.ट.ट्यी.स.की.प्रीया.का.या.चीयाया की.विट.यथ्य.कीयाया. र्धेशयदेवः नर्वे शुंशनकु द्रान्वि न दुः श्रेष्ट्। यानवः केवः यह सद्राद्रायः

थे·नेशःश्रेटःर्रे·नेटःर्रे श्रूषाःयःविद्या रटःर्वे पत्रिः पत्रुःयः कुः श्रूषःयः गन्वःशः वें गडिगाः सहिन हें व नित्रः प्रश्नाशः सें हः व गिवेगशा सम्बः र्रे पो ने राप्तर्भे दात्रस्य कु सर्वे पा स्वाप्त स्वाप्त विद्या हेरायू पा निरम्भायान्वरश्यास्त्र वेष्ट्रिःशुः सुन्यायान्वरश्यरः चतुवाश शासुवाः यःगुरुःश्वरुषःसह्द। स्टःवें ह्यां हैया यः भ्रुवाशः श्वे व्याया नेवाश। गुरुः श्रूरमा केत्र में नर्भे न त्रम्म मुयामक्त्र कुर्मे हाया प्रह्य मा भेर न मुन्या र्थार्सित्यात्वाप्त्राप्त्रम्भरम् वर्षा भ्रुवार्थार्सिः हते नर्वे पञ्चातिर्था वाद् यासहित विद्यापासुयायाहायाद्वेत्राचे नर्वेद्राचे नर्वेद्राच्यायायायायाद्या र्भागित्रित्र्य। मिर्टर्स्राय्ये श्रीत्र्भाया स्टार्थि द्वा द्वा द्वा स्टार्थ द्वा द्वा स्टार्थ स्टार्थ स्टार्थ शुअ इ इ निवे पा भुग्रा मह ता गान्त सम हिंता ने दे हे स त्रा कु शुवा ही स र्वे हैं शुः इपाश्वराशेंद्र। कुः श्रुवावदे शामार्थेश के दार्रे ग्रुद्र प्रदे श्रेश ग्रीः कु: श्रुवा ने 'धेवा ने 'हे रा नि महत्र रा नि म रा यो 'शे हो ते नम ता वी 'हु या हु' इयाशुस्रार्शिता कुयाञ्चापदान्त्रन्त्रस्यायान्त्रीत्रकुर्तान्त्रस्या मुयासळेत्रप्रशर्ये पठुःवाशुस्र भुत्रभूगातः हैं रावसाये पठुःवाशुस्र

श्रुव श्रु: र् वे शः क्रुय : यळव : प्रशः वे प्राया श्रुय। श्रुव : श्रुव : क्रुय : यळव : राक्तिस्यात्यान्य्रें राव्या ये से से से सि सामिति रें। अवसरें हे नगर धुगा में शर्मा इंड नित्र निया स्थे में हिरे कें या हें तें हे अदय देश शुष्टी नथा हित पाहिश पति शामा शे शे स्वाप्य प्रथा พพ.श्.म्रेयश.खेश.येट्ट्रा किक.के.विट.यी.भैयश.श्रा ॥

#### קאימיףיאליאָאאן

मुःसेशःग्रीःसम्बर्नुःद्वो नलेशःषसः लुद्रःग्रीशःवा बुदःवदेःस्वाःर्रेः के दे विन त्यापिर तन्न राधित हो ने म जुम निर स्वापन न कुन दे। धरा के'ना अम्वरकेवर्द्रस्यकेवर्या इस्क्रेंवर्न्स्र्र्व्यस्य मुख्यस्य द्रम्यः भेर्याम् यायळ्या गार्वेदः तुः भेर्याम्या यद्यः कुर्या वदः या नेयःर्ना अर्वे वःर्ये। यरयः क्रुयः येवायः या अर्वे वःर्ये यरयः क्रुय। दःष्ट्रः सिवर में कि सामे में से साम के से सिवर के ते में में सिवर के ते वयायायात्रुवायात्रयायह्नाते देयायम् वक्कृत्ते । विवायावावादे भूवया 3111

## बन'वें के वे 'स्नन बा

ति.क्रूच.चक्क्चि.तचीश्वातीतिर.चैर.क्षेयोश.क्ष्या.का.विदेश हिर ८८: ह्र्या. जुर्याश्वरत्तुश्वर्थः स्थान्यश्वर्थः त्र्वित्वमा हैं तें से नहुं व त्या के साम सम्मुन साम सम्मुन वस वर्त्रे अः क्रें त्रायान्य ने अः शुं त्रें त्रायो हिः क्रें त्राया विः क्रें त्राया र्रे केर नत्ना अन्य स्थर होत हो न न न संस् न्वार्थास्य मुन्यामुर्थाम् स्त्रियाम्य स्त्रित्र वर्ष्यम्य स्त्रियाम्य स्त्रियाम्य यविव्ययेत्रः मुयाची अप्वावार्य अर्हे में हे त्या के वा वा वी वी वा विद्रा म्यायायात्रे नारे वाहे या ग्रीयार्थे का से निर्मात्र स्तार्थे से वाहे या व्याव नन्द्रस्त्रचेत्र वित्तित्रः वित्रुत्रः वित्रः वित्रः वित्रं वित्र गिनेग्रमा नेवे वे दि स्मिन्ने र पर्हे व पहिरमा गन्व स नेवें व रे पर्व र प्रवास स मुयासळवामुरासह्य हि.नेरावहेंवावे प्रमे केवारेंदे हें नामाधेवा सर सिष्यायाके वार्त्या विष्या प्राप्य निष्या मान्य विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विस्रयाग्रीः र्सूनासाधित्। सिः लेन्या र्स्टिन दुवा द्वास्त्र प्राची लेवासा बदार्से

केरम्यु सेरम्यु सम्बन्ध प्रकृत्रेस्य सरम्यु वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे के नेश्रास्त्र रनश्रास्त्र स्थान्य स्थानी विदार्ते राम्स्यश्रास्त्र स्थान स्थान न्यवाश्चीयानस्या नेयान्या व्याप्ता केया विष्यत्या न्या व्याप्ता व्यापता व् विटाया विरयामाशुस्रा वे श्रिसा शुरा विदेश वर्षे वर्षे । विराय विदेश विदेश विदेश विदेश विदेश विदेश विदेश विदेश शे.तयर.मी.क्रूश.यम्द्री.दी रव.स.त.तकर.थेय.मी सर्दे.मे.तयर.स. क्य. थे. याचीया य. रेट. रे या अष्ट्रेट्या वीय रे. विट. त्र. ये विट. यट्य. मे य हें निया यह यानर र विता हे यय गये र प्रदाय र या र यह र या प्रीया मुन्नरम्भे कगार्थे द्वं नदे स्निन्यमित्र वृन्मुय सर्वत देवसम्बर र्रे ह्वें श्रें राष्ट्रा दे द्वार्य देवें द्वार्य देवे द्वें देवें देवें देवें देवें देवें देवें देवें देवें क्रियासळ्या दे निष्ठि नामानाक्या क्री हे सु मदे नाम् न मान्य मान्य स्थान कें या कुषा यळवा की निवेदारें निवेद्य विवयमान्य प्राया वर्षेत्र निवेद्येव सें प्र स्दे के साहे के साद्यायायों । कवा के साहे द्राया ही साबदारी के पहेंद मदे कु अर्द्धन पर । बर में के ने अर मन मन के में मिर मु कन मन में ने कि यास्या वित्तीशर्मेवाश्वीयायत्वाशरादे हेशावस्वाशरादे । वत्रे ळेदे:भूनशःश्री॥॥

## <u>न्नोप्नलेसम्भूप्यान्स्यन्भूनप्यान्यस्यत्रिभ्रम्य</u>ा

न्नो नने अः मु न्या अर्देव ने अः ग्री कें अदी विः श्रें दा से नड व ग्री । म्निन में अक्षेय्य में हे हे कुर वेया गुना के राज उटा के के प्यार वेयारन के विट श्रुम्यापय प्रयास्त्र या भी प्रयास विष्या सुद्रम् । देश प्रयास या सी । सर्केन्द्रेन्स्निन्द्रन्त्वा स्वार्मित्त्वेत्स्य नेत्यानुमाशुस्ययसः वर्चिट सें खूर कें शः वृदे क्रिट्य ना बुटा देवे खुर ना हेवे खुर ना हैवे खुर ना कुरा नेते.तु.न्ययायेग्या नेते.तु.चड्व.व्र्ना नेते.तु.व्रर्भेक्षंयोग्यः नह्ना ने प्यत्न नु अक्षेत्र शत्र वर्षेत्र शे के वर्ष वर नु पर्वेत्र ने प्यानु निले भें न प्रते के न हैं निष्य ने प्रानु विद हैं व के रायनमा ह्रया निष्य ग्रेक्टिंश अर पुर अधिव परे अर्केन न्मेश हैं न न्या प्र प्र मा न्या ग्री पिर्विर वि ता से वासा पिरे सुन वनसा सर र ता सिन् केर सर सिन प्या नवर अधिवा वर स्रवा नगर न त्या तु के न स्रवा के ते देवे देवा स्रवा कुरा ने देंगान वेतरा ने देंगा गणर नवे हे नवी नु से गहे रा हे नि में । हुग क्रिक् से है न त त विद्या है सर न न दिन सक्र धिवा न विव न दिन है न

नियास्यामुखायस्यम्याया देसायर्थायार्थे याडियायायवा देवसामुर्भे वरःक्रूवःक्रॅंशःवनरःयःविरःसरःवीशःसिवःसवेःक्र्यःस्सर्यःसःस्र्राःसरः ग्रम् । तुःर्ने प्रमात्रिक्ति ग्री सूर्य प्रमान्य सुरमार्स्य ग्रीमान्य सर्वे । म्वराधराक्ष्याम्यस्य उत् उत् चत् सक्ष्य प्रस् ने साने सिवारित स्रीया र् गुरा गर्षे वसान इससा है गर्षे र हैं ग्रासर के र र जाई गायगा पर निवर्रास्य वर्षाम्य विश्वर्षाम्य विश्वर्षाम्य वर्षान्य विष्यः वर्षान्यः वर्षान्यः वर्षान्यः वर्षान्यः वर्षान्य <u> अरःचल्वाशः अवर्देदः धरः भ्रुवाः वीः वाद्यशः क्रेंदेः वाद्यः क्षेः ग्रुश् वाद्यशः ।</u> पिट प्रायम् सं प्रमाया कुन प्रमोय स्मार्थ प्रायम् स्मार्थ स्था प्रमे सर्वे पा प्रवे स्था न्ग्रेशमार्हे हेवे सुप्त्तुयाग्रम् नित्या नेमायमासुम्यापे हेतायायमा र् चूरा कुर्वियायार्श्वियापार्वेराचेर्पयरास्य स्वितासा श्वियासा यदियाः वीर्याय्य स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र यरः यावाया वरः भ्रवयः शुः द्यायः यह यः क्रुयः दरः पङ्के : हः वः यवीदः येः गिरेशन्तरस्याने। न्यायायायोत्रस्यायस्यायवेशास्या वे होन र्श्वेन'अ'र्श्नेर'न्ग्दि'गन्यय'रा'ग्वर्। त्रु'न'अर्गेन'र्रे य'र्श्वेर'न्ग'गे' गन्ययानाम्वरावयान्य्रीययान्याणे नेयाकेत्री त्यायद्यस्त् भू नुगाय उत्राय नु से द त्र रायदे सर्वे गाणे दयद लुराय राये दिया सु नु

स्वाद्याः चेश्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वाद्यः स्वर्यः स्वर्यः

विवायमा नवो निवेश व्यापित विमार्थ में मार्थ में मार्य में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ में मार्थ मे मदेखिँद्याम् वर्षायाधिवन्ते। अन्यानिन्नुः धर्मात्राह्याः मन्दरस्य वर्षा वर्षित्र भी विद्या वर्षा र्नेन कु के व र में सह द दे। देर अर में न यर द मोर्ड द से मा अर यर दर य धेवा गुःमशःन्गुदःर्वे निव्युः इष्ट्रः निव्यु शःयः निदः र्वे निष्याः शः र्र्वे यः क्रॅंश ग्री क्रेश रवा विद्या विष्व इस्या हिया विषय स्वर्ध स्वर्ण यो विषय न्नो वन्त्र वन्य विष्या वे ने केन वा के ने केन वा केन म्याप्याद्याद्याय्यवः वेरायायदः सूरा सूर्याः भेषाः भेषाः कुषाः यळ्वः वे म्याः परिः यानवरतुःधोवरहे। देःक्ष्र्रःवरवे ग्रेट्राचक्कुट्रायःश्र्याद्राय्याद्रस्ययाग्राटः व्युमिते सेट या हुट। यू नसूर्या सया केर दे से समित कु सर्के या नही नवे वित्राक्षेते विवास से से प्राप्त वित्रा व्यापान स्थान वित्रा वित्र व धीव हो। वेर हो द्राप्त श्री हिं श त्राशी विद्या विद क्रिंशयनर ग्री अर् अर्थिर अधिव या प्यार विशु र रे या नहेव या पेव व्या श्रुम। गुःरानिवायात्रयात्राचराळेयाश्रुन्यादेताश्रेट्याय्यायायाया नेशम् वरमी पान्तरशस्त्र नगवन्यन्सर्भः मुस्रा र्रेष्ठ्र म्रेट्यायायवयाययानुन्वायाथ्वानुन्त्री ग्रुय्यायान्याया थुयामदे से हिंगा भ्रेयामान पर्या मान स्वर्यामा श्री स्वर्या मिन स्वर्या वसग्रामानिया मुस्या ग्रम्या ग्रम्या मिन् ग्रीमासे देश मुस्या मिन् ग्रीमासे देश मुस्या मिन् ग्रीमासे देश मिन् मिन स्था मि नःसर्वे न्यदःवयया उन्यादह्या पासेसया मुर्ने न्या गुरादान्या क्षेया <u> ५८.५वाज.य.लुप.चू.वाश्वर.यशा ही श.५६वा.स.श्रुश्वरायश्चेट.ज.स्वेय.ये.</u> यद्यायर्स्य र्म् र्मेर्यायाकेर्र्म्यायाकेर् यमा सेसमानभुद्रापदमानराज्यारायार्रमानीमानगदानमुद्रा ध्रिमा र्तिः त्यायदे से ग्रुरसे रहरान विमा ग्रुरमा धेता वेश र्ते मुरुष वुरामश् र्रेग्-५५-६। देन् हिंद् श्रेने राया पर श्रेश-५८ म्यू स्व स्वाया पर सेसरान्ध्रेन्स्म देवासेन्स्यायसम्बाधस्यान्त्राचित्राचरास्य श्ची अपित्र में अही दे हे अपित्र अपित्र महत्र प्रस्तान या भी या दियो प्रभी या के के न कुरन अभार्स्र के राजनम् ति सुन् नाप्याम विं माइसारे र में दिन पहें मा अपमान इव निर्मा श्रम्म है निष्य समिय मिर्वि तु। वयास्तियः न्याया सामवः केवः मुख्यः कं मविवः केवः यरयामुयामुयायळेता गर्वेद तु द्राया द्राय द्राया द्राया ह्रा छ्रा न्यया सरसः मुसः नहतः या गर्वेदः तुः सेरःग्री सरसः मुसः द्वसः नया क्रिंश्सक्रियाचा यदान्तर्भाया गर्विदार्द्रन्या गर्देव क्रियाचा सरसा

मुश्यमें वर्षे द्वर्या है। श्रुव नायश्यी गाई नायन । वर है र स सर्दे विस्र र्रा प्रमार प्रमान के सम्मान के सम र्र-र्येन गर्गायाप्तरके नदेन्तु हे विस्रागी से देन्या रिन् इसरानगदान्सराद्रायद्वायदित्राच्छेरासाक्षानुराखेद्राया दुरा मुक्षास्त्र केव वसास्तरमार्वेव वुमा देन मार्य राय भुव स्निन्छ ध्ययः नदे नित्रम्य मा इसमा से निमा सम् निमा है मार्दि नाम स्वा निमा राया सहि केरा क्रींट में गुगा सन्दर मुख्य महिन के दा क्रा मार मु थुयःनवे खुन्य अः शुः अह् नः प्रभा ने : ध्रेतः कनः वे : नुः खुयः नवे : न कुनः वहेतः र्गुर्यः पं भेवा दर रहेवाय भेव र र प्रवाद प्याद प्रवाद प्य रेव केव ग्री विया श्रूप्त शाग्रामा अपिव केव ग्रुप्य कंच या दशा हिन यश धीन्-नु-विद्-निव्युत्-प्रास्त्रीद्र-यास्नुद्-विद्या भीत्-नु-नर्द्धत्-प्रदे-म्या शुर्वापाया वेया नश्याया केया यही। यावया नहीं न्यायही। ८८.सू.की.१४.८४.८५४.मूच४.मू.१५.४५.५५५.कू.१८४.५५५.मू कुः अरः श्वरः रु: विंदः वी अः कें अः वाविः यः वें वा रुदः वहरः वश्रः अविवः वें रुदः थे छूट अ अहे अ पाय नहेव वशा शुव गाय अ शु देव हिंव प्रशा शुव श्विव । ग्राप्या भ्री अप्रम् स्त्रीय के अर श्रीत श्रुव ग्राप्य प्राप्य प्रम्याय स्त्रीय

वर्ने प्यट दे वर्ग प्येवा यावव केव कुष कं वरी क्षुव वाषर रट यो वावर नह्रव नक्कु द नाया अ भ्रुपाठिया धीव नश्र का कुया क ने वार्वेव पावे व स्था न शुः विभाग बुदः दर्गे भाग्यभा सेवायर नहु भाने सार्गे ना सुराग्यभावभा गानायाञ्चनायाचनायान्यायान्याच्या नेत्रयान्वियायान्त्राच्या हुः चुरा वर्षानायायेग्रामराश्चरमा श्रुमाचीः श्चिनार्मेन प्रामाया न्तुःसःग्राय्यत्रन्तुं व्यायाः हेवः वहोवाः वहोगाः सार्वे व्यायहाः हो श्वरः र्येग्। अपिक् में में द्राया हिंदा भी श्रेंद्र कुषाया द्रश्ये अपन्या व्यव श्रे अपन्या क्ष्यात्यः नश्चेशके अपन्तरमें रानश्चेश अपन्तरमें वेर्षेत्र भेरान्य राज्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित मुंग्रामा मुंग्रेन में विटाक्त से समान्य देश न स्वर्ग मिन्य में समान्य समान्य में समान्य में समान्य में समान्य में समान्य समान्य में समान्य समान्य समान्य बनःश्रॅ.योश्नरःक्रियोश्वःश्चीत्राधाराःश्वरःदेशःस्रीःश्वराशःयाष्ट्रीया मशर्दिन्यारायाः कुत्राची हिन्दे त्यहित सम्दर्भमा द्वी हिन्दे या प्राप्ति । र्श्वे र्राप्तराग्रहार कुना से ससार्वि दिरा कुलाया नाम्सान्य स्थानम् यरमेनयन्याद्वारित्रात्त्रात्वाष्यययात्रीयाः श्रीतियाः वित्वयाते त्या स्वैराहे स्रुक्षाते। दे प्रवानी स्वियाय स्वुद्याय विराधिता स्वित्र प्रवादिसा मः भ्रेंत्र नर्भे नः मान्दानिष्ठे अः में अः के अः भ्रें नः कुतः मदेः भ्रें यः न वदः में हो। नर्वम्य। द्वावम्यायायायायाया मुयादेव केवाया सुवाम्यायायाया स्वावस्य व्या नदुःग्रिम्।वयःग्रीःश्चरःनरःग्रव्यःग्रेतःग्नुवःषरःदिरःयरःगीःनरः

स्राङ्गितः त्रम्भः के स्राङ्ग स्वाहेश स्वाहेश स्वाह्म स्वाहम स

क्रमानी क्षा का प्रमानि क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षा क्षेत्र क्षेत्र

## न् र् तुअनुभाषुअभा न्यराष्ट्रन्यश्चायाष्ट्रायशुराष्ट्रिया

# श्चु'वसुयान् सिं'ने ना शुनावि भूनवा

दे त्यः हुंद्र अप्तः द्वानी ख़्याश्या हृङ्क थे छेद से नर्डे नक्क त्या वित्र स्वानी ख़्याश्या हित्र स्वानी स्वानी

वर्षायाची अदे वर्षेषायाचे न्वाकी क्षा सहराया मुदे नश्रुव वर्षे मान नव्यायायायाया हित्या वित्याया यह सार्चे राग्ने प्रमेयायाया मित्रे होत र्बेट र्से अ अहर पर पर पार गायर न श्रेट रिवे खुट अट र र ने के अ निट रे वशासुद्रान्छे पर्देद्रशासद्द्रामाधिव वि । विद्रापदि राहे से सुद्रानु वे सुवामाने निवः हुः दराया देः यः यदाया बेरा वा प्यें दार्थे द्रा ही या बेरा के या है। यःश्चुःपयः निद्यः श्रेषाः विदः वयः श्चेतः द्वेतः प्रज्ञः द्वेयः श्चेषः श्चिषः द्वेतेः श्च द्ये क्रेट्र व्याद्युर सहंद्र यय वस्य वस्य उद्दिय से प्रत्या में पि के पह ळेत्रची सःनससः धरा र्से त्राचे छे नासरः नः स्ट्रेट से दे कु र् ने स्ट्रेट्। ध्रेशने हे हें त्यो ने नहें न गी ज्या हु नुम्त्या विम्यो स्ट्रिं त्या यास्या नेमानर्डमाथ्य रयामीयानसूर्यमा नर्डमाथ्य रयामीया व्यायाकेयाने यायर क्षेर क्षुयाया क्रुव क्षेर के मियायह्य या से यावया सु ख्यायायायत्यायाम्। द्वीप्रस्वावयाके पान्हेत्। अत्यो यावरायायाः र्द्र नशः श्रृंद्र सः गुरः नदेः ग्रायः श्रेरः श्रुंदः श्रुंदः श्रें सः नदः नठयः सः यः वशुरः यह्र दी रमे दि से दिया स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स मिं निये प्यान्य सके अर्थे।

देश्याचिःश्रॅटाधेरवड्दाणवाश्वराधीःस्टाया हैं हेवे चेवायायायहेद दश्याचित्रायाहेर् वयाई हे नर्र वह समा दव यस कुषा सर्वे ना न्यरमा खु व अ वर न ञ्चनश्वास्त्रस्त्र स्त्रीत्रित्र मान्य स्त्री स्त्रा स्त्र स वर्ते मुल नदे हैं में या प्रथम मंत्रे का नै में उन्ता अने व के दार्थ में याद्याशः ह्रुं वः गुः सूः स् याद्यवः द्याद्यः द्याद्यः स्वाधः व्यः स्वाधः व्यः वर्षिर: नुः श्रुः वें अदः वें व्यः श्रृंवः वु यः यः नुः यावव । याववः पदः वर्षे या ववः ने । केरप्रयास्य स्वित क्षिया विषय विषय क्षिया स्वाय क्षिया स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय स शुः सूत्रयाः सद्याः कुषायोः नेषाः देवः सें के विषा ग्रुः तथा कुः ग्रामः द्राम्याः सं ८८.वी.चेद्रतीयाय.यायश्चायाया.श्चायायद्रायायश्ची.श्ची.व्यायाय नक्षेत्र विंदानी त्रुः या तुः अदे वें वृं ना के नड तर क्षेत्रे या के या विंदानी द्राया श्रमःक्रियायाययः त्रियाची ख्राश्चेत्र श्रम्यया उत्ति श्रम्दास्य विष्य यहरी विरायन्याहेयानेरासेरायान्यन्या बुराके कुरायानहेन नया कुन्भुनः वनशाग्रीः नभनः भवरः भीवः हः नम् बुरः छरः भवेः वे निवः वहः हः गठेगायायाई में हे में न्रु मुंतर्ते लेया ग्राम ने श्रेमाय स्वापित्र

हिन्यर्नु जात्र सर्शेन्य विष्य स्थित स नर्व भी मेर पार्व के रामित्र के रामित्र मेर के रामित्र मेर रामित्र मेर रामित्र मेर रामित्र स्था श्वर्रेविकारायात्रहेत्रयावित्विका श्वरीत्वायात्रया श्रेक्षेत्रयाया बूट विटा दे त्र असे अपार्के अप्यत दु नायट स्नाय भी क्षुत रामाय रया ने क्वें न प्रायम निष्या क्षेत्र म्याया विषय वार्याय विषय वार्य विषय वार्य विषय वार्य विषय वार्य विषय वार्य विषय धीयो नुगम्य वर्षेत्र य ते नु कुर प्यत्र केंद्र मेंद्र वर्ष प्रम्म सम्मान्य सम्मान्य सम्मान्य सम्मान्य सम्मान्य हे र्श्वेट नर्द्व ग्रीश सहन पदि गानिव हे गानिन र्श्वेट ग्री श्रुव पदि नि भे दी। नैरः सरः परः सूरः है। । साम्बः केवः यशः ग्रेः हैं। यः न्रयः मासरः निरेः नन्गार्से हिन् ग्री क्री न स्टी दे खुद नक्ष्र कुय है। दे खद यक्ष ग्री हैं हे न षरः सुरुषः शुः सुरुषः स्वेरे के या निवः हे निविदः सुरुषः दर्ते र पा देवाः यान्त्रेन्यनभुयानमा नेमार्भुत्रभेगान्साने सुर्वेन्यन्य क्षेत्राचर तुराचरा ले वर्षे राहे खूट का खूट्यें त्रु र क्रें र हे राहे र गित्रागिश्वरूपःश्री दिव्याविःश्रीराधे गर्द्वाधियायावि केवावि नावर्केः शुन्दरमा वेद्वरमा सर्वेत्त्रमा वर्षानवेतम्भन्याद्र नरः गुरुषः पर्या नसूत्रः पर्रः विदः गुरुषः पर्रः सद्दः दे विरुषः ग्राम्यायायः परः

सुर्पाने प्रदूषा है से प्राप्त को अप स्थाप के स नकुन्ने खुम्राश्च कें म्राश्च कुन्दे । वह्र मन्य भूते श्चेंन'न्सेंन'नृहैं'गाइ'नेंन'नु र्वेन'न्यान्यान्याः यहेंन'न्यायाः अश्यी:रव:प्रवादशःयात्र्यःश्वेरःश्वेरःयात्र्याय्यःश्वे । यदःद्वाःवीःभ्वेरःवेः श्चेंन'न्धेंब'हुं'ग'र'वेश'ग्रु'न'र्नेन्'नु र्चेंब'वशभूव'न'न्ट्युव'र'क्यश याश्चेत्रायम्यायायात्रात्रे। यदे ते देत्र त्यायाया श्चेत्रेत्र ने वश्यक्त नि । ने अरव के राया न स्यया ग्री या क्यया शु र्शे न पदे सूता यानगवानक्त्री वह्रयान्यवास्त्री यज्ञामश्रुमा धरान्यास्यास्य नतुनः है चिंत ह्वा सुर रा सेव यय वेया वेया वे वा हेव यय यह या रादे से से प्राप्त यार्थे र्हेन्यार्नेन्त्रा न्रेन्यार्यार्थ्यायात्रा वहेवा हेव यर्केन्य रहेन ने। ने क्ष्र के नकुन ने। ने लायह सन्यय सुने क्या सून। यह गर्र वे र्देन न्यमा सेना यन नमा समारा के से मर्सेन मा मन्न से प्रेंच मन्न के निय वर्तुमा स्रम्भित्रव्यक्षाते देवा ग्रुवा के देवाका स्रम्य प्रस्कार प्रवेषा वा र्से त्यः स्वाया प्रत्ये वा हेव प्रते देवाया ग्री से वा श्रुया देवा स्वाया प्रत्या स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया र्ने न् ग्रे भ्रे श्रे व द्वार्य व त्या वित्त न्याया यह या के य धित्रम्या निन्यदि वियम्हिन्यान इस्या ग्री धी मो त्याद विया प्या द्युन है। यहन मर पर नमसमार्थी ने पर यहेगा हेत सर्हेन महेन सी न से न वर्षिर्वर्व्व विश्व विश् क्रम्भाग्यम् स्वास्थान्त्रम् स्वास्थान्य स्वास्थान्य स्वास्थान्य स्वास्थान्य स्वास्थान्य स्वास्थान्य स्वास्थान न्त्रवर्षानिता नेषायहैवाहेवायायवार्षेवाषायानास्वाधिवायया न्यया वह्रन्युग्रम्भ्यो । ग्वित्रत्यत्वुर्यं वन्त्रत्या वेश्वाप्त्रश्चात्रे वेश्वाप्तः मदे गान्य है। गा बुर्य गुः ध्रूर ध्रुय र्से से दे गार्ने प है व सर पु न में प हूर नःश्रेषायायाः नितः तुः ह्येन्यायर्थे ।

र्चर्गी:खुव्यविर्म्यवर्गाः ह्रियायायाः केव्यस्य यायायायाः वर् सेसराकेर्टा ग्रॅंटकेर्टा सर्ट्यामी के लेशक्यामाम्स्रास्त्र माया श्रेस्रश्चेति स्वीर्टे र दान्या न दुः नशुस्राने सायायश नुमान धिवाया मूर्मियारानी में उत्तायमा गुरानिया मानी से यास्नेदानेगारेसाम्यासाने। वेत्सासी इत्यसा सुदानेदा देवे सूँ वासासुदा हिर-दे-प्यहें त्र-वज्ञद-र्से प्यश्च क्रुन्दो मुश्रुश्चर्स-प्यने प्रति-र्मिन क्रियः प्रति-र्मिन क्रियः प्रति-र्मिन क्रियः प्रति-रम्भिन क्रति-रम्भिन क्रियः प्रति-रम्भिन क्रियः प्रति क्रियः प्रति-रम्भिन क्रियः प्रति-रम्भिन क्रियः प्रति क्रियः प्रति क्रियः प्रति क्रियः प्रति क्रियः प्रति क्रियः प्रति क्रियः

र्श्व र्रेव र्रेव र्रेव रे के दाया न दे द्वा त्य कुर् श्री राज्य न त्य रे दि राज्य राज्य र र्ण्याम्बर्धाना क्षुर्यस्थाम्बर्धान्यस्थित्रे स्वर्धाना वे ने सायशर्थे दूं न के व से झ ने व के व सर्के गाया गवर विटाने श येग्राराम्य नश्चम् वर्षे क्रिया वर्षे वर्ष क्किंट्रियाहेश्वर्यान्वत्। देर्याहेश्वर्येश्वर्यस्य हेर्यया हीर्ययाश्वर्या मुयानवे प्रवादिशायान्त्र । विद्वार्थान मुद्दारा मुस्यायानगाया सक्षेत्रम्। प्रत्यायम्। प्रमुप्त हेमाम्याम्। प्राहेमाप्त्रम्। प्राहेमाप्त्रम्। र्"यर सर में या न सूना रा निस्मा सु यार हैं त है न न र समारे यार यर में या न मुनाया कियया शुष्पर में त्रिक्य हैं । प्रम्य हैं त्र कि प्रम्य हैं । प् नकु<u>र</u>-प्रायार्थेत्राम्यायायार्-त्रुयायायाः प्रम्यात्र्यायायाः विया यदिशःशुः य्यायाशः श्री याश्राट्या श्रीटः रेविः त्योत्यः संदे ः रेविः श्रीटः योशः शह्यः मायदी विश्वश्राभी देवा मुम्ब्रवाश हे मुश्रश्राके दामी वादिवा विवाद की विश्वश्राम्य विवाद की विश्वश्राम्य विवाद की विश्वश्राम्य विश्वश्राम विश्य विश्वश्राम विश्वश्राम विश्वश्राम विश द्वं न नै रें र द स न हु र है। ने क्ष्र न हों न र में न ने रें र द स य पर हु र वरेवे न न्रामा भेरामा अर्देव हैं। । मानवा भर हैं न र्रोव अर अ कु अ थे नेशक्तरावेशन्तरादी नेसायदेश्चित्रयात्रम्भाह्यस्त्रम् नेदे

र्सून संग्रेंग में न्यया शुःषे ने या है। ने देश प्यम सून संग्रेंन संग्रेंन संग्रेंन संग्रेंन संग्रेंन संग्रेंन नकुन्यदेश्चुःवसुवाक्षीःनन्नायार्षेन्न्यास्रुसार्से ।

यरयामुयाणे नेयावदे मुँदायवे द्याग्या यायया वि र्सेटा हे नर्दन् ग्री:नुसन्दा यायसम्यायाउन् ग्री:नुसन्दा यसायसान्निःनग्रा नियानहेग्रयापान्ययाची नुयासु चुरानर ह्या है। रयापाउदाची रेराया हुरःक्या वि:नग्रःभियःनहेग्यायःन्द्रम्यःही:नरःनु:नत्म्यःयःवे:देवःयः यावर्यार्स्य । त्रदीःव्यः श्रुवार्यः वेवराग्चीः श्रुर्याः ग्रीडिवाः प्रदासः वाडिवाः वा बुद्राचायमा असामिक के सिंधि के सिंध के सम्मानिक के सिंध के सिं नन् यार्गेरार्ह्मेन केना वस्तायायाया ने त्यावर्षेयार्ने गान्तर श्रुराने नन् न्वः पॅवः प्रवः सर्वेषा नेः यः स्रूरः गः श्चेषा रा सेषः श्चीः रहेषः नुः प्रभूना शुः न्यायार्थेवान्वामु अर्के त्याक्षायाक्ष्माने व्याप्तायां यावायायां स्वाप्ता स्वाप्तायां स्वाप्तायां स्वाप्तायां है। अवःरगः विवायः धेनयः शुः चल्या वनः श्रेः वायरः नः विरः हैं स्ट्ररः चल्या सूर्गानोग्रारोयार्ची रहेया हे प्रवेशा विराधिता है सार्से राष्ट्रस्था क्टर्याधिवान्त्रम् अर्के धिवार्ते । यदी या श्रमाधी भी मामु अर्के प्रदासम् न्नर मुयापिक्षा यो ने या मुराम्हें रे कुरा वर्षेया 

श्चित्र सा श्वाद्य निष्ठ प्राप्त कि स्वाप्त यया.पिट.यबुटमा यश्चेर.ह्याम.याश्वमया.या.या.यायामा ५.५. र्केलामी ज्यान का में प्राप्त के किया में प्राप्त के किया में में व्याप्यःहें हे नक्क न प्रश्रायहे अपायान क्क न प्राप्त विद्रः सेंद्राचाया सेंग्रासा गुनःपःनहेशःपदेःवें कुशःसरःनुःवेंन्ने। निदेःक्क्रेनःसः मुःसदेः शुग्राशंवेनः इटा वश्चेराङ्ग्वायावाश्यावातायायायायार्थ्यात्याराक्ष्यात्याराची श्वरापे नेयावतुर यात्र भारते। दे द्या यश्च स्त्र प्रस्थ के र या र्रेट ख्या शा लेश हे र लिट । गर्रात्रुयाययायहण्यायाहे सुरास्याया वेया ग्रात्रुया । भूत्रया वित्र र्शेदे र्र्स्नेन सन्दर्मुद मुद सुद सुत सुव सक्ता में द न रहें त ने रा द न पो ने रा र बुर ने य रन रहं य विस्रय है ना शुस्र धिव रन या वेर कना य शु गुरा वश्रास्त्रास्त्रेन्यस्त्रम् न्याण्याराङ्ग्रेवायस्यायदेवाने। इत्यान्द्र्ने राजायद्र्ये। दि ॔ढ़ॖॸॱज़ॱऒ॔ज़ॱॸॖज़ॱक़ॖॖॱऒ॔क़ॕॱॴॻॱॹॴॱॸऻड़ॱॵॱॶ॓ॴड़ऻॹऻऄॱॴढ़॓ॱ श्चित्रः साह्याद्वात्रः स्वात्रः स्वत्रः स्वात्रः स्वात्र र्श्वेनः या बुरार्से के स्रे। बुरार्से के प्दी स्वेर कंता प्रया या या रेतारे के दे र्श्वेन ने'या बुर ग्री गर्र ररम्भ ने। युः हे बुर में के वे से सामें बुर ने सा र्यादवुराग्वया देवे श्रयाचार्या सेगार्ये हो। दे त्याश्रया सुः हे बुरार्ये

के। अहे अत्राचा अँगळेत लु से। अँगळेत हैं र त्युर हैं। विर रें के केत्र लूग सेते स्था अक्षेत्र ने सार्याय वरायें। देते स्था अक्षेत्र ने रहें। दे याश्रश्यवी क्षे. इं. बुरान्यया विश्वश्या नियम् ने इं. श्रमें व वे । नियम दे य श्रम पिष्ठमा अ से हे र ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ १ । अ से हे र दे श्रम इरर्दिर्दो रे.य.श्रश्याक्षेश वृगाःसर्गेवः दरा वृगाः देर्दे । श्लिंशः केवः र्देरत्वुर्गी श्रश्रहें नद्धं में हे तनम् देवे श्रश्र बुर नगा प्रिंर लें। दि याश्रमानिया से हैं गुन नियम नियम हैं हैं से । गुन नियम श्रम हिया से हें हिते ख्रायने र रे विष्या र से । श्रिहे बुर रें के पूर्य विद्या विष्य श्रीर त्तुः स्रास्टार्से त्या श्रुवा ग्राटा । श्रुवा स्वर्ता रहे स्रास्तु हो से स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर यात्रशायाञ्च वद्ययाद्यात्रश्रेष्ठायाः व्या व्यो वीटाची खेर भूणाः अर्हेपाः यः नर्दः है खुर्या धुयः नासरः ग्रीः नाद्यन् न्वाः न्वरः ग्रामार्थः यासरः न्वरः दरः वर्यश्रात्यश्वश विः द्रग्रस्त्रया स्रावदः क्षेत्रः व्याः सर्दे : दरः वरः वितः वुश्रा केत्रसंज्यःस्वायायाः वुया नयसाययायकेसयास्वेरस्वाः वृग्यः द्युरः वया इक्तिर्राचयर क्रिर्त्य क्षित्र हो। इत्यर्ग राज्येय यर स्रेयया क्रिर्प्त

श्चितः वर्यसः शुः श्रेत्रम। श्चितः वर्यसः ८८: क्रें वाः धिवाः वः स्वासः स्वर्यसः वया वनम्या हे से प्रविष्ठे भ्रेंगा न्या क्षें स्र केवा न कु हे न कु न था र्शेवार्यायायायायायात्री । देखा हे से प्रवेदिया है से प्रवेदिय है से प्रवेदिया है से प्रवेदिय है से प्रव इर-छ्र-भेश-र्यायायाया हु-त्युयाग्री पन्-रार्धियायावियागी है र्बेर-शुर-पानवनवयाने या शिवा श्री क्षा भाग विव स्वीत स गुर्नारारा बदे विदायमें या कुदान। क्षेत्रा क्षुता ग्री हे से रागुराया वर्के १९दे नवर क्षेत्र नेरास्त कुय रेदि । हे क्षेत्र वे। केरा के केर केर हेर दे हे केर शुर्या इवाश ज्ञा अर्थे । या वर हे भ्रेवा व कु द दे। वे रे रेवा दा या बुद न्तृगाः कुत्यः नृत्राः हर्भे वाद्याः इयायः त्वायः त्वायः व्यायः नृत्राः व्यायः नृत्राः व्यायः नृत्राः द्याञ्चित्रान्ता ध्रुयायाञ्चा क्यायाञ्चेत्र त्यायाञ्चितायाञ्चायाञ्चेता याद्वां ता त्वा । तिर त्ये या शास्त्र रावे रशा । भूरश ग्री अप्र र श्रु अप्र र श्रु या । तिर र र न्ययः केत्रः संभून्त्याः से ग्वारः नवेरमा नेवे के ग्वात्रमः ने त्रमः या अन् सेवः वशाहास्यान्य द्वारक्षे । वार्क्षे । वार्क्षे । वार्षे । वार्षे वार्षे । वार देशः सुर्यायः सुर्यायः ग्रीः करः इसयः नसूयः दयः वयः वयः नि यावर्यायते भूत्रया वस्रयाउत् हम्यायाठेया यस्य कट वट्टी भेराया

वुरा रगः हुः नावशः परिः कें विदः परिः धुनाशः सदः वाणरः वशः नश्रदः दी र्ना हु नावर्रा परि १० र्झे व रहे व रहें हिया हिव रहें वे रहें वे रहें वे रहें व रहें नायर है या रहें स्वार्थ अः कंदः नः भेदः भरः मेंदः भः इस्र अः शः श्रें रंभेदः मातृत्। मार्थदः भें रेष्ट्रें । प्रदः भदः ने भुःतुः विवासहं न विन् वया कर वी हः सने हिर हैं वाया हे वावया ग्रीरायमानरपरित्रिक्षेप्रपायीत्रव्यास्त्रुयात्रमा इस्येप्राप्तिन्द्रीप्रया श्रूयः नगरः में विगायर्षे वर्शे राज्या ने वर्षा भ्रूप्त वेर्षा मुख्या मुण क्यार्थेरायराद्यायी क्षुताया सहदायदे के। क्षुकेत वर्षेषा से शाराय है है हिर्मित्रे वार्ये र मुर्ग अप्यायम् हिन् मुर्ग वार्ये र सर मिन्ने र त्या किन रशम्त्रश्रश्राचनार्थे वितर्ते वितर्भन्ते नमायायधेत वृत्ताया वर्वेत नर्नित्रवित्रके वित्रम्भस्य ग्रीस्य विवाग्रात्य स्याप्ते विवाग्रात्य न्र्रिंशः ग्रुनः धेवः प्रश्रः वर्षे विद्या यावशः ने न्रूनः उतः श्रेः नेरः न्रवेः श्याः विवा र तुः श्रे साधिव वाया से सम्मान्या वावि विवादि वासे सः श्रॅम्'क्रम्थ'ग्री'म् ब्रम्थ'ठद्र'य' श्रुट'मे 'नर'र्'म्येर'क्र्यथ'र्थेट'वेम्' डेश बेर विट सुय प्रथा हिट तु पाठेग दश पायेर विद हु अट पर जूट नदे अवर ग्रोभेर सुवारा वर्ष न विना वुर न पर वर्षे न वर्ष वु गु सुर र त्र्वित्वर्यार्थे दूं नायाम्येर स्ट्रान्त हित्त्व्य द्वित् त्र्या द्वित् ही त्यानेर ही । ৾য়ঀ৾৽ঢ়ৢ৽ড়৾৾ৼ৽য়৽ঀড়ৼ৽ঀ৽য়ৼ৾ঀ৽য়৾ঀয়৽ঀৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢৼ৽

सहेशराम्यास्त्र नश्यास्त्री व्यास्त्रीतियासी वात्राम्याम्याम्यास्त्री स्थाहे स्वाप्ता सुर-पःश्च-नर्सेन्कुर्यायदेन्स्यन्त्रःमेन्द्रायायाषुर-दुर-नग्-नियानवदः भ्रे मिह्र अंक्षेत्र के अंक्षेत्र क्षेत्र क्षे श्चित्रत्रेत्रवाराव वराद्रेशायशा वावात्रात्रेराश्चवाशायाव वरावशास्य वर्षा या हो दार्वी अरहे या या या यह दाराया हो दार्वी अरहे दा या या ये दार्थी या ग्रेन्द्रमें अ मेरा ने क्षेर्स्पर मिरम्बर्भाता सायक्या स्या हेन्स्य अ विस्थे वक्रमायत्व हित्ररावारास्यायानीयानेयानेयास्या स्वा रे। दें त्र दि ते ' के राष्ट्र के अधिर अप विष्ठ प्राया शुक्र गा शुक्र दि हो हो हो है वया वर्केन्यावयार्थेयाश्वयाञ्चव इत्याने। स्वायायायायायायास्या र्वेद्रार्थियामी हे न न इद्वामाया कु सेना मेटा सेंग न न न महित्र सेंग न सिंह न ग्रवश्याश्वर्थः वर्षे दुः ठगः र्वे व्याप्तरः ठेगः वर्षे गः नविष्यः वर्ष गशुअःर्रे तर्भः हे द्वापर ह्वाया शुः नहिगा सदे में या गुरा स्या हे दे गहिं र्ने त्यायाय शुक्रो स्वायायया है हे से सया द्वादाया हो दा वर्ष्वायया लूगुः बुवायाया ग्रेन् वेस् वेंद्रायें दाने वालिदारवा के वेंद्रायें का वेर'नम् भ्रापर'र्से'र्से'न्सेग्रार्स्। भ्रिःहे'त्र्वा'राखर'रस्यार्से'स्वा'रस्य न्ययः नः हेना हुः इतः नहेटः क्षेः नेंद्रः में न्यः क्षेत्र अत्र महेना या नेंद्रः र्रेन्से न्यार्नेन्स्यवेत्राउत्यापना पन्याद्वेन्त्रीःस्याप्रेंनें ह्या

वर्षाद्वे भूषाय्वे र हो द द्वे वा व्याप्त र दे भूषाया है र वे वा व्याप्त र दे र वे वा विद ग्रे खूर्य परिंद्र होत् द्वें या हेराया देराया हेराया है या डेगाः भेः दिर नर तर्गान्या भाषर हें नें नें सें तर ही भें सें ने ही भें सें विषार्थे। निरम्थ्यामार्भेदायिष्ठमाग्रीमार्थेन्स्यार्थेन्स्या पर्या नर्द्धवायावारी कुःयेनशासावियाग्रहानन्गाउनाः र्सूहराने त्वाचेरा नशःस्राचिषाः चिष्रानशा स्राम्प्रान्त्राः स्राम्प्रान्तिः स्राम षर्व्यात्र्यायायायात्रात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याः यः कुः र्वे न्याया नित्र व्याप्य स्वाप्य स्वाप्य प्रमुद्द स्वाप्य स्वा श्चानेगरार्श्वा

वनरशः हे 'शें निविदे न्दान्य शक्षेत्रा मुंगूराम निविश्व माने नवी अंशर्राक्षार्यः म्यानित्तुः बुम्रङ्गिया व्यानित्रे व्यानित्त्रः वित्र म्बर्गाडेगाः वर्षित्राया सुद्धे मुः र्वे नामान इव कुरायते सुराय होरान हेगा र्षेर्मा त्रमामास्पर्त्य से से दे त्रमास्य है स्वर्मे के दे लिया देश हिंदा शे स्वर्म 

विंग दशःगर्शेशःधशः केंग हिंदः स्टःग्रेशःग्रेशःवदः नः हेदः तः हुत्वः गश्रम्भायम्। विन्वायक्षे। देवाने द्वालि वेम्यम्भात् क्षे हेवे सम्ववा वयागर्रम् अटालेयार्याग्यायायार्याच्यायायात्राचायाय्या वेश ग्रुप्तर विषय भ्रुष्ट स्ट्रिय स्ट् न्गु'वर्ष'ग्री:हे'सें'व्यक्षुन'य'सहंन्'यस'नने'ग्निन्गस'कु'नें'न'बेस'गुर्दे॥ ने भूर दुवा भ खुर प्रश्न वर्द्ध कुर वार्शेश प्रश्न लेश रवा लेव हु के वा डेगा हुर है। क्वेंन गहेर हो र र उद्या प्रश्र के अयाव अपर ले अ ग्राट खें नुन्सेन्पदे सूनर्या गुरान्नर इस्या सार्चन हिन्द्रे कदर सान्ने सामर लूर्य्य के इ. येग्राना किराना का चया ही विराज्य हैं या के सूर्य के सूर के सूर्य के सूर के सूर्य के सूर के सूर्य मुँ याया द्वार्या या सूर्या है या विरास्त्या सुर्हे दे विया वया हिंदास्त्या सूर्यियोष्ट्रिया ग्रेसिया पुर्सेर या शुर्य र विस्थाय या से विस्थाय विस नेयायाकुरा हिंदार्थे हुदायेदायाविंदाविक्या है या हिंदा हुदा सूर्व न्नरःविशा न्मे नेश क्रिंश व्राथ्य अरु नेश्वा अरु अरु स्ट्रिंग अरु स क्रवास्थाळें वाराधिवा देशावें रावाहिका ग्री कें का ग्रामा है प्राप्त रावाहिका ग्री र्देव प्यट मुन भरे द्वाय स्ट्रिंद मास्ट्रा देर मास्ट्र प्रवेव स्व प्रवेद प्र वस्रकार्य हैं वाकार्यम् शुम्य प्रान्ता निर्हित्ते म्या वसूत्र प्रम्ति स्था र्शेवाश्वासाद्वित् स्टाची प्या ग्रुत् इस्रश्वासी शासी शासी शासी स्वासी स्वीता गर्भरा ने क्ष्र न्युरायरा उटा सके त्या विट गरिरा ग्राट देव के लुरायरा म्लें सार्करा विन् क्षेत्र क्षेत्र प्रत्ये निर्देश क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र क्षे वशायमें ना समय निया में निवा में निवा में निवास में तुर्भागश्रुम्। ने त्र्रभा है भूम् गश्रम् न न वित्र १६ मार्था श्रम भूम हो सदे म्रोतातुः क्षत्राय्या क्षेत्रा केटा वृषा भ्रोत्राया विष्ठे क्षता विष्ठे त्या वृहा या पूरा रे क्रिंट में हे के ला के तरमा भुग्ने भाषाया वया वया वया वह तरमा कुटा नाया र्शेवाश्वारायद्वित्रप्रते त्रुवाश्वाद्वित्रायन्य सामेत्रायान्य साम् वुर नश दन्ते रश दर्वे नदे देव वुश ग्रम द्वीन देर नम दर्ग सुरा न ৢবর্লী৴য়৽ঀৢয়৽য়ৢয়ৢ৴য়৽য়য়৽ৢয়৽য়ৢয়য়য়ৢয়৽য়য়ৣঢ়ৢ৴৽ र्रे। । ने व्यन्दर्भे नड्न रुट्यो नुरुन। दुनाय खुट्यो क्षें स्व अर्केन हेन डेगार्थेन्'रायार्भेन्'रायाचेन्'डेरावन्यायाः श्रुःहेरायाचेयायायया व्ययाया विगाःधेव हेव वर्गाः प्रश्रः स्यक्ष्रः ठव ठिगाः वर्गः वर्गः श्रुवाः स्रूवाः स्रूवः विवः हुन्गुरुर्श्व । यद्भः हेरा निद्रा ग्री नर्यस्य मुन्ति । यद्भानी वि श्चित्रसहर्भिते हैं। के हैं दे लिया वर्षा हिरायन रूप हैं से निवे में निर्देश यःत्यावः प्राम्यादः प्रथा वस्रयः उपः ग्रीयः सरुवः यमः प्रविषाः प्रथा पश्चि यादार्वभावस्याभावस्यान्दाभूता यार्थयाः भेरियाः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वाप्ताः श्चायदे के कुर हें व दर माश्चर या वार्षिया से देश श्चर विर मी ही दें व व्याः वृत्रान्याः सूरः प्रयाः कुरः तुः सार्थे रः। देः तुरः यावियाः वर्षः व्याः वृत्रः व्याः ग्राम्कुम्नु अर्थेम्यम्बर्गाया नेम्यु हेते विषव्या मैंग्रायक्ष्यः सं धित् ग्राट्या शुया स्या तुर कुट मी मेन्यायायाया वर्गेट विवायाश्वर। श्रुरःवरेयानेवाशयदी श्रुहेख्यायखरपदिर्वर्भायः स्तरा र्केश ग्री देव त्य क्विं में स्त्री स् श्री दे.लट.योलभारी.पिट.मिय.की.पिट.ये.तकर.थेय.भ्रीट.ययु.रेभाशी यी.ता. इस्रभार्यो सार्केन् से पासुसायापान्न द्या हिन् के सायकन् १३व सी प्रस्त राश्चित्राः निम दाश्चित्राञ्चनायाः वर्षे माश्चित्रात्रात्र साम्यान् वर्षात्रात्र साम्यान् वर्षात्र साम्यान् वर्षात्र साम्यान् वर्षात्र साम्यान् वर्षात्र साम्यान् वर्षात्र साम्यान् साम्यान्यान् साम्यान् साम्यान् साम्यान् साम्यान् साम्यान् साम्यान् साम्यान् साम्यान् है। व्याक्तुः र्वे दे पर्वे अः व्यव व्यव अः द्रायः के वः र्वे वः वः विद्वा वा विद्वा विद्व विद्वा विद्व विद्वा विद्व विद्वा विद्या विद्य विद्या विद्य नर्भेर्नर्नायद्वर्नाधेवरम्य। वर्षेर्वायाञ्चर्मात्वर्भावर्ग्वेवरक्ष्म्याः स्त्रुन 

व्याप्तित्र विकास स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वापत र्द्धेग्रम्भ्रम् । इत्रम्भ्रम् । त्रम्भ्रम् । त्रम्भ्रम् । त्रम्भ्रम् । त्रम्भ्रम् । त्रम्भ्रम् । त्रम्भ्रम् । इन्। त्राविवानी अवयायअव। व्याक्ति रेदि हे से र से द्या रे के द हिना हु इत्रा क्षु हे दे विनया गहिया न स्यान स्यान स्यान स्यान स्थान स्य नश्चुर्रायम्। ज्ञानी सर्वर् प्रदार केवर् में केवा विराधित प्रियर् जीवार् प्रम्यमा यंकियां भ्रेया अवयः श्रयने अन् क्ष्या वन न्योयः वन्नि श्रायन्यां भ्रा षरःषरःषःवहेषाराःहेरेव्दानवेर्केव्युवाकेन्येंगान्ववायायहेसानर नव्यायात्रयाञ्चातायायात्र्री।

ने प्यट प्रदर्श हैं है से सम्प्रिति प्यट मुं मुन्य मुन यशः व्हुरः नवे : धुना कुः नश्याना हतः वी : श्रुनः यः वुः नः हैं : श्रेयशः द्यवे : श्चितः वनमः निमायः समाये व सह दान्य मान्य निष्टा से समाय समाया सिर्देश समाय न्यदे विषानी वेना या है । बना नी खुर या हैं है । से समान्य या ने दसाय चुरा बूट'न'बट्'पर'ग्री'श्रे'यळेट्'नहेश'नेट्। ठेर'बूट'वयथ'ठट'हें हे सेयथ' न्मदे रूर् निविद् र न्या यस यस यस या राष्ट्र र निया ग्राम्य निविद्य । हेंगानी सशुनहरूप प्राधित। यद द्या पर या हर पर छे प्यद से द सूस रु रदायानवुग्रासमा हैंग्रासाकेत्रां रदासूदारेशसे दारी द्वीद्रासा

न्तराते। अर्दे रे व्याप्यस्य उदाय विषय । स्ति विषय विष्टि विष्टि । सळ्य. धेर. राषु. रची. चलेश स्थार्ची सर्वेर चि.च.च विचा रेषे. रूश श्राच्या हि क्रिंशयिर्यर्था र्रीत्रत्वशरिर यो य्वाया स्राप्त्र या विवा खुः हे त्या वर्षे से रा हो र र् जुरक्षे विश्वास्त्रवात्रामानार्धिर्याने केशाउत्र्राचनात्रश गाना कैंश उत् गुरामशा गान केंश उत् गान केंश उत् हिंद वहेगा हेत रहा कुन्रप्रेरप्रियाम्याम्यस्यक्तिन्त्र्यः क्रिन्यस्य क्रियास्य क्रियास्य क्रियास्य क्रियास्य क्रियास्य क्रियास्य यह्र रायानायार्च्यायाळवायाये रायराध्याध्यावारवासूता देराविः र्रे अर्ळर क्रेरेश वया श्रु अप्तर प्राप्त प्राप्त प्राप्त वया भ्रु हे ते क्रेया अप्ता वैरमार्चिना ग्रुटायन राधेवार्वे प्यारा ने स्थार ग्राम्य मार्गि के स्थार्थ निया वि माशुस्राध्याधियापाडिमान्दान्य दुनिवासायाया दर्गेत्राय तस्य पर्देत् यदे मुद्राचित्र विश्वायाय भूता विषा दे विष्य केत्र से विश्वास्त्र से विश्वास से क्ष्यःक्ष्यः वश्यन्त्रः विनः नि वर्षे निक्षः व निष्यः व न वनशायशाग्री भूनशाशु मुन रहा सामुन नर्गे शासायनुगा वेर वशा वर्गे शा मिया.स.क्षेत्र.य.क्ष्य.ग्री.सर.ट्यीय.ह्र्य.१५४.२.व्रिय.सत्रा त्यत्र.टे.य.व्र्य.स. मिष्ठेशन्दरम्भन्त्रशहें में नवने त्या नुन्या वर्षा में ने स्वाया वर्षा ग्राबुदःवहेत्रःग्रीःवद्यदःवाःहेत्रःग्रेद्याःग्राःह्याःचाःचग्रोःत्या १५तःर्घेयाःग्रीःग्रीयाः

मानर्डें त्रानु सके रें मार्युमा नर्ड् त्रामानिकात्री नत्री स्त्री सर्वेमाउत् ब्रॅंशर्स्य रे.य. द्वेया वर्या में व्याप्त स्था लट त्यव र रे व्या कि त्य की प्राप्त सामे मुयाग्री मनायदीयान्य। वृत्र में या ग्री में प्रियाग्री मार्थिया विकास मार्थिया वि नेरप्यों अर्ग्ने म्यूर्य कर्में व्याप्त म्यूर्य म्यूर्य स्थान म्यूर्य म्यूर्य स्थान विनयः हिंगा के ना देवायाया के ना सुन्तु र हो दारा हेवा व्या दर्गी त्रः क्षेत्रः स्टायः क्षुः गुरः देतः दुः रोषायायः त्युतः त्या । स्याः त्युरः यः स्याः स्याः स्रीयः स्रीः मुन्यमा न्याविनापर्यो साम्भावत्यान्या न्यो न्यो न्यो स्यो मुन्य के साम्भावत्या गुर्यास्य हें व वे सायदा द्वारा विव प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त विव प्राप् ग्री प्ययम्बास मार्से श्रवास ग्री नाय है में मार्थ में निया विष् वश्चूमा वीमर्निश्वे विश्वाची विष्या दिया हु ने में श्वासी सिंश ने स्वासी विश्व ने स्वासी विश्व ने स्वासी विश्व नमान्त्रवादीर सक्षेत्र। वे सा तुराया सुया नाया नगाया नगीं वासे नामर वु'माशुर'भूता सेस'न्नर'सेर'द'रो श्रु'वश्चय'वर्दे'य'न्ग्रीय'विर्देर श्रुर वर्देन प्रवे नु राष्ट्रा क्रुन मुन पुर्य ना हेना न्वे राष्ट्र ना ना सुर राष्ट्र या सुरा राषोवनराष्ठीः सरार्षे नाष्ठ्रत्तु स्त्रीता वर्षे छुटान्वराने तरे । श्रुव्युवा वर्रायावित्यसम्भित्रम्य भी मित्रहेर्रिस्सिन्य हिन्ति । रायर्गामश्रम। श्रमान्यक्रमवित्रस्य क्ष्माक्ष्मात्र्या यश्रियाची यात्रभूतायायावित्याययाच्यायात्रभूतात्वीयायाच्याया

यगः हे अयदे हिंद् ग्रेअ हुँ दशः नेगागशुद्र अवश्वः स्वायः वृदः प्रश् र्चेत्रसधितर्से । ने त्यः र्सेन समान निष्ठा मार्ट न कुन् सुसान दुः रुम रयः याश्वयाद्वापित्र द्वीयाकेत्रायित्र प्राप्तिया ध्रयार्थे के से पाठिया न्युयायासे गहेश इम्तुर्से गहेश वेष्य केर्म अस्ति से मार्थस्य मार्थस्य स्ति से स्व र्वे । गान्ननिर्धेष्टी ८८ से ५ मे निर्धानिक के स्वित्र में मान्य से है मान्य से है हिन्यः केवार्थे क्विन्तुः साम्यायाधेवायाया न्वो निक्षाह्नुनर्थे न्ना हुन केत्र में महिश्र पेंत्र नन्मा महिमा मीश सुर में मान्त इरश द्रश केश न्व्यानाश्रम्भव्या विस्तिविः स्तिन्त्रम् विस्तिविश्यायम् हेरिः श्रुवः हिन्द्वारायकेत्रयं नदेख्यारा ही क्षेत्रां त्राया वर्षे ने सहन्यायारा ययः व्याप्या र द्येग्यायायार या न्द्रमा न्याया स्टा देव से स्र्रियः रायायारायारा त्याराया द्याराया प्रत्या वित्राय वित्राया स्था स्था यायवासेन्यम् सुमाने । निवेशहेशायासुन्सेन्यान्य स्वापाय स्वापाय

ब्रिन्ग्रायान्यः क्षुःतस्यान्यते स्याप्रायायाः स्याप्रायायाः स्याप्रायायाः स्याप्रायायाः स्याप्रायायाः स्याप्र न्ग्रेयायिम्न् प्रदेन्यासायम्यासाससा सुयानेसार्वा मून् नुःश्वरःनःसर्देन्ःशुस्रामीः स्वर्तः साशुस्रायमीम् सामाशुरः। देःनःसे पर्देन्न्सः नुस्रान्य। सेस्राउत्स्स्राणी सान्यापिते विविधासूर रूट कुन्य हुँ र नरः ग्रुःनवे के नः न्यायः अर्दे कु नः नुः । यायः यायः । नर-तुरामशुर्यायय। यर यत् से र यर सुर हैं। दि सूर विंद न विश रेशामीशादेशायश वस्रशाउदार्श्वेनशायायदासेदादुमुराहे। देराविंदा क्रम्भावासी वेगामाकेवासिकेमान्नेवासिकेमान्नेवासाम्भावास्य मन्दर्भेषानवे र्भेन्यामन्दर्भेन्यामन्दर्भेष्यामन्द्रभाविष्याम् ग्रम्से हेन्यम देव्याम्य प्रविष्य विष्य दिन्य स्थान मर्दिरम्बा अरर्सेन् वनश्यी अर्सेन न्देन्न न्द्रम् व न्द्रम् व विनयानुरानु से पर्नु रे से स्वतास में मी या ने साव या सम्यास में पर्ना न्या नडरान्यायरास्त्राङ्गेहेते सुन्स्रान्या दे स्ययाया नानाने हुर न धेव दें। १ देश विंद इस संदूर वें न वस हैं न दें व ही हुर हु म्रेव रं वा म्रिन कें श्रा स्ट्रा स्ट्रा रा स्ट्रा म्रिव म्रिव वस पास्ता स्ट्रा यान्यः ग्रुरुषः प्रथा सः न् ग्रुरुषः ने 'ख्या'र्ने या'यी 'खुरु' प्रश्रानगान 'द्रश्र' बुरु 'खुर'  मदे वसायाय विद्यायदे नगद्वा स्राम् स्राम् हे से से से से देश से देश से स्राम् वयार्केन ने छेदे धेर दर्ने तर् प्रमुर वर्गमाया पर इस्र सम्बद्ध र र्रे मश्रूराभूता ने खें हे दे मुन्य ह्या स्याय म्याय हिना हिना र्रेशरेन्स्र त्यायन् भ्रान्याश्वर यो त्यन्या त्रेर वेशस्त्र न्या रेतिय नश् देवे के उट भे गुरुट नर दट मर के अ विवे प्रर कें द द अ के अ गुरुट पिर निव में प्रति विश्व के विश्व कि वि केव में नायर यूनाय परी धीव पर पर्ना क्रियान या नहेव वया यह या कु नरःवर्देरःमःवर्देःग्रमरःस्ग्रम्। स्यायः भीता सक्तं हेरःमःवः सेरःसूसः रं'त्। बुर'कुर'न'क्षु'तु'नश्रद्भ'र्य'श्रद्भ'क्तुश'म्बुर'त्र्भ'ष्टुर'र्से'ग्र्याश'र्भे' क्षु-तुते अळ्त केन् भाकेत में प्यान हैं स्वाय रहते के या या निर्ना सम्पन्त्या ममा ने न्याय व केया बुद या शुद अन्य ने त्य से सस हिं या स शी या व ता द नुदेः र्र्भु र्र्भून र्भूग प्येम। सर्देदे गान र्र्भुन सुरमा ही प्यान हो वस्रवाक्तीं मानाक्तान्य क्षान्य क्षान्य क्षान्य विष्णा विष रेदेः अन्दर्भे हें भूगार्गे । अर्थेग् गुर्द्धन्य र्द्दर्म गुर्द्ध भेषा गुर्द य्याया गर्रा मुर्ने अविष्यायार्या शुः हेर्ने के से राजेया स्वरं भू स ग्रम् कुन इन्या भूगा देन्या स्नुनय स्नित्र नगाया नग्रयाय वर्षेया शु क्र्रेन् हु म्यायाया हे हें अर ग्रम्पय प्रमाय के प्रमाय विक्रा

वयः संश्वेदः स्वा रसः श्वेदः क्यायः याश्वायः यञ्जाः सः यद्वा वि । श्वेद्यः केदः भ्रे महिरादी वनवः भ्रम्भ में मामाना में महिरादी स्थान में के दी यशः र्रेट् ग्री ने र्रेट् नर्रेट् कुयायाँ सृत्तु म् ती महेरा दी वट र्रेट्ट स्वाया शेर्द्राष्ट्रिर्देश्हरम्यायाश्चर्ये स्थास्त्र्राद्रायाश्चर्यः स्वासाय वर्षेवासा कर्षा श्री सामा श्री हो दारा प्राया में दार प्राया से दा वर्वी अ'वें र्दू 'न'न'रे। ग्रायर अ'न' इस्य अ'वा हेर रह कें विं वा धुगा वर्ष वा र्देव'यट'सेट्रा म्यावनसासु'नश्चेषासार्देव'यट'सेट्र'ससा हेट्रर्ट्टरहें केत्र रें विवा हुर नदे के स्वाय प्रायस्य उर् वर्के वाया या हुर कुर न च्यायत्वी त्राचल्यायाये शुत्र्यम् राववी यावी द्राच हित्र वर्षा श्वापत्वया ग्रीप्तर्वार्वे नेर्पिरम्बस्याग्रीयाग्राराध्याग्रास्त्रो द्वित्रेराग्रीय र्विटः इस्रयः तः ने। बुटः कुटः नः यः धुम् स्वे ने ने ने दिस्य हो नुः वे नः व्या हिन्स्र सुमा अहन्य है दुना विनाय । विने दुन दुन दुन दुन दुन । नर्डे अप्युत्तरम् राद्या केत्र सें द्या दे पदी गा धित सम पद्वा सूखा साय श हिन्ने मुन्दि नुभाशा भिन्न हुन्दि स्या कुरान मे भारा है मार्थे नाया नुभा

वयःविगावःश्वःहे केवःसँ याविंदागी ज्ञदापदः तु गयेवे गावः खुयः द्याः विंदः न डेग र्थेन मने हिम्न या हैं व हो। मन्निया हिन या भ्रें या सेन न्या मासुमा वरक्टरनर्गिः हे लुरायया दें त् हिराय र्वेना गश्रा रें त रेंदे याया ह्मार्यान्यस्यान्यते वतः कटार्षेत् नात्रम्यान्यस्य म्योदे मात्र दे मार्थेय त्या न् सेन्न्सम्बर्गः यदःइदसःससम्बर्गः विद्यस्य विद्यस्य विद्यस्य गशुर्। यरमारद्रस्य पत्र द्राये से द्राया शुर्। द्रुर हो मार द्रस्य नर्देगः शे-विदानितार्दित्याधेवाते। देवाग्यत्यक्षित्रक्षकाक्षेत्रावितार्दित्योः गशुरुषात्रमा वयापयागशुर्याम्बरावयानेवे नियमायाया ने वया ब्रिन्स्टर्यः क्षेत्रः नः विद्यां ने विव्याने विद्यां निष्यां ने विव्याने विद्यां निष्यां निष्यां विद्यां विद् व्यानुरानाधीवाभूता ने भूता या स्वामानिक स्वीमानिक स्वामानिक स्वामा थ्व प्रते थूं हे ने निम्निम् कु ने निर्मित्र सुरे सुरे सुरा सुरा सुरा निर्मा सुरा नु धित्रित्रे। श्रुक्तर्ष्टीक्तर्पित्रेश्यश्रा हैं सें श्रुस्यान्वर्र्धित्रस्यार्भित्रेश्य नर्दर्कः खुर्याद्रवाष्ट्रेर्यायाष्ट्रेर्यायाष्ट्रिर्याते हैं निर्देश हैं निर्देश हैं निर्देश हैं निर्देश यः भूगुः सुरार्से ।

यीद्याः में राष्ट्रवार्श्वाः स्वार्याः केवार्ये ते प्राय्याः स्वार्याः स्वर्याः स्वार्याः स्वर्याः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः

निवंशासा भेतात्वरा गुःशाता केंशान्त्र विदार्थिता सहिर्धे सुदार्शेतात्वरा म्यानाम्बर्धारान्याः सूरानरा मुतान्याः स्वीतान्याः सुत्रान्याः सुत्रान्याः सुत्रान्याः सुत्रान्याः सुत्रान्याः धेश्वान्ते वर्षेत्रेश्वनायायान्त्रम्भ्वायियार्वे में विवायन्त्रायार्वे में व भ्रेयायय। वायाने स्थायदाना सर्वेदात् । उत्ता इस्यायाय विवासाया दिन्छेत्रके न विवा वाश्रम्भात् ने स्थानहेत् सम् नववा स्था अहे केत म् म्रू.स्यानः श्रीट.म्.क्यातातविट्यास्य त्याम् त्याम् विषयास्य म्रू म्रू स्वाप्ता लेशाग्री ही स्वराग्रामा नितान प्रति नित्र नित्र नित्र नित्र नित्र स्वराम हिन्दी सित्र स्वराम हिन्दी सित्र सित् यातर्त्री नायायत्र विवास परिता दिता नरायत् वा स्वास स्वास स्वर्णा स्वास स्वर्णा स्वराधित स्वर्णा स्वराधित स्वर ग्रेन्स्व्यार्थात्रास्त्र एक्ष्यात्री विष्यात्रम् से स्यात्र में न्यात्र से स्वात्र से स्वात्र से स्वात्र से स निव हि शुर व डिवा देर वर वर्षा यथ। भेर हैं र से र बेवा थ वा शुर । दे क्ष्र- बुर-भूगुः रेट वो न्दर सद्य कं रें र र्ये र ग्रावाया दे प्यट विद्य र य शुःष्पनःग्रेशःश्वॅदःवगःग्रुशःदशःवेःषदःशेदःमदेःतृशःगविगःददः वुगः ममा ध्रमानानी पिर्विद्यमानुष्यदे हुं निर्वे खेंद्र मन्यस्र नर्से ५ त्वस्र अभिना स्पे ५ त्व १ त्या स्वा स्वा स्व १ त्या स्व १ रश्यानव्याः ग्राम्यस् अः व्यायाः याश्यम् वयाः विष्यायः वर्षायः वर्षायः वर्षायः वर्षायः वर्षायः वर्षायः वर्षायः व। नर्द्वायार्थे देवायी यावयार्वे राक्तु नामकु न्द्राया निवास के प्रत्या न

चूरःचया उतःबयःवया म्वःसरःचूरःरंगश्ररःभूता नेःवयःयरेःयः नर्भेत्वस्यः उतःबयःवया म्वःसरःचूर्यः व्याःदेरःनरः वर्गाःगश्ररः वयः चूरः नया उतः बयः वया म्वःसरःचूरःरंगश्ररः भूता नेःवयः वर्नेःयः

स्वार्म देव:स्वार्म्ह स्वार्म स्वार्म स्वार्म स्वार्म स्वार्म स्वारम् स्वारम्यम् स्वारम्यम् स्वारम्यम् स्वारम् स्वारम् स्वारम्यम् स्वारम् स्वारम्यम् स्वारम्यम् स्वारम्यम् स्वारम्यम्यम् स्वारम्यम्यम्यम् स्वारम् स्वारम् स्वारम् स्वारम् स्व

ते त्या बुर् कुट्या यदे त्यों का या सुना सा खुर का दे का दे के दे के दे का स्वार के त्या है। प्रार के स्वार के स्वर के स्वार के

या वर्षिव नर्गेव अर्के वा कुषार्थ । धरा बुर कुर पवे छे . भु इ वा हे वा पा निर र्ये हिर्दे । दे सूर बुर कुर पड्या कुर या केया प्रवेश पदि भेर में सूया थ वज्ञुस्रायि नसूत्र श्रीसामित्राया नेपाया है। देवे के वि स्व नियाया नेपाया नेपाय विष्ट्रमान्य अर्थे न दुः नुवा वित्र

कुःर्सिः स्नृताः वारा वारा वारा कें कुटाया र्गे र वे कुरा क्राया विधित्यात्राप्त विश्वाया अस्ति क्षेत्र विष्याया अस्ति विषया ने या भे हे हैं सुना या के वर्षे दी। सुन्या विवाय के नुष्य शु र्स्यानश्चित्यान्यास्य स्थान्य निष्या ने न्या कु नम् निष्या ग्री:श्रम:र्ग्नेवा नेवशक्षेत्रायुरशासु:य्यमाग्रीमःग्रीवावशाने विमाने गशुस्रायाकें साम्यत्। नगुरार्थे न दुःनगुः या के वर्ने न सहन समा शुः नर्सिन् के दार्स कुषा हे 'र्सेन पाहेर की वर्स के न्या के नाया भूनशन्तरं वात्रशर्मे दार्भे देश स्तर्भे विष्या में वार्षिया में वार्षिया में वार्षिया में वार्षिया में वार्षिया मुश्राम्याम्बद्गान्त्राचित्राचित्राच्याः स्वाप्त्राच्याः स्वाप्त्राच्याः स्वाप्त्राच्याः र्द्धरायाश्चित्र इत्यानीता में प्रदेग्या सहत्त्वयाश्चित्र पाहेर इयया है पाया यर सहरित्री रे.लर गाया वि.क.सर्रे श्रुष्य से समार्थिया मार्थिया म्री मुन्यम् प्रमा स्रेम् सुन सुना प्रमा इयशः ह्रियायः यस् त्या स्वरं त्याः स्वरं या स्व

याश्वा क्षेड्र निर्धायात्रयाचि त्या हिया शास्त्र केत्र च कुर् यान्सर्यान्तर्यान्तर्यायात्रम् ने भूर्यामर्थायास्य विष्यायास्य र्वेश नश्रम भी शर्भे पर्ने ग्रम केंद्र पर सह दिन प्रायम श्री र भे हैं भी सुग मन्त्री मार्या समान्या निर्मे हेते सूय मण्येत्र ते त्राम्याया समान्य निर मुँग्राया मुँद्रायदेरायायर स्वाया मुँग्यस्व या मुयायर सहदाया मुँवा व्या गर्यः ज्देः र्क्षेग्यः नययः जीयः ये । ज्ञानः यः र्क्यः जीः वर्षेरः वे नर्भेन र्भेन अन्तर्भागित्रियः वर्षे भागिते वर्षे वरे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व क्किट्राचानुवार्थार्भेष्टार्भेन्द्रम् वार्थाः स्वार्थार्थेः वसून्यान्द्रावेटः क्रुअःयरः अहं दःदे। के ब्लान्ध्ररः यावायः यः धेवः वे । दे : द्वाः वी वदः वयः ग्रहः ष्ठ्रग्रभः वेदः पदेः क्रें नः सः निवासुसः न दुः गृहे सः चुदः नः या से निवि दी। न्यरः क्रेंब ख्राया श्री निय है गये राया हा क्रेंब हैं। हे ज्याया गर्ध क्रेंब हैं। विनानिने है। भ्रे भ्रें व कु वन इसवानिस्लें छूट वना अर्दे ने अदय वनामाईमार्ने स्निन्द्रमार्गे क्षेत्रमिने कुर्मेता कुर्मेता केर्नेता हेर्नेता वरः भूवः वें। त्रायवः गडिगारं व। यः हेदेः वयः वय। भूवः विःयः हिनः क्रूबाश्राद्ध्राक्षराक्षराक्षराक्षरावर्षिराक्षर्वेच रक्षाम्याद्धराविराक्षर्वेच गश्रद्भा क्रिंव निवेश ग्रद्भाग्य निवेद निव ५८। श्रूमः नर्भनः अपः र्रोज्यम् अभः श्रीः श्रुमाः नः भ्रमः नः भेरः श्रीः र्रे रिष्टाः अपः प्रमाः

पिरः र्रेवि र्वेवाशः विवरः नर्भेरा वाशुरः ग्लोरः सरः रुः सहरः वशा हिरः रः बेर्पायासुर्द्वासानुर्देश दर्भार्पेश्वासानुर्द्वासान्त्रीया कुर्द्राप्त सम्भव राष्ट्रिय प्राप्त विवा दिर्द्रा मा शुर्य स्या सम्बार विवा प्रवेर या वसास्रावदायायस्यायात्रस्यान्वेयायार्थे। । यदास्रगुरःवियाः विदेशाहेः वसम्बार्थान्य मिन्ना दे सूर्यासम्बद्धार ने निष्ठा मिन्ना म है। सह्याः हुन्रस्यामितः न्द्रीत्रासीयामीयास्यास मित्रास्य प्यानियायाः र्शे । देवसार्वेटसाइससाग्रीसासेससाग्रीसासे पर्वेट्टिसा र्हेट्सा नन्नः मुद्दिशः मुर्या सर्वन्त्र सर्वा स्थान्य स्थान् मुद्दिन मिद्दिस्य स विवा ने भूर भे छेन में प्येव है। दश में दर्ज मिये श्री ने यो या राम प्रमान मा ने त्या के कि निर्मा न निर्मि के कि निर्मा निर्मा निर्मा के कि निर्मा कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा के कि निर्मा कि निर्मा के कि निर्म कि निर्मा कि निर्म कि निर्मा कि निर्मा कि निर्मा कि निर्म कि ने न्याने ते श्रे के त्या भारत्य द्वाया मुन्या प्राप्त के न्या के स्वाप्त के स्वा यदियायः निरार्थे सूयायायानेयाय। शुरार्श्वे रायदे के स्वायायाविवायः ळ खुग्रा य से य प्र विग् गीय ह रह राय वह र में विग य रहर गी सुरह गुग्रायायायायार्थे देवा नसून वया स्वाया वर्षायाय दे वर्ष देवा वर्षायाय वर्षे वर्ष वर्ष वर्ष वर्देर-र्शेट-वर्द-विगाणिव-विश्व-शुश्राग्राट-र्ट-विश्वासा ग्रुट-क्षेत्र दे व्यूका वरेग्रास्क्रीयानाधीत्र ते विशाम्यायाया ग्वित्यमाना वित्यमाना वित्यमाना

ग्रभःग्रद्दा श्रुं स्वाप्तित्व द्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वापति स्वापिति स्वापति स्वापिति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति स्वापति

धि'गो'गावव'न्गाव'ने'स'यदे'र्स्नेनस'र्सेनस्र स्टब्स्व छी'न्गे'र्स्नेनस्र से र्या नेते र्स्नेन अर्थे व्या ग्रु सेते सम्माने सम्माने सम्माने सेते र्स्नेन सम्माने युःस्ते वार क्रेंत प्रस्था नर्भे प्रस्था ने दे क्रें न साम करे हैं के स्टेंस के स्टेंस के स्टेंस के स्टेंस के स नःलटःवर्गाम् के. इ. श्रुं स्वाप्यः के व स्वि श्रुवायः ग्री श्रुयः ववार्यः निविदेः वटावरासर्केना पुः शुरूराया थुः हे प्रे स्विन् सुः वना दी से सार्या तयह सा स्वित् नर्हेन् गु.नम्।नम्भ शु.गुन्त्रम्। सूर्वास्थ्री सूर्वास्य महिन यग्।पट्यान्तर्भे सूर्यान्याः भ्री स्वापर्यः भ्रीपर्यं विद्या ने याः भ्री सकेर मश्रमाधिन प्रदेश्या भी मान हिंदा में अशा मुख्या मुख्या में या श्रमा में प्रदेश स्यार्थ्यात्राक्षेत्रम् प्रमु स्वर्गा स्वरायवि दी देव के वी हे से मुखाय बह्या कु व्यामें देव केव दूर है में यह शासूर शहूर प्रक्रव हेर ग्री ग्रा अर र्श्वेन पहिराया वित्र वि या बुद १६द । जुरा स्था में । यर जुर क्षे सु में । यहि या यह या स्था मिं यहिया ग्रीशर्वे नश्रुमान्त्र त्यारावे ना के त्यार हो। यदे त्य के त्य के त्यार हे त्य के त्यार के त्यार के त्यार के त धेवा दशक्ष्ववर्गे नरत्वा के ज्ञानमा विद्या है स्वारी देदाय है। यश्रास्त्र मुद्दा हिंद्र श्री शर्मी व्यव्या है स्वारी स्वार्थ क्रूंशन्त्रेश्वर्श्वरान्त्राच्या नेराक्षेत्रं क्रियाचीया नव्यामानमार्केमायम् नेप्यान्त्राहिः शुः इत्यादेवान्यम् र्सूनः मिहेर्स्यहर्ने न्द्रिं स्यळ्व हेर्माय्य स्याय्य रुष्य देवे छे व स्याय्य सर म्याम्यायाया भी हिर महिया दयर पर्या महिया के स्वा महिया यहिया यह स सिव्यायात्रास्त्रित्यायात्रवा स्वाप्यायात्रकेष्यान्त्राः स्वाप्यायाः क्रेट-रु:वन्नर-नर्भेर-धेरायवट-म्यायवन्ते। देन्स्रर-सळवन्तेर-वेर्न्न्य-ग्रथत्र्री देवश्रभृहेळेत्र्रभ्भुं सुग्रभित्रवार्थत्रभः इटः दुः स्याश्यायत्रदः व्यवित्रक्षात्रं नदुः परिवानत्वायायाया वे निश्वयानर दुः हे श्रया श्रूर हे द रामाश्रुद्दान्य अया व्रवाहरम् मुन्या सेवया म्रेट्रावेन्रास्त्राण्यास्यानुद्रानाया मुन्तर्हेन्रसेट्रान्स्नान्याम्यान्द्राहर क्रॅशयिंर भूनशः निवा पुः हुट निवे के। क्रु निर्हेत शेट निर्वे वार्षे वा वीशः क्रिंद्रायात्र व्यायायित्र या श्री स्रोहे क्राव्यायीयाविद्रास्त्र सुद्राविद्राद्र क्रिया नडग्'रायान्ग्रेयान्यान्यायायाः निन्दुः वर्देग्यायायम् ग्रुटः नवे स्रेटः नु यत्र-तृ निश्चे दः हैं वार्या वार्यया श्रीया विदः वाद्यया प्रया व्यय । उदः वाददः

विदा विदायरकी मान्स्राया विदायर के मान्या के मान्य पिट.स.र्चेर.कू.चीवेव.स्थ्रश्राक्षश्राक्षवे.स्यो.चय.कुट.कूर्याग्री.वि.क्ट.चरु.कू. क्रुशक्तुः अळवः पटादे पोवः गश्रद्या दे स्ट्रद्ये हैं . शुः चया दे दे रा सहरात्रमा नवि न दुः वसायानवि सायान्याने नासान दुनः सहराते। देवेः रुषासु द्वारा क्रिंत पूर्या द्वारा दिया से त्या से वारा क्रिं सूर्या सदे म्यानाश्वराद्धान्त्र साम्री मायने मायने मायन स्थान कु:इन्रभूर्यायावर्न् है:वायवा श्रम्भून्यी:भ्रून्ययोद्ध्यया ८८.सेर.भ.६.भ.शूर.चथ्या.यी.सेयाश्चाश्ची यावय.लट.सेर.भ.शु. ख्यायायार्स्यायारास्यरास्यरास्ये ख्यायायारार्-प्रायाया त्रुग्राराग्री प्यटान हुन हैं ग्राया के दानस्य स्युग्राया ग्री हिन लुया भी रा देवे क्रॅ-श्री मान्ययान्यान्दा वर्षायायाया ने प्रविव नु क्रियाया के व र्वाया बेदेः क्रें र प्रमे र्कंट साया र्शे ग्राया प्रमावत प्राप्त ग्राय स्था स्था र ग्रथत्रे। स्यायायळ्य्छेर् कुर् सूर्यायायया ग्रावुर ग्राह्मया प्रावुर ग्राह्मया नडशप्रागुत्रची नद्वा में राचुरायायाया शर्ये। नद्दा हे वे सुनाया सहदा मदे कें व श्वन्ती में न्या व्या श्वन्ती श्वन्ती श्वन्ती विवादिन वर्ष त्या हिर है। न्यीय

वर्षिरःयःनर्भूरःवःयवःगशुसःग्रुसःवसःदेःवसःर्यः व्रद्यःयः विसःयःगुदः ग्रीश्रासर्वेदा देः पदः नवे न दुः दुश्यः युः न दुः नुगः ने नदः वि न दुः नुगः नुः गवितःर्देवः सहदः वर्षः गविग्रयः है। दरः सँ रः विरः सँ हिः वः विहर्षा वैः केराम्डिमार्वेदाराद्यासुसासुसास्देदानरातुः नेतुः नात्राह्युरावार्शेवायायाः ग्रम्भवास्य विकास वर्देशक्षानिक्षानिक्षानिक्षानिक्ष्याक्षानिक्षानिक्षानिक्षानिक्षानिक्षानिक्षानिक्षानिक्षानिक्षानिक्षानिक्षानिक्ष वशायमें देव सहित स्टार्थ स्वाव द्वा इन्त्र वा पारा श्रास्त्र वा वा वे विश गश्या हैं भुग न्नाया केवारी नर्यवादमा हैं हैं वें हैं भुगाया श्रया विश्व श्चित्रदेश्व के के दिन्। विद्याय यस्त्री दिव्य वया है है व्याय या है है वनुमा है हि वनुमा नर्र है वनुमा नग् ने म वनुमा नर्म सम्मारम् म

न्नायाके वर्षे प्येव प्रवासी स्था के से मिला प्रवासी प्रवासी विश्वासी विश्व मायार्स्स् नामाहेरासही वें नड्गाशुस्राह्य नें न्दावर्षेन्य शुनुहारे नगवनभ्रेत्रहें ग्रम्मासुस्राधी कुत्रस्र स्वाप्तरान्य स्वाप्तराम्य वनामः भुगनिनायः वयानिवः यास्ता भूनः निष्ठेरः ग्रीः दयाः यासे र्रे यानवारे विष्युत्रम् गुवर्त्व्याया क्षेत्र प्रृत्या प्रत्युव्याया विष्या से विष्या से विष्या से विष्या से विष्य

यःतुःर्ह्मेयःह्मस्रसायःद्रसःव्याःवउदःयःधेदःर्दे।

ने यान्त्र राया के ताया के विषय के के सामान के ताया के नाम नि नकुर्धेता क्ष्रहेरुर्भनवेर्याः सम्प्रेणे वो विदेशम् वेत्रस्य प्रमानित्र श्चित्रमाने न्या ने न्या में न्या ने न्या में निष्या मे র্ব্রবা ক্রুদ্রান্মমান্বা প্রমমান্তদ্রমান্ত্ सहर्परर्विरशके वहरारे लार्वेद्राय केंबर र्वेद्रायश वियान व्या यान्यामार्धियाकुरामान्त्रमार्मितिरायन्त्रमाञ्चन। यन्तरम्भेत्। यन्तरम्भेत्। यन्तरम्भेत्। यग्राश्वास्त्र व्याप्त्र वित्र वेस् वर्षे सेत्र वित्र से मान्य वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र सर्रेश ग्री व्या से नाम श्रूया उत्ते न व्या स्त्रिया वित्य वित्र वित्य व वर्षाचेरा नेवश्रात्रास्ट्रिंत कृषाणीश्राच्या शेषा श्रुवा श्रुवा स्रे मुँवार्याया नेते कु सेवा त्यायाय न्त्र या गुरिवा वर्षा वर्षा वर्षा र्हेगाः भृष्ट्रमाः मात्राः पदा ने स्वरादे रात्रे प्रवादा स्वराद्ये रात्र स्वराद्या स्वराद्या स्वराद्या स्वराद्य हे क्रिंस क्षुन सह द प्रमाद में दिया कर है हैं की भू परे दे दिया पर के विकास यार्या गुः अर रेवि रेवि तुर्या स गुर है। र्या स से ह्या स विया ग्राम्य स धेव दें।।

न्त्रभामानियामिति। ब्रीक्रिंभाष्यमात्रुप्तमान्यभानाधित। हेर्स्

यदेः युः अरः धेवाः अपिवः क्रें अप्यः कुंदः यः विवाः श्रे। श्रः हे कुः ववाः वीः श्रेरः र्शेवा नश्चेत्रहेन्यायाम्यस्यायास्यायास्य वर्षेत्रायम् सहत्ते। ध्यायास्य स्टिन् यात्र्री सूत्रा सूत्र नेते का मेत्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप् मायर्देव्यापे भ्रीमानवा ध्याप् र्वेव्यापा व्यवाप् व्यवाप् व्यव्याप्य व्यव्याप्य कें राने रं राने राग्य राष्ट्रस्य राष्ट्रा हु से प्रत्या हो राष्ट्र भी वायस हो रा डेगाओन् प्रमः में त्रा डेशः ग्रम् अः प्रम्यान्यसः मान्यसः मान्यसः वर्गाःश्रुयावयाःवयाःवयाःस्री त्रायाःश्रुवः स्वरःश्रिवःवयाःवयाःवयः श्रुव क्रुन रेव रेकिये गान्ससर नगाग्वन रवस ने त्या द्रस्य योव सहन शी र्चेत्रप्रभा सराध्यागुराष्ट्रान् चेत्राचेत्रा हेन्यसाया केत्रमें देसा सेन् ग्री न्वीरश्रामालयायन्त्र ग्रुमा नेरानयारी त्रासकेन का ज्ञम्यात्र राष्ट्रीता है। सरः धुवः गुरः बरः रु: क्षेत्र शः ठं तः रूर्नः श्रेतः वर्षे रः वर्षे रः वर्षे रः वर्षे रः वर्षे रः वर्षे गाक्तः इस्रमार्गेट्र प्रदेश हो देश्य में द्वा में स्थाने या स्थाने स्थान रेशसेन्गी नर्गेन्याम न्याने साई रेग्न्या वस्य उन्तर्भ विषय सासेन् मः हुदः दशः के प्यदः दर्गे शः से दः दुः लेशः हे रहे वः ही रहः हो दः वस्य शः उदः ग्राम्याम्या हिम्स्रवाद्या निम्स्रवाद्याः विष्याः विषयः विष्याः विष्यः है। दःषःद्वीद्रशःषःवदेःवद्यःवळ्दःवःष्यदःव्रुःश्रवेःद्वेवःषेवःप्रशःवदेःर्वशः विगान्नायायायन्त्रयान्त्रीयास्रुयान्यान्तेन्त्रान्त्रीत्राया नेष्यराययान्त्रान्सूरा

श्वेदायर्देदाया यदा स्वास्तरे देवान्यस्य में भूतिदादा श्वेतार वा नर्डिर्भाग्रास्त्रम् ने प्यामे प्यान्त्वाम्या ग्रीत्रक्षमा प्येत् सहित्यम् वेग्।यावस्थाउट्।ग्रीकेंशकेंग्।याठेग्।ग्रट्सास्यायराय्या क्रूॅर-८ग्रेर-भेर-भेर-भेर-१ गणमा-दिन्ध्र-में र-ध्र-१न्व्यामानिके यात्रेयराश्चेतायात्र्यास्राचित्रस्यात्रेयात्रेयराष्ट्राचीत्रस्यात्राचीत्रेटानु स्वाचित्रस्यात्राचीत्रस्या ८८। मक्रम् मुन्न म हेशरमरत्त्व र्वाचुररम्यात्यायम् र्वापायरिचुरपाश्रम् देन्या यर्दिन्न्यः तुरुष्यश्रभ्भः यात्राः क्षेत्रः न्त्रीत्रः यो न्यः वित्रः वाष्यः र्धिन्याशुन्। इयावर्धिन्छीन्तराधुमाकेत्रिंविन्याने याशेषाश्रामवेके नः धेंत्र नृत्र नुः सः धेंन्ने । ने न्ध्र नु सः विनः वी । तुः वे ः क्षेंन सः न वनः वे ः धेंन्यः इससायार्क्सालुराकीटा वयार्केट्रायासह्द्रात्साय्यासायभूह्रात्सार्वे । क्षेत्रा यहरेने। रगरिक्त पर्या पर्या विराधिक क्षा कि विषय के विषय कि वि हेन् छेव से ने दे रे रे त्रा सर हुर न विवा से नित्र है निता केंव्य स्त्र सुन्य ५८। ५२४ मार्से नर्से ५५८। क्षे क्षेत्रे के सार्हे हे त्या से वा सामा बुदा

यर्गेव में न्ना न्ययागुव न्यय हैं हे या स्यास्य ग्राम् से साल्या व्यास्य व्यःचातुनार्यःश्री।

मिं. ट्रेंब प्टी यहिषा सिंदि राष्ट्र श्रिया श्रामा मिंटा राष्ट्रीय पटा यद्यानुषानुष्यास्य सदीन्रस्य सदीन्त्राची न्या स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य इर-छ्ट-यायहिर्यात्रयार्थेवान्वाचीर्यानेटार्थ्यायानेवायायाय क्रॅन्थार्थे नकुन्तरमकुन्दुः इत्विष्ठेश्रार्थेटार्टे । । श्रुः हे श्रुः विद्यार्थः श्रुवार्थः ग्री:श्रश्रान्यायाञ्चायाञ्चात्रीं विषाःचें प्रत्ति हैं प्येताहे। दे प्यान्येश हैं हे कुया यवर से दर यवर कुर वेश जुन खें वा या या विवा खेंदा या देवे यवरःक्टरनीःश्रशः भुः र्हेन् सेन् श्र्यान्यान्या देवेः श्रभः श्रृंद्राना श्रुं श्रूना गुना तुषा स्रश्नु गुना होता होता होता होता य्यायत्याम्यान्यायाः कुराद्राय्यायाः विष्याद्वेयाः यात्राम्यान्यायाः कुर दी विगारी नर्र हिये प्यन पीता द्रग्य में कु रस्य ग्री भ्रीत भिन्न द्वाशकुराधराण्याशायाथीत्। वाववायराश्रदशकुशक्षेराद्रा द्यारा मुंशह्रियो.रेटा शेटा हें ये अ.श्रे.ता श्रुयोशासा श्रे.या श्रे या श्रेयोशासा श्री या श्रेयोशासा श्री या श्रेयो याश्वर विदः श्रुरियेश यउदावशा द्वें च्या हु या भेगशहे। द्वें स्ट्रिन छै

ल्य् यन्याः इस्र राज्ये सः श्री सः श्री स्तर्भा या वन् राज्ये । स्तर्भा या वन् राज्ये । स्तर्भा या वन् राज्ये । यर्नेटर्नेवरप्टर्खयाः अट्टर्नेवरप्य अयाश्यायायाः यावस्य दर्गेवरस्टर् स्यावसानत्वासाने। त्रःश्चितासान्त्रा विवासी प्यासान्याने निवासी नरः भुःविद्यायाधीतः त्री श्रीरः यह या श्रुयाद्याया स्वराय्या श्रुयाद्या नवि'तुर्। के'र्नेश'र्बे न्या रु'त्विरश'रादे हें क'त्वा अभूनश'ते वहेया हेत यालेवाराविषाया अर्देवारम्भेयायासद्यानिष्याच्यायास्यासु नव्दान्या भ्राप्याप्रसम्भा ने देवा मुख्य सक्त दे विया र्रेर्प्तत्व्याया ग्रुप्तयार्ग्नेर्प्तकेव्यी प्रिम्यायात्व्यायात्व्या हेर्ग्याय्व न्नो नदे सुमान ने या यह न सहिता नि सहिता से स्वीमानी हिंदा रस्थित्। विरायास्थास्यास्यास्यास्यान्त्रस्त्रान्ति। स्वयास्यानेरावर्गः द्री । शरमः मुग्राद्वेतः क्षेत्रायः श्रमः स्ट्रायं देवाः दरः मुग्रमः श्रभः श्रें पाठे पा नृतः श्रा श्रः स्टर्न नृतः है। स्टर्न स्वारम् श्रा नर्राक्षित्यया देव केव सर्गेव दें। श्रमार्थ क्षेव सम्पर्टा क्षेत्र सम्पर्टा क्ष यामुलायळव्यमुर्विषायाहें श्रयायामुःयाहें राधेवा देवे श्रयायापरायहें वया नेते स्था सुव हैं नहें सर्वे हें स्था सं मु सदे पाट देंगा स हूं या सू विगार्भे प्रेत्र है। त्रु अर्ग्य रहा में अर्ग वर्ग श्रेत्र यो अर्ग वर्ग से वर्ग से प्रमास स्थान स्थान से प्रमास से प्रम से प्रमास से प्रम से प्रमास से प्रम से प्रमास से प्रम से प्रमास से प्रमास से प्रमास से प्रमास से प्रमास से प्रमास से

नुःश्चेदःश्चें भ्वदःश्चें मुःग्वरःग्रयः गुःतःविगःतवेशःप्रथ। देःयः हेःश्वरःशः कु'स'क्केर्राव्यात्त्रात्रात्रकुट्'र्येव्यायाषायाय्य्या देवे'षायवे वु'र्से सट र्वे गडिगार्थेन् मर्जेश्वरातु नर्डेवायायान् मन्या ने हें से मर्शेम् व्याने य विग में विद्या माधीता ने य में में के ख़ुस्र मान पत्री माम में में मान ह्या ध्रमः श्रीः भ्रेष्यम् द्रायः द्रायः विषाः विषाः विषाः विष्यः विष्यः विषयः थु'न'रुद्द'वेग'सर्गे'य'पट'पट'सुन'रा'र्से'न'वेग'तुर। त्रु'स'वट'यर्खय' नशर्वे हेर नत्त्र नतेश भेटा व्य नित्र ना बुद्य ग्रीश हे भु इ नते निवेशन्यस्थात्रें सूयायाविषार्भे नितृत्ते प्रमुद्यम् सुन्यस्थ्यस्य विष् सदेवरम् नमूत्रान्य वहत्रहेव व्याप्य वृत्य नगुरार्थे गहेश दंसार्थेव मदेखें तुन महिना पन ग्री वियात्रमा आसाया सम कुम साप्य प्यार्थ म्या न्दा दाया के त्या स्निन् के के ना विवा चुदा हिन्या न विन् ग्री वाश्वरा है वह डेग्। हुर लुश प्रश्रा र पुष्य त्रया सेरश नेया हुर वर्षे नर पर्या दश से वेवाय हैवा वया सर हो वर्षा यया प्रवाय सर्वेट हें वर्षे विवाय व्याप ब् वेनराग्रम् पर्वा उना न्र स्या देव के वार्य के वर्गावमा नेरान्वे वृत्ते सुन्ने सर्वे नियम् विषयम् विषयम् यर वर्षा प्रशाहित क्षेत्र वर्षे वर्षे वर्षे क्षेत्र क् अदे रु अप्देन प्देश देव प्राप्त का की अप्ते अपते वा की प्राप्त का की प्राप्त का की प्राप्त की अपते की अपते

ने र्रा रे बुर ने प्याया वर्ष रे प्रेवाय है वाया सम्बेय र वा नवा ने या र अन्वाद्य भ्रें न भ्रे न विवा हुम वश वै में उत्तर्सन एएय न्या वेवाय उ वःनिरःविवेषायेनः पुष्पनः श्रेषः नः सूरः नत्रः नेवेषः स्रम्यः विवाः बुरा देवसामुरसासु सेनसाउ दिन्हे सार्देद में विवाग्यर वर्ष बुरा ख्र-यः प्यम्यः या कुः ग्राउदः ना से हिंगा सर में कुरु या वे खुः से र दर की व प्तुः इस्र सः न्यायः नः वियाः ग्रुटः नः नः याष्ठेतः सन्। नः दः दक्के नः यत् या वि वसः र्वेनायायाविनार्देरानायत्नारिनानास्तर। नेराषास्या उर्वेरयादात्या डे.ग्रेन्।ग्रुम:रुम:मम। म:रु। व्याग्री:गुन्य:रुम:मम:ग्रेन्।मम:र् नवदःदवनःर्वेरःनःधेवःश्रुयःवयःर्वेरःगश्रुरः। नेःवयःव्यःनःगवियःर्वयः र्येव पर्दा मुनाय कुर भुना ने नाय हो। न ने न कु इ द्वा पर्दे। दे नय विगारिनेत्रित्रिं के कुट दु विगा अया न भूट्या के र भू अया दि र विगा अ नर्डेशमा वसराउदायसा वदाया स्रेटा हे ना विना पेंदाया ही दा आसरा यनम्याग्राम्या अस्ति हैन्सि विषायात्रस्य उत्से प्रेन्स्य ग्री वर्गान्या अययग्यरानेराधेनाराना श्रीनारी हिंदायी निवर्षा डेगार्दररम् यहेगाहेत्र्यी ख्रायदे त्रस्य राउदायर्के ग्राय स्थायदे त्या क्रीं र न ग्रेन अर्केन म ग्रेन म में न म जिन म में न म जिन म जिन म जि न म जिन म

षायान्ते। ब्रोन्या ने ने निर्मा वर्षेत्रया वर्येत्रया वर्येत्रया वर्येत्रया वर्येत्रया वर्येत्रया वर्येत्रया व गर्नेरमिंदमी वर्ग हिंद्रस्था हिंद्रस्था देन महाधार विद्यापर्दे व पूर्वी या समाधिन ग्रुया स्था कुषा हिम सेन सम दूरश्रुपुर्धः इर्श्वराव्या गणयः ग वराखरायते । स्वार्धियः र्रोते ख्रुप्ते क्रुप्ते प्रमानि क्रियान मान्यान क्रियान क्रिय म्बर्भे स्टर्पेट्य पर्ट्व शे पेंट्र प्रयादिते के स्ट्रिंग प्रयादित के प्रयादित वया दिन्यार्थे वया वेन् वेन् निमान्या या म्व केवा पार्येवा वया वर्षेत् ग्रीत्र स्र राज्या विर रे रावि ग्राम त्र राज्य म्या यात्र रावि राज्य स्र यर्रे सक्र भुरे भारे स्र स्वाप्ति प्रमास्त्र स्वास्त्र स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स मार्थायाः सेमाः चित्रः स्निन्। ने स्वयः धिनः क्रेयः ने विने स्वयः स्वरः स्नुः धिवः वयः भे ने भः परः पर्वा श्रुभः वया वरः में र्वा परे भे श्रुवा परे स्थरः श्रुवा गहेर्यानहरनाधेवार्वे देवमार्थेयाशुसावरार्थे प्राच्यामारा मुन्तूरा नेवे नर नुः हैं ग्राय केव रें र खुग्य थ ग्रे कें य ब्रें र इयय ग्रया हिन पर श्चरःद्वेयःस्रावसःसरःसित्र्वा ग्वासूरःधरःसेग्रसःर्वेरः विदा न्गुरः यायाके नाधेत्याश्रम्भात्या यान्नामान्स्यान्यायाया स्वायाया स्वायाया

वर्गान्यस्थ्रमाः कुः ययावायायाय्यस्य वर्षः च्याः वर्षः या श्रूषः मूर् न इ:र्जा सर श्रे आपर ख़ापर पार्षे व हत्या बुर या बुर या शि व न या पार्या हुना या शे श्रुवा मार्य प्राप्त से श्रुवा मारे सुवा स्वा निष्य से विषय यः भुःते। सेरः यः कुषः सळ्ता ५: रुः वेर् ५ ५ ५ ५ ५ वि धितः प्रसः वर्दे । इससः ग्री:सर:सॅट्य दे:द्या:मी:द्रद्यस्याद्यःस:हे:ब्रि:वर्दे:दःस्ट्र्यःवर्यःस ममा ब्रिन्स्राम्यान्यामान्त्रे विते हर्स्या स्ट्राम्या पिटायार्श्वे याया शुटानया विटायी इस श्रेताया थेता युरा सूत्री हेस सुः यायुः पिट्र राष्ट्र स्ट्र स्ट्रिय व्या के व्या व्यवस्था विद्र राष्ट्र स्ट्रिय स्ट्रि म्रायाक्षाप्तरायदेःसर्भित्रायाचीःनुस्रास्य । स्रायाःसरास्य साम्रायः स्रायाः यः न्नरः तुर्यः ने सर्गेदि र्डेन् स्व सानुस्य स्य स्थित्। न्यासः वन्यासदे सु त्वः प्यतः अष्यः वरः प्रेतः द्वा क्वें वयः देशः वयः द्वाः वर्धेरः असे हिंगः ग्रः नः भ्रें अया गुनः भ्रें नः अर्गेन् न्य अर्थः उत् विना ग्रुनः द्या अया प्रानः षासदेःस्वित्रायास्य स्टात्ववास्य वितःसदि स्ट्रास्य स्वाप्य स्वित्र स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्व भूजायानेतृत्वितानक्षराष्ट्रीत्राम्या स्वित्त्रात्त्रात्त्र्यात्रस्या द्यमान्नेत्रत्व्याचेत्रः क्ष्म्ययातुः चेत्रची । व्यायदे । व्यायद्यायद्या 

चित्रात्रमा क्षेत्रायायदे पर्यायाचेत्रक्ष्यायायी तु सुरार्या वर्षाया उपात्री वर्गामासर्हित्वमा अस्यापत्ववाहरातुः भ्रेतावर्देन्या गुत्वमार्यः वन्नमायावन्स्रान्दामिक्रान्त्रमावर्ष्ट्रमायावर्यस्यावर्यस्य विश्वास्या क्यायर्ट्रिस्यादे वासे अस्याया हिंदा स्था श्रीया सामस्यायर न'य'न्नर'र्वेन। सर्वे'य'र्हेन्'यद'र्हे'रे'ग्रुस'द्रम्। र'य'ग्रेद'क्वनस'तु' उटान्ने रायसा हेरा हेराकासा होट्या निटार्से यापर हुटान्या न्वाहीया विश्वास्त्रास्त्र ने ने वश्यास्त्र विष्या स्ति से विष्ट्र स्त्र स्त्र विश्वास्त्र से विष्ट्र स्त्र स्त्र स्त्र रे.यक्षेत्रायत्रा ब्रिट् क्री.ब्रि.स्.स्या.सिय.स्त्राच्या.सिय.स्या.याद्र.स्.यावी. नर्भेरा गर्रेर.च.ध.त.वीवा वीव.च.त.वी.व.वीव.वया न.बर.कर.री. नर्यानवेत्र्यायाहिन् ग्रेयाङ्ग्यानर्यमा ग्रुयायान्यमा हुया वर्षा हिंद्राया है। यह मार्थित वाश्वराया है। है वर्षी का है है। वर्षा का कार्य है। है वा च्याययाच्यायय। च्याचेन देवे ध्रेगाहे सूर च्या दाद तुरायय। इयादर्रेर्स्यदेवयाद्या हिंद्रायाद्यमाद्वर्मापयाववेत्रद्वराद्यमा मन्। व्यायावारमें हेगायास्याया केंग्रायमिं सक्षेण्या देव्याहिंदासर र्विश्व हे : बेर व्य हें द्व व्य वार्षिया श्रीश दे : क्षेत्र श्रुश्व हा वाद र वाद र वाद र वाद र वी दे : भेवन्ति हिन्यः भेरिन्से से स्वास्ता स्वास्ता स्वास्ता सिन्से हिन्से द से न्यास शे श्रुवा य विद्याय य सुद्रित्ते हैं। स्वा विद्याय स्वा स्वा स्व विद्या स्व व

नद्वनः सं त्री भून ग्रु निया स्याव विवास प्यान भ्रु सावस के साम् वा के व र्रे त्यों नदे देव द्या हु से द स देद न स त्यु न न स दे स स स र श्चेशवर्शसर्विः नेश उव रु देया वर्षा र प्य तु विया पेर पर्य परि पर्य है वर्विगार्दिमा देन्साञ्चन्तान्ति विग्तिगारी दिन्द्रमात्रमा अस्तरे श्री र्चरास्त्रमा निष्यास्त्रमा मिन्नी स्रीम् र्गेश सेन्याय प्रत्न क्वार्य देश के सेन्या सेवार प्रत्या सेवार प्रत्या सेवार प्रत्या सेवार प्रत्या सेवार प्रत्या वर्षेर्यस्य वर्षात्र्यस्य वर्षेर्यस्य वर्षे वर्ष वसान्ग्रान्यां सन्यां सायां वाषा सन्या निमा तुः वर्षे साया हे वार्षिन र्रे गशुर्या रे द्रया विवा से श्चिया यावर ख्रावर प्रे दुर र् खें यर र् नव्यायात्रया यायवः यायश्चेतः ह्यायायाश्वयायाया श्वयाः व्याः व्यत्यायाः स्त वयः ग्री अरहे। दः से समः मुँग मः विं तः सूर्यः प्राया प्रवास द्वारा से समः र्श्वेग्रथम् विष्युः व्यक्षः से प्रवेश्वेष्ठ । विष्युः से स्रुप्त प्रवेश्व । विष्युः व शेशशः मुंग्राम् व्यासह दाया भेश्राम् से स्था से से स्था से स्था से स्था से स्था से स्था से स्थ र्छ्यादी कुर्ग्यो भूराया गुन्रचेर्यस्रित्यङ्यास्त्रास्यस्रस्र ग्रे कु ५ में के व र्रे हैं . शु र न वे न या या ह न ये या या में न में न या ह न नर्डे नकु द्राया भू द्राया या देदा श्वाया विषय या श्वाया या स्वाया या गुवा शे

नन्द्रश्रियास्य मार्चे याचियाः याच्याः वर्षे व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्यापत व्य निविष्प्रिं न्याश्वर्य द्वार्या के दार्स्टर स्थाया राष्ट्री स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाय इयायर्चे र रेगायरे हे अप्टा नश्रमान्द्र सेगा गे र्स्ट्रिय स्था याह्रवःश्कृरःयोःहेःसःदरा याद्रसः १९५८ःयाचे सः सः द्राः द्राः व्याः व्यवः सिर्यः ग्रीभागित्यास्त्रा र्हे हे सेस्रम्प्तिष्ठ स्वरायम्यास्त्रीयास्त्रीयाधियाः केत्रस्य केर वायवा वार्यस्य स्रुव वर्षु र ग्रे क्रें र त्या क्रें र ख्वारा र्र्ट खिर्याय विषय अधियाय या श्रिया श्री या द्या स्थय दिया वा विषय षर:व्रथ:वे:भ्रॅन:ग्री:क्षुव:वक्तुन:क्ष्यःत्रा भ्रे:क्ष्ट:त्रहेट:वह्यद:वक्षुव: नकुन्ना र्वेदायार्सेनायायायस्यात्रीयात्रीयात्राचितायाय्येतात्रेत्रा नश्रमा में भू तर्देवाश केंद्र पर सहंद्र पर पी व कें। । श्री र द्वार कें पर वाशुसःवेंद्रव्यःश्चेंद्राचाहेर्स्स् । वदुः इवाः सदः कदः वें वाशुसः दसः परेः तुःनशः केंशःवित्रः कुंग्।शः पवेः कें वित्रः केंशः सह्तः वशा वृत्ताः विः वहः इनायान्निर्यासहरिते। भूराखन्यार्थार्भेटा बुद्यान्यस्याय्यायार्थाः र्वेगि:क्ट्री अंहे:नश्चनशःश्चन्तरो न्त्रुशःप्रदे:हें:श्वशःहिन्दिःहिनः ध्वापिक निर्वाचित्र निर्वाचित्र निर्वाचित्र निर्वाचित्र निर्वाच्य निर्वाचित्र निर्वाच्य निर्वाच निर्वाच्य निर्वाच निर्वच निर्वाच निर्वाच निर्वच निर्वाच निर्वच निर्वच निर्वच निर्वच निर्वच निर्वच निर्वच निर्वच नि 

सर्कित्र्स्त्रित्रमाहेर्स्स्त्रित्र सहित्ते। स्रायाः स्वाप्तर स्वेष्त्र स्वत्र स्वाप्त्र स्व नव्यामा नरःभ्रममागुराष्ट्रःवटःरेदिःयान्दरःमार्भःभ्रयाःष्ट्रःनव्यामाष्ट्रे। क्षियाञ्चन न्दर्यन्त्र न्यानवारे प्यद्य स्त्र देश्वर क्षेत्र वाहेर क्षेत्र न्या न्या याबन्दर्भाष्यनः ग्रेः श्चेनास्य निवः क्षात्रने सः ज्ञानः हेवाः विनः ससः वान्वः इन्याने र्चेत्रत्या के पर्नेत्रची र्ख्या रखा निया सहन ने। खया अन् नर्योतः रायार्सेन्यायान्यान्या नाउँटानु से श्रूनान्दार के साधेदसायार्सेन्याया यर-र्-गाबुर-क्षे भुनर्भेर-क्रुशन्याया दे-प्यर-द्यायासे क्ष्म्यायि क्षेत्रास इयायर्चे रामानुयामानुवानुगार्दे राषाभूमार्दे राध्वार्द्र स्वार्द्र स्वार्ट्र स्वार्द्र स्वार्ट्र स्वार्ट्य स्वार्ट्र स्वार्ट्र स्वार्ट्य स्वार्ट्र स्वार्ट्र स्वार्ट्य स्वार्य स्वार्ट्य स्वार्ट्य स्वार्ट्य स्वार्ट्य स्वार्ट्य स्वार्य स्वार्ट्य स्वार्य स्वार्य स्वार्ट्य स्वार्य स शे श्रुवाया से वरावरावर्वायश्यारि श्रुवादिराद्यावर्शेश हेवा होत् वेरा व्यःक्रें राष्ट्रेत्यात्र हेवायायाया देवे द्या सु त्रु त्या स्वत्त त्र त्या वित्र त्या वित्र त्या वित्र त्या वि गर्ड देश अनुवाद्यार्थ हिं वा किया के वा किया के विवा क शुन्भर्त्रेव व्याक्रा विरामी विर्म्भा सर्गा हिन्दा पर वुरःवर्गान्वःइरमःहे र्क्ष्मःय्विरः नद्वामा क्रमः यवेयः सः वुर्मः ग्रहः ह्रे व्रेव्यक्तिमान्य व्याप्ते व्यापते व् के नरस्मित् देवे के सुस्मित्र विषय क्या वित्र ग्री देवे व स्वर्त कु निट'वर्हें अ'यर' भे 'वर्ग भे अ'वर्ग 'यं वर्शे 'यं वर्शे या वर्शे वा वर्शे वा वर्शे वा वर्शे वा वर्षे व नर वर्षा स्था के अ श्रेट्य शु र्चेष्य या श्रुट द्या दर्गे द रादे श्रेट व्हर

मीर्यायनम्या नेदे:नुर्याशुःशे:इस्ययः दःने कें याः वापरायः विवयः र्हेगायळ्यारायाचेरायरायर्गाचेराश्चायाया स्यायायाप्ताया हैं शुर्अं अन्दर्भ अर्पाय प्यर्ग सूरि हिंद् हुं अपवाद में वाद्व द्रर्भ वशक्रिंशविर्वरवह्यायाया दयाग्यद्वत्ते वेद्वत्ते याचा विद्वत्ते यश्रातर्भेर्याश्रीरश्रायश्री भ्रीत्रश्रापाश्चित्राग्रीरावर्भे करी टार्सरात्रार त्रायाक्षेद्रायायार्थेयागुयाम्यद्रायाश्चेयाम्यद्रा देख्यस्याय्येद्रास्य विवायानविर्याययाययायायायायात्राचाया विवाया हेते हे न् सुः सुरा न्यायया क्रियायान्ययान्त्री से विनामायन् यात्रयान्त्रायदे विनयान्त्रा प्रदेश र्नेत्रक्कुः केत्रः सें प्रमाप्तुः सेन् प्रायद्दाः ने प्याप्तः स्वाया से सामास्य स यह्री रश्च संदुः वियश र्वेट विश्व राष्ट्री य त्य वियश ही में राष सुरश पर वर्त्ते अर्धेट वार्थट वार्थट की किया वहीट इस वार्थ अवस्था अर्थे ळ्र न इ न तु न शु अ श्व ५ ८ ४ । पादे र के अ ५ ८ । ब ८ । बे ८ भी । ब न अ र हे न । न अ अ । ग्रीश्राधियातात्रह्मी श्रीयाश्राम्ब्रीत्राह्मात्रीयात्राच्या हियात्राज्ञीया त्रायां वियापा स्वारा द्वियाया के वास्तर स्वारा से सामे द्वीपाया स्वारा व्यायाई दे ज्ञा व्यय उदाया विषय से दार् पर्यो वुयाया ग्रुटा से सा

 नरःगिनेग्रायात्रस्या उत्रिहें हे सुन्दि हे ति दे ति हो नदे ग्रम मे नित्र कु पारे पाय से पाय प्राया या विपा पर से नुय परि पात्या मित्रभुक्ताः भ्रामित्रभागित्रभागिः विन्याः रिवा प्यतः निवा सित्र दिन्याः য়৾ঀৗয়৻য়ড়৻ড়য়ৣ৻য়৻য়য়য়৻য়৻৴ঢ়ৣয়৻৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়য়য়য়৻য়ড়৻য়ৢয়৻ यशन्यमाः हुः सेन् स्याद्रान् । इनः श्रिम् श्रीः श्रूनः विनः सेन् सेन् सेन् स् म्यायायायायीत्रात्री क्षुर्यादे हिं स्यायायाय त्यावी सह दाया देशी सायाया विवाया क्रुें अया ग्री: नुष्य श्री विष्य रहें या करा व्यव निष्य विषय विषय है। डेग्'य'हिट्'र्क्स्य'भ्रेग्'ग्रेय'भ्रेय्स्ट्रिट्'रू'न्यःभ्रे'र्ह्स्य'य'हेग्'नु'्रेय् म्बर्स् न्युर्त्यं थ्राच इः इयि विषा चिष्या राज्ये स्वापि विष्या मिष्यं व्यापि विषयः है। ने प्यर ग्रम्स्य के कु र ग्रम् वे ग्रम्भ श्चरःळनःवःगन्नःइरशःनशःनवनः५ःदुगःभूनःनर्गेनःधरःह्वःनःनवेः नव्यामा ने नमा मा मान्य ग्री'नर'र्र्'गुर्र'ग्रीर्थासर्वेर'न'ग्रुर्'। दर'धर'श्रुर'श्रेर्'र्स्ट्रेर'र्यरे'र्स्ट्रेर नुषामिष्ठमात्यात्वरानासर्वेदानान्दा शुराश्चरवादे के न शुन्दारेदान्दा

ते त्यात्र अर्थः हं त्या न्यात्र व्यात्र व्यात्य व्यात्र व्यात्य व्या

क्रिंन क्रे रावेदारायें वादया वार्यवारवि वित्ते दे क्षे हे सुद्धा क्षे रावेदार वित्ते क्षे रावेदार विते क्षे रावेदार वित्ते क् त्रुग्राश्राश्राश्राहरू संदेश्चित्र स्ट्राह्म देश्वराण्या स्था स्रम्याचिमा मुस्य स्रीम ख्राया स्माया याश्रवा छिन् पर्र हें याश्र केव भूर ख्याश्र यात्र यान्यश्र प्या पर नडर्भायात्वात्वेत्रात्वात्यायरा स्यात्या स्थात्या स्यात्या स्यात्य व्याययायत्र्याद्व्याः मुः केवः सेविः ग्रान्ययाः यास्याः यायवा ग्वित प्पट न्तु नु र्द्धे द ग्रे न्नु स्था प्रकर र हें त त्य स्था कु के तर्रे स्था र ख्या था ग्री-दें फ्रांक्स्रें न्याशुक्ष व्यवस्थाने वर्षे ने स्थाया वें के स्था कुराय वे किया भ्रें र क्राया या यह भ्रें व सर्गे व र में व स्वाप्त के स्वप्त के स्वप न्यरः द्वेत्रः यह्यायः वर्ते : सर्वेवाः वाश्वता वर्ते : सर्वेवाः वीः न्वरः वर्ते : सर्वेवाः वीः न्वरः वर्ते : स र्वे न्युःसःवः इःनवे न्नुः सरः वहेन्। वासनः यः श्रुवासः श्रवाः केनः यः नृतः कुः ने रेः यानत्वायाने सूनायासद्या वार्षानुदेश्चिवायाग्राम्यार् वर्षाने। गवन देन के केर नश्चरमा दे या श्रमाह हैं न हैं पो मादरा द्वमाय हैं नर्सिन्द्री हिंधेशशीशर्सिन्दुःगित्रेश हिंनसिन्शीशर्सिन्दुन्सिन्दा या लय. इ. प्रयेश. के. प्रथी ह्या. या के. प्रया के. प्रया के. प्रया के या के या विषय यायन्या हैं नर्सेन् ग्रीया देवा सेवे नुम् नुम्या श्रुवायाया नम्याया

हः क्रेंवहें पोश्रान्गुरार्थे न दुःगित्रशाया त्रांशान्यरा क्रेंवा वह या ग्री यर ब्रिन्ते। नदे अर्केना प्रम्थान हें हे नत्त्र हे बेनाय परे केया असीर बुर्यानीरा ग्राज्यस्त्रित्यानस्रेत्रायांत्रेर्यास्त्रा नदेःसर्वेगागीः न्नरःयनःन्रःभ्रवःन्। मुन्दः नकुन्तुय। भ्रेयः भ्रेनःयःन्रः भ्रूत्ययः ययः नकु:८८:नडु:५्वा:लुर्भा वि:रवा:क्र्रेंत्रक्षेट:वी:सर:क्रुं:वधुव्य:वें:विहेश: ग्रम् व स्यास्यास्य र्रा स्पर्य से प्रमास्य स्वाप्त स् ग्रविरःग्रन्थर्थःरग्रान्दः नडर्थः प्रावुश्रा न्ग्र्रार्वे नडुः नुग्रायः हैं हे से अर्थः न्मयः त्रमायाः के व्यानम् न्याः सहित्। न दुः त्र्याः वी वन्य व्यापः सम्याः वित्र ञ्चन्त्रः त्र्वित्ते । यनः ग्रेः श्चित्रः यहं नद्वन्त्रन्यायः या मुग्के वेतः स्या इस्र १८८। न्ये शर्देर से श्राम्य १८८। वहस्र न्य प्राम्य म्य

नदे अर्क्केना खुः धोः सन्दर्भ अर्के : क्रेने अर्के : हे दे क्षुन वन यन्दर्भ वय यन्दर्भ वसःस्यायः १८१ वे हो १ स्यायः यास्य या याय्यस्य । १८ १ स्म अस्यास्य या यार्डे के। क्रेंशः श्रुटः ह्या अट त्यः श्रीया अप्यः बुशा श्रुः अञ्चर अप्टे अधिवः यः वस्र अरु न्तु अर्था यादः र्हे दे रहे त्यः नु या स्तु न सु या सु या सु या सु या । भूरा यगःश्रः द्वेवः क्वयशः श्रे भूरः दरः गशुश्रः भ्रे देः क्षरः देः दः भूरः गशुशः र् म्यायायायि के या भ्री राया श्रमाया प्राप्त । या के राक्ष राक्ष वा या विष् र्रे भूग र्वित ग्री अ भू ५८ अ प्रदे न भूत शुर गी भू र न अ अ ग्री अ शिन प यायवा यात्रः व्याया हो : क्षाराया या यो हि ते : क्षेर्या हे : क्ष्र्या दे : क्ष्र्या हे : क्ष्र्या हो : क्ष्र्या ह निवंश्यापर र्वेदाने। र्श्वेन र्देदार्से निर्देश में निवंश्वेन राम्या स्वारं निवंश्वेन स्वारं स्वारं स्वारं स्व र्चेत्रयन्द्रम्प्त्रप्त्रम्भ्रम्भ्रम्भ्रम्भ्रम्भ्रम्भ्रम् यास्य प्राचायवाने। कुर्ने देराचल्यायात्र स्यूनाया सहन्। ने वया लेगा रेवि:इर:र्:र्रेव:पंथेव:हे। दर:रें:र्केश:बु:पवे:हेंग्याय:सेट्रा केंश:ग्रूटरः रदःस्रावस्य वान्स्रसःदवाःग्रदःदःसदःके। विदःस्रुवःसःन्दःग्रवासःसःकेः नरःवर्गायः नरः। तुः र्वेदेः श्चेनः नर्वेदः धेदः प्रश्रास्यः स्रमः ग्रीः इसः ग्राविगः

डेग्।गुर्-गुःश्रुयात्रम। वयान्यःविरःह्यामविषाःयःर्ग्नेतःमम। विषाःर्यः गुरुष्यः स्टान्न सेन्यः भ्रेष्यः वया वर्षः स्ट्रां उपदर विनयः दूरः नु दूर। ग्रेश.तर.वैर.यश.श्रेयोश.ग्रेश.यो बेर.यर.खी खेश.तशो श्रूश.तर. हुररसाम्बर्ग नेवर्रस्य राहुरत्वयायया देवाययाद्ये पेर् धेव'नश्'न्'श्रम्द्वशः श्रृंत्। वर्षेम्'नवे'सळव'हेन्'से ह्वा'न'धेव'नशः ध्रियागुद्राहे प्रूर दिर क से दावाश्वर। दारेया स्ट्रिंद हेया से दाया क से दा डि.लट. विर.भ.लूट्य. वियायया वर्टर दूट. याया क्रियाया ही विर वया दूटा नःशुःष्पदःसेत्। हिंद्गाठेवाःश्रःषःकः क्रेवःर्येवाशःशःवाःवःद्वेविशःवाशुदःदेः वसनेदेके स्टावसावयस इटार् नत्वास हे के सामस्य प्रायमा हे यरक्र्रिंगे क्रेंर्य गुर्चेरक्रयार्य यात्र्य यात्र क्रिया व्या नड्य वर्षेर्यः इर्ग्डर्ग्येर्ग्यः कुर्यः वर्षि इर्ग्यः वर्षे वर्षे इर्ग्यः वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे मुन्देर्भः सन्दर्गाद्राय्य स्वायम् इत्यावर्षे नमुन्ते स्व या वर्षा यावाया अर्देव पुरुष हो अव प्रवास्त्रीय सेवया शुप्त वर्ष मा नेते र्श्वेय प्रमेण श्रीमानी है। या नुमा यम श्रीमानि मेना से निष्ठा से नि कुर्धें न न्या रेदि के अ र्भेर प्र न्य क्षा भी अधिया के वर्धे रिया है। भ्रेयाः भ्रुवा यादमः भःयाचेमः तुः इस्रश्रायाश्वा याद्रश्रशः श्रुवः यकुतः ग्रीः

भूरता भूरतियाम् रूटा स्वामाप्तममा स्वामा स्व धुगानिक्राधिन निर्मायक्राया इस्राया विद्या व वनशायान्त्रन्थः विदा नशुद्रनी कु कु व दे सासे द राये नशायर व शुद्रश नमः विवासः नव्यात्मा विवासः विवास। ह्रेनासः व्यापादिवाः हु: गुरु: प्रायाया के राष्ट्र स्टायायात्र राग्य स्टार्स स्टार्स स्टार्स स्टार्स स्टार्स स्टार्स स्टार्स स्टार्स येन्द्रमायवितासीयामायमासासामिया त्रमायस्य म्यानस्य मानास्य क्रेंनर्या ग्रीया श्री अर्क्ष्य भ्रम्भायाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वय हे क्रिंशनानवारे गुर्या सेस्रय ग्रे क्रिंग्से वर्षेवार विवासित गुर पुर सहस बेर्द्भत्र केत्र दे 'षे मुग्रम्थ 'ग्री न इत् न क्रुट्र मन वि भ्रव मान्य स्पान्य र न्ना नावरा वेश ग्रारा ने स्था हो राष्ट्री साम्राज्य के र्से ना साम्या है न श्चरमाग्री प्रमामान्य प्राप्त प्रमामा सेवामा सुर प्रमामान्य प्रमान्य प्रमान्य इ८-५-गहुम्यारायाम्बित्र-पदे र्वे र-तु-सुत्र-सुत्र-स्वाया-स्वाया कुन्यान्ययः न्याः यववः न्याः योः नेतः व्यायः शुः व्यतः भीनः हेः यो नः यः इययः ग्रे-च्रेव-क्रुवशःत्वारायशःश्रूदःवःक्रिशःहेदःग्रे-द्रग्रेयःविदःदःहिवाराया वहिना हेत् ची क्वें नगुराय हमासी दानमा सुवा पर्के मासे दाने क्वें दान यह्रत्य। र्यात्रम्या १८८१ त्या यात्रा प्राप्त व्याप्त व्यापत व् त्रुग्राय हे य के द रेंदि से स्राय हो द द द हुत राम्य र द ग्रिय राम्य है । निनेते क्वें साक्षे निम्बे द्वापी खेत यस क्षेत्राचार या चार वर्षा द्वार से सस उवाची देवा सहदाया सहदायापार भूर श्रेष्ट्रियार कें या है दाची हैं वा या रा यशन्यिं वर्ग्यायासे दारा दे विष्युति हिन्या स्व नी कुरा से प्येव की दे या श्चिरःहर्भेवःहर्षेयःहर्षेयःदिरक्ष्याःयःविष्याःयःविष्ट्या वर्षःहर्यःयःविषाःर्रःदरः सहया र्रें नित्राय विवासें वालेवाया देवे नर्तु वें निरुवारिवा द्वा रूरा ह्रेया विगामिडेगाग्रम् साम्यान्य न्यान्य निम्ने निम्ने सहेरा सहेरा महेरा महेरा ग्रीभासहेशासरासहित। श्रुवाभानवीरभावहिशासुःसेन्। स्रामा डे अहे अ हो ८ पा डे प्रथम शुन पर शुर डे ग मा शुर व प्यत मा शुय र्वे ग श्चेरः त्रः अष्ट्र अष्टरः व्यावन्य हिंगा अश्चर्या या स्वर्णा स ध्यापित्र विश्वास्य । स्ट्रीत्य प्रस्तित्व । स्ट्रीय । निव निर्देशया सृष्टी निर्देशयायया हमा निव स्वा हिना है। र्शेट्य ग्रान्ययायासुटार्स्स्या वस्याउट्यी मोर्चरार्गेट्यया धुर्म्यया हेशयत्रद्रश्चर्यायायाया देख्र हेश्यात्रीयायाया देख्र हेशातु प्रदेश्चियाया इस्रमः केंद्र द्रमा ध्रयानिद्र हेगा हु द्विद्र याद्यामा विद्रद्रमा से स्था भ्रे अर्थेट इ. च्यू अ. भ्रे क्या विवा में टेंड् अ. चीय क्यू या विवास मार्थित विवास क्यू या विवास क्यू या विवास

कुट प्रवयः विवा हो अर्थ प्येव हो। विवा से प्रव्याय पुरा विवा से या यावटा ने हे शर्शन्यें वर्शेन को कुषान्त क्षें न न्यें वर्ष्व श्रुषा भुक्ष वाहिशा ही । याश्रुरःयार्डेयाः अर्थेर्पः प्रान्ता यान्वः श्रवेः ग्रुः वः प्यान्येयाः श्री रःयादेशः न तृत्वरा गुरानरार्भे राया भेरान्य मुर्यान्य गुर्भ गी। या मुर्या श्चितः या निया हिरारे ति वित्यार मिराये या नु सिराये स्था ने वित्य वित्य स्था यान्याग्राम्यित्रम् क्षेत्रयाके नायन्त्राम्यूयाया ग्रुम्या श्रीयाने मि मी तुः या न्या र में त्राया रेत से के या याया न के त्राया विकार में त्राया न से त्राया के या याया न के त्राया व वसवाशायमान्यते कुन्याहेशायायम्। वान्यशास्यास्यां वान्यशास्यास्या विश क्रिंशविशक्त्रिंग्रे सुः अपि से अपि अपि से सिन प्रिंत पारे र वि न्वान्यस्यान्यस्य नेवान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य नेवान्यस्य हिन्यर-तु-दिव-के-च-चारुआ विज्ञ-नू-च्या-च-विजा-स-देव-स-केर्य यन निर्म निर्म हें निरम् सान्ता विरम्या साथन स्रमायि सान्ता से राम् स्राम्यान्या त्रायास्यायान्या हे नर्द्धनान्यायान्या वस्यामे कुर्म्य न्मा सुम्यार्थ्यस्यार्षेस्यन्मा व्यःक्ष्यायन्मा द्वारार्थेयनेम्यम् यया हो :कंट या द्वा वर क्षेत्र हें पह्यस्था द्वा विवा से नित्त है दिया सह

या क्रे अ रहे या प्यता वर क्रिये व्याया हे रहे व रें निवेद अ मदे रहे। बुद अ विर नु वर्षा वुषा ग्री व्यवा ह्वा ना नहें नहीं ना सहन प्रदे नुषा शुः हैं ना या पा हु। या मन्द्रा र्रोग्नानायम्, सून्निन्स् निस्त्राम्यम्, स्वास्त्राम्याम् भ्रम्यश्राचित्रः स्मयश्राविषायात्रया भूरामः स्रेरामः स्रेरामः स्रिमः स्रोति । हैंग्रथं प्रदेश्चेंद्र न्या हिंद्र प्रस्र ठव प्रह्मित्र। क्षेत्र द्वेत्र क्षुत्र क्षेत्र केत्र या र्ये निया नद्र ने स्था हिन निये हैं। हैं न हिं से सिये सूर या सवा निया कि स श्चित्रप्रमेन्य स्वादि थ्व'यर'नर्शेन'र्श्वेसराय'र्जेव'रावे'र्छे। हे'न् न्त्रीवे'सर्केन्यवे'त्वारी यसर् विवार्गे र्चेत्रत्रभाग्निस्भार्या यस्याप्रस्था स्वाप्तस्थार् सरसायार्सेटावसा नेवसान बुटासूनानस्यानटा कुनायान्या श्चे अर्थे हा नः भ्रान्व अदे ग्रान्द विना रेदि भ्रेव वर्ष न श्चेत परे श्चेत्र मुयाप्यश्रागुन्, मुर्जन् विदायमें दिन मुरकेर सहि श्रुर्भिर हें भूगा ह्या इग् इः इः नक्त्रारा धुग्रारा स्मानी स्नि त्वः सः नवे के रान इः नगुः वः यानेयायाते। भुगातुरानेरानश्चेषाधरासरातुः र्वेताने श्वायास्यापि । मुनक्रेन् खुः मुन्ययायहित्याने। दे के द्रायायाया स्वार्थे मुप्य वि नरमाने नाया

श्चित्रास्राम्भ्रह्मेत्राम् वित्राम् नित्राम् स्वित्राम् स्वित्राम् स्वित्राम् स्वित्राम् स्वित्राम् स्वित्राम् नदे भ्रेट रेवि ते गा कु शरा विवा सहित देश न कु दारा वदेवे के कु श ग्री धीयो सह ५ रहे ता सूर प्रिव दि रहे से सारे। यह स्मार सह रहे सुरा प्रमार स्मार स श्रेश्रशः मुर्चित्राश्रास्त्रप्तरात्रात्रात्र स्त्रम् स्त्रात्र स्त्रम् ने ने स्त्रिशः गिरेश्य मुर् यः धेत्।

गण्डर क्रेंब मदे विंग न् नुन हु। क्रें क्रुंग मदे क्रेंब साम क्रिक्ष मान क्रिक्ष मान क्रिक्ष मान क्रिक्ष मान क्रिक्ष मान क्रिक्र र्थर नग्रम्थर मार्थर द्वार विष्य के निष्य के निष श्चित्रयान्व द्वार्या ही स्ट्रिन प्ता श्चित्र दिन्या पारे से दिन्य है से दिन्य ग्रीभाग्रह्मत्वगार्दिनायनम्त्यामाश्चम्या ने त्यास्रेभार्स्रेत्यमीत्रार्धेभाग्यम् ने या ह्या अर्थे अरग्यवा ने या प्रति भूगा विन प्रति ह वगा वर्त पर् ग्रीशाम्यवा पानी वेरायदा क्रुं अळव दी गेरिया से केव ग्री खर पी श च्याः में हे के नहत त्र श्रीं न न्यें त प्रक्षा श्रू श राये के खु न हें त्र या श्री र धेना प्राया न में दाया न स्था ग्रम्भवा ने न्यः बुरः बुर्म्या सेरा मेरा मेरा ग्रम्य नि ने ने भुन गर्वे न वु हिर वश्रम्भार्यार्थः स्वाद्यार्थः स्वाद्यार्थन्त्रः स्वाद्यार्थः विद्यार्थः विद्यार्थः विद्यार्थः यास्राम्यास्य विवास्रे प्रवाद्या स्थाप्त विवास्य प्रवाद्या स्थाप्त स्थाप्त विवास्य प्रवाद्या स्थाप्त स्थाप्त

ने या पाष्ट्र क्रिन परि पार्ट र मासून पीन पा पहिरमा माने केंद्र वर्षायाधीवा गर्विव वु व्यायाद्येव या भीव हु के। स्वायायाय महिर प्रा सक्रव हिन् ग्रीयर सर्देव पा गुव प्रशान हुराया समिश। वुर ग्रुस्य पा सेर वया सःसन्दर्भवर्षेत्रारुरयेवायरस्यस्यस्यस्य विष्यावर्षेत्रयः र्श्वे र र्श्रेम्थाया ने व र र स्वाप्या ने दाय हा हो मार्वे व र श र में दाय है। स्व मीर्यामु पुरापुरा नुर्देत्। वळस्याया स्वीयायाये देस स्वायमु स्ट्रा में रासाया वर्त्वायन्वान्वीं अपवेर शेर श्रेर अर में अपव्या महत्त्वा वीं दिलाया कर यवेचन्यःह्रियाचात्वाच्या देराविदावह्रद्यायया विदावीयाद्यीतः हे मान्द्रश्चे न सर में मान्द्र न स्वा वें साम केन में द्र मान्य साहे में द्र प् मेनसम्मा रें नेसन्दर्भेषससहेर् सँग्रासम्बन्धः प्राचीत्रसर ध्यानी देव द्वासाद द्वो पद्व पार्थे नुद्व समास्य स्था स्था समास्य सुर-५८-अव-६गा-मी-ग्रथव-रा-भीव-रि-क्री क्रिंश हे स्ट-र्ट्ट-हे-हे-५८। नुःक्रॅ्रेन्देन्सें केदेः यदः क्रॅ्रेन्स थेत् विदः नुषः ग्रीः दिन्देन् वे वास्य

र्ह्मेग्रायाकेत्र में त्या सेंग्रायाये स्वतात्मा ह्यसाया हस्य वितालिया हिं सहि स्वास्त्रित्र्वेत्रव्याश्वायात्रात्री हत्या केत्रित्र विद्वाया मुश्रुम् । विन् पर्न नुस् से से से से से से से स्वाप्त से मुश्री मुश्री मार्थ से स नु न विनाया न विन प्रयाणित विव प्राप्तव पा केव में सहिता में नि क्रिया कुदेः ग्रॅंन्'मः नुसः नुरः नहन् ग्रामः कुः से 'दर्ने 'मः न्मा श्वासः स्रेगः सूरसः ग्रामः श्चायक्षयाम्याद्वा क्षेत्रायायार्द्वातुष्वित्राची । विवाया केत्रसँ गठिग हु शुर्म या शर्मेग्राम पिते हेत् पत्रेया सर में प्यर सित्र য়ৄয়য়য়য়ৢ৽য়য়য়য়ৢয়৽ঢ়য়ড়ড়৻ৡঢ়য়ৣ৽য়য়য়য়য়য়য়ঢ়ৢয়৽য়ৢৡয়৽য়ৢ৽ঢ়ৢঢ়ঢ়৽য়য়ৢঢ় यह्र न्यायाया से प्रवास्त्र के वासी या वासाय विवाह निर्देश र्स्नेन'नर्डे' स्थास्ट र्से रेने केर र्सेन स्थान्य वार्यात्याया सुके दे सूर यार्क्षेत्रायान्यक्षेत्रायम् हेत्रायान्यहेत्। यक्त्रार्हे व वनुयालेशामाई हे नमयालेशामर नश्चम श्रेशानु नयामावने ने भिराधा श्चेतुःयःविद्यस्यात्रमा नक्तुन्दुः इतिष्ठेयः यः निन्द्यः श्चूयः यः निन्दाम् निन्या वहसन्तर्भानस्य गुनः हैं है। क्षेत्रसे क्षुण्ये कुन्र उदारेस विष्ठित्या बुर् चुस्यायायो विष्यायायव या कु केव से सहित विर्यं पर्र

श्चि.पर्त्रीयाः भूराताः श्रीयश्चि श्चि.पर्त्यीयाः ग्री. प्रयास्य प्राप्ताः पर्याताः पर्याताः पर्याताः वर्षाताः वस्रभासमें वासे प्राचासवा यह देवे वासे बुर क्ष्या विद्वार वाद्या विस्तार यद्विशःकुरःकुरःवयःवियशः दुरः तुः चवयाः वयः येयायः यरः पश्चिरयः यया ध्रेशः बुरः प्रदे न कुर्पायाः निवातुः नगायः देवा के। वे अ से दानोरः हैं गायाया केत्रसं क्षेट्र वेना या बुना या द्वा केना केना कुना केना यो केत्रसंदिर श्चरः तुरः दयः यदयः कुयः ग्रेः दिरः यदः येरः र्वेदः यः यः र्येवायः यः श्ववायः यानिवाराहे। वानेवारावराररावी श्रूराया रायरे पाउत्राह्म हेर ग्रीयाग्यराम् मुन् दुः स्पादिया सुनायरायन् वास्त्री ने वया वने वा उवान् र्वेग'गशुर'नदे'नगद'शुल'गवर'। न्दर्भ'र'गुव'सिवेद'र'वेर्भ'ग्राम्य' मन्दरमून्यमार्सेवामागुन्तियामानेवदा हैमामवेर्म्यानेमा न्नरः अरः नुः नश्चन्। येग्रयः नरः चुन् चुर्यः नक्षन्यः प्रथः अप्रथः येव र्भेर-शुर-भाषीव र्वे।।

 इस्रभाग्रीमा विदाग्री स्रमायदी स्वतंत्री से विवासा दे स्वसंग्री के साम्री स्वरंते । नुः लुरुष्य । वर्षे रायमें नाया यत्र में ग्राया के ग्रायें प्यास्तर में ग्राया स्वर्धित । नश्रुवा नृगुरार्थे नुगायायायायायराना श्रुरार्थे वे कुन् श्रुवाया शुः कुन्या विवा रेव में के नूगा वर्र प्रवेश श्रुव श्रूम र्रेव प्रथा दि सु अवे श्रूय ग्रुप वशागाठेशागाठेशासहन्। यह निष्या यह नि यान्द्रन्। कें नान्नेवायशक्त्रम्यमाग्रहायनाग्रीमायेन्यमानम्। न्गुर र्वे न्यु निवे रावे राव वावव या न्यान्य निवः स्त्री नावि स्वि से रा नःवैदा तयात्रश्रञ्जातस्याः भूरः ग्रीः क्ष्र्याः स्ययायेषायाः प्रमायाः श्री कुन्यन्। न्यार् वुर्यं विषा व्याय्याय्याय्याय्यायः विष्याय्यायः विष्याय्यायः विष्याय्यायः विष्याय्यायः विष्यायः विषयः वि न्द्रम्भर्भः अवे कुन् श्रे विषय रे प्याद से प्याद से प्राप्त प्राप्त विश्व विश्व प्राप्त विश्व विष्य विश्व व वे भेवा देव ग्रम्म वार्षिन पार्डिया सुरायश्चेन प्रशा है से विया वें मार्थ निवासियायायाये निविद्या निवास्य मित्रा स्थानिया स्था म्वर्गालेयात्यात्रम्याचेयाचिता वैत्रा ने इस्रमः श्रीत्राचे वित्राचे वित्राच वित्राच वित्राचे वित्राचे वित्राच वित्राच वित्राचे वित्राचे वित्राचे वि र्रे निया मुश्रान्तिमा नुगुम् र्ये खूम दुः इन् मानिकाम दे के भाविम क्षम

हुःक्रेयाः ह्यायाः सहदादी भुःभीवः हुः यद्वायाया विवाया श्रुः वस्यायाः भीवः हुःसिष्याप्रस्यायुर्ध्याप्राप्त्राप्त्राप्ति पवि पद्धः भ्रीतायाप्रस्य स्रीतार्वि स्तुत् यातेगाळानाडेगान्मा यसाइसायमानर्गिन्यायमाइसानन्दिस्या मुश्राप्तर्रा ग्रव्याख्रायाषरकेंग्राक्षेत्रः तुम्राधियाः सहिता प्रयः ८८. वियायाः श्रयाः विरादाः हैं हैं। श्रीयायाः यव रियाः वी यायव रिया सर रि सहर्छिरः भुष्ठस्रा शुष्ति । न्तुरार्थे न्तुत् दुः सः सः से स्वा मी र्थे त्या श्चु विश्व वि विति प्रमान्ता श्चु विश्व वि के प्रमानि व प्रमानि । श्रुवाशःग्री:न्वर:न्दा कें:वन्वाःवी:न्वर:न्दा धर:न्वाःशेःवाठेवाःवी: न्नरन्दा हासम्बन्धानियाया मान्यान्या हिसाम्बन्दान्या हिसाम्बन्धान्या । ख्यायारी:हेरायावर:५८। स्र-प्रायायारी:इया:विदेशकाव्यायर:५८ नडर्भामान्द्रा सेस्रसास्रे नर्डे नकुत् ग्री देगामि इसाद्वर्द्दा ग्रास्ट नःश्वेदःसेवे कुन्वोवायान्दान्यस्याये क्यान्त्रान्यः। वयाक्यान्यः नर्गेर्प्सदेत्रे गारिर्ग्रीशसहर्प्सदे विष्मुत्र शक्ति शास्य निष्प मावतः श्रुप्तस्य भी विमामाव्दामार्थाः श्रीत्र त्यार्थमार्थः माव्दास्य विदास्त्र । नडुःडं अन्ता अर्रे न्वें न्रामायनु अन्ति न्ता नेते हानते हुन् गुन्यन् अः न्ना अन्यः सम्यः क्रुयः भेषः भेषः श्रीयः सम्निः सदे सदे दिः दे से स्वायः स्वयः स्वय नदेः सुर ह्म अरग्राट नात्र । क्षेट विवा नी क्षेत्र न उरु राय कें ना अर्थ दे न न र नविन्दा अेर्वेदः हे अः अह्दा प्रदे विद्येषानी केट द्या विद्ये हिंदा अप केत्र से अर् से अत्र स्वा ग्रम् वित् तु अहत्। श्रुवा शहे केत्र से वित् अस्वित वहसन्त्रम्यान्यसम्बुनःहें हे या ग्रुम् से समामुष्यान प्ये के या या या यहा ने पार्के अहे हिन् ग्रीअपायवाही के अहे हा अदि हिन पीया यी सेन वर्षाने लट.यट्या.ज.योयट.ह्री योशट.क्योश.हेट.श.बुश.योयोश.राष्ट्र.स्र्यीश.ज. ञ्चनाः प्रमः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्व न्तुर वें न्त्र इः इ निहेश राखुन्य र सें खुन्न ने वें वा न्त्र श से नश् कुःर्सः भ्रूना यः नश्रशः द्वीरः तुः त्वरः ज्ञानाशः यः कुषः श्रळं तुः जीशः विनशः त्रशः नहेगान्ह्री वर्षायास्त्रित्रन्नरावास्यास्त्रम्भान्त्ररास्यास्यान् क्षेटायार्श्वेषाश्चायते न्वताया न्याप्ता स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्य वार्डटर् सेवया न्वाटर्के वक्क र्रंडर्गित्रेयर् स्वायायानिवाया ख्यायायवाने वयाये से ब्रेट वर्न प्यतन्तर्ये निव उत्तर्मन्त्रा क्रेन त्र-कुर-मायहिरमायमामामा है दि त्या का जा प्राप्त नि निक्क निर्मा है स गशुस्र सेंद दें।।

लट.मेश.सेंच.सेंचा.झे.सर.चार्ट.रेश.चोरेका अक्ट्र.सरस.मेंश.

ग्राम्यावेयानुराष्ट्री देयान्दार्याह्यायान्युनायवे सवरावेटा स्ट्रा विवार्षित्रपाळुमाहोत्रहो तेवमाद्यात्रवायायात्रीत्रप्रमाश्चात्रात्रीयार्थे सहसाहिरानितानितिर्देश्यात्राम् स्वास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा सहरित्री र्रेडियानवे यसा श्रमास्य देव समावन्यसान्सानिक समार्थे वुरा ने नमा अर वे वा के वा छे । वर नमर न हिर में कि ने वे से नमा वर्ष वश विंदः धरः द्याः श्रुवः प्रवेः श्रुवाः श्रेवः वत्यायः हेः श्रुवः यः सहंदः प्रश् यर द्या सर से द्या पदि विया यशियाया दे वस या उर द्रें वस के श्चुण परे रे सूर्य सामु के दारे दे दे दे दे दे दे दे विषाण से दे दि सुरा स्था र्शेवाश्वारविःवाश्वत्यः सह्दः प्रदेश्के धुवाः रे विवाः वीश्वत्रशावतः वर्मः वर्षः रास्या देर:सर्-दर्श्वुःवस्याय:स्यामायाम्यःसरः नश्चनमा नावनः यटार्से सुनामिते सिनाया सुटावना सर्दे नि देवे सिनाया सुहे सद्वा सेटाने यापारासर्रे निर्धुयापार्यस्ता सहिता सावराया सेवराया से अव्यानाविनार्सेदेः र्र्सेना अम्मादकेटा रुप्त राम्यान्य विदायाना वृत्राया का मःसरःतुःसहत्। विरःवीशःसरःध्याःतुःहिः विवान्नेयः नहत्।

देवे श्वें न या श्वे के या शे के प्राची के प्राची न या विष्ण श्वे प्राची या विष्ण श्वे प्राच

दे खें दुर्य सुरा निष्य मार्था है हे सुर तुरे भुर शुर त्र या पद्वाप्य स्टर यक्षराश्चेशनि ई विवायायायान्य ने से त्या केता केता के वाया प्रिय केता के ळंत्र के र मात्र । वहवर्षा नड् र पवे पवे वित्र मात्र भागा विष्ण ग्राम अर पुर

श्चि के राष्ट्री के त्रा विस्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्व सहस्रासे द्राया श्रमाय प्रवित्या परि पारे मारे मारे सुरा सुरा में राइसमा सिवरास्य नश्चित्रा नुष्ठिरा त्रुवः हैं हैं रेंदि : सेवरा त्रुव : सिवरा सा नर्सेन्कुलालाधराम्बद्धम्। म्बरान्त्रभ्रेट्सेरिक्निन्नुनन्दा तेगा न्द्रकुन्देव्यक्षरेशयार्श्वायायदेणीयाकास्तर्त्रस्त्रायदेगाया रेविः अर्थाः कु अर्थोदः वा न्याः न्या अवः वया हे अः द्वा अर्थः हे दः दुवरः हे तः याञ्चायाष्ट्रवायार्थियायायायाः इति विद्या विव्यक्ति विद्या विव्यक्ति विद्या शुराने प्रथम शुः ने वातुः द्रारा यह दार्दे ।

श्रव खुर पाय पर सुर शश्रुव श्रुवे श्रव में के लेग वर्ज या नश्चार्यात्रम् निर्मेदे निर्मेद्र निरमेद्र निर्मेद्र निर क्रिंग्द्रम्यः प्रवाध्याम् विष्यः ग्रीयः ग्रादः म्यायाः स्वेदः मी विष्टः प्रायेषायः ग्रम्। श्चिःदम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भूत्रम्भःम्हिराम्यम्। वस्यासिकासम् सिव्या दे त्यान्त्रेत् स्त्राम् स्त्रेत् हे हे कुषासळत

ग्रीशन्दर्भे ग्रम्स्य सुर्भुक्ष्य क्ष्यां क्ष्य स्थानेश स्य स्थानेश स् नक्षुनर्भःभेटा ग्रायटान्ध्रेटारेदिःवर्गेषामानरापनानेटाग्विटानु गुरु मदेलेगान्नरमोक्तिंगात्यःसँग्रामासहन्। नेसार्विरःसरमोन्वित्रेत्रंस् यार्ख्यामुयानायायाशुरमा ने यारे पार्ने रामे राम्यामुयायर्खन मुरा ग्रम्भवःविद्या यदेशःद्रग्रमःसँदःत्र्वेवःवशःगुःरवःमःदर्भवःगर्भगद्रः म्ग्रामा इसमायान्त्रमा देरमा नेरमा नेरमा नेरमा नेरमा नेरमा ने निर्देश यगायेत्र इस्र अस्य कर्म म्यूरी नेश र्य मित्र सक्त मी सूर्य सन् यानरः नः नर्शे नः त्रयथः न वरः स्वा ने दे दे दे दे वा वर्षे नः नर्शे नः नि व वर्षे नः नि व वर्षे न वर् र्रे नग् निया कु सर्के न धित है। दे त्या न नग मी या है हे कु या सर्व प्रया सहर्मित्रवासरामा स्रुटारेकि तेगा के दानी खुटाये वासामा स्रीता वाल्व षर नित्रा हेर के वर्षे वरते वर्षे वर मदे'भेग'कदे'क्ट्रेट'त्रम'त्रा'भेट्। नन्द्रम्'हें हें देव'ग्रम्य श्रें ग्रथः प्रदे विद्वाद विवाग्र विवाग्य विवाग्र विवाग्य विवा मङ्गापनापुर्या वर्ते। षाउं मार्या या या या स्त्रान्त्र स्त्रे हे। श्वान्य स्त्री विस्र ने रास्ता विरासे तकता केता तकता कुरा क्रिंसे रामु या सर्वता พ.७व्रूचा.स.ची.देय.लट.टेवा उर्देश.सेर.स.बी.ट्य.जश.उर्देश.स.वु.केंट्रे.त.

नहेव वर्षा भ्राम्यस्य उत्त्वा रें र सहत् ने दे रे रे से ना साय में सा सहत् न वनम् हिर्म्स्यरमे हिर्म्स्यम् विक्रम्स्र्रम्यम् भ्रीःक्र्यम् यो कु र्णे ने श सर्वो द र्या प्रव में हे कु य सर्व व व स स रहे य कु य न रे'गर्नेर'न'भेरारन कुया सर्वा क्षेत्र नर्वेत न्वेत नितेत न्वेत न्वेत न्वेत न्वेत न्वेत न्वेत नितेत न्वेत न्वेत न्वेत न्वेत न्वेत न्वेत न्वेत न्वेत न्व र्सेन'नर्भेन'नग्'नेश'कु'सर्के'नर्भे

हे य श्वर य र्र श्वे अर्दे वे सुर य थर। गु र र य रेग ने य र र म्च स्थानिया देवे स्थान स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप इसरायानकुन्यर्वि।

मावव प्यट सर्ने प्रमुख मी मन् प्रमे प्रमुख मी स्वा भेषा र्नर्दिन्ग्रीशः तुः अय्यदः र्वे व्ययः शुन्यशः व्यन्त्रः या यदः नि न्दः र्रेर-रेग्-क्रेंब्र-वर्ड्व-रेंग्थ-क्रें-ख्र्यूक्षण्यः श्री अर्वे न्द्र क्रुं व्युक्ष-द्र केस्र मुँग्रायास्ययायाया स्वाग्री देयायाय्या राज्याया स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता ग्रम् भूनःग्रे बुरःकेंशः संर्मिनः द्वितः प्रसः भुदः द्वितः यानाः सर्दे दिरः श्चु वसुया तुर ख्वारा वायव है। श्चें श्च्या प्रवे श्चें वाया श्च्या देश हिंवा देश वि नेशक्षास्याद्भी श्रान्यस्याक्षेत्राची व्यास्यम् श्रुव्युव्याक्ष्यस्याप्यस्य है। कु:नर:ग्रीश:सूत्र:लूग्र:नवर:सँ। देश:ख्रश:सूत:हैं:नद्वंत:यर:रे। देश:

श्रॅन्स्यख्नित्त्व नेश्र्यं न्स्यय्यक्ति कृहे १९२ नवे क्र्र्य या श्रुत्र विद्या विद्य

 रें। विरःइस्रायाम्बर्याम् श्रीत्रायित्यात्राम्यास्य स्वर्याम्याम्याम् नहनःसःस्रम् ने:न्यायश्यकेन्यश्याद्यादशःसेन्यःविवाःह्यःनमःसर्केनः वुशः सॅर्ग्ये। सॅर्सेदेशेर ५८८ सुमान्य सम्बन्धि स्थान য়ৢ৾৾ঀয়য়৾য়ৣ৾য়ঽড়য়য়য়য়য়৻য়ৣ৽৸ৼড়৾ৼয়৻য়ৢয়ৢয়য়য়৸য়৸ঢ়য়য়৻য়ৢয়ৢয়য়ৼ बेशमा हुरानर रेट वें सामी प्रमेण मायशान निर्देश प्रमेश ब्रॅं अर्थे र-१८-१३ नर-गार्चे वा उर्था प्रविश्व व्यवस्था विश्व प्रविश्व विश्व धुअः श्रुवः रु: शुरः राः श्रुः न्यायः यरे या नेयायः वेयः ययः यह यः यरः या दरः क्रूॅब्र वेशनायशनकुन्द्रशास्त्रीन्द्रश्चुणकुन्त्रभूनकुन् यगायेत्र'न्द्र'नठमाय'देद'मद'ण्य प्रम्'स्रूद'य। ग्रम्द्र'न्द्रेदे कु केर दर्शेष पर र्रें न दर्शे न दें न दें न दें न की से हर में अर सह द पर पर विस्र अर वश्राचुरःवरःश्र्रःवन्दाश्र्रःव। वैःर्रेःडंवःषश्रव्यक्तुद्रायवेःवन्दायः लट्रावस्थान्त्री स्वापान् विद्यान्तर नेशायर वृद्य । निर्नावे श्रुप्त व्युवानि र्नेर-शुर-धरे-भ्रूनश-श्री

## 

दे.ज.उर्भासास्ट्रिं लेशस्याम्यायायाः इत्यदे क्ट्रिंत्गाव उर्देशस्याः यदे अर्दे निया यन्तर सदे क्रुन अर्दे निर्मे स्थाय प्रत्याय के अप्येन ने।

द्रभः सद्रः म्रेवाः सः स्ट्रास्त म्रोद्धा । विश्वास स्वाद्धा । विश्वास स्वाद स्वाद

सर्ने त्विते नक्षुन् निर्देश्य स्थान है। हे हुँ हुँ नुष्या म्या से निर्देश साधित स्थान है। विश्व निर्देश नक्षुन निर्देश स्थान स्थान से निर्देश स्थान स्थान से निर्देश साधित स्थान स्थान से निर्देश स्थान स्थान से स्थान स्थान से स्थान स्थान से स्थान स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से स्थान स्थान से स

श्रभाक्षेड्रार्चि: इन्ना वृन्नार्चि: न्या वृन्यार्चि: क्रिन्या वृन्नार्चि: क्रिन्या वृन्यार्चि: क्रिन्या रेग्यार्च्यायोयार्थेर्न्युरार्वेर्र्न्युयार्थेर् अवूर्याष्ट्रिये कुयार्थे गुग्गुर् इंग्या नेशर्रें यदश्यत्रे नियम नेशर्रे हे नव्दाया नेश वर्षे रखें कुल र्रे सफ् हे ला नेश लूया शेही लूया सहा लूया सुरा नासुस ल नन्त नृष्य से के साक्षा कर मही है। देश क्षे मास है। त्या देश नदे नम न्या राय सहर्ताया देशक्राक्षक्षित्रक्षक्षित्रक्षक्षित्रक्षा स्टाइसाय याडेया.रु:इव:रही:रु:बु:बवे:रु:के:यडंव:क्रेअ:छीश:क्रुव:इटश:वश वु: विदेः पुषः विस्तुन् निसुन् न्य न्युरान्य विस्तुन् विस्तुन् न्य विस्तुन् न्य विस्तुन् न्य विस्तुन् न्य विस्तुन् नयः ध्याः नुर्वेत् त्रमा इस्तें इत्तर्ग शुःइत्तर्भा न्ति ने त्रमः ध्रेमः नु विदेशियान् निक्ष्म नुःइसार्ने न्दान्यसुःइन्दान्तुःविदेशान्दार्मेशार्चिः सूनमःसदमःमुमःयानन्। देमःहःर्नःर्धनःमुम्मर्कःया देमःस्मः णे. नेश कु. शर्के। नेश कु. र्ह्में श्रेश चुर कुन न्दर श्रुव सर्व य खें य विस्र स चुर स क्रिनःयान्वन्। क्रिशः र्वे मानः व्यायानयःया ने शः श्रुः कें निया क्रें निया में। श्रूः व्यान्नयाधेवार्यायायायावित्या वरात्तुत्वाचर्या श्रास् हे दिया य सिराय या श्रीत्या श्री या स्थान्य सिराय सिरा न्वो निवेश सर छूट क्रें न्वा पाया वाश्य स्था सर प्रश्न हे निर्वे वालेवारा ग्रे श्रुव स्र सु देव लु याया सु हे निरय कुर रा दर दर सा वर्षे द

यद्गः स्वात्त्र व्यात्त्र व्यात्त्य व्यात्त्र व्यात्त्र व्यात्त्र व्यात्त्र व्यात्त्र व्यात्त्र व्यात्य व्य

## **क्रिंड्स अंक्षेत्र अंक्षेत्र अंक्षेत्र अंक्षेत्र अंक्षेत्र अंक्षेत्र अंक्षेत्र अंक्षेत्र अंक्षेत्र अंक्षेत्र**

ने नमा दुर स् नर धुयावसमा सु र्सेन नर्ये त र्से हे हूं त गीहे वे मा गुनिर मङ्गे मिंद्र मिं नर्डेश इयादिः सर्वदान्हें द्यो प्रमेषानाया स्वासाय स्वासायीः वर्षेयान्त्रान्ता वहसान्ध्यायास्यात्र्वान्त्रत्यात्रेष्ठाः हेत्रसूटा हेत् सूटा हेत् सूटा हेत् ने गाया र्रो वार्याया सुवा सवर्या सदार्या व सुवा सुवे व सूर्व वर्षे राष्ट्रवाय विवा ग्राम्यास्त्रम् वर्षाः भुष्यत्राः हे। देःहेनः र्रेम्यान्याः स्वीयायने वर्षे हेन् भेत्र भर्य भरा म्यायाया । पार्च मात्र से । आर्च र स्थाय से दार्थ । वे या मात्र प्र मङ्गे 'ह' विया विस्रका शुः र्रेव विषा याक्षर 'च' वर्ष का स्वीय 'च' केत्रर्भे त्यार्श्रेष्म् राम्य क्षूर् के निष्ठ निष्ठ स्त्रा व्यवस्त्र व्या मन्ने मन्ने अर्भेट वें अर्थे दूर् ना धेवर वे अरग्र हो मन्व पावव पाट हैं कें हे विशः गुःनः सर्देवः धरः विशः धः प्रदः धृवः धः धिवः प्रवः सरः धेः सर्वः प्रवेः ध्रेवः प्रिन्द्रित्त्र प्रात्म केत्र में सहया नशहें में देखा वया नश्चा कुष्म राष्ट्री खूर प्रात्म कुष्म राष्ट्री खूर उँ त्र व्या भें वित्र शक्ते व भें श्चें द भार दे हिन के प्रस्था भार हैं भें प्रदेशिय गश्रम्भाता क्रेश्रानु ने ते त्यायम् निम्नायामियायायि क्रुयामाधिता वेया ग्रिट.चीयोश.को सक.कुर.क्सयोश.स.क्र्यारीसक.मी.की.क्रीका.सर.चीयोशी यदे सूर द्यादियां व द्वाचिया पाया सळव हे दाया सव। व द्वाया सुसा सव

कर्षायायवर्षाः हैवायापर्राद्रावर्षात्रवर्षात्रेवाचे केयात्र वस्र रहन ता सार्से द्रा विश्वाना राज्या विद्य हिन ग्री विवाद राज्य निवार्ष राज्य मःकुरःनः धरः भेतः है। के शः वस्र शंकरः शंकरः भेतः से निर्मा के नः यर भेत्र है। कैं अ सय के न या कर रे या अ अ र में अ से वि अ मा शुर अ अन्दी अक्षियान्दे ने के अप्यान्यान का के के निर्मास के प्राप्त का के निर्मास के कि निर्मास के कि के कि कि कि क मु.यार.मी.क्ष्र.यबर.स्.सर्.कैंट.र्थ.यक्षेय.यक्ष्य.य्रेय.श्री.यार्ष्यायात्रं यानीनियायायायवराद्यायाळ्यारे ने निष्ठेयानीनेनियायायायहित्रहिता क्रिंग'न्र-र्नेद'स'सुर्यारा'श्र्यारा'या वेद'ठेट' वसर्या उन्'से 'नहेन्' पदे' या बुर अः र्वे यः या या या या विष्यः धर उं तः गाः यः से या अः यः यह याः हे तः नश्रृत्र नर्डे अ'त्रा देव'त् 'वश्रुर निवे केंग्र 'नठन'त्रा श्रुत'त्र ग्रा यर में यहित पाणेता व्याया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स इस्रश्नाद्वा क्रिंशःश्चीःयादः वयाद्वा विदःसरः दुः हे दे हे वे चेयाःसः व्यात्यावा ५८। गुर्भरःश्रृगुर्भःग्रुःष्यः५८५६मःगुरःश्रुवःधरःवर्दे ५:४देःग्रहः । न्वो न उत्र इस्र र वा न्या न वा र परि न वी न स न व न व न स म्रे के सार्ये वा पदे वा न्यया प्रयान्य स्व क्वा का न्य स्व म्या स्व का स्व का स्व का स्व का स्व का स्व का स्व सर्दिन पर ने अपित कार्र स्वर विर से समा उत्तर् प्राप्त में रूपा नि यास्रियाम्या वर्ते नामयामान्द्रके या ग्रीयान श्रुमान स्थाया के वर्षे प्रमान धुःसःग्रिक्षःगाःनदेःनःवःवर्गेदःप्रदेःधुम्। वर्जेमःबिदःवर्गेगःपदेःनक्ष्र्वः नर्डे अ'हे द्रा है। दे द्रा व्यास्त्र विष्टा विष् हुः क्रुँ नः भ्रे अद्य कें राज्ये राक्षें स्थान क्षुरान दे क्रुं ने स्थान था पर से राष्ट्र ८८.वर्ष्ट्रि.श्रेश्रम् अस्थाः व्याशाहेत्रः लीता देत्रः लीता हित्ता व्या वर्गेन्या क्रिंयपन्त्यव्यायप्तें रातुः रेत्यं के न्दर्शेषाः वीपन र्रे भूर पाडे श पर सह र डिटा पावर पर रे जा पर्वे र या देश हैं श क्रिंयापात्रात्रीयायापयाप्रस्याविदायाचियायापायार्थेयायापवे क्रिंयापाया सहर्ग्या कें अर्धिया अरोर्य भेर्य भेर्या अर्प्य सेर्य भेर्य सेर्य भेर्य सेर्य भेर्य सेर्य भेर्य सेर्य भेर्य सेर्य सेर सेर्य से नेशः सहन् प्रदे केशः वस्र राउन् ग्रहः सुर न्हः सेवार्यः प्रदः हुः सदे हैं। नहः नश्रूवः पः प्रदायायः विदा श्रुश्चिवः प्रदः र्देवः श्रुवः प्रदः क्राय्यः प्रयः वयः प्रयः म्वत्यावर्भावर्भः सम्यान्यायाः स्वान्याः स्वान्यः स्वायः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वायः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्वायः स्वयः स्व ने केन के किया अकेन क्रान् कर सावनन पर श्रे क्री कि क्रीन वा स्वार्थ कु'ग्रम्भे अदे ने न्या अट से द्रा अदे नश्रम् व वहें रामे हें राम अदि नश्रम के व नरःग्राम्या भुःश्चित्रःकुरःगीः रुत्रःशुःष्यः उत्तरमाः करः त्यः नश्चेत्रः निरःनेः न्वायी अन्यान्यो या ने वया ने यह दे स्तर्भ के त्या यह व्याया या विदाया या केवायाया मुद्दा वात्र प्रतिवर्धिय नम्प्रता भूत्यार याम्य वायाया देवे

बॅर्ड्र नः केत्र में ने त्यानु अने वे रके में न्यु नविवे स्मान्य मास्य स्था नित्र्यरणुरित्रे। वे रित्रियर्थे द्वायर्वे र्श्वेर के या ग्री के या राष्ट्रेया ग्री क्रॅशः र्रीम् याय्येत्रः याय्याय्यः याय्यः विवानीया विवाय्यः स्तित्रः भ्रेअप्रायेत्रियादा वर्षा यो या र्के या यदा रेति स्थाया वे या द्वाया यो या स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्था र्रेटार्डियाची यासहरायदे चेवाया केवार्यदे कुवावादह्वायदे सुर्भे हे सर्वेट्य गुर्याय केत्र में क्षेत्र भी बट बेट सट में या नक्षेत्र नगुर गुरा हे हे अर्य न निवास द्या वदवा हे अरु वा बुद दु वा से व्यव वे स्वाप व स नश्यान्तरक्षे वहस्रन्ययम्बर्गस्य क्रिन्यः स्वास्ति के स्वरंत्र हे। ग्रथवर्याने द्यामी श्लें निम्ह्र द्याया स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर व्याञ्चायान्यान्यान्यान्ये विष्या । यायान्य कुन् ग्री भूवयाव्ययः प्राची प्राचीया केन रेवि वयान्य। दें भ्रेयायान क्षे कुन्ये प्यन्य सुन्य वर्षे क्षेत्र पर्यो नःधेवःहे। कुःन्धेः सेन्यस्यः नः स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स

ने'मा बुर द्रश भ्रे अ हैं 'में क्रि'न 'बे अ ग्रु निये पङ्गे 'ह 'प क्रु 'द्रभे ' ग्रु र द्रश हे ' याग्यवायया र्रेटामकेवारीमाश्रुटामाविवा श्रुटावया भेवा हार्सेया है। में द्वारायमा मुद्दानिये देशे विवार्सेदाय हेत्या सुवात्रमा यामान मुत्र गवरण्यामुग्गरम्भे यापर्रो सिक्षु भी सक्षर्रा स्थापित से स्थापित स्थापि न्यः म्या अर्थे क्या न व्या के वा का मानि के विकास के वित न्ययः श्र्यायः न्वर्त्तः नने यहे यहें वा इः कुन्यः स्वायः या सामान्यः न सुन् वर्गुर'णर'भेव'रु'नवर'नश'ग्राश्रर'वर्गुर'शह्'र्'रे'यव'के'नर'ननग्राश र्शे मुःगरःग्रेःपङ्गेः एःगुवःवःरे। इसःइः ५ विष्णेशः वेशः सरः र्रेः हस्यः यः खियायात्रेषु सुयाक र्याययायाया भेयायया ग्राम् मुग्यम् त र्वे या है या या लेवावा हिंदा हेते हो राधी रहें या वेश पाश्य स्थान दे स्थर लेवा हात स्थर श्रम क्रियायायान्दराध्याप्या नद्यान्यस्त्रित्यास्यायायादेःद्वे साद्दर् न्यायाविद्य मावतः ग्रीः के अः श्रमाअः नदः श्रेनिः यः न्यावनः यदः पदः नितः नित्रः व्यावनः विवादः विवादः विवादः विवादः विवादः म। सःर्रेयाष्ट्रित्तुवार्शेत्रप्रेत्याः हुत्यः श्रेवाश्वार्यः वस्रश्वर्यश्चित्रः र्रे। ।गव्राव्यापा वर्षेत्रेरे राया नेग्राया नेर्याया नेर्यायाया नेर्यायाया नेर्याया नेर्याया नेर्याया नेर्याया नेर्याया नेर्याया नेर्याया नेर्याया नेर्याया

यहंद्राया अर्चेद्राया विद्याया अर्थाया विद्याया अर्थेद्राया विद्याया अर्थेद्राया विद्याया अर्थेद्राया विद्याया अर्थेद्राया विद्याया विद्याय विद्

यदः भी मी विव द्या वा अयः मदे अस्य माया स्था महि महे मि के व स्था ने। भुः ग्रेभः नार्वे नः नुः व्यादः भूनः हैं नः व्यादः भूने व्हं वः विस्रसः न वदः भें याग्यवार्यास्त्र ने र्ड वाय्यार्स्ट नव सेवा केवा कुषा विस्रया ग्रीस मियाराश्चेतार् भेवार् भेवार् अकेर्से स्थराया मे विरामी स्थराया क्वें देन देन त्या पर क्वें के का मार्वेन पर त्नु मा स्था हिन रस निर यायेवायाचेराभ्रम्। नेप्यमाग्रीयाम्वो यायेवारायामसून्यया विंदाने अन् वेर विन त्य वर्षे वय व्यापया क्षेत्र ने विवय वया ने अन्य वेर देन विश्व के अवस्थ उर में द्वा थेर दें न सुर क्षर है। दे उ द र न तुर र्थे नडु नड़िश डं याने वाने न निवित नु ने या है या से हे न यह त्या में न न्सॅन्सीश्रामश्रुद्याळन् ११ में ११ में ११ के शामस्य ११ मा सन रायशक्षेत्रायिवेतायाराश्चेर्रायराष्ट्रवाश्चराशुः कुर्भूरार्दे। वे प्रवुत्राश्चरा यायास्राप्तरायास्त्रित्रसेदासेटामे कुषासळ्त्यु न्यायापटाम्सत्। त्रा विगान् रिंद्र में भ्रे प्यस पुष्प सद्य स्रुद्र में स अन्तर मुर्स सद्य सुर्स स्रुस

श्चें र ग्री अ र्कें र अ ग्रुअ त्रा ग्रें य ग्री य ग्री य र ग्री य ग्री यानम्दासमा द्वेष्वयावमा देःभेवः हुन्नवः। क्रेमादेः विदः दुः कुद्रासदेः ह्यायाध्येदायया हिंद्राग्रीयायमेवायासारे मीयायास्यास्या र्थे न दुः न सुस्र स्वतः स्वतः या स्वतः सः हैं न सः सः न दः तरः सि । ही रः गहसर्उण्या वर्षानावर्द्धरः हेन्द्रिनानो सम्मा हेन्ता हिनास नवरश्यीः भेषायाश्वायशा श्वाद्यः स्टायः स्टाय वाश्रुद्रश्रायदे द्वीद्रश्रायः ह्वाश्रायदे द्वीत् वश्चवायः देव से के वाश्वयायः नहेन् मदे के न न स्वाम्यास्य सहित है। स्वाम्य के स्वास्य के स्वास् यानकुन्यानभ्रेन्यते धेरान्याकेषायर्गक्षायहा भ्रमायाने दे नर्डे खे. रा. सहरी अथे अ. श्रुं र. जयर विज्ञा रा. सहरी सैगा. रा. जुंश र रा. ग्री. नश्चन'मः कुन्'यानश्चेन'मदे भ्रीमः हेवायामः केव मेदि कुः श्चेयायव म्याः यहरी ट्य.श्रूट.श्रूट.टरी वहवाश.ग्रुट.टरी श्रु.श्रू.वा.श्र्वाश.रादे. वर्षेयायान्द्रान्य मुद्रान्य अस्तु अस्तु नेते नु अः शुः न्वार्थे । यद्वीयायान्य । या सर्पर्ने ना उ.लीग्ना सर्परमस्य गिर्म सर्दे हैं हैं री रे। विंया मु अर्के प्रमम् अर्के अरा हें दार्गे का मह गा न्य कुरा वर्गे अर्थे अ

यक्षेत्र। ट्र-प्वर्ण, येश्वर्य्य प्रियः प्रियः प्रियः प्रियः प्रियः य्यः प्रियः प्रित

निक्रामिक्षेत्रान्ता क्रिंशानित्ति। रितासित्ति निवत्ति। क्रिंशानित्ति। न्यें तर्हें नगा नेते श्रम ह्रें न न्यें न प्रमासे मार्थिन हैं नहत शे श्रम है से मा नेवेरश्रभावेन् वेरावन्यान्दावन्यां मेन्। रेटाक्षेयाळे यावसम्याया ग्रीरश्रया श्चित्रप्ति श्वेत्रपाणुरा देवे श्वराहे श्वराष्ट्रया देवे श्वराश्चित न्यॅन् ग्रुस्य कें या कें न्यॅ न्या महन्। नेते स्य क्रिं न न्यं न हन् र्हें हे 'धेव हैं। दे 'क्षूर रेंट वें अपदे 'वे 'प्रह्नर अप उं अ है न व अ ख़ूव ही अ गुनःमदेः नेशःस्वः केवः में प्रा प्रा प्रा प्रा मिश्वी मित्रे हुँ प्रा उव वि दी धे दि दि स्वरंभी देवा संदे वावरू दि । श्रे भ्रे कि दि स्वरंभी देवा स्वरंभी स्व वियायायह्याये विश्वान्यत्वित्राच्यास्यात्र्यात्व्याय्या ञ्चनाचा सर्ने हे दरकुर हे दर नम्भन नहें मार्ग हो ज्ञान सास्य मार्ग स्वाम शुःकुन्या वावायहेगाहेवायवेयकें केंशावेनायशन्ता धुनाशक्षेत्राय न्म न्यार ले हे सूर सून पवे छ्वा ही नसून नर्डे रा ग्रम्स प्या नेन ग्रे खुरदर्रे चत्य के नदे न्वात्र अप्टर्स्य हुन अपटर श्रुपा अपटर श सर्क्रेना मुन्यान प्रमानित प्र वर्नरवर्ने न्दरमान्रमानवे स्वापमान के सुष्या स्वापन वर्षेत्र ही ।

अत्रादमा नकुत्राया अतात्राया सम्यास्य । स्वारम्या स्वारम्य । स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्य वर्षायर ब्रूट है। वरे क्षेर क्षेत्र र्वेत प्रमुवे पार्व स्था मुस्य संभूत सर्वे हे नर्द्रायहँ अर्थ। अपिर के व र्पया ही र्पय हुन दें अर्थ र र र प्याय थे र्नेना श्चें 'हें हो गार्वेन नु। वर खुर प्येन प्रन ग्याग्या रेंद प्रन प्येन प्रन सेन केवा र्रेट नव रेव केव कुंव विस्र राष्ट्री नर र र न कु र रे न मार्थ व वि । यह वैर्भेर्ड द्रश्याणु श्रुश्चेर्द्य देश त्रु के दर्भे द्र्ये द्रे द्र्ये द्रे द्र्ये द्र निरःस्रागाः उदा देशः स्रुवशः द्यायः वह्दा देशः धः वेदः स्वा देशः देरः विसायान्त्रन्ते सेस्रास्ट्रेते नकुत्या विवार्वे यात्र्व यात्रस्त सेत्र सराक्षार्रे भो ने साव तुरामा व सावे सातु । ता मुनाम दे भी सातु विमा तुरा है। ने'त्य'कु'म्'रन्त्र्व'नकुन्'न्र्। कुवे'न्न्न्न्र्न्न्न्न्त्र्म्न् ग्री'म्रस्य'य स्यत्वित्। नेशःर्रेगःर्रः बर्शःन्गरः सर्देन्। त्रुरःन्तः। धः बेःर्नेवः क्रूवः वः गश्रम्याने। ने गनिया भी यार्सि विया या निष्या है निया के तामस्या युग्राया वेया वेया व्याप्ति या व्याप्य स्थान ८८। वे.स.तस्य इ.मेव.केव.सक्वा.८८। वाष्ट्रवाशः ह्रुं.व.गी.सं.र.त. म्बार्यास्त्रः स्वर्धः स्वरं न्त्रेगःदेन्यानकुन्त्रश्रेयाग्रीशःरेन्द्रात्र्यास्यान्याः इस्रम्यस्य न्या भीतार्वे । भी मानु केतार्य विदेशाय निष्का सामान्य विद्यासा

सहया वेराना दर्गे अप्याना नेते व्यासासमार्थान्या है वि वेर्न्नु ब्रेंब्र्यदेनु अन्दा वे दुवर्षे द्वं वन्दा अर्य दें यन्दा अर हिन्नुः अः इस्र अः नृतः सयः केरः नृत्रः सक्षुत्रः अः अः केन्। नृत्रः डेगा'व'सदे'सेट'सें हे पर्विद्रस्त्रम्थाग्रह र्यो स्त्रम्था सेंद्र सदे हे प्रदेशे बर्-र्-र्र्स्निनःपाहेरःयः र्रितः वेशः वेरःर्रे । र्रिटः वेंसः र्र्वेशः येः प्रवादः रेदिः वें ক্রুঝ'শ্রী'শ্লবম'র্মি |

## से अस' चुँन स'ग्री'स्नन स<sub>।</sub>

लटा हूं वीश्वास के बेर्स श्रेस्थ ही वीश श्रेष्य वीश्वास स्टि है स्थ्य हिंदा न्सॅन्यम्यामुयापो नेयावनयाग्रीम् साहे नद्वाप्यम्यान् ग्रम्या ग्रीमानवरे केराया उर्दे प्राचित्र व्या विषा स्ट्रामा स्वापा स्वाप हेन्यामङ्गेन्त्रे के इसम्मानम् नेया नेया नेर्यं के संस्थानम् वर्षे र्रमानममाश्रुः र्रेत्वमा कुरकेरा नश्रुरमा या धेत दी । श्रुरात्मा स्मानमा षे ने य वन य ग्री विय खुर भ्रें र प्रा ये यय मुंग्य प्राप्त में वि क्रायाक्ष्याः स्वायाः स्वयाः स्वयः स् श्री न्यान्य क्ष्यां विश्वान्य क्ष्य क्ष्यां विश्वान्य क्षयं विश्वान्य विश्वान्य क्षयं विश्वान्य क्षयं विश्वान्य वि

याश्चर्यात्राच्यात्रच्यात्राच्यात्रच्यात्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात

ধন:মব:বস্থুবাঝ:বা | किंस'य' केंस'ग्री ख्रेट में र शुराय हमाद्याया | यर्-यानेवायायास्य स्थान्य स् गर्वेव वृदे श्वेट से हिन् *ेव्रिय* विस्नराय सेंग्नराय सेंग्य हीत्र यस हीं द्राया गुन्राची व्यवस्य विवास् कु अर्केंदे विर शुराया वेश याशुर शरा र या के या यी वह या या ने व हिं सम्बद्धान्य व्याप्त स्थान स्था मुन्यमार्भेर्पायाम् अर्द्धियाविरामुराया वियाम्स्रिर्यायायरे मेर् मः केत्र में विषय भी क्षेत्र पात्र सम्माय प्राची पात्र भी दासे पर में प्राची पात्र भी दासे पर से प्राची पात्र भी पर से प्राची पात्र भी दासे पर से प्राची प्राची पर से प्र नर्यान स्त्री दिल्य विषयी स्तरायया किया स्राम्य र्शेग्राश्चर्यश्वा ।गुव्याध्वेवःचरःग्रीःचरःचविवःवे। ।वयःसमिवःन्ग्रीयः क्ष्र-रह्मान्यान्ये। विराम्ययम् विराम्यन्यान्ते स्थाने स्थाने स्थाने विराम्यन्य निद्रा देवे देव प्रकट्र प्राचा विष्यायर हेवा प्राणुव ज्ञाया प्रथ्या विष्यया विह् ध्ययायमान्वेत्रातुम्। विविद्यानित्राचेत्राचेत्राम्। विह्यामा चलः वनः र्रे छेन् छे अः च। । धुमाः क्वे व से दिः मा वुमा अः वक्र सा । व्रुः अः यावयः व्हें त्रः शुः तुः तु। । रहः दृहः यावतः ग्रीः शुः हुः दृः श्रीः हिः त्रमा। । यहः दृयाः यामयः नःवेशः मुद्री विशःम्यान्यदे न्नेना यो यशान्य प्रमान् ने दे स्वान्य स्वर्थ स्वर र्श्चिम्रायास्य्यम् व्यापायायायात्रम् स्थित् स्थितः स्यातः स्थितः स्याः स्थितः मुँग्राम्य न्याः के न्यमः भूमः या अवः म्याः मः सम्याः यः सम्याः वः सम्याः वः सम्याः वः सम्याः वः सम्याः वः सम् ने त्यः श्वेन द्वेन हे दायान ह्या श्वेन द्वेन अदय हे अप्याप्य विषय के स्वेन विषय के स

र्श्विन्द्र्यत्र्यम्याम्यायः केत्र्यत्। श्विन्द्र्यत्यो भेषाव्ययाणेः द्रियाणेः श्वेत्रायायायायः केत्र्यत्।

वै:र्स्थानस्थाःशुःशृःदेस्याःग्वस्थाःशृः वित्रः व्याप्याःश्रेतः विद्याः स्ट्रान्त्रः स्ट्रान्तः स्ट

युःसूनाञ्चाञ्चाश्राह्मं त्र्याचे श्रुंत्र त्राञ्चेत्र याष्ट्र त्या श्रुंत्र याष्ट्र य

ने सायान्द्रम्पणु सु स्रुद्रि या स्वासाया स्वासाय सामित्र पा के विद्रा नगिते कु र्ने के दर्भे निवे प्रमुख्य प्राप्ति दि नियु अपनि प्रावि दि मि कुर्मे प्रमेण दे गा क्रिंट मुद्र द्राप्त क्रुव न क्रुव न मुद्र न म न्यरविन्न्रान्यरुषाय। विन्नुत्रम्यर्यो सुन्न्यर्यो सुन्निर्यं ८८. पर्यात्री स्वा. पर्वा स्वीय. स्वीय. स्वीय. स्वी. स्वी. स्वीय. स्वी. स्वीय. न्दानडर्भायमें । ने भार्से मार्से प्रमाया मी प्रे प्रे मा मान्यया मी स्रे प्र ख्र-र्मण मुः हैं है। दें स्व र्मण मुः मविव नु। स्व र्मण र्मु स्व वर्द्धरवनायो भेराद्यया अराने नाराया बदाया बहारा वह राज्य ही हैं। न् चे व्यवायायाया ने या च्या च्या या चित्रक्वा म्यायायाय व्यःश्रेषाःर्येशःस्यः क्रुशःषोः वेशःषः देशःषरः वक्रुतः स्रे। श्रेषाशः ग्रेग् ग्रें।

वरिते श्रूरमा सरमा कुमा सर्गेत से दि है । इस अस सामा मा मी श्रूरमा भ्रास्यासर्वे व्यास्य स्वास्य

षरःमकुर्यंगविवः इर्षः भूगाः ईरःग्रेशः मभूरः भी श्रूरशः ग्रीशसुरही कुरायन्त्र देशाया है नराया ह नरे निवस्ताय निवा हे सासर माने सार ने राहि है उद नगवःदेवःवेन्द्रः वेद्रश्याया नेनः नश्रुवः द्याः वेद्यः व्याः वेद्यः वेद्यः वेद्यः वेद्यः वेद्यः वेद्यः वेद्यः

यद्या स्वित्र प्राप्त स्वर्ग निर्मा स्वर्ग निर्म स्वर्ग निर्मा स्वर्ग निर्मा स्वर्ग निर्मा स्वरंग निर्मा स्वरंग स्वरंग निर्मा स्वरंग स्वरंग निर्मा स्वरंग निर्मा स्वरंग निर्मा स्वरंग स

यद्ध्याची ने याय है द्वा विषय है द्वी । विषय है द्वी विषय है त्वी के विषय है ते विषय है

## <u>इंस्</u>त्रअपित्रं कुषाग्री अनिषा

क्रिन्यं स्वार्धित्यं स्वार्वे स्वार्धित्यं स्वार्वे स्वार्वे स्वार्धित्यं स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्वे स्वार्धित्यं स्वार्वे स्वा

याववः प्यतः भी भागान्तः भी मान्यः भी मान्यः भी मान्यः भी मान्यः भी भागान्तः भागान्तः भागान्तः भी भागान्तः भागान्तः

देवे क्रिंच सन्दर्भ सम्बन्ध मुलासक्त भीता धुला द्वार प्रतान यसम्याम्बुसाराधित। नगे र्सेटार्से नुग दुः इन्न नुतर्वे तरा विगामी स मुयार्से सूर्या हे सायर र् मुँद्र द्र रा सुर्या से स्या सर्वे द्र रे प्या या द्र स्था स वुर्या श्रुर्या ग्री वियान्या ध्रुया नुसार्यो निर्मा से दानी निर्माण से दाया भ्रम्भाष्याम्बरमा नेरार्चेवार्वे । नेवार्भ्यमामान्यानेवाळेवान्छेवाः डेशन्यस्त्रिं विस्रशः हें न्या विवा वी सार्वेदा त्यसाया वान्स्राया विश्वा सार्वेदा मे निया हु सुराय है है द द निवाय से । दिने से नियाय पर सुर्य पर्केश ग्रे।तुःदगुरःग्रथःनदेःसर्हेग्।धेदःहे। दगेःश्चेरःवेंग्थःनदुः इःनतुद्वःवेदः मालियामी अवाद्यायाम् अर्थान्य स्थान्य नव्यायान्यायान्यान्त्राच्यान्यान्यान्यान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्याय नर्वः इः चाहेशः वेव्वशः व्यवासे दः र् चालेवास। वः दसः देवः केवः द्विवाः सर्केना लें नकु न्दरन दुन लेंब क्रा भूना से द न निम्रा भी दे न सुस गास्र रेट में ज्ञाय सुवार्य व्यापिय प्रिट त्य महिमान विम्र रहे। अप

नुव : प्रयानिव : विव : नु निव : विव : विव

য়्रा-भेश-र्यात्वीर-वावशःग्रिश-तक्ष्यशःश्वा श्वाशःग्रे-त्यः हिर्द्याः के त्याः के त्

पुत्र'त्रश्चित्र'स्य स्वास्त्र स्वा

र्रें धेवा क्रेंन न्रेंव श्रम् ने राम्य प्रमुम् याव राम्य या विषय कैंगा वेर त्रा श्रःश्वें अप्यें न इन्त्रा पेंद्र राविना श्रूर पान केंपा द्र रापेंद्र र इससासुः भारा विवा विदानसा हिंदानसा ह्या स्वार भारा ह्या स्वार स्वा र्थे के र भ्रे : अ 'द्र्या भ्रें द्र्या । द्र्या भ्रेट्र पा है अ 'य 'क्ष्ट्र 'से या 'व्रस्त 'से या ' क्रेंश-नेग'गश्रर" क्रेंन'नर्रेन'नेश'रन'यग्रुट'ग्वर्श'र्न्स क्रेंश'गहेश' ग्रीयानाययान्यित्रत्वयानस्यायया विंदान्त्र्यात्रायेत्राचे से सूदानर र्शेटा ने क्रुटळुं न व्रिज्ञान न न न हैं स्ट क्रें क्रें स्ट क्रें स्ट क्रें स्ट क्रें स्ट क्रें स्ट क्रें क्रें स्ट क्रें क्रें स्ट क्रें क्रें क्रें स्ट क्रें र्शित्। ने कु महिंद्र महिंद मित्र स्वित्र मित्र ने प्यर्भ कुन ने न के क्षेत्र में न निवाद में अ:द्रम्य:व्य:द्रम्य:अ:अ:अ:पय:वदे:वर:द्र:दे:व्य:पेवा वेय:र्वः ग्रीशः क्रीं या क्रुं यो दः पदिः देव या विद्यापा । वह त्या पोद्यापा यो दः पदः वा क्रुंद्याः वर्ने सूरर्र्रित्र्र्र्विवर्धिवर्षाया केंग्रिया अधित्राधर क्रें हिर्माण्या के नः धेवः नशुर्। देवश्वयः विनाः श्वः श्वेयः श्वेयः नश्वः स्वयः श्वेरः वश्रम्भ्रेत्रम्भा विरम्परमिष्याम्भःश्रेष्यम्भःभ्रेत्रम्भ्रम्भितः न्मॅन्ने से से त्नुन् हे द्वा पेन सूम नम सून सेन मार्थ है पार सा गुरा यर वर्षावया श्रिन दर्षेत्र या दे श्रि द्वा प्येत देश प्रया दय से र पश्चिम

रा.लुया श्रीट.चेट.क्य.चार्यायाया.रा.दु.ट्रे.य.र्थय.याश्रीटा लट.यंत्रा.खुर्या. ग्री:वियावया नःभ्रे:वर्गावाधुःनेवे:हे:सेंखादेंयावेगाग्रुनवया नेवा क्रिंग्नरायानविरावयायरान्त्रीरायर्चेत्रान्रेराधरायार्चेत्रावया स्रम्धिता ड'वा क्रेंच'न्येव'स्ट्रिंच'सेन्'सेन्'न्येनेनेनेने वार्या व'नवर्यन्द्रिंवु'न्द्रेनें इस्रयान्तर। अञ्चेरास्नाः स्ट्रास्याः स्ट्रास्य वेर्णे भेर्दर वादेर मेश्रासहयाय भेरा क्षेत्र सुर्से स्थापे नेश वर क्रमःहेतःन्वो नश्रेतःन् नत्वायायःमःने। न्युनः व्यानकुः इनकुन्वेतः मदे के नश्रुम्न अन्यम् मिन्य भारते के हैं से मान् से सारी में स्वारी से इस्रमासहयानु साम दुवा परास केंद्र विटानु हुर से त्यान होवा मास्या देंद्र इयाउँ या विवा व्यायावयाया सेंदा वा श्री देया श्री से स्यया श्रीया श्री रा न वृत्र १ शुव्य ५ मि ५ मि १ स्था वृत्र में ।

वुरःव्याः र्ख्याः विस्रयाः कुषाः सर्वः रु. यहमाया विः रुगाः सुः सः यर्वः यः सुरः नुः शुः त्रवः ग्रीः शुग्रायः या ग्रायः या विष्यः विष्यः विषयः या विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय नकुन्दुः इन्थ्नः यानेवाया यानुनः श्रुन्यः ययः ईन्हे यार्वेव वुदे श्रुन्नः रेट्रानश्चेत्रास्य पुर्वा धुर्वा विस्तर्भ न्त्रीता विद्यान्य स्त्रीता विद्यान्य स्त्रीत्य स्तित्य स्त्रीत्य स्त्रीत्य स्त्रीत्य स्त्रीत्य स्त्री ग्रुम्राम्यः कुम्यि नहुन् साधिन्य। मम्कुम्न रिते नुः के न्यायनः वसायहेरायहिरमा यहेराब्रेवानुसाबराकुरावडन्सें बुराबेरावाणरा वशर्मेर्ट्स् नवेदः स्ट्रम्ववाया देवसः भ्रुः विर्द्शास्त्रम् व्या नडुः नुगार्ये न उत्ता विदासें ग्रिने निक क दिन सार्वे दि श्री से निव मिर्ट पार्थ दिन सार्थ दिन स्थारे निक स्थार रवानिनासदेगार्धनार्धे में हे हे है राधे प्राप्त हें के रेप्त प्राप्त ना महन्त्र प्राप्त ना स्वाप्त प्राप्त ना स नःयनरः इस्र राग्ने रार्ने याग्ने पार्ने दासूर केंद्र या भी वार्च राज्य र वक्रम्यः भ्रेष्ट्राच्युर्यायत्वा देम्यः मुत्रः भ्रेष्ट्राच्यायः मुत्रायः न सहया ह्न-प्रस्थार्य नडुःनिव न्यायदे सुगा सुर दिने मा गर्द मी यावर्यायावि वर्या उत्र रुश्चेता उत्र प्राप्य श्रुया तु विया यावर व्यापिर दर बुर वर्षा प्रशासित स्टा खेल र वेषा श्री विश्व विश्व हिर व निया देवानु वर्षे निव हु में वर्षा में या शुरा ने निय वर्षे र यो या है निय व न्यायाकुग्नामाध्रीताळुमाब्रोम्याध्रीयार्चेत्रात्या वहेरानी। यन्तायान्त्रेया वयास्यायीयायह्याते। हे प्यटायापीयायवयासूराया वावयासूरायाया यदिशादिद्वासेत्। देशायासुत्रात्रशासर्वी मुयात्यत्यादिशायक्त वार्ष

श्रेश्रश्राद्धः प्रदारम् विश्वाराश्राये नित्त्व वित्राचुरत्वश वित्र रहे वर्त्राया गुरा देराद्यापया ग्रेम् ग्रीया ग्रीया में हे न्यापाद्या यह वा नरः खरः नक्ष्रं नरः वर्गाक्षे रः गर्रे रः वर्गान् वर्षः मुक्षः प्राप्तः हेवः वर्त्रेषावनावः इटाइटाश्रम्भाशाश्ची मान्दास्य स्वादा मुटार्से वर्षायास्य अधीव मा शुरा कु में केव में परिवेश भर श्रिमायाव रहेव प्वा श्री विमाया थिया ने न हिन् ग्रे ज्ञास र्षेन पश्चन वस श्वन पश्चा ने वस न तुस सु हिन वस ष्मातुः न्रमयः यनयः व्यादिषः त्रमः विषाः यश्वाः यश्वः न्रमः न्याः या स्याः श्रुपः वुषा अन्यान्त्रार्धे के त्यामी प्यते सुन वन्य न्दान त्यन स्यते महिंद ळेत्रलुषा विंदावीषाम्बद्धान्त्राचेत्राच्यान्त्रभूषान् नहरत्वमा नदिः ययर यह सन्मान्य प्राम्य मिन्न में मुन प्रमान में प्राम्य प्राम्य प्रमान प्रम प्रमान प् वर्गुरः थः विशा ने वशारस्य रेने निष्य सर हिंव वशास्त्र ग्रास्त्र हिंवा निनेयानर्त्तामर्त्ते के कु ग्राम्य वया व्याप्तिया विषा है से निया श्रुव द्रम्य श्चित्र द्वार्य व्याप्त व्यापत व्यापत

पर्या इयादर्हेरापर्के ग्रियापी राष्ट्रीय द्यार्क पर्या है। बद्या है। बुअःतुःरेःरेःमहिंदःमीः पत्म देः र्क्षः द्विनः सः द्दः रेवः देन वार्षे मा ग्राहः पत्मा गश्राम्य अरकु तुयाया पाम त्येव पठ्या कु महिं स पह स्व शिया दु हिंद वश्रव्याने द्वेते स्टिन्स स्टिन्य मिन्द्रम्य ने व्याग्र दे हिव्य स्टिन् वना इन्डेना हुन्नया वर पर वर्षे द्वे असे समा उन् पर हैं ही वन्न मर याने गात्र मान्द्रंत कुर विगार्थे न मार्चे मुर नु गार्भे र येत नु र्से र न कर क्रेश्रास्थ्रासा मुद्दा भीट विवा सुवाश द्वा शहर द्वा ववाश हिंद द्वा भीट श्रम्भाष्ट्र-क्र.य.वियाष्ट्र-वयाद्येय-ययायहेयाययाद्यान्त्र-क्रेय्न्यन्देः यव रया यावरा हैयाय या केव यें भ्रें र य र्व रर क्या ग्रायदर य १९१ ने वर्षाने पावराने जुर वर्षा अद्रायर श्चित देव के प्रकार से अराउ वा व्यः अभे निष्ठ निष्ठ वा प्रकार निष्ठ विष्ठ विष्य वया लट.लर.धेंटश.लय.चाडुचाःश्रूर.वंशःबैंटा

 र्धिन ने में र स्व कन शुक्र स शुक्र सम्म म म स स स स स हो न हिं न स हो न र्वे माशुर नशा वरे श्वेन द्वेन स्र स्य नर्थे अ स पीत्र मान्स अ स्या श्वाश र्ने त्यापा बुदापायायाया भूगा विदान वर्षा निया वर्षा वरवर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर वर क्रिया उत् पुरायशा या न्या स्वाभी शास्त्र में या शास्त्र मा ठिवायाश्रुम्। नेमलें कुमवी स्वायाय ठिवायाय विवाहे म्यमसें विस्तुव वयश्चियाः च्चित्राया अवः श्रेयावयाययाः चच्चित् च्याच्याः वर्षेत्रः वर्ते वर्ते वर्ते वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः व वित्रक्षत्रभाषामित्रामार्स्सिमान्। देविद्रमायायहेत्रकेष्परासेद्रम्भ ल्'न'स'तुर'न'ण र्सेन'र्नोर्नेन'ग्री'ल्प'न्र्य'त्रेन'स्नन्य'र'श्रे'त्रा धे'न्य' नरः करः देरः गशुरः। गरशः धरः रु. में गशः दें विगः यः धेरः से विगः वर्षेयः नेते सूर्या तुः र्क्षे स्वया त्र्या नर्के ह्या करासुन नरा वाहिन स्वान हिन्सा है। सूर गश्रुर:व्या में यायस:न्वर:वि:ह्याय:पर:नश्चरा गन्यय:रगःस: सुर्याप्यम्याव्या हीत् क्ष्य्या ही व्ययः ग्राम्य विष्यः विषयः

र्नेनाः ग्रम्त्र अप्तराम्ये सायाः अयायाया यापास्य वित्रायित्। श्लेना न्में त्री वियान्या अरामायने गात्र मने त्र सुरामा से प्रमाणास्य त्रा कुं हैं है 'डेगा'य' धुमा' कर मुं अ' कुन प्रश्रम्य मुं अँ अव' कर 'वे अश गुं अ' र्से र । हेशस्याये गुरा स्वाकुर र्रेट त्रशहेट हे यह त्रीश श्वापदे वाहर यर में दिर या विश्व हैं से दि सके दि । यह स्वार प्रति स्वार प्रति स्वार प्रति स्वार प्रति स्वार प्रति । श्रुःश्चित्रायाहें तें हेवे याहेवानु श्रुवायिया मुदात्वा राम्रायवे ग्राह्म यः बुर्या दुः सुर्याः हुः द्यो : यने यः इत्यः ग्री यः बुर्यः त्या सुः से स्यः दुर्यः वर्षेरःश्रेश्चिरःद्वगःवुर्या देःवयःद्वःदुरःश्चेवःवया वियःयःस्परःयः व्यव नक्ष न या क्षेत्र व्य रायदे क्षेत्र या लेगा त्य न क्षेत्र या क्षेत्र या क्षेत्र प्राप्त या क्षेत्र या क्षेत्र प्राप्त या क्षेत्र या क्षेत्र प्राप्त या क्षेत्र या व्या क्षेत्र या व्या क्षेत्र या व्या क्षेत्र या व्या व्या व्या व्या व्या व् र्केंग्रायन्यायी सुरावन्यान्ता वृत्रोय ग्रीया ग्रीया स्राया स्राया स्राया यरस्यार्थे केर भ्रें तरम श्रु क्षें या श्री या चतुर हिते पढ़र खेत दर्ग हैं है। बर्यायदे श्रुपः श्रे क्रायाप्तर। श्रुपः श्रुपः विष्यः वर्ते प्रायः वर्षे प्रायः च्यामयानेव हु यहेया वेद चु र्वे प्राचीय कु रहेवा द्वी प्रवेश न्व्या क्षेत्रायात्र में प्रति वनमायमालुमा में हे हे वमायायमायमाय भूना थे हे भ्रेट भ्रें याय के या द्वा द्वा द्वा के या भ्रें या या वर्ष रावया भीता हुः अहेश। र्वे नसूत्र मान्दर्य पार्चे त्र्यूय न्दर्म न त्त्र्या ह र्वे र न य

नर्रः के ने ने ना श्रम दे किंदा के दे किंदा के ने के ने के ने के ने ने क बुट-८मामा केन में नार्ने निष्या मान्य विषय में निष्या में दूं नदे में पदे के माथ माश्रुय नहें त्या निष्म व से निर्मुत निष्म शेसरान्यवःगुत्रन्ववःवान्यस्यान्यस्यावःष्यमःन्। ष्यानःकृतिःसूनः वयशालुश व्याशासके राषा उर्म स्रूपा विसाउत प्राम्य स्थाप तुः स्रेपशा न्मा स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् वरत्र्त्रं स्र्रेन्या स्वायान्ते यः त्रमा विमानवे न्दर्भं सके राम्या क्रम्स के राम्या मण्यायः सर्केट्रन्द्रा सर्वे नहेग्रन्द्रा सर्केत्रहेग्रन्थः स्वाधानि गुर्भाने श्रुं न प्रियं के के के स्वार्थिया निषयं में प्रहें म कुर म श्रेम प्रायेष्ठ र्शे सर नर्द्र त्य द्या कु के दे रें नित्र निया यहाय सूर निया द्रा स्था विश्व ग्रे श्रूट न वनव विना हु न्या न्य न्य स्था स्था विष्य विषय विष्य दि क्रियाया के वार्ती स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप रे विन् मुक्ता प्राया मिला के लिला के मिला के नश्रासुरार्धिः भ्रेषा से ५ . ५ . से ५ . स्था से १ .

रश्रायाःश्रेष्राश्रायान्वश्रश्रायान्वत्रायाः वित्रायाः वित्रायः वि र्द्धानीशः र्रेग्राश्चितायाश्चित्रायाश्चित्रायात् नुता द्वेषायात् वेष्ट्रायायात् । रंभा हुम। स्वा हुम दम र्ह्मेव के वादम हैं साम हैं साम खुरा में के सम सर्वेट उत्या विया गुरा द्वा या विव क्ष स्था स्था से विव प्राप्त से विव स द्वार्थास्य राष्ट्रस्य राये दा क्षेत्र से हो दायदे है। स्याय दुः वा हे वा ख्याय दार से स वक्रे-रुषाचेनयाम्। वक्रे-विरागविर्गविर्गविर्गयोर्गेन्स्। रें-वावहवा बुवामा चुरा नःलीत्। दवेःम्द्रम्भारायदेःषान्यायमान्तेद्रान्यम्। सामान्रेतुःम्रोतिःम वर् नदे क्रम्य वेदार्थे व्याचिया न्या स्टार्थे क्ष्मा सेटार्ट क्षेट वयानुषानु सेदे सुयार्थे से से दिन ने या या सुना ने या सुन सुया यह ता नु विष्याना रेशावनशास्त्रयासी रेगायरामिनेग्रया रेशावगारिटार्से सेसस्ये स्वायायास्य विस्तायम् विसायायम् स्वायायम् स्वायायम् पिन् प्राची वेषा श्राप्त हैं प्रवास के प्राचित के प्राच जुलानाम्बिम्रामान्दा वितासळ्त्सोदाम्यामानामानामानाम्या याद्यत्र-१.जू.यर्वे यर्वे यात्रात्र अस्य अस्य अस्य अस्य याद्ये याद्ये याद्ये याद्ये याद्ये याद्ये याद्ये याद्य

र्विट र सुन स्था ने हे के से न र हैं वा या वर्श्वेय से न र वि सी वा से न केत्रचेत्रयापित्रपश्चित्रपश्चित्रया देशक्षियः श्रुत्राधित्रपः श्रुर्या देव्यः न्यायार्थे लु. सु. सु. प्रतियाया ह्याया विष्यापान्ययाया निष्ठे त्याप्र सुर्वे प्रतियाया गुःरुःनवेःनःभ्रेःनर्भूरःनर्वःमः बुवःभ्रुनःग्रेःगन्ययःमः स्ययः वुया वुः रुदेः भुः तुरः दर्गे वः परः परः पवे वे वे वा सुरुषः पश्चर्यः स्वर्यः वस्य उदः या ह्यता र्क्षेत्र नर्वोत्सारा त्राया सामया मिले त्राया से ता में ता समा स्वार स्थिता न्दर्यान्य के न्द्रामादे विषा अर्थे द्या के न्द्राम्य म्यून प्रमाय अर्देव के या विषा

न्नायाम्ययान्त्रेतात्यान्यावान्यात्रायाः स्वायान्यात्रायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयाः स्वया यालुरात्रात्रार्यार्ये केरावर्द्रकेषे प्रावास्त्र स्वारास्त्र स्वारास्त्र स्वारास्त्र स्वारास्त्र स्वारास्त्र वहिनासारा गुरा सूनसान्दर्भा केते नुरातु स्वार्थनार्थना नी नुगादा बुनःसहन्यमानः ध्रेनः नुः सुयामायः वर्षेषामा नुसः सः कुःयानः श्रेः इ८५७ नम्म स्वाप्त स्वा षिर.री.सिर.रा.ज.च श्रमायपुर्याय श्रमाय श्रमाय प्रमाप होता हेव श्री क्षेप्रदेश ठे श्रूराष्ट्रम् नगवम् सर्गाध्या मुराष्ट्रम् निष्मि स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स मुन्दिन्द्रिक्ष मुन्द्रिक्ष विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय

सुर्यायार्द्रिन् क्षेत्र्यात्र्याचेरानु विष्यु चुर्या दे या देश क्षेत्र स्त्र स्वा र्बे अर्देन वर्तु दाया श्रुवाया अर्द्दायमा वर्तु दार्थे न्वाया श्री हे नर्द्धन श्चित्राम्याञ्चरानाम्ययाउत्से त्ययातुः नेया व्यतः हेगा हैं से प्राम्य विश निरादमुराधेताम्यानिराम्याके नानियाः हेरात्याम्याधिराधेताम्यासमयः ग्रुमनर्भामानिवानु गुरम्या हैं से वित्रामी सुर्भाष्ठित् से देश वित्रासी वर्ग न्यायाकुम्याराइवाइवावर्गाचेरा अर्नाराञ्चात्याकुतायासहर नमःनरे सर्केना पन पुराविषा निष्या विषया विषया विषय स्था विषय । ध्रित है। स्वायाम स्वाय स्व रदायाधदाउदाविदादमा सूम्राम्य साम्राम्य विवापाया स्वाप्त्रमा कुर्न्दीर्न्यश्रभुर्वार्वा रिंद्रम्ययार्देश्यक्रम्भुवाद्याप्त्रावाष्ट्रम्य श्चर्या कुर्रे देश कुं वाया श्वाया कें वाया कें कें राव केंवा या विवास देश ग्रीश गुर नेम् रर गीश अर्घर नम् धर कुरा क्वर शरा व्यास्राप्त से सर्वेद्राचार्यसाचुद्रा यदावे यदावे यद्राच्या यावेदि है क्रें र क्रें वार्य न्वेयास्याः हुर्विः र्वे पर्द्वायायात्रायाः अधिवः वियायीयाः 

यर दर्शे क्रिर दर्शे हो र पायर या या अप अप अप अप अप अप अप अप न्वार्थार्थे लु नुराक्षा है निश्चन्या प्रथा है सार्चे निराविया विषय विषय विषय विषय नश्रेशःश्रुधः उ'त्रं हें सें सुषः षे र्तित्रं स्था त्र्रं से र उत् हे र त्रात्रा रा श्रुमारम्भा से 'द्राया' से दाल्या सर्वेदा स्मार्या समार्या समार न्य देवशहें सें सुयाये प्रम्याय कार्से का भी दार पर्योग का हे पहें व र् र्चित्रे द्रि । ने प्यत्र र मान्यस्य स्यास्य स्था हित्र स प्यत्यायः हरः यशसेत्। सञ्चःतवादःरेःनसूत्रम्। व्रेंदःसर्क्रेवाःसहत्वेदःवासदःर्हेतः सहित् देवसाम्यादित्वसालुनाष्यत्सर्तुः ग्रुट्वित्सर्द्रः विद्रस्य हैं र्चे.श्राचरःरूशःश्रीःश्रेषाःचे.टूरालशःश्रेषे.ट्रायश्रीयःव्याचेश्रयः मथा है सम्हें दिन से त्या वह वे चार्च शर्द से व से वा दिन गा न है ज মেন্ট্রিন্সেরমমান্তর্শূরামার্স্রিনামার্ম্যান্ত্র্যা র্কুমা व्याप्त का में त्या का त्या के का त्या वया भ्रीन्वादायाके नुसामसा भ्रीनान्येत् सुभ्रीसायायनम्भ्रीतालेसम्या म्याशःश्रुव्याहेशःग्रेशम्यान्यश्रायाद्ये । त्रश्रायदे । त्रश्राये । त्रश्राये । खरायान्यस्यायं केवे ने वेया या वेदयाया उत्तर वा वादययाय वि द्रिट्य पीत्र पाश्चर । वहें त्र त्र त्र त्र त्र ये ते त्र श्र हें स्थ्य वहें द यो या त्र

सदे सर र्चेत्र प्रमा वृत र्चे ग्रम शो सर्के प्रहेत स्वे ग्राप्त विग्रम स्वे ग्रम विग्रम स्वे ग्रम स्वे ग्रम स्व विगायन्त्रा ने वशा इर ध्रिव रं व रेन् ने से यन्त्रा प्रशा ने द्वा यमा श विश्वास्था सक्षास्य प्रविचार् वर्षेट्यो । यत्वा श्रीयाश्वास्य । न्रिंभ'गुन'व्यं अहे 'गुन्निया न्यान्त्र्यार्भेषाया गुर्यायया अहे 'हे 'या स्या रश्यान्तर्भे हे लिया अर्थे दार्भे दार्थिया ह्या द्यादार्थे प्रमु द्रापिक र्वेद्र'रादे'र्रु अ'शु'त्रु'यात्रशुट'राया वर्वेद्र'गुद्र'श्चे अ'त्रु'यात्रीया र्देग्रभार्ज्ञ व्यासदे वियावया सद्दार्ध त्यसान वदार से तकी क्रिये र्चे र् ब्रेट्स् द्राट्स् वाराया है ज्ञानिक भन्त् चूटा रुषाय देश श्रेष्य से अटा से दे क्षेट्रान्यन्त्रेन्या र्वेट्या विट्या व्याप्त व्याप्त वित्या वित् वेरानिवाक्षेत्रावासुरा वहेरावी विवादमा रसावें सरावें विदावेराते ८.४८.क.लर.हेग्र.स.व.य.य.व.र.के.श्री श्री.धिर.ग्री.रग्रे.य.वेश.य.र्य.ह. श्रभायह्रभाद्रमयात्राचे। यहें दार्श्वेसादे प्राप्तु प्रार्थित प्राप्तु पा वेसा दा न्द्रश्याम्प्रम्युः वर्षे वर्ष मैंदिया वहेंदावीयादेराहेयासुण्यदावें वासुयादयानत्वायाहे द्वादावें नकु: ५८: नडु: नर्वः वें वः वें।

वर्षिरः इस्र शः ग्री शः द्वो । इः विवा सहंदः धरः वु शः ध्रा वर्षः स्वा वर्षः स्वा ग्री'न्गे'इ'सर्न्'अ'१३वा नड्न'येव'वेग'सर्न्'पर'वुर्यप्रथाग्राम्'नड्न' येव नुषाव वि न दु न दु र सान हो र न र वर्ग हो। तुषा र व व व के रेर न यान्वीं यान्यों यान्यान्य विषया श्रुम् श्रुम् अप्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य वहरानाना सर्केन्द्रेन्द्रन्द्रिन्द्र वर्ष्यात्यात्विद्रशाचेरायार्गेर्द्रायशासद्गायवे द्रियायरा याववरवरवहेटायी अर्थे ख्रावें वर्ष प्रवेके। वर्ष वाप में के कु या मान वर्ष हिंवा अर्चिम्'रेम्'न्रस्थानेर्न्तिः केम्'यरे किम्'यरे मिरेश्म्मुर्न्त्रस्त्रा यनुम् ने कु से त्वुवा है में हे कि ट से ह त्यावाकी वाया परि हे ते वाया ने वाया ने वाया परि हो विहेट मीशर्ये निवे त्यं व रा किर खुमा त्या झ झूँ आर्क्ष श ग्री केश र न ति हु र शा वें यः व्यवस्थान्त्रे स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्यान स्यान स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य मिन्यमा विंदः नकुः ददः नदुरः यानिम्या यादेः वें देः यादिः वें न लुया देवु ही खू अ शू धीर का से का ने कू यो है । कू यो लव च च र कू अ है । विद्या देवे हैं के स्वाय स्वाय वर्षे सर्वे सर्वे निवाय वहें द वीय नह यदियाः व्यव्यायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः विद्याने स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्व नश्चुत्य बेर नश्च न रे न्द्र हे नहुन् से त्यदे नहुन् मुस्स राय विद्र हिर्म धरःश्रूदःर्दे।।

यालयाः ह्रें संख्यान्ता व्यान्य स्थान्य स्थान

नेतः श्चित्रात्रात्रेतः हैं स्थ्यात्री श्वायाये स्वायात्रात्रेत्रात्रात्र श्चित्र स्वायात्र स्वायाय स्वायात्र स्वाय स्वायायात्र स्वायात्र स्वायात्र स्वायात्य स्वायात्र स्वायात्य

र् ह्रियाशकेत् भ्रुत् गुनः समित् र्र्स्न नर्रेत् ने साम्री स्पर् न गुनः र्रम् वुवानस्ट्रायराष्ट्रवारायायदेवारायास्यास्ट्रा वाट्सराटवाची स्थेरायास केंद्रम्भावहेदायाद्मयास्ट्रिंद्रहे इसम्मालंद्रम्मास्य स्वार्थ न्नायदे नेत्र न्या स्त्र म्या हिन्न मा हिन्न मा स्त्र स्त्र प्यापित्र শ্লুবঝা বার্ডদের্মার্শ্রবারেরজে:মিমাদ্র্রার্বিন্যার্ডবানার্শ্রবারার্ড্রদা यान्स्रयान्यः यात्रदः तरः न्वेद्यात्या सुयान्या वेयः देयः यथा व्यः द्वेदेः ह्ये यः हें स्रमावराया सुनमा निमान के मान्या गुर्यास्यार्विटार्हेट्या यटार्ग्यायार्वेट्से स्वात्रेट्स्यात्व्यास्यायाः मवर्त्तमा नद्व वर्षा श्रुर् देयापदे द्वाम ख्रुर्न र्जा दे महेर् इययालु सेययात्या में भ्रुयानु र्सेन नर्सेन न्याल्यान्य मान्ना हरे वियान्य। वर्षेयाभ्रे वेंदान्त्र न्यायार्थे स्थेंदाया व्यायार्थे स्था व्याया रॅन्स्ड्रेन्न्याल्याया हिन्डियाग्रम्पर्निन्द्रान्ययायायान्य न्व हो द्वीं या पाये वा सुर्या व्या वाद्यया पाइयया स्वया साम्याव्या न्यून्त्र्व्यात्र्यादः स्वादः स्वाद्यादः स्वाद्याः स्वत्याः स्वाद्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वाद्याः स्वत्याः स्वत्य वशःस्व र्वं सः ग्राम् सः स्व स्व । यावव स्व सः श्रीव स्व सं सं सम् स्व सं न'य'र्सेग्रासे'ख्र'नदुर्द्रस'ग्रीस'र्हे'हे त्रस'रा लुस'रास्। दहेर'गे लिय'

द्याः त्र्याः मुक्तः वितः क्ष्या हितः क्ष्या या वितः क्ष्या वितः वित्रः वित्

वहें र इस में इं निर वहें र कुर हुँ व भ गवे गवे से न स से न न में व गुव-नव्य भेव-हे। देवे-वें क्रुश्दी ति.में स.में द्वश्य में विषया र्हेर-कुषाची-र्स्सेन-सार्स्सेसाकेदायानवरार्धेर-नत्वाया साविष्वावरादेया कैंग्। जुःनः अः हें क्क्रिंद्रा अञ्चर्या जुनः जुःनः व्यः कैंश्वा व्यः हें । <u> न्तुअप्पन्त्य्युअपिकेशमायाः भेष्यअभी</u> अळ्त्यः सुर्यान वर्षे न्त्रान कर्यः हे खुवा वी वें व्याविहरू। वें निक्क न न्या वें विकास वा वा कें वा ने वें विकास विकास विकास विकास विकास विकास व इन्दरम्यद्यात्र्याः स्विनानित्रेरः वद्रारे नुष्या विन्यहे स्वार्येत् । विन्यहेर् वयःश्चितः नर्यवः नृतेः गवः नृः त्यः त्यः वि । त्रेनः वि । त्यः व । त्यः वि । त्यः वि । त्यः वि । त्यः वि । र्नेना गुन कर गुर्भ। गुर्भ र खुर प्रमें व पर क्षें न प्रमें व प्रमें प्रमें प्रमें प्रमें प्रमें प्रमें प्रमें हें स्थान्त्रस्य द्या वहें द्वी ग्राया सून द्वार स्था से सहित वहुद तुया रें हे वसाया भूगा साराया सम्दित्त न सूर न वे या परे न व न विवा र्श्वेन'गिने'ग'य'भ्रे'यय'नवर'र्ये'भ्रेय। यहें र कुर'नय'विन्त्याहें र कुर र्ने द्वाप्त स्वाप्त के विष्य प्रमेश के स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप

यिष्ठेश विश्व संविष्व है हैं श्रेश न्त्रिय स्तर्य है श्रेश विष्ठ संविष्ठ स्तर विष्ठ स्तर विष्ठ स्तर विष्ठ स्तर म्बर्ग वहें र के दर्शे व्याने स हैं है । बस्राया कर मार्च मा लुस्या में हैं है । बस्र मार्चेशमित्रम् र्वेशपीत्। नेत्रशम्हेराहेर्श्रशसूराहेर्श्रश्रुक्षुत्रम् वसाई हे वसायाळ रावर्व लुया देवया द्वाया से राद्वाव हेवा वि ही वा नक्त्र-इश्रास्य न्यान्य वर्षेष्य श्राम् हे वस्य स्टिन् न्या है वस्य स्टिन् न्या है वस्य स्टिन् न्या है वस्य स्टिन् स्टिन्स्य वशःर्वे र जंदरमित्रेश मार्थे र खुर र जंदिमा दिया मान्व मार्थर वर्षे यासहयानान्द्रियानम् वहेदासमान्द्रिमान्द्रेमायाहेसामान्द्रमा शुअ दुः इप्यायवा वहें दासे अ द्वें व में देश यो मान्स्य प्रति चगाय व व स वश्यात्रात्रात्रभूति के कुर्याहिश्यास्त्र देवे श्रूश्यास्य स्त्रियं स्तर्यास्य में दी हैं हैं ना श्रम्भरनके ना न्नुदर्धे न दुर्न विष्य हैं हे अभरा गशुरमा नेमानकुन्वहेव सर्गेव लागवना नेमा गुमेन खुल हेव ला ग्वरःदें।।

**लट.लट.प्रीटश.पश्च.बट.त.शिट.शेश.शृष्टेश.पह्नेट.शे.स.प्रु.शे.**ल. नर्गेव'मर'नलुग्रारा देशें नेवासम् । यदे वर्षानकुन्यरे ग्वालुन्यन् ग्राम्पित्। त्राम्प्रिन्तिन्त्र्त्वायाम्भेषाय। देवे क्क्रिन्यायहं सू है। देवे

र्श्वेन'स'सुर्य ।

णटायहेटा ने श्राम्य से स्थान स्थान

स्ति स्वाय ने सामान निकास के निकास के

म्यायायाया देशःस्वरळेवःस्याम्यः स्वायायायायाः देशः सःसःसः स्व वर्ष्युअन्तरम्ध्रुमात्या देअस्यवद्यविः य्यायायायः सेदाळेदात्या

नेशः र्सेन नर्सेन भूग्राम्य या सामा सामा सामा सिन् केन केन से यदे के नश्चेत्रयम् हैं ग्रायाय सद्या अदेत्य अहे द्राद्र प्राया विषय नर्न्त्रभ्रत्वर्राः भ्रुत्रेत्रं सुद्रायः सेवार्याः सुन् भूत्रः सद्त व्याराद्यः वसेयानरामत्वाम्याया न्याराया न्यारायाम् न्यारायाम् न्यारायाम्या क्रॅ्रेन'बूट'ची'नग्र'नीय'दर्गेन'सर्भुन'इटय'न्या प्रटाप्ट हीन'क्र्यय मुश्रापान्ता देवाहें श्रश्राणेश्रासहन पदि विनाधिनानी क्षेत्र दशहें हे बस मदे वित् क्रिंत न्यें व गुव नवर वी या सह न मदे क्रियान नित् के न या सेवाया रादे के शास्त्र न्या द्वार क्षा स्वार न्या क्षुत कवारा धेत राया श्चर हिरे हे अ मार्य प्राप्त हिरा मित्र मित्र में मिरा हे मार्थ हे मार्थ हे से स्था है स विन् खर् खुर खुर य तुः सं खुः य ग्रम् स्व य प्याप्त नि वे । रे'निवेद'दनुय'नि से सकें र रहंस रे सुय'नस नेद कु न से निया मे स व्यामितः हेयासुः प्यान्वः से स्वान्यः प्रान्तिः स्वान्यः स् ग्रीभानम्याभारवे हे भार्यानहें निर्ने क्या अरात्राम्य निर्मार वि न्त्रान्त्र इःग्रेवायः निर्धे हिते वेदि न्धिन ग्राम् निर्माणीयाया गर्रः

## अव्दन्यां भी 'श्रेदि' सें 'क़ुष'ग्री 'श्रव्या

निव हि वय पर्हे वाय पर केव में स्वेद वेवा वी वि स्व य वी से इ यत्रक्रन्सेस्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् यर्याक्त्राम्यान्यरान्दे प्यान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान वे अटशक्त्रभाग्यटाचायश्चे अपाद्या देशस्त्रे देव के दासके पायदे। दे या र्सून दर्भन के साया से फ़ायदा के साम् या वि र्सूट हो नहन वसायरयान्त्रास्यायाउवाग्चीःनरानु। नेःयायायोः इःसृश्चीःविदेशानुरानः र्थेन ग्री थे मो न्याय सूर है। स्याने केंश मुया वि सेंट से नहन ग्री नुस शुः हुरः व रवः हुः हुरः वदेः कः हुर् दुः से दे स्थरः हुरः दे दे कः हुर् दुः र्थेन्यम् कुयः र्ह्वेन्द्रम्म अधिः यन्द्रम्य प्राप्तानः धेनः रहे रहे स्वा विद्राह्म स য়ৄৼঀ৾৽ড়ৄৼ৾৻ৠ৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়য়৽য়ৢৼ৽য়৾৽ৠয়য়য়য়৽য়৾ৼ৽ विटा वे कें अन्तर्हे ना परे ही र भुन्या वर्षे प्यता युगा पा सह दाया या

मुयः र्ह्मेत्रः भेट्रः केश्वास्युरः प्रशा सुर्वश्यवे प्यतः ययाः द्वारा व्या ग्राम्प्रमुम्प्रम् । विदेशालेशास्त्राक्षेम्प्रमेशे केम्प्रमेषाम्प्रमा । देश ग्रीशप्तह्यापिते र्श्वेस देव प्राप्त हिया कर प्रह्यापिते र्श्वेस देव यहिशास्त्र यहर्ने रेन्यामी द्वाराया नाम्या निस्ता में यह है या उयायार्चेत्रपायन्दि। । निःयायायीः न्राष्टीः यातेः सैं स्वरायिः कुः केरा वर्वोवायान्यस्य वृत्त्व द्वाया सहताया देते हिताया नित्ति । ने सायास्य समास्री ने वा ची वा न्या समाय ने क्या से नि स्थान के नि विदेश नवर में गहिराया सुरस्य द्या ने द्या ने स्या में स्था मे स्था में स

युरःहेरःद्देव'नवरःर्ये'पदी कुषःर्ये'भुःयुनवे'नुशःशुनवंदनवे'नुः हे भेता है अर्ना मुद्रान्य कुषा है व हम अर्म है व निया नवर में चित्र प्रदे प्ये नो कुर्दर प्य विषय प्रदास विषय ग्राम्य विषय विषय विषय ब्रुटु:विकानम् नगावान्य राष्ट्रिटानायान्नियान्निरमान्य न्यासटार्नु गुहर नदे क्रुशन्तु दुरे दूरिया निर्देश निर् नुःश्वर्या क्षेत्रान्तकुन्द्रस्यरात्र्वेयान्त्रेत्रक्षेत्रत्यम्त्यान्त्रन् नेर्यःश्वराह्यः मुंश्रान्यरासुगायायत्रन्यसात्रा क्षेत्रायसुन्देशयारास्यायसुन्याया

षदःषेँदःदै।।

है। सदे द्रान्य स्वाप्त स्वाप

धुःविनावःबुःनद्वन्धुःथ्राःसायार्वेरःविवःषुःसार्याःवनुयानुःवेरसा मा अलार्जेदिः श्रुरानगदान्ययाम् अयान्दरः ह्रेष्टरनु स्वतान्य नेयाः ह्रेराया न्नो तन्त्र इस्र सामा सुर्या सुरान्य न्य सामा स्था सुरान्य सामा वर्षयान्वान्यः विद्रायायान्यवायान्य विद्रायान्ययायान्ययाः यान्यस्य सम्बर्धान्य ने सम्विति है हैं ज्ञान्य नहीं समाध्य स्र र्रे क्षिया से ८ . री. श्री त्र क्षे न श्री मा से मा स ग्री भे मुद्दा मुस्रसाया यात्रसाय विदाय में सामित ग्रीया पाय में सामित विदाय में सामित ग्रीया पाय में सामित लट.जू.कं.चर्.चर्यवीया ट्रे.चया.चर्या.चर्या.चर्या.चर्या.चर.कूट.चर.कूटा कूटा मैशमान्स्रायम्स्रायाः स्यानान्द्रायाः मेरियान्याः स्यानीः

सु भ्रे महेराव माया सुस र भ्रम

यदःयदःर्वेदःवळदःयःकृषाःवयः भद्यःयः स्याःयः वेयः गुःवयः गहेरःसुदःवेदःदेयःग्रदःगवदःद्वाःयः नभ्दःर्दे।।

षरःषरःवर्जेग्नामे सूनसःसर्वे न्रीरःन्गुवे न्राने विसः गुःनरःसे से म्नारायायम्वर्यायवे वरावग्राक्ष्या हे हे वेया ग्रास्ट्राह्म दार्ये दिये र्हे हे खेग्रयस्थ से नगर में बुनगर में दिया है न स्थान য়ৄ৾৾৾৴৻ঀয়৻ঀৢ৾৾ঀ৻৸য়৻য়য়য়৻য়ৢ৻য়ঢ়য়৸য়য়৻৸ঢ়৻৸য়য়৻য়ঢ়৻ चुर्या दुःधुनाः सद्दः दिश्चनाः सः स्ति । सः स्टार्टे हे स्ते न सः स्त्रा न श्चे न सः नमा नमनानी सामा सर्वेटानरा तुः सुना स्वेतः सदे दि न्या सर्वेदः से विना मी सेट र न सुवा देर विज्ञा र देश विज्ञा से से स्वापिक से विज्ञा वर्यानिरः इस्रयः वर्तेवः यात्रा अंगाः हं ते वहे गया यदे ग्रा व्याया स्वितः विरा अन् के तर्रे विद्युत्त विद्युत्त व्या दे हे लेग्य राय्य विद्या स्वाप्त विद्या स्वाप्त विद्या स्वाप्त विद्या स्व धेव नुष्यायम् भेगा हूं ते वरो केंग्रायमिं र नकु स्वमु र में गशुस्रानु से त्यासान १ ने से सार्के ना सामित्र निक्र स यक्षित्राचन्त्रा वाहित्रावर्ष्ट्र स्वाधित्रा व्याधित्रा व्याधित्रा व्याधित्र व्याधित्य व्याधित्

 न्ता देत्रवर्षेयाध्यस्यत्तुः र्वेवर्वे।

हॅं विनेर ग्री अर्दर वें नर्डे नर्जु न् ग्री नर न् ति वें न् द वर्जे ग्र निरा ग्रभरामञ्जान सेरामियसम्मास्य स्थान मङ्ग्नगुमः निर्हित्रमाहे नुवे नर्षा माह्य महत्त्वे न्या कुर् न्या शुरा या द्वारा स्थान नडर्भामान्द्रा नदे अर्केना अया मुदि खुनार्या नायत् कु सेना माया कंदा स नस्याम है. भुः इपिहेरामाया विस्ति से कि नामा विन्ति से नामाया राइस्रमाद्रा नवारी म्याम्यायायात्र्यस्यास्यास्यास्याः स्वत्रास्यात्र्यस्यास्य यान्ययाम् इययायायवाने। न्यानावी स्वान्यया ग्रीःश्वेंश्यापायवर्ष यांत्रेयाश्वराद्वराद्यायाः केराधायाश्वरा क्षायराहेः वे यासर्केन्यास्यानुस्य देन्यो वेन्यायेवे न्यान्येन्यान्येन्यान्या यात्रेयार्थायात्रेयार्था कें रहरायार्थियार्थे दियार्थे देखार्थे दियार्थे द यां विषया देर रहा था छे रेहा व कुर से दा ग्रहा विर्धि से वाया सर हुहा व नेशधेत्रःयःवर्गम्यूरःविदा धेशःग्रेःवे वःदेःसळ्रः नवे स्थान्दानस्यः ने मिने मार्था

ने त्यायहाया विवासित विवासित

यायहरे गुरासुन। वे निगु त्र अन्या श्रूम निम् से अग्यु अन्य मा हि से निम भ्रेश नदुःषः भूरः नश्चुः सरः नरा नदुः नहिरादाः भ्रेः नराद्राः हें श नङ्गाशुस्रायायाः है। ह्वानुस्यादियाः हुः स्यान्यः ह्वास्याः स्यान्यः ह्वास्यः स्यान्यः स्यान् हे के दार्थ अप्रेट हे वा वी दिंद हैं अश निवा वा श्रूट दश शे खूट वर कुरा दे वयास्वराहे सेंग्राया सेरानु कुयान हैं न कुराया सूरा से सया हु। सरा हेंग्या है. नुः मः यायदार्ये हे दुः क्षरः मः दरः क्षेत्रः दर्येदः नगः नियः क्षरः नः यहिरायास्य हुन्। है जुः इत्याया श्री वया दुः सेन यो सुन हुर् हुन वया शेटमो कुनमानरमायावळ्यामंदेळ्या भूरह्मस्ययाम्यवा त्राया इस्रिन्द्रम् द्वर्राको वहिर्न्यक्ष्य क्ष्रिम् द्वर्षा स्थाप देशे द्री क्षे. र. रमणा मार्चे व व र त्या क्षेत्र करा चर क्ष्य प्रेत क्षेत्र न्सॅन्हें स्रमाय संगम्य प्रम्मयय वि होन्ना ह्या केन्निन्य मायर स्वायावायरकेटावी वाद्ययायायटा तुया हिट्यरहें दवेरावा क्षेटा विगामी ग्रान्स्र मासास्य स्थान स्था दे विन् सुर हें महस्र स्थान स्थान र् अर्भुत्रायायात्रवाह्रवास्त्र अर्थाय्वरायरार्थे क्रिवार्चे यात्राया नर्गेरिने। व्याक्ष्य नवे त्याया ने या श्री।

देते क्रिंच या यो है या यो 'ख्रंच क्रिंच क्रिंच या या प्राप्त क्रिंच या यो 'द्रंच यो 'द्रंच या यो 'द्रंच यो 'द्रंच या यो 'द्रंच यो 'द्रंच या यो 'द्रंच यो 'द्रंच या यो 'द्रंच यो 'द्रंच या यो 'द्रंच यो 'द्रंच यो 'द्रंच यो 'द्रंच यो 'द्रंच या यो 'द्रंच 'द्

मुनः र्वेन : व : सुर : प : द : याव : के व : यो : या दे या : या या दे या : या या दे या : या या या : या या या : या या या : या या या या : या या या : या या या : या या : या या : या या : मर्केर्न नर्स्ने समारामा भिष्य राज्य स्वर्ग विदास में स्वर्ग नर् च्यायाञ्चयायास्ते ते ते वाया से दया शुः र्क्षयाया यक्ता स्वरा च्या या व्या ख्यायारी देव हें नाया दे वया खुया ही नाया यह से मार्चे व वया हा या यह है। नक्षेत्रा भःत्र्याःक्ष्याःक्षेः न्दः सावरः कुः यः र्शेवायः शुः न्यायः शुनः न्दः न्यायः शुन्यर र्रे यहन् वर्रे वसुन्य सेवाय श्वेष्य सेर वो स्वार स्वर्य सुरा न्वेंत्रर्से त्य श्रेन् वेग इसस्य तुर्या नश्चिस मस्य हेत् वग दुर्ग दुर्मे हे सेससान्यतःहेत्यस्त्रसेन्यम्सर्वितः। न्रेसाम्वितःन्सान्यन् मः इसमान्द्रः से वसान् अहता द्रमा है न हो मानस्य मा है न है न स्वार्थ सान यायरयामुयारयायादें हे यवार्यायार्यवायाविरार्वे यायरातु व् मशर्हे हे समार्से द्राया दें द्राया दें द्राया में मार्थिय मार्थिय मार्थिय में मार्थिय मार्थिय में मार्थिय में ह्रस्योत् र्रेयाया व्यायाहे केत्री गुत्रावना हेर्सेस्या वे साया ধ্য:ক্ৰুবা র:ম্ড্রেন্যা মনম:ক্ৰুম:নম:ঘা বর্গ্র:মর্যাব:ম্ব:ম্র:ক্র:ক্রমম: सर्हर। र्रात्ररर्श्यायदायम् त्रे के मा गाया उत्र र्वात्र स्वाप्तराया स्वा ब्रॅ-५८ अ. धर. म. म. वेया अ. म. अर्ब्र द्रा क्रे. के. के. के. वेया जा विवाद म. अ. ८८। श्रूयः श्रुम् अर्क्षः यः र्रोग्यान सेत्र त्या केता सर्वे र स्रोतेः सर्ने में रस्यापान्या नर्गेत् हे नायह्य लेगान्में तर्भे त्यवर हैं सास्य प्र यान्त्राम् स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वर्थः स्वार्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः

ब्रेश कॅन्ज्नुत्यः अपन्य कॅन्ज्नुत्यः व्याप्त क्षेत्रः च्या व्याप्त क्षेत्रः कषेत्रः कषेत

श्चित्रायाः ग्री:क्रियाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वयाः स्वयः धेर'म'न'न्द्रभून'न्ध्रेंन'न्ध्रेंन'स्य स्य देश'म'य'र्न, तृत्तुद्द्रम्य मार्वेद'तु कुय' र्रेर्न्त्रम्था वर्षान्यम्भन्या देव्रर्गे के म्यायायाये न्यायाय्ये देशे व्यात्यःश्रेष्यश्रायः व्यव्यात्रः व्यव्यात्रः व्यव्यात्रः व्यव्यात्रः व्यव्यात्रः व्यव्यात्रः व्यव्यात्रः व्यव व्या नर्रेव सर ले या थु नसूनमा धे मे नुग मन सुम मं से यम है। यम है। वियात्राई के वर्शे सर्वेटा विट वया न्यूगा न्या के ट सदे कु प्राप्त साम्या यर.री.र्थेश रे.यंशःश्चेयोशःग्री.रेस्त्याःथेशःग्रुरःशःस्ट्रांस्याःयशा श्वेयाः र्शेन् श्री स्वापत पर्शे श्वीत प्रति प्रति श्वीत स्विप श्वीत स्वाप स्विप स्वाप मङ्गान्त्रस्य अयानियायायीत् ह्या. ह्या. हर्स्य स्थिताया स्थान वश्यक्रं र सुर र्चेव वश्वा अया ११व रस्थ ५८। ५र अयो वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे । यानवे के या भूर क्या त्या दे त्या प्राया केंद्र हिन् हिन हिन हिन हिन 'ॶॱक़ॖॖॖॖ**ज़ॱॸॱॸॸॱॹॗॸॱॾॕॱॾॆॱॸॸॱॸॖॱॹॗॸॱ**য়ॱॿॴॱख़ॕॱॸॸॖॖॖढ़ॱख़ॕढ़ॱय़ॱॿ॓ॴॱॸॸॱ सहया गुनः केत्रायायान्स्रयायाया स्राप्ता स्राप्ता गुनः केत्राया गुनः केत्राया गुनः केत्राया गुनः केत्राया गुनः यास्नेदानेगालु नदे ल्या क्राया क्राया क्राया क्राया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स् 

न'मान्द्र'ग्री'से' स्प्र'स्प्र'स्प्रास्त्र म्यान्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त वश्यावरः कुरः से विंदः हैं वाया स्नुदः वेवा वी द्वरः विद्वाप्याद्यश्याप्य नडर्भामासासुर्भामर तुर्भा यनुत्रा कु नावन से दार्भा वन स हिंगा हु न् च्रम् मेल में निष्ठेश शुःश्रु वेश सहन हेर निगय श्रुव ल नहेत प्रश्न निग वर् गुर विरा श्रुण्यार्य हिर्पयर उव पर विद्वर्य विष्य सहेश्वर्य वर्ते देव श्री शंकीया राषे हे शंचावर पर सहि। नगर नाय दि ह्या स्वरं न्त्रवे से दाया विष्या या विषय । या विषय त्रे में रश्चे अर्थे वा उसा देवे भ्रे में अप वा वा स्था उदा यग्राप्तराध्यात्रक्रात्र्यात्र्यात्र्यात्रम्यरास्रम् वर्षाः नेत्रः स्रायाः वर्षाः निक्ताः हे स्या रेवि विषया विषय विषय देवे त्य कुर नम्य प्रते या धु सर्वे ह्यु स र्रात्या वयायानवः नेव पुर्दर्यायायायहवः स्व सुः सुः सुव द्रार्य स्वा मात्रस्थासर्वेदा देवसासर्द्धराद्धसाहे स्टानुदानाया स्ट्रीटा विवानी यान्ययायात्र्ययात्रया निर्याशुर्चेताते भेर्षे भेर्याया मेरिया मुन्या र्श्वेन'न्रेन श्रेम्य'यायायाया अदः श्रेम्र'न्दा नर्यस्यान्त्रस्यायी श्रेम् तरसे खुर्या नैर-देवे-श्व-न्यर-नु-र्येष्ठ-र्ये नुर-गुन-यायर-न्येष्व-प्रवे-दे-र्केश-इस्र विश्वत्रा ग्रीनःकेवःसःन्दःसहया सरःतसः मुःसःनगः विशःसुदःसःयः

याग्यरार्भेरान्दा में दाळदामधे विदान्स्ययान्दा आर्रे वे विदार्थे के न्दा र्नेतः र्भेरायः र्शेषायः पदेः वुवः दरः केंद्रः परः यहंदः वया वेयः प्रयाया ग्रीयः क्रिं पर्देग्रायः क्रेंद्र प्रमः सहित्। इ.स. प्रायम् स्यानक्रीयात्रया क्रेंद्र स्वरे प्रच्या नु मिठेमार्से म् ह्वा न कुन् मिठा या या या के त्युया के वर्षे प्रमा ह्या युया र्वेर-तु: च्रेत-प-त्र। यावे निर्माणी अ। पिर-पर्श्वेत-इर्यात्र्यानश्चेतः नगुरः गुरुषः पर्दा अर्द्धिते र ग्रीयः दुः विदः सूर्वः सूर्यः सेयः वेराखः विवायः डेगा ने अ पु प्यों पाया श्रीमा शार्टे अर्क र उत् अर पु र अर्व पा पु शाह्या पु र र बिन्निर्याद्याद्याद्याद्याद्याद्यात्रात्त्रम् विवार्षित्यात्रात्त्रम् विवार्षित्यात्रात्त्रम् विवार्षित्यात्रम् अप्राप्त्र चुरार्<u>दे हे त्यार्श्चे वाश्वायाय अरार्</u>चे त्या वाश्वर ता त्रुप्त हे हे त्यार्थे वाश्वर त्या वाश्वर ता व वर्षराव्यासरान् नर्सूरा वसाकुन्दराष्ठिन्दर्भे कुन्दर्भे कुन्यास्य वसा ग्रापे त्य श्रुपा मी न्यर पु न्यस्यस्य स्रुट स्रिपा ची प्याप्यस्य स्रिपास स्रिप् ग्वित्र'न्र'यादेश'म्य केंश'ग्री'र्र्भुन'ग्रुन'यात्र'यात्र'त्रित्व्यः म्बार्यस्याते। यर्व दुः इत्यक्त द्वारा कुः व्यासी विष्या मित्रा वा निष्या

ने या मूरि के वा या श्वा वा या भी वा ने वि या भी ने वि वेश ग्रु नम् र्सेन नम्द्र नम्द्र नस्द्र भ न्दर वर्षे साम् वर से नसे न स्तर मुन्याहेशःगुःश्र्राश्राशःशः स्रितुःयायहित्या वे नहुःयहिशायायायाया र्रे नश्रयामुन रेत् केत न्दर ह्रेन नर्रेत गुत न्याय रेंद् हेर यश्र रन हु वुरा व्यायरर्धिःयाग्यराध्यायायरःहिरागे। कुर्भुतयावत्यः त्ररःतःक्रेंशःद्रमयःकुयःसळ्द्रःयःस्वार्यःसदेःस्वर्मशःसःसरःदुःतस्वेद् อูมฺ अ:र्के अ: ५८: र्कं ५: अ: श्वे: २५, ४: या अ: ४: र्वे वा अ: ४: र्वे अ: अ८: ५: वा अद: द अ: यविश्वास्त्रिः नियम् स्त्रीयः ही स्त्रीयः या विष्यः मिनः स्त्रास्त्रः स्त्रीयः स्त्र नव्यामा ने नमानमा प्रामुन्ति नमान निष्यामा निष्य मदेः सर् हिंदाम्या सर्राष्ट्रदे हुः धेदा हेर्न पदे पासळ द उदा विवा हुर वा ने हिंदाया क्षान्य पद्वा द्वे के शायदे वे पक्ष द्वा प्राविषा के प्राविष् नशन्त्रश्राम् क्ष्या स्थान्य स्था न्योश क्ष्या न्योश क्ष्या न्योश क्ष्या न्योश क्ष्या न्योश क्ष्या न्योश क्ष्य यह्य देव.रशेर.रे.जर.र्केट.क्य.यम.क्य.थ्या.थं.यम्.भैम.जय.र्यी.शेम. ममा मिले में बेद नुसादमें सामसासुसामा नामा नामा माना मिला में <u> 5्रथः भ्रेःचे 'माश्रुयः ५८.५५७ यः छः ५०.५ यः ५०.५ यः ५०.५ या ५ या ५०.५ य</u> र्भुत्वमा वे मार्थसमी त्रामार्थसमी निष्यम् रे.ब्रिट्र.ज.चर्स्स्रिक्य.क्ट्री स्निच्यास्त्रच्याः स्वास्त्राचीः

विष्यः विषया विषयः श्चित्रामा अह्दामा विक्रमा क्षेत्रामा शुर्यामा विवाद मित्रामा से दार्थि । श्रुग्रार्भरमः श्रुरा द्वान्या हिर्स्य दिव पविव तुर्देव स्त्रुप्य सर्दे श्रुर्व्य रोसरार्स्य वार्या स्थान ढ़ऀॻॱॸ॔॔ॸॱॴॿॖढ़ॱॸ॔ढ़ॱढ़ऀॱॻॱॸ॔ॸॱॶॻॱॾॣॱढ़ॻढ़ॱढ़ऀॻॱॸ॔ॱऻॗ*ॾॣऀॸ*ॱॿॻॱॻऀॱॾॣॕॸॱख़ॱ कें अंकंत्रश्रुयादुः इत्था श्रुविः भेटातुः सुः यापटा हेगाः हा नहमा यादा ने या श्रीमाश्रामाये हैं सामास्या पुरासे प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप द्ध्व पाष्ठे अ गार के अ १३व अट ५ ५ १ वर्षे पाय पाय पाय पाय हा व से द से द बिन्निन्न भुःकेते भून्यायानय वर्षे भून्वेन यान्य स्त्री मुद्रे भी निव्यो हु: जुर कुन कुष अर्क्ष दर्भे द मार्थे मार्गे अ विज्ञे । सुर निवे क्ला अर्थे द जेर व्यासी सञ्चत्रापर व्याप्ता विया स्था मुर्याप्ता स्वामी स्व श्चरक्षास्त्रा वर्षे देव के के वर्षे सम्प्राप्त स्त्राप्त स्तर्भात्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स इन्च्यायः कुः सं व्यायायाये विवाया वदी व्यायुस्र से विवेषाय विवाय वनाय विना ग्रुटा क्षेट विना क्षेत्र पर में दे अया न मुन्न पर के न मार अया कर है। ययः केर विर्परर् प्रयायायायायायाया विराधित विर यद्र से व्याद्र विकास के स्वर्थ निष्ठ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर् र्ना शुर्र नुप्त विषाया विषा यी श्रीर विषा या श्रवा देश श्रुर श्रें न श्री श्रव

हिन्निन्नु प्रत्या वर्षे व विवर्षे वर्षे व

ने सूर्व वर्षेर ग्रायट स्वाय महिट सर ग्रायाय रादे हैं ग्राय पदि रेस यदे न कु द्राया के वार्ष वार वार्ष व यः र्वेद ग्री न्न स्रम्यम ग्रीम सून पा है क्ष्र सह द द द । ग्रीन पा है क्ष्र र नक्रेशमण्यम्यम् नुम्के निनम् सन्तर्भा निक्षे मन्तर्भा नश्रुवःयःनश्रुवशःवशःवें नत्वः दुः ध्रुवाः देवाः वीः नरः तः त्वुशः वाद्यः वः र्ना हु जुरान वे वाडेवा ग्रार से ना केरासान वे स्वासायकर सर नु र्षे नाम इसशःग्रेशःखुवःर्शेर्शेरःश्रुवःपःष्ठितःपरःठवःग्रेशःवगःविशःपरःसहतः सहेशम्य नुस नुस न्यर रंसरे न्यर स्थाने नुर से संग्री राष्ट्री नुर से संग्री राष्ट्री न्यर यानहेत्रत्या सुरमेशयार्शेनायायित्तत्र्यात्रत्यात्रत्यात्रात्राह्मात्र्यात्रात्र्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र म्याश्वास्त्रम्स्रश्वरम्भित्रम् । युवाद्वरम्भास्य । युवाद्वर्षाः विदा

८८.२मे.५२४.मे.मटश्राभेट.स.४म्। र्कूच.मेल.सूच.मे.र्थ. वशुर नवे नगव नमून नर्डे श इस्र शया साम सम्बाद सम्मान सम् क्रिया'रा'त्रुर्। अपिश'रा'र्र्युय'रादे'श्चेश'तु'सर'र्र्'त्रुर्र'य'सय'केर'यर्। क्रिट्यानवे गुनर्चेन नक्तुन्य यथा गुन्य पेत्र है। न्यया श्रमुप्ये गिर्द र्वश्राह्मश्रश्ना विन्धुःवदेःगातुरःरवशःहस्रशःतरः। हेवाःगीःगातुरः रनशः इस्रशः न्दा क्षेतः न्देतः पद्भवः न्देशः ग्रीः क्षेत्रः स्वाः स्वः स्वाः स्वः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स् नर्गेषि प्रभारेसपर नकुर दे। वस्र उर सिवेद पर हे श्रुव स्वेद देव नकुन्द्रसम्भाग्रीसारकुन्यानमुन्सानात्वासार्वि ।

सवर्पानी सेदे ते कुरा ही स्वर्ण है। दे प्रवादी वार्य स्वर्ण रास् वर्गुर-ग्री-भूनश-र्शि॥

न् र् तुअनुन्वि न नयन्ष्रन्यन्य यस्य यस्य स्था 

## न्यम्यदेष्त्रभुम्यभूदिभूनस्

ने भू से न् ग्री न् नुसामार्ड म् न्या स्याप्त में सामार्थ में मार्थ ग्री मार्थ मार् गन्सस्यायन्ते भेत्राम् क्षित्या वर्षे न्यायके व्याने। ने विष्त्रं के न्यो के नि

वहें व 'दर ज्ञाय न व हुँ र हुँ य 'दर गा हर के र 'य 'वे 'वे व व के व के व यर:र्-नुर:बिरा रे-न्यायरय:रेश:ग्रे-मुव्य:से इयय:ग्रेशयावेग्यरप्यः न्देशसुरसुन्धुन्नासासहन्गुन्। पङ्गेन्सम्सारासन्सेन्धुन्द्रस्या व्याधराद्यायि ययाया श्रे वित्यया या श्रे वित्यया यह द्वारा वित्र वित्या वनशःग्रेशःवि'नरःसह्रात्या हें र्ने हेशःग्रात्। दरःमेवे सरशः मुशः मुर क्रेव त्यमा रच हित्वन प्रमाना नाये ही मा नाम र नियम के न्नरमञ्जूरमे कर्यायर श्रुं न्यय ह्मर थे ह्या वेया गुर्य याया स्वायायाष्ट्रियायदे हिटाळे या इयया ग्राटा श्वाया ग्रीया नगवा या धेवार्त्री |ग्रायर:स्याय:ग्रायर:यदे:वर्गुर:ग्री:यर्गे:हें:र्ने:श्री:हेय:यर्ग्यरंग्यरंगेयरं नुनिः धेरिः सेरिः मे देशः द्वारा विदः दुः देशः द्यारा सामिरा था। विस्रारा सुः न्याधियाः सर्वत्यापरान्याः प्रस्तितः स्वीताः पार्टे हितेः स्वीतः प्रम्याः गन्व निवे रान्ता ग्रायन्य राष्ट्र या परि र्स्ने स्वार्थिय या सामान्य स्व र्शेन्गी ने नशर्थे के दिन के दिन के दिन स्थान स् मःश्नानमः सूरः स्रे वर्षे सः स्वारा स्वारा से वर्षे निष्ठी वर्षे व हे लासे दू नसून अर्थे वियाद तुराया दे न्राहे नर दर्शे अर्थे आरदा रेश शुः र्रें द्रायि के। वें केद श्री वें नित्र प्रमु द्रा स्थाय वेश प्रदे श्री स्था वि क्रेव्राम्ची अर्दे १९८७ न्यू अर्पाद्या अर्पाय वित् अर्पाय अवा अर्थः वित्र स्वरे

कुर्न्भ्य केर्न्स कुर्न्य इया दिया कीर्म्स किर्म्स कर है जि के की जि है नडुःहे नन् नुः केन वर्षे गांभे नुरः हे। ने न्याने म्यावर्षे रायदे मुन्द्रया ग्राट्स भीव रहर नर ग्राय रही। विश्वर अदे विश्वर अवेदि अन्य रही। ।।

क्षायर्त्ते रास्ये कुन् ग्री नन्तराये न्या स्वायायत्वयात् । नडर्भारादे ग्राम्स्र सामा सामा प्रमा स्था है। देराय है। क्षेर परे या नदे বাদ্যান্ত্রী:শ্লুনমা

वर्रे सूर नसूत या छे प्र रा छे र्वे वा सर छें त परे वे से तरे हैं र वर धुगायश्वराम्भ्रद्रायायमेयानिद्वराम्या सदयन्त्रमान्ययायिद्वर्गानि नश्चित्रारादे श्रम्। द्राया थे। द्रिन्थे। श्चित्र थे त्राचा प्रमासकेता याशुरु चुर न ने या वे स्वित व निष्ठ व यावर वशा वश्वर पः श्रेय वर व्याप्य याव सावत से प्राप्य विव तु प्र याहे नार्यसामी स्निन्या शुःस्रापद स्निन ने नाहे सामी सामें सामी सामें साम श्चित्रः भूषाः वे विव तु पर्दे व व्या या वे या या यो ये र यह से प्र सूर व या कु'ग्र-र्-रुपहरमा दे'ग्रिम्भुम्भेम्भेन्र्रिम्भुन्भ

नयःसॅर्न्स्याडेमारुःनत्मार्या भूक्नेस्रेस्यास्यास्रिस्क्रेन क्षेड्रं इ.र.प.भूर्षेत्रयाश्चर्यस्य याश्चरः स्वाशः क्षेत्रः ग्राटः त्यादः रे'ग्राश्व र्विट'ग्रीश्वायाम्'स्ट्रिं'ग्राप्तविव'ने'ग्रास्तु त्यदे'स्राप्तश्चा इगार्से। भरतः भूक्षेत्रा क्रेंब रमामी र्नर सुमा ममारा वुन व भेरा र्यायग्रुराम्बर्धार्मेर्भ ग्रुरावात्रुर्देश्यावात्रेष्ठा न्तुर्यावारेवा केवार्दे हे ८८। हैं व ने इसमान ब्रामाया ने हैं है न या निष्मा भी रामा बन इससायापरकेंसायनेयारसारे नुसा कुमार नुर्वेत नुसासाय हैंन गहेशःग्रीःवयःनर्गेदःया नसूदःमदेःगविःसधिदःमसःयद्यःनःहेंदा नसूदः र्यायार्द्रेया वेयापार्यम्यापार्यम्याय्यायम् वर्त्वेषाःस्यान्यायः र्सेर्प्यत्यानम्बत् देव्यानेयार्म्याम्यान्यस् दे वर्षायायर स्वायायर प्रायय वर्षायय स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वर्षः स्वयः स्यः स्वयः स वै। र्हें मिन्वर्र्यक्रिंस्य होन् केर्या होन् क्रिया होस्य हो वर्त्रेया सेश वृङ्गे प्रवेश्यर वें विद्युप्य विद्युप्य विश्व विद्युप्य विद्य हे नियो श्वेरिने त्या श्वमान्दर श्वेरिन स्थर मुज्य स्था हे अ शुरवहें व सर

बुर्या देवे सळव वे सङ्घ प्रेड्ड र हे। वेंद भूद र वेर स्वा के दिन स्व ग्रम्भवाष्ट्रियान्य दे प्यराचे कुर्मि क्षेत्र स्वर्मे कुर्मि के स्वर्म देवे क्षेत्र स्वर्म स्वर्म য়ৢয়য়ৠ नेविয়्रीमायाधीमा मायरास्मायाधीपनरामभूमा कुन्मन यव र्या इसरा कु केर प्रवरा इपा से प्रते प्रयापन्य राष्ट्री या स्वर् यवर। वृद्धे प्रदे यायर स्याय ग्री केंया इस्य व्यय ग्राट देवे केंया व्याटेय नत्वाराने में न्र्रेवा यावतः स्वार्वा वित्रात्वा वित्रा र्रे व्यानशु न वर्षे वा अया सूर न सूर पा न विव ही है सा सर है सिंवेद हिर सिवस पर विर है। सिवद हैं न इसस ग्राप्ट न के साम है न ने त्र शनह्या प्रायिष्ठेश प्राया श्रेयाश प्रियः कुन्या श्रु सान्दा याव्य प्रायः याश्वरःक्रियाशःग्रीःक्ष्र्भःसरःर्-त्यश्चरा न्वेङ्गेःसद्यःस्याःस्वरःयःसरःत्याःस्र येग्रयास्य स्त्र स्वाया ग्री नसूत्र या हे दावा है ने स्त्रेया वेदा है या स्त्र र् मश्रूर विर श्रु मु खर दर श्रू हे दे ज्या य जल्या य रे विया महस सर न्गर-रेवि:वर्डेवा:पश्कुत्:इरशःहे:दे:त्र:चल्वाशःपवे:ळे। वा:पःइ:रशः नुः र्चित्र हे नशुश्रात्रश्या देश महि महाराष्ट्रीय वार्ष है। यस नुवद के शास महि निवा धुःगुः खरः ५ : श्रुवः ५ र र विष्या विषयः या विश्वरः र वा सेवः से र के र क्टरनर ग्रवर न ग्रोर श्रर श्रर श्राचि प्रचित्र प्रचा स्था श्री कर चित्र वि गशुस्र त'रान्स्र र त्याः हैं ग्राया र त्यों गशुर र तथा कर न वित न विग्र नर्विश्रान्य व्यवराक्रां नविषया विश्वराक्ष्यक्ष्या विश्वराक्ष्य विषय नेव र र र में अरव अर मा शुर र मा र दें र मा वव र वर शे मा शुर र म र विवर में शे नवेशन्य। अर्म् मार्-नु नियाय। ध्रेशप्य प्रकेष्ट्र में से न्यादर्गिया ग्रेशःश्रुवः इत्राव्याः व्याद्या यद्या यद्या व्यायद्यः रेश शु मु हिं श शु व रद्दा देश व देश या व द र दु र से देश के र देश व से या के र यानेवाराद्यायाह्या यङ्गेन्नायान्तुः र्झेयाळेदारो रेवारावादेयाची वर् र् र् व्यानियाय वर्षेया सेया कुर् इस्यय र् र र यथा से वितर यःश्रेवाश्वर्यवेष्वाश्रश्वराम्बर्धश्वरात्र्वत्यं वाश्वरात्वाक्षरावादी क्षु नर्द्धन्गानी वर्द्धसर्दे नः स्ट्रेन् रह्दा से स्ट्रेन्गुन् रेगा से मासुसायान्दर गी। गाव्रवाया सेना स्वानह्य मी सार्चिता सामान सुन्या दें ना सूत्र हुट सुट गुःस्टान्यायार्भेट्रार्थेट्रार्थेट्रा हेर्स्युट्रा नेरास्ट्राम्नेग्याययाम्ययायाः वसेवा गशुरःरमाः करायरायात्रराग्यरा देवे कः न्यारेया द्येया क्षें अर्थे ने निविद्धें अर्देन में न्त्र अर्थ में दिस्य में अर्थ में अर्य में अर्थ क्रून्सिंहे सर्के नवरसें नगेंवरो नियसे सुराहेग वरून सें वरा 

यदयः देशः न्यायाययः प्रदेशः भेष्ट्रा । वी द्वदः भेष्ठः द्या व्यव्या क्षेत्रः या व्यव्या व्यव्यव्या व्यव्या व्यव्या व्यव्या व्यव्या व्यव्यव्या व्यव्या

ने भूर र्रेन अयर्केन इस्र ग्राम्य स्थान स्थान स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत हिसामानित पुरासामें वार्के सामासुरसा वर्षे सामे दूर नाम्यासामें दूर नःगहेशःग्राम्दिम्पोः स्वायाधेता सम्प्रमा न्ययः सुःगुःस्मान्वीतः यः त्र भुः त्र भुः तर्रे वा भेः वे द्रं वा भुः वतः ग्रें वा भूतः ग्रेः धे वा क्षत्र वा र्विट्यम्याद्धेत्रक्षे कुट्के वर्ष्यत्वस्य वेशम्बर्ध्य देव्याट्याद्यस्य मःकुरः दुः से त्यवर व्यवि के वर्षे प्रवी वासर अर्थे हा। देवा सर हिन् कु वासर नु वर्त्तो नवे मुग्रा भेर भेर में मर्जे मर्जे मर्जे मर्जे मर्ज मर्जे मर्जे मर्जे मर्जे मर्जे मर्जे मर्जे मर्जे मया रदानेदासङ्गेत्र सङ्गेत्र स्वरासे त्या मुन्ना स्वराद्या मुन्य देश मुन् हर्तिक निष्ठी निष्ठी निष्ठी वा विस्तर निष्ठी विस्तर में वसासियता भ्रीता न्यादास्याचा वक्षे नायस नु । शुराना स्थाप्त स हिन्याश्वरमायरम्भरमाकुःनरःनिन्द्रतः। श्रमाक्षमाग्रीमाश्वरः नःश्रीमाश्चार्यश्चितः हेन वहोत्यः इट विमास वहीमा है। नर दें र समाह केव रेवि दिस्य गुन नहे या पानिया मि । यदि मान मि नियन प्रति रहे या

ग्रीभा वें के त'रेत के त'न बर में व्यान हेत तथान कुर हें र पार्रा है हि बूर-व-५८। वक्कर-बूर-विवेय-केव-य-ब्रिय-प्रदेपव्युर-अर-वे-अहर-डेट'ग्राश्रुद्रश'प्रथा वर्वार्थे'नेश'र्या ग्री'स'र्रेथ'तु ध्रिव'प'र्यर्या ग्रुर्य लट.प्रिट.ची.चेष.लश.लुष.जा चाश्रट.क्रियाश.ची.क्रिट.क्रुंच.क्रियाश.इश्रश.ज. वै। यान्यान्द्रा र्रे र्रे र्रे र्स्नु व्यय सु निवेयान्य मुनामेर द्वापा के दार्रे यर्स्यत्य म् कुर्स्य कुर्माति मित्रे मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र कि मित्र कि मित्र कि मित्र मित्र मित्र कि मित्र चग्रान्त्रस्थादर्वेराग्रीः कुर्त्रस्थराग्रीः कुरकेराद्योव्यापाद्रराकें ग्राह्मस्य धुगायेव प्राचिष्ठ राधर कु केर श्रेया न राष्ट्रवार विवाह प्राचर यहर्षा में र.र. श्रूषायायविवान्नः केवायर्भेषाः सेषायाः कुर्णार्थः में र सहर्भित्रम्भूत्राशित्रम्भूत्राशित्रम्भूत्राम्याद्रम् सहर्भित्राशिक्षः ग्रभरायायत् अत्यायस्याअासुग्रम्थार्थे चित्रस्य इत्राये प्रभूत्रायाया महेत्र यदे र्र्ह्मेन साम्राम्य में साम्य स्थान साम्य स्थान स् मश्राम्यात्र में भी हिते स्रव प्रमानार्डें में मासदि है । निवि प्राप्य प्रमुख यन्ता अद्याक्त्र अर्चन्यान्ता वहवायाविष्ठ्यायान्ता हैं हे त्युरान्ता यः दृः सृः पृः न्रायः गन्तः निः निः स्ययः ग्रीः निन्नः स्यरः ग्रीः निन्नः स्यरः ग्रीः । श्चित्रायायात्रान्त्रीटान्ट्रियागुनानह्रेयाययार्वेन्गीः देश्वयाययायन्तारा नरःसहरःरी स्वार्थःग्रीःनस्रुवःचदेःनर्वाःस्र्रःग्रुरःचःधेवःर्वे । व्लःकेवः वर्त्रेग्'सेश'से'यान्सुर'रम् व्यासुर्यास्य व्यास्य स्थान्स्य व्यास्य स्थान्य नहेत्रत्रान्यम् प्रमान्यम् प्रमान्यम्यम् प्रमान्यम् प्रमान्यम्यम् प्रमान्यम् प्रमान्यम्य र्रेश ग्रह्म से त्या स्त्रह्म स्त्रा स्त्र त्या स्त्र त्या स्त्र स्त्र त्या स्त्र स्त्र त्या स्त्र त्या स्त्र त्या स्त्र स्त्र त्या स्त्र स्त्र त्या स्त्र स मालवरायायवरपायपराक्चा केरासहरारी वरीरमामी वेर क्रू अवेर वेरा पुर्वा नरःगुर्दे।

त्रः केवः यः श्रें नः अप्तः नुः पें नः गृत्रः न् न् न् व्यान् अर्थः यात्रेः गविः नद्गाः र्ये केत्र र्ये म् शुम्र प्रदेश द्रायाः भूतः राष्ट्र स्वायाः स्वयः हो। श्रेव प्रमानवे के प्यमासुरशान्य भी वाषव श्रूम हो शाविवा प्रमाशे थे स यिष्ठेशःसहयः वरः शुरः यात्र। श्रेतः विषाः से दः ग्रदः देः यः कषा शः प्रशः देः गहेशविंद्रायदेनर्र्, खुःश्रूश्रूश्रूश्रूश्रूश्रूश्रूश्रूश्यः म्याश्रास्य अत्यर्थायशायित्वत्र्राधः मुन्दिस्य स्टार्चेत्रित्वित्य क्यार्थि विःश्रें राष्ट्रे नर्यं वा की वरा क्षेत्र नुपार्वे वा वा पार्वे वा वा विवाद वा विवाद वि श्रभानवि श्रे विः सहे भाष्ट्रायेगामा के या नगर सुग विर्वेत सुरे प्रारम् नश्रुट्या कें व्हें तर्ते। विश्वायने अट्से से मन्त्र मी द्वाय विश्व यदे श्रम हैं है मेन में के नम नुमक्र में समान ने मान में मान में नियान ने साम मिना में मान में मान में मान में र्धित नित त्युर यात्रा र्ख्य विस्र क्या मिया में हैं है यार्ख्य में नि नि क्रुन्य

र्वाः अर्ह्या वयः स्वितः क्रिंग् क्रिंग् क्रिंग दे द्वाः ब्रथ्य रुद्वः ग्रदः व्यवसः स्वायः क्रेट्रास्तरे प्रिंत प्रत्र प्रदास्त्र हों । प्रेर् प्रास्त्र मार्थे सामारे तर्भे सामार्थे सामारे सामार्थे साम विस्रश्रास्त्र क्षेत्र निस्त्र विस्तर्भेत् । विस्तर्भेत्र स्त्रेत्र स्त्रि विस्तर्भेत्र स्त्रि विस्तर्भेत्र स्त्र विदिश् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे श्राम के स्राम्य का स्राम्य वर्षे व न्गु'रा'कु'र्से'ह्'यायन्था नेवे'श्रुश्राशकेव'गुव'न्गयःश्रुट'र्से'यानंगु'र न्गु'म'कु'र्से' श्रेदु'य'यहिन्य। नडु'गडिग'र्येद'म'य'यमनेगय। ने'र्ये' रन्यारे से दूर्या दुर्गा दुर्गा दुरा विवासित स्राम्य स्रामे स्रामे स्राम्य है-भु-मान्या-दुना-दु-इ-मन्त्र-भी-मर-मान्य-अ-वेर-वे-मक्कुन-मानुद-द्या अ-म् क्रिया तार्या नेवाया या केत्र तार्याया यात्र त्या श्री का यार-र्नुब्र अविश्वासर-शुर-वृश्वादेश-श्वादिश्वास-विक्वार-र्नुदेन-र्नु ग्नेग्रा ग्रेश्यः र्स्त्रिनः द्र्येतः नर्सेनः त्रस्यः हे से प्यनः ग्रेः द्र्याः प्रत्रे म्. वि.य.पविरम्। यथु.य वि.य वि.य वि.य. वि.य. य. वि.य. य.य. वियम्। या श्रीयायः रटार्वे हेरानुवा पाकु वनुवा न्यान्य याद्य राज्ञ मुह्या नतुव दुः राजे से नि नायान्वेग्रम् निवासा निवासार्थके निर्देशम् । निवासार्थके निर्मासार्थके न यायिद्या रायवुत्राक्ष्य्राययात्याये वेयाया देत्यास्यायिक्षात्या के नःशुःमहः केत्रायनः ग्रेः र्रो नाशुयामा कुः र्रो सूना या यद्विम्य। दुना दुः सनाशुया

यः भेटः सं त्रुवा यः में टः रु: ह्या वर्त इः यः ख्रुवा सः सं याः या भेवा सा गड़र में बर्य के नर्से द व्यय मुख यह व प्यन में से ख़ प से दि से वर्चियात्वात्वास्त्रा टःचियात्रवेस्यात्यास्त्रात्वात्वास्त्रास्त्रात्वात्वास्त्रास्त्रात्वात्वास्त्रास्त्रात्व यायमग्रामायाण्याणे रागिहेयामानिर्मे स्थानिर्मा वे निर्मेशके वर्षेत्रम्भेत्यः नः न्नो र्द्ध्या सहित्। न्य स्त्रम् मुद्दा स्त्र स्त्रम् स्त्र स्त् त्र-नत्वारायिः त्रासर्वे न्याद्या है शुक्ताविवायः विदर्शे प्रियायः नश्रेव पर हैं गया है . पु ह नुग प । सुग य से हो तु य से के व क य सर र्वेद राम में दाय दे तुर सर शुरा में मिर मार में दाय में दाय में दाय में प श्चर्यार्थे श्रुवायार्गेटातु व्याप्त व्यापत व्य नवि'नइ'इ'नुग'रा'भ्रुग्रार्थार्थे र वेज्ञुग'र्थ'ग्रीकेष्या नेवे मार्थ नेवे मार <u>लयःग्रीःटःच्याःयःश्राञ्चायायायविष्याः कृत्याःग्र्येयःमृत्रःकृष्ट्याः स्तरः</u> य्यायाये राग्नरार्देया के शुः स्तृ सामे से से प्याया ने या या विष्यायविष्या वे.यहित्रायवेत्रायात्राय्यात्रायाये वेयात्रा त्राय्याय न्मॅब्रायो ने याद्युम्यावयाग्यम् क्र्रियान्मॅब्रामेव केवा क्राया अर्द्धव न्म

च्या-विद्यान्त्राचित्रम् स्वान्त्राच्यान्त्रम् विद्यान्त्राच्यान्त्रम् विद्यान्त्राच्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम्यान्त्रम् विद्यान्त्रम् विद्यान्त्रम्यान्त्यम्यान्त्रम्यान्त्यम्यान्त्यम्यान्त्यम्यान्त्यम्यान्त्यम्यान्त्यम्यान्त्यम्यान्त्यम्यान्

यहिश्वान्त्रः श्रीः त्राचान्त्रः श्रीः श्रीः श्रीः त्राचीन्त्रः श्रीः त्राचीन्तः श्रीः त्राचीन्तः श्रीः त्रीः त्राचीन्तः श्रीः त्राचीन्तः श्रीः त्राचीन्तः श्रीः त्राचीन्तः श्रीः त्राचीन्तः श्रीः त्राचीन्तः श्रीः त्राचीन्तः त्राचीन्तः श्रीः त्राचीन्तः श्रीः त्राचीन्तः त्राचीन्तः श्रीः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचीन्तः श्रीः त्रिः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचित्रः श्रीः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचीन्तः त्राचित्रः त्राचित्रः त्राचत्रः त्राचित्रः त्राचतः त्राचित्रः त्राचित्रः त्राचत्रः त्राचतः त

न्वायः येवायः पदे व्युद्धान्वयः ग्राटः वीदः नु विदः वी विदः वी व्युद्धः नु वी व्युद्धः न्वायः क्रियः सळ्वः न्ययः न वरः से ः भ्रुवायः से ः विः यात्रव्याः विः न्वाः यात्रः र्रे हि य निवेगमा नर्द्व र्रे रे सन्य साय सुस श्रेर मश्रुस यहिरमा हे नः वाडिवाः वार्विवः वुः वः वानेवाय। कुरः नः न्वरः गुवः न्वावः वेवायः यदेः कुवः सळ्द्र'र्मय'नबर'में'अन'ग्री'वे'नर्द्र'म'स'में हे तु'य'वह्नरमा हे'न्9्र न्गु'निबेश'म'से'में'नेु'न'त्य'स्न्'ग्रे'स'कर'सु'म्नेग्रा नर्द्व'र्से'व्रस् अया विवा विवि तु । दत्रु अया श्रु अया श्रु अय दिवु द अय दि के । व गु व । द्वा व है अदे कु या अळद प्रयान बर में हित प्रेत्त मुं के अळद में में या कु र्से हि य से ज्रद्र के द से म् सु मि ने मा

महिरायाञ्च अर्देव र्षेद कुषा अळव पा प्य ग्री वि द्वा पा सुम्राया स विष्याविष्या श्रुम्यान्त्रीयस्त्रीयः वार्ष्यायान्त्रीयाया वार्ष्यम् साम्यायः नर्भेर्न्न्य्यामुत्यायळ्व्रन्यव्यान वर्न्स् कुःस् वि:नाव्याव्याव्यायम् र् भुष्वित्या नगुरावे जुना इः इनि या निराधे प्रायानियाया निर्मा *क्षेत्र:* क्षेत्र: श्रेत्र: प्रवाद: र्वे हेर्थ्य वर्षे चरके वर्षेर्यर वर्ष हे के गुवर्षा वर्षे वर्षे या तुरार्मे रामी अया महिया तुराया या मित्र मा अया हिमा तुराया हिमा हिमा हिमा हिमा तुराया हिमा हिमा हिमा हिमा हिमा न्नेव कें राग्री मुल सक्व कु में से दु ता विह्य मा सु सा गुव सुन्य परि व्याक्रव्यक्तित्व्यात्वात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्यात्त्र्य त्रक्षः व्याक्ष्यः व्याव्याव्यात्त्रः व्याव्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्यः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्यः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्रः व्याव्यात्त्यः व्याव्यात्त्यः व्याव्यात्त्यः व्याव्यात्यः व्याव्यात्यः व्याव्यात्यः व्याव्यात्यः व्याव्यात्त्यः व्याव्यात्त्यः व्याव्यात्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यात्यः व्य

यक्षुन्यने द्वस्य प्याय्य विवादित्य विवाद्य विवाद व

मवरा नग्रार्वे नक्ष्र इ.इ.चन्त्र माया शक्ते न ग्रार्वे हे. नु र अ र्वे व मालेगासहयान् जुरानसान् ग्रेसाके स्री मान्ससारमा ग्रेस ग्रीसा र्नेमा छेना गश्रद्यायाया योग्यायाद्याच्याची प्रवर्त्त सुराही अव प्रवास याश्वर्षा श्रेश्चर्सं प्यटायानेयाश देवशा द्वी विवादाशके दाप्तर्था विवास वीर्याधिन वातुर्या हे वात्यया रवा खुःवार्धिन देया यया ये क्षेत्र ग्री वात्यया न्याः इस्रशन्त्रीं वर्षान्यः श्रुष्टिन्यः वर्षे न्या वर्षे न्या वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे र्रेदि: बर् र र व्रें व र परे र हेव र द वे व र द वे व र र वे व र र वे व र य वे व र र वे व र र वे व र र वे व र र नशन्त्रोश्राप्तान्दान्यशाने व्ययाद्यशानु द्राप्तान्यशाद्याः र्हेग्रथं स्याप्तरं ने द्वेतं कर्त्यायायायाः भुःचित्रं ग्राह्रान् स्यायाः मालुर मानुस्र स्पाना के मारे मन्मा से र सुर र धीता ने या दिव र में त मक्र्याम्याः भूरास्त्रिः वात्रविरमायात्रमामा म्यान्या यावित्रम्यानेवाश्रामदेश्वम्यार्थेक्ष्र्यम् मुन्द्रम्यक्ष्यम् निवेश नर-५.र्भगशःशक्षव्र.क्षेर्याके योषु कर स्वयः सशः स्र्रीः ग्रीः खुवा वर्षे वोषा श धराम्बर्भ अप्ति प्रतिवर्धि तसम्बर्धा स्था देवार्धे के त्या मे दिस्स के के वर्षी स्था न्न्रें त्रावित्वाश्वर्याः व्यय्याः व्याप्तात्रेत्रः व्याप्तात्रः वित्राच्याः वित्रव्याः वित्रव्याः वित्रव्याः ययः तुः यदे गुः नः यहं नः छेटा। न्यें व के व व दे ययः शुः नर्भे यः पः इययः ग्रीसप्तिमाहेत्गी गुन्यस्ति। न्यत्रिकेत्त्यःस्निम् न्यान्त्रान्त्र

ळेव'ग्री'ख़र'गी अ'न्जुअ'गार्डर'गी' वस'ग्नु'गुव'सेव'न्नर' दुवे'न्स'पि'ग्रीव' वयान्स्व केवायान्स्या विनाम्य सकेवास्य महामा स्वापन केवास्य भ्रग्यायः रे भ्रिः व्याया निरः कः इत्यावयः विवायः स्वायः यायः व्यायः वरमाहेर गुरुपा गुव प्वार व वर में अप्यें व के व गुरुपा व का वि के व अर.धःचरःचरेय। के.पर.केयाश.इ.रे.रेर.यक्श.स.चेशा ग्रीय.रेयायःचचर. र्रेशयश्यापात्रप्त्र्राप्त्र्र्यं वित्रकेत्व्यात्र्व्या स्वार्थि स्वर्त्त्याम् वा स्वर रेव इस्र श तुः अदे विषा नह्या रेसा सरा नर्जे या गुरु द्वादा न न र से त्या तुः अअअहेशदया त्रुः यानेवायः पदेः द्वेः वें के के त्रुः खुटः वीयः हें रः न्यगानीयानयन्। ज्ञान्त्रेन्त्रिः नुयान्यान्यायाः निर्मायाः वया विदिन् केवे के निवन निवन निवन केव गुव गर्विवा नर्भवः क्रेवः गर्विवः नगरा नेवे ने नेवः में ग्रायाः क्रेवः क्रें निरा न्तुरुपार्यंद्रपी विस्राणी विनाक सम्यक्ते न नुस्रा दे त्रस्र न्यें द के द नुद्र हेंना नर्रेन केन ज्या येना यने या या सुवि खुनाया ने से सान्ता नर्नेन में रेदे ख्रेया अरे निर्मा विराया अर सिर सिरा स्त्री वर्ष मा अर्थ सिरा सिरा वर्षे । विट.स.टेट.प्यथन्न। लग्न.जुर.कु.स्ट.ज.पत्री.विट.मुट.जूर्ग.पे.च्यान्य.सदे. नर्डे अ हि र के त से र हुर। हो र लेंग रे नु सूँ त रे त से के लिहर अ संदे युग्य संस्था मी सं दे प्येता पर मिर्वित प्रत्य सुर त्या में या दे त्या

येग्रथा राष्ट्रम्य सेटामे प्रम्य दिन् वेरासेटामेश वृत्र केटान्ने त् श्री न्यामान बुमा नर्भेव केवा गुवान नाया सेवा केवा में वार्षे मानाया प्रवा नर्द्वा धररेंद्र नेर सेर मे। द्रिव केव कुषान न न ही द्रार हुन न्यया नर्सेन्वस्थान्यया यट कुषान न न हो। न्नट नर्हेना न्य यानयः नह्रवः या ग्राम्यः स्वार्थः यान्यः प्रम्यः प्रम्यः ह्यः केवा ग्राम्यः न्नरःर्भ न्यवःकेवःन्नरःन्र्रेवःग्रीयःषरःग्रुत्यःशुः विःभ्रेतःनदुःगश्यः मुःर्भगात्वस्यरः रुद्रस्यः ग्रह्यः हितः स्वाम्यः स्वतः स है। नन्त्राग्रीकाराकार्ययाके नार्विमानीका सुम्या स्रीकार्क् विकास विकास विकास विकास के तार्विमानीका स्रीकार के विकास विक कुषानानवरार्भे भ्राप्तराञ्चानरायमान्त्रें त्रान्यवरान। भे पुन्दराख्ना मुया अळव मी अप्यापी प्राप्त केव में अप्यक्षेण अपे। द्रीव केव पा नर्डें दाद्रशान्त्रें व दे द्रशान्य द्राप्ती शास्त्र स्वा के निव स्वा निव स्व त्रमा ने हिरान्त्र मार्डरामी से प्रस्त प्रसम्भाउत ग्रीमा न्त्र मार्डरान् यक्षत्रः ने यः शुः न दुनाः मदिः सॅं 'सॅं 'त्र यः हे त्यः हे 'सुत्य। विंदः ना ने ना यः त्यः ग्रम् गुः वी के दार्ग ता के धीदा ने या प्रेम यो दे ता ही मा या हु। मा स वहिषा हेत श्री वर्षा में विष्य क्रिक्ष स्था स्था वर स्व र प्र विष्य । वर्षाते शुः साथा वरावर्षाते शुः साथा वरावर्षे वर्षे वर्षे वर्षे शुः साथा याया है। क्रायत्व हिन्दे क्षेत्र हे याया थे प्राप्त हिन्दे हिन्द

राश्चापित त्रामार्गित्या इसमारी दित्या शु. मुत्रा ही प्रवेश नि र्यायायरम्प ध्रियासङ्गे निर्दाणको त्रायार्थे वायासङ्गे निर्यास्य र्चेत्र वित्। ध्रेश प्रमाय रामित्र में केरे में त्या केत्र मूर्व भू सकेत् या श्रीवाशासदिः वे रहे नः नेव हि सावशासाधारा सरा सुरा हि सा करा साव हो या ग्री:नन्त्राधाराद्युर्वायार्धरायी केंबार्थे वस्त्राउट्ट्राट्ट्राट्ट्रावा ह्या स्राया क्रिंश हे 'नवे 'देव 'धेव। वयग्राय परित 'से 'के खुग्य पर्वे रख प्रवार प्रया र्नेन्गी केंश्राम्स्रश्रास्टास्टामी केंश्रास्य वाराष्ट्रीय विश्वाचेर्यते देर्गी वहत्रश्चम्याया दे देर्प्या विष्या विश्वाचित्र विषय विरावी विरुष क्षेत्र ग्रीय ग्राम क्षेत्र सम् सहत स्रूम में । इत्य वर्षे मासदे कुर्गी नन्द्रभेर दर्भे द्रा यय दर्भ तुर्द्र वर्भ भवे वाद्यस्य N.भु.स.तयाम्याम् १.५८.ता.हे.क्षेत्र.तम्बा.यप्त.यो.मी.भीयश.मूर्य

## झ'भें 'खुं'न'न्न'व्याख्च अ'भेन'ने स'न हुन'न'हे 'हुन'न क्रुन्स' यदे 'श्रुनश

षट्वः सः भ्रुसः श्रेटः गीः देवः ययः यसः यस्य सः तुः नृटः यस्यः यदेः ग्निस्राम् हे स्ट्रिम् प्रसेया निवे रहेया नहें न्यम् नुः हे। ने या हिमायस्य यःश्रुवःरशःग्रवेग्यःद्वरःश्रुग्यःग्रेशःर्क्षेयःग्रेःश्रुदःवदवःश्रुयः र्रेर्भुः ह्यूयःहे। र्वेर्प्यम्यात्र्यात्र्यात्र्येष्यात्रात्र्येष्यात्रात्र्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्य हे न इंत प्रह्मा मित्र न न न में भी के मित्र में मित्र मित्र में मित्र मङ्गेन्न भूदे देवा मासे दावो विसा हु ना मास सूर्य सामु वा मास भी वो त्या यानयानर्यह्रिन्। कु.वार्याचे.वी.वी.व्याव्याव्या धी'वो'खेवार्याप्तर'नक्षुवर्या ही'द्रश'वनद्याक्तें'वार्याय'नक्ष्यय'ख'यद येग्रयास्य स्वर्धान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्धान्य स्वर्यान्य स्वयत्य स नर्डे अ'स्व'त्र्य शंगु'ग्राश्रुर'र्न्न'त्र'न्यु'न्ते 'भूत्र'न'ठव्'नु'गुन् नर्डे अ' थ्व प्रत्याययायायार्भेषाययात्री ग्रम्य मह्व ग्रह नुगाः श्रुव प्रदेव पा र्रे बर बदे हुंदे हुंद वी श्रूश श्रूश श्रूव श्रूव मेंद हैं विश ग्रुव मेंद श्री भूद र् कुतेवरमी पर् अविश्वात्र ने र भुः श्रुवात्र शा वश्रुवाश्रूरमी हैं में वर् शुव दिन्या वित्र श्रीत्र पर्व श्री पर्व वित्र श्रीत्र यदियाः तयाः विषया वस्य स्वराश्चरायः स्वरा विषयः निवेद्यान्यते यान्ये न्या स्वयं ग्राम्य निर्मेत् यके नाया सके नाया श्रियायेग्रायम्पर्वाया देः इस्यान्य सम्भिन्य विवायन्य प्राप्त श्रिम्पर्वतः वै। नुश्वावयशयाकुरावदे क्षेत्रायायाके न्वेत्रियायावेशा ग्राचाना विके मह केत लेश बेर ना अर्कत निर्मा ए पा अनु निर्मा केत की है। यार्सूर्वेरसार्येरहुं नार्केशायनरावेशा गुन्हेंदी क्रेंद्रेन्यः द्वाः पुः सः वाडियाः वाद्याः वेसः द्वाः निरः सुः विद्वाद्यः सः धिदः वे । निरः षरः इं वि द्वं नया वें नया नु या निया या स्वाप्त्र या स्व द्यगान्देरे प्यटः र्ह्मेन स्थापेत्। कु मानः रु । मि के 'न्ने न सानः न पा अ इ प्यू गू रम्बुङ्गायार्श्रेवार्यायायायाय्यायाय्यायायाः अद्रम् अद्रम् केटान्ववार्यायाया विष्टू न'य'हिंद्'र्नेद्'र्द्,श्रॅद'य। तमग्रामा श्रुंव'सदे'सूय'म'यदे'सूर्,वेग'र्षेद रास्याः क्रुनः वर्षेत्रः या नायरः नः नियः नियः यो नियः येव मी अ निया हे अ या शुरु अ या राप्ता अ म् प्या या प्राप्ता या वि वरःगश्रुरशःस्था वेदःदुः वेव वशः यावेषाः ध्रुषाः क्रुरः यहंदः संधिवः वे १ने प्यट पुराय पुरावा प्यन ही न न न न ने या हान सर्व न न में या न सर्व न न में या न सर्व न न में या न सर्व न न हे कुषा सळव है। कें वारा ग्री निवासी है जुषा सह प्येत है वे कुर स कु

ग्रम्भुर्सित्री नवासीयावदाविष्ठ्वान्त्री भ्रीप्ताध्य वेस देपिष्ठ्यायास्य खुर्याश्चित्र प्रवित्यापदे के नावाया कुर्ये गुना न्यो निया स्रे सामदे वर्र्न्र्र्र्म्यः हुन्। अर्क्ष्वं रेव्रक्षेव्रक्ष्र्र् वेर्न्न्यम्। वसम्बर्धम् र्भागश्रुसायास्राप्या रे देंगा मुला छूर है। यर हिर सुराया यहेत त्या यर्रे श्रु त्युवा से सरा श्रुवारा वाश्वरावा वा सविया विवा वुरा हे दिवा श्रेट्रा कुषार्थि अर्थिन्द्र सुर्द्र स्थान्द्र वार्स्ट्र वार्स्य इसरायायें दूं नसूनरा नेटास्मार्यायम् सित्राचीत्राप्या क्रन्यागुत्रायया नहुरुपार्यास्टावरोषाद्दान्वरुर्यान्यसुरित्वेद्या देटार्यान्यस्ति। नः इसमाने वा नहेन ना भीता के मार्के मार्थित के मार्थित के मार्थित मार्थित मार्थित के मार्थित म नउन्। नग्रद्भन्। नग्रद्भन्। नग्रद्भन्। नग्रद्भान्। नग्रद्भान्। में निर्दरम्याश्वरामी मार्थर्द्राया स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स यानिनायाहै। देवयाधिरायाधिता वर्धितावराद्यायायाया बुर्याम्या वाया यानुगामान्तास्याने से हो हे स्ट्रम् सेंटाया वर्ते निवे देव ग्रीशःभीगाने वशादः श्लेषायाञ्चन नगरः ध्वनः नुः नुशः ग्रुदः गश्चनः दे।।

ने देंगा अपाठिया धेवा ने प्यम् अप्ते क्रं न ने हिं में है खु या ठेवा में न नु र्चेत्रत्वरास्तरम् रासु र्ये ग्रास्तरात्वा या स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स विष्ट्रमानीता वर्ष्णत्वीयात्रक्षेत्रमानी वे वाया विष्ट्रमानी विष्ट्रमानी विष्ट्रमानी विष्ट्रमानी विष्ट्रमानी

न्यरमें इन्नम्ब्रुयम् वुयम्ब्रियम् मन्त्रम् क्रॅर-५-१०५-१४११ नरक्षेत्रम् अवार्श्वाविश्वावाध्यम् ५ नःगिरुशःग्रे क्वान्त्रन्द्राध्रमःविवानःमे। क्वेदेर्द्यान्यम्याग्रे ख्रिष्ट्रयः यदे सर्चे पा उत् दूर धेया यो शासळ्त या श्चेत सळस्य स्व दे हि हि ता सळ्त वर्षर-विः निवाद्यान्य अभिष्य विवाद्या दे विवार्क्ष अक्षा विवाद्य सु नःशःश्रान्तःवान्त्रम् देःव्यास्यान्त्रम्यान्त्रो निक्षःदेवःर्यः केवेः वद्रान् र्यापुः गुर्म अळव् नर्भे द्वस्य मुखार्ये रायप्रम्था सुः इर्यार्थे दूः नवेः र्श्वेन'या के 'ने या द्वो 'न ने या नहुंद कुर हुए हु 'न दे 'धेदा या नहिंगा मी या में न इन्निलेश्यदेश्वेष ध्रयनेदिश्चेष्रायाषाना सुन्त्राम्याना सर्नित्रम्य विस्तर्भावित्रिये विष्य वित्रस्थर विस्तर्भा कॅर्याचेर्च्याय्याक्ष्रात्याचित्राच्याः ह्याद्वा देव्याच्या वॅर्नड्रनर्न्यक्षक्रि. भुः इत्निष्ठ्या ग्रीन्य र नुः त्रुः या स्वेर स्वान क्रुः या सर्दि। स्थाक्त्रिन्द्रभूनः वन्यायान्द्रित्दाविदायानस्यया व्याविगामी के व्यास् स्राधी न्यायान्तर येव प्रदेश्या साम्रह्म प्रदेशके। नि केव श्री न्याया र्ने न दुः दुगान्दर विदः श्रुटि मी समय वर्ने सान दुः दुगा मी विवास में दिगा यानक्तर्गादेष्ठस्य भन्। क्षायान्य स्त्रान्य हेराने स्त्राम्य प्राप्त प्राप्त स्वर्धान

त्तुः न त तुः तु वा 'तुः त्रे वा 'ये दे 'तृ अ अ 'यनम् ने 'त्रे व 'कन् 'त्तुः अ'न्न म्मः 'ते न 'त्र यत्तरीययात्रात्रायात्रीत्रा श्रीत्रा श्रीयात्रेयात्रायात्र्यायात्र्यात्राया क्रॅन्डिमाम्बर्द्यान्वित् ग्रुमामम्। स्टायमानु स्मायमानु स्मायम् स्मायमानु स्मायम् स्मायम् स्मायम् स्मायम् स्मायम् स्मायमानु स्मायम् स्मायम् स्मायम्मायम् स्मायम् स्मा सेससन्धरसरमितं विषासर्वेता देवसासस्यस्थिता देवित्र्रं विगामाश्रुरः न नविन गुरुष्या नर्रः ग्रेम्स कर्षा वर्षे मान्या वर्षे निमान र्वेवा हिन्यम्निः हिन्येन्येन्येवाया ह्यान्यविष्वविष्वविष्यविष्ये द्यात्रः र्वत्या स्थापाट पर्दे द्रात् श्रुष्य पश्चितः नेयाया सेयय उदा मयय उर्ग्ये अर्गे वी सुर्ग्यर पर्रेर्ग्य रहें रस्य स्थ्री निर्म्य सुन्नि वि ने न्या इ व्या हु न या हु मार्थि विमान क्षेत्र विमान क्षेत ग्वस्थासुः विदःदेः अवः हुः र्र्वेदःदसः वे प्वतिः चिद्वः इः द्वाः प्रवेश्वः वे ग्वितः श्री शः तृ ग्वाः इत्राध्या येत्रा देवे के स्या विषा भी शः विष्ठे स्वा नकुर्निया निन्तुं वित्रम्भादेश्वर्मे द्वारास्त्रम् नर-तु-नर-ळत्-तु-नार्ययान-नतुन-तुर-क्षे-हेन-रे-निन्न-तुर-ळुन-ग्री-शेशराश्वर्यार्थ्यारे हिस्सारान्ता श्रुष्यार भुष्यार भुष्यार । श्चेत्रश्चेनानी से से त्वर न न न न स्थय में क्वाय प्रश्न मुख्य न न

यायदःवर्ग्ने सः इस्रयः ग्रीः प्रयोग्ने नः हुः वर्गे सः तुराः न्यायः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व दिर-देर-दस्य प्रते दुर-दुः द्वेत-दस्य प्रते विष्य त्रम् । भे द्वय प्रते र सार्थे मार्थसाग्री में रावसाय करा नर्त शुरावसाय मार्थरा दे वित्र विरासकेशारायम्या विशायम् विशायम् । इत्ये सुः साम्राम्य क्रय्यायर्गाम्युर्ग सुःयासःयग्यायात्रे। न्याक्षेत्राक्रययार्याक्षेत्रः बिश्रास्था सःश्रुप्तायायः सः विदान्तायावयः क्री विश्वास्त्र वासा द्रा क्रिया १९ समा मार्थ । व्याचित्र स्वाचित्र । व्याचित्र स्वाचित्र । व्याचित्र स्वाचित्र । वयायन्त्रामा व्यायये पत्त्राया स्वर्गाया स्वर्गाया व्यायाप्तरायां वर्षाया स्यानरायर्गामा न्याह्यायानस्रेनामरायर्गास्या रे.हे.सन बुर्यायम्। वनसार्धेन्। ग्रुःस्यार्थितः स्र्रेन्यार्थेनान्ना ख्यान्यायाः यालमारायाद्यार्थार्था करार्च्य स्वाराद्या यास्याविव वुः सायत्वः ८८। रे.यवेव.यानेयाय.यव.श्च.यार्ट.विया.८८। क्रिय.र्घेव.यव्याय.र्ष्ट्रव. विगान्दा इन्विः सुः अदे विवयः हे यः स्थयः हिनः यः विगाः वेगाः विश्वास्यः मया है प्रिविद्यास्य स्थान्य स्थानिया त्या है न व या न या से सुवास्य स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स नम् मितासुपु-चर्षियामार्श्वराटातासितायाश्वरा श्वरमान्दराभिष्ठमानायाश्वरा ग्री प्यया मु ग्रीया हेत पा र्से र न ग्रीयाया हि र र र हिया गु से न र्तु त वनया

हेशयास्या गुःर्से द्वारसेदेः स्वारस्य स्वारस्य स्वार्भान्य स्वारस्य सर्केन्या मुक्षा नुका मुक्षा नुका मुक्षा मुक्रा मुक्षा मुक वशा निने त्यान् र्येव मार्थिया न द्वाया अस्ति हो। कर विन स्वर मार से त्या न्तार्भ्भेराग्र्यायश्वद्यदास्य देशास्त्री द्यास्त्रीत्याद्यात्रित्राग्रीया न्ने अपुराविद्यात्वया विद्याच्या साम्यात्वया शे ने शया इत तु शयश के इया दर्दि र सादि र या हुत ने र नर दर्ग ने द्वा गुन्ते अपाने प्रसेत्वा शुन्त्व अप्या सुना सुन प्रस्ता मुन सरसानन्दास्याये नरे लेसामर हुरानस्य द्यापते ल्यादस्य छे ननेवागश्रमा ने क्राया भेवा हायमा सम्प्रमा ने क्ष्रमाधिवायाया निष् रटानीयासे द्वारा से त्यायाया त्यायाया हिंदा ग्रीया सुः साया द्वारा त्या वसन्वरः विवास्य वरः वर्षाः याश्वरः। वर्षाः वीशः शुक्रः वेर्वाः र्श्वेद्रास्यानायम्बारातुषान्या हिंद्राग्ची:देवर्द्रासाद्दरशेदर्से महिषाग्चीया विच न्य विच न् ननश्यन्यनश्यन्यन्य भित्रात्व वित्रायाया वित्रायानम्यन्यस्थित्या र्विशम्बर्गान्यात्र्यात्र्यात्र्यायायात्र्या न्द्रिन्द्रम्यम् रेग्रायाम् नुर्देश्यायार्थ्याया गर्द्रायायनुयायाम्या यादनुयायात्वया नःश्रीया सरःसे वेंद्रानासुदा देवसाहिंद्रश्रीः वनसाश्रीः सेंदरे सुदायादा

यः विन् देवा म्यूरायया नेरा क्षेप्त द्वारा विन देवा स्पर्मा स्ति मा यथा ने प्यर सम् वायर त्या नर्ने वाय प्र प्या चनवाय प्रया वर्ष वशास्त्रमान्वमाः भ्रेमाः भ्रेमाः प्रत्याः स्वानाः स्वान्त्रमा निष्टाः स्वान्त्रमा सिन् । सिन् । सिन् । सिन् । ये दे ते त्रीश्रम्भी ते दि है न त्रीश्रम्भी अर्थ स्था अर्थ है ते ते त्री राम्य स्था स्था क्रियाया स्वाराप्तवारीयार्देन् श्रुत्रेत्र त्रुप्तार्वे राष्ट्रेत्र श्रुप्त हेन्य विवार गश्रम। न्रिम्म्य स्त्रिम्स्य स्त्रिम् स्त्रिम् न्रिम्स्य स्त्रिम्स्य स्त्रिम्य स्त्रिम्स्य स्त्रिम्स्य स्तिम्स्य स्तिम्य स्तिम्स्य स्तिम्स्य स्तिम्स्य स्तिम्स्य स्तिम्स्य स्तिम्स्य स्तिम्स्य स्तिम्स्य स्तिम्स्य स्तिम्य स्तिम्स्य स्तिम्य स्तिम्स्य स्तिम्य स्तिम्य स्तिम्य स्तिम्य स्तिम्य स्तिम्य स्तिम्य स्तिम्य स क्रियायार्थ्यायायायात्राच्या यासुत्राचे स्थान्यामाणु स्थान्यायाया न्नो निर्मायायाया विनानी साञ्च इत्सारिय तुयान ञ्च निर्मार्थ त्रमा गर्रायाः सर्से नर्जगमा निवाग्री त्रम्यायाः वया न त्रम् गहेर्न्य इंग्रं प्रमा देव्य भुग्वस्य निव हिन् वर्ष्य निव हे नर-दर्गेट्या गर्भर-र्ले. गश्या क्रिया अप्तर्मर-प्रचर-प्र-रिया विः इत् सी नव्यायाः सूर्वः इस्यारे वे याव्यायाः नर्वे दः स्वा स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर नुः र्चेत्राम्या न्यामानेदानेदे सुमानदान तत्वायायात्रामान्दानया न्या मदे वियावया नदे ग्राये र रहेर में रा केंग्य पदे र में या दे द्वया द र रा मित्रेश्वास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राम् नेस्किम्श्वास्य स्त्रम् मिक्रम् नर्द्धम् कुट अदे यग पान्य मा बुट न राजें न र्यो मन में न राजें या विष्य पर्वे र या सः उनामिक्रिया यहेराहें मिश्चरात्रया नया स्थान सः सः हैं स्थेते न्या हिंदा र् क्षेत्रायार्थेण्याण्यवयायरार्थेराह्याय्वेरायात्व्याय्वेतायरार्थेत्रा सहयाविराभून् हेना या भुता सुस्यार में देश वया प्यान में मार्थ सुराने रा रेरायर्वेरात्रावनामञ्जूनम् विता त्राचित्रा त्राचित्राक्षेत्राचित्राक्षेत्राचित्र रेरःकैंग्रायाविरावेगायार्चेत्रायवेर्त्याविराद्यायाया विवायवेदेर्यावाया वृद्राच (बुर्या स्था देवे सूर्य स्थान् पदि पदि पदि । इस सामा वृद्दा वा के पार्श्वर वया ब्रेट्याचुटावयाद्दायाञ्चेयाहे। यदयाक्च्याययादे।हिदायवाया समानेमानुसा से तरे। निकुटामायानर्स्स्मायर्ग्या क्षेपादसमासी वर्ग शे में द्रायायात्स्र सावर्गा के के से साम कर में द्राया स्वार में द्राया स्वार से द्राया वर्त्रभाग्यम् कर्ना होत्रभाष्ट्रमा ने हिम्हे वर्षिन सुन्न न्मा श्रीमा यिष्ठेशः ग्रीशः सृ: श्री: यदः यिष्ठेशः शु: श्री: उदः श्रींद्रा विः विः यदः यदः स्री शः व्यान्तरः कुर हिवा या वार्तेवाया वान्यया संस्वाया सम्यावरः। स्रीया ध्राया नुतरःश्रुवः इत्या न्वरः क्रुयः सरः सहनः यः तुया वेद्यः श्रुनः न्यवाः हः येद्रम्यस्यहेस्यम् नुस्य देवस्यस्य विविधित्युवास्य वहेस्यहे। ध्रयःहे नुः इनि दिन्धें दिन्धे माद्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विषयाम् विषया त्रुग्रामान्यः सहिन्दान्यः मान्यः प्रान्यः स्वरः स र्शेषारा भीत हिं सदान सहित है कि साम सार्शेश सुर साथ हिं सा

मः इसमान्ता मङ्गेष्ठः निः में में में मिन्ना निम्या के निम्ना में मिन्ना में मिन्ना में मिन्ना में मिन्ना में र्द्र न न्दा थे न्द्र न क्रम्म स्थाय । या त्र वा र्शे. गु. तथा ग्राट. ब्रुग वहेट इस में इं लेश ग्रुप्त रे ग्रुप्त स्था ग्रुट स गठिगास्यार्देव र् श्रूयाय प्राप्त वर्षे अ स्विया पर्यो अ स्विया पर्ये अ स्वया पर्ये अ स्वया पर्ये अ स्विया पर्ये अ स्वया अ स्वया पर्ये अ स्वया पर्ये अ स्वया पर्ये अ स्वया पर्ये अ स्वया अ वर्षिर विवा वी वाव प्रवासद्य सदि सदे अर है हैं द वहें व या कु अर्के हैं तु वर्षानाया विंदानी है नाव्यास्य नहिंद है नाव्याय वर्ग नही या प्रया यावराम्यस्यराग्रीरासम्बन्धान्यस्य समिवनिष्ठेन्त्रः हे हे राम्यानम् नमून नर्डे मानारायापरामान्याये सुया नुः ध्रेन परागुनाया सर्देन नुः गुरा वर्गे देव कु केव में अहं रा रग्र वें नकु र दुः इनकु र प्ये कें गिनेग्रां परिः द्वारा महत्रेत्र है। श्वराश्चर या ग्वरा या ग्वर या ग्वरा या ग्वरा या ग्वरा या है। यर्देरवः याचिमायदे वे ह्यूयायाओं नायदा ह्याया कवायायाया नहेन'म'इसम्भागी सेना'निक्ना' मुंगूर'म'भेन'र्वे।

दे 'क्षु'त्रवे 'स'मिं त्रा के मायदे 'प्राह्म स्था में स्था मे स्था में स्थ

न्नो नम्रेन् ग्री र्मेम प्राप्त स्ट्रिन प्रम्या ने से सम्प्रम् मेर् प्रम्ये स्था र्रेन मुँग्रायाभी प्रिटामी स्थान स्थित स्थान स्थित स्थानित स येग्रयार्थित्वा नक्ष्रवया ग्रार्वे न् क्षुप्रयार नियार हित्र व्याप्य स्वित्र वियार वियार शुन्दरमा क्रमानशुर्विरायम् त्रुसेरानम् विषानिरादम् । में नडुनिवे में त्रमाय में में ब्रामें अपनाम में नुम्ने में भी में भी निया यविश्वास्य प्रस्तिश्व संस्थित् र्यं प्रशासित् रेपाया सामित्र स्वासित् राया सित्य न्दा थे न्द्रन्दा अनु शुन्द न्दा नय में में न्द्रमें हे हस्य ग्राम्य यक्तित्रमा ने म्यमा ग्री श्रुव श्रूम पर्मेव मामा निष्या स्रोत विया वर्षा यान्ययायाः कंदाना विया क्षेत्रायाश्वरानया अना तुः स्वीत्रायाया श्वेत्रः श्वेत्रा सा यागर्रेयान गुरावर्षाम् असानु सहेयानदे नरान्। ने में रानु मावद सरार्थियाळें शक्ता के तार्थियात्र मान्या विद्यालया स्थानिया सामान्या सामान् हेशन्त्रीत्रायःह्रियाशः व्यवशः इस्यायः स्थान्य सः वर्गेत्राप्यः स्था न्वे त्यः श्रेष्वाश्वायः व्यवस्य व्यवस्य वित्यः श्रेन्यः व्यवस्य वित्यः क्र न से समाद्या हिया हिंदा हिते र्स्ट्रें त र जिंदा श्री स्मान समाया

यरकें अर्हेन ने हेर कु यार र रेरिट यर शे हे नवे न कु र य वहें न य या है या यानियायान्यास्त्रा सःस्वा सःस्वारान्याः स्वारान्याः गशुस्राम्यस्य उत्। कुरार्देराम्या भुतायः नितुः वार्ने हितायत्र्या र्हें हे हे भें। न्यय अर्के गांगे कुन गांश्य में छुन। य सेन गांश्वर या अर्के गां नगरन् अर्धः शेटा है त्या गुनः श्रेटा नने अर्के गान १५ कुना न नडर्भामायाया में हैं शुः हुना भागमार्थे में हुन द्या भे महामदेश हुन र्थ्र-श्रे.ये.यु.क्र्या स्थायवित्या स्थायवित्या स्थायवित्या वित्या वित्य न्यान्ता यान्वानविदे कुन् इसयायायवा अः तुःशुः नई व्यान्शेयायाई हे वर्गेयामानेत केता सेटामान्य नामाना वर्षेत स्रे कुराया सर्भुत ८८। ब्रैंव.स.चार्यका नयास्य नयास्य क्रियाया वि.चेट्रची चार्यस हत्वग्नार्न्रः अग्रीहे त्यायहे ग्रथा हो द्राष्ट्री कु द्राष्ट्री या विष्ट्र हों ग्'द्र-प्रस्थान्यस्य दुर्से या प्रहेष्य अहित् ही द्राप्त क्रिया पर श्रिमार्थे द्वं नशहें में शुद्धाया भी में निष्ठी निष्ठी में न्नरन्ता न्नुःकंन्ःग्रेःगलुरःकेःनः इस्रश्याश्वरः विरन्नोरश्यः येवः यर'सह्य इर'यर'नय'र्यर'र्चेत्रत्र्याकु'ग्ररची'त्र्यसे'सहसर्हेहे न्दः सहयात्रमा ने या सुरत्वा देया महासात्र स्वानि स्वानि सामित्र स्वानि स्वानि

सेसस्य न्यय न्या वी प्या विश्वा स्वी स्वास्य में स्वास्य में स्वास्य में स्वास्य में स्वास्य में स्वास्य स्वास त्रयात्रे में तरकेत में हे ते पूर्व राज्य के हु पाया में हे ह स्वाप्त हैं मार्थि हु प য়ৢয়য়য়য়৻ঀয়। देख्यायें য়ৢয়৻য়ৢয়ঀ৾য়৻য়৻য়৻য়৾য়৻ঢ়ৢয়ৢয় ग्नेग्रं प्रदे प्रदूर द्रा ने स्रेग्रं येग्रं प्रम् स्यह्त दे स्र स्र प्रद श्चितःसः सहित्ये वित्रान्ता क्षेत्रे स्थिता श्वाद्या वित्रात्ये स्था वित्रे गठेगात्रशाय्रित सुः हेरशा ग्रेजिया त्यर तुः श्रुवाया यह ता वे पारेश सेंदर र्शे.यिथ्रम्यात्राच्याः विष्या विष्यः स्तरः श्चरः श्चरः स्तरः स्तरः विष्यः विष्यः नउदः ह्रेंग्रायः यह । यह विं निवं निवं निवं निवं यह सिवं । स्वे ग्रम्भ से वर् न सर में र न तु ग्रम

र्रेर्न्न बुन्य अत्वर्भाग्न व्यान्त अत्यान्य स्थित व्यान्य स्थित । नश्चुम्या ये जुम्म भ्रामिनेग्याम दे श्चिम याम नेया याम केया स्वाप न'व'र्सेन्यर्भ'म्स्रस्रर्भ'में केंद्र्य'दर्से 'ठद'तु'र्वेत् र्यर्भ'म्यर्भ'म्यर्भ नश्चित्रा ग्विव प्यतः विव श्वे वयायिव स्वितः दिवे प्रवे स्वयः म्ययः प्रतः व यः श्वे प क्रें चुर वी 'धुव्य' अर 'चें र कें श ग्री 'विंर 'वें ये वा श पर 'वर्क्नेर 'वश अव श

मन्दर्यन्त्राचित्रम् विष्याम् देवस्य के निर्मा से निर्मा श्रीरावेशाध्याप्रस्थाउदार् सूर्वायशाद्या रुशाद्वेशात्वासार्शे सेदी स्या मोरायद्वीर्दे । ने सूराहे प्यविव सुराया वेश मामाया शासी सक्व निर्मेश कें या ग्री:कुष:र्से विश्वान्ताने पावन र्नेन कु केन से अहर परि रहा नशान रु इन्नामिन्द्रम् भ्रित्रे मिन्द्रम् भ्रित्रे स्थानिन्य स्था । हेन्द्रे स्थानि हेन्द्रम् वेरती लय.ग्रे.र्ज.यर्ड.इ.र्जर.क्र.श्र.लूश्यातायविरश्य.क्रीटा वेश.राष्ट्रश्रे.य. लेव.सर.चेवाया ज्र.वाहेश.ज्र्य.सद्य.क्र.लेश.वाचेवाय.यया है.इ.सय. द्यगामी श्रेव त्यमा त्यम दि स्रिव क्रुव स्व स्रे ते न द्वे न म द्व ग्री'नबर'र्से'त्य'र्सेग्राम्य'प्यन'ग्री'निवेद'र्'ग्राम्यद'र्म क्री स्ट्रा नडु'नवे'र्येद'रवे'ळे'राळन'कु'ग्रार'य'वर्जेद'रवे'स्रुग्रार्थे,र्यंदे स्रुग्रा र्थेर्न्याया यनः श्रीः वयन्या ग्रम्ययः संदेर्न्यायः सेन्ययः वर्ने हिन् नुः श्रृंन वा श्रृंन वा श्रुंन वा विषा श्रुं शा श्रुं शा श्रींन वा हि शा वा निर्मा गन्ययायायायायायात्या गव्यायायायायायायायायायायायायायायाया नभूरः भेरे भेरः ग्री निष्रां निष्रां निष्रां में अंश मीरा प्राया में अंश मिरा प्राया में अंश मिरा प्राया में अ

सवयःतात्राः चर्मेर्या सिवयः सदुः श्रुवः पत्रः श्रुं नः खेरत्रः मुः न्यरः नः यः र्शेग्राश्चर्या गुराव्या विषय्या वर्षे विषय्या स्वाप्या वर्षे विषय्या स्वाप्या विषय्या विषय्या विषय्या विषय्या नश्रुः श्रीरावी 'द्वींदश्रारा हैं वाश्रावनशः श्री 'वें अदारेंदि श्री वार्वेदादा न्द्यःश्चीःमान्द्रामदः केवः सँ मान्ने सः नवे दस्य नवः ध्याः प्रायः नवः ध्याः महः ग्रथर्न्नर्मः धार्ये द्वायार्यात्रयात्रयात्रया वित्तात्रीयात्रयत्वे हें ग्रथात्र नडर्भायदे रना नावर्भायही क्षुर में प्रतिर द्वार्थ र स्थाय में भारत सुर न सुर में प्रतिर स्थाय में भारत सुर न सुर केव्यह्रने क्षुव्यह्या वयाध्यान्य वयायायायान्य वित्र गुव्यक्षिया यवः सटः नुः नगाया ने वः नावसः सवे द्वयः वर्ते रः सः नृहः ग्रुनः सवे द्वयः वर्ते रः मः यद्भार्भः तस्य के विषयः भी सके दः ना प्यदः यदः दुः यहं द्या विषयः स्य नवे सून से जार निकार में न मिलेम्बर्सिस्स्रेर्स्यान् नुःस्रान्तिन नुःस्रिन् नुःस्यित्रेर्यास्र स्वर् नुम् यन्त्री: वें वें न्या शुक्ष हुक र्त्ते वाका हो ने की हिन हुक प्रका ने सापरामी रुस वित्र रुमार रें के निवस वेना कर मी थे नुर नसम्भा इयादर्रेर्स्स्रिनिव न्युव्हिन्य या स्टिन्स्स् व स्वायाया स्वाया प्रम्याया प्रम्याया प्रम्याया प्रम्याया प्रम्य नुभाशुःनुःर्शे गर्विन् नुः यान्रयाने यादे कः ज्ञन् उन्। स्थाभेनः कुः सन्यसः रेंदिः क्रेंद्र नार्धेना अप्टर विश्व वर्ष वर्ष द्वा स्वर्ष क्र वर्ष नार्थे वर्ष नार्थे वर्ष नार्थे वर्ष वर्ष वर्ष र्वेन्'य'न्न्'वि'ते'वा'उद्दे तु'क्सस्य नसूस्रस्य द्वित् प्रस्य वस्रस्य उद्देश्य थे न्वेशन्दर्गन्यश्वार्थेद्र उटाहेतुत्वयास्त्रम्यद्यास्यास्यास्याद्याः हेते त्यु त्ये द प्रते के भी वा न्यु द से द प्रते वा कर में द या के द र त नत्त्र नशुर् ने मार्शे वाष्पर नही ना से दाया वस्र सार निवाम विवासे दाये सुस्राद्वार्यसामान्त्र मुँद्रामासर्वेदा। महिसामादी। धीर्मा पुरेशामिते क्यप्रक्रिंद्रपार्श्वेद्रपाय्य सूट्या केपायप्रक्रिंद्र्या उव न इ दुन विवा क्य पर्रे र पर दे र र र दु अ परे कुव उवा मे हि अ र दे ञ्चनायायान्त्रान्त्रान्त्रेराचानेनाया नासुयायाने। व्यायान्त्राम्या र्रे विवानी अन्यवा इत्या वुद्याय इत्यावर्ते राम विवानी अयाय रे से नुस्राम्या दे त्यसायद्वरसातुसायरद्वसम्या वस्रसाउद्धिर तेवा द्वरा र्रायिर्ग्याविषायाविषाया विष्यावी वृत्रियि हैं विषय से हैं सिर्म्य से नवे भ्रेम् मुग्नम् नु वर्षे वर्षे न्यायाहाया से नवे मुस्ति मे से ह्रा से हार यवर्गने व से प्रविद्याया हिन्य स्ट्रम्य पित्र प्रयाय से स्रम्य से स्रम्य से स्रम्य से स्रम्य से स्रम्य से स्रम् वर्ते ५ ५ दें १ वे वायर न वरे वा कुष में से न विवे सके ५ वावया है वर मी केंद्र भन्द कुष्ठ भन्द मुन हम्बार प्रमुद्र भन्ने केंद्र ने दें अपाशुरान निवार्ये ग्रायर ग्री का या भी रेया प्रदेर या प्रायत का के अ क्रूटा वटायरे यहे ५५८ इया वर्षे राय है राय है राय है या है

यर न कु न हि पर्के गुर्भा न र से हि से या सदे सहे न गू या कु हे न छ न न न वरःसदेःसङ्गेः ५ हं प्यासे व वरः माम्या वरः माम्या वरः माम्याने यक्ष्यत्तरम् मित्राचित्राच्यायाया स्राक्षेत्रायाची स्राच्याची स्राक्षेत्रायाची स्राचित्रायाची स्राक्षेत्रायाची स्राचित्रायाची स्राक्षेत्रायाची स्रावित्रायाची स्रावित्रायाची स्राचित्रायाची स्रावित्रायाची स्रावित्राय धुगामी गुराय र्वेन पानिया वी शावस्य उदाय स्वास यह रायस र्ह्यूर वह्रमायाविमान्ता स्रायाकारुष्याच्रहास्यायात्वाराया नुमा श्र्वाशानन्यः स्ट्रिंदा स्ट्रिंच वित्रा वित्र वि मीर्थानाडेमान्यर्। त्रुःयाक्षानुःययाचि कुते यार्वेदान्त्र्त्रहाह कुमामाडेमा यानन्त्रायाने त्रायान्यायान्या सुः स्रेत्रायायाः स्रित्तीयायायात्या मेनसःसरःदसःस्वितःयःविषाःचर्द्रासुसःसःहस्यसःसर्हितः। विषाःवषावःदः र्नेन्गीः शुन्दनेन्गी अः श्लेन। मानन्यः निर्मान्यः स्वाधिनः स्व विषयानिक से समेरियस स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स येग्रयायराग्वरा देखार्यग्रयायाये प्रमुद्दार्ये ग्रुप्त क्रुं नविवासमा न्याराक्रां न्या द्वाराक्षां कुर्मिया कुरम्या क्राम्या क्राम्या विवासा क्र्याहे या शुप्ति है जिस्याया धेरहे हैं ता क्रिंट हो है स्था है । न-दर्भेट्यो र्श्वेन्यः स्त्रिन्युग्याचिष्यः भेषः रवः क्रेन्यः स्वाप्यः पर्दे क्षेत्र-र्यार्थः योग्यायायाः यो स्वार्थः योगः विवाः नर्गेद्रःयःधेदःदे।।

संर्वे द्रं नवे के शनकु न दी। से वे खुया वें सानव ने व के व पनुषा वेशः गुःनदेः श्रश्रास्त्रदः नवे वे वे द्वानि वे शामुः न हेतः नवे व श्री त द्वानि व श्री त द्वानि व नव्यायायात्वेयायोया इति स्रयायासी मान्यायात्रायासी सा द्रा अवयःचविःदर्। बर्शन्गरःवें द्रं च इस्रशःश्रेशावः के द्वीवः यः च यानने अर्केना मी प्रमास्त्रम्य केना मुन्नम्य अवतान विशानु साधिका मर्कुः खेटा मुन्यो तसव लेका क्षेत्रा मयूर्य रूपका मुन्य मार सम्म ग्नेग्राश्रा अवदान्ने र्ये द्वं नित्र स्थार्थे अवदान्ने नवदार्के शार्से नित्र श्रभः श्रें तः श्रें तः प्रचुदः यात्रभः लेशः र्या उत्र शः चुः यः अप्यशः लेदः या व्रतः देवः चीः यार्स्ट्रेटास्रेवयायन्यास्यापुर्वापुर्वेत्वया सायार्क्ययारानुरावयविदार्वे वुगानवुग्रमा देवसाक्षरायस्य ध्यापार्यमा है। रटार्वे नर्वे नर्के नर्के न याहेत्रस्याया न्राधेत्रहत्यायाया क्षुःरेट्राधेत्रहत्सेटायोःयाशुस्र यश्चित्रेंद्रित्केवाः ह्वाश्वास्त्रित् हेत्। हे दिवेदे केश इस्रावायम् राह्मेद नुः इत्यादर्हे रामके वार्षे प्राप्ता पर्वे वामा वार्षे या विष्ये वा इत्यादर्हे रा यंक्ष्रास्याई हे हे नविष्यानगदाग्नम् स्थानिस्सामा स्थान यार्बेद्रानु से स्थापदायायाळ दास्याद्रा सुनार्बेदान्द्रा सदे सळे वाद्रा

यगार्थे दरा रें ज्ञेम्यायाया द्यो प्रमेयाया विव ग्रुट था सर्विद्यानिद्यान्दर्यान्दर्या के खेल स्वायानिका स्वायानिका के स्वायानिका के स्वायानिका के स्वायानिका के स्वायानिका के स्वायानिका स्वयानिका स्वायानिका स्वयानिका स्यानिका स्वयानिका स्वयान मियर्नियाल्या वरम्यक्रास्त्रायायायर्भे मुना स्ट्रास् इस्रामित्रम् सामे हिस्स्र इस्रामित्र सम्रामित्रम् विदारी सम्रामित्र वर्षायायो नेयाव्ययास्याया भूराद्रा वहिवाया हो दाखारा हिताया न्ना नने अर्केना खु 'हे 'स'न्ना धुना 'हें र इ'न अ'न्ना कें 'ना हैं 'हे 'दहु ह' नः इस्रमः ग्रम्य द्वें वः प्याप्याः हुः सर्मः ग्रुः ने न्याः यदे । सर्वे ग्रम्याः स्विः क्रॅशः नुवाद्या देशः विवेष्यसः वेद्रशः द्यात्रकाः वार्यम् क्रूरः सुद्रशः वसरः करः नुः र्रे कुरः नः या वि हो नुः सः नुः र्रे रः नुषाः वुर्गा भ्रूसः र्र्भे सः यो विशः मुयासळवायानदेवानवीत्रा निराहते श्रेयात्रा वरायदेवामी श्रेर क्रम्भागम्बा रटालें भ्राच द्वास्य विद्वासी विद्वासी क्रम्भा यय तर्ते निर्म देवा हिर्पे निर्मा स्थान द्या स्थान स्य वरार्देरके। वयदाणुवार्सेग्रायसामु भुत्र रेटा रास्ट्रा वयामु यश्चायाना इस्राया से राना से वार्षा के एक रामा स्वाप्त स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय स्वराय क्रवा नगे न ने शास्त्र से के वर्षे नित्र के क्रिया के स्वार्थ के स्वार्थ से स्वार्थ से स्वार्थ से स्वार्थ से स ८८। अंश.स्यायार्भेयाक्टार्टा क्रूंटाश्चार्यायार्भेयात्रास्यायाः ग्रम्र्यून सम्गुम् ध्रम् क्रिन्के के द्रादे देन सम्मास स्वास है। दें च्या-इ-इ-ज्या-निक्य-प्रक्षिय-इस्था-च्या-प्रक्ष-प्र

र्स्निन'न्यवायाय'म'ने। न्यो'न्ये यार्सेन्'युःसं'नर्सेन्'न्यया वनरायाश्रमानुनाविद्यायदे के वियाधेता वे न इन तुन सरामाने नदे.बर्.र्.र्न.१.वैरा नगद्गीर्स्या के क्ष्या में स्था देश विस्था क्ष्य इस्रभाग्यम् द्रमो प्रमेशविदावद्वाया वर्षायासर्दे इत्यामायास्य न्दान्डर्भायान्यवाबेदानस्रम्या विदानी भुषानु पर्वायापद्देवाया सह्रान्यायापर्यंत्रं या की व्या चीरा दी कराया की या की यारा है। राः इस्रश्रायायदाया सहित्। याः बरः रुः द्यो प्रशेशः कुःयः द्रुः सः यायवा में श्रें र त्यायन र पा श्रुमा सामें मा श्री व विवा श्रुमा सामें पाया र्शेवार्यायात्व्यायात्रा वरार्थास्य क्रीयास्त्रीयात्रीयात्रायात्रा हैं श्रवे नित्र क्रम्य सहर प्रयायेग्य पर स्वर पर सु हैं नवे क्षुव सूर हिंद वशःर्वे नडु नत्वाया सः हैं न निवाय वया सुरः रे बर सः यः वे नुवा नक्षेत्रा ने त्र अर्थे त्र श्री वर पुराया श्रु अप त्र व्या प्राय के अर्थे त्र वर्ष

व्यायसम्यायायास्याम्यायस्यायाने नया स्टामी र्सेनाया हैना महेन्यो राम्य वेर'न'विग'न्रा हे'ग्रव्याधेव'वेर'न'ग्रहेश'ग्रन्थर्थ'राके'वेर्। हिन् नर्ष्यात्र्र्यायायात्राचरात्र्वा हेराक्राक्ष्या कृत्याहेषात्रातुः हेत्र नभूर हे भूत ग्रायत यन। ध्रीय तयग्रय या स्टार्मिय र्चित तय थ्राहे या श्रुअःश्रीदायायाद्रअशायात्र्यश्रायोग्रायदार्षेत्र। देवशाद्रव्यश्राःश्रिताः हे श्चरत्व्यानः भ्रेयानु त्यार हिंदा श्चर तें वा दशरें रावी अर्के खुर नु रेवे गशुयायळ्ययान उर्दे निर्मायळ्यानी निर्मेष्ट्रेत्राची निर्मेष्ट्रेत्र निर्मेष्ट्र निर्मेष्ट्रेत्र निर्मेष्ट्रेत्र निर्मेष्ट्र निर्मेष्ट्रेत्र निर्मेष्ट्रेत्र निर्मेष्ट्रेत्र निर्मेष्ट्र निर्मेष्ट्र निर्मेष्ट्रेत्र निर्मेष्ट्रेत्र निर्मेष्ट्र निर् नश्चिता लट्टनेव्ट्टल्यार च्यापिष्ठेश त्य वे पाठेश न वे वाशा न श्चेव पा यर.री.पश्चिता त्यर.धि.स.स्.स्.स्य.क्टर.य.र्टर.यहत्य.पश्च ब्रिटे.ज.स.धि. यरयाम्यानियावियावर्गा वित्रराचिराक्ष्याय्रेययाप्रमान्य्यावर्गान्यस्य र्वे द्वा इः इ न्वा निवेश मा भुग्रा श्वा मी वे वि वा मा वि निव्य निवा नि र्ना पुर्व भुषळे दात्र स्यापाया शुस्राया श्रीया सामित सुरा नहीं सूर नहीं त्रा ने क्रियं के कि विश्व के विश्व श्चरश्चरयाययावहवार्दिन्द्राचेताययेषायदार्थे भ्रित्र्वे।

ने वशार्वे रूट वी दर्वे दर्शे क्षेत्र दर्वे दर्शे वर्षे वर्ष नेवे अन्तर्भेत्र पर्नित्र सुमा कुषा में ज्ञान हेत्र स्मारा पर नत्मारा भा

यानिवः हे याने न या अर है र न र श्रुव न श्रुव या अपि अर या विवाधिवा विर ररःकॅं नर्डे नकुर्वे कॅर्यने कें प्रस्थाय पुराने ने वर्ष सुना साय रवा हु वृत्। सूरः त्ररः प्रतः भूरः नः यः वृत्रकाः के व्यादः प्रतः यातृतः व्यादः प्रतः व यायवा यः क्वायः रेयायः क्वायः अवयः एयाः यायवा याद्रः यायरः श्रिया याद्रहर्यात्रा अ.च.चहराणे.याश्वरात्यः हेर् ह्रियान्दरनेयायान्यः च्या ग्रम्या न्राधित न्राम्यायाय न्राम्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया याश्वरायाशवा द्वेंद्राख्रदशः कु:द्वरायः है:वि:सर्दे विवायः द्दा वक्कदः द्वेंद्रः यार्वीदार्देवायायवा द्वीयने श्रियाद्यासूत्राया इसादेशाळ दाहे शुपायवा ने भूर तें निव उदे नर्तु न्या अव रास्त्र व्या निव उद्व स्व वि न यः र्सून दर्भव तस्या अरम त्या नदे सकेवा सः ख्या अरग्रे दनद या अव। विदः ब्राहे साबुसाइयायायत्याना ह्रोयान दे न्या हिराया हेराता हिनाता हिनाया नव्यामा सुःहे सायाळ रागिहे सामायदा सुसार्या गहे साया र्वा र क्रुन्य व्यव वार्य यार्थ अर्च्या अर्र न्युय सुर् चुर्य व्यव्य व्यव्य व्या र्वेव्यान्त्रा वसम्बार्यान्त्रात्त्र्यं मित्रेर्या मे स्वायान्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र हे र्चेत्रप्रमा भ्रुम्यान्त्रियानाहेत्रामा स्मान्य सुन् सुन् नुन् निव्यायान्य स्

सहया वयः क्रें सः ग्राम् सम् न्या वर्षः गश्रु र त्र शः र्के शः र के र त्र श्रु र त्र हो त्र शे र वो श्राम्य । वित्र सु नमायहिषामान्तेन् ग्री विषान्ता क्षु हे समाके समाविषाना निर्देश न्त्रअःशुः ब्रेंद्राद्यवायायदेः श्रुद्रास्र । यद्या । त्रिः व्या । त्रिः व्या । वन्नावन्यस्ता नेवेन्स्यास्त्राक्ष्यस्यास्यास्यास्य ने वशर्थे न कुन्य वस्याय सम्भुगिने या ने वस्य मान्य स्थान निर्मा न्दः र्स्ने अ विन् अदः नु न सुन् न न नु न कि ना अ स न न नि न में स्थाय ग्राहः यारः भ्रेशः येयाशः यरः सिवा रः र्यः त्याः दुः यवेशः यवे रहेः वर्षे रः हैं। नद्व'र्र्स्स्रात्रना'य'र्स्स्म्राया र'सर'र्स्न्'र्न्'नासर'ह्यु'न'य'दर्स् नरत्त्वाराया हैं स्थारदि सार्वेर्या ग्रीनरत्ति हित्रस्यया स्वाधीया नव्यायाया वर्ने या र्स्नेन याहेर विया वर्के या नवे र्से याया प्रमुख्या यह । गश्रुम् त्रमा स्र्या वेदि वेदि विष्यास्य ह्या या स्रुप्ता नेवास स्वा

श्रूयः भुः पदः द्वेतः यदः म्याश्रायः दे दी श्रेश्रयः द्वायः केतः देः यावतः मी देवाया अधिवान विवादा भी नाम विवासी न्ना धुअन् क्रेंत्रम्यक्ष्ट्रं लेशन्यन्य व्याप्त व्याप्त व्याप्त विष्ट्रं प्राप्त केत्र प्राप्त विष्टे । के ने अर्गु गुर्म् मिर्म अर्थे र्श्वेत यय कुत वेय गुर्म रेया क्षेत्र दिव क्रॅ्रेन्पिरेक्क्रिंन्या गुरान्या केंया स्टान्तु प्रतापा विषा पी विष्या सुराहा हा न्या

सदे श्रमा सुरादिष्टमा सुर्याता सूर्यामा सामानिक स्थानिक स्थानि नेशमा धनःग्रेशन्तरःनभूरःनदेःद्धंषः इस्रशःग्रहःदुः दुशः विरः तुः कुन्छेन्। क्रेंशन्नास्त्रमुक्रमितेः श्रुंन्यायम्यविषामीश्वायन्यानेषा गुन्। नर्डे थु पाया कु केर वर्षेयाया नन् । या सहर प्रश्ना निवाह स्वाप्यापर वुरक्षे नगे नने अस्तरमे अन्तु अहन तु छेत वस्र अरहन नगय नह स् हे समास्रान्यमून याने प्यानि प्योत्तर प्रमा स् हे हे हा न रेंद्र हे र मु दूर दु र र्शेट त्या पालुद पाद्यश्र प्राप्त प्रदा द्वर प्रदा प्रवास विश्व र प्राप्त प्रवास विश्व र प्रवास विश र्ह्मार्थास्य त्वारिक स्वार्थिया हिंदा स्वार्थिया । विश्व स्वार्थिय । विष वया वर्षुः से वहर वर्षः दिन् संस्वत् स्वत् धर स्वत् धर स्वत् धर स्वत् स्वतः वयार मिया प्रवास्य प्रविद्याया प्रदाया प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्या इससायापटाइसाम्वनानवटार्से गुर्मा सन्ने नदे दुर्मासेसार्से सङ्ग्रेट नरःवुःनदेःवुःनःग्रुशःमशःग्रायःमहस्रशःश्रुवःकनःविर्व कुःहे केवःर्यशः श्रभायशाग्रहामाडेभाराम् त्रभुह्रभाते। यातृहामान् स्रभारमान् नहान्हाः नडरायायेग्रायरळ्या सरायसप्ट्रिं, मुन्यायाया श्रुं न श्रुं न्यायाया श्रुं न श्रुं न्यायाया श्रुं न श्रुं न्याया

न्ना अर्देव नः क्रुषा निर्याय स्वापव निर्वा विषय विषय विषय निर्वा ह्माया दवः वर् ५ जुरानाया हिं र वर् ५ त के पाश्र द्रया अहे या संवि नेरःक्षुःहेः ह्युः नवेः वेरः नेरः नगुरः वेर् जुगः दुः वः गलेगशः पवे वर्षः वर्तः पर् ग्रिट्रापट्र अव्युअर्द्र पठ्याप्र इस्र अविद्याप्र द्रा क्रिया सम्ब ग्रे के अपर्से सूर्याया हुन प्रत्या निष्या मा स्टार्थे हैं भु समाश्रुस मिलेश यायान्तुरुष्यु सेन्यान्यान्त्यायान्त्रायान्त्रायान्त्रायाः यिष्ठेशायाश्वराद्यायन्यायन्य सञ्चारायाद्य क्रिं स्ट्रिंब खुर स्ट्र स्ट्रिंब खुर स्ट्रिंब खुर स्ट्रिंब खुर स्ट्रिंब खुर स्ट्र स वनार ज्ञान्दा थर द्वेव इससा सुर्वे नासुस नासुस निव देस ही वन्नावन्यन्त्रम्भूनायासहन्। ने प्यम्सु द्वे सु नुक् सूमान्या वा वा वा वा उ'वा अमारेमावाअफेरमान्वरेन रेन रें केरे हिर्भरमो रूर ह्यार केन श्रीश निन्नामायान्वन्त्रम् नायमान्यम् नायम् नायम् नायम् नायम् नायम् न्नर निवे हैं निया सम् निर्मा अवसंवे नि ग्री त्या त्या निवे या विवा याधी श्रीमार्स्यायदे नेयाम्याधीयान्धन्याम् याधीयान्धन्या র্মীবাঝ'ন'বাঝুন'।

देव्या श्रीयायामु अर्के दे मुन्या श्रीयायापार स्थाया स्थाया । स्थाया न्याया स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्

यार्श्व देवा याश्वर। रुश ह्वा दुः च ते के कुर वस्र संस्था स्वर दर्शे स्थार्म्याया मेन्। यावव में या सर्वेट प्रमार्थे प्रमार्थे में या विषय में में स्थार्थे स्थार्थे में स्थार्थे में स्थार्थे स्था स्थार्थे स्थार्ये स्थार्ये स्थार्थे स्थार्ये स्थार्थे स्थार्ये स्थार्ये स्थार्ये स्थार्ये स्थार्ये स् यः श्रेंग्राश्रास्य स्थित्। श्रें रात्रम्य संदे ग्रामाय विषा सह र किया हो वगानुः धनान्दाक्षे हे ह्वानदे देंद्र वेर की नवेद्र अप शहें ग्रायर कु नदे । धेरा सयःम्:मुयःन वर्षः श्वरः वीः पद्वाः यवाः । परः न से प्रायाः । व्यः वयः वसरमी'वहेग्रथ'रा'वे'नर'अहंदा कुषान बर्थासु'द्रो वर्त्रन वर्धे नुगारुर्ज्यानश्रुष्ठ्या क्रेर्िन्यय्यादिवेश्यावराययाग्रीकेट्र्इर्ड्य मदेख्युःश्वरःविवाक्षेत्रं वेरःवाया दे इस्रश्यवीर्रायदेवादेरः से द्वार यानर प्रयापा चेर पाश्रुर। दे पार्श्विमाया स्वापा प्रवेश प्रदामातुर यान्यश्रास्यायी र्भे त्रास्य स्य स्य के के त्री सह दिने न्या स्थान दिन नकुन्यः सुन्यो वेदिः अह्ना हुः ग्लेग्या सुन्यने अवेद्या सुन्य क्रिंश हे मिलेवाश श्री । इस व्यापिहर अवश्वापित वित्य स्तु वित्य स्तु वित्य स्तु वित्य स्तु वित्य स्तु वित्य स् इनिवे अॅटरें। । प्रो प्र्तु अर्ड्डिट ख्रा प्रक्तु र र्ड अप्य प्रम् । केत्र से अह्ना भुःगर्दःग्वुःग्रथः द्यायः द्यास्यः म्यःगश्रुयः वः स्वायः स्वे व्यः भुः नर्द्यः द्यः । रेटानश्रेयान्यरशासेन्यायर मुँदा ने दशान्त्रान्दर विदासे सम्भास इस्यापनित्राहे। देशाग्रदाम्याये ग्राचा ग्रीदाय स्वर्म्य । विश्वाय 

यश य्रेम्सुंग्रायार्थ्यावेषायर्गेन्याधेवर्ते । नेन्यापीयास्यं र्वे प्र ८८ वि.स.क्षेत्रास्त्रेर.ग्रीश.यक्षेत्र.स.हे.क्षेत्र.यक्षेत्रस्त्रःस्त्रीयश्रास्त्री

## उ र तुम्रानुष्टाया हैं में है नकुर्यार्य निष्म्रम्य

## <u> इं'न्रं'न्न'वर्षेक्षेत्रंच्याक्षेत्रंच्या</u>

५ दे ५ मण सर से सह ५ प्ये ने या ग्रीया में ५ ५ ५ वे वा पा के दारि दे यसःश्रॅयःहे क्षूरः मुर्रायरः सहत् प्रदे खुवा ने वरः नुः क्षे ने वा नुः या केतः र्रें दे दी कु म्यूर्य इस्र राष्ट्रें र विश्व वेर विदा वेद इस्र राविश वर्देन् प्रवे पुष्पवित्र केन् से नेवे कुषारे निषे नवे न्या ने भारता स्त्रव्या के विष्यु के विषयु के वि सळ्द्र उद्य वेश ग्रु नर नत्वाश रापे प्रमा न इद्य से प्रमा ग्री दिन नेर उत्र वेश ग्रु न गरिशाया श्रश के न महिते श्री दिन में हु न दि श्री र र्ये। कुरानान्ययाग्री श्वेराये श्वेषाश्वरायम्या हे नर्द्धतायने हे वर्रीट में ह्नु नवे श्वेट में जीव हैं। । कुट दुवे दुय वय के रवय ग्री जी द्या नर्डे अप्युत्तर्यायस्यायायार्भे यायायार्मे त्रास्य स्वास्य स्य स्वास्य मुयाश्चेरायासाळग्रायराध्ययान्त्रात्रुत्रासाळेषारु सळेरायाया रे

वगारिते इत्यादर्दे रामाञ्चा गठवा ग्रमाय दि हैं है त्या ग्रे दे हैं दे प्राणे व वर्षेर:र्:न्वर:वश्चरःव:बुश कुन्:अव:रग:न्रःवठशःयःग्रथव रेअ:यः गहेशायानह्रम्यार्थेनायान्। ध्यापान्न प्राप्तान्तर्त्तान्त्रान्त्रा है य वे य ग्रु नदे य के वा वी ग्रुन य न हे य य दे दे युवाय भी र वे न तुन वर्त्तेरमा देवायन हुवालुवामा ग्रे श्रेंद्रायाय विषय विषय । मुन् मी 'स्यापय पर्में साम्य पर्में साम्य स्थाप निर्मे के नार्के माया पर्में निर्मा में हेवे सुअद में ग्रायव है। रुष हिषा धे गोर यह यह है हेवे सुदि थ के। यर्ष्ट्रसाध्याप्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान हु-नत्वार्यायदेः वाशुद्र-वीया हिंद्-डे-व्यः कवार्यात्र स्यः द्वाः स्यः द्वाद्यः विरा चु:नःस्रद्रयःयस:नु:म्यास्रद्रस्य रन:हु:चुर:दःनःस्रुदःयःयःसदःयःस्रेदः र्रेरविश्वरावराद्वेरियाहे। र्रेट्वेयाप्त्रश्चेयाहे वेरहार्याक्र्या धोः ने अः वित्र अः ग्रीः नगायः न कुर् । ययः के वः श्रेः भरेः गाव अः नह्वः के वः शेः श्चेर् रावदे यस श्चे श्वेषाया विवाया वाद्याया भी त्या रही है विया श्वाय यस न्ग्राराखे केरान्ग्रामायारमा कुनुराविरामक्षेत्रायरा हे ग्राया ने त्रयारमा र्ये शुरा दुः इ विदेवा विदेश प्रदे वर्त् । हे प्राचि गिरे हे हैं त्वा शुरा प्रय केराम्यवाबिता यमायेवायायाम्यामार्थापयान्याम्यान्या शुःशुन्। त्रुः अः इस्मिन्द्रोत्रः प्रायः अं प्रहः सुः त्रेन्यः विष्यः शुः हो : व्या प्र नन्द्रां केवार्थे म्यान्त्रवा विद्राह्म संभाष्येव प्रभावना नत्व नत्व व यावर्गायर पर्से न सहि। याववर मर्जे या पृत्रिव मान्ता या स्वारा शीः केंशनास्त्रम्भे स्वासङ्कात्र स्वी से हा गुर्स से कुर ना हे हु ही वना से वनशक्तेत्रभें भें नायें अपूर्म प्याने ने भें ना रेग्रायायि। त्युम् याते ह्रां त्रां ह्री त्रां रेपा यह तर्थे केतर्थे हुन्तर्भे ते या अविश्वायाः केत्रास्ति केत्रास्याः निर्मा स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व क्सश्याद्या विदायरात्रासङ्ख्यामाराल्वेङ्गीयायात्रक्षुदायात्रास्तरास्या यश्चर् न्यते क्रिंश्यायत्यम् वयाके माने वया है अस्याय गर्भरःश्चेरःप्रदेश्वर्र्, र्वेद्वर्षा व्यरः द्वरासर्वेगः हुर्भस्यात्र श्चेर्रापः यानियादेयाव्यानह्रव केव में यह दिने के नदे सूव प्राप्त में वाया मान उर्-र्-विन'म'यम। भ्रानर्डन्'म'त्र्र क्रन'र्देर्-ग्रेभ'यम्'सर'र्सेदे-नर-र्-ग्रेन्स्यर में न्यून्नि विश्व विदेव पायर पु नहर्षा है। दे प्यर यर व रेश ग्रे ख्रु त्रु अप्यो ने अप्टें र हे अप्याया अपरा रे दे र कुया र व र रें र रे र रे र मुयाळन मुयारी भ्राष्ट्री नेते मुयाळन दिन स्ट्री ने या गुड्ट री गहिशा पिन मदेख्यम्बद्धत्मुद्दस्य क्रिनंदिद्द के ना क्रुट्ट न ने क्रिन्ट के निष्टि के मानुन

स्र्व पा द्वी वर मी कें या समय द्वा ता या सामय निर तें द्व पार निव हा सामय यर सिंद्र य विवा पत्वाया भ्रम्भ साथे विय दिन ग्रीय रहा वी मुल श्रीन गहर्भेर्याः न्यां में द्रित्यहर्भे गहर्भेगः न्रायाः विष्याः क्षेयार विवाधीय वर्षे दर्ज वर्षा यार विवाधीय थे ने या दें दर्ष न्गॅ्व'अर्क्चेन्'न्य्रुअ'त्रः शुन्यः शुन्दिव'र्यं न्य्रिंदि'त्रं सेन्'ग्रेश'नर्देव'त्यंश गर्हित्। देःक्षः अप्येवः वः शुक्षः रेवः र्वे न्दः व्येतः अव्यायवे ग्राके रः ग्रुटः वः गिर्देर:बेर:व्या नर्देन:रु:धुन:रेर:रन:खुय:याःया नर्देन:र्य:क्या यदररेशकेट्रप्राधारम्थेर्यस्त्र्यम् नुतुशम्बद्धाः तुरःनः इस्रयः यापरः १ साम्बन्यः विषात्वर्यः हे मार्थेरः स्वयः केरः वर्देश न्तुवे क रंभ विवा भ वहें सम पवे के। न्तें द में जुर कुन वें न् भ वार र्येग्। हु विंद्राची अर र्चेत्र दिद्रम्स्य र रोश्या अर रद्दे रेश्या स्वर्थ द्रिः विश्वास्था ले नेशार्द्रः शै वियावशा नाम काराशासा या स्वासी र्वेग्रायया ग्रेन्स्ह्रेन्यन्त्रम्ययःग्रेय्यङ्गेन्स्यरःस् कें राखंगरा नेगा हेरा गार्र राया प्रत्या प्रवास मही का स्वास में हुत दिया कें अ'ग्रे'न १८ प्रायद र न इंग्रिंग ग्राटा व्यट क्रिन वें दिन ग्रे दिन ग्रे दिन ग्रे देश प्राया र्नेन्ग्रे'ख्यायने'त्रम्मानुद्राचायायाया स्वायायार्स्ने म्र्र्वेयायार्सेवाया

यार्वेनायम् श्रुरियायम् विस्तर्यास्य देश हिन्यम् स्रित्या हैना र्गः वित्रायक्षरः कुः वेशः वेरः विरः सरः रुः क्रूवः मः परः। र्शः श्रें श्रवः परिः नभूत्रायान्यापान् सुदाः कुता क्षेत्रकार्या देशे हुँ न्। या क्षेत्राया कुदान्यः यात्रियायात्रया हेयायादे इस्ययाते यम् हो न्यये यहे न्यते से हो निया यह या नर्नित्राय। सूर्कुत्र्रिर्भाषि प्रतेष्ठे क्रिस्स्र ग्राम् र्'तसमायार्थेर्'ग्री र्नेर्'प्रयम् श्री'यासम्यायात्र्रात्मा हैं में हे रे हुन वर्द्रेट्याम् वर्षानाने मुस्रमास्य वर्ष्ट्रिट्य न्युमाने न स्रम्य प्राप्तानम् मालेगार्द्रमान्स्त्र्व्यात्राच्यात्राच्या न्यार्क्षः द्वायात्राच्याना नेया ग्रामा खुत्यागुराबराया हेवार्मो र्सेरार् पत्वायायाया विमार्थेरायारी विरया रटा वी शक्ता या र प्रश्लेष्ट्र या हो र या के प्रश्लेष्ट्र या विश्वा के प्रश्लेष्ट्र या विश्वा विश्वा विश्वा विश्व ग्रम् सूर्ग्राट्यर रुसेन्यर प्रम् सूर्वित प्रम्मिर रूर्गे सर र्वेय वया होन् ग्रीयार्से में हे श्रुवायदेव न् यर्थे न् में या ने श्रुवायदेन या ने सिनं न्वायः नरः नश्ची अवा श्वेषः श्वेनः न्वायः नरः विः विषः श्वेनः यः धेवा हेनः श्वयः र्रे नु नदे नगद पर न र न हिर में अ न हिर में अ नगद सुयान्दरनु सुद्या विद्योगाण्यान्याने स्वीदाना विवाया निद्यान सु इ्गार्थेन् प्रश्रास्त्रीं इत्राम् सेराळ्व के न न सून् न्यें व न से वार्थे वा सर र न

कु ग्राम् पु क्र प्राम् व्याप् क्र मुन् की वहे ग्राम प्राम्य क्र मान वनरास्त्रामरामरावि नर्गुराहे। ने गासावी पर्मासस्तर्भे विवानहिया नेर-वेर-ग्रे-भूर-रु-वि-वेर्व-ग्रुश्याना मु-वर्डेर-व्युश्यश्रीर-वो-क्षे-पिर-क्षेर गश्रम्यदे भूम् केव र्थे निष्मा अम्मे कु निर्देव सेम् मे सवा के में में दि म्रेट.र्-भूट्याव्या कु.चर्डेव.श्रेटाचेयास्य र्चेट्-र्-नमूवायाह्य प्रायः र्-वसग्रामार्धित्रमञ्जूतरात्रमार्थान्युवमा देवमार्थे नेव तुः सदार्थे सेटः न'न'न्नु'क्रेन'र्सेदे'द्देन'त्य'नहेन'न्यान्यो'त्तुन्युं भ्रे'सर'नर'लुग्या न्यो' वर्तरे दिस्स्राया से से दिन्यी सिवित पाकेत में पिन्या से से दिन प्राप्त केत र्जन्नर्ज्ञान्य र्जेर्जे कुलार्वेदे र्वेर्स्य या मुस्य र , तु तु दः तः ₹अअः वः कें अः वया वो दः याद्यः तुः य तु यः वे वा दें 'वे दः वे दः यो अः र्चेत्रत्रम्बर्धेग्या मङ्गेर्ग्याव्यस्मित्रः स्वर्धेग्यः सन्तर्भेग्यः सन्तर्भादः सन्तर्भादः नःयःश्रेष्यभःमदेःवुःनःष्यव्दःनुःस्याःमः अदःर्भः वुश्रःमश्रा हेःर्नेदेःवयः व्या हिन्ननेवन्दे केन्न में में कुयारे वे मार्थे स्थान से स्था से स्थान से यान्व पर्नेव परि के अर में जुर नवर र कर प्रश्राम्य में नि ग्री कुष में पर् यदःगर्वेदःनः स्त्री दः विश्वः विश्वः वह्रम् श्रः ने विदः व्यः स्व व व विश्वः व विश्वः व विश्वः व विश्वः व विश्व

देव्याम् निया संभी यदे याव्या नह्व श्रीय दि ह्रीय याहिम न न्या न या वनश्यामश्यानिवा शुःन्वेषा ने या नवा र्कें स्राध्या में से सुन्य से न भूत्र्याचेर्यातरार्भेत्रामहेर्यायार्देर्यायाःभूत्रचीयायार्भेत्रामहेर्यस्त्र म्बारायायविवार् विष्ट्रं प्रशास्त्रियायहेर हो र हिरायर्गा

ने न शहें में शधी न शही ख़ुन्मा हैं है मान न न हा न से है स वर्चेर्स्य व्याप्ति वर्षे र्ने ५ ५ ५ ५ १ । के रावस्त्रायायाय के वायाय करारें । विदायर ५ धुःयःशेःगाःवेगाःनहेवःवयःयवःर्वेगयःहेःदेन्। केंवेःवेःवेःवेःवेःवेःवुयः बुदःनरः वर्गुरमाशुरमाजुरमान्। नश्रृतमान्रस्थे अशास्त्र विष्याशान्ति ब्रुट्रायट्राक्षुर्द्रमें ह्र स्वर्थात्र हिंद्रायद्वर्था व्ययात्र हेर् वर्चेत्राचराळ्याचिरळे। यात्याचह्त्राकी वार्षाच्या खूरा धुन्नुङ्किन् र्ह्मेन महेर या देर्यान्य यय उत्तरि सङ्गेन न मुन्य र प्रमुन मङ्गे प्रति ग्राम्य प्रति स्थान् से स्थान्य स् धर्मित्र में अभेति पुर्वे मा शुक्ष त्य अभागति विषया है हि ए छ र मा शुक्र न्त्रीयाग्रीटान्या व्याःक्ष्याप्याञ्चरमा र्रेड्द्रियान्वर्न्याञ्चरमञ्

केवार्याः सहित्। देवमानवाध्ययातु सेनमानावासक्वाकृषान वरार्ये हुरा नमा नेर वें नाडेना न विनाय वया श्रु ने क र दे ना श्रु ना व्यापिर के वर्षे निस्त्रेग्रा देरर्गे तर्तु अर्धे तर्रे तर्रे कः मेत्र अर्धे वर्षे नक्ष्मन्यायवदानर्गेत्। देखाई र्वे देशेत्वीद क्षेद कुर्ये हिणेव प्रश्राय नडुः इन्त्राः पञ्चारार्दे त्र्युगाः वी त्यां त्या कु या राद्या यहे या श्वारार्दे श्रुया ग्री:वॅर्ग्न्याध्यान्, नत्याया अदयःदेशःशुःकुःद्राःहायायेनशःमाधेव। व्याः र्कें कें दूं नदी भुग्रा सें स्वापी कें संख्या हैं में सदद रे स सु से नस नयः ध्रयः ग्री: बः द्धं ग्रयः न्दः के या द्धं ग्रयः ग्रियः ग्राः न बदः नः धे दः बे स् सदयःरेशःशुःर्वेद्गःपदेःकेःश्वःत्वःसशानशुःनदेःनगेदःमःकुःकेदःर्यःग्वश सर्वे भेट में महिमाया पिट र सुम्रास्त्र मा भ्रात्व स्थान स्थान यदेःगित्रसम्दे प्यान्यस्य दुर्भाष्ट्रेश्यः द्वार्भाष्ट्रम् कें भ्रम्भास्य सहया नु तें कें में नु स्वास स्वा व्यानिक स्त्रीति स्ति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्ति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त्रीति स्त र्धेव निव त्ये निव के भागा श्रुट विटा है से दि र्थेव निव है भागा श्रुव विया र्षेत्र नृत्र । अर वेश ग्रा शुर विर महें न राय श यन् श यन यन से न से वि

निरःक्षुः त्रुः सः न्दः वाववः सदः सँ त्यः भीवः हुः वासदः नवेः क्षे वसः न्नदः नक्षुरः न'सर'र्रे'म्वर्। म्रस्य रम्याग्ररसर'र् सह्य क्षेत्रस्य रेर् द्वेस न्दारी सञ्चन पायदी प्राप्त स्था ने प्राप्त मिला के नामि स्था ने प्राप्त स्था स्था ने प्राप्त स वर्गुर-नदेःनसून-नर्रेश-नेनाःसह्न-धर-वुश्यस्य। ग्रूट-कुन-धसःग्री-र्सूनः यावेयानुग्नाश्चेयानुग्वर्यानुग्वयानुग्नेयानाः सूत्रायानुग्वह्या श्चेरानुःकुटःद्वे यमायेदायके नाहेरासुः इदिन्। के वदी यस हैं वेपाय विगाः सेन्दार्के सामित्रा सिन्सा सुः से सुन्दे । मःभे में न न्या निरक्ता मुस्येयसाम्भेत्र निर्माण केत्र में निरम्य मित्र वेगा'रा'केत्र'रादे'त्यस'ने'प्पट'वनस'न्ट'नेस'र्न्नास'द्रनेत्य'त्रेहेंट'रा'हेट्' यदियाः सुः नर्से सरायायक्ष्यः से कि न्या न्यायः सुः स्वाप्य से स्वाप्यस्य उत्र-तु-तर्देन्-पः इस्र सः श्रे : देवासः प्रायस्य दे : विं त्र हेन् : देवा प्रायस्य व्यामित्र्या न्वरमित्रेश्यान्द्रमाशुस्रामायान्द्रसाम्भाष्ट्रम् श्रे. र्टर नर नगद सुरा नश्र सुरि निवेष परे सुरि र न र्टर सुरा न स्ययः श्रे.येट्रय्यर्श्वर्योद्वर्श्वर्ययात्रीय वयावय्यव्यक्षरश्चेत्र्यस्ट्रय्यय्ये हाराया प्राप्त विकास वित रं अभी अभ्याद्रभावत् व्यायत्र विष्या अभ्याद्रभावत् । विष्या विष्या विषयः कें लें दूं न ने व के व न न न में दें न में न स्था मही कें लें व कि में में से

नशके नन्त्रावस्त्रि भ्रम्भ स्थान स्य न्वीं अन्वीं स्थान्या स्रामी यात्र अधि हो राषी याद्वा या विरान् श्रुव इत्या ने न कुन्ये गेंद देया यो थ्रा इस्य अ विया यो देया या त्र या त्र या त्र या त्र या र्धिन्'रा'ने 'इसस'य'हें 'र्ने स'र्से 'र्से र'न्सू न्'रा'केंग्स स्रु'नडन्'रा'रे सहन् ने। अन्यायान्त्वायायान्। न्रिन्यायहन्यत्रेन्यहेन्याने म्यायास्य सहर्छियार्थे द्वाप्तराहियापय। दे वित्रिक्त स्टापीयावस्य प्राचीयाप यग्राम्याम्या वेर्द्राचायहिग्रास्त्राम्या हेर्नेमावेर्द्राचाया हिन् ग्रीय केंया के निरं के अहिव गासुरय माना महा महा वा या सामिया स्वाया रेशकेमाल्यायमा हेर्नेदेल्याद्या भेरहिन्सून्तर्नेन्द्रन्त्वायस्य बूट नशा रिं रें रें र् र् रें र् रें र रें र रें श्रान र पर्वा पाया लेश न श्रूट लिट । विग्रायान्य व्याक्ष्र मुना प्या व्याकृत केत्र में कुत्र में ते क्ष्र या की देवा सूत र्चिया या डिया हु दिया है। या दावा या डिया यी या दुस्य या खुर यो त दे हैं सूर नग्री माश्रुद्दानाया वे दूं नशा शे शे द्वाप्त भन् प्राप्त निव ग्री द्वापाय शे द बुश्यश्रा नेरावें द्वान्या विनें नें न्द्रात्र विश्वास्य हुरा ने क्रिश यदिया हु पर्देश शत्र शत्र शत्र शत्र शत्र शत्र प्रति शत्र प्रति या श्री प्रति या श्री य श्र्वारावसुयामी से त्रिंट मुनदे निष्ठा संस्ति हो। वे द्रिं न पट वित्रु त्रुग्रायः केयायर शुरा देवयायरे दे यावयाया केदारे व्यया शुरा केदारे दे श्रुअ: नु: नुर्वेदिश: वश्रा वर्क्कन: श्रेंदः सः न्दा है: श्रिः श्रेंदः यः नुदा वर्क्कन: श्रेंदः वर्षेयाकेत्रायार्शेयात्राराष्ट्ररावश्चरायात्रारार्थायात्र्यात्व्या हिर्नेत्रा र्ति-र्ति-त्तुश्राशुःवर्त्ते। नेर-रेन्-ग्री-ध्रि-त्य-त्तें-ह्नं-ग्रेन्-त्तेंश्रा म्बार्या व्याद्धः नाक्षेत्रः स्वाद्धः निवाद्धः निवादः विकाद्धः स्वाद्धः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्व ममा न्तुःबुःसुन्वमार्विःसर्वे सर्वे नियने निवेत्नु स्रिन्यमा सुनामा स्रिमा त्रावेशाव्या वें दूर्यके द्राप्ति वार्षे देश वे विश्वास्त्र विश्वास वि मुः अः र्रुषा रुः त्रसः सः प्रेर् : वेरा प्राव्य स्सर्भः ग्री सः वेरः रुः तः सुवारा प्रसः रुदः न। ग्रे:में दूं न के द में। यो र न दे सून न स्थान में न न न से स स उत्रः अद्ययः नृषाः भीः नेत्रः होनः नृष्ट्यां अः प्रभा नः नेत्रः श्रुवः यः हेषाः अह्नः यः नुः ग्रास्यान्या वे दू नया ग्राम्यास्य वे वे स्वास्य विकास्य विकास्य विकास्य विकास रेसर्अह्रामित्रहें साला हैं वर्ते वे वर्त्ता विकास वे हिं क्री डेग्'स'ग्डेग्'स्रुर'त्र नश्रुद्रसम्स्रस्यर्थःग्रीर्थंसर्गे'र्ने विर्यः ग्रुप्त'द्र् नराया राद्रिन भेटा होता है। क्षेत्र होता होता है। विषेत्र होता है। विषेत्र होता होता है। विषेत्र होता होता है। श्चेराव नश्व नश्व राष्ट्र स्वर्ग श्चेराय में राष्ट्र स्वर्ग स्वरंग स्वरंग स्वर्ग स्वरंग स्वरं यदेवे वद्दा प्राया में क्या में व्या में विया में विया में क्या में में क्या में क्य इसराग्रीश्रासर्वी में विराद्याना इसरा देश देश हैं में विषय है सार्थी न दुरि नरःश्चनःमः हे महिमा हुः सहि। न्ययः निरम् सर्केमा मी न्यीयः योर्वरः परः

सर्देव:श्रुस: नु: न्गुर: वि: न्गु: न्यु: न्य: न्यु: न् श्वुरशः प्रदे के में र नर में में श्वेश प्राप्य कर में श्वेश स्रोप्य व्यास्त्र याक्ष्मायरार्ध्यायकेर्पान्दरादेशायक्ष्मीचेर्पान्त्राच्यायक्ष्मायर गर्दायार्श्रेग्रायायात्रे के प्याराया ग्रुदा देदान श्रेया द्यारा से विषया से व्या नु नाशुस्र मः विना जुर न । ५५ से । देर से । देर मा न । विना न । वि नडर्भाने न्यायानर सेंदाबेश मानाया भ्रानहिताया विर्मे कुर्गायरान वर्षायायास्य वृश्कृत्रस्याव्येवायायास्य यावायात्रा वेयात्यायाया ले. ने या विषय अपाय में या यह न या वह या यह है । यह से स्वी या है । वे वहिना हेत निन्द्र स्वाभी अयह निमित्र अर्दे निम्द्र स्वाभासी स्वाभा यो ग्रासुस्र न्द्रा सुव्य नवे स्राहे मह्ने व्यवेद साने न्द्रा न्यीय विक्र सी नार्सेन मालेगासह्य न्रीयायविराने यानहेन नवे यन् सामे नना नसूराने नकुःधःनदुःमःन्दःस्रवुतःमरःश्रूदःश्रे। सुन्नामःने वे सानमःमः वसमः उतः यः व्यवायायः स्ट्यू रः है। ।

यदे के तर्रे अ श्री अ अहय पाय भेत है। वर्षे अ देश में मिर्ट र अ अह य निवा लय. से. प्रशिषा. भी. प्रष्टी. लीषा. प्रि. प्रश्चा क्षेत्र. प्रचा क्षेत्र. प्रश्चा क्षेत्र. प्रि. प्रश्चा क्षेत्र. प्रत्य क्षेत्र. प्रत्य क्षेत्र. प्रत्य क्षेत्र. प्रत्य क्षेत्र. प्रत्य क्षेत्र. निटार्से सूया ही तें ता सूर्त सुर सुर तिहर या धुया सूर्ये त्या निवाया व्रीयायदे:रुयाद्यायार्थ्येत्रयाळे:तया याणरःर्टरःदवनःयःत्रयः मालवर, र्वेव स्पर्माय मर र्वो रश्य वशा मालु र वेव वश्य भी माले र र्शेम्श्रामार्श्वेतारेटाम्ब्रम्शामारेटा है। हैं में श्रीमार्श्वित्रमार्थ्यम् निष्ट्रमार्थ्यम् बुँवारान्ता सहयानसान्तारा हुँसा से नड्वाब्रिसानया ध्रयान् छै।र्रेया नदेः अरु मः विवाद्र स्ट्रायमार्वि समा देन महाविका नुमान स्वादः वेमः र् नुरम्भा भेमह्रव्योभः हु विवायेग्यम् सम्सिव्या हिर्माववः ग्रीशासासर्गे सर्हेन हेन देंगा हुन इग रेगाशान कुना या परामरेंन पर इंट. ५५ वा. न व अ. स. लूट. व. ट्रे. ज. ५५ व. जूट. वा श्रेट अ. स आ वि. श्रें च अ. स. बेर्-धर-बेर्न बेर्नड्व-क्रिन्निरमाधाया रक्त्यार-रुक्षितायर-हेंबा रटान्यायान्यायार्थेन्न्यायेन्रकायेन्यते स्रेटान्। वर्ने वर्नान्यः सेन्याया सहयान्यान्यान्यान्त्रेराविद्यान्यान्या दायास्यापानेरानुर्दित्। हिंदा र्रिं स्वारे भ्रिर क्वा या श्रुर न न विव केंद्र सं प्र दिसे या शा है भ्रिव सं शा र्विट मी म्वट र देश वट मी विषय में मि ही विषय में मि ही स्वर्मा स्वर्भ के दिन हैं।

र्रेयः हुः सुग्रायः यदः र्रें व्येदः यायः श्रुंदः विदः विदः विदः विदः वार्ययः यात्राया हः नवरायार्वेवावयामुवार्वेवायायायरायह्न हो त्रव्यायादे त्यायानु प्या न्ये क नव्या क्षे या विया या या या स्वाया या रेते हिं न या हे मा या विवाय या ये विवाय या ये विवाय या ये विवाय य र्रे प्यट सहित हे रेयें ग्राय द मङ्गे कि सुदे के र स विया च न विया य ने पह यर में नक्षनमा न क्षे की नाम न शुक्त है या प्रमा हेन की नाम न प्रमा वुःर्रेषःकेष्व मुल्यरेग्राय्ययः स्वः तुः हुरः वदेः द्वो क्षेरः द्वे वैः गाः सः न्तृ ह्वं त्र ग्रु न प्पेन प्या ने न प्र प्र न त्वा या या विंद के न न र विंद न या यक्षत्रः व्याप्तः व्याप्ते यान्तः क्षेत्रः स्त्रीया के विदेश्यः दे दिन्य यान्तः स्त्रीतः न्यान्ययान्ते वर्ने न्या के वर्षे प्यान तुन्। हैं के यह वर्षे या शुर्वे नया वर्षे वर्चीयात्रात्मा स्राम्या स्राम्यद्भेयास्यात्म् स्राम्यस्यात्म् स्राम्यस्या मीशःग्रद्रास्त्रीश्वास्त्रीत्रः सर्वेदः विवायः महिमाद्रोः कः द्दः वहस्रासः ग्वरव्यः र्रेवः व्या विष्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः विष्यः विष्यः विषयः वर्गाममा वर्ने वं के प्यूर के मार्च मार्ग वहार वि वे स्कूर प्यय वहार पि'नेर'केत्'ग्री'तर्र्पार्वेर'नदे'ग्रन्थ'र्पा श्रीर'र्से इस्थान्यु'नदे'कर' र्धित्राचित्र वेरानमा भ्रेष्ठिम भ्रम्भू रार्चित्र नमा वस्तर निर्मेर कुर नीमार भेर के.य.लुया ब्रिट.ग्रीश.सिया.स.चर्चिया.स.चर्च.य.ग्रीश.मुरा.चर्चय.च्रिया. ग्रम्सिन्। नेम्रकुरःकैंशयानुस्याप्यन्यश्रकेंशयानुस्यस्पे गुर्भा

मदे के। वर्षे अ मुक्ति के वा श्वरे रे रे व्या व तृत्या या वि व रे। विस्र य वःवर्चे अः न्वो वस्रे वः र्के अः अविवः रेवाः थेन् । वेन् ने रे सेवः वसः वेर-नःया देः धेद्र-पश्चिद्र-मश्चर्या मिं-इः यथः हेः मिं-रद्र-मीः देवा गीः स्व धूरवया ने यावविषय सुवार्यया हत वर्षे हेवा वी शुर दर एसवा यानुराद्यास्य ५.३.द्यास्यानुस्रायायान्त्रेत्यास्यान्या र्धेव नित्र मा हो न निया र से निर्मा या नित्र मा से में निर्मा या हो न मन्यासहर्भन्तियाया राष्ट्रानेते वेदार्भन्ति रास्टर देश शुमिक्के हा विगासहयानु पर्वो नायी नाया ही या हे नाय वेषा प्रवेषा नाया सकें नाय या ही विद्या राष्ट्रीटार् पर्वेदारासहर्पायराष्ट्रावयाचीयाववेया देवयावयद समिव भीव रमश्चिमा क्रीय र जिंदी गान न्यू गुर्ग निमः सुमा निम्पास्य वयार्वि र्वे प्रायव प्रक्रे प्रायम्य प्रवेषि ने प्रव्यास्य सुर्वे व्यव्य स्थान वर्देदेर्ब्स्युःधेयोग्विद्द्वया हिन्शीयाधेरकेव्द्वयाशीय्द्वया सहरे.रे.चश्च.य.ज.दूर.रेग्र्स.विम.तमा पूर.ग्रेम.ग्रेर.पम.संरमा रे. व्याभे में त्यान कुन्यर मुत्यायाया मेग्यायाया । प्रासं राभे में अप मःविवानीश्वाय्यस्त्रभुत्रम् व्यस्तिविवान्तः विवान्तिः विवानि । यद्याप्याप्याप्तर्मे चेराव्या द्वाराय्या स्ट्रिया स्ट्रिय

वर्चे अ मी विषय कथा दे दिये दिया र दिया के अ मानविष्य सर में दिया हिंद लट.क्रूशःश्चिट्यचट.सूर्यंत्रया.योशेटा लट.जंशःशः श्रेट्राया.यं.यं.य गठिगार्सेट नदे हे साया र्रें दारायाया प्राप्त मी सार्वा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत येनर्भाग्नराह्रे नर्द्धत् स्रमाहिंद्राग्ची खु सारी गाने विवा वासुसाई दरानवि द दिर नशर्ने दे नानश मुश्य नश्चर नश्च हैं में शर्न नर नश्चर नदे नुश्चर विगान्तुः स्थायमें रान्युवया विगाम्युयः ईं न्दानविता हैं ने निर्मेदः यार्षियाः श्चेतः यद्याः वियाः यो अः दें त्यः याद्वः इत्यः याद्वा ययः यः श्चेतः याचेयायः मीशासहत्या नेरासूरावर्षेशाग्री सी प्राप्त प्राप्त विवादिर मुससाया विवा नम्प्यासम्पर्सिक्तिन्त्रीति स्वाम्यस्ति । वित्रम्यस्ति । वित्रम्यस्ति । वित्रम्यस्ति । वित्रम्यस्ति । वित्रम्य ग्रीःसरःनत्वःत्रशःर्सेरःयःसरःसेःस्या हें र्वेशःन्नरःनश्चरःयरायेग्राशः यर'ग्वर। न्नु'श्र्भ'श्रेष'हे सोर'र्से' पर बुर्भ केंग्। यर नुर। ने वर्भ। विनानाशुस्रात्र हैं में न्यें त्राणें ना यस नु विनास हे ही में निर्मु विश्वास चुदे से त्या ने स्पत्र विवास निया में हिंदा या पर्चे न प्रति प्रति विवास स् यसत्यायायायायायादिव रासा गुमा वर्षे साग्री साम्या गुमा माना वर्षे सा सर.म्.चबियाश.सपु.यक्ताश.स.याहूर.सशा हू.सुपु.बक.यशा क्रूरश.

यरः श्रुरियः म्यरम् स्राप्तर्भे देशः स्राप्तरं स्रापते स्राप्तरं स्रापते स्रापते स्रापते स्राप्तरं स्राप्तरं स्रापते स्रापते स्राप्तरं स्रापते यर में प्लूर अक्ष नाश्रर वया रवया है गया शु हा ना यर में यह रा हेर श्चिम्यामा भुर्या मुर्या सुरवर्षेत्र प्रमालुयाम्य विर्मे प्रमाल स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्थ यदेः नेवाः भ्रेतः नहरम। देरः त्वाः क्षः हैं : नेव्याः भ्राः वर्धेत्रः यरः निवेद्रास्त्रीयात्रमा हेर्सिदेन्त्रान्त्रवरायात्रह्रमात्रमा दान्त्रमानह्रत्राद्द न्याक्षेत्राची कर प्यत्यम् न्यान्युत्यान्य त्र्ये से सेन्यम के या ग्रह्म यार-र्-पानेवार-र्वोर्ग्य-तुर्ग्यम्। हैं-र्वेदे-त्वयन्य। वें-हूं-वा श्रुव-धर-यानुसारात्याक्षुदानासेदाराधीन्यासुदान्सान्त्र्यासासुदा वर्त्रेसामीः भ्रेतः र्नेवाने विरान्नर धुवा सर्वे व की सागा नाया श्वन गान साग्र में न्या के रा नश्री स्त्रा श्री विदः के द्रियं स्त्री माना मुस्रा स्वर्धा स्त्री संत्र स्त्रा स्वर्धा स्त्री संत्र स्वर्धा स यान्व वहेव नु वहें व यर नह समा पि के वि हि हैं व वि र र र वी से र पे वो वःशेष्ट्रम्पारम्भास्य न्त्रोभावस्य क्रिंवायारस्य सहयाना विमान्ताः सूत्रावस्य व्याप्तरा वाववान्त्रस्य अध्याप्तर्वस्य स्वाप्तर्वित पुर्से प्रेरप्त विस्पत्त्रस्य स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स केत्रम्यराद्ययावरायायेवरायवे के। श्रुःरेटातुः स्रूरावुः वाचेदरायया

हें तें न्यें व नार्षे वा ग्राम्य प्रमा व ने स्थें न स्था व ने स्थ न्नु (बु रेबे : नेर्म न्म) व नववर ने म न्म नक्ष भार्य है है म सम में कुर स वयान्वीन्ययाने। हेर्निदेख्याव्या ख्रामाश्चीमाश्चीसाधिवासरामेर्गुरा गश्रद्भात्र्यात्र्यया देव्याचेत्रभ्रवः इययाचीयः व्ययः इदः दः हे यः वयःक्षेत्रयःययः नत्य। नेरः ५८:५५:५५:५वः ववा युयः श्रुरः र्रोदः यः ११ सृताः हुनुसन्सानुद्रात्या हैं तें प्यदान्ती सन्सा द्रमे त्र्रात्या श्री स्मा यहंता ने न्या में न स्र्व स्यय श्री र वेगा न्या है में न में न पर्ण मारेया श्रीश्वादश्चित्रप्रम् श्वाद्या क्षित्रप्रम् विषय् । विषय् । विषय् । विषय् । विषय् । विषयः । वि ग्रीयायायायम्य वर्ष्याययायायेया ने न्या ग्रह्मा विष्य हा विष्य ग्री नर्रों व्यक्षा भे रें अर्धे व्यक्ष्य के अन्यस्त्र दें रें विश्वेव व्यक्ष व्यक्ष नेराग्वर्यास्त्रात्वेगाग्यराद्युरा नेवर्याग्वरामी व्ययस्ययास्यानगुरास्त्रे के निष्याया स्मिन्त्र स्मि इस्र भी स्व स्रेत्र नगुर प्य दिया चित्र है स्व दिया से वार रादे र्श्वेन अ वित्रायर उत्राय विवा ग्राट विदा

देख्यः र्रेट्रायः र्श्वेद्वः ते द्व्याः विवाद्यः व्यायो व्यवः वेद्यः व्यायो व्यवः विवाद्यः व्यायो व्यवः विवाद्यः विवादः विवादः

वर्त्तेव से या सामा वर्षा वर्षा सम्मा वर्षा समा वर्षा मक्तिन्वर्भेष्रयाम्यक्तिम्बर्ध्यायक्ष्याम्बर्मा वर्ष्व्यामनेविन्त्राष्ट्रिया धुगागि अर्देट वियाग्री मुसाबर सहंद यात्र ग्री श्री सायदी याहे विया मीट से धिव'गश्रुद्राचेर'न'वर्ग दे'वश्राम्व नुद्राच्या नुराम्व नुद्राच्या नुराम्ब निष्ठ । ग्री-दे-व्यास्त्रमा सहं नामा नित्त्रमा समी नित्ते हे व्येत् प्राची सम्बा स्यान्या स्वाप्ति । त्या विद्यालया स्वाप्ति स्वाप्ति । स्वाप्ति स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्व याक्षेत्रेत्रुप्तर्त्रुः स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे द्रा होत् हो । यह वा वा स्वर्धे । यह वा स्वर्ध वकेट रुर नग या वर्गे नवे नु से बिग नी श सर्गे कुर वसश उर हैं में या स्यानम् यास्रमावन्यम्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या यानर-५-५-अदि के ५-५-गुव-२वा वी ५ ग्रीय विराहें राज्य हुन स्था है मेंद्रे वियान्या नदे नु से दिले स्या सुस सु मासुस नु से मेंद्र वरमेनसर्सर्भरम् सुराधुराधुराया सम्दर्भित्रे राम्या न्यम् जुद्र वेर द्रश्यो प्रथम उद्दर्श्य द्रियः तु से नयः तु स द्र्यम् प्रयो श्चे या विनया हैना हो दाया स्ट्राय स्ट्री श्चेर रे रे श्वे वा इत्या है से हिर यास्यायाञ्च्यायदेवाक्षेत्रे त्याक्षेत्रम् मुन्द्रम् स्वर्षायाच्याया

धेव नेम नेम से समा उव या यव परि के न न मार्ड में या मार्थ भी गा ग्राम्यह्रम् ने निष्मुः हे स्यायास्य म्यास्री म्यास्री स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य कुर विवा वी अ विव अ रिवा येवा अ सर ग्रुआ के अ विव र वार द र विद मुश्रुद्राचाया देरमाचीदेरश्चात्रमाम्बद्धात्रमाम्बद्धात्रमा श्चित्राद्या ग्री'गु'य'र्जेंद'हे र्कें अ'य्वेंद्र'नश्रय'पश्राधेनश क्षु'नईद'र्दे हैं दूर्द्रश विनर्भार्तेमायम्यम्य स्ट्रा र्वेन्स्वित्री के नासर में वर वर्षा हि क्रूॅंत्रची अर्हे 'र्ने 'व्य पुव्य नवार नवे नक्ष्य अर्थ नहें द्र प्र अर्वेद रहत है ' त्र्रीत्राध्यान्त्रीयान्त्रेयात्राच्या व्यायाः हिपाया। प्राया स्वायाः हिपाया। प्राया धरः त्रुप्तः याद्येया यत्याया देरः दर्ते या ग्रीयः ग्रीयः श्रीया वियः विनयः हैंगा नवर नाम द्याप स्था वृह नया द्येंद क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र के ये है। शहर र्सेदे नुष्य (बुवार्य हे वार्ड स्पेदे शुर्य कर्ड य नुष्ये न्या स्र ह्रें द में य ग्रम् हे या खेता पुरा के वा अप के वा विकास नर्ह्मेग्रासर्द्रनु वृष्ट्वेर प्यर्थ त्रात्रेत्र क्रिन्य हेत् नु प्रवर्ष ने देश न्मॅब्रावार्षेवा:इस्रा क्रीशःदेव:क्षुःविनःवी:रु.म.त्नुवार्या नेरःगद्भगायमामारमोर्देशायासुरदर्वमान्त्रेशायानेरासरमोर्गरर् लट.भु.म्यम.पीम.सम्मम् सम्मन्ति । दे.यम.सम्मानम् वसन्येन्त्राम् भ्रीत्त्र्ववामा नेम् व्यापित्राम् भ्राम्ये

८८ क्रिया प्रमुख्या माने वा श्री शास है ए प्रदेश मे या प्रमुख्या ग्री प्रमो या प्रमुख्या ग्री प्रमो या प्रमा विकास में विकास म र्शेग्रायाय्युर्यस्थित्याय्या नेर्म्युःग्राय्यीः द्रेग्यायदर यविष्यश्यम् कुःष्यरद्धेन्यदेन्द्रेः स्टार्ने विष्यः स्वा क्रिंद्रेन्त् नक्ष्र्वारा वृहानाय ना कुराना मुन्ता ना ना विष्टि । यह ना क्ष्र्या क्रॅंशर्विरायः नेत्र पुर्योशययाध्य प्यर सेरायर पत्यायाया हें से पक्ष समार्थे ने राम विवानी मानी सानी साम प्राप्त रहा सुरा साम से प्रसूत सा मभा ने हें में अप्यायम ने यावम नु पर्चे म पर्चे स छी अ नरः र्ह्मेन्याधी मो निहरान्य। नरः र्ह्मेन् मी शहारा है साम मु उद्यामी नर्हा नशनश्राध्याध्याः शुः श्लेन स्रो न्येव नार्धिन इस्रशः मेनि न नारायाः भेनाश श्रेदे कु विनय शु त्तु न से द न त्या है वर है वर है वर है के या है या है वर है मः अदः र्से वदः वर्ष। वुदः तुः तृर्वे व नः वः व्यव्यव्यवि द्वार वर्षे द्वार वि द्वार वर्षे व नद्वाया क्षेत्र वर र कें या कि सार में तर्य या ता या सिंद र सर हैं वा या परि कुत्रळं र मिठेगा माशुर्या राम्यूया यो माति मात्र या या वर म्या ये क्रम्भ भेम्रम् संस्था विष्या विष्य क्रॅ्रेन्'प्रशः वेन्'वेर्याच्याप्याप्य प्रमः विन्।प्रयाध्यायायाया है'विः

श्रूट न मुश्रूट श्रामाय १९व श्री प्रमे न ने श्राम हु प्रमे वि । इसाय श्राम हुट हे प् वर्चे अप्यास्त्रे अप्तु वाश्व अप्ती विद्योगात् अश्व मात्र अश्व व्यास्त्र विद्य विद्या यवरा ने वया हैया येवाया प्रदेश वेया र वा श्रीया श्रीय र श्रीय र श्रीय र श्रीय र श्रीय रशम्बेग्राम्भः मेश्यः सेर्प्तम् म्यार्भः विवा तुः तुरुष्त्र स्याम् सुः न्दावार्द्धवाः वया। विद्वारा स्वर्धः वर्षः विद्वारा स्वर्धः विद्वारा स्वर्धः विद्वारा स्वर्धः विद्वारा विद्वारा रादे कें मुंभ कें मार्च प्राप्त कें। भू भावे हैं व सा ने मार्च स्वापत वर्षे अविवानी अखुर नश्रूव वर्षावार् र वी वासे न वर्षा सुरा हेव वाहेवा वी । मिन्दानायमा सुदानमा द्विनामा स्विनामा स धुःर्रे दे वियास्य विष्ट दे दे स्था दे से हे वा वी शार्थे प्रवा विषय विषय वशा हैंगानो प्रवर्गन वश्चरा देवे अव रगा हुन्तु अवे अव रगा के कुर यिष्ठेश्रासद्ध स्रूरायरास्रे वरातु प्रवाश यव देवा वी के हैं वेंश्रा ही श्रामा क्ष्र-सह न्वर्ग वर मी पावर इसर ही राख्र र र रेश नगर नश रे वर्चे अर्द्धे त्र प्रश्चे वा या प्रम् स्वाया अति र्द्धे त्र प्राया अत्तर्पा साम्री या या ᢖ᠄ᡮᢅҀॱॻॖऀॱढ़ॆढ़ॱख़ॺॱॸऄॕॱॸक़ॖॖ<u>ॸ</u>ॱॻॖऀॱॸॸॱॻॖऀॱॻऻॿढ़ॱॻॖऀॱऄॺॺॱॎ॓॓ॺॱय़ढ़॓ॱ सर्दिन सर् ने राम भी रा है स्मर्गावन देव सर्दिन सर्व भी राम स्मर्थ स् न्या. पे. येट. यद्र. सेया. इस्या क्या. वि. सक्या. या. स्या. इस्रशःग्रीशःकुःग्रारः रुः व्यायाद्वायायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्यायाय्या

ने या ग्राबुद मी प्रभूद पार्च में दिन्दु के अपने दे उस यस साम हैं के दिन ग्निस्सरायान्त्रायां दे सरान्यां से सिंद्रायं मुनायां सरात् सुरा दे द्राया धेर'यर'वेग्रथ'त्र्य'ह्या'ग्रुट'क्र्य'यगुट'यात्र्य'ग्रेय'व्यय'र्हेग्'यह्य र्विट ग्रीश लुश दश हेगा प के द में कु द ह्या अदे प्रमेण प हैं न द में द हैं न श येन् ग्रीश्रासहन् पाने विष्या है श्रामीश्राम है स्वत्वा श्रापित स्व नु वर्चे अ मी अ य र्क्ष क्ष मुस्र अ व या मो से स्ट्रीं द न व में में मुन्य स्ट्रीं क्रेन्ने धिन र्चित तथा धेन प्रमान वर्चे अ ची व्यवाय के केन माना था पर प्रमान aft|

ने न्याना न्यान्य स्थानिय स्थ्या मीया श्रुव रहर्य है। वसव स्थ्या स्थय स्थ्य राश्चिरःतुरःकेंशःसरःमें गशुरमा हेत् विगः हैं में केंशियःत्रशःशूरः नमा हैं निवे वया नमा वदे न से साधे न के न में विना वर्ग हिंद शे भादे ८.ज.भुष्ट्रीय.त्राश्चर.य.दर्। भ्रा.भाषाय.जा २.भ्रिट.लुय.कुया.याश्चर.यं हासबीवान्वानावि क्रीं मार्ची क्षुनामासहिताने निष्ट्रमान क्षे विदा क्षे या धेराना यवापाइसमावे हैं में मार्के मास्त्रान्य प्रत्यान्य धेवा श्वरःश्वे वरः रुषे नशा श्वेते श्वेत्र श्वित्र श्वित्र श्वरः व्या वर्षः वर्षः श्वेत्र श्वे गल्र के न दे में में गण्र न हु म से में न क्र र दे दे पर्चे स ग्री स ग्राम नश्चर्तार्दिर वुरुष्त्र वर्षा वर्ष्ठेसर सुर हुन् र्रे न्यार्रे न्यार्रे न्यार्रे न्यार्

श्चरःश्वेष्टरन् र्वेता र्वेतः हेर्नेष्टर्मान्यम् प्रदान्त्र नत्यम् राधिः हेर्नेते वयात्रमा तूर्रेरपिर्देश्चित्रमापळे ह्रुं त्राष्ट्रागार हुर ने या प्रमाय प्रमाय वसग्राभः भूरित्वेगाः १वर्षे सस्याना धिवः हे ग्रास्ट्रान्य व्यात्रः भूति व्यात्रः स्वा यक्षत्र श्रे अप्ते। नया सेंद्रियात्र अप्ते व्यापा ह्रे प्राप्ते श्रे प्राप्त ह्या विष्टा श्रे प्राप्त विष्टा वि हिन्गी अप्याय सेव में प्राचेर निया हुं व स्तु गार्य प्राचिर सेव सेव वित्रेतं दूं नाय क्षे वटा नु नु निया विष्ये हैं निवे क्षु क्षेत्र या निव्या मर्भाने विषय अभित् महि कि कि कि स्थानि स्थान ममा देवे शुर्द्र श्रीमासुमा ग्राम देन प्रमा श्रीमा भाषा है कि है द श्रीमा नाम यावरःवया वेयाःयः केवः से र्यो विदेश्य ने या यो वेदः र सहयः र यादः ययः र्थे दूं न रूर न तुर् हेन विं में अपर रेर में भे केंद्र न र न न व देन हैं न जुर्दे गशुर। नेदे के नगर्के शर्मि में भी नदे के नगर थ्वा नुवा नुवा नुवा नुवा नि भ्रे नित्रम्भान्यम् । वित्रम्भान्यम् । वित्रम्भान्यम्यम् । वित्रम्भान्यम् । वित्रम्भान्यम्य नेवे रना तुराव्या विष्टे में में पर्वे विष्ट्रा मान विष्टा विष्ट्रा मान विष्टा विष्टा विष्टा विष्टा विष्टे विष्टे विष्टे विष्ट्रा विष्टे विष्ट ग्रीयाग्रद्धात्र्या वे क्रियाद्दे याद्या द्वार्याद्याद्याद्या स्वया ग्रीया <u>ই</u>ॱব্যস্তান্থ্য ব্যান্ত ব্যান ব্যান্ত ব্যান वयान्यया ने त्यान्य नियान्य निया स्टार्मिया ने नियान ने स्थित नियान स्थान वर्ने विं कूं नवे देव धेवा देन मन्यो नगाय गान्य समाय देन इससा ग्राम

निनः निन्ने निन्न मुद्दान्य मार्ग्यम् देश देश में निन्न में निम्न मार्ग मिन्न मार्ग मार्ग मिन्न मार्ग मार्ग मिन्न नन्गामहेरावर्षेयाक्षेत्राम्बासम् इन् इन्यायाम् निर्मान्या ८८। ट्रे.२.ज.श्रूचाश्रायद्वायम्बर्धाः व्यव्यक्ष्यः दक्ष्यः दक्ष्यः दक्ष्यः दक्ष्यः दक्ष्यः दक्ष्यः दक्ष्यः दक्ष यवरा वर्षेत्रावे स्वारा श्रुद्धा विवासर श्रुद्धा प्रदेश श्रुद्धा स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं स् देव'यशसेन्'म'वेग'तुर'व'न्वेन्स'म'गर्डे के'नश वनसें क्सराये'स ग्रवःमः भूतः तुः सहित्।

वर्ते त्याहे न दुवाकी त्यका ग्रामान्व वाका के त्या विष्ठ होता विष्ठ होता विष्ठ बद्रपर्मित्र हें में पर्मेस्य हिंद्रमेश मान्य मानि हिंद्र हे निया पर्मे याया द्वे नश्रुव रा इस्र हिंद् ल गहेंद्र राम गा हु र ग्वा मु त्रालुरायमा है निवे लयात्रा नक्षनमा निवन्ति नी नुना इसमाहे स न'निव्देन्, श्रीया ट'रट्सीय'भ्रिम्भ्रीय'भ्रिम्भः सेयय'भ्रिय'भ्रिम् गश्राम्या निरामें हिते तें भूत त्रुप्ते प्रेते के साहे नु तारें में हित यदेः भी में न्न्निर्मा मारे मारे मारा भी स्रूपा सूर न्या स्यास स्यास ग्री में म्द्रार्श्वर्शेते द्वा वर्श्वम् र्श्वम्य प्यान्त्रम्य विष्या विष्य

र्थे हुने पक्षमा से दर्श वें दूर नवद हैं में बिर नम मिना स्वरे कें विंद मह वनार्क्षः भ्रे नार्श्वः भ्रे ने न वनार्क्ष्यः वे। भ्रेया ग्रम् इत्यं स्थाना नयः र्रे 'तृहे 'इ' ५ वग'र्रे '५ य'केंग'र्रे 'हे 'य'र्येग्य'राय'य मेहेव 'वय'यगुर'यर' यर-रु-सहर-र्ने हि-र्निवे मुद-सेर-साधिद-रावे स्निनःसाध्ये प्रहे प्रहे प्रहे प्रहे प्रहे प्रहे प्रहे प्रहे प्रहे र्रे भे में न इक्षुण्याराया में प्राया के प्राया है ता वर्ष वा कि वा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष वा वर्ष वा व यात्री मङ्गेत्रामित्रेत्रित्ति । वित्रिः भ्रेत्रामान्या भ्रामद्वामान्या स्वामद्वामान्या मिंदिय्ये क्रिक्टियं के के प्रवास कर में यी की क्षेत्र के वी विवास के किया र्यातविरागवया क्रें.यया.ता.कया.वि.अक्र्या यद्वेय.ता.रेगी.क्रेंटा क्रि.यक्र्या हे कुषा सळवा गर्द हैं वया इ हैं व के कुट गहिया सेट दर्शिया गहिया गर्डट श्चून व्यान्दिया स्वीता वर्गे या यकेन्याशुया नान्याग्रेहिन्याना नरार्द्भेता हैना शुयाया सुन्या शुर भी अया ने शर्म र शे अशर्म प्राय दर्ग दर्ग हैं में ज्ञा वर्ग शर् हैं प्रायं द्वी 

नश्रमान्त्रा ब्रान्ड्र्वायम्याना श्रेम्यान्त्रामा ब्राम्या येन्या शुक्षायाय शुक्रेवा सिः क्रेवा हैं या येवाका प्रदेश के का स्वा वर्षे या क्रेवा मःकुषःनवेष्ववृद्यावया क्षायव्या क्षायव्या मान्यायळव निर्देश ग्रुट कुन नेव केवा नर्गेव पान पहेट न्न प्रमुमा कुया सक्वा क्यायर्रेरामानेसारमाई हो द्यान्य क्रिया ग्रम्याये क्रिया है। पिरायाना मुंदि सके दानित्या स्थाया से वाया महासा में । हैं से दे वाद्रा नतु नमा हेत निर्मेर नमें या है ता दें ता ग्राम है। बरा नु पा से राग्नी करा मननम् नुष्यम् अभ्याद्वार्थे अभ्रह्नेत्रम् देवा वर्षे अभ्रह्मेत्रम् अप्ताद्वार स्रुसः तुः सुवासः वियः तुः यावसः याः याः वाः भूगः त्वाः तुः सुवाः तेः सः ववाः तुः हिंवः वया गर्रः इस्रमः मुः हैया तः स्यामः मुस्रमः वळसः पः नशे। हेव र् इस्र राष्ट्र स्वाप्त स ग्गःनर्भःन्दःन्र्रेशःसद्दःत्वुषःनःह्रस्रशःन्ध्र्यःत्रशःख्नाःनीःवेःषःवन्दः केत्रस्य सद्य इत्यायाप्त्रियायास्य प्रित्य रहेर्स्य म्यायास्य स्था क्षे वर र जाई वा व्यवा विर विवा ग्राट व हे वा शा है के न विवाश र अ वहीं व हें र्चेश क्रेंट्र न इस्र राय हें रेवि सर् इ वेस् राइ दे रेवि क्रिन् में दर्श केंग्र याचेरानाधेता वर्षेत्राचीराहेर्नेरार्श्वेरानवेर्क्वेत्राराम्यराष्ट्रवाराष्ट्रीरा

स्वास्त्र स्वास

म्नेट्र में ने न्या मिन्य स्त्र माने क्रिट्र म्या में निर्म्य माने में मिन्य माने मिन्य में मिन्य माने में मिन्य माने में मिन्य माने में मिन्य माने मिन्य मिन्

क्र-न-न्ना रें हें न-न्ना श्रुव-श्र-नः इस्र राज्य श्रुप्त के निस्ताना ना श्रुस-न् म्यायात्रात्रे। वर्षेत्राम्येत्रास्त्रेत्रायात्त्रस्यायदियाःहेतायात्वेत्रायात्रेत्राप्तः वर्ष्याः व्याकें या विंदा यो या या विंदा विंद नवुनारानुना दुःर्वसायरासे दादी नगाराना द्रस्य साम्स्यरा दे त्यासदारीः गर्डें गुर्न गर्डें ने म् रें र्हें न या ग्रम्स मानस्त्र मार्ड साग्री साम्रामा स्व क्ष्रनानिवर्त्रा श्रुवरश्रायावे केंश्राणी सुराये स्वानिव स्वानिक्ष निवःष्यः सन्तर्भः गुत्रः श्रीः भूतः धेत्र। हितः सन्भूतः संतर्भेतः संतर्भेता स धरःवर्श्वेष्ठ्रथावाश्वरः। द्वेःमेविः तुःचरेरः चुरःववेः तुःशः शुःविचेवाः सुरः र्वेग'गशुर'वश हैं रेवे श्रेगश ग्री'ग्रम्थश'स'सर'में प्यर'विर'य'ग्रवर' नशःश्रुवःश्रःनरः सळवः व्रामा सुः छुटः नः यः वे वसमा सः प्रवे निवा निवा ययान इसयापित केया सरानु निष्ठा क्षेत्र निर्मेष ने मुस्य सिष्ठ निष्य नगायःगान्ससारा गुःनदे सेट में गायः है। कुषा नदे नगायः सास्यारा वनामिक्रमामी त्यसारु तिहिरार्नो सामरामिन् दिरामिश्वर सामा दे भूर नुःर्वेग्रायाधेवा नेवायने वे कें राहे यही हिमान्या ग्रमा कुषानदे नगय यश्चनःमदेःगन्ससःम्माः सेन्देशः अन्तर्मः प्राचनः विद्याः नुदेः भ्रुः सकेन् वाशुस्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्वास्यः स्व नुःश्चेट्ट्रंस्ट्र्न्यःन्तुग्रान्त्वग्रान्ते। हेट्र्ग्येःन्ट्र्स्ट्र्न्यःन्त्र्न्यःन्त्र्न्यः

यर्चेश्वाने ते स्वाक्षात्र के न्या के का मानि विकास के निया क

क्केंद्रित्यद्रात्वरायम् इसमाग्रद्रास्ट्रित् हेट्। द्रार्धेराष्ट्रवार्केरासहयादमा हें र्वेदे के शक्त अराधे वारा प्रमाणया विषय हैं वा वी के वह क्षेत्र पार्थि व यान्रिं नें रास्त्रम्भाक्षाय्रीरामरानन्न्या हैं नेंदीनिनिन्यियनेत यामिश्रायायर्चे अर्भेत्यायशायारा विराधिता स्वाप्त से निराधिता स्वाप्त सामा र्यः हरे नर वें नडु नवे गान्व शस्त्र नु नुर्द्धेर गो विस्र स्त्र न्यः र्रेग्य वर्त्रे अः र्रेष्ट्र ची अः अह् ५ :पवे :भ्रूषा : अ इस अः नश्चुष्ठ :पवे : धी रः वन ५ :पा अहं ५ : माया दरार्धेराद्रगायाओ हुराधराष्ट्रीयासुपर्येदाक्क्याहे प्रावेदाया स्थया गुन। ने पर ने र से प्रायायहित्यात्याय स्वाप्ता के से स्वाप्ता के स गश्यानविगया परिवेश्चित्रायाके नार्षेत्रस्य मार्मेदाकेदार्षेत्रम् भ्रे के तर्भे द्यो प्रतेश स्ट्राय स्था स्था द्यो द्रि हे राष द्यों तर्भ प्र वहेर्न्न सुमा कुषा अळव की शम्बन्य शस्ति हो। शसे हिने छिन यर्तियाश्रास्तिःवीं व्यापाद्वाश्रास्त्रा न्वीवारायाने प्यापाद्वार्तः सुरुष्ये वर्षे सळ्य.र्यट.सैंग.भिंग.सळ्य.बुंश.यी विसंश.यंश.यूर्य.क्र्य.क्रू. र्नेदे:शुक्रस्य श्रेम हें में या द्राया महास्या क्राया स्था श्री या ही माद्र या या याक्तियात्रास्त्रात्वेत्रात्रमा हिन्दित्रव्यव्यव्यक्तिम् नेप्त्रम्भेना नेप्त्रम्भेत्रा क्षेत्रःगश्चरमःमम। देवमःगत्तुरःक्षेःहें र्वेदेःसकेंद्रःगवमःसहि। येगमः

यर नर्से स्र राय राये वाय स्र स्र में मुद्र नवद हैं में है द ग्री साम स्र स्र मदे क्रूंनश ग्रीश अर्देन पर लेश मा क्रुं के दारें अरत क्रुं मा बुर क्रें न क्रुं लर.सु.त्यीक.यर.चेया.यशिष.११ष.यर्थेयायाया श्रूंय.स.स्यग्र.र.सु. मूर्याच्चर श्रुयायाया मियाचीया नित्याते वित्यात्रीया नित्या वित्यात्रीया नित्यात्रीया नित्यात्रीया नित्यात्रीया नशः क्रुरः ग्राबुरः नः धेवः ग्राबुरः। अर्देवः धरः वेवः धः धः धरः वहः चरः वेवः धरः व सर्याववः यात्रयः सर्याश्रम् विम्दे से से त्रुया यात्रहम् स्र स्र र्वे हि दुन इ उत्रायानिन्या दे या है न सम्मान से ह ब्रम्या ब्रम्यास्य महत्रस्रस्या वर्षे मेरिस्प्रम्यस्रे मेरिस् ग्री:तु:नविर:ग्राम्या वि:रमाः श्रीय:कुरःमीयःग्रारः विरःयः हैं सिदेःमान्ययःयः क्रम्भातुम्। ध्रिमान्यम्भामक्रम्भात्याद्वीत्तानाक्षेत्रामार्थेत्रामार्थेत्राम् वनम् र्झ्यायाम्बन्धवाद्वाया षायेयासून्त्वा द्वायाम् निर्वादिन्त् मशन् श्रेट्यायाळे शाग्री सुनो प्पेट्र ने स् से सिन्स से हिं तथा से यह्र नाया विवाश या विवाश प्रम्यास्त्रीं मास्त्राचे सामित्राची मासित्रे माने मासित्र माने सामित्र माने सामित्र माने सामित्र माने सामित्र बर-त्रंबेबा न्रंब्र्यं न्रंब्रंच्ये क्यें न्यायेत्रं के प्येव्यव्यायात्रे व्योवा न्यायेत्रं

द्या पदे ख्रापट वीं वा सें र ले सेंदे चुदे घट दु तर्वे वा सुट दु स न बुवा स स नर्वित्रयम् नेवाया देवे हे याया वात्र या त्राया त्र ने स्वाया नेवाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया उर्-भुः कें अया वेत्रपर-वेंद्रअप या रु-भ्रेट-वी वाद्रत अर-दर्वे के वेद्राप वुरा देंद्र वहें नशर्मु क्षेर वी माद्र शरम् बुरा देर हैं अ वेंद्र सर अपिद र्रे गुर्रेष्ठ नर्भेषा रेटर्रे अपविष्य राय र में ट्रेंट प्रावस नहत श्री या स व्रेत्रः ज्ञनशा्ठतः सदः श्रुदशः कुदः देः नः गठिषाः दृदः श्रुवः सदेः भेदः श्रुः गठिषा ङ्गा १९८७ शे वर भु छुर रे न माठे मा श्वे मा श्वे माश्व अपाव र न भा वरी दे स्था स्टर यशके। श्रेशः श्रूरः चतुवाशः सह ५ वसः समितः सें विशः क्रेरः चः नक्रेशा देः यर रेरम विवा वत्वाम वसा हुर र पत्वाम है। यर्थ न यह दिन प नर्भेषा अपम्यानि च नाम्यानि च नाम्यानि च निम्न सामिन स ग्नेग्रा ने हे अ अपिव में प्रह्यान् ग्रम्थ ग्रान्व अ में अर नु अहं न र्ने। १ने पा से समिय कु सर्कें न इससायन्य सर्वे निकु न्दा स्व उर्वे र नर्निः निः से से सिंदिः निर्मा से सिंदी सुन्नि सिंदी सिंदी सुन्नि से सिंदी सुन्नि सिंदी सिंदी सुन्नि सिंदी सिंदी सुन्नि सिंदी सिंद कर्र्रिंग्वे निक्नुर्दर्त्यु निक्कुर्द्रर्यु निक्षा अद्यः देशः शुः सेनशः दशः र्यानिनम् न्दर्श्याद्वास्याद्वास्य विस्तिन्द्वान्त्रम्

मी:भूगशःश्री।

# สังกังลงรรรรัสงสิงสุลสง

सुःकुरः नःगर्वे नः तुः कुषः अळं नः भःग तुगः ररः वः गर्रारः न या क्रिंग्रामायाम्भुर्यापराद्र्गीत्यकेषायकेष्ट्रामित्यकेष्यायाः वितातुः वर्हेतः विदा वदः रु: श्रुवायः द्यायः यावया क्रियः वद्रोयः वु: यः इस्रयः यः द्रोवः यः नवि कुरुष्य म्या शुर्व विर्वे श्वया श्रास्य । यह व रह इन्यान्यस्य दिन्यम्भेग्या देवे ह्यूनस्यम्यम्यस्य स्याप्यस्य हैंग्रअः ध्रुवः द्यादः वियाः र्रेवा र्रे रेतः रेवः केवः याश्रवः श्रीशः दर्शेशः यानेयाशः दशस्टार्थे थृ न दु न वे श ग्री न र र र वु ग श द य द वे ग सह र थू न दु । इ.म.१म.थ.मावय.रूप.सहर.री चर्वमाश्राश्चाययात्रामाश्चरा हैं. यग्रान्वीव रान्ता अवर विवान्ता स्वाख्राखर वार्यायाव रायाने रा वर्षा गवन ग्रीमर्वेरमा ग्रेनमा ग्रीमा वग्रानु व्यान्य स्थान्य विश्व विष्य विश्व यहंदी क्र्याचे त्या ग्री क्रिंच या गर्ड में प्रत्या ग्राविय यह के प्रति मिय 

वह्या श्रुभःरनभःदरःकेदःदुःनईदःभवेःक्वंसभःयःवदःहदःदुःगश्रुरः मभा नगदमान्स्रभाग्विरः द्वानाः हः चानाभा मान्त्रः धरः नस्त्रः नर्देशः नेतः हुःसरः नरः वाशुरः। नन् दः रासह दः रादः क्षेवाः वाहेवाः ग्रहः शुरः सः सुराः मन् व्रम्भायोव।मिंवान्यमु स्वमायकन् भुक्ते भूनायार्थि मिंवाया र्रेंदे-र्देव-लेवा दें-ब्रेंच-वे-दे-ता-ब्रेंद्-धर-लट-क्रे-चु-वा-वह्न्वा-धर-लट-क्रे-ग्रुमश्रुम्ब्रा हैं में हेदे के शयन दिना गर्डे में म्यहेवा मदे में बर्गे अर्चेत्रमें रिषे र्राया प्रत्ये के स्वर्धित स्वर्य स्व न'य'देश'दर्जुद'स'क्षेत्र'गुद'रन'तुद'वी'नक्षन'म'क्षदश'म'क्सश'धेत्र' देशविद्युरः भ्रेशेशवास्त्र श्रेष्ट्र स्था स्था देशा र्देशमान्यव्यास्य विषास्यायाया नगायमान्यया नेमम्बर्धाः केमि र्विट वी देट व्याचायायायायीय वेस् इस वस वार्यट व दिए विवास प्यट दें हें न भी विंद रद्द में अप्यया अपने मान अपने स्वाप्य स् लट.वियाग्रीश्राचवित्र। रिट्रिने ख्रुवाश्रासे ख्रिवाची खें या वर्तु व सुन्य या निर्देश्याम्नेवामा र्सेन्याके नापदा गहत्यत्रमासूट स्वाप्ताद्र गिर्हेश न में र न गिर्हेश हैं र त्र श वने सें त्र सु स्हर न प्र र सें ग प्र स तुर

न'गिरेश गर्ड देर्द्रिन'व्या ग्रुप्या गिरेश अन्त्य स्था सेट सान न्दर सूर देवुःभ्रमानाविमा ह्यार भ्रेत्वमाभ्रमान्त्रमान्त्रमा नापमाभ्रेवमार्भे र या यबरावशासुग्गु खराया विष्या है अ छ्राया वर्षा प्राया है अ क्र्रेंत्रस्वतः नगा क्रें क्रेंन्या ह्या केर केरी निया विक्रेंत्रण पुरन्य विवास नर्हेन्सेटा बुररेपास्रवयन्ति। गर्डट्यास्यर्भेत्र कुष्यक्रीर्गेदे स्रदःमा दराहिकाकी नायक देशना थे नेश शेट मे सन्मादगरमा बुँदि स्वासर्वे न ज्ञा क्षेत्र ज्ञा स्टि क्षेत्र मा क्षेत्र क्षेत्र स्वास्य वर्चेरशः क्रेंरशः य वरः दे वः देव चिरा धर्मा या वितः खरा स्था में वर्षियः क्रिया घट में के ना न्वें व से राना गणु क्रु ते वह के व में या क्रिये न्वो शेटा ग्रन्थानेत्रार्वेता क्रेंन्ख्रियान्यान्यायाया स्ट्रियान्यायाया निरंत्रायाः श्रीवाशायाः वर्षे । त्री वित्र त्रुश्वायः नित्र त्रायाः । नित्रवाः यी वर वर्षा या इर वर प्राप्त कर्षा या इर हैं र वर्ष या या है या या है या या है या ग्री:मूर:पर्हिश:पहिश र्देव:द्वे:र्सेप:पहिश:हे:केव:र्से:पक्कर:५८। सूर: बरामान्द्रान्यामान्यान्त्रुमान्त्रीमान्त्रेत्राचेना देखार्स्यान्त्रेमान्त्राम् सर्वे दे। द्यायान्यरातुरावाचायायारे धेताते। स्वायायायात्रात्रा 

विगायासर्देन्यान्द्रयान्यामस्य रें में नसर्देवासायान्सुरसाद्रस बॅं गिशुस्र र्सेट न निट र्से हैं न ल द्वो न ने स दें या स वें है . तु इ ह्वा स विगामी या वेदा वेदा है पुरस्ताहिया न हे हिराद में दिन कु के वा यह न र्से गुःमशः के सार्वेया ग्रम् राष्ट्रिया स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः यानेवाया कु.पर्यापह्रवाजीयायाः वर्षात्रक्षात्र्यायाः वर्षात्रायाः वर्षात्र्याः श्ची नर्नु प्रत्यान या श्रु ह्या देवानया में नियान या सहया मित्र स्वी हिन्तु मु तर्या कुमा मुद्दान विमाया तर्या ना क्ष्या में में नि ना न्दा मु तर्या याहेशयाव्याद्वास्त्रम् अर्थाः अर्थाः यद्दे । यि हे याद्वास्त्रम् । শ্লুবম:র্মা

### श्चर'वद'यदे'श्चनश्

म्रार-दे-बर-स-हे-हे-श्रेर-मोन्त्री निर-से-हे-य-पिबरशन्य-छ-से-प्रेश ग्रीम्यरायाम् इत्राच्यामा द्वामाना स्वामाना स्वा र्स्नेनः सः भूति। यत्र केवा वी कें कें स्वयः वस्य वस्य कित्र नि स्ट्रिंस र्रेन्द्रिः त्र्वयानिः द्र्यान्द्रत्न्त्रः सह्द्रास्य द्र्याः द्र्याः द्र्याः इयादर्चेर्न्स् अर्गाम्। विंद्रस्य क्रियादित्त्वा सेद्र श्री स्वया प्रेत्र वेरवर्गन्तुःभ्राम्बेर्ग्यास्त्। सुरःवरःयःध्रेराःब्रेतुःबुरःयदेःषरःक्षेतः यर गुरा र्वेनाय पर हैया र्वेट रंबा यत्या पर सुद्या स्यायावीराया नाययायाग्री पर्वायाहीता स्वरासे नासरे हो वरानह्य याद्या तयार वर विर या अवर या हे अया याया श्रेयायाया अर स्टर् हिंदा न्निस्याम् म्याम्याम् स्वर्याम् स्वर्यास्य स्वर्यास्य स्वर्यास्य स्वर्यास्य स्वर्यास्य स्वर्यास्य स्वर्यास्य स्वर्यास्य स्वर्यास्य स्वरं स्वर्यास्य स्वरं स् निल्निक्रासाओर्स्सास्यापायात्वित्या रे.क्रासास्यायायायानेवाया क्रियाश्वराश्वर्धराञ्चयार्रे रहं सायर्श्या सुराबरायी यात्र सास्त्राराबरायिया यह्री देव.ईश.श.रगे.यनेश.योश्यी श्रूय.देश्य.यो देगे.यनेश. वन्यात्रा र्रेनिन्द्रित्नावंदायात्रस्य स्थितात्रस्य देन देन्य स्थान बर-कु-स्रदे-स्रद्य-कुरु-द्रिद-त्य-स्वा सुर-बर-वर-तर्द-त्य-स्वा-स्र-वु-नश्चार्यात्वाश स्टाबर्यदे स्रवश्री।

## ศราคาสุดาลธ<u>ราคาคลิเพลด</u>า

न्याया के वार्षित्र व्यापित्र विष्या विषया विष

श्चिम्रास्त्रिः वाति वार्विव पादे न्या स्त्रास्य स्वाप्ता साम्रास्य साम्यास्य ळग्रासम्। रें 'हें 'चते श्रुव श्रूम होंव वर्ष मन हा हुट 'वेट ग्रान्स्राम ' याश्व श्वाश्रास्य नेत्र पुरक्षे प्रश्नायाय वर्षु सः देशि श्वाश्राय वर्ष्याश्रा यर पर यानाया रें हैं न न ने न या यह है या शुरी हैं न दे हैं न या या छे र्विट त्य वर्ष्य हो अ र्क्षे वा य प्राया श्रुय रहें द द्वा प्र क् र्पे द प्र र व्यापा या नन्द्रम्य केरम्ब्रिं केर्निं व्यायस्त्र विद्रम्य क्रिं ८८.४वी.क्षूत्र.य.हेतु.क्षेट.४४.य.५८.यह.कु.कु.कु.व्यूट. र्वे रे र त विवा सुरा र र वाहेश प्रदे से विवस्तुर विश्व से र स्वार्थ भ्रवासेट्राम्सस्याहेर्नेसासहट्रायदेरदशुरावासेरस्याम्यास्यास्यास्य बन्'नर्ग्वे ने'न्याळम्'धे'यापियामे वा'यग्ने म्येन्ये सेन्य्यान्य यह्री राक्ष्याक्ष्र्यं र्यं नमाक्ष्यां या स्वायां र्यं या स्वर्धः या स्वर्धः या स्वर्धः या स्वर्धः या स्वर्धः य व्यापान् उराधे अरावमा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे वर्ये वर्षे वर सर में क्रिन सर सुवा म र्कन ग्री स न क्रुन परे न तु सदे न में म ने म सर हैं। वा यने त्यायने त्यन् विवार्षेत् वर्षा मुरायक्ष यस्य प्रमुन् प्रस्त ग्रैअः सूरः द्रेरे ग्रेविष्य राष्ट्रार्वे द्र्यो ग्रीश्रदः यविष्ठः दुः श्रेदः। श्रे रः वः यः स्वरः वें द्वं नवे न्तु अवे न न् न श्वेष नवे नश्न मा अप अप स्पर् स् न स्  र्वेदे स्वाप्त्रे त्यापेत् प्राप्ते स्वाप्त्य विष्ट्रम् श्री स्वाप्त्य स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्व इसराग्रीरानश्चर। नश्चरायरे नन्तारीं माग्यान सराया ग्वित क्रिया प्राचित्र प्र कें ना न्ना ना हवर भेर समुव सम्मा सुन न स्थित स्था मिन मी साथ सम्बिव सी । रदावोयाक्षदासदासद्दाक्षद्रभाग्नात्रमा सेस्रान्त्रभा सेस्रान्त्रभा र्रे हेत्या र्रेग्रायाय श्रुत्यर श्रुताय दे भी यो प्यट सही र्या है या वस्र राष्ट्र वित्र रार्क्षे नवर मुग्र राये प्रयाण पर दे वित्र प्रवेत प्र निव् । निर्मानायमें देव मुं केव में सह दाये दर व्यापुर्या या से मुदे म्त्राचर्षे के विषयात्र विषयात्र विषयात्र विषया विषयात्र मित्र विषयात्र विषयात्य विषयात्र विष रे उस र्क्ष म्यायि वद वया सङ्घ दि त्या वयाय र्वेद दि हो स्व शे नव केव क्षेत्र न्या निर्विदे नेया स्वार्मि क्षेत्र वर मानुय क्षेत्र हा श्चर्ग्ये स्टर्म निरम्भ्ये कुर्म्या महत्त्रम्य महत्त्रम्य सिरम् वेरःभ्रेंत्। सुरःभ्रेंद्रायायवेर्गम्। सुरःर्रेजा चुःकुरुषा सुरःभ्रेंद्रःग्रेहें श्रमा निरायान हीं हीं भारायाना याउटाया ही हैं दी ने देटाया निराहें भा याद्रवान्त्रान्त्रे विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वान्त्र विश्वा

याक्षयाची याक्षेत्रा स्रुवा याक्षयायान्य देवा है स्रुवा में प्राप्त स्वा चियाया सूज.बट.स.शिटा येया.सुनु.स्र.पर्येता वूर्यास.स.क्ष्य.सी वर. न्नेवित्रास्त्रिः स्रा ध्रान्यः क्रें क्रिवा क्रेंन् ख्रान्यः स्रें वा कुषान ग्रुम् म्याया ग्रा क्षेत्र पळन्। माना क्षेत्र या माना केत्र में प्यार्थे या या य भ्रेअन्तुन्यायायदानुः र्वेदार्दे। ।देन्यायया ग्रायकन्।यानादी यह्नद्या लिलाखान्। योर्टार्न्याची श्रुवानिवानाव्यात्रार्म्रास्याक्रान्याः धित्रमण्या वेर्भित्विरम्यास्य दुः हेर्भित्रम् वेस्य तुः न्यास्य विद्या द्वार्थार्थाः वार्षदायन्त्रायाः द्वेतान्येतात् वार्षात्राचेतात् वार्षात्रायाः विश्वा र्हें हे निज्ञाया निष्य र् रूप्ते हे निर्देश हैं र निर्देश है र निर्देश हैं र निर्वेश हैं र निर्देश कुट नवे भ्रेस भ्रें त्रभा केंश विषय में मुला में मार्थ स्वाप्त र् र्चेत्र ग्रेयर्पायक्रास्त्र विश्वास्त्र विष्य विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त विष्य विष अगावदायम् ळार्स्टाह्रभूवाद्दाप्रयाश्चरीयाद्दायद्वायाद्वेशः र्यदेः सर्रे व्राचायायायाय क्षेत्रात्व स्वयाय स्वेतायर है वासा दे वसा निःस यायन्यानाष्ट्रमाचे निर्माने के प्याने के प्याने स्थाने स्थ मुंब्रस्या रगे.यदुःयन्याकेषःश्रदःसम्यायाः विदःसःदरःसहया विदःसः स्रूर-दे-बर-सदे-क्षेत्रा-तक्कुर-स्रात्र्यस्य-स्र्य-दिने द्यो-त्रेश-देख-त-दर

ख्याया श्चर प्रापिष्ठिया वे प्रवेश ने प्रवादि प्रवेश के प्रवाद के शु-तुर-नमा विर-नीमासूर-दे-बर-मदे-क्वेना-नक्तर-मानिहन्याना दे-सुदे-लेव.येश.तश्र.येट.इ.वट.राष्ट्र.लुच.धे.पूट.यो.चेयाश्र.व्र.व्याचेया न्रायान केत्र में नार्विते विदायान्य मात्र मात्र नात्व नाया मात्रे शुक्र स्ट्र हिंदा क्रियायाक्ष्यायायव्ययम् म्रिन् म्रिन् वियायायायायम् स्वाप्त्राच्या देवः विगाः म्यान्य स्था स्वार्थे त्या स्वार्थित स्थान्यो प्रायत्य स्थान्य स यार्भ्भेराना सहना प्रते पुरानु प्रति । स्रामी स्राम नव्यायायाव्यात्राच्या देरानस्र द्या छे ने प्राय्या में या भेषा व् नःयम्यायः त्र्याः य्या म्याः व्ययः व्यः क्रिंश्वः वि । व्ययः वर्षः वर्षः वर्षः । है। देरः अर्केन्य के प्येन्या श्रम् के श्रेन्य के वा इसस्य श्रुव नुस्य वर्षे वर् न विवा वर्वा पाया वि र्वे से साम जुर न साय सार् विवा मानस्य से वर्गुर-(बुर्यायया न्यो प्रदेश्व नेयायाहेत् प्रदेशवयात्या है में क्रिंत्र प्रहिन् र्श्र राष्ट्री राष्ट्र शेशशने वर्षान में वर्षान हेत् यर वर्षान शेर्शन माश्रम दें तर स्टा विषा <u> ५८. वर. ७. ५८. चे अ. पश्रां वर्षे प्री श्री श्री वर्षे त. तर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व</u>

स्त्रित्वश्रद्धया यद्यायाचे स्त्रित्वा श्री स्त्रित्वा यद्याय स्त्रिया यद्याय स्त्रिया यद्याय स्त्रिया स्त्रिय

न्देः निःष्टः शेः त्र्रीन्द्री । वाश्युरः न्देः क्षेः वाश्यः न्द्रेश वाद्यश्यः व्याद्रेशः विवाद्यः विवाद्यः विवाद्यः विवाद्यः विवाद्यः विवादः विवादः

नव्यायायते न्याया हिन्यायम प्रिन्यायम प्रम प्रिन्यायम प्रित्यायम प्रम प्रित्यायम प्रित्यायम प्रित्यायम प्रित्यायम प्रित्यायम प्रित्य यासरामित्रामित्राचेषाक्षेत्राचेषा द्वाक्ष्राच्ये वास्त्रीमा म्र्रियाकेत्रधेत्याशुक्तिवायाकेयाशुपाशुत्यापया म्रिक्टित्याकेवायाकेया होत्रपदिःश्रेवादेरदेव्याह्यरायधिव। देव्यययार्थे राष्ट्रिवावयायकदावा क्रेट्रायानम्य से श्रुवानु नावायक्ट्रायाम्य स्थायदी यदेनसामये खुटा नश्रूव सहित दे वया ग्रुप्त स्थित सम्मान्य स्था निष्य स् यःश्रेंग्रायः सहित्। सहायी इसाबस इस्य अ क्षेंग्राय अ प्रवाहित । ध्राया दि निर्माणिक स्वास्थाने वहित्र क्याया सेट्रामित हा सुर्मा वर्षेया यदेव नव्याय पदे या द्वीयाय स्था विष्य नयस द्वीय या सुसाद ने स्वास्था न्ने निःषम्भे पर्योन्ने । भुन् उन्ने नुः सर्वेन् डेम्। इयारे देने रार्धेन न्यवःशःगाबुदः। शुःन्दःवर्ग्रेग्रथःग्रदःधेन्।। ग्राग्रथःयःयः स्रुवशः र्वेर-स-नमगमा न्दे-भे-प्यन्से पर्योन्ने। । से र्से मास् से मासेन ८८। ल्यू नर्गाः भ्रानिव सर्के रामा नव से दे न से वा नामा श्रूरमाने। इर श्रूर के दारि द्वारा वर श्रुरा । दारे ने प्यार शे पर्शे र श्रूरा । नुन्नविव उव न्दर्ने र उव या हैं ग्रथ र्से ग्रथ नश्चेव नगुर सन्म श्वेर नुन्भुे न्या नुयार्के न्या नुया यानराययाया नुयानी वाना नुरा निते। निष्परक्षे वर्गे दर्भे विश्वासाय सेंग्रायाम्य मस्य म्यानिग्रय सें।

दे त्या चु त्रकद् । वि त्व त्वदे । श्वराया विदेश की विदेश सा खुवा का के । खुवा का के । विद्यान्या महार्थे सुरा दुःच। निरामानि दुः इत्विचा प्राध्वाया हेट में शुरा हु इनिव नवुग्रा है। रट में दिन खूरा नेट सें खुग या हु न्द्रायमायन्या नेदे हे मासु से ही यानु ना ही यानु ना है ना वाहिय हैं न र्रास्त्रित्र्वित्रायात्राह्यत्या यक्ष्वाक्ष्याः स्वित्रायाः पिनियायां सिन्दिन्त्र विद्या किन्द्र विद्या तुरः धरः द्वीं व रासही वक्ष्यां विषयः विषयः हे या से खेल स्वायः हिते नर द्वीं व रा यव रहं व दु र्ये न हु न वि न व्या या वदे ते हैं न या इया वर्चे र च्रार शेर। मु श्रूर श्राचर श्रा क्षुर्ते । वर्त क्षुर श्रीर श्राच इस्रथान्त्रीयान्त्रा श्रद्या द्वा प्रवास्त्र व्या द्वा स्वर्धान्त्र व्या स्वर्धान्य इससायन्त्र। स्टार्से वृषा द्वा द्वा स्टार्स न्त्रा त्या केया स्टार्स न्या न्या न्या न्या न्या इयायर्चे राप्ता अवसामानयप्रयायदेव मी असाभ्रास्टिन मि प्राप्त वे। यार्थि स्रूपा पायब्रुम्य। नृगुम् वि निम्नुम् निवेशमिते के गुः मे नाके वार्थे यानभ्रेत्राग्वराद्रान्तिरःकेषायार्श्वाराधिराषुरावुरा वद्धानवियाया

गुःरे न तर्ने न स्रेव की स्थापाल्या न के स्थापाल कु हर की सामव से युनर्भान्यान्द्रा विष्ठस्थास्य वर्षः नवो निष्या वर्षः न्या हुन्दे सुव इरशहे। ग्रुवशदगरायः श्रुवदिर्धेतः द्राह्मा द्राविद्याया स्वापन् से लुश्यन्य स्व यर रन मुन् यर्ष्य गुर कुन रेव केव नु न न मा गूरि गूर्य पर ग्रम् शुम्रान्तु मार्क्रम्याहिषाम्यम्यम्यम्यात्रिष्ठान्याः र्देरःगशुरमा नगे नले मा गुःवळन्। पानदे सुःवनगा ग्री वेगमा समा लेव हुः न्नाम्या वर्ने हे भून ग्रुन धेन ग्रुम प्रमा वक्रन विन्य ग्रुन धेन वन्न वेरा ८.के.मु.चर्षेयायाविषायाया ट्रे.ज.लट.ट्रेट.तर.वैट.के.के.के.के. त्र्वा गुर्ग्यस्थराउद्दर्भग्वस्थः श्रुव्यः र्रे उत्तार्वास्य द्वादार्थे हैं भुः स नविःयः शेदेःवयः द्या द्योः श्चें रःयो शः याश्वरः नया क्रः श्वरः श्वरः द्यायात्वः र्रे सुर्गित्रम्त्रद्रश्वरास्त्रम् स्त्रिश् स्रेनिन्द्रम् विटामीर्थाय्यरास्त्रम् यहरी वाक्ष्वायाः श्रीयायायरः क्षेत्रः यहरि दे निर्मेष्ठेयः यहरि वाया विक्रिः यहर केत्रायार्शेन्यायायते त्रुप्याया द्राप्ताया व्याप्ताया विषया श्चित्यानामिनायाहेया भुग्यायाद्वीत्वयासुन्त्वीतानीत्रमार्वे निद्वास याश्वायान्त्रः शः सह्त। रटः वें यत्त्रः इः इः वः यः कुः वर्त्वुवाः वः वालेवाशा न्नरकुन ग्रे सेसस क्रम्स में के सदय विदा दें द पेंद विवास पर पर सेवास रादे थि दस सर से दे ति वय महिमार्था नगाय वर्गुर से से मिनी खुर सरय

नमाने सुराने निर्मा हुना हे मानामा सुरस्रों निरम्भी स्राम्स यनम । प्युम्भाद्री: सूर: प्रदे: सुमार्थ: सुमार्थ मार्थमा हिमार्ग हमार स्थारी हमार स्थारी स्थार शुः शेः सॅं हायायहित्या वें द्वा वें त्या वें त्या वें कें त्यें कें त्यें माय विष्य वा वें त्या के त र्रे त्यानश्चेत्राम् व्याम् श्रेष्ट्र्याया सर्वे या न इः द्वापायाय कर्। त्याप्याय कर्। त्याप्याय वि बन्नुः चित्रत्रभन्नो नम्रेत् ग्रीः स्याना सर्वेश नेते सिन्यन्यः सुन्नु न्यां सुन्नु श्रूषःहिषः स्राप्तदः सें प्राप्ते स्यो प्राप्ते प्राप्ते स्यो स्याप्ते स्याप्ते स्याप्ते स्याप्ते स्याप्ते स्य विशाने। रयानु गुरावशास्त्र गुराकुरारेंद्र गुरावन्या भ्रेशारें नेरा न्नो निर्मान्य मान्न भागम् । स्वापन स ळ्.चार्यः स्टर्भः प्रभात्रभात्रा भीः श्रीयः र्रम् राष्ट्रभा हि. यद्भः त्रभात्रभात्रभः वशःकुःश्रुवावागित्वाशास्त्राची शास्त्राची नरावें हैं सुः इन्त्र नव्यासात्रसानस्रदारेदिः नन्याः संस्ट्रान् संस्ट्रिं मात्रसानह्रदान्यायः यान्ययायातुरायदे न नेयायादेव इस्ययार्थेया सहनित्रे रे रे हे सायया न्दान्वस्यास्य गेंदास्य स्या सुः स्या सुः स्या सुः स्या सुः स्या इट्यासदार्भे, साश्चारा च भी, युवा ची, याद्या, यापा, यिट, यो, यो, यो प्री, येथा, यो प्री, येथा, यो प्री, यो यो स्या द्वारार्शे द्वराञ्च सद्दर्दा ग्रादार्शे द्वर्गे द्वारा द्वरा स्वर है।  गहेर-दर्भ-दर्भना गह्यक्ष वर्षा वर्षा वर्षा के पाके वरिक वरिक वर्षा के पाके वर्षा के पाके वर्णा के पाके वर्षा के पाके वर्णा के पा इम्याने। भुष्वतुष्राकेवार्यविष्याम्यान्यासम्। बम्यार्याकेष्ट्रेयायमा न्दः नडरुषः संख्यः दुर्या वार्ड्याः वयाः विदः वीः श्वेः श्रेवाः स्वयाः र्देटः हेः न्यानः नुः ग्रान्द्रावदः केत्र सेविः रचः ग्रात्र अष्यः श्रुतः इत्यात्र अष्ये । या प्राप्त प्राप्त व्या मस्या नुषास्रीयाग्रम्बम्यार्थिकेन्द्रम् वित्रम् केषान् कुन् वहें वर्षा सर प्राप्त वर्षा वाषे र पर तु प्राप्त से वा साम सम्बर्ध वर पर वा नुःर्स्त्रनः सरःनुः नुरा श्रुरः धेः द्यानीः श्रुः सरः से विषानी वेन सामाना निर्देः माश्रम्यायदे मुन्यदे भुविना ग्रम्य बिनाया श्रेषा मुन्य स्वाप्य विनाय हेना मी र्भाशु मात्र सामहत्र महुन् नुमा र्मे साशु हिंत प्रसा वर्गे मिरे समेति से यान्त्रभानह्त्र न्युः नुनानि भानक्षेत्र निवेश निव्यः मान्यामी के मान्यामह्य मह्य मह्य मान्याम्य मान्य मान्याम्य मान्यास्य मान्यास यान्य नह्रम् न्यार्थे या यद्दे नया ग्राटा होता क्षु यर हैं वें या कें या सुह्या विगायागर्नेन विग्रायान्य स्था सुया ग्राम्य स्था नेम र्चेन न्याने ग्राया क्रूँ न सहं न स्था अदे सकत विद्या है या त्या स्वा के त्या है । यिवेशःश्रुद्रःगीरःश्रेद्रःचःगुरुःश्रिशः अर्थेदःचः ग्रुद्रःश्री देवशः रवाववशः येग्या दर्गे नदे सर्वे दर्भे त्यम्याय राष्ट्री र वेग्य र या र वे र वे र गहेत्यावतः इस्र संभित्र विना । द्यो प्रदे प्र ने स्याहेत प्रमें सर्वे तथा हित ८८. पर्यका शु. सूर् तर तर वर्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वर्षा की वर्षा वर्षा वर्षा की स्थान नरः र्रेति। अप्रशानद्वान्दर्भे केत्यरः रेदिः देत्यह्दात्र शाद्वान्य रास्त्रियाची विष्या ही या तुराया नेवार्या या तुराय तु प्रसा है। सुर्या स्वार्था मित्रे हेत्या अर पुर्वेत पाया श्रीय पुरे तर हेत्या रे र भूवे तर पुरे नव्यामा श्रुवामायकन्।पानमायान्त्रः इत्मात्मार्देः सुदेः वार्तः।प्राप्तः नत्नामा धूनामः भुग् गुर्ने र नात्र इरमान्य समा स्वार क्रिन के तर्भि वर न नव्यामा रूट्याणमायियानवे र्चेत्रामाया ग्रेगार्यामिर स्मूर नव्याया गडेगाः श्रम्यायिः हेतः स्वायायाः मह्मायायाः महामाराः नव्यायाः नयाः हैं स वः धेन गरेगानः क्षः श्रेयः त्रेयः हेवः क्ष्रः क्षेत्रः यः यः ववगः में।

ञ्चन्यापान क्षेत्र्रे राषे स्वेराकी हैं के स्वाप्त नियान की सम्मानिक के स्वाप्त की सम्मानिक के सम्मानिक की समानिक की सम्मानिक की समानिक की सम्मानिक की सम्मानिक की समानिक की र्रम् मुन्यो अर्था शुर्भवाया में विष्या हो स्कृत्र प्रवित्या स्वाप्ते प्रवेश स्वाप्ते । रेदिः विनशःया निवाश श्रुशः संस्वानिव ग्रीः पेव निव ग्रीः पेव निव ग्रीः पेव निव ग्रीः ग्रीदेः यह्री वर्ग्ने.यह.ह्रें के के वर्मे.वैर.ह्रें। । यर.ज्र.श्रंश श्रंश श्रं स्वरंगी वर्गे

स्तः हेव स्त्राचा के ना विषय स्वाप्त स्वाप्त

नेतः हुन्। न्तु नार्के न्तु नाके अधिका हुन्य निक्षा विक्षा विक्य

क्रियामा बुर्रायर प्रायालुर याद्रसम्प्रायास सुरायर याम्य ही ज्ञा ही पि.कु.से १. कुर् १ से १. क्रूॅब्र गर्बेद्र यः नेर द्वेद ग्री क्रूॅर रहा। यावद में गर्बेद खंयायादर्या नदे क्रॅ-रामम्बा न्नुर वे कि स्व क्रिस्त क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्रिस क्र क्रिस क्र क्रिस क्र क्रिस क्र क्रिस क्र क्रिस क्र यान्वः अरः नर्भे श इरावरः धशन्दः रेवः वें कें न्दा वर्षे वा यानु रः न्दा न्तृ देवे तुवे खूर व वे र र देवे तुष कु व र र वि हे वे खुन देव न्दा ध्रमार्हेरन्दा र्रे.हें.ल.श्रम्थायाद्यालमान्दरम्थयाग्री:ब्रे.श्रमा यात्र श्री रायात्व रायो प्रवि पर्वे प्रवि पर्वे प्रवि यादमितायावी मुन्याम्यायाची मुन्याम्यायाची मुन्याम्यायाची मुन्यायाची स्वार्थायाची सुन्यायाची सुन्यायायाची सुन्य रटार्के नुवा दुः इन् वा रा भ्रुवा रा भ्रुवा या नेवा या वा नुटा वतु वर्षा हेत ह्य-एयर उव अर र में व वे ।

 द्वा दुर्श क्लें न्द्र हो | भूर मन द्वा क्षा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निरम्म निर्मा निर्म निर्मा निर्मा

### **รุ**ราสราสจำรุกสฤ

नर्भेशन्यानेयामन्त्रयार्थिके पुः यहन्। ने हे यावरा नर्डन हैं हे रेंद् ग्रीयार्यानमुन्। मुंर्स्वानर्ना हेर्म्यायायाग्रीयार्यास्या स्वान्त्रा वरास्व केंश ग्री मु अर्थ कें या अर्थ कु श क्षेत्र या केंद्र यो भूत्र ग्री श वें प्र वृ विस्रश्मी संस्था है सम्बन्धा सक्त मुक्त में स्वर्ग निस्त निस्तर में स्वर्ग में स्वर्ग निस्तर में स्वर्ग में स वर्याश्वायाश्वायाश्वायाश्वाया विष्टाची या द्वारा स्वायाश्वायायायाश्वायाश यत्रनु से हिरानि स्वास्त्र केव्गाव कुषान नक्षेत्रा निराधियाने वया से से सिराधियान स्थित विष्ठ वे गशुस्रासं सम्ब केव गुव द्याय कुय सक्व सद्य देवे देवे देवे सं सम्ब केव रेव रें के ग्रुव राजे अरव राज्य गान्व अर्थ ही यासित्र केत्र नर्से द्वस्य सर्के वा ग्रुन राज में स्वा कु से मूर वी नर से नडुः जुनानान् व रासही सुरानी खें लाहे नाव्या पान्या नर्वे व र्से व र्से व रहेरा बर्'स'सब्द्रित्रस्य सम्बद्धेव स्पर्न तुर्या सुर् हिं व स्पर है ग्रम्भाय्यादर्वेत्रपुः भ्रीःग्रालुग्।यदेः त्रम्भाःग्रम्भाः स्वितः स्वेतः यदेः गड्रट'र्स'न्टरव्यन'र्से'न्टर'ने'स्ट्र्य'रे'च्या दे'हे अ'व्याश्चित'र्स्याग्या याना नगवान्य दुः नान वित्यान वित्याव दिन प्राया व्यवान वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या वित्या

नर्भू अप्ति । प्रश्नु ते अप्त्र म्हा स्त्र महा स्त्र स्त्र

### ุคม<sub>ี</sub>ผูราลาราชุราชาลดิาฐัสามดิาฐลชา

बुर्-न'य। विस् न'र्देन'वबुर्-मीर्भासह्न-पदे-वर्-सहेन्गी:हेन्गाविन यानरपुराष्ट्रीराप्तराष्ट्रियान्नयापुराप्तुः वर्षेरपुराष्ट्रप्तरः स्वी । विद्रावहें प गर्विव वु र्पेव हव से से खुग या प्राप्त का का निव न स्व से जिय न र ह नव्यामा क्रियामार्सेट स्वारेडिस स्वार्थ स्वार्थ म्यायामार स्वार्थ स्वा ग्र-क्रिंग्राम् नुग्न कुर्ने र्वं अप्तुर्य वेस् विअप्तुर नर्द भूर प्राचिर र्श्वेन:अंदे:भूनशःश्री।

#### য়ৣঀ৾৽য়ৢ৽ঀয়৽ঢ়ৢ৽৸য়৽ঀয়৽য়ৢঀয়৽

शुन्यः संवाधिस्यायनम् ते। यन न्नयः नृगः में शुस्याये से प्रे नेशः भ्रेतः ग्रेः श्रशः शुःशः शः सिं भ्रमाः मीः विं छतः ग्रीः भ्रदः स्भूदः दुः विह्य ब्रिश्रामदे सक्त स्रूपा क्वा प्रम्य हे पु पा पा मुंदि मुंदि पर्वे साया नक्षेत्रा ने हे शक्य पर्वेर या नर्वेत या वा क्य पर्वेर या नेश रना हैं है इससायानक्षेत्र वे न्युः पहिसावे त्राचे त्रे नार्य न्यु स्थान्ये स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थान र्बे श्वराया गुर्मा विषा गी या गार्म्य या मार्म्य गुर्मा मार्मे वे स्वर्प र श्वेष्टिया मार्मे या मार्मिया मार्मे या मार्मिया मार् र्डसासानुदानाय। दर्गोदारानसार्श्वेनाद्गेदामुनाग्रीःदेसाराखाः विवा मवर्न्य ने अने वे रक्षेत्र मुर्जु व माश्रुमा वे स्वी मुना मिल्या मे हिम स्वार्अर्र्भात्र्याम्बर्ध्यायत्वामा न्यार्ट्या द्वार्ड्या द्वार्या कुर्से ख्वायी.

श्रूयः रें न्त्रु नवे हेर वाडेवा या नेवाया वरे ने ने साय दे न्या स्वर्धित या हेट्रायारेश्वाराञ्चेशानेट्रा शुग्रायार्यानेद्रातुर्छे वयाय्याञ्चेर् नश्चरानरातुषायार्थ्यावेगाग्यरायहित्। तेर्तुनुत्रायदेगायरास्याया न्ये सहन्त्रमान्त्रे स्वास्त्र स्वास उ'सहर्पाणरार्स्यम्भागिषार्वेगार्ष्ठभार्ष्यम्भावार्पेते देवे देवे देवे देवे स्वाप्तेरा से स्वाप्ते स्वाप्ते स्व <u> परन्यम् मु से द से संस्थित सुरा मुल्या मु</u> धीता धरात्र त्रस्रस्य उत् गुत्र हें नाधरात्र त्रस्रस्य उत् दें त्रात्र वेश ग्रुप्तरे ननेत्रामानेशामी मानामाना प्राप्तामाने स्वार्थिया स्वार्या स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थिया स्वार्थि निवे भूत ज्ञान मान्त की अळत है न निवे भूत निरमाहत त्रा भी प्रान्त निवेद्राया तुराष्ट्रीरार्श्वेदाद्र्यवार्ष्यायद्रायायात्र्याय्याव्याया यान्वन्याश्रुम्पम्। श्रुव्रश्वेयाश्रुम्ने वम्यीःगुव्रहेनायानहेव्वयः मुश्रुद्रश्रायाधीत्रायाद्राच्या निवेदायादेषात्रायादेष्ट्रायाधीत्राया गुनःहग्राग्राग्रास्य दुनःत्रा हे नदुवःश्रेषः नहाह वसुवाशुः हे ने न जुरा श्रुवा रुअ न्वेवि सर वानेवार मंदि के वावर नहिंद की रागुरा यर'अ'तुरु'पदे'कु'अळंत्'त्रीराधेत्'पर'सूट'रें'।

श्चित्रायापदातुः पुर्वापायाषात्री कु:हे:श्चिर्या श्चिर्याद्भित्राया

ग्रुम्यार्विद्रम्याचा वर्ष्यावहित्रयायागुराह्रेत्राचा वळेराह्रेता वरः वर्षा वर्षेत्रावर्षायवी बरायवे सवार्षेत्रा केराकेरायाणे स्रेत्राया र्गामदेक् भूमा सरम्भूमम्मद्भावा वरम्भू मान्यान्य विष्या वर्षान्य विष्या वर्षान्य विष्या ना क्वयःलेक.य.भी लेक.क्रूमा म.मै.यज्ञा क्रूंट.जेटम.म.क्रुय.मू। बिंट. पिसार्सिकी हैं.चियानासार्सेह्या याद्रदासाहीस्यता ची.लीयायाकुर्यासा र्शेषायायायाः नुः त्रेता हेन्। स्ट्रायाया केत् रिं सेत् केत् सेन् रिं कुर्ये हेतुः न्वीं व निया निया व स्वा व निया व स्व व स् स्यायास्यायात्वित्यासदास्त्रीत्यात्रे स्थान दर्मयान न्यायास्यास्य स्यित्रा नदुःगठेगानवेशयायाहें में में नुरासेन्या वर्षेशहें में या প্রস্থান্ত্র মান্ত্র প্রত্যান্ত্র বিশ্ব বি नहना र्रें न अपे प्रमायका तुः अप्तर्ये व नगुर्न न प्रमाविव देन तुन्य अप केर श्रुॅं न परे पेंत्र न्त्र न्दर थ्रव परे नियो निर्दे निये यहित श्रुप्य न केव सं धेव है। दे वे क्रेंद ख़र्य में य में ख़र दु ध्वर मा ख़र दुर मह्व त्वम् धुमान्नी स्थानी स्थानी विष्या स्थानी स रेट में र स में व सर प्या निया श्वरा ध्वरा देश हि स दे व द में व नहेग्रास्टर्ग्नियार्थेर्प्याहिर्द्यस्याव्यायात्रात्यास्टर्म्यस्य वे वे से से विगामी अप्रभुट्या न्गुट र्ये न्यु र विगामिया अप्रभाव विगामिया न्यु पिर्वे अप्य श्वनःस्तेःश्वनःसाधेःभेषाम्याम्याम्यास्त्रान्द्रवाद्याः इतावर्भेराः या ग्रम्यायाया ग्रम्यायवारी यह निष्या में के व्याप्त में विष् वुर्देन्-नु-नन्नामा वेर्-न दुःगिहेम्-नि-नि-न्न-नि-निहेम्-प्यन वश्सुवश्यवें न्वेंन्यासह्य क्षेंचन्येवनेशः क्षेंन्या केवाया याहर्वशार्वेरायो हे यावशासद्य देवे के सूवारायावव विवार्केश वकर रायासहत्रायसः वेत्रायर वृत्र स्रे वस्त्रयाय हुसाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व केरः अद्वितः परः तुरः। यतः ठेपाः पी कें श्वृतः श्वः केरः पः तः पत्पाराः या क्रूॅर्-अट्यायासहयार्-वर्चेत्राचित्रम्याची अन्ति। क्रुंत्रक् ने वरमे निवेष में पिर्वे सङ्ग्यान्त्री न्त्री सहन् माया नुः खुयान्य सङ्ग्या वेटशरे जातिर न क्षुत्र स्थानिन या स्था सहेश क्षुत्र स्था क्षुत्र खुरमारार्द्धेव यारे क्वीटावा वरे सुन्दि हे नावमार्धे दाना सुर नमा दें व न्नुयायमातुमामम। भुवास्मान्नुयाउटार्सिन्नमामुदानेटानवेम। श्रुवःश्रन्दः ग्रुः खुवः नवः व्रेत्वाः कदः ग्रदः सहदः निषः देरः क्रेतः खुदवः नश्चन्यः ध्याः वियाः विया श्वा वियाः स्टान्यः श्रुवः श्वा वियाः स्टान्यः स्था व  वयात्रमा दरे तु स ने नर के हे मान्यूरा हुत स्त्रमान प्राप्त स्था नर्ग्येत्। क्रूॅन्'स्ट्रस्य'रा'हेस'द'हेस'रस्य'नर्ग्येत्। येग्यस'द'येग्यर'रस्य नर्ग्येत्रप्रथा अर्थाक्यायी १८५ में अर्थे गर्रेयानानिनाम्याञ्चन्येत्रम्येत्रम्यान्यः सेरानश्चेयार्षेत्रम्यस्ति । न्येवःश्चितःश्चरःक्षेरःब्रिवन्न्यःन्तुः हेःन्दःवनुसःयवेःस्वरःयसःसहनः मदेक्षामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्रामान्त्राम्य र्शेट्टर्स्टर् त्रुट्याचा धेवा मुद्या श्रुट्य श्रुव्य श्रुव्य स्वित त्रुव्य हेया या वा ने ने स्व मावन गुन भी अमार्ने मा ग्यार भूरा श्रुव श्रूवे विनय में मा न्दर श्रूव या मावन मु दे ते व निष्ठ रामा व रे दे ते रामा मित्र रामा के रामा मित्र रामा से दिन सुव स्ते ग्राह्म त्राह्म नियास्य त्री स्थाय स् याग्रुत्। यत्। हिन्दे वर्षे न्यान्वन केनाम्युत् भून। यतः र्सून्'ख्रिस्य'म्यायन'डेग्। श्रुव्'स्यह्य'न्'नुंव्'व्या नद्वन'द्वन'दे'डे' वर् विश्वास्था श्रें र श्रें र व्या ग्रुं र विहा विहा सिंह श्रें र श्रें र य दि। 

क्रिंशमाशुरानात्रस्र सार्वे । अत्राधित । अत्राधित वित्राधित स्याप्त सारामा प्राधित । गुः धुयः नः गृहे रायः न्नदः सूनरा गृहेगः हुः सहि सहि सरः रे सुः कुरः नदेः यर:लूट.रेया २.के.४४.व्यामी.ई.परीकामीयावम् यप्राप्ति राष्ट्री.यप्राप्ति या न्ययःगठेगःश्चेतःनर्ने गशुरःश्चन्। श्चेतःश्चःशुर्न्तःययःयन्यावम्। शुःध्यः नमा न्यो नदे न ने स या हे द त्या मा स दिन स स द श्वा स त्या न मा स नर्त्व, चेश्वरायश है : ब्रेट्र क्र्या ग्रे. श्री चित्रा हिया है । ब्रेट्र व्या ग्रेस चित्र व्या ग्रेस चित्र व्या ग्रेस चित्र व्या वित्र वि म्याश्वरा गविष्मी नश्चाराया श्वरम्द्रित्वर्या मित्रावर्ष्याया यार्केश्वेर्वेद्दर्ग्यस्य सार्थेद्वेद्दर्भी वदाविवात्रयात्र वर्षेद्वर्ग्वस्य अन्यान्द्रमञ्जूरायदे।पर्येवर्यस्ते छै। यगवर्षे र्सेन्गे रेत्रस्त्रस् य त्रुवारायायायीय तुरावर्षा त्रुयदे विवर्श हेवाय पेट हेराहे। ह्री श्चन्यते निवास्त्रे निवासी के स्वास्त्रे स्वयं यर.ब्रुंश.स.प्रि.य.तयर.स.तरी.ब्रुंस.य.लुय.चे.य.लट.योश्रूट.श्रूरी श्रुंब.र्ब. ग्नेग्राहिटासुःकुटानान्दार्थेःहें निवेश्यरावनुषानान वदार्थे से । पदा नश्रुवा रें 'र्ने नशर्वे पर्ने र सें न विषय । यह र श्रेव यः र्र्मेय: न् राविया: यो श्री स्थान स्थित सामा स्थान यानविर्याया देवयासुःकुरःदरः। वक्षाकुरःदरः। व्रवाधीःरःवःदग्रारःसः त्रा चुव्रत्रः अ:रङ्ग्अःगहेर:त्र्श्चुवः इर्यः वयः वत्याया नेः इययः ग्रीः मिहेश ग्रीश मित्र में तिया या सुया व में में में में में में में में मीर्भायह्रमान्धासहित्रम्भाने मान्नस्य स्वत्मामान्य स्वर्भा हाः लियायायियातयातिराचेया. ह्या. सहारा ह्या. मर्भा चुःधुयानायासुयानसान् क्रोसाने। सामन्यास्या केरायानसाम्बद र् क्रिंग्ये केंग्या सहित्र व्याप्त्र केंग्य विया पर्या क्रिंग्य विया स्टि क्रिंग्य विया स्टि क्रिंग्य विया स ययः नडशक्यान हुय। देवशशदेः सर्वेदः वर्षाः व्रुवाः दुः वर्षेदः यः यः नरम यायासेन्यायार्थम्यायार्थम्यायार्थेन् स्वामाया नदुःगहिषा विस्रभःगाःनःनवेःनदुः सःगहिषः व्यान्। वरःभःनः गर्द्धनात्मना विद्रास्त्रिया प्रदेश्यमा स्री त्या यहा । हे मात्रमा ने सम्बद्धा यहा यहा निरम्बस्यस्युर्धिन्दरम्यम्यत्रिन्दस्य इत्सा नृत्रः हे स्ट्रम्यस्य निरम् वरो केवर्धिविषादेरक्य रावेरमायरम्स्रित्रेषाचेरावाया ग्रासुया यद्रःवयात्रमार्वेदायम्भीमान्यस्य विस्रमार्द्धेदाळमाव्यस्य स्र ळॅर्रानाया म्वस्यानह्रम् से खुराना गुरम्या वेरासराया नुमानहराम्स वक्के निर्मा शुष्या निर्मा हिंदा वहे निर्मा के निर्मे कारा दिरा खून पुर्ने निर्मा निर्मा वया नुयः केंगाः यह दः स्थाः द्वरः स्वरः स्वरः मुद्राः वार्ष्वाः ययाः विदः

येग्रायराळ्रात्रा हेरावत्याळ्रा वित्राहेगाया इस्यासदे हेव दर्ग या मुवायवया मुवायो में दिस्य देश मुद्दा दे वया न्चरळॅगःचुःख्यान् सहंन्। नुगान्नन्नुःक्षुःभून्यार्भेग्रायरायरा क्रियाविःसर्त्रुप्रहेर्वरवर्षे निष्ठे निष्ठे निष्ठे क्रिक्ष्या मिष्ठे निष्ठे निष्ठे निष्ठे निष्ठे निष्ठे निष्ठे मदे के द्वारा में भ्रे भ्रे राष्ट्रीया ची प्रवी प्रदेश्य ने या प्रवेश प्रवीया विद्या विवायायायनेवावियाहेयाहे स्ट्रम् स्रे याग्रम् यम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् नदेःवियःवया गुवःह्निःगुरःकुनःग्रेःशेययः ५८:देवःन्यःगुरःकुनःग्रेः शेशशानिशः कुन्ता श्रीशानश्रमा यदा देव स्टानी सेशशहिन गविग्राय्य अर्थेट सर गहिट राय ग्रायाय समा ही रेया ही खुया गविग्रय वर्षाक्षेट्रायराम्हिटाचायायायात्वयाया गुःध्यायाये वियावया सद्या रुअ:र्विट:रु:नव्या:द्रश्राम:य:क्षेत्य:रुअ:नश्गुर्य:पदे:क्रेंश:ग्रीरायार:यार: श्रेशिवा मुव्याविष्यार्थः स्थार्थेट्यायः हेशः युः श्रेर्ध्यः स्थार्थेशः र्रेयार्भ्रेयारमार्थेयायाय्ये। वस्र राउन् र्ह्रेमायं हैनाये वन्ते हैं। र्द्रसात् श्रुपार्यायात्रह्यद्रसालुर्यायय। ८.८८.सू.सूत्र स्ट्री.सूत्र मदे-त्रान् भ्रेरामधेन पाश्रम। यह्यानविषान् महेराचेन खेन स्रोत् वुर्यायम्। यद्गयानविषान्दराहेर्याचित्राचित्रेर्यासेत्। धेर्नाद्वराहेर्यसा

८८.तर्ष्ट्र.यहे.क्ष्रश.व्हे.व्ह्या.व्हेट्याश्वटा यहे.क्ष्रश.क्येश.व्याया. गर्डेर्ग्ये सुर्भातेरारे वहें वाया गर्देर्प्या सुर्द्धा से प्राप्त यय नडरान्य नर्से यय। ध्रेयने स्विन या इयय या स्विय प्राचित्ते हें र्रयार्से प्रमें या बिरार्से सार् माल्या माल्य मी सामक्षाय रेया से प्रमें या स र्तिः तः त्यान् क्री या न्या धेता द्वारा सुरा सुरा सुरा सुरा स्वीता या वित्रा वित्र प्रस्नेतः र्हेग्रथाया होत्र हिंग्याया सुरानस्रेत्र हेंग्रथा धुराने होस्य मर्शेयानानन्नाम्याम्द्राहेनाचिमात्यासुम्यायन्महिसासीद्रेम् गशुरः य क्षेत्र। धरः गर्शेषः य य प्रताय प्रश्रमः श्रुत्रः श्रुत्य प्रायः विवा ग्रवरः नः भ्रेश्यायश् न्योः श्रॅमः होन्यमः यावनः नः धोवः श्रुव्यावशः न्योः निवशः हियाः क्रिंग्न्नराषी अयापनार्ये अह्र अराम्यार्स्न स्त्रिंग्न्यह्न क्रुं लेयाम्या यनर मुक्ता मारा है। सह दान मारा है नामा मुदा बदा राया सर्दे हा क्रम्यादेवा विश्वास्यायम्याक्रम्यास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्या ग्रीशःकेषाम्यवर्त्यावर्षेवर्षेवर्ष्यायह्रत्यायायहर्त्वयायय। वेवर चैरायर परायार पर से भ्रिम् केरा मसरा उर र् स्यापिया यायस नेरा नर्वो रामाधीन मार्था ने न्या मुख्यान मुस्या हिन स्टामी रासन्त्रास तुरःवं कः मुेवःवर्षेषाः यं येदः वेषाः पाशुरः वः दरः। यदः वेदः शुः दवः ययः ने भूर नमून भरे गुन कु केन में सह दन्त्र प्राप्त नुग्त कें गुन के निवास अभिन्ति क्षेत्र नुवा क्षु निवे के अनि के निकृत लात्र में अनुवाद गुर यहर्वियायात्र्यायहर्व देहिरार्श्वेयायात्र्रायात्रेयायेयहर्वा वयासेटानेदेख्यासूटसासूट्यान्यूटाव्या श्रुटिंदायाटा स्ट्रामा सेत्र र्रे विषाः धुरः ग्रीयः ग्रुटः दया ५ तुः वेषः नः स्रें यः येः नः यः स्रुट्तः ययः यद्या ने त्रश्चूर ग्वर्या नहत्र इस्या ग्रीया निषा नुया त्रा मुना है या है राखा न्नरसः चुरः नःष। र्रमः र्यानिया सुरः मेथा चुरः कुनः सेस्रमः नियः केतः र्रे देवे सूर रुष रु न दुन व दे पर दे पर कें र न मस्य र दि र न सुर र र वर्त्ते नमः शुर्मे हिरमः नासुरः नः वानहेत नमा न्तुः हेते । पर हिना हुन् श्रुट्याययाष्ट्राश्चाद्दार्थे र्येदे सुना हु देटा न्येयायट में हिंदा वेटा हु नया ग्रम्ह्रमः हुः अदः देदः नश्चेयः हैं ब्रा

 र्रे न्गु दी विस्थान्य न्य प्राचान केत्र र्ये न्याय र्ये त्या न्या केत्र र्ये दें बर्य के वर्षे कुरे व के वर्षे व वर्ष व वर्षे व श्चवः ध्रमः केवः में। १वाः सें नः केवः में। इक्षेवः में। इस्रायम् मा केवः में। दरः क्टर्न केत्र में प्यट बेन् नर ग्री केत्र में न ग्रुन दे। नर्गेत केत्र में क्या ययः नः केतः में। नगः निशः श्वरः नः केतः में। नग्ने रः श्वें यः केतः में। वियानने रः केत्रभा जुयानानकेत्रभा नरारानकेत्रभा गुःहैयानकेत्रभेवी । तुया नुःरेःनः क्रेवःर्रे प्यरः बेरा वरः श्रुवाशः ग्रीः श्रुशः वाश्रुशः वी वार्डरः नः रेवः र्रेः के में हे से नर्भें न में रेसे उदाय की से माई न सूर्य सर्के न याद्य या शुरा र्शे । गावन प्यानिक प्रमानिक वार्य प्रमानिक के वार्य प्रमानिक वार्य प्रमानिक विकास वार्य प्रमानिक विकास वार्य प्रमानिक विकास विकास वार्य प्रमानिक वार्य प्रम प्रमानिक वार्य प्रमानिक वार्य प्रमानिक वार्य प्रमानिक वार्य प् यानगाः भेषाञ्चराय। इस्यायाध्यराभे। यानाग्रीः ययाः व्याग्रीः व्याग् ना नःवस्तरमञ्ज्ञा वार्सिना सुरः हिन्यनवायो गर्धेरः में मि नियानः न्यूगामिर्वित्। ग्राषुरास्य स्मित्रास्य स्मित्र स्मित् ग्राम्यावर्गित्र र्शे र्शेन्या बुम्य रायों प्रवे में त्र कु के व सम्मा नेवे हेशसु ग्राउट संदेव से केश ग्राट्व श्रासद्द सं धिव है। दे वे ग्राउट गी ञ्चनराष्ण्यार्देरात्। यनःञ्चनराषायायात्रात्रतेरञ्चनारायाः केत्रार्दे विना <u>२८। तिस्र रकः भिष्याया चटात्रैस्र भुः चे.य. यष्ट्रिस्र भीः ची.ती. त्रीस्र भीः ची.ती.ती. त्रीस्र भीः ची.ती.ती.</u> 

पर:बत्रपञ्जादया:क्यात्राव्यात्राव्यात्राच्याः विष्याचे । विषयः नसूर्यायायात्र्यायात्र्यायात्र्या यात्रायायायात्रायात्रायात्राया विषामित्रम् विराधरात्र्याः साम्यात्रम् साम्यात्रम् साम्यात्रम् साम्यात्रम् साम्यात्रम् साम्यात्रम् साम्यात्रम् ठवः नेवः हः शेः श्रुवः यः विवाः वीशः रत्यः द्योः दें दः श्रुवाः श्र्वाः यः विवाः यवाः हः यहर्नुर्न्यमा देगा बुर्ने दसमामर द्वीत समा ह्याम स्रे हुर्न्यमा म्राययायदेव नर्गेयायदे विटान् गान्य गास्टा वे न द्वा गिर्म वे नर्भे नर्भे नर्भे सूर-द्रिग्राशःग्री-द्रिंशःमें-वदे-वस्राश्च-वाग्रुविःसूर-वाग्रुदःवस्र क्रिंतः ग्रीःश्वें सार्व्स प्रेन प्रमान्त्र गा है में सामेश में ने नुसा श्वें न स्प्रमा श्वें स्प्रमा श्वें स् मश्रास्त्रिन-नर्भेत्र-मतिः सिव्यन्ति-सन्दर्भ स्त्रास्त्रीन् स्त्रास्त्रिन् स्त्रास्त्रिन् स्त्रास्त्रिन् स्त्र श्चित्र न्द्राच्या स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वर्त स्वर्त्त स्वरत्त स्वरत्त स्वर्त्त स्वरत्त स्वरत्त स्वरत्त स्वरत्त स्वर्त्त स्वर्त्त स्वर्ति स्वरत्त स्वर्ति स्वरत्त विगानवेद्रायायायायायात्र्यात्र्याया देःधेद्रामश्रुद्र। देःदुर्यास्यायाः वर्रानायान्तराबुर्याययाञ्चेता कुः क्षुत्रवे स्नूरान ने प्ययाव्यय स्रार्थिता ने नर ने त्रशस्याश्रासळ्दाकेन ग्री विश्वासायायने सासहन ग्रामासेन वासाया र्ये द्वं न र र प्यर है न वें। न वें न वें। न वें यः इत्राक्षायिया । यह्यायः मृत्याया स्त्री कुर्याया स्वराया स्त्रा विया

यासित्र यान्त्रस्य प्रतिनित्री वार्चित्रस्य किंगार्ने व वात्रस्य स्वर्धित्र त्रुग्राराशु तुरानाया र्वे रवे गाया हेया या यदी है । ते सम्भूष्राया तुरानमा ही या मान्न कुट न जु न त्या मान्य स्था मान्य क्षा मान्य के माया न वर् गर्ठगार्से दे कु द्रे त्या से द्रामा सुदान स्थान मदे रेंद्र त्वोय या वीवेष अहिंवा सहिंद्र मा देवे वहेंद्र गुः वर सेंद्र प्र नश्रावनात्रवातायम् न्तु वसास्रावतः इसामम् न्ना भाष्ट्रानुते स्रूटानासः नर्झें अर्थायम् गुरा वयायावयायया के राष्ट्रिन विवास में नियायायया क्रिंश इस्र शास्तु शास्त्र भेरा समाय विष्युम्। बेरान दे श्वासी क्रिंश के स्वासी क्रिंश के स्वासी क्रिंश के स्व र्सूर्क्र्र्र्स्य:ग्री:नसूरःनःया से:र्ग्यर्से:र्यःसदे:र्वेर्म्स्रेन्वाःवेर्म्स रेषाना हु त्रुवायात्रयान रूप हिन्तुवायात्रया प्रस्था उप वारान दे सूराना वुरःवर्शःवश्रुवःदेःद्रस्था देःवर्शःश्रुवारुःदर्वोदर्शःथःकुःवारःदुःर्वेदःथः र्वेव ग्री वेग्र प्रमें अ स्रुस व्या र्वेव प्रमा दिर देर द्र र प्रमाप द्र र स्था द्र र न्नो निन्न भे भ हे न छै : रवा न्या न्या से निया विया वित्र स देवा स्वर्भ स में विया हु 

यसे त्र-तु-त्र हुन्। नुन्न न्या अः क्षंत्र-विनानी अः अः यदि त्यः दे न्यान्य व्यवित्र-तु-त्र हुन्। व्यवित्र-तु-त्य हुन्। व्यवित्र-त्य हुन्। व्यवित्य हुन्।

इययात्त्रानाविषापादेयायोग्यानेयानेयातेयातेयात्रान्यात्रात्राह्यात्यात्रात्राह्या वे विया प्रवर में या वे या प्रताय के र ख्रार या र ख्या हे व अहं र विया अर्थे र नर्अम्भेरासके सन्ध्रमा प्रदेन्तर स्रुभा केंग्रस केंग्राम्य मश्रिंदःस्टानी कुँदायाधेदामाद्दा कु या द्यायादा दुर्ग के या इसस विवासमायर्गावयमार्देवाकुरायाक्षेत्राचिकासमायर्गा श्रुमाका न्वीरमः इन्यार्डन्न्वीमः प्रमः प्र्यायाया न्वो न्वेमः प्रे सुन्यर्भनः सवतः क्रियान्य स्त्राप्त्रास्य स्त्रास्त्रास्य स्त्राप्त्र स्त्रास्य स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स्त्राप्त स न्व-दु-र्शन्। हेव-विग-नगे-नवेश-भवे कुव-सून-र्श्व व्यानि नवा विवासन नमा क्रूंत्रम्य दे कृत्वक्ष्यं यस्य स्थान्य स् बुर्यान्या द्वीताने त्यानक्ष्यात् नक्ष्यायात्र व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त ब्रु: धेर्डिं अ: शॅर न वर्ष्र चे क्षेत्र क्षेत वर्गानावास्र ग्री त्रास्रस्य राष्ट्री सामान्य वर्षे वर्षा भी स्रोता प्राप्त वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर् नर सें र वर्षा सुसर र देवें रस य दुर। रे वस दुः धुय स व्याप्ति वित्रम् वित्रम् वित्राप्ति वित्रापति वित्राप्ति वित्रापति वित्रापति वित्रापति वित्रापति वित्रापति वित्रापति वित्रापति वित्रापति वित्रापति वित्राप नुःक्षेट्रानुःक्यावर्त्तेर्यान्त्र्याःक्ष्याःग्रेशःश्रुवःश्रायःक्ष्याःव्युयः

नम्बायाल्यान्याह्रम् तुराल्याः हे स्वरायहेर् पर्दे प्रति स्वराह्मा प्रमा विवा विश्व प्रश्री कु र्श्हें व ५५ हो ५ व विश्व श्वा कुर्ते व श्व ५ व व व श्व र यावरः नशा कुः श्रृंवः क्रीशः शेः यार्थः नवेः विषः यात्रे याशा यार्थरः यात्रे वार्थः केशके कुर्भे नविदेर्देव धर विवा । किया सर अदा धर अदा धर प्राम् यः त्रेंत्। ग्वितः पर पे द्राया सर से दे विषा म्री म्या स्पर्ता म्री से से स्टिशः हेन्'ग्रे'ननेव'म'सर्देव'सुस'न्'सर्दा त्रु'सदे'व्यम्'र्नेम'ग्रूट'न्यम्'र्से ८८.योल्.ज.श्रूयाश्चरःश्चर्यश्चेत्रश्चेश्चर्याः गर्भराष्ट्रे अप्रेमारास्य वुः सँगिर्विव पार्ये नकु दार्ये व पार्ये भारत वेगा वेरा नियर ब्रुवार्गे राजार्शे ग्राया प्राप्त प्र प्राप्त न्वीं या ये यया ये नाया न्वा वा के निवाया ना न्या ये प्राची वा क्षा निवाया कर्पाणर बुद्रा केंग्रालु रेग्रा ग्रीमा सबदार प्रामेर वि से रारे सुव्या वे प्रा इस्रयः ग्रेयः श्रुवः इत्यः वयः वेदिः गत्वः यः सहत्। ध्रेयः ग्रः खुः प्रायः वयः श्रः न्वायश्वायन्वापरभ्रेवान्नान्यः श्रेशान्याः स्वायः स्वायः ग्रम् भुष्यकात्राक्षात्राध्यापिक्षामिक्षामिक्षात्राक्षात्रम् भुक्षात्राचर ळ८.दूर.य.अष्टिय.यथात्र.यधेय.युव.यूत्र.श्चर.धियाय.यथा.श्च.छ्र.  वयःसितः हें हे 'धेवाया | अद्यानविना हे या क्षेत्र सावतः क्षेत्र खे। | दिवा से क्षेत्र स्वाविना हे या क्षेत्र स्वाविना है या क्षेत्र स्वा

श्चित्रायात्री गाउँ रायते यु नवि त्या श्चित्राया या य दु नवि वि स्मिन्। देवे गन्न संग्निस्ति हैं मुर्स्य हैं मुर्स्य हैं मुर्स्य वर्ष्ट्र में सुर्स्य वर्ष्ट्र में सुर्द्र वर्ष्ट्र में सुर् য়ৢয়য়ॱॾॕॱॾॖ॓ॱয়ढ़॔য়য়য়য়৻ঢ়ঢ়। ॶয়ॱॸॕॸॱয়ऻॿढ़ॱয়ॕॱয়ऻऄॖॺॱয়ॖऀॱয়য়য়য় विष्टिश्रामालीम् विश्वासदि। तृश्वामाने विश्वास विष्टामाने विश्वास विश् याधीन केशमा वर्षिम नायशाधीन वर्षेम ना श्रेस्र क्रिया है केत र्रे इस्रास्ट्रिय्वर्रासु गुर्म वे नर्रे नर्ज्ञ न्या गुष्या निर्मे ना स्त्रा है न र्शे.यदुर्-रेश्वित्वयार्गे सेदे क्रिंयाया त्रूर्या भीरागुयाया केवारी प्यर भ्रेश नेवशाध्यानु रता हुन् वृत्ता वित्र के मेव वित्र हुन्। वित्र श्रायाया न्सॅन्यह्न्त्रभान्नो र्ख्या होन्या हुत्त्व न्नेंद्रभार्येन्याया हुत्यराप वश्यावियायीशः भूत्यहर वृह्य वश्या वित्रस्य हुरः य वेत्र व्योधायिः यर्नेट्रावर्याळवर्षेर्द्वः वर्षेत्र्वेत्र्यर्षेत्र्यश्चेर्यः कृष्णः वेर्यः वर्षा देरः मुन् क्रूना क्रूना महात्तर महिना स्थान महिना क्रूना महिना महन् । नर्हेन् त्यु अ नार्वेन् नु र नि नार्था १ नार्थे नि र के अ नार्थे नार्थ त्या नःसक्रनःमर्थानिः नःषोः सः तुरः नर्या द्वेराः निष्यः सक्रमः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्व या क्रिंग साई वारायाया नवी नवि न ने सावित नवि न न नि सा ही सा नुः अहयः नशा अगः र्वे नियः नशा दशः हिन् नने नः उत् नुः नश्चयः देगः मश्रुटः त्रश्रात्र स्थायतः व्यवाश्रायदे के स्थाय श्री न्त्रीट वे हैं . १ ह क्र.त.ज.भर.ब्रूच.ग्री.ग्रट.चर.ग्र.पर्येज.ग्रीश.भविद.मू.र्टर। व्रै.तश.ध्रूच. न्सॅन्न्रा क्रूंन्यःकेंश्रायकेंगानीशानाश्राराक्षेःसहन्त्रशानक्रेन्यर क्र्याश व्यास्त्राच्यास्य स्वास्त्राच्यास्य स्वास्त्राच्यास्य स्वास्त्राच्यास्य स्वास्त्राच्याः स्वास्त्राच्या म्त्राचक्किर्या सर्वात्वसारी मूर्या नियम् र्बेर-डेग्।म्बर-नम्बेल-नश्राद्यान्य स्टान्बेद्र-सेन्प्रेन्निन्ने स्टिन्न्ने स्टान्ने क्रमाम्रीशार्सेम्। यम्यवयायमानुःर्ययानान्तेनायनुनामानमयान्यासुन ब्राम्या भ्रायत्वात्रायाचेषाः यहात्वातान्यात्वात्राम्यात्वात्राम्यात्वात्याः बु नुसायस्य नगरानसूराम्बरानसाग्रारास्टानबिवासेन्। प्रिटारे वहें त्रिक्ती दिन्द्र विश्व क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विष्य विश्व विष्य विश्व वर्षेर वेर विश्वास प्राप्त के स्थान के स्था के स्थान के स

सत्तत्त्वात्त्राचीत्रेयास्यस्याग्रम्। स्रूम्पायम्। स्रम्पायम्। षरः र्सून दर्भन रहा में सुरक्ष अप्योगा विवा हु शुरु रामर विवा श डेगार्हे रेदि वनराययानर्से सराद्या सेतु तुर्पते र्सेन सार्सेद पा नर्हें त'त्र गुर्रा से दाने 'गु'न 'बिना' व्यादि 'वदि 'व्या पुर्' द्या स' स्या से 'व्या स' से ' यसर्डगार्हेग्रभःदरः ग्रुभःसभा वसः भ्रेदः उत्तिरःवः दे। कुः सूरः श्रेदः यः वर्ष्यश्चराभ्रम् भ्रम्प्रम् अर्द्रम् अर्द्रम् अर्थ्यस्य नेम्प्रदेश्वर्ष्या र्नेदे वनमायमान के सम्मान के समान के सम्मान के सम्मान के सम्मान के सम्मान के समान के सम्मान के समान के समा यस'ते' मेग' मुन' सूस'रा' बेग' चुर'ग्रार्'। गहस'यरे' सूर'त' शुन्य स्थे नकुर्प्यायार्ट्रे रेवि वनसायसायदार्ये द्रायर देश निद्या नगायन द्राय मःलूट्यःश्वेःचेव्यात्रःसःवःष्ट्रेःसूत्र्यावश्वेट्यःसदुःवयत्रात्रयःचीःवर्षात्रयः यार्षित्रपदिःगात्रस्राभे भूतार्दे। ।दे स्थान् दे स्वर्भागार्थतः यार्वेदः स्वरे नुसन् गुर्ना पेत्राम् स्ट्राय्ट्रा निस्त्र स्वासासु से ससाम सुन्ते निस् व्यासहर्पार्चियापया देरायेस्यापश्चेत्रायार्चेत्। सरायस वॅर्गाउट परित्रें केवे विया निष्र भित्र प्रशासिंद पर्य से मी शासिश  ममा गर्डद्रमित्वयात्रमा हिंद्रायान्य क्ष्रनाव्द्रमायम् मर्माया क्रॅन्याश्रम्यया अक्षय्यात्स्याविष्यावर्ता यम्भूवस्य र्त्तेव्ययः न्नुःसदेः ने कें सः ने वः तुः सदः नदः नुदः नः इससः नुसः वस् वे दे दससः ग्रीः क्रें वर्देग्रायाम्याम् वर्षा वाववःविवाःवीयावाद्यः सावाः ह्रिंद्रस्यायाः हेर् बुर्यायया नदेव गहिरामें उत्तिवा पर्वा ग्रित से नदेव या गहिराया निव हिरोसा मुहा श्री वार्य राया विष्य महेवा वार्य राया निवास हे सा यान्वायार्थे शुक्षा द्वारा विषया स्वार्थे यान्वाया स्वार्थे । म्नरायानेवाया वें वर्षे वर्षे वर्षे प्रति से प्रति से स्वरायानेवाया देवे हेशःग्रीःगन्त्रःशःश्रदशःमुशःश्चेंशःयःदी ध्रयःगविदःगीःश्चेदःगर्नेदःया रुषायायनेवेवया अवावने श्रुवय्याने या ध्राप्ते या स्वाविष् मुर्भाकुरामित्रेर्भाषास्र्रभामास्रुर्भास्य स्वित्रेर्द्भा स्वित्र स्वत्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वत्र स्वति स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र विद्या ने हे या ग्री ख्रेम्या सुवाया मुंदा या मुंदिया मुंदिया मिंदिया मदेर्नु अवश्रिम् मुर्म् अर्धे क्षित्र अर्धे म्याया स्थर से द्राया स्थर से द्राया से स न इःनवे वः सम्बर्धे स्वयः हे न्दा ग्रह्मा यह स्वरे नु नवे वे सुः न नवे व वन्यार श्री अ श्री न दर्भे न श्रु श्रान्य स्व र त्र र श्रु श्रु र । अळ व र हे हे या विव र तुर म्रेत्रप्रभात्राम् स्वर्थेत्रप्रम्या देत्रम् स्वर्थः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः

यावरा अलाहे लायर्वा याचे अविराह्म राविया याचवा ध्रायार् क्रियाचा येव-५-भ्रेंव-वय-५गुर-थें-वर्षे-वर्ष-य-देव-थें-के-म्रूर-ख्र-वि-यर-र्चेता नेर वें मडिमा वें त त्र महिर हे प्रहें त ते । हिर पर उत्र श्रेश श्रूर सुरायार्थे न दुःन विवेशनरातुःन क्षेत्रा मात्रस्यायाः इस्य शास्तरा विवा देवः र्रे के सुर खुर या नेवाय दय ५५ से खु विर ५ में वार्रे ५ के जुवा यह न नेते भूनमा शु मूर शुर राजवय निवाय देश के मायर में निश्रमा। तुन यदिवाची स्टायसाय र्से छूट से र विवाय विवाय त्वाय है। इ वा देव यर्याक्त्र्याची विद्यापययायदार्ये वर्षाची वाया देवया के याची से म्रेजनविवर्र्भा वें शुर्वा द्वर्षा म्राम्य स्वाप्त स्वापत स्यानि निर्देश स्थानिया वायर से निर्वाचित्र स्थानिया स्या स्थानिया स्या स्थानिया स्य वयानभ्रेवायराहेवाया नविनव्हासाविवात्यार्क्षवायानभ्दासहिता वे यदयाक्त्र सङ्ग्रियायया वि याहियायायायात्र स्यान्त्र स्यान्त्र स्वरं यदान्त्र स्वरं य यानकुन्यायाने से से सम्मान्य । यान्य साध्य से मान्य साध्य से मान्य साध्य से साध्य से साध्य से साध्य से साध्य स वशर्राक्तिन्तुव द्वाराष्ट्राचा विवाय। देवे हे या ग्री वादव या यो वेया रेव में के दी न्यायरें दे ने रागें याना थाना श्राणम्या से में ध्रया है नहीं व

यानग्रान्त्रेयाक्षेत्राग्री स्वयास्य स्वयात्याच्यस्य विकासवे वयान्द्रम्वविवासेन्यिः निद्रादे विद्वायान्द्रम् यात्रम् विषया लेव्यायराध्यायभूरायाचेरायायराचुरा युवार्वे विषार्थेरायादेशाचा लियायातास्मियमाश्रीसक्षे यरमास्मिमास्मियातास्मियमाश्रीसक्षान्नेराया म्यान्य स्थान्त्र म्यान्य स्थान्य स्था नव्यायायदेके। यन्त्रची वयायायम् यम्याम् याद्र्यास्य व्याद्र्यम् यर्याक्त्र्यान्त्रात्त्वराक्ष्याय्य्यान्ययात्र्यात्र्य्यान्य्यूर्याय्यान्यविया वर्षा नडु:र्जुग'रा'य'अदशःकुंशःर्श्वेय'रानद्धंरःर्जेव'रा'न्दासहय|रन'रु'न्जुर नरःविश्वास्था में श्वरःग्रीशानाश्चरःवशा सामवःमः इत्यादर्गेरःग्वरःशेरः यश्रस्य मुन्य सळ्द्र म्यायश्रस्यो र निष्य प्रत्य प्रस्तर्या यायर क्षेत्र न वेया के दार्थ या स्ट्रिंग या विष्युया पु राक्टरनर्याद्वर। शुअरङ्ग्रन्तु निवेशर्यदे के अद्या कु अर्थे अर्थ यानेयाया दे हिरायाद्व सायाव्य विया ग्रुट सदे सळव दे सानेया वे तुः पुषाना त्रुम् सम्भाग कुन् देशाया प्यार सम्भा कुरा क्षेत्र सम्भा ने सामी निर्मा

ग्रीभागान्त्रभासह्न। रटार्थे नुगा दुः इन्नुगाया से भेर्या वर्मुगाया निग्ना नेते कें शुक्र स्विष्ठ अवसार्वे है अवकु न्यान कु न्यान के निर्देश हैं न अयार दुः र्रेव प्रदे वह वया देंद्र प्रायया न केव रेर्य या वेंपाया री सुर देंद्र म्रायाय प्रमानित्र मात्रमा देश्येर माळे द्राया अर्थे प्रमानित्र में स्थिर प्रमानित्र नेते हे अ शु न्वो नते न ने अ वाहे व विश्व प्राया शु न निव्य अ प्राया श्वर ग्री गा गा न स्थान्य प्रत्येत्र स्थान्य स्थान् यहिशाग्री श्रेश शु. खु. वर्जुया या विद्या म्बर्प्याप्त म्बर्प्य प्राचित्र स्वायायायात्रेयाययास्य स्वाप्त सुद्रा वद्य प्राच्या यास्रावतः सं क्रिं रासें खुरावा विवा सं प्राप्त क्रिंवा प्रस्ता विवा से प्राप्त क्रिंवा विवा क्रिंवा क्रिंवा क्रिंवा विवा क्रिंवा क्रि नःश्चिनः नर्धेनः नगरः व्ययः नश्चेनः यरः ह्रेन्यायः नयः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व रेव में के त्यामान्ययामा लुयावया नर्से यया प्रयादिन प्राम्य विवास मा विद्याः ह्रेन्या सामान्या क्रिया क्रिया विष्याया स्थान्य सामान्य स्थान क्रें से ५ . ५ . चार्याया ४८ . चे . हे ४ . हे . य चे चार्य ने चारा ने या या ये या ये या ये या ये या ये या ये य ने हेन या गान्त सर हिंता से वहागाने तस कुर्से हिरे गर से हे पुर का न्त्र यान्व शः सह नि कुः हो वाया नेवाया वरः सर्र र ध्या कुः केव रेविः न्द्रभः गुनः र्वेनः प्रम्याया यद्यः क्रुयः र्वे अळ्वः न्नरः द्युगः

गर्विव तु। सरस मुस र्स्स् सम्बेर में निस्त सहित कुरवर्गिया ता विद्या है। पिर्यापासुरापाद्वर्याद्वर्यात्याचेन हे.सु.इ.चहिर्यासुरासासुरा खुर-तु-अवित्र-से-क्क्रिंत-क्षे-खुर-स-डिवा-तृर। क्क्रिंच-त्रेत्-ब्रह्म-वर-ग्रावाकः मालेगायान्गे रुष्यासहन्। वे हि शु स्थायान हेन मा धान इ स याठिया'य'नड'र्न्स्ट्रान्त्र'स्ट्रान्त्र'स्ट्रान्य'याद्व' यर:ब्रिंवा ग्रु:पविषा'या:कु:र्ये:ब्रि:या:यानेवाया वर्दे:क्रेंय:श्रुंदाया:याद्य नक्रेश्यास्यानुःध्ययानुः वाद्वायाया। यदाने वार्श्यास्य स्यास्य स्वार्थिते हिवा याशेन मुर्केश श्चिरियो श्चार्मेर सार्य निष्ठ श्वरा वर्षे । वर् वरःकुषःकुषःक्रीयःवेरःसेः नमगः इत्या नमः नेः नगुः नमन्। नेरः वेरः वयः गर्हेर्या वित्रामित्राया महेत्र त्राया प्राया वित्रा सुरात्रा वसरमाममाभू वरामापा स्मा वसमा उर् से प्या पुर्ने पार्ने रामा नर्ने त्रायान्य स्वयान्य स्वयान्य विद्यास्य स्वयान्य स्यान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय हे अवशकुःख्या निराङ्घे निराग्न गार्थ अपार्ड राष्ट्रेत ग्री अपार्व अध्या गर्डट हैं व तरी हिट नया नर्रेट्या नु खुल से या से गया से हि वया ञ्चनार्थः स्त्रनाः नी निर्मायन् निर्मायन् स्त्री । स्त्रनार्थने । स्त्रनार्यने । स्त्रनार्थने । स्त्रनार्यने । स्त्रनार्यने । स्त्रनार्थने । स्त्रनार्यने । स्त्रनार्यने । स्त्रनार्यने । स्त्रन्यने । स्त्रने । स्त्रन्यने । स्त्रन्यने । स्त्रन्यने । स्त्रन्यने । स्त्र म्नीट-लॅग्। गुट्रा दे हे अ.ग्री-भ्रुग्र अ.स्.में अट्य कु य हैं में ग्राद्य अर व्यानिक्षित् यह या क्ष्या स्था के त्रा के त्र के त्र के या विष्य विषय विषय

नदे क क्रेन् नु न्या के र हो अर में ज्या महा हु माई मा स्वापित म्याक्रियात्वास्त्रस्य चित्तित्वाचीत्रस्य त्यात्वीत्रस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य वित्तात्वीत् स्वत्ति स्वति नन्यक्षत्रस्ये द्वस्यस्य हिंगानाया वदे दे क्ष्यं प्रस्य स्थान्य स्थित्य विगामिर्शेशम्हरदेद्द्राह्म सुरामा सुरामा देश हित्र तथा आर्चे साहत मा अरम्बर्पात्रस्य न्रात्रस्य मार्थे वास्त्रम् विवास्त्रम् विवास्त्रम् विवास्त्रम् वास्त्रम्

रेव में के सरमा क्रमा क्रेंव मंदी विद्या भाषा मुन भी भाषा नग्-नेशव्युअन्दा धुअन्धेन्त्रम्भेन्-ग्रेन्थ्यानने व्यन्ति । लुरी जु.चर्चे.चुषुरुःश्चर्यावश्चातिरात्राचारियोशी सुरःशुःधीरायः ख्याव्यान्य स्थायान्ते विष्यं प्रविष्य स्थाया स्था विष्या स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया क्रूॅबर्ने वर्गे के वेर्ने जुनाम प्येवर्ने । यह या क्रुं या में या में या वेर्ग प्राया में र्रेन। निर्मेश्चेतुःयायहिरम। बरमार्मे के नन्दरसर्के सून्यायान्ने कुंया यहरी यक्ष्य.क्षेत्र.वित्रत्र.चेत्र.रच.ध.चयेत्रात्र। वर्तेत्र.च.श्र्यात्रात्रात्रयः मक्तिक्रम्भद्र वुःख्यानुः सद्याक्त्र्याहे स्ट्रिया हेरावस्ने विष्या यहरी यरमाभियाक्षेत्रायायाचीतियाचतुःक्ष्रमाभूराक्षराचराविया हेतुः र्भासुःग्रम्भरःस्यायःनग्रयनययःग्रेःस्र्र्र्मरः।वयःसःसुरःसःस्यानगरः करः व्यासेन्यम्। स्वायायम् स्रेन्द्राचेस्र सेन्स्रायाः

न्तरमुन्यानत्वायायायायात्रम्यस्यावया वेराम्युयायाये स्वाप्यान्य ध्याची मन्दरस्य सेनस् विदायसन्दर्क्ष संवित्ति हो स्टार्के स्था इ.र्ज. श्रमी.ज.योज्याया देव. ईय. श्रमेज अहेर या राजर या केया देव. यःद्ध्यःविस्रशःसर्वेदःर्रेदे। यह्यद्रशःध्ययःगःतस्य सद्रशःक्रुशःहेर्देवः श्चेनव्यास्यामुन्ययाम्ययास्ययास्य साम्यास्य साम्यास्य साम्यास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स ध्यायासुवात्याः कुः र्रे व्ये या ग्री न्य नात्या या स्ता कुः व्ये या ग्री ने साम्या मदेः निराद्युवात्यः तुः क्रेंत्रः रेतः चेत्रं के वानीवाया देवे हे या शुः श्रुतः स्टार्से म्यान्यान्य नेति हे या शुः कुषा भेन्या शुक्र श्रः के या ग्री हैं है। हैं में हे र्चेट्-ट्-ख्-ह-य-मेनमान्यानुय-स्-ख्-ख्नायायान्वेग्राम्दिः नर-वे - हुग-इः इनिहेश दे हे शः द्धंयः विस्रशः सर्वे दः से द्धः धेरायः वानेवारा पदे वरः में है यान कु न्दर्भान दुः इन्त् दे हे या निद्यान वयान स्रोते यो में हो दुः यम् वार्याया निक्त प्रत्य के प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य । श्रुव श्रू व या त्र लिज.चतु.भैचश.शू ।

## नुःसुयानदेःस्नियवेष्म्रन्य

ययःम्र्रित्युयःनःयःकेत्रम्यामुयःम्रेत्यःनन्न श्रून्ग्रेन्यःनुः

रे'न'केत'र्स्थ'नुसन्दर्भन्न। वर्ने'व्य'सून्'ग्रे'नुम्'सेस्थानु म्यामा नियम्भेरम् छेत् से मार्चिम् स्वामा स् निन्देन केत्र में अगाअगाअगी निर्वा विनायन निर्वा ने प्या विं निवर रेत केत सेट में विश्व ग्रुप्त विश्व श्रुप्त श्रूप्त श्रूप्त श्रुप्त श्रूप्त श्रूप श म्रायन्त्रीयात्वात्विद्या हेत्रस्यायात्राः श्रुप्तायत्वाया स्वायात्वेतात्वे गुः धुयः नवे हे र जुगः र धेव। अवस हैं न्ययः न्र क्षुन दुन गुर कुन रेन् ग्रे क्रिंन सन्त्रिया बर क्रेंद्र मं विकास सर्हें खुर द न व्याका सन्दर या गाया या न्दर्भात्र वुःध्ययः व इस्र स्वर्भव्य स्टर्से से वक्कु द्रायं से से सुर्यायाग्रस ग्रायान्त्रा मुर्पान्नो त्र्त्रियान् मुर्थान्त्र्या से न्त्रा नियान्य से हःषः ग्रुःध्ययः नानेवाय। कुः यः दर्वेदः क्षेत्रः विष्ट्रम। स्टः वेरः नत्त्रः स्ट यदियासाञ्चयात्रास्त्रयात्यायानेयात्रा वे दि त्यान्ययास्याः वे त्याप्य मिलेम्बा निमेरार्स्स् अप्टेंबर्ग्स् सूर्या स्रामित्यार्स्स् सुरा स्टिनार्ये दूरि स्रवर्गानिक्तर्रे स्रय्यान्त्र्यास्त्र्रे स्रय्यान्त्राम् र्ये के जुर कुन ने देव के देव विषय नियम के रामित मैंगामी सर्वे क्रें में रर्पा नह ना सहसा नह ना स्थान में स्थान के राप्त सम्या हेर'गडिग'रा'य'ग्रु'यर्षायार्या हुन्दिर'वेर'र्यश्चेत्र'यर'हेंग्रा श्चुग नुसामा दिन वह ना गुः खुला ग्री सूनसास के निमानसा मस्त्रा पर

व्याने निष्या विश्वासार्थे विश् यी याद्रव अद्र सूर्या अद्र अस्त्। वर्षे वर्षे द्र क्रु द्र वि अद्र क्रु स्या वर्षे या हेव सर्वे व रें विद्युद्या हेर गहिया रासे से पें याया या सुन्त हे न इव ग्राम्या रामिताअक्ष्यतिविद्या ट.चर्चेत्रासक्षेत्रीतास्त्रास्विद्या स्टासूर र्देनः भ्रायुवारा श्रेयाया विवास। यदे स्यया गाना उत्राय प्राप्ता विद्रासारी गडिग | देवे गद्व राज विंदा प्रवेद हैं श्रें राजेव हैं हैं व यार्श्वेष्यास्यात्त्वात् वद्धान्त्यायायायात्रान्तरस्रोता न्ययाळे दार्हेरा यविवा स्वातः ख्या ग्राम् । स्वातः स्वाया स्वातः स्वाया स्वातः स्वाया स्वातः स्वाया स्वातः स्वाया स्वातः स्वाया नक्तरायायात्रम् अर्ग्स्य अर्ग्स्य अर्ग्स्य अर्ग्स्य अर्थः सहरी वर्षमाय श्रेया के मार के वर्षे या का हि.सी. क्रु. या वर्षिरमा के स्याना यायकळित्रानु नु मुद्देश्यायान्त्र्यायान्त्र्याया स्टार्वे टान्यु न् रासुवारायज्ञुवात्याविवारा देवे वाद्वार्याया विवार्ये वर्षायाया देवे केव प्रमुद्र पाव रादी हैं श्रूरा भी राहेर ख़ पावेरा पाये स्पाप प्रमुद्र रा नदुःगशुस्रायार्से श्रूयाग्री दुरातु रना हुत्य हेरामहियायार्थे स्य इयावर्चेर्न्यात्रं राज्यात्रश्चेत्रायर हेवाया वर्ते यद्या क्या के संस्थाया है हे निर्वित तु। हे र्चे अर्वित र्चे इससान हेता से निर्वास स्तुवास स्तुवास यान्वरश्यर हिंदा हेर न्त्राया भेर सेंगाया शे केंद्र कुया में यहिरशा है र्यो.स.पुर.सेयो.स.क्रूश.भेतातसयोश.स.प्रीट्रश क्रेयो.सेर.य.शरश. मुश्यापर र्मित् श्रेया त्रिया के वार्षे के वार्षे ने वार्षे के वार याकुःश्वरयाया भुन्नो तन्त्रस्या यात्रापान्ते। कुःयानायदार्धेवः इससान्द्रम् सर्द्धद्या स्टार्वे से नकुद्राया नेदे यान्वरश्यान्यश्रित्वस्थान्त्रेवरकेवरवे। यन्यायुःनश्राहेर्यमुन्यवेशः रहःश्रीरार्स्राष्ट्रियायिद्या वद्यन्त्रीयायाक्ष्यायव्यास्याय प्तृतुरःविरःनश्रेवःधरःह्याया वर्षःग्रानःदरःवेसःकेःदेरःर्वेःनःगिरुयः यानहेता राजें नवे न इसमिन मारे नाम निरामें सूना यानि समार्चेता न इःगडिना सें त्र सदे भी टा ह्ये त्या हु त्य त्य स्वर स्वर या हें त्य वित त्यहित्य। नडु:न्गु:म:कु:सॅ:प्रजुग:प:श्चेय:नुदे:ख्र:केत्रसॅ:ग्नेग्या र्रे:नकुन्य: वसवाशासावानेवाश सराखर्याताः । यराद्वेत्राम रेटासाक्वे हिया नुदेः भ्रुप्तर्में अर्मेत्र नुप्या नुप्य वेर्यमित्ररीं क्रम्म र्युष्य सहस्या स्टर्वे दिन वासुस्य से विष्य वासेवासा नेवेयान्वस्यार्वियानवेरन्वेवस्य मिन्सेयाविवस्य निरसेय्य यात्रव्य

नदुःनविःवःगासःगासःनुःस्नःनुः हुः। हेरःगहिसःसःवःर्मेःसरःनस्रेनःसरः ह्माया श्रुमःन्यवःमर्शनःवययःन्यक्षयःन्यः वुःख्यानवेःयन्यः कुयः हें तें इस्रायाय में त्रा के रापिक रापिक रापिक से कि त्यापाद रापिक रिक्री यदेशमान्वास्यान्वे स्टान्वे स्टान्ये स्टान्य स्टान्य स्टान्य स्टान्य स्टान्य स्टान्य स्टान्य स्टान्य स्टान्य स स्या विद्या य क्रियाय के तिविद्या विद्याय तियाय विवाय के विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या श्रमाद्वामान्त्रीयाताक्ष्माह्याह्याह्याह्याह्या वर्षात्राह्याह्या र्षःहेरःचक्कर्यः परायहिरम् वे क्यारायार्थः स्वाप्यादाःहे वे गुन्द्वादार्ह्यः र्रे गिन्द्र अन्ति वियान विरामेद्र केदा से दाने दि भी दार्श सुवाया विष्ट्र स् न दुःगिहेश्यायायायात्रत्वेदाशेटागे । द्रमयान द्रा क्रिन द्रमेंद्र देवा विद्रा मायशस्तानुन्। हे पुष्यार्चे सम्मित्र सम्मित्र हिंग्या ह्रियान्ये देव गर्विव द्रा इ सुव निर्मा क्षा स्वाप में का से वा निर्मा स्वाप से कि निर्मा स्वाप से कि निर्मा स्वाप से कि निर्मा से कि निर्म से कि निर्मा से कि निर्मा से कि निर्मा से कि निर्मा से कि निर्म से कि निर्मा से कि निर्मा से कि निर्मा से कि निर्म से कि निर्म से कि निर्म से कि निर्म से कि निर्मा से कि निर्म से कि निर्म से क ब्रि.ज. हे. श्रृं गुंव द्वाद क्रुष अळव पादिहरमा क्रु. या नामा क्रिया व्र लियायात्रास्यास्य अस्त्रीयातास्त्रीया तकर्तियायास्त्रीस्त्रीयास्त्रीया क्षेत्रन्देव क्षेत्रं क्षेत्र को निष्ठ निष्ठ निष्ठ क्षेत्र के निष्ठ क्षेत्र के निष्ठ म्निट्र प्रते र्श्वेन द्वेन स्वाप्त स्

श्रॅंधिशवापान्वस्यर्द्वत्रिंदिस्यस्य वर्षावित्रस्य वर्षावित्रस्य वर्षावित्रस्य वर्षावित्रस्य दे गठिगामानिमाना नेतिम् में गान्तामान्याम् में यान्तामान्यामान्याम् द्र्यः व्राच्यः व्राच्यः व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्य व्याप्त्र व्याप्य प्रिचुर। में अर्अप्तरकेत केंद्र नेर मुल में लश्च नश्चेत पर हैं ग्राश क्रॅंशर्विरःग्लेटःनदेःश्लॅंगर्वेत्रम्भाग शुक्रस्रेत्रस्य स्व नक्षेत्रा नर्डे नक्कुन्य कुः से प्यायान्त्य सम् र्वेत्रा मन रे पे रे मन्त्रे न यार्से ग्रायानीयाया वदी यानीयायात्रयाष्ट्री याया नर्झे या पदे व तर्रा व शुअ दुः इन्त्रा तर्मा व वापन केन न हेन त्यु वा न न न न है। कु वे सूर याः मुद्दशः विद्वः चुद्दरा वे विष्व विष्यः विद्वार्थः विद्वार्यः विद्वार्थः विद्वार्थः विद्वार्थः विद्वार्थः विद्वार्थः विद्वार्यः व योवे:वनशायापातृगशावशायात्राचें वुश क्षेत्रान्धेव सामव केव नहेंव रेव'रा'य'लुर्याद्यार्म्यानु गुर्मा वें 'हेर'नर्व'रा'य'स्र्र ग्री'सिन् हेंन यश्रम्भेत्रपरार्ह्मिया हैं शायित्रमें स्त्रीर र से तर्मे तर्में तर्मे तर्मे तर्मे तर्मे तर्मे वर्षे सक्त निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश मिल्य के निर्देश में मिल्य के निर्देश में मिल्य हे न्नु सन्य प्राप्त वर्षे द व्यय मुख यहं वा याव के वर्षे य द्वार या शुव र्श्नित्रेरान्। गुःशुवानवे सामवार्गे नेवार्ख्या स्निनान्में वार्षिवान हैंवा शः श्रें न्यूर्यायात्र्यं श्रमः र्चेत्र वें हिमः यत्र्यं यत्रेश्यायायायाम् स्थायामः

विट. में हे मानेवाया से न्या राष्ट्रयाया से याया यही । विट पदे श्रुव स् हेर नक्तर्यमिन्या वेर्त्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्यायात्र्याया ने हे अ ग्री कु र्षे अ त्य हें मा अ के द र य कुं य हैं मा ने मा या ने दे र ही र वें र ने र वर्चियात्यायास्त्रें वारायानेयाया दे हे या ग्री से संवाहित्यास्त्र वार्यायात्रवा न्ययामिनाया ने हे या ग्री या है या जैं मा जैं या जैं मा ने वे से हो से या जैं या जिं या जी या जिं या र्से ग्रुष्य मुष्य श्रम भेषाया निष्या विषय निष्य में विषय निष्य में निट्रिं प्राया के साहे निया ने प्राया ने में सामित्र के मब्र क्रेब मक्कु प्रदाने बाद्या निवाम निवास दिव मिहिसास निवास निवास क्र्या हे 'दे 'चित्रेद पार्श्वेपाय 'चार्यहिस्य। स्ट 'क्यें 'देव 'पाश्रुय 'च 'वेट स्रें सूट यामिनामा नरायदीराभे मुनायामाद्वासाराभेता देवे माद्वासारा में ग्रम्भायात्राचात्री निरार्थे स्रुवायाव्यव त्याया मुराप्त विष्या वे प्रम्याया नदुःगशुस्रायायायात्रत्वेतःक्वेनःक्वेनःसःन्दःश्चिनःन्येनःगुःनुःनःगिहेसः यश्रास्त्राप्तुः चुरा वद्याविष्यायाविष्ठेत्राये श्रुत्रस्य चुत्रस्य वर्षाया वर्षा नर्संकर्र्न्यकेता वें हेर्म्यहिषात्यास्त्रिक्तं केत् भूगुः से द्राया से विकास यश्रम्भेत्राचराह्मेवाशा वाववाणदावाशदासु वार्त्वेश वाह्नवाशा स्रावशः मुनर्हे हे मुयासळ्या हें हे पहें वर्ष पार्विव व् मुयासर्वि स्यादर्वि र

न्नरः धुगामिर्वेव वु प्रयोग इ धुय देव में के क्वें में मान्य मानव केत्र से र कुषाना रे वित्र पासर्वेत्र में पार्वेत्र तु कुषा सर्वता गुत्र श्वरस णे ने शक्त या अवश्य इत्यार्वित तु रेंद्र इत्या हे या या स्ट्रा यो कुः अर्के द्वाया निष्ठे प्राचित्र विश्व वि यर:ब्रेवा नेवयाश्वादाङाविवायाये से से विवेये व्याप्त हैं या विवाय स्व रामेत्रमें केदेग्मर्या होत्रमहस्रम् से से से होतुः वर्रे प्यत्यायार्थे द्वा दुः सें दा विसान विसा केत्र सें या नेवास तसा यें सुसा नकु:८८:वर्त्वासे:क्षे:प्यवःवःर्सिटार्टे। वि:प्यवःवदेःक्षेत्रःसदेःस्रवशर्से।

## कु'अ'नदि'ङ्गनश्

न्वीं वर्षा नवे नु नवेदे पा गुवा गा साम ने सामन दिन्दी। हैं में प्यव मञ्जीतार्चरायेवमा ध्रमादेमाहीर्जात्वेत्रास्त्रम् वर्षाया नवर में विवार्येर वाश्रुर व्याश्रुर वश्रुव प्राचिव प्रवास सन्य से से ही यायहिर्या रवारु हुर वदे सळ्व लेयारव देंना है यान्वें वायान र सर्देवःचरःह्रेवाशःचदेःखेवःहवःषपः खंदःसेदःचःपः प्रवः पः धेव। श्रुवाशः र्ना ग्राम भीत हिंगा में प्यम् न त्वा कें श्राम् श्रुम न प्रशाहित

र्श्वे द्रायानवे दे वित्व हेदान् नित्य प्राप्त निवास वित्ये द्राया वश्च रावर्षे या सहता यःर्येदेःस्रावसःवद्ध्वःलेसःरवःर्देन्यासयःयिष्रसःग्रीसःवश्चुरःबेरःवदेःषः गरेगागुराविराधेवारायद्वी | देशाग्रायाद्वीवारायहवा ग्रायायरायद्वा नकुर्वसावर्क्षम्भ। धुःर्रेषाचुःन्रेसार्भःन्द्रस्यान्स्स्रसान्त्रद्रम्यसूरः व्यानवे हिरारे वहें व नह्व में प्यान यह व न्तुर के नित्र व कु स था श्चारार्थे समायायानेग्रा यदे यहार्यायये से नुः स्टे से स्टे स्ट्राया मिलेग्ररायदे हेरा ग्रे से मुने प्षेत्र नर्गेत्र मानदे मुक्ते त्र मे नदे मलेया गहेत्रक्षेत्रः बुरः पति। बेतः बुरःहेरः ग्रेशः ब्रूरः विशः ग्रुरः विशः ग्रः तिरः कुः वि हःयःविद्या कुःहःविदे हें ने ने न्या विवादान वि चग्।क्रुनःमदेनद्वनःमःच्या सळवःषेःभेगःवनम् नेःनुसःमरःवयःश्चेः नशः र्वेनः प्रदे हिर्दे वहेन् योग्यायर विद्या हेदे गान्य स्थिय प्र र्यान्यर धुमामी अन्यया थ्वान्ये वित्राया या लु अप्यया वित्राने नियो निर्देश निन्धामित्र मित्र नित्र नित्र नित्र नित्र मित्र नित्र मित्र नित्र मित्र नित्र मित्र नित्र मित्र नित्र मित्र नि वर्त्री गश्रु र नर्या ने य र न र न र द्वा मी य हिंद ल द मी न दे र मे य य हे व मश्रम्भायायायर्गम्भायरायर्गाचेराम्याच्या देवाग्यरारे विवादी सार्वेदा ध्रिमार्चिन्हे पुर इत्रापायो से सिना मी में त्या मुद्दे हिन द्या नर्गे दाया न यासहयानमातुषाम्या भुषळ्स्यान्याम्यासहयायासेन् हेमा नेमा

न्वीव मर्वी म्वी दिवा वी कु सेवा वि ने महें निवा के स्था है से ही से नु विवा हा म नश्रेग्राने स्या स्या स्या स्रा स्था श्रेरान्य स्रा मार्सिन निर्देश स्या वस्र अरु प्रमुख प्रमुद्द है वा है अ हु नि है के लक्ष प्रमुख प्रमुद्द है व नन्न अर्देन पर ने अपरास्य हिन प्रश्नित से स्वार्येन प्रस्ता निम् व्हरके। वनरार्दरादे योगरायर सहया दर सेराव यनर संदे गार्देर स विगानसूनस्य दसा प्राम्य हेर्ने न्यस्य निवे नुसासु न्यस्य निवे । यावरः नःधेवः याशुरः नशा हैं सेंदिः यान्स्रश्रः सः है व्हुः नः नविवः नुः यावरः नरः वर्गाःश्रुश्रायः चुरायः विद्या यार्थश्रायः श्रुष्टर यरः श्रुयाश्रायः यहवाश्रा रेशरवादस्यानर्था रायावनशाम्या द्रायावनशाम्या नश्रमान्त्र व्रायश्वनश्वन्यम् क्रियान्त्रम् व्रायम् । व्यव्यविष्यम् व्यव्यव्यान्त्रम् गशुराश्चेरासर्वे त्याश्चेत्र क्रुनसासह्दासम् द्वायाश्चर्यास्य विसासदे भुषा क्रूँ मार्गा ना मार्मे क्रिमा विस्तान हो । नद्वं त्री नार्थे न नात्र त्र र ने दे न स्रे त र सर न् सह न स्र लिया पर येग्रथं सर्गावेग्रथा दर्गेत्यं राजानेग्रथं त्रश्रेति वावतः ग्रीशःश्रमाद्भिः श्रश्नाद्भिः त्यावमार्श्मेष्ठः व्यान् राष्ट्रितः स्वान्यः क्र्यासाया रायायरेवे क्रिंका यो से राया विवाधिक विवाधि व'य'न्याद'डेया'याशुद्दवर्ष'नश्चित्र'नु'चुद्द्र'य'य। ददे'त्व'र्थ'ने'नबुयार्थ'व'

सर्विन्यम् सिवुवन्य केवन्य स्वाद्यन्य स्वत्ते त्यन्य सिन् स्वे स्वयः सिविन्ये खुनानापर हुर नशुरा धेश दे भ्रुव से रामर दर्ने रस है। रे हैं न येग्रायर न्त्रीय व्यार्थ हैं न व्याय यह से हैं हिन हैग सिर हैं नव्यायायदे हो न्यो स्ट्रिंग उस्याय सुदे न्या स्ट्रिंग ग्रीयानार्थयानासुरादया ब्रेसु बुरासयायेनायापरानर्धया राहि नात्या मुक्षाम्यक्षानिष्ठक्ष्यानिरेक्षेत्रा वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् मुक्षानि वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् वर्षेत्रम् न्दायदे स्थानसुद्रासु पाद्रव द्रद्राय तुरा न्याय विद्रा म्रेतु बुर मा श्रुव इर रसा श्रुव स्वा वियावया दे श्रुर व दर्र हे वि रर ग्रीयार्क्षेनाश्चरात्रया य्यानश्चरयाग्यरास्त्र देराश्चनायात्रया यह्रें त्रश्रायश्रायदायाः सर्वे न्यः त्रयम् श्रायते स्नूरः नः परः गुरः लु शः ममा रें में नदे वियानमा भे पदी दिने में नु नु मुझा उ न मिं महा मी देन चुरावरायर्गायाश्वर। यव हेना नुःश्वेर यः वर्चित सदे छे यः वर्मेर विगायः विनशःगित्रः ने सुगाः श्रेंगाः न के दशः प्रशः श्रुवः नगारः में विगः सः में दः देंगाः ने ः वयावर्षेवाने सेंद्रा देवासहे में विवार्षेद्र यावव्र हे प्यद्रसाद्र्येयायर ने मिठेग स्यावद सेंगा ने या सेंग्या सम्यास में में सद सेंदि देव सहि। नह्ना'रा'साम्बर'धेव'सूस्रा'रा'स'महिंग्रा सिंद्वेव'रा'र्रा'हेर'रे वहें व'री' समुनम्बर्गामुमासे विनामास्यान्यम्याम्याम्यास्याम्यास्यास्याम्या

हें भूव वना में निया गा न न से मारा से न सामे प्रति प्रति प्रति प्रति सामे हैं न र्से सर से संग्राट विनयाया निम्या हिर हे प्रहें व विव हिर मह्व प्रथा है नर्दुन्देशयान्द्रायदास्यक्तं विकासियोग्यास्य विकासिया स्रीतियस ग्री देश प्रशामित प्रशाम प्रशामित प्रशाम वर्षिरः नः वह् नाः व्यान्य अस्त्। नश्रुवः भवेः रे अः यः क्रु अः यः नाशुर अः यः वः श्चित्रस्थान्त्रेत्राच्यान्यस्य स्थान्त्रम् द्रमे निवादित्र निवादित्रम् भ्रुवा न्यमः भ्रेवः छुटा सदयः ग्रम्याः भ्रुवा नुसः नुः मेः मः मुषः सळेवा रे से उदाया हेन या द्वीं दाया सदय रे या यह एक ना दे या वार्डर र्रेट.य.सैंचर्यःसूर्या श्रेट.सूर्ट.या यट.सूर.या सर.यश हे.स्वा.या होट. क्ट.च। क्रिव.ट्यार.च। क्रिट.र्स्ट.च.ट्रर.चर्ड्डव.ड्र.ज.स्ट्र.च्यायाय। ह्रेट. खर्यायान्यः ह्या यया में निया किया स्वास्त स्वास्त स्वास्त स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्व खुर-व-क्कु-व। द्धवाबिस्रस-दिन् बेर-वार्सिवास-विरहें वासायार्सेन ख्वारे र्वसन्त्रा गर्दन्द्रन्ति सुन्दन्ते भूतः सन्दर्धे के स्थूर्यस्य सेवास्य प्रम् अपीत्। यत्रिमात्त्रम् वर्ष्य वर्षात्राम् वर्षः नी ने न्या भी साधी महास्था से दुः तुर पुर पर्यो नर नहस्य सामाना न्या

ब्रेतुः बुरः प्रदेः श्रूराया न् ग्रीरः श्रूया के वार्षे । वारा ग्रम्यास्त्रे ग्रम्कुनासेस्यान्यवः केत्रार्ये बुम्लेगाग्राव्या ग्रीमें त्राप्ते नवेशमधीत्रे निर्मेरख्यक्राची मेग्रास्त्रिम्स्र से संस्थान र्रे हिया विष्ट्रिया नगाय मान्य्यान्यया नगाय मान्यया मान्यय मान्यया माय्यया मान्यया माय्यया माय्यय माय्यया माय्यय माय्यय माय्यय माय्यय माय्यय माय्य तुः धुयः नः गृहेशः ग्रेः क्रेंनः अधितः विद्या नक्षेत्रः सः यः गर्डेः वेदः सहदः सर् न्ग्रेन् र्श्वेय वियम्मयाया यक्त दे मवित तुम्मयाय प्रावेय न्या रेव केव श्वर वी पाई वा व्यवा विर हो र वे वि दर्ग वह र वि वर्गे निते देव कु केव से अह्य केंग्रास्टर निकुर निकु के सर्वे निया रह क्रिंचक्कर् इ.स.चाहेश्यासाञ्चायास्त्रायान्वेयासा रक्करः र्यदे गडुर र्ये नु से सूग् गे शुरु द्वेत सूत रेत रें के दे ते। नसूय य नवर सेंदे अरश कुश शु र तुर न तुर कुन शे सश र नवर भ्रव कुन किर हरेंद्रञ्जे नाय विश्वास्य म्याया श

ने प्यट से इति श्लीट व प्रचार्त्र स्था विया प्रतिया स्था विष्ठिते मङ्गेर् रकेत्र से पूर्य के देश्या इस से विया त्या से रिया नवि । सास रिया रुप रुप है। न्यानर्डे अपनि देवे विषान्य स्थाने निष्य देवे स्थय हिन् की सुर्ने ने निन्तु र्श्वेन'न्रेन'ग्नु'श्चून'ग्रुट'कुन'शेशश'न्धद'रेन'केन'न्धद'वेश'ग्रु'नर'श्चे' नः ब्रुट्यार्षेद्रायया ये हिंगायिषादेगादे त्या श्रेंद्रा यिष्ठेया वे सङ्ग्या ते लेया श्र चदःगद्भगःयगः।वटःवः ग्रुटः कुनः शेस्रशः द्यदः श्रुवः भेटः हदेः श्रुः नः र्षेर्नःमश्राने त्यार्श्वेत्। वाडेवान्द्रे च्चान्ने विवार्षेर्नः याने त्यार्श्वेत्। वाडेवान्द्रे च्चा िनेशः श्रुः केतः र्रोः विगानवित्रामः नेतेः श्रुम्यामः ग्रमः विगा रेशः ग्रुप्यामः नविवर्त्य विक्वेर्यक्वेर्यक्वेर्यक्वर्यक्षरण्यार्ये म्यायाय्याक्षर्यः चिट.क्वाः श्रेयश्राद्यदः भूषः ध्वतः भेटः हः यात्राशः स्थाः वृशः राम् वयात्रः यदेवियावया अयाध्वदेवे पीवा न्युक्ति र्यो सेस्याउव क्रस्य रायी अर नर्नेद्रअः श्रुँ अश्राध्या निरम् दे श्रुर ने रादकवा पादनुवा हेशावाश्रुर न व्हानेम् वह कुन सेसस न्ययः स्राया स्वापित स्वा याद्वयायया।पर केव से यावेर याया से याया याये यावव रेव यी। याया क्रमशकेत्रस्थान्त्रम् वयाविषाषीक्षित्वो त्रम्त्रम् केत्राप्तिषा नमन्याया पर्वासदेख्यानर्गेर्स्सर्या रेक्स्सराग्रीसासान्तराम् न्वेंत्रः द्वेंत्रः देत्रः से केदेः वाश्वरः वीश्वा न्तुः नुः नुः नुः नुः नुः नुः स्वारः वीत्रश्रः ग्री नक्ष्र्व या विदे दशा गृत्तु दारा श्रुष्ठा या प्रेव है। दा हिद क्ष्र्य श्री हिंग्या श्री वननःन्दिः भुः सःवदे दे देद्व मः हेन् ग्री सः नसू सः संसः हैना ग्रास्तः नसः म्बिस्यासयान् वेषाया हासुदामित्रयानेयानवेयानवेर्येन्यानवेरानासहनः दे। रटार्के नतुन दुः इपाशुराया भुगारा मित्रे विष्या मित्रे विष्या यदे छे न् ग्रेन क्रिंस छेद में अ वे हैं . शु इ न् गु वे न ग्रेन क्रिंस न वे न श मदे के निर्मेद श्री अप्ते श्रु अप्त हु स्निन् विश्व निर्मेद श्री अप्त निर्मेद श्री अ में निवे निव्यक्त मिन्न अर पें नियम अर पें नियम मिन्न अर में श्री अर विष् यिष्ठेश नश्चित्रा द्वा द्वा द्वा स्व मित्रा या नेवाश नि मित्रा हिता से स यान्त्राक्षिः भुः स्थानश्चन्याने । इया इः स्थायाने याना श्रम्यान्ये व यःगर्वेद् तुःदत्याभ्रीयःग्नद्दः यञ्च नः नर्वे नकु नः नश्च न्या दे ह नक्तरायानेवाया यहसाक्त्र सर्देराववृह्यो सावाद्वासावी है स्वासाय नश्चित्रान्यानुना दुः इत्मिदेना त्यानिन्या यत्या कुरानिन्दिन दिन ग्रीया गन्न अःर्वे निवे दुः इपिष्ठे अन्त्र भुन्या है । दुग् दुग् दुग् विग्या कें अहे नग्रथःक्रियःनशःग्रद्वःशःवें नक्कृत्रन्त्रुत्यःहे न्तृत्वः द्वः स्वितःयः

यानेवामा श्रुवःश्रःगावःनवरःनमःगानवःमःर्वेगानश्रुम्मःहेगःननुवःदुः इयाशुय्रायायायायीयाया वार्वेद तुः सेट वो नया वाद्व सार्ये वाहेवा नशुरुषाने शुष्ठा दुः हा चिवा या निवाया है या है । वर्शे प्रकृया वया वा प्र यार्थिते भुः स्वाडिवा नश्चित्या हे त्या च खा स्वाचित्र या या विवास स्वाचित्र या स नु इया देवा न शुरुष है । स्य दु इ दुवा य वा नेवा श्रा श्रुव स्थ गुव हैं । वर्ष यान्व र अ र वे र व द्व या देया न अनु र अ र हे र व्य र द र त्या र या ने या आ अव र व्य गर्विन दिन प्रभागन्न अर्थे शुअ दुः शें नुगान बुग्र अने शें नुगान विन थुग्राश्रास् हाधेत्। यटार्धेटाश्रायदे खुग्राश्रापात्र या खुग्राया सामित्र वितरा र्थे है श्राम् कु पत्रि व दुः पें न कु व स् क्षें के कु व सक्दे पा हिये वे व यहरी टर्यो.स.स.स्.पर्येयातायान्वेयाया भूर्येशःभितासक्येयाष्ट्रेशःस. ब्रुवायायविद्या हेरानर्त्रायायायात्त्रायायात्रात्रायात्राया नव्यामा नःक्षेत्रे क्रें क्रें मान्येन र्रे ख्रुवार्यार्से हु त्याविष्ट्र राज्याविष्ठ रेर्द्र ही स्राप्ताद्व राज्याविष्ठ रेर् ध्यायाहते नर ते सुयानकु न्दर दुया दुः वद्या स्व या दुया दुः हाया देवा पर्दे।

न्तु-अन्य। ।

न्तु-अन्-अन्य। ।

न्तु-अन्य। ।

न्तु-अन्-अन्य। ।

न्तु-अन्य। ।

न्तु-अन्य। ।

न्तु-अन्व-अन्य। ।

न्तु-अन्व-अन्य। ।

न्तु-अन्य। ।

न्तु-अन्य। ।

न्तु-अन्य। ।

न्तु-अन्य।

## 

श्रुंतः अर्ग्वर् सं विष्ण मो विष्ण स्वर्ण स

वनायायहायाधेन्यहोन्। श्रेयाश्रेन्। ह्या श्रुन्। ह्या श्रुन्। ह्या श्रुन्। ह्या श्रुन्। ह्या श्रिन्। ह्या श्रुन्। वयात्रमा न्यो र्सूरायो न्यानकयायहियामायास्य सेतु तुरासाया भीतातु वत्यान् र्वेद्रायि सेन्याये र वेद्राव्याये र वेद्राय्ये र वेद्राये र वेद्राय्ये र वेद्राये र वेद्राय्ये र वेद्राये र वेद्राय्ये र वेद्राये र वेद्राय्ये र वेद्राये र वेद्राय्ये र वेद्राय्ये र वेद्राय्ये र वेद्राय्ये र वेद्राये र वेद्राय्ये र वेद्राये र इरायानेग्राय्यायायायार्क्याक्ष्यात्वात्व्या होयार्क्यात्वा मिलेग्रमा देवे क्रेंन्य अर्भेर केव में पीव है। महम्म क्रुट कें हूं न या रन हुन्द्रित्वित्रप्रश्चेत्रप्रस्ट्रियाया याउत्तर्तुत्व्यायायव्यव्याय्याय्य भेदः वरामानया सहया नार्यं सानिया नुष्या ने त्रास्या उत्तर् नुर्वेता स्र्या उदान्ती नद्या याद्रया शर्ये श्रासह्दा संधित। क्रें रान्ती शरी होते सुवाश रे हे नक्षेत्रम्या देवे रचान्यम्य देव क्षेत्रम्य पाया व्या देव क्षेत्रम्य पाया सेस्य नश्चेत्रातुषान्त्रामार्थान्वरेष्ट्रषाक्षेत्राकेत्राम् श्चेत्राह्मा श्चेत्राह्मा श्चेत्राह्मा श्चेत्राह्मा नक्षेत्रा गुत्रायान्यासुरानक्ष्त्रा सरदारेयायान्वीसहेयायाक्षेतुः ह्या हें अयायाम्द्रायान्त्र्या हें अयाग्रीयान्त्रो में टानुयान सुयाने या नक्ष्मम्या न्यो न्यो स्थितः इत्र न्या यात्र सः नहतः नहितः ले ले सः ग्राम्यः

वर्हेगाः अष्ठतः यरः १० । दुगाः क्षृणाः क्षेरः चुँवा नेरः श्रुवाशः हे केवः रेविः वयः यात्रेयात्रा सूरः परः सूर्या उतः रु:यात्त्र द्रम्या विः वर्तुयाः यो सदवः वरः वर्सुता मुः अः श्रूरः नुः शुः ह्व व्यवायन्य अर्थे। निवेश्यान्व अर्थः यस्य स्यास्य । म्यायायार् ने दी याये र से र याया र या पृत्ति । सुनया र या र से व नरः ह्रेन्या वर्षान्यः यात्रान्यः नश्चन्या श्चनः वर्षे हेः शुः सहि नगावः यान्ययाभी यान्ययाम् स्ययार्भे साही स्थयायायाया द्वा द्वा द्वा स्थया वशायर्वे देव अह्य भूगा उवा शेर पर विवास कुशा श्रास्ता पर्व यानेवामा नेवे यान्तर संविवा में गुत्र में व्याप्त स्वाप्त स्वा मुह्मान्त्रा वृत्त्वाद्वाया स्वाया निट नर्रे व नर्रे मार्था सर स्वापाय में निव नर्रे वा देव विषय स्वापाय स्वापाय न्याग्रें नें रासह्य वर्षे सूराबरायरया क्रुया स्रें सामने प्यार स्रें नाया पेता अःअःतःन्त्र्यःशःव्रेंतःन्यःन्त्रःयःन्त्यः। อ्या तिःश्रुवःगाणयःराःयःरवःगवयःयेययःवश्रुदःर्येगयःवया ग्रुःध्यः नुः वेसायानसूत्रः रेसार्सेग्रायाल्या कृषुः गुः निः नायायसः रेसाम्यता कृ वर्ते सूर्य व्यवर हु न विष्य वर्ष वर्षे वर रेव में के। गणम नवरम सूनम सूँम स्माम नवर गम्ब मार्थ मही महे हार् वर्षे वर्षा वर्ष म्यायायत्त्रयायार्ने न्यायम्। वक्ष्यायार्ने प्रस्तिन्याने मेन्याया न्यामी भूमा व्याप्तिया व्यापतिया व्याप्तिया व्यापतिया व्या क्रॅंश-सुमानी-र्नेद विम्रायाट सुः या यदी व्यया सुदः या धेद दे । दिवे माददः यानायम्याम्यास्त्रास्त्रं सार्थास्यान्य द्वारायान्य विषा रेंदिःशरःरनः तुः तुरा श्रुवान्यः स्वादर्शे नदेः सर्वे दर्शे वार्ये स्वादे स्वाद र्हेग्या नमून परे गुन्न दर्भे सम उन् ग्री देन कु केन में सह दन्य मा कु र्शे. स्टार्याया नेवाया देवे. श्वाया श्रयाया स्यास्या स्याप्तर्या स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स् पिट.यपु.र्धयमातायीरियोमा ता.पिर.मिय.सू.सुमार्स्य.स्म. र्य. हे. चैरा केंश स्वा. हे. शरश क्रिश क्षेत्र यायाय गाय गाय याय स्वा क्रें द्वानामाना मुलासक्ताला हैं हे सेटानदे न्नटामस्य पाया सें नामा म.मि.म.भट.रे.यहेंची य.मू.मि.जू.ज.योज्याया क्रूय.सेया.थे.यरयामिया न्रेंब्रेंब्रेंह्रेश्र्या केंश्रास्यायावेंब्र्व्युंक्रेंश्रिया य्याश्रामक्ष्या म्यायायायवरारी दें हे मुयायळवा यहया मुयारे हे द्वययापादवायदे रेसप्यक्षे वर्तियनरतुः क्रीरामी वस्य स्था केत्र से सिंग्य सुप्य सुरानिय ब्रियासाळ न् पर्ये । श्रास्त्रमा उत्रापदे मन्त्र स्वराशे । न्मेत्र पानवे नु ग्रास्यान्दरः भूरायाः श्रीतात्र सुन्दरात्र राष्ट्र भूत्र स्थि।

## <u>इं'नें'हेते'क्र</u>न'नकुन'नवन'ने'यें'क्रुस'न्नेनस'स्यानह्रम्नते'क्रनस्य

याद्रयाची याद्रेश च वीं र प्रश्न च वीं र प्रप्त प्रश्न प्रश्न याद्र याद् म्बिट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र या मिर्हे अ ज्ञानि रायदे हे अ शु मित्र अदे रे अ बर्याकेत्रपाद्रायार्थेद्वययायार्भेदायदेष्ट्रार्नेपविष्टुर्यात्रे। यर्केः श्चा हेर्गरन। दरसाञ्चरन। ग्रामराम श्रेमित्रे विष्या बर्थ केदायदे नु निवेशवेश नेते दिरे दर द्रश्य सर्के स्थान के शर्म न न न न न न निवेश में में 5.यर्वेचेश देव:ईशःश्रःश्र्यं र्याची:यः विश्वश्रः याः विश्वा योत्तेः य यरयाक्त्र भेयार्य क्रियाश्च्र या वाराये क्रिया क्रिया क्रिया या वार्ये र वस्यान्ययाष्ट्रवा वरीयास्याववाकेवान्यायायाराचेना विवाहवानेवाकेवा नश्याने न देरने न र्वे न र्वे न विष्या के विष्या के विष्या के विष्या के विषय क क्रिंश कुषान वर में प्रत्याचा वर्हे व त्या वा क्षा वा व व प्रत्या वा व व प्रत्या वा व व प्रत्या वा व व प्रत्या व दिन नेमा वर्ने प्यत्रायायाय से निर्धायमा मे से मेर्स सुर्या से सुर्या से स र्येते र्सून सन्देश्रेट्याम कुया सळवा न न में में के के से में ने के वा गूरक्षेंय. जेशर्य हे. ही श्रुं वर्येशती क्रूंश क्षें जायी क्रूंश हे. देशकाय वर र्गे श्रुं माठेवा परे श्रुं न श्रुं माठेवा पर ग्राम्य परे प्यत्य साम्य में नत्वःस्ता र्रान्यः स्वार्थेरः नरः स्वायायः यात्रेयः देशः स्वार्था प्रवीवः यान्। इत्यादर्शेरान्। वित्रानास्या वरानद्वाधेरायान। धेराहे स्रारानी क्रिंयामान्द्रम्यमायाम्ब्रेम् वित्तिम्भे मान्द्रम् मुंग्ने मान्द्रमार्थ्याम् सर्देव,त्ररं नेश्व, कुं कुं वर्ष, सरते वर्षे स्थान वर्षे स्थान है वर्षा है वर्षा है वर्षा है वर्षा है वर्षा है यावर्षात्रायाया हैं विदेशान्स्र राष्ट्रित्यर प्राप्त विद्यायायाय विदेशा मावव वर्ष वे साहे न पर्यापन मुन घर नु वर्ष कें वे वे नु र नु र नु र नु वनाः कें रास्नायः ग्रीः नान्ययः नः नेवः हुः यन् नमः नवनः विनः वे ना शुयः नुः नत्यामा वें भ्रे सर्भात हैं नें नें न् नु है सूर भ्रुत क्र न्य परे वें क्रू म ग्रुट्यम् बुर्याप्या वे दू प्रदे विष्य द्या हरा है में प्राये पर्दे प्राये प्र नक्षेत्र र्नेन्दुकुत्यम्म्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य म्यून्य स्वर्म म्यून्य स्वर्म म्यून्य स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वरम्भ स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वरं स्वर्म स्वरं कुरानाश्रम्या सम्पर्धेन्। विम्। नियायाशुर्यात्रयायाः शॅरः दर्वीतः पदे शुरः यष्ट्रवः ग्राटः सहित्। दे त्रयः सर-तुंत्र-प्राय-सिन्-सर्ने-नर्भा स्थानिक स्था म्बर्याद्यायात्री सहयानवे श्रुवाया धुवारेटातु यमा स्रीतात्रीवायरा 

व्यानिक स्त्रा स <u>ই্ম-য়ৣৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢয়ৢৢৢৢয়ৢৢৢয়ৢয়ৢয়৸য়য়য়ৢৢৢঢ়য়</u> है। गु.पर्णानापहें वापा र्यापके समासान। इसायरान। द्योपने वा बुर्यायम्पर्याद्यान्यानेवि । कुःराङ्गेम्याहेराद्यो नस्रेम्याम्यान्या र्शे । इस्रायम् नस्य दे द्वायम् म्यायम् म्यायः स्थित्यः विष्यः विष्यः गन्तरभाषदार्थे नकुन् अह्ना ने या इसायर न न्दर्से गायी भाषान्स्रभा रायायार्डे रेन्र्युमा के कुमायाके दापासासह दासर सूरा वुमायम नशकेन्केर्नुश्रान्या सुर्यात्र्य सुर्यात्र सुर्यात्र्य सुर्यात्र सुर्य सुर्यात्र स्वत्य सुर्यात्र स्वत्य सुर्यात्र सुर्यात्र स्वत्य स्वत् र्रे भी मोर निर्मा संभी त्र स्प्राम्य में दि स्वाम के वर्षे स्था स्वाम स यान्ययाः ग्रीःयान्ययाः यान्यत् वित् ग्राम्याः वित् ग्रीः वक्कुन् पाः इययाः वे वर्षावहें तर्ानम्यायम् नगवान्यम् सुर्धे नम्रम्य स्थान इयापर्चित्राना केत्र रेवि क्रिना सासदार प्रमुद्दा मात्रा सुवा सकत्। देवे यायय.ये.श्रुंगा.येश्वरायार्ड्स्य.पर्योशासीका.शक्यी के.स्.से.का.पर्विटशी रे. नकुर्यः अः श्रॅं सूर्यः या नेवा श्रा केवा श्रायः चकुर्यः चकुं विश्वा ध्याः भ्रें न्यां क्यां या वर्ष्य विः यक्षेया ने स्ट्रमः वर्ष्याः विः यक्षेयाः वेशः नुः यः ने दे। हैं में हे प्यश्र के श्रायद नु में में में प्यायन या नि में श क्रम्भाक्तान्त्रम् न्यात्राचित्रम् क्रियाम् विष्याम् विषयाम् विषया

वळन्'म'न्र्युन'अवतः श्चु'न'य'र्विट'र्डअ'म'सेन्'भून्। विट्यीशहें ने मिलेग्रायराहें में है रेटर् नत्याया के प्राया है में मिलेग्राहेया सु मर्भाग्यम् स्वरंभेन् म्यूम् दिन्दर्भान्वन् मेशः र्सूभास्य तुर्भास्य ने वाप्परायम् सेराम्श्रम्। हैं में कें महे सूरामग्री लुशामश्रा कें वहे क्वेश ब्रिट्याश्रुट्य देवशहें वेयानेयाशहेशशुःश्रुश्रास्यासी स्राधियाया है। ब्रैंन्गी नन्नियां विवासहन् ने न्यारे निवायान् क्रेंट्र कें न्यारे खुरार्हेग्नराची अरार्भेया अही दे रेरेटा दे जानुसारी जानरा छी स्वायदा वा विगार्दिर नमार्भे र्भे द्रमान्द्रिं प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र क्रूॅब्रस्य द्यो न्यो निर्वे न वस्रभारुन्तुस्रायानार्त्वेदिः दुषानु स्रम्यायायायायाया नेयाग्रम्से स्रम् नेशःग्रद्राक्षे मन् भ्राप्तान् स्वर्धः मन् स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर गश्राम्या हिम्स्य वर्षे म्यावर्षे म्यावर्षे म्यावर्षे म्यावर्षे स्थार्थ म्यावर्षे म्यावर्थे म्यावर्षे म्यावर्थे म्यावर्षे म्यावर्ये म्यावर्षे म्यावर्षे म्यावर्षे म्यावर्षे म्यावर्ये म्यावयः म्यावर्ये म्यावर र्नेदे नार्षे न नवना वया सु सु सु सर्वेदे हे या या सु ता सु र्के या सु रहे या सु रहे या सु रहे या सु रहे या सु र्नेदे यान्स्रस्य निर्मेस्य प्राप्त विया विया विया विया कुर क्षेत्र प्रदे निर्मा सेन यदे सून वनमानसूनमान धेन नु नाय सँग्याम सम्मे साम्री माया दे साम्री माया साम्री माया दे साम्री माया दे साम्री माया साम्री माया दे साम्री माया साम्री माया साम्री माया साम्री माया साम्री माया साम्री माया ग्रुट्यायि हेयाया मिं में दे दे दे दे द्या के विदेश ह्या पर हेंगा पाया

यक्तर्या विष्ठितः वार्या वार्या वार्यापरः विष्वाः पुः यक्तर्ययः क्ष्रियः पः धेरः सूसाउन्। सर्वस्याग्राम् से सहन्। से नम् होम से उसायम से सहन् पर नत्वामा यम्यादियायी छैं नयो नदे नले मयाहे मया मर सुन ने मुहेर र् मुंब्रम्य मिंदर्द्र मुग्रम्य गाउँ ग्रम्य ग्रम्य ग्रम्य मुग्रम्य मुग्रम्य म्य मानिया ग्रुम्यस्य स्थापिट प्रदासम्या प्रदेशके । विद्याप्ति । व्याप्तस्य प्रयो प्रदेश निनेशमाहेत्रमा मिर्निषासेदेखिएकी धेत्रसे निम्मास्य निर्मिष्य सहित्यर वि.योशिर.येश्रा येयोश्राम्निर.ये.सर.क्रि.क्रि.योश्रीयोश्रा योश्वरासी.यदुःवितायश्रा ने यश्राणे सुना भावे ना वे सा हुम ने सा है मार्च मार्च स्था के मा सक्रमान्यस्यान्यातित्वास्य व्यानियान्त्रीत्यायितः मी सर्नेट विया यी सेट दश्यायाय हैं दर्ज या नेया शर्म प्रवेश किया मुख इरशर्परे के कुष में शरे दे दु विया मी प्रमानव्या प्रया इसमा स्रमा ध्रय ग्वित पहेँ सम्भाग्य निष्य में विष्य में विगानुराम्यार्स्स्यार्म्भायायायाविगानयम्। यमायाविगाने स्रीमार्म्भा म। धरादर्विनार्देवे श्रे स्वाक्ती अर्के के दारे वे त्वाया दुर्गे दाकन या या वि ख्यायाक्केरायानवेरनवोरन्नेयाकेषाकेष्ठाः वार्वेषातुः विषातुः नायायायाया युपाया

नदे के न हैं वा ये वारा पदे ले रास्ता वाहे रास सु हि। वार्य रास सु हिरा नवि'राक्ष्याञ्चनमा ध्रारा त्रुनारा त्रुम्यमायमा के नार्हे नाये नामारादे ने मा र्या ग्रीश प्रची र पो भी श पें व रहत प्रथा र व र हु ग्रुर । से रें व र से रें व र से रें व र से रें व र से रें व नु प्रमार्थ शु र्रेन न्या है में से नाइन श्री स्वारा सहन के या सार नु सिन वशासुः श्रृंवः यः श्रें ग्राशः न्दः वर्शे ग्राशः है। वर्शे सः श्रृंवः चतु नः परे छे हे वे नुदे ते त्य नुनु अ शु से न अ । न अ न पि पि से पु न शु न अ से न अ । से न अ प र्जित् हें तें स्रे वटाव नत्वायायाये कें हें तें त्या कें या साम व्याया कुर्ने निवाह प्रवाद प्रवाद किये हैं विकास स्वाद प्रवाद के प्रवाद क र्थे महामहिश्राया हैं मानो प्रवर्गन मुक्त राविः लु नास्या हैं में श्रामावर व्यावनार्क्ष्याक्रम् भ्रित्राम् अम्यम् श्रुम् अम्यम् अम्य अम्य वशन्तुः सदे सव द्या ने प्यट सहित्। न्ट से र व्या वया यी इर द्ये वर्ष विगायह्र प्रायमाध्रिमाह्र में मासुरायसूत्रायावित कुर्मे त्रुराची वे त्या मुलार्से अरअर भुरतिन पर्याद्या विषय । विषय सुर विषय दे भूता सुर मकेन्द्रमम्यम्यान्यायायायात्रम्यन्यन्त्रम् हेन्द्रिकेम्यायार्वे वॅर्स्सहर्प्ताधीता देवेन्द्रवित्रस्टिंगाक्रिक्तर्रादेश्वी क्रिंग्सुन्याणे 

व्या वि.मू.मून्या विश्वा की श्रीया माली किया विश्वा की भारता वा श्रीया भारता की विश्वा किया की विश्वा की व मदेश्यर्षरायायवारायारातुः सहित् विरामी स्विश्रास्ता सर्वेगा मुसुराया ने या तुर्में सहेश्वर्भ में न दुरन तुन्न निष्य प्रदेश हैं । पर हेर हैं निर हिर स् नहरमा नेवे के मुले पाइव में हिर में क्रिया में में बार के पार न्त्रभाग्रह्माम्यभाग्रास्थ्रभाग्रीः श्रे भ्रेन्यहेत्रमान्याभामा इसमाश्रुतः इटमान्या मे में प्रचुवा वी विदेश के मार्विम सहित्या मुवा हे खेदे स्था में न्नरः धुगा थे शः हैं गा वी 'पेंब' नन्गा ग्रानर कन वस्या वि केर हैं ब हो। सक्वेर त्रश्रह्में त्राप्ता वराने का म्हारायार्थे वार्याया व्याप्त विष्या वरात्रे वार्याया विषया वर्षात्र विषया वर्षात्र मुग्रायाक्तराव्यापाके वायेरार्स्वेर्या मुग्नियो यो सददर्भे या सुर्वा न यथ। निम्बेशनाशेम् सम्भेम र्द्धन्य कुन् मश्चिम हेना हा यर नश्चरा देर विकेर कें न दुः न दुन दुण र प्राप्त श्वरा श्वर यिष्ठेश्वाः केश्वाः विदानवाः सेराधुयाः वैयाः चित्रः त्रशाः प्राः शुः यहे । प्रा नरेड्ड-रु-रि-व-र्शेन्।श्राम्याश्राम्याश्राम्याश्राम्याश्राम्यायाः मेनमा वर्गुरस्य में सहर्पाण राष्ट्रमा केर ने वर्गुर वर्गुर वर्गुर

सहर्मितं स्वरं स्वरं से स्वरं निया स्वरं से स्वरं से स्वरं से स्वरं से स्वरं से स्वरं से से से से से से से से स मुलाधुर्यापिर्वे यात्राचित्राचित्राचित्राच्याचित्राच्याः गश्या । श्रूट स्या नर्त ते देवा नर्य नश्चरा विय प्रत्रुट न देवें । भ्रुया न्दा नम्रम्भात्रा हुःगुःभुन्दा गठ्नाभूदःर्भेनान्दा गठंदःकुरः यानरायार्श्वन्यायरायन्तरायाहर्पायदेवा यान्यायद्वत्युायारीयाया नविवा विःर्के मिर्वेशन्तः शुर्मा हिर्मा विश्वान्तः विश्वान्तः विश्वान्तः ग्रम्थायम्। क्वाप्टरक्ष्यायक्ष्यायक्ष्यायक्ष्यायक्ष्याय्या वळन्'म'हैश'नकु'न्न'नकुन्'ह्य शुर'ळेँ शःश्च'न'बूँन'न्नकुन्नकुःह्ये कें राष्ट्रानिकेराकेंद्रान्दानकु सुसा दुर्स्य विगायनुस्य केंद्रासान्दा गुससा क्रिंग्द्रा द्वुःस्याः स्वासायि इसायरायन्द्रायाः स्वार्त्याः स्वार् र्रेष हु भ्रेत पार्च में भ्रें न पार्च अर्थ उन प्रेंट्य शुः हैं न्याय पर हुँ न परे सेसस्य प्रत्यत्र केत्र में देश द्या द्या द्या कु स्व विष्य प्रति के प्रस्य लश्चर्छं यद्रः श्रम् लश्चर् श्रम् विवाया दे स्ट्रम् के श्रम् श्रम् श्रम् स्ट्रम् इससायार्स्स्र नासदे स्वाया सम्बद्धा स्वाया विद्या स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्या स्वया स् में खरम क्रिस्य क्रिस्य विष्य विष्य क्रिस्य क् वनरमित्राम्या मित्रामित्र मित्रामित्र मित्र मित् र्रे से देवा से खूट के न नसर क्षरायट। हैवा क्षु ने हे ने सर्केवा वी क्षर

न्ना नित्र हेर खेँ त नित्र सुत्र सुत्र सुत्र केंग्र मार्थ सुत्र राष्ट्री राप्त है स्वेत हु सर निर वुरः २५ वा वदरः ग्रम् अः अः यउ ५। वा उ दः व दवा रः दवी अः धियः वा शुअ। न्तु अन्तातुः है ना वर्षे अन्ता शुअन्ते अन्याने 'ह्र अअन्त्राना अन्यान्य प्राप्ते वा वर्त्रे अ'न्य मुन्द्र'न्य वि'न्य वि'न म्रीयार्वे द्वार्यक्ष द्वार्यक्ष प्राचित्र विषया होत्र म्राया स्वार्ये स्वर्ये स्वार्ये स्वर्ये स्वार्ये स्वार्ये स्वार्ये स्वार्ये स्वार्ये स्वार्ये स्वार् गुन'पदे'र्श्हेर'प'ठव'ह्रस्य राग्ची'ह्रस'पर'वर'न'पव'के'न'व'नगद' यान्ययः पदेः नवो वदेः वलेयः वाहेतः रे वः वाह्ययः पः वि तः सूरः वया वर्चे अप्यत् कु के बित् कु व कवा अपि दे दे व व अप उत् बिवा है। दे प्वा वी अप রি'দ্রথামেম্'য়ম্'দ্র'মার্ছ'দ্র'অ'প্রমান্ত্রীমার্টিমার্টীমার্দ্রমার্দ্রমার্

युः र्स्थित्र अर्थः विवा नश्रूव प्राधिव र्से । हिं र्से हे न कुन् प्राप्त प्राधिव भूनशःश्री।

ळ र् तुअ'तु'तुन्'या हैन'भें'याळीयाय कुर्याप्राय क्षायाप्राय न्तु'ळ'न्'नुअस'ळेॅस'ऄॅनस'है'क़ॖॸ'नुह'नदे'য়ৢनस्।

## <u>इ</u>नि'स्'नकुन्'न'न्नक्स'नने'स्नन्स

न्दे लें द्रं नदे न्दे अभी ह्रें न साइस्र में एए प्या ह्रें न सर शुर भ स्वे गान्त रनम न्रा ने प्रामी मानस्त्र प्रामा ने प्रामी मानस्त्र प्रामा ने प्रामी मानस्त्र प्रामा ने प्रामी मानस्त्र प्रामा नि प्रामी मानस्त्र प्रामा नि प्रामी मानस्त्र प्राम द्धयान हें न्यर ग्रुष्ट्री वें द्वारा के दारें में दे के दान नर में या से प्राप्त के दार के दान नर में या से प्राप्त के दार के दान नर में या से प्राप्त के दार के दान नर में या से प्राप्त के दान के दान में या से प्राप्त के दान नर में या से प्राप्त के दान नर में या से प्राप्त के दान नर में या से प्राप्त के दान में या से प्राप्त के से प्राप्त के दान में या से प्राप्त के दान में या से प्राप्त के से प्राप्त के दान में या से प्राप्त के दान में या से प्राप्त के से प्राप्त के दान में या से प्राप्त के दान में या से प्राप्त के से प्राप्त के दान में या से प्राप्त के दान में या से प्राप्त के विष्टिश्च वश्च त्री वश्च क्ष वश्च विष्टा स्त्री विष्या व्या क्षेत्र स्त्री विष्या विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य वनार्केंदे निव दुः इन्त्रा पार्था श्री यना त्या हैना त्ये दू नि हैं स्व लेखा रना विष्टिश देशकें नर्के नर्के नर्के नर्के नर्के निर्मा क्रिंशयिर्या न्यायार्रान्यरक्त्या नुःस्य याष्ट्रन्स्य हिरास्यक्रिंया सर्धर्द्राप्ति सर्वेराच्या सर्वेर् च्या क्षेत्र क्षेत् इस्र भी अ ख़ूद के पा फु क्षेत्र पि के र वि न कु र तु न कु र स र स स द र द स कुः सं होतु सुया दुः इत्याया में दुः देन या वर्ते देन कुः के दार्थे यह दिने यः प्रश्नाति वास्य स्थाने स्याने स्थाने स्थ वर्त्ते अर्गेत्र स्वार्थे गुः स्विद्या वे द्वं प्राचित्र वित्र हे अर्थे द्वं प्राचित्र वित्र हे अर्थे द्वं प्र क्रॅंश ग्री मु अर्थ पान्व राजें शुर्थ दुः हमादेश ने देवे हे या शु पाद्रवान रे खुर्यार्वे पिष्ठेया इयायरावयार्वे प्रमुत् धुर्यार्के याग्री सेरापे यार्वे पर्वे नक्ति वै.त.अ.ध्.मिट.ज.वी.चेवाअ.वेश.जू.चवे.चरेंच.ताझ.चे.चेट.चट्ट्रेंच. यो नेयो श्राप्ते है अ शुः इयो अ द्वार धुया के दावे अ खें खे। या द्वार ध वहसासेटावीसावें नडुःवासुसा वाद्यान्द्रान्यन नहारें सावें नतुस् इसाउदादेशावीं नर्त्र नर्त्र नर्त्र नर्त्र में में शुरा हु। क्षेत्र न्यें दिन हें त्रा ही शामें राजें शहा दें ना में शहा हिन बेर-अर्वेदि-र्येश-र्ये-श्रे-श्वा पदि-द्या-श्चेर-देय-वश-र्ये-वश्च-द्य-श्व-वर्ड-ह न्गु उस विग हु र दयर गन्त सारा शृष्टी खेँ गहिस यह तपाय से हुर नवे म्राम्याने। देवायाये मार्थया श्रीयाम्यायम्या हिराये निक्तान्य स्थान इन्ज्वाः र्रेटर्टे। । देः या वह राय यह या ये राय देवा ये विकाय द्वा नशर्विट वी वि वाश्वास से वाहिवास से ।

ने हे अप्यह्यान् जुरुया मूजा मार्वेद नु या ये में सूचा दया वें है . शु इ

नत्त्रामन्त्रासहन्। ने हे सामु सामाना ने सामान नक्त्र स्वाराययम्य कृषाक्षेत्र ये नक्त्र पर्वेषाय परिवर्षेषाय परिवर्षेषाय परिवर्षेषाय परिवर्षेषाय परिवर्षेषाय ग्रीशः ह्यानाविता कुषाः श्रेपानित् श्रेपानीशार्थे नकुता नार्यप्ताना ग्रीश वें नाशुया क्वें में शरीर नो श वें न दु न तुवा न र न न र वें न तुवा क्व याणे नेयावीं नज्ञा नेयारमा मुयायळं त्यीं मार्यया मार्वे त्रु हैं थू त्यीं व्या क्विंग्रंभानह्रवायायां याशुमा क्वां सार्थेवायां या वर्षे वसेवार्वे न इंदिग्न सेटाने मुः अळव् अळव् वे न मुद्दा न समानिवः नवर में जिं नर्त्र अरश कु कुय सळत जें न द्वा न हें त त्युश से र में जें इम ॲवः ५वः क्रुः अर्ळें व्यादेः स्था अटः र्ळे याया व्यान दुः निवा ने वया नास्रियः न्वेश्यास्याद्ययाद्यस्यादिद्यं । श्चीरार्श्वेत्रायदियास्यश्वेश वह्या न्यया शेटा वो प्यवा श्रुवा शेटा सा प्यवा ने विश्वालु स्रेवा रूपा शें विश्वाली स्रोत्या स्राम्य वनर लें स्था नाद्य विना लें नकुर्य कु पकेट र उन्य लें नकें र कु भ्रेयायमार्थे नर्भे नर्भे विषयमायामा सेन्ये नर्भे नर्भे न्यायायाया हे. भुः इपाहेश र्रेगान्नें दर्ये नत्त्र वर्ष नर्गेद्र सर्ये हे. भु। त्र वर्ष क्रिंग्न्ययामुयासक्तर्यानुग गर्वितः रेत्रायान द्वापित्रभा सुः स्वितः विगाः सः र्ये नडु नरुवा धर हे न र्ये था क्षु धुयान र्ये नडु नशुया नेव क्षेव नेर नवर में नत्त्र देव केव मान्य पर में नत्त्र में प्रति न्तर के अर्के में निक्

निव नर्गेव सर्वे नार्ख्य विस्र स्वर्ग निव केव क्या कुय विषेत्र के निव केव व्यान्य व्यान्त्र व्यान्त्र केत्र नवर व्यान्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याव्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याप्य व्याय व् केव जुर कुन म परिदें। । वें रहूं न पहिरम वस से से हे तु परि प्यव पा वें निव निक्क निर्मा निव के निक्क निव के नेशःर्नायनरःग्रीशःश्चेषाशःषाव्याः हुरःर्नः। वाववः इस्रशःश्वरः र्ह्यः गिवे नर्भेरिवेटा वेशर्म राग्ने सर्मि मुन्ने स्वर्ग के स गिरेशमायानन्यम् केरासही केंशनन्तर्येत्रस्य क्रॅंशक्षर,रेंद्र:यर.लट.चेंचीश व्रिट.ची.यलट.स.टे.वे.यक्षेष्र.स.र्स.टर. ग्री.स.र्र्य. रि. ही व. राष्ट्र. य लेट. कि व. प्रिया अ. श्री. वर्षे अ.स. य अ. श्रीट. या धेवा र्स्नेन'स'नेन'हु'सर'नवर्रा नन्द्र'सेरे क्रुन क्री मार्ड में अर्च हुर क्रुन थे नेशःग्रीःग्राह्मः। यदेशःग्राद्याः हेःख्टायः श्रेंग्राश्याः भूः नेदः हुः नग्रेशः परः शुर्-रह्नंद-कर्-र्-निश्वास्त्रम् दिन्। अन्य नेर्-र्-दे सुर्व स्वापर-वी गन्व'र्य'यद'यह्न य'र्स्य'हु'ध्रेव'रादे'यह्नेव'राईर्य'ग्रें क्ष्यं'यर' नन्द्रभाष्यद्रस्त्र्या र्वेद्रश्चेत्रस्त्रम् न्त्रम् सयाके न ने तने अर मी न निर्मायान हेन सर सूर्य मि ने र न हेन मी श

वर्ते । वर्ष स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय स्त्रीय । वर्त्वेट.क्ट्रावाशुंशावह्रस्रशायाह्मस्रशायाटाष्ट्राध्याराचीं ख्रिवाशावार्ट्ट के वरासूट विटा अन्यकुटारेटार्सेराम्यायायायायाळ्याविवातुः कुष्णान्निस्यानुः नारेया ग्राम् अर्था अर्देव हैं ग्राया कुव विषेष कुर द्राया कर्ष न्दा सुन्यायार्श्रेवायायवेत्रेगायदानुः यहन्। तिन्दाः सुन्याविया ॻॖऀॱऄॣॕॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖय़ॱॺज़ॸॱॻऻऄॱॸॱऄॣॕढ़ॱॺॺॱॡॖ॔ॺॱॿॖॎॺॺॱॻॖ॓ॺॱॻॖॖॖॸॱॺॢॱॿॸॱॺॱऄॕॻऻॺॱ मदे के अपनि अर र पा बर । वेर अ र्से र ग्यर की वर हो वर्ग वा पर र दें ग्रम्यान्दान्त्रम्यादेशायाः स्वामान्यदेश्वस्त्रम्यात्रे सायाः तृ गाः केवार्यदरः न इस्र राष्ट्री मालव सव लेव हु के। मिंद मी क्षेत्र साद नद सुमा कुरा में बेश ग्रु नश ग्रुट मेन ग्री सुर ग्राव्य राय रख त्य ग्रु रहें ग्राय र रू. नश्चित्रा सर्धित यः ते गायर ने व र तु क्या र विवास दि श्वरा वर वाये । नदेः र्सून समाद्यापाद्यापादी नेदे र्सून सम्बद्धार स्वाप्त ने त्रा है स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्य मारोटामो द्वाचापा कटासदे सुरात्वा तु सून देन दे के। सामन केव इस न्वा रुप्तकंसय प्राचर्ये द्वस्य सेट मे र्श्वे में प्रिव प्रवासेट मेविःनरः नुःरेअः धरः नक्कुन् वया धिवः नवः येदः मेथः नवाः मे न्नुः अन्यः यःभूगुःन्नरःधुगाःयःवर्षेयःयःर्नेदःग्रयःश्चीःयभनःयःर्कःरेःभुःहःनुगः यावरःविरःविवः मुञ्जेबः धरः सहरार्दे । दिः यः यद्याः यो अः येवा अः धरः वेवा ন'অবাশ্বার্থী

या। यें दूं न के द में दे से न अर्के म में खुर म क्रें में अप द चूर से कि से स यात्रारी अर्थे दूर पळेत् सेदिया शुर अववर प्यार्थ या वे अर्थु अर्थ या बुर । श्चेर् स्वार्थ सक्त हिन् ग्री नित्र प्रित्र हैं गा नित्र हु सर नर सहन्। नगद गन्ययःग्रेःश्वेगयःयःपदःययःरेयःन्दःनश्रृदःरेयःविदःहःकेःयःरेः यहर्। वे:व्याः हुः वें र्द्रः चः केवः वेंदेः त्वो वः कुरः यो देः याः चहेवः वशः इयः नर्नित्रायात्रम् स्था देया स्थान स्था स्थान स्था शेयाविषा गुरावशा श्रेष्ठ तुरासदे श्रेष्ठ सामुरास श्रेष्ट्र शामित श्रेष्ठ स्यायायहेवामी:सवार्यावराययायेर्यास्यार्भेरामाराजेवान् भेवा यश्राभी महिमायमा मिट के दार्शे बट महिमा महमा हिन के दारी है वि भुक्ति सबरःवारुवार्यायात्वा क्षेत्रान्देव्यसुः धरायनन् प्रशानायव्यक्षायने व कुर मी ते गा के न विवा सह र दे। देवे हे स सु वज्र र न र र न र स स स स वे त्वो अर ग्री सुग्रायायय मन्द्र राधीव वे ।

णरा गर्यायायाये तुः र्त्ते व्यायायायाय विद्यात् विद्यात्

थ्वायः नेवातुः अदावरा चुदाक्षे। क्षेताद्वेता चुराया प्राची क्षिता गरिः रेग्रामामिदायानभ्रममामित्र कुत्रमरामित्र कित्रम्य वित्रम्य । न्यान्तरप्यर्थ्नाते। वित्तर्राध्यर्याहेशाध्याप्यास्याः स्वास्याः ग्रे क्रिंग्य में प्राप्त में व्यक्षिय प्राप्त या से सम्बर्ध र मी सव र मा र ही स धेव'यर'वुर्या कु'न्यर'न्यां वे'व्विव'सु'नवे'स्या ह्व'नवे'वेन्' वेर'य अप्राथित स्वास्त्र स्व मक्रम रमयाम्म माम्यास्य विषय क्रम्याम भ्रीय माम्य भ्रीय माम्य वाश्वायावित्रयायार्थेवायायार्थेवायायायायायायायात्र्यायायायायायाया इस्रायर देशाया द्राया त्राया विद्या व मयर सर नु सह न नि । विन के र्सेन न के रा ग्री सु सर ग्री में माय माय ने न इस्रयः निरारे दे से नाया १३ ना स्वराया के या ग्री या ने या ग्री या ने या सुन्याया गुद्रायमान्त्रमान्दा वृद्दाक्ष्यासेसमान्द्रहे हुँ द्रायायह्वापाया र्शेम्श्रामः श्रुद्धिम्श्रामे । धेम्राक्ष्याः स्त्राम् श्रुद्धिम्श्राम् । श्रुद्धिम्श्राम् । र्स्नेन'न्स्नेन'र्स्नेन'र्स्नेन'र्स्नेन'र्स्नेन'र्स्नेन'र्स्न्नेन'र्स्नेनेन'र्स्नेनेन नशक्षेत्रेषु र्वेषु र्वेषा यो यान्व राष्ट्र साम्राम्य मान्य साम्य साम साम्य सा निरा नम्भ्र नर्डे अन्त इस्र अन्य प्याप्त निस्त स्था निर्म निष्म स्था धरादेशायाद्या द्वायायदेवायाहेशा क्वा श्रूराया श्रूरायहणाया श्रीयाशा

मदेते ते गा सर में प्यर सहित हैं से हैं दे न हु सामा प्यर सर हु न ह समा सदे नसूर्या पाणि द्राष्ट्री सुद्रासे वा बेर्या तु या ती या किया या सुरा यह द्राया या विषय न्दान्डर्यापान्दा धेर्भी सुन्सेया मुदाया क्षेरा विश्वास्त्र न्तुः स्राया यर नर्भेश्वास कु किर योष्ट्रेश क्रेंटा योषेष त्यार कु शास अर मू अहं रे ता तर् नियानुमानि ख्रेरे नन्दारा उसानियामी विदाया दे पुरा ग्री के के दिनाया ययः स्रें के र्श्वेन सर वर्षा या वार्य द्वा पार वर्षेत्र व्या सर से दा न्वनग्रामञ्जूनदेशेरमे वुःवन्तर्रम्वस्यार्थरमे। इन्वःहिन्सदेशेर यो इयाशन्तरः धुमा सेरामे ह्या न्या है राज्ञ सेरामे व्यव सार्गीव अर्केना सेट ने नाइयान प्रिंत प्रतासेट ने सेट सेट केंद्र न कुना नि हैना ब्री सि: हैं स्थरा है 'हैं। यहिं राहें स्थरा न्याया ये 'न्या नि वि स्था है । स्थरा नि वेरा वर्गर द्वर गुरा गॅर से वह्या छूट। क्रें न क्रें या वहा वर सु न दि नवि'य'नेशम्नाउदानवि'वेमा गवदायम्परायम् राम्रुवासुनशार्मा हैं। हे र्दिन् हे र य र्शेवाशन्ता नुश्वाशुश्वाशहोत्र पान्ता व्यापक्षानाया र्शेम्यायायायाः तुः च्चितः देशि

ने न्या यस या उट द्या पत्री हे न इत प्रस्य न्या शी न स्रेत प्रस्

र्त्ते: क्रिंट : क्रि ने। ळॅन्'स'इस'नेस'प'तेृगा'केत'वेगा'न्ना वेस'र्नाग्री'स'र्नेप'तृधित' मदे अर्दे श्चे र प्रा नक्ष्म न हु अप प्र श्चे प्र वह माप्र प्र प्र अदे न स्व वर्डेशः इस्रशः वयदः इस्रावयदः स्वावयदः वर्षः न्ययः धृतः त्रुग्यायायः प्रदे ग्वाव्रायाया श्रुप्यः प्रदे स्रिन्यः ग्रीयः गल्र-र्देन-देश-कुर-मा ८-१५५१२ क्री-र्ते-क्ष्र-क्र-एकुर-क्षे-१ गुर्-वर्षा नृतुःसदेःनसूर्यःसदरःकेःस्यस्निःसहन्।सहन्।सह्मार्यस्यसःह्नाःस्वरः ख्यायाधीत्। इ.च.चरक्यायक्र्यायक्रियायायाची खरार्राक्रायायापराचित हुः अविश्व सेर् हो। न्तुः स्वायाया नहेन व्यापान्न स्वायन स नःनेशन्नर्द्रक्षम्मार्थाः सूर्ष्र्र्याः मुत्रः म हैंगायो में नवे ते गायर सह र दे। यरे पर हैं न र में त सु नवे सु नवे सु न स इं'ण'अूत्रृक्'य'र्सेग्रार्थ'रियार्थ'य'य'स्याप्य दिन्। न्त्'नया नमःसहरानदेःस्यानस्यान्या कुर्न्त्रियःगार्यसःविगायसः ग्वित्र रास्र सर्वेद विदा र्रेन प्रमान स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वा बुरा नरसुनमाने न्तुः सामाने निर्मा सम्दाना विषा ग्राटा सर्वेदा नुमा श्चिम्य वर्षः वर्

 र्दे। । उ.लीया. तथा श्रीर. था निष्या ईया वर्षे वा यो श्रव देश हेर निष्टा या सहर्नाम्याम्याम्याम् केत्रासा विदासर्ने स्थान्याया स्वीत्राम्यासा स्थान र् नुरक्षित्। देरस्य भी नरर् क्षायमेय प्रम्यवाय प्रम्यविष् क्यामित्रेयाग्रीदिताधित। मायरासुरमक्षयाग्रहार्विर्चे मिर्वित्रपदिर्व्यात्र इसरेशःग्रेःनद्गाःस्याद्दायाया देरःसरःदेःइसव्योवःनरःग्रुरःहै।। र्नेन्द्रिन्द्रेयः द्वयाः रयः नुः च अन् व्यायाः क्षेत्रः ने स्वेदः। नुः स्रायाने रावतुम्। तुः क्रूवाचाया स्रोटाया स्राया स्रायते स्रायस्य स्रायस्य स्रायस्य स्रायस्य स्रायस्य स्रायस्य र्वे।

वहसार् ग्रह्मा या सर समा है : श्रुट वर्त र दु र न् न् र परे : यू न र है या स मी र्सून संभित्र सुरके दे सूर्ण न निर्मु न र सूर्य मा मिले र सुर सहित्र अन्याने न्द्राने स्ट्रिस्य प्याने वित्र व्यास्य स्ट्रिस्य यम् से स्ट्रिस्य स क्यादेयात्यातृगाप्परायह्रम्थूर्। सृर्श्वेयाधुर्श्वेयादुरावर्धायवुर्गारा वुर्न्ना क्षेत्रःसमारे भूत्वमानमा हिर्ने वहित्या क्षेत्रमानर वहुना खुग्राया के समुद्राया में त्या महेदाद्या मुह्हा मार्थे दा मुक्ता में स्वीता मुक्ता में स्वीता में स्वीता में स श्चित्रायर शुरा श्चेता व्याप्यायाय सेट त्या वक्षे स्रया केत्र से सा भूता हु । विया

यद्भार्त्वा स्वराद्धा स्व

यहूर अन्तर्भयान्त्र स्वास्त्र स्वास

श्रुवासवीरः श्रुटिशाद्दावाशुदावशा श्रूरः बदा श्रुवे वे विवासिया स्विवा किया देशक्षरः ह्रेंदः नभूता देश सहें 'धुयः नुता दे 'द्रशः सूरः मा केंश मूरः नत्गमा भूरमायस्न केराधीयार्थीनिये नम्भूत्रायायर तृर सुर न हा गशुस्र-त्रभुत्यःनसः नेसः स्वः ग्रीः त्रसः त्या केंसः भ्रीटः विवः नविः पसः ग्रटःविनशः हैना नश्चनशः है न १८५ १६व सह ५ १४०। श्वेन सं १६० स्वापशः मःसरानरानुरावेरा भेःभूरावहेतामःशुस्रामित्रे सःभूरावरानु सामरा म्याम्या अविश्वाराक्षेत्रः विद्यारादे प्रमुद्यारा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्रा मित्र यशरे निवा के शानर सर परे हु नुसान्य स्ति नर्धेन पान स्वास नश्चरानश भेताहानगायानर्ग्वेतात्रशाद्धरात्राच्यायान्यरास्या भुर्-तत्वारायया देराग्रीयाप्त्र द्रम्यात्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्र ग्रवश्यह्री देरळ्ट्या इस्याद्योवा श्रीती ग्रान्यू साराद्रा वह्राया नहसमा नारोर भेना पाइसमाया नहें साथ्व पादे नु र नु यन्य पर रहे वेत्रानुरागुरासहेरापाउँसासानुरा सवरःसूनार्कःस्रसास्त्ररानारानसूरः नशः निवः हुः सहेश। नर्डे सः ध्वार्या नश्वान् नर्डे सः ग्रामः सुः नर्डः नुवार्यसः नहसमा सममाना केत्रीं न्त्रमाना हीं नामय विमानामाने परा नर्डे अ'र्थ'र्र'न्ड्व'र्य'द्र्य'र्ग्ड्य'न्त्र्रिक्ष'ग्वि श्रेंत्र'यादे श्रेंत'या धेत्। नर्डे अ' रवाश्ची अपने प्राचाली ना अपने प्राचाय हम अया श्ची प्राचाय हम प्राची प्रा

ग्रुट्र श्रेंग्रायायद्र देश देश सहित्। नसूत्र नर्डेश ह्राया ग्रुट्र शेंर्स हो वशः कवः कवः नुः नक्षः नवेः नक्ष्वः नवे शः नक्ष्वः यः क्रुशः यः ग्रुः नवदः सहन्। ने हिरान इंदारा प्रह्यान ग्रुर्या ग्रीया पे ग्रुन् क्वा के दार्थे न सुन् न न्त्या प र्त्वे नामयायायार्भेनामायान्य निर्मात्र नार्वे मायगुर्मे र्रो के नामवे नमाया न्ययः श्रूरः बरः वी वार्ड्या यया। विटः नु : वतु या शः यरः श्री शः श्री या रहे शः यदः नभूरानानविद्या न्त्रभाराः र्वे ग्रामणा ज्ञारा छ्वाणे भेषान्ता वे रहाना नर्भेर्वस्थार्भेर्न् वेर्प्त्र्व कुर्प्ते वुर्प्त कुर्वा क्रुस विश्वस्था कुर्या केत्र र्से अर्गाय विद्युर नश्रूत विद्युर ही ही ही हो नड वर विद वेग्र अपर निवेद्रशास्त्र वह्रशास्त्र विद्याप्तरावेश महिना विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या ग्वित्र-तृ: प्यटः सटः तृ: सकेतः दे। क्षेत्रः श्रे : श्रे सामा श्रे : द्रा । वितः ग्रीटः बटः वः श्र्याश्वास्त्रम् स्रेन्द्रिया स्रुन्ति । स्रुन्तिया स्रुवा सुर हे 'योर्वर द्रान्य रायर प्यर क्षर ग्राह्य नु हें दर् दे दे के राष्ट्र र वरःवर्गःनभूवःवशुरःश्रुवःइरमःहेः र्ह्वेमःयः इसमःर्ने भूरःवरः वीःरेःदरः र्रे वित्र पीत्र प्रशासी से हिन्द न्यू रापि से स्वासी पित्र से प्रासी पित्र से स्वासी पित्र से स्वासी से साम से पित्र से से प्रासी पित्र से से प्रासी पित्र से से प्रासी पित्र से से प्रासी प्रासी पित्र से से प्रासी प्रास इसरायेग्रायरान्ध्रीग्रा केंग्रायुः इसम्मार्यायर्यायर्याः हेंद्रायुगार्यः गविशापः रेतः शुर्शः शुः श्चितः दर्गत्य समयः कुषः सळत् समा नविरमा

हेशवर मी के श मूर न व्याया दे त्य ही के न मी अपने में र द्या र दर यान्वरश्चेत्यावरणन्यव्याया द्वेशक्षित्रश्चात्रस्यश्चीशक्षित्र नवेद्याने विस्यान्यान्य दे दे इस्याने दे विस्याने स्वाप्य स्वर्षात्रस्य हिन्न् प्रवेदश्याप्त्र केंश्र हे अर्बेद्य प्रवेद्य प्रश्व प्रवेदश्य प्र न्तुश्राशु-नुनेव-१-नश्रामिवेरश्राम-न्ता वर्द्ध्र-सुन-वापर-क्रिंश-हे रर तुर नम रेव में के यम नबेरम पर्र तुमम तुमम में र प्रमान न्स्रेंबःकुष्टेन्ने नर्षेष्ठं मश्चान्येन्याम् न्या वात्रिःगुष्ठः स्रम्यास्यः स्र नकु नकु न् दुः दं या विवा नवे नया भारता अवा हे नया ग्रामा द्वा या व विटान बटार्से दिया नगायाय क्यूनान सूनाय कुरासूना की स्रेटार् ही रूथा ही अही। र्शे हेर्प्य सर में प्राच कर्ष हे निवेद्य मंद्रे नर निव्दार न त्या स्व विगानुरानाम्बर्धाण्या वर्षेषाय्वारीषाराये रत्यानि देश्वाया वर्ष्वाया वहसामित्र नुन्या मुः सम् नुन्य स् नुन्य स् नुन्य स् मुस्य सम् या द्वारा अपन्ति । विष्य विष्य विषय । ग्री'नगाद'देव'न्टा अवर'अटअ'कुअ'क्सअ'ग्री'नगाद'देव'न्'ग्रूर'अदे ।दिरःश्वरःश्वावश्वराः नेश्वरः त्रान्तः श्वेदः वो द्रान्तः देवे ह्यू वाश्वराश्वावश्वरः वेदः वे न्नो पन्त न्युन ग्री य न्या भी या सूत्र से दे नाई प्यना निम निम् से केता से निवेत्रा निवेत्र्वासरन् निर्म्यान्यान्त्रान्त्र्वासायमेयान्तरः

बुद्रानवदा बास्नुद्राद्राचे देवा भूवा की प्यवास्त्र वा विष् र्वत्र्रीत्र्र्भित्रविष्ठ्रार्थित्र्यूर्वात्र्यतेर्वे विष्ठाः बरमी केत में जुरकुन मेत केत मी श्रूषा में खेत मरमी हे मात्र भाषा **७५ वे अ.स.म.न कुरा न्या चालचा सुना अरयः क्रु अ.र्यम वे अ.चाना या प** देवे इन्ववे मुः अदि नायर सुन्व ध्वेषा देर सुन्ते माया यह सुन्या त्रुग्रायायायायस्व नर्देशाग्रीया वर्षे ग्रुयाया स्वास्त्र न्या नत्याया यह्री र्वशावाद्यालयायरात्राचन्त्रवास्त्राचार्त्रवास्त्रवात्राच्या मदेग्नम्भवामानीवानुग्नामाम्यान् । सार्देयानुःश्चिवामानानूःगाप्यमास्याः वर्त्तेरस्य स्था इसवियाद्राच्या स्थावर्त्ते वार्या स्थावर्ते वार्या स्थावर्त्ते वार्या स्थावर्ते वार्या स्थावर्ते वार्या स्थावर्त्ते वार्या स्थावर्त्ते वार्या स्थावर्त्ते वार्या स्थावर्ते वार्या स्थावर्त्ते वार्या स्थावर्ते वार्या स्था स्थावर्ते वार्या स्थावर्ते वार्या स्थावर्ते वार्या स्थायस्य स्या स्थायस्य स्य यद्रस्त्रे अवर्गित्र श्रुद्धार्यात्र श्रुस्त्र द्रित्र स्त्रेया विषा मुन्यून नेदे मुन्य राग्ने अयार्ने मुन्य सुन्य से नामे के तार्य है। मुन्य से र्रेट्य राम्बिन नु या मार्य द्यु ने सु र्ये मार्य न हे नि स द्वार प्राप्त स्थान यिष्ठेशगाःस्त्रस्य स्वार्यस्य स्याप्त्रा स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्वार्यस्य स्व नर्डेशकेत्रर्धेन्यातृगानुनरन्त्राधिर्द्योग्निशकेत्रर्धेरासुर् द्रुश ८८.जश्रुंट्रिय्ग्रीःशःकूट्रेंट्रेंस्यशःश्रुंक्ष्राःगरःशह्ट्रेट्र। यथट्र मःकुःकेवःर्यः अह्दः भाषानहेवःवया अपियः भवेः श्रूवः या अदः रु । हुदः या

श्रवान्त्रे स्रे वस्त्रावास्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच स्त्राच्य स्त्राच स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्र स्त्र स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्राच्य स्त्र स्त्र

यद्याविश्वाप्तस्त्रभूद्रश्चर्यास्त्रभ्वत्यः क्रिक्षः क्षेत्रस्त्रभ्वत्यः क्षेत्रभ्वत्यः कष्त्यः कष्तिः कष्त्यः कष्तिः कष्त्यः कष्तिः कष्त्यः कष्तिः कष्

 अर्ज्ञेन्द्राचित्रं वित्राचित्रं वित्राचित्रं वित्रं वित्र सहित दे त्याया नु ज्ञान्याया हितायया देवे प्रमानिया महिताया है। केरा अञ्चूर। तुषाध्वेषाक्चवार्यवार्योक्षात्रः केत्रायार्वेषात्रः र्देव'ग्रथथ'य'तेृ'ग्र'सर्द्र'प'वे'देर'यर'द्रर'वेर'ग्रवव'य'यव्रप'केव' र्यर-शुर-र्ने । पाष्ठव्य-विषा-षी-र्स्सेन-स्र-इ-दक्षेट-र्-उ-स्थ-प्रदे-च-उद्य-प्रम्य ने हे अ विंद मी द्वें द र्रे अद्य कु य द्वय य य ये व्य य य य विंद है नग्रः निरुष्ये देवा क्षेत्रः निर्मेष्ठः क्षेत्रः निर्मेष्ठः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः वहसारेमा सेटाम्याया न्यो में टान्य रास्त्रेटायो द्वाया मुनु मुन्यायार्श्रेम्यायात्र्ययात्र्ययार्भेन्ययायीत्रात्रे । विने न्यादे सिन्य्रेन्यये व्यवायित र्वे।

श्चितः निर्मेन स्वापानिन स्वापानिन

न्वेवियावश्रेश्रेर्याबुर्यन्तिन्द्वेन्यः इस्रायादः ह्वाः वेर्द्वः वदेः नगवद्भेव व्ययाधिव है। हैं वा ग्रुट कुन सेसस द्यव केव सेंदि स्रेव व्यया ग्री रेस्रायास्यासार्वसावियायसूत्रायाधेताते। वियार्थे दूर्यायकुरायाद्र বভমাঘর শ্লবমার্মী

## ম'ঊন'নকুব্'ন'ব্ব'নডম'নবি'য়ৢনম।

न्दे नेग्पा केव में न्तु अदे न न्प्य है भूम हु मान है न्यम हु हे। ने पर में हूं न के त में हैं स्व ने य र न हैं न न हु न न र य य य य नियार्यार्भेत्रायार्रे र्वेरागुरायदे ग्विराह्मस्यायायन्त्राया गुरायदे क्ष्यां वे प्रभाव वे विष्ट्रं प्रश्चार्क्य के अर्घाया या प्रमेव वया क्षेत्र न्र्मेन ह्नान म्यायायाय प्रति यात्तर यो न्याया व्याप्त विष्टा विष्ट्र म्यायायायाची वसवाधायावाची स्वताधायावाची स्वताधायाची स्वताधायाची स्वताधायावाची स्वताधायाची स्वताध गर्विव मदे नुष्य शु । विक्रिक्त हो सङ्घ विदे श्रुष्य गिर्दे श्रुष्य विषय । विदे विक्रिष्य विदेश विक्रिष्य विदेश मङ्गेन्स्यरम्भः व्यास्य विद्या विद्या विद्या विद्या स्वास्य विद्या विद्य वसर्ने ५ ५ दे न सामित है। सुर्द्र सामित हो। यह वर्षे सामित है। स्वा सहर्भाने म्यूरिय स्थानिय स्थान

वी वा पायर में विराय प्राया से वा प्राया के विराय के प्राया कि विराय के प्राया के विराय के १९वरयेग्रयायरार्द्ध्यायरहेरम्यायरार्त्र्यम्या इत्तर्ह्यायवेरम् रेग्रायायायुग् दुःया इयया ग्री र्स्स्य निर्मेत् ह्वा नया सहन् प्रदेश्योयाया क्रथ्याचेवायायरावश्चरविदा ध्रियाराध्ये केरापक्षेत्रात्यायाया ञ्चन डेग रु खुल न्तु र शे नि नि नि स्व त्य सुन सम् अन्ति से से नि नि नि नि द्रुः पः त्यः श्लें नः न्दें त् त्तुः नशः सहनः पदे विषेणः पः केतः वे दि। अः व्रः पः न श्चरःइसःग्राम्यायायाध्यायाया श्वरः स्वरः श्वरः स्वरः स्वरः स्वरः ठेगा हु त्योय पा ने ते क्रून त्र राज्य में गाहेश क्षूण उस ग्री त्यु र नहें रा ग्रम्यायत्र्रायदे कुः केरावर्षेयायाः भूति साम्राययाया भूराहेर नवर नर म्याम्य र रेत केत नवर में क्ष्या न क्षुर लुय माहत या स्व यर क्रेंब प्यट है क्षु निवेद सेद यर सर्वेट द्र राष्ट्रे स म्याया राष्ट्रे राये या रा यर पश्चिर प्रते वेश ग्रुप्त त्या श्री माश्चार प्राम्य स्वर्थ प्रति । वेश ग्रुप्त स्वर्थ प्राप्त स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वर्य स न्नामित्राम्या वर्षामित्र म्यान्त्र म्यान्त्र म्यान्त्र स्वान्त्र इ.च.च.च.क्य.ल.चेशा ८४.लूच.थेय.चेशा वर.बर.श्या.स.ल.चेश. वर्चूरमाव्याम्ययायाञ्चाळचाची त्राचित्राच्यायाया दे म्ययायायहेत वयान्त्रयाग्रह्मान्त्रयायात्रयान्त्रयान्त्रया हो ह्या हिः श्रियान्त्रया हि शेट के त्र स् ग्रु ग्रुट न हे त्र श्री श श्रु कं न त्य न तु । य न द त्य प्र पा पा ते श गा ग्रथत्रे। सर्भिर्याभिर्देर्भेर्स्रिर्ट्यूर्येश्वर्ष्याविः भ्रूर्यं स्वर्त्त्रेयाविः राधुक्दिर्5्स् अह्न वर्षक्ष्यरान् मुयावान्ययाया स्वासायि स्विनासा यर में जुर विर प्राय भीव कु प्र र यर यह वा सा ग्राग्न र यह वा सा ग्राग्न र यह वा सा ग्राग्न र यह वा सा ग्राग्न ष्युव्यक्षासद्दारिते हिंगायो विष्यापारिते गासद्ती इत्याने साम्या ही है सक्ता न्नुःसदेःन्धूर्यःपःसहन्।मः इसरादेःसर्वेः। ग्विनःधनःन्नुःसदेः क्रिंर्याधियाः कः सरात् सहित्या वहित्।

येग्रयास्य स्प्राम् निर्मा विष्य सम्प्राम्य स्वाय स्वय स्वाय इंसदे ते गा नवे नकु सदे ते ग देव केव सेट नदे ते गा इससा सर्वे रहे। ने न्या व्यवायाव्य प्राप्य स्पर्ध प्राप्य स्थित । व्यव्यवा कु ने ने राय स्था नर-र्-विद्रायानहेत्रत्र्यान्तुः अदे नत्र्राः कुत्रायाः कर्मान्यः वृद्रा न्त्र्यः याउँ र यो 'द्यो 'यने अ'या वार से अर से अ'या र दे र या तृया अ'ते। द्या अ'या सव.स.कुर्त्। विट.बट.सवा.सदु.ईस.श्.दर्च्स.कूवा नेवट.सैवा.चावास.सा

र्श्विन निवास्त्र भी या स्वार्मे हो। र्श्विन प्रवास स्वार्म या विवास स्वार्म स यकेन्यित्रेया सुन्नेव्सु।पन्नेया स्विन्नेव्स्तिन्द्वा स्यान्तुन्या क्षेत्रन्देव् क्षेत्रयः नेयः न्या क्षेत्रः न्या न्यः र्हेन्न नेश रन रेन केना हे न इन स्नि रान से न न समा हेन नश्रमान्त्र नवरास् नरास्त्र मार्वेत् न्यायमान्त्र स्निन र्मेत् वर वनामा क्रिन-नर्भवन्न निर्मास्त्रेरमो हम्मानिवन्तु न नर्भा न्याप्तर नःश्चिनः निवः के अः ग्राम्या वरः अगः प्रान्येनः वस्य स्वा हे नः गुन-नगद-गरिन ह्या क्रिन-निर्मन-भूयःगर्विन-नु। गुन-श्च-रूप-गर्विन-नुः मुयासर्वा नसरार्द्धेनागर्वेन तुम्यासर्वा र्रेनान्येन र्र्वा न्ययान। म्यायारामुयायळवा क्षेत्रान्येवारेव केवामु यळी यान्वाया नः र्ह्वे संन्ध्याने वाये निर्माते निर्माण स्वाया विष्या विष्या के वाये स्वाया स्वाया के वाये स्वाया स्वाया के वाये स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया र्रे या प्रति दे विकास का प्रति स्था स्था प्रति स्था । विदाय प्राप्त स्था स ररावी कु यारावदे यकु राया वह राया श्रवायदे र्वा स्वाया स्वया स्वाया स्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वय गठव वेता सु सूना हु न ग्वामायाया यह ग्रीही दे न उहा त्रय हे ने तर हे र्हें है। नर्रें नि नर्शियां है। श्रुक्तियें हूं नि बेशपकर्रें । श्रुक्ति ่าสูรุางรุราจองเปลิวฟูกงาจ์[[

## अर्देन'नवि'नकुर्'नवे'ऋनका

नारशः उत्राची वित्र तुः सर्देत्र यः गुत्र त्यश्य न तृशः ची न नित्र सः क्रुतः ळग्राश्, शुर्नित्रे पकुर्ना से अरमा कुरा गुरुषा में ग्राया से प्राया में ग्राया में ग्राया में ग्रीया याहेवा क्वें यह्वा यार श्रेया यि के हैं व से मार्डेया विर या श्रमा है सा श्रम खर्र्य्यामी में है। वसवर् ह्या निर्वे में है। निर्वे मुख्या में के या बुद्य यानन्त्र न्दर्भागित्रेयाग्रीयानक्षेत्रयाम्यागुनामार्चेन। न्नयान्त्रयासु विश्वनामा श्रुम् व्याप्यया शुमि विषया है या श्रुमा स्वीया है या स्वीया स वशः युः अर्के गः मीः भे भी भे न इवा गरः भेः भें वः हवः ग्राधुरः इरः। हिः क्रॅ्रव नर्डे व त्यु र नाधु र नु र नि न व र त्यम् । कु र व र यो ये न नु न हे र म्याया सम्मर्या मुद्दी प्रमाया मुद्दी प्रमाय मुद्दी प्रमाया मुद्दी प्रमाय मुद्दी प्रमाय मुद्दी प्रमाय मुद्दी प्रमाय मुद्दी प्रमाय मुद्दी मुद्दी प्रमाय मुद्दी मु बराहे हे हे हैं नाया ने नाह यह है। है नाया है नाये हैं ना के नाये हैं नाये गशुअःमः अह्यः नवे भ्रीतः वित्रः द्वो श्लितः शुअः नकुः द्रः नवसः हे चितः यदे छै। वे दू वदे द्वो र्रेट रे रे य ज्ञ है य विंट र वी र्रेट य द्वो र्रेट नदुःगशुस्रानदुःगशुस्रानश्चेत्रत्रगुरःहोत्-तुःनदुगाःहेसःग्रामासा व्रदःहेःयः र्गे में पे पे पे प्रत्युद्द मान्या दे पर्मे मार्के या ग्री महेन प्रमुख पदि पर्म प्रति । व्यापराग्नुत्याक्षेत् भूत्रुत् प्रात्याम् व्याप्यान्त्र्या ग्री प्रकत् १३व सर-तु-तुर-क्षे। वर्देवे-क्र्रिन-स-धर-कुवानवे-वेश-रन-ग्रेश-ग्रद-ग्रुद-वशः

नहुरु। गुः हे 'गा के 'र्से 'सह द्वा र्मा पा हे 'सुर से 'स्वरा हु से र ना हे 'से र मःश्चेत्रमःसेरामे श्चेःश्विन्यम्याय्यस्य नर्देस्यम्य स्यामे श्चे ने श्चेत्रमः यःगुव्रसिव्रक्त्रःभूर्दिन् वेरःग्रीशःग्राम्या यम् व्रमः दिव्यावक्रिय्यः नर्डेन सेटा कुटारें न्यासर्वेन सकेससान्डेन कुया र्नेट र्हे नहन र्थे दूं न सर्के मा थ्वा नयर से दूं ना इर है। १ न में व में गुव न माय नय केंशन्ययः सर्वे दःसे नन्या हेन के दःसे क्लेंश क्ला सकेंदे नर से । यह र्गे र्ने प्रे प्रे प्र विद्यान का विष्य विष्य विद्यान का की विद्यान का की विद्यान की वि श्चित्रभा वहर्मानार्वेष्म ग्रह्मा वर्षेष्म अर्थना वर्षे में स्ति। रेव में के नर्शे द वस्र राये हो। के द स्रिय ही स्रिव में व से के यान्व केव इस न्वी नेय न्वय शुर्भे र्सेन प्रहेव मायन में प्यानाश्य राजी। नुः ब्रेंबः देवः चें के प्यवः नुः नकुनः प्रवे न्नः याने न्वया ग्रीयः तेः गाः नेवः नुः क्या मःसह्दःमःसहःसंस्था वतुसःस्याम्बस्याःम्सुसःमदिःमद्वःसःर्तेःहिःदः र्ने दिर अदे सुः अप कुर देश की 'थे 'वो अ हे र वत्र । वा अपदि र खर देवा अ सर्देव'रा'न्र्र्य'राञ्चाश्चुत्र्व'न्र्यार्थ'या स्वार्थ'ये वे 'ये व 'त्र्व' क्च के व 'र्ये' न्द्रभ्वत्यस्य स्तु मुद्रभे के रामु वदे वे दे संसक्त निर्मान्य राम् सर्देव या सर्दे दायदे । वस्त्रवाया स्टाइ रामी । दुर्श सु । वसे त्या निवास ।



र्रे दिर प्रथा राष्ट्रीर या प्रथित स्थित है है है यथ है र वर्ष में निम्। न्त्रभाग्रहम्, न्म्भाके नम्युम्यम् मुन्ने स्थानी स्था क्रेट्री । सर्देव संदे न कुट्र संदे क्रिन्स र र्शे ।

# **జి**ర్త' अ'क्रुअ'वर्ग्ने अ'विश्व क्षेत्र' अ'विश्व क्षेत्र' अ'विश्व क्षेत्र' अ'विश्व क्षेत्र' अ'विश्व क्षेत्र' अ'व

त्रुनःमा न्यानर्डे अर्के अर्भेजा महरके दर्भे भी न्रीया पहेता र्सेग्रास्ता न्नरस्यासे। क्रिंग्यायाया स्निन्नरस्या न्यासी न्यासी क्रूशचार्याया नुरत्वीरा धे.स.स्रयाया ह.स.सी है.य.सु.सा.घी क्रूशची. अकूर्य स्वेषेत्री सु.गी.सब्दे.धे पि.कु.स्वे.कुष.स्वेग्न.स्वी स.स्वे सि.सीया.सी वर नर्द्ध सर्दे हे द्रमण वहसद्ग्रहरू हु। द्रमण खूद म। वहस न्वर्यः क्रेंब्राविंद्या वेंस्यवर्यान्या व्यव्यास्त्रेंद्राया क्रिंश शेर या दें विवाध क्रिंश हैं नवर सें। यावत केंद्र दें के क्रिया मक्ष्याच्या विष्या क्ष्या मित्रा क्ष्या मित्रा विष्या मित्रा विष्या ने या द्वें न प्रमें न प्रमायान प्रमाय करा है। यह दि स्राप्योय प्राप्त विद म्रायायायी सूरावया याववाळेवारेवारी के मुखायळवाव वारारी याववरा मक्तिन्द्रम्मन्द्रयान्यम्ह्रेन्याधित्रम्ब्रुन्स्री क्रन्सम्बर्धयान्त्रीयान्त्रीन्त्रमुन् নৰ্মী |

## ਤੁਕਕਾਲੇੱਕਾਜ਼ਦੀਕਾਮੁਗਕਾਸ਼ੀ'ਕ੍ਰਜਕਾ

नर्डे अप्युत्तर्वर्षा नुस्र अपि के अप्यु में प्रदेश्या के दूर न के त्री हैं। ग्रम्। मालुममी मानुम्यदे रहे वा दे से वह नमसूर है। दे प्यम्य वह व ख्यायाग्री के स्था वेया प्रकेत में कुन त्राया देया प्रकेत के स्था के प्रकेत के स्था के प्रकेत के स्था नरत्त्रेर्पानिक्षाम् द्वेर्पानिक्षाम् । हेर्सेर्प्रेराम्यानिक्षा हेत्रविनानी सेरापत्र सर्दिन वजुर मी वर्ना समा विनास समार्के समाहिस र्येदे प्रमे गुप्त पे प्रमाहे नर्द्ध तथा यस्य याया याया में या नाम नाम स्थित ही । सर्वेद्रशः शुः र्वेद्राने। दे याहेशायेयाश्वासाय याद्राना से के का राष्ट्री निया है न्त्राचीयात्राक्षेत्रः भ्राह्मात्रयाद्राचीयात्राच्यात्राच्यायायात्राच्यायात्राच्यायात्राच्यायात्राचीया ग्राचेग्राने प्रस्नेत प्रगुर द्राया वुर ग्राहेश सेंदे प्रभूत प्राव्या भीता द्रो लट्रायालर् में अत्रायायायाया हुं त्र कुं त्यार्श्रे वायायाया सुव्या देखा नड्यामार्चे के ने म्यामार्च्य ने या भी सम्बन्ध मार्थ ना के राय्ये व पिर सिप्त में प्रापित में प्रापित में मिन्त में मिन

स्रायम्भित्रः त्रत्रः स्रायः स्रा धेव'नमा मङ्क्'व'या न'ट'क्या मर्थ'र्क्षम'यर'र्क्षे अ'यर'र्से से वर्षे मध्य पर्वे स'यूव' यन् या गुर्म्या परि रहें या या परि रहें या गुर्ना प्रयाने वे प्रयानि वि प्रया विगामान्द्रम्य विश्वेश विश्व शहू न्य अर्थे द्व नमा त्र नमा वि निष्य नर्डेयात्रमा नर्डत्।पार्चे के त्यामन्स्रमान्दरान्यस्मान्दरानेमा दे रुषाशुगात्रुषात्रेषात्रेषात्रुषायदे कुर्न्तुः याषाधिगाः कः धराधेरायरः वर्ष महासेरमो वेसामुनदे वे द्वापाय पर नह न न न न विश्वात्रश्रायदे अर्दे से क्वर की ते गा के दार्श विषा ग्राम् सूम में। । नह दारी श ह्यां क्रिं विश्व ह्यां क्रिं क्रिं विश्व रैग्रायर्भर्मो नदे न नेया गहेत र्देन नु गहेर न इस्रया या गुस्या हैया ग्री नित्र नित्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र मित्र मित्र स्त्र स व्याक्तुः धेवा देशः द्यो वदेः वलेशः याहेतः श्रुदः रः यः लेशः वुः यः याशुद्रश वर्ग्यश्राभीश्रास्त्र्रीते क्रिताया ते ना के ना विषा सह ना ने दे ते से प्राप्त सारी यर:रु:श्रूरः। कुर:क्ष्रःयःयःवर्वः ख्वायःग्रे:तेःगःधेवःवेरःवदेः यहर्पःयः

अःश्चेंशाचा नन्त्राम्सस्यास्य प्रमान्त्रस्य । स्वानित्राम् नित्राम् नित्राम् नित्राम् नित्राम् नित्राम् नित्रा ग्रम्भूम्। नर्व श्वाया ग्री अव म्या प्रे नेया ग्री नव्याय या सेयाय प्रेया कुर : पर विवाद पर वर्ष दिर अर खिवा अरे र ने वो रवते र ने अरवा हे वर वरे र यान बुग्रास सें चुरन है स र्चेस दे प्यट हैं गार्से हुं न हैं स्वर ने स स्वर त्या रेअयर न कुर्यं अविश्वायश्या अट से श्रित्रे मा प्यार अहर् । दे त्या वे स्वार्थ स्वार विश्वान्तान्त्रम्यान्त्रित्वत्रम्यान्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् षट्यः षेत्रः वेशः ग्रुट्। र्रेनः द्वेतः द्वः यः ते दिस्यः सं क्रायः वित्रः प्रशः मी विव मदे खुया नु प्यमान विना न उद्भ खुना या मुस्र या है से स्य या ग्री मह निवतः वित्राचित्रयान्य निवासानिया स्वरिक्षेत्राची वित्राम्या ने सिन् कुशःग्रे कु त्यर गुर से र निवेता हे निवंत रेत सन्य नशान्य से र कु त हा या से सर्या उत्तर हो। नक्ष्र्व नार्डे साक्षु सह न द्वारा से सर्या उत्तर स्वा न न स्व त्रेगाप्परः सहित ध्रेमः द्वेवः पः यहेवः वस्त्रे दे। देः ध्रेमः मह्ये समार्थः क्रॅंटर्न् होर्सेर्येर्ये शेस्रश्रास्त्रगुत्रायाष्ट्रन्यर्येर्याह्रेग्रास्य देवायाहेररदर्श्वुयः अदे अद्यार्श्यवायः द्वेया वर्धे गुव यदे वालेवायः

श्रुरःश्रॅं उत्रः नुप्ताश्रुर्या वियान् नियान्ति । श्रुरः विरुद्धाः स्वानान्ति । वियान्ति स्वानान्ति । विरुद्धाः स्वानान्ति । विरुद्धाः

गुवः सिवेदः हैं से विदः स्थाने निवास सिवेदः स्थितः सिवेदः सिवेदः

च्यत्त्वाकाक्षेत्रभ्यक्ष्याः व्याप्त्याः व्याप्त्याः व्याप्त्रभ्यः व्याप्त्याः व्याप्त्यः व्याप्त्याः व्याप्याः व्याप्त्याः व्याप्त्यः व्याप्यः व्या

## न् रुअ'नु'नरुन'न। क्रुन'बेदे'नन्न्'भ्रेंय'ने'क्रून'व्रुन'नदे'क्र्रेन।

# ॲ'नदि'ॲ'क्रुस'ग्री'स्निन्स

न्दे कुन्सेदेन्नन्त्यःह सूर्च्या वित्यं कुषानहेन्यर ग्रुसे यानुनिन्द्रश्चेत्रपदे कुत्रह्मस्यसायानस्रदायास्रत्रम् नेत्रस् न्स्रेन्थर्थः क्रुश्याश्रदः नदेः नश्रदः यार्षे के विद्या सङ्गेर यावतः श्रीः षरःन. १ त्रायः यहेत् त्र अः ५ सूरः न बर अः ५ रः वा अरः नः श्रुवे से कु ५ र ५ र नश्रमान्त्र भ्रे स्थाय श्रीम्यापान्त भ्रित्यते भ्रूत्यी प्यतः स्थापर सूर र्थे दूं नमायेग्यायरान बुराक्षे धी मोराग्यायरान्ता ध्रमान हैं हे ननर नश्चर्यति कुर्याय वेषायार विषायार विष्या स्वितायार विषय विषय न-१८-१८-१८ क्रुव-पदे क्रुव-पद-प्रेत्-पर-श्रूद-श्रेत्। नश्रुव-पः श्रे-त्र-वर्गः वे निभूत प्रते कुत के स गुरान के पर्दार्थे।

तश्रवः याधिः प्रमाण क्याय विकास वितास विकास वितास विकास वित

ब्रिः ख्रमा त्वेत् द्वां त्या प्राप्त क्ष्या प्राप्त क्ष्या क्ष्

यद्यम्याया स्ट्रिंग्या स्ट्रिंग्य स्ट्रिं

यावयःलटःशुः इटशः राष्ट्रवः श्रृवः यायाशः देव। कुः लेः खुः या गुटः यः

दमो निक्षा अर धुयान मित्र अर्क्ष मान स्वामा स्वमा मित्र मित्

मान्त्राण्याम् स्वाप्ता व्याप्ते स्वाप्ता स्वाप

ने वश्राह्मर क्षेत्र ग्री के वर ग्री शर्वे के वर्ष श्रुवा के दा वार्के के रावे कुर लें नितृत र निष्ट्रेत त्र श्रेष्ट्रे र लें ना व्यय र उत् र दि । वित् सर द्राय सक्तायास्याम्यास्य न्यान्यास्य

ने न्या स्रम्पान म्या के निया वित्त नु स्र अर्के । यथ स्रम् निया स्रम् स्ट्रेरशमा गुनावकेटानुदेन्सरास्ट्रेनकेश्ची कुषासळना स्वारासी स्नि त्रुपार्यं रहें स्वानित्रं के ह्र्या.यो.श्रेर.रेटा नेटश.यी.श्रेर.ला.याब्रिय.यी.श.ख्रु.क्षेय.या.यश्रेयाश्रायश अ वित्र सम् वें कुम् या नहेत् हे में गाने केम नका अळत् नहें माने या केत वास्त्रम्यस्य स्वार्था

क्रिक्रमानेग्राह्र अस्ति न्दानं वि नार्दिन क्रिक्ष वायाप्र प्रम्य यर में यह र डिटा वें प्रवास या शुन्दर या न्या प्रकेषा मी हैं या र्विट्यः इस्या ग्राटः खेवायः धरः वस्याया । बद्यः द्रगारः वस्यायः धः वेयः र्मा ग्री वें कित वास वें निर्मा कें ति वुर कें साम अत केंत्र म्यास देव त्या ने हेन नसूस मान मान स्वाम ने निन्न निम् नगायन्तरानगायन्ता हुन् हुन् अस्ति ने भन्नगायन्तरानगायः इसस ঐবাশ-শন্মবা

ने न्यान् के निया विवास्य स्थान के निया के निय के। ने में र नु पड़े न मह न र न र न मह मिल के न मह कि न न मह कि न न मह कि न न मह कि न वन्यान् हे सेवि वशुरायहन् पवे निये नियानित् नु नुसायया कु निये वे म्रेट त्र राज्य नित्र वार राज्य मार की राज्य हैं व्याप राज्य हैं त्र हैं त्र राज्य हैं त्र हैं ते है ते हैं ते है ते हैं लेश विश्वश्रासम्बद्धिता लश्चरित्युः छ्टावाश्वश्रास्यान्वता देवश्यः यर र्चेत्र पदे छे पाद्रयाप दे साले यार्च रे या चु चा हेत् प्रो प्रश्लेत विवा मीर्थाया मिन्यिक भाषा है से किंदा मार्थिया मार्थिया मिन्या विषा वरषान्गरान्दिने अपनेषार्या ग्रीषा श्रीषानवा वर्षे राष्ट्रीर हिना ने वशर्ये द्वं न न न न में वर्षे न न है शर्मे श्रास्त में शर्म है न वें द्वं नामकेरनत्तुन्। नाद्यामी अस्ते कें कें करमा है नामकी मुखाय के ह्वं न न्वे नेंद्र दुर्जे व व के के वार्षे र प्रवेद र प वें न अन् चुर वर चुर प्रथा ने वा वें वर्त्त ची वर नु वे वा या पर सम्बा ख्यायाग्री:श्रुट:सूट्रयायायाचर:बुया द्वीयावटयादग्राट्राग्रीयाहेर्से याया त्रेगाप्पर्स्त्र पङ्गेन् पङ्गेन् श्वायाः हे के व से न्याया स्मिन वर्योयः नुसन्तु नाशुस्र । स्ट्रांस स्ट् नेशन्ता सरमाईराणेशा गहताईति छ्यायनमा शुराळराया रो

मुयासळ्त्रपिते व्यावर्षात्राप्ता मुन्या विष्वे स्ति। भू स्वर्षात्राप्ता कुर्या भीव हिर्माय देव केर्दे । शुंश क्रेंब पो प्यम पा पा प्रव केंब प वनर-१८। श्रुट-श्रृद-पार्डट-सेंदि-क्क-श्रेद-र्क्ट शः ग्रामाश-१८१। श्रुपा-र्क्यः यर्दिरः र्रेष्ट्रेष्ठ्रायः श्रुर्देष्ठ्रवायनः र्षेषाद्या विस्रयः योष्ट्रायः र्षेषायः मजुररें।।

न्नो निन्न निकामित्र मित्र स्मिन स्म वर्चरा इ.भे.ट्रमूय.अक्चा.चवाना रसर.क्ष्र.भेजा सरम.क्ष्र.जुर. वनुस्रक्षेप्ति नुद्रा विद्यो असम्हि सेर मेश र्थे ग्रिय भी सुरस्तु ग्रम्भद्रास्तरे सूर कें सावस्या साने साग्रान ने प्यान परी प्राप्त स्वाप्त स्वा

श्रूराणे नेश कुषा अळंत की श्रूश केंश केंश वारा गात सहित प्रयाश देन् ग्रीस सर प्राम्यम् वयम्य स्वित् ग्रीस प्राप्त स्वित् से के त्य प्रवर्ष नन्द्रायम्बर्धारुद्रात्त्र्यायार्चेद्र्य । तुःरेद्रार्थाः केश्वादे द्रायाः कुट् ग्री-द्रग्रीयायित्रम् ग्री-क्रियायरात्र्यायर् । इयायर्ग्ने स्यायर्ग्ने स्थायर्ग्ने स्थायर्गे स्थाय्ये स्थायर्थे स्थायर्गे स्थायर्गे स्थायर्गे स्थायर्गे स्थायर्गे स्थायर्गे स्थायर्गे स्थायर्गे स्थाय्ये स्थायर्गे स्थाय्ये स्थायर्गे स्थाय्ये 

नैदःश्वदः ते द्वा वर्षे दः क्रुं दः क्री द्वा वर्षे दः क्री व्या वर्षे वर्षे

#### तत्रक्षात्र प्रमुक्ष क्षात्र क्ष इत्याद्य क्षात्र क्षात्र

क्यायर्च्च स्वरावी कृत्त्वस्याय स्वरावी स्वरा

र्देव-द्रस्य स्वे सुन्दरम् सुन्दरम् सुन्य स्वायान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वय बिटार्स्चिम्रायादियाः पर्यात्या वर्षः वर्षः व्यात्रात्रात्रे व्याप्यात्रे वा प्रवे प्रवटः तुः ত্রমানরি:মদমাক্রমাত্রী:মাত্রির্বামা मवसायन् सामित्रा मन्या हिन् उत् बुन नु प्रति मुग्या हैं हे प्रक्र केत र्येदे अरम मुमा मम्मा उर् छे मा मुद्दी । दे दे समर मुगा पदे पाद मा प्रमा मदे भ्रेम ने हें न मर होन मदे कुन या या कुन हम रागुव ही ही कें यो व र्वे लेग नन्दे।

र्हे हे प्रकट लेश ग्रुपाय पर हेर्ने दाया या या या या रेगाया त्रया उर्'ग्री'नर्गा'हेर्'ठवा र्वेग'स'र्र्'श्रस्थ'सेर्'म्। र्र'रेवे'स्र्र्स्य कुर्या रेगाना के तर्रोदे क्री अन्तिया ज्ञामा थे ने अन्ते अन्ति स्टानित क्री अर्दिन म्राया प्रति प्रति । यहिमा हेत् माश्रुया श्री प्रति । भू गशुस्राश्ची नद्या हेत् रहत्। हेया स्याशुस्राश्ची नद्या हेत् रहत्। तुर्भायाशुस्र ग्री:नन्नाकृत्रवा दें हे नश्या श्री:नन्नाकृत्रवा नन्द्रानाकृत्राग्री: नन्गानित्र हिमानिस्य विश्वास्य स्थानि वर्षान्य निष्ठिमार्टे हे त्यहर केत रेविः भुः सर्वेगः प्रम्या सक्वः हे धिवः पः क्षें यः विषः । भूः सर्वेगः प्रम्रः रे वियामित्रमामित्रमामित्रभामाधितार्वे विश्वान्तामास्य मित्रमास्य मित न-१८ में ते अपायायाय निविद्यायाया अपाया विद्याया विद्याया विद्याया विद्याया विद्याया विद्याया विद्याया विद्याय

र्या र्वेत्र ग्रम्पा त्राम्य स्था सम्प्रा सम्प्र स्था सम्प्र स्था स्था स्था स्था सम्प्र सम्प्र

ने १८१८ हो न ने वित्र मु न हो न स्वर न वर्ष न म हा स र म स स र म स स र म स स र म स स र म स स र म स स र म स स र वर्षायाः केषा ग्री सुरार्थे र्ष्ट्रेरास्या नकुर् दुः इन्ति र्थे वस्य य उर्गे रेव श्ची मार्डे में धिव मर निवेदाया देर सर याया ना कुर मावव दर स वर्देशमंद्रीस्टर्न्यट्र इत्रिक्षे वा विवा मुन्यायोव माने वेवा मान्यव मा यासर्दिन पर द्वाय परि प्रवास्त्र वा स्वाया स्वयं स्वर् स्वर् । प्रे प्रविद द्वी ससेन्रपिरेर्दिन्नुः धन्। नेर्वित्रःनुः गर्सेष्यः नः वरेनसः संवित्रः न्रथः वर्षानम् नेव्यास्यावर्षे हे ने वर्ष्यास्य वर्षे हे विष्ठा प्राप्त होत ग्रीशनक्षनश्रामराग्रुरामशायदीः भूताहेशाम्बर्धायाः विष्ट्राणीः मुख्याः वि ৳৾৾৾ৡৢ৾৾৾ৢৢ৾৾৾ৢৢ৾৾৾ঢ়ৢয়য়য়৾৽ঽঢ়৾ৠৢ৾য়ৣ৽য়য়৾ঢ়ৢয়৽য়য়য়৽ঽঢ়৽ৠৢ৾৽ঢ়য়য়৽ वर्षामा अर्था क्रिया वस्य या उत् सिंद्र प्रमान हें ना पार्टे साध्य प्रमान ग्रीयानसूत्र-तु-वार्या वियापाने सुनु-वार्यायायायाया सुना तः है हिया म्बर्भयानानननान्। विश्वानाश्चर्यास्त्रेत्त्रीत्। तुश्वानीत्वित्रः विश्वानाः ८८. यक्षाताला वाषात्राच्या वाष्ट्रवाचा विष्ठा विष्र यःधीवःर्वे।

द्राया ग्रेति हैं है राष्ट्र अध्या ने त्र क्षेत्र प्राया ग्रेति हैं है ते क्षुत्र प्राया अध्या ने त्र क्षेत्र प्राया ग्रेति क्षेत्र प्राय क्षेत्र प्राया ग्रेति क्षेत्र प्राय प

ने 'क्सम्य 'शे 'वद्या स्राहे 'वर्षी स्राहे द्यो है स्राह्य 'व्याद स्राह्य प्राह्म स्राह्य स्र

यन्तान्ते श्रामाञ्च त्यान्त्र स्त्र स्त्र

देख्यस्थाने केत्र संस्थान स्थानिक स्यानिक स्थानिक स्थ

ने त्यायमें श्राची हित्र मा सुरि । हिन्य नि स्वर्थ । यह श्राचे स्वर्थ । यह स्व

र्सेन पहिराय भ्रेन प्रमा यम मिन्द पर्देय विदार्से माम मुनमा मा केन वर्जेग सेवे मन् नुर्जेन के राग्रे वर्जेय न र स्यानित स्तर् धरःवर्देदःधःवायोशेरःहिरःवेवाःवाशुदःवशःशःवावदःवशःरदःवीःश्चेवशः यः भ्रेअः है। नन्गः हेन् मुग्गरः नुः ध्रेवः यः विनः यः विनाः ग्रुः श्रुव्यः वशः मुः यार-र्-र्जेव। पङ्गे-७-इसस्य ग्रीस्य वर्-र्-र्केस्य यास्य प्राच्य पङ्गेवः वर्चीश्रामानश्चेरायात्र्यात्र्यात्र्यात्रायात्र्यात्रायात्र्यात्रायात्र्यात्रायात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या नश्चेर्रे हें श्वेरामहेरायावनर्या केत्र में सहि विदायानया में स्वत्कर्त्र श्चिर्यं के प्रति स्वाया प्रति विष्या स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स इनिहेश थें न प्रमाण्या ने न्या यस प्रमाणस्य प्रमेश विस्ति है इड्डायदे अर्देन नेश उन्न अर्देन द्यी अपश्याप राज्यंन सें उन्न में रागा हते क्रियानुः श्वेन की स्वाया उना हैं है यान्न की नया में न्या के या हैं है। हैं में है। पि.के.मी.नश्रूव.मी.सियायायं हु.मू.यु.या मुयायेवे पिनामी लेपनान न र्या धे रूट मी द्वी नश्चेत केत सेंद्र राज्य से बुवा या हे केत से नय से हिट मी'व'न'गू'ते'म। वू'र्रे'सदे'र्श्वेन'अ'व'ळे'ह्रू'व'गू'र'ह्रअअ'य'वर्र्अपः ग्रम् द्राप्त द्रम् गुर्द्र न्वाद दिन्दे सुदे जुर कुन ग्रीम है से न व्यापन वन नेशकूर्नेप्राया नेशगुरशकी केपा नेशगुरशकी कुराया नेशयाशेर म्नीरामा नेशमें क्रें मानर्भे नार्श्वे अर्थामान्या अर्देव क्रेशमान्या नर्द्धव र्बे उद्गाद्भा हु दू गु र न वि त्य न वि द

याः विवादी हैं है प्रकरा ने शहें हैं कि शा ने शक्षे हु हु है ज्या ने श याः प्रवादी हैं है प्रकरा ने शहें हैं कि शा ने शक्षे हु हु हैं ज्या ने श

हैं हे कि शारी की हु हु है या न निराने सामा परी है। दे कि न है रासी है है यदे कुन्यमा भुर्से मार्से या ना ना मारान के दारि कुन विशेष यः इटारे निष्या । वर्षे साध्या वर्षा में सामाया सुराना मुदारे मिया शुःन्ययः में हेवे ग्रव्याक्षां ते प्याक्षः मुख्यां की कु सूर्ते विया गुः वया विया यन्त्रम्भूत्रम्भूष्यात्रम्भ्यात्रम्भूष्यम्भूष्यम्भूष्यम्भूष्यम् ग्रे नर्डे अः थ्व वन्य मुयः में केवः में अब्द व्रु है विया ग्रु ना ने या नुवे न न धुगायग्रम नगदः र्र्स्यः ठेम । नर्डे सः ध्वः यन् सः ग्रीसः नगदः सूयः म न्ययाधे ने राष्ट्रिया खेदे कुन् ग्री कुया र्या यान वियान राष्ट्र न्यून प्रदे ध्या'द'र्हे हे दे कु य रें 'दे 'हे द 'क्षे हु 'हु 'हे 'हू य 'प्रदे 'सूर्य 'र्य उदे 'द्यद 'हु य थे ने अ ग्रे भ्रा अ न इ न विदे न न म भ्रा विश्व अ दिन अ न विदे । नवे कुषानु सुरानक्ष्रम् मवे वर्षे न्दर्भ न्य सुराया

ने निवित ग्रुन मिले हैं है नियय | नियय स्व ग्रिव है दे कुय में पदिया | न्ययाथ्वरविरावें अर्देव वर्देन या । व्यायान्ये क्षेत्रावित वियाया । ने नविव नविव पर नार विवा भ्रा विवा रही विवा रही या नाम हे पर नहाय हिंदी พ.ष्ट्रिः लीकायः प्रत्रास्त्रः क्ष्रां प्रश्नेष्ठाः विष्ठाः प्रत्यां विष्ठाः विष्राः विष्ठाः विष्राः विष्ठाः विष्राः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्र विगान्। ग्रमान्यत्रान्त्रित्वन्याः स्त्रितः श्रुवान्यः श्रुवान्यः स्त्रितः वर्षे । यात्रान्यः स्त्रित्वान्यः वर्चेत्र'म'बेश'चु'न'श्रूष'म'द्रद्र्य'म'क्र्यश्य'ख्रुत्र'हेग्।श्रुेश'मदे'देत्र'में केदे अव द्या मी कुर नश्रव धर हा नदे के द द न व्याय धर हो। बेश ग्रुप्त व्यार्थ वार्य प्रायाश्चर राष्ट्री इट श्रेट पर्यो न द्वाया वित्र प्रश कुयारिते तु से खू से रियान के दार्श देश कुयारि के दारी न्यव में है। नेशयन्त्रवादर्भवान्याक्षयाः हेश नेशकित्यायद्वरे हें हे। नेशकता वर्केट सम्बन्धिया से सम्बन्धिया प्रति हैं। देश वर्षा सम्बन्धिय स्वर्थ हैं। देश व्या वे अ दे है। ने अ प्रदेश अपिन शुरायि हैं है। ने अ न्यय स्व गुन प्रेंदि यर्गेत्रर्भे देशः इत्यादर्भे रामा श्रुवाया ग्रीः हे हो देशा श्रुया यही स्रुव्हेत्र स्रि नेशःकुषःर्रे अहुःतुङ्केषयःष्यः नःयःषः नन्दःर्रे वेशः ग्रुः नवे र्रेतः पदिः द्वाः নাগ্রদ্রমান্ট্রা

 मित्रे से स्वास्त्र स्वास

पि.ठ्रेया.भिष्य.स्.स्रेड्स.येड्स.येस्य.य.स.योट.चयो.स्.स्.य.य.स.यकट.स. इस्र भेरी क्षेत्र हैन क्षेत्र भीता की त्रीय प्राप्त प्रमान की विकास की वितास की विकास की विकास की विकास की विकास की विकास की विकास की विका ञ्चव रहेगा श्रु अ गुन ग्री गाबु र प्यते प्यत प्यत् अ प्यते श्रु द प्य महेव पा श्रे देवे वर्षेयायम् वेषा केव नेव मुण्यम्य यायया वेषा ग्रुप्त वेषम्य मुष्य वस्रश्राह्म स्वास्त्र म्या स्वास्त्र म्या स्वास्त्र स्वा वर्त्ते र के त र में ते कु त ते वे का मार्य त के से र में । कि का से कि हैं हैं है का सहर्पादेखें ने शः गुनाराधार वर्ष साया महेता सर ने ता हु गाया था ग्रम्भराम्याचार्यात्रम्भाष्यात्रम्भाष्यात्रम्भाष्यात्रम्भाष्यात्रम्भाष्यात्रम्भाष्यात्रम्भाष्यात्रम्भाष्यात्र यशःविवः हुः याश्रयः है। यदेः यशः श्रूष्यः द्वेष्युः देः प्रशः श्रूष्यः देः प्रशः श्रूष्यः यदे क्रिंव सर खुर रु इर राष्ट्री । या रूर या या या राषे सह र पा से पहा है है बेशन्तरणदाबेदायाम्ब्रिये हें हे नुन्यकेदाधेदायायहर्षे ।

दे त्यू मा श्री मा त्यू प्राप्त त्यू प्राप्त त्यू प्राप्त त्यू मा स्वापाय प्राप्त त्यू मा स्वापाय प्राप्त त्यू प्राप्त त्यू मा स्वापाय त्यू स्वापाय त्यू मा स्वापाय त्यू स्वापाय त्यू

यहित्रयाकुळेवारीप्टरव्यायादेवार्श्वयायाळेषात्र। यटारासेटा में कुया अळवा हैंगान्त्र या यो सेना न्या से जिटा कुना कुया अळवा हैं। याई हे श्वेदारी वाद्यायायाय के या ग्री हैं है। द्व्याया द्वारा की या द्वारा है म्याया ने न्या मायार्से द्राया मुखायो प्राया की स्रेत्रे में हे मुखा सक्ता याहिया য়ৢয়৽৻ঀৢয়৾। ৼ৾৾৽৾য়য়৾ঀৼয়য়৽৻ঢ়য়য়ঢ়য়য়য়ঢ়য়ঢ়য়ঢ়য়ঢ়য় येदे-र्श्वेन-अ-विर-क्रुन-अ-स्-अ-र-पाष्ट्रेश-य-पाय्यव्यव्याक्रिः केर-न-विर मश्रास्त्रिनासानित्राहुरानिता वर्षामदेखेगासूर्यारस्यास्य सहराया देवे क्रिंच साक्षेत्र केत्र केत्र या द्वादाय क्रिंच का स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप मदे नन् न्यास्त्र सहिन्ते । हे में त्री त्रु सम्मे नन्यास्य स्त्र के नमा विटानी द्वेत्यत्र सुँत्या नम्या नाया वाया निटानी द्वार द्वार है भा र्हेशःश्री।

षदःवर्द्धं रः क्रेंब्र द्वदःदेश वर्षे शः ग्रेः क्रेंब्र साम्राम् से दावो मुखः

शक्त त्यार्क्स्यान्त्रेश हैं प्यापित्र स्वापित्र स्वापि

यदः हैं : वें हे अप्युक्ष ने प्यायाययया अप्यायाय विष्या है : वें का कें प्यायाय विषय हैं : वें का कें दिन स्वायाय विषय हैं : वें का कें : वें का कें दिन स्वायाय विषय हैं : वें का कें : वें : वें का कें : वें : वें

स्यार्थित हैं है कि या अक्षेत्र प्राप्त की स्था की स्

यदा यदः राशेदानो मुत्यः यळ्दानी शहेनायो केशयः यविता देशः र्हेना हे साथे दिने स्वाप्त स्व के'नश नगे'नदे'न नेश'माहेत'सम्भाम् भित्र'ह'सर'नर'दर्शके। इ कुर्गीतेंगायासेंग्रायदेनस्र्तायर्स्राय्यास्य वर्षायर् मदे नसूत्र म सेवार्वे ।

नेशः मुद्रान्तः हो साधुस्रायायन्त्रन्ते। हे साधुस्रा ग्रीशः मुन् ग्रीः हो गाः र्वे के विवाग्राम् अहं न श्रूम है। विश्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व वर्ते अः हे । नर्द्ध न न्यान अर्थ । सुर्थ । स्थान । स् ग्रिम्यायार्थं याम्यायायायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायायाः स्वाप्तायाः स्वापतायाः स्वापत्यायः स्वपत्यायः स्वापत्यायः स्वापत्या म्याया अति। वर्षा प्रवेश्य वर्षा प्रवेश्य वर्षा प्रवेश स्था वर्षा वरष्य वर्षा वुरा विरमिः श्वेतः अञ्चलम् अविर हे अपायम्यम् अपिन् रूथः माशुअः वास्त्रिया ग्रम्भायंद्रस्त्रित्र्यूत्रम् न्यानेस्त्राम्या देंद्रा ग्रेश वस्त्र राज्य सिवाया निवाया के त्या विष्य के द्रा है विकारी। या सर न'वर् अ'म'न्र'र्षे'ग्वि'ध्रम'ये व'न्र'न्नन्त्र'म'सर'र्'यह्न

नु देव से के तर पर् याया भीव कि याया या स्त्रीय । मदेःगशुरःगेशनभूषःनरःशुरःमशःभूवःसगश्यःनदेःहेःगःकेवःसः 

 च्यान्त्रेश्व विद्यान्य व

## भे 'वे स'ब्नस' भुन्नस' गुः 'सूनस्

म्बर्धः विद्या स्वायाः स्वयाः स्वयाः स्वयः स्वयः

नियास्या ग्री सार्से वा मुर्दे सार्थित स्वीया साया श्री वा या या इसया वश्याववर्द्यायात्रभद्दा देवशस्याश्राभेषेपारावर्षावरे मुन्यायान्त्रभाव्यान्त्रभाव्यान्त्रभाव्याः स्वाप्त्रभाव्याः धुयः धॅरः दे। ।धुयः दे सिवदः वर्ते सः सरः रे सः ह्रे दः ग्री सः नक्ष्यसः प्रसः ग्रम्भग्रार्थः भ्राप्ति । ने वर्षे स्थितः प्रवेश्वे स्थितः वर्षे स्थितः वर्षे स्थितः वर्षे स्थितः वर्षे स्थितः श्चिर-५-भूग्विद्रश्रापदेःश्चित्रन्तिव्श्चेषाःपः हें हे विश्वानुः नाया नुः नः नरः इयादर्रिन्ती कुन्यर से वियन्ति प्राप्ति । यर ग्रवस देवे सुँग्रम ग्रविष्ठ्य न स्रम भ्री हिन ग्री देस प्रवे स्रव द्या इ८-५-१वर्गेन्छिर्स्सहेश्यम् इत्राहे। त्रुव्सेन्यदे कुन्सर-५-१ विश्वासर ग्रमा नगरन्दरन्यः केवात्यः सेवास्यः प्यदः नवाः धरः त्वद्यः है। ने वसः क्रींसामायापान्यत्वामार्स्या । प्यम्भूमार्स्यायसम्बन्धमा सिन्नेप्यूम् न्तरमे क्षे श्रूरपामर्वियामा इ.मा.इ.मा.इ.मा.चेशानु मते तु.सं.सं.म दु.नुमा वॅव्या विषा व्याप्त ना ने त्य ही स्रा केवा से प्येव प्रसारी मार्सि मार्च निव्यायम् निव्यायः नि र् अहेशपर् नुश्राश्ची देशण्य भूति द्वीता मुः केव से त्या भूति पर हैंग्रथ'त'तेवे'ळ'क्रेत'श्रुन'पवे'धेर'श्रद्यार्थेवे'ख्दानर्ययान'र्यथ'कीश'म्बेद्



ন্ব্ৰ শন্ট্ৰ নুব ন স্থান কৰি ।

ने वर्षा इं त्यव इं रूर र्चें वर है र्चें दा हिर में वे हेर छे र्चें वार्य विवा व। व्रेशपाळुटानवे विनश विशक्षेशपान व्या क्षेत्रपा क्षेत्रपा स्याप्रशास विगार्थेर्पारे त्यासुर सर रे में अपनिर क्षेत्र या त्यात्र व का तुर सह रे रे । ने न्या पुरा न्त्र या व्या के विषय स्वाप्त के निष्य के नि मुँग्रायालेगात्। क्रॅ्रिंग्र्न्र्रेत्युं क्रूंप्राच्चेत्या क्रेंप्राया क्रिंप्राया क्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राय क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राया क्रिंप्राय क्रिंप्राया क्रिंप्राय क्रिंप्राय क्रिंप्राय क्रिंप्राय क्रिंप बेश ग्रुप्त वन श ग्री कुरायार ना हा साम शा दे द्वा ग्राम है द्वाया है न र वेश ग्रुप्त द्रा व्रम ने गु क्र पह वेश ग्रुप्त द्रा मुल देवा स स्टू वे वेशः ग्रुप्तप्तप्ता हे स्विभाग्यः मृष्ट्यः इत्वेशः ग्रुप्तप्तप्ता प्रस्थः देवाशः देव नसगा वेस गुन्त दस्य देवास विह्न गुन्त वेस गुन्त दूर वर्केंद्रसासास्त्राचें भी विसानु नाद्रा सूद्र वर्केंद्रासानु अवे ताविसानु नाहु समानेताने निरामार्थेन श्री सूर्या स्वाप्तिमानी में निया श्री निरामी गूक्रःयः वः शुअः वक्कः रेः श्चे रः वः विवाः धेरः यः देवेः दुरः दुः वें र व्युवेः वरः दुः नक्षेत्रत्रमा क्षे न्याविवानी राष्ट्रिया राष्ट्री नक्षेत्र प्रिय प्रिया राष्ट्री

यम् स्याद्धा । यम् स्याद्धा ।

ग्रवशन्तरम् वर्षे द्राया म्राया स्वर्था प्रत्ये क्षेत्र प्रत्या वर्षे वर्षे नर्डे नकुन् ग्री नन् नु अहन् नि । ने क्ष्र प्यन् ग्राम् ने किन् अर्देन शुरा र् अःहेन्यारायया त्रायाययुरानवे वनयायारे भ्राप्तात्वा नयुरा नदे वनश ग्रेम ने ने ने ने में में भग्राम सम्मान के मान्यम सुना म सुन बर्क्रिंदी रद्भी स्वाक्तिः असी वार्षिया स्वाप्ति स्वाप्तिः हुनहग्रास्त्रम्। इटार्स्चिग्रास्य हैं है ग्राद्व ग्री क्रुच गु न हैं लेस इन्दे वनायास्य से से विनाया ने प्यान स्वा हेन त्या से नाया स्वीत है तह विनाया मदेग्वम् भाने। श्रुम् ज्ञान् क्रुम् ग्रीम् स्रुम् स्रिम् स्रिम् स्रिम् स्रिम् स्रिम् स्रिम् स्रिम् स्रिम् स्रिम् याव्यायाधीवाया नन्यायामाने वित्यायाव्यायाया वित्यायाया वित्यायाया वित्याया वित्याया वित्याया वित्याया वित्याया नवे भ्रेम नान्याने मानु वा कुर्मा का कुरा के ना वा ना के ना का ना कि ना का ना कि ना का ना कि ना का ना कि ना का यावर्यायया यार्चेट्र के या इसस्य स्थार ही दि व के ट्राईया या स्था ।

है 'श्रूम: हैंग्राश्चा श्रूम: प्रमान से स्वाप्त स्वाप

देवश्यस्याक्त्र्याचे अधि स्वित्त्व क्षेत्रः वित्तः वित्रः वित्रः

ने वसायहसान्ययान् ज्ञान्या क्षेत्र क्षेत्र न्येत्र या सार्वे स्यापिते शेशशास्त्र वात्र स्रिन्न न स्रोत्ते स्रोत्ते स्राधि र्रे दर्। गुव ह नवर र्रे दर। गुव ह नवर रेवे देव न रू राय हे इसाय गशुसन्दा श्रुवानश्चेगामित्रभाग्रीकिंगान्दा गर्नेन्स्यासी तुनामित श्रुवा अन्ता क्रियाशः ग्री प्रविस् विदेशके वान्ता सेव से के प्रवस्तान्ता कुन ग्रे इस नभ्राप्त प्रमेष प्रमेष स्थित हैं मार्स हैं मार्प हैं मार्प हैं स्थाप हैं से प्रमाण इनिरे'णे'नेशकेत्र'र्रिन्। कैंग्रश्रु'नडन्'पदे'सर्हिन्न्। ग्रेंयानदे विनाः थे 'दर्ग नद्रनाः श्रुनः स्ट्रन्। ग्रुनः क्रुनः स्रेस्रसः ग्रीः विनाः ये 'दर्ग द्रमयः नग्-भेर्याःभ्राम्स्यान्यस्य भ्राम्याः केत्राच्याः निवान्याः वित्राम्याः वित्रामः न्दः नरुषः पान्दा कुः श्रुवः न्वदः विदेशुवः प्रदेश ववषः वाशुवः श्रे । सुदः न्दः सम्बन्धित स्वीत के साम द्वामित के सम्मान समान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मा नवर में ग्रासुस में ग्रिका हु नुवर भी सुव विश्व स्वास मासुस में दर याठेया हु न शो इस यन न न ने क्षेत्र में स्थाय स्व ख्यायात्त्रस्यरात्यात्युद्राची कें रान दुःनिवेशन्यायारायायायायात्रास्त्रस्य स्रूरास्त्री। न्ग्रीय परिंत्र मी कें ना पर निये। विकेर वित्र विश्व अप्यान्त्र अपि वि श्चित्रद्वित्रस्याम् राष्ट्रेराष्ट्रेराष्ट्रेराष्ट्रस्य स्त्रित्रस्ति स्त्रस्ति स्त्रस्ति स्त्रस्ति स्त्रस्ति स्त्रस र् अहर् प्रायास्य महेश्यामा महिम्सा ग्री स्टार्स है महिसास ग्री र



वेशःगशुरुशःश्री।

क्रेंन-नर्धेन-नेश-हें-हेवे-मान्न-नशक्त-मुनम्भाष्ट्र-इ-र्षेन्-प्रदे-भा न्नरः क्रेवः देवे स्वा, हुः नाव्या न्वर्यः नव्यादः सूत्यः नवे र्केया क्रुन् ग्री ह्या नन्द्रायाद्वीयायाः इस्रयान इस्रयान्द्रिनः साइस्रयायाये वायायाः गशुरमानमा र्सेन सदे सर्वेन नर्डेन कुन कुन विना ने इसमा ग्री दर वशासरासे सह दान वर में। रन फुले नियम ने शाम हेवा श्रुपा ठव विव नवर में। र्हें हे ने ने के दारें के ने रेंदिः वें विषदः अर्देवः नुः अह्ना विश्वेदः अर्द्धवः अर्थः विष्टेदे अर्द्धवः विश्वेदः अर्देदः विश्वेदः वार्यायम् स्थान्या स्थितः स्यातः स्थितः स्याः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थित ग्रे क्रिंग सन्ते धित्र ते । क्रुत्र पाव्य राग्ने राव्य श्रद्म पी प्रत्येय पाय के प्रार्थ यानभूतानर्देशासरातुःसहताया ग्वितायरायदेवे भूतासारेसायरान्सूता मः इस्र राग्ने संसुद्र ग्री प्रसेषान्य देसामा महिरागी विदास मार् न इस्र राया राया में दिन दिन दिन दिन स्थान स <u> न्रॅर्व अ:इ:५४:५७) य:५विं र ग्री कें गार्हे हे खेट न न इसरा रा पटा</u> न्ग्रेयायिन्यम् म्यो कें वापविषयम् या व्याप्य वार्षे में म्यादेव प्राप्य वार्षे नेशक्तराख्याया भी विद्यास्य वित्राया वित्राया में विद्या व नेयावनयाग्रीयानुयाग्रीयार्दे हे गान्वान्तान्ति नात्रा हानव्यायाहे।

यात्रागुःशेः भन्दर्ण्यत्याक्षेत्रात्रहेर्दे हो क्षेत्रान्देवर्णानोः या वदे हे

यश्रासक्र्याम् न्द्रश्चायाया व्याप्त क्ष्याम् व्याप्त व्यापत व्या

मुश्न्या भूत्रम् विक्ताम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रस्य स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् भूत्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्रम् स्वास्त्रम्यस्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम्य

श्र्वाश्वार्यः स्वर्त्त्राः स्वर्त्ताः व्यावाः स्वर्त्तः स्वर्वे । क्ष्यः स्वर्त्तः स्वर्तः स्वर्त्तः स्वर्तः स्वर्त्तः स्वर्ते स्वर्त्तः स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्तः स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्तः स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्तः स्वर्ते स्वर्

यदेवः नियम् नियम्

सक्ता क्ष्या स्वास्त्र स्



णे. नेश. विचया सुनाश ग्री: भ्रूनशः र्शे।

### निविवाहे 'निविवास'ग्री 'क्रें म'ग्री 'क्रिनस्।

गलिव हे गलि ५ ग्री क्रें र इससा है में हे सावगार्के खें दूं न या गश्रम्भःभीता वश्रमः भरम् नित्रात्रसेषायः हेशः धेशः न्त्रशः गाउँ रः नुः चितः त्रशः गाने नः भूँ रः ग्रीः न निनः यः सहनः यः यशग्राट्या अवी क्षेत्र स्टाया स्वा क्षेत्र स्टाया स्वा क्षेत्र स्वा स्वा स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स भ्रूर्यन्तर्यायम्यायम् सकेता वर्षे मार्थे मार्थे मार्थे स्थाने प्रात्ते मार्थे स्थाने यान्त्रन्तायायारे सहित क्षेटासदे पकरागराम्यास्यायायाया स्था येव सहर है। विरुद्ध न मावव न न माय पर खर उस हुर से र है। नः हें हे ज्ञन्य राज्ञे राज्ञे राज्ञे राज्ञे राज्य राज्ञे राज्ञ मात्रश्यः धीतः देशि

ने या पुर्वे दूर नार्ने हे ज्ञानाया दी स्रे नया सूर पुरा पुरा पुरा ही या मदेर्न्यात्राष्ट्रार्थेर्नेर्यात्रेयात्रुर्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या

मिस्रश्निम् विद्या देवस्य सायामित्। दुस् स्रीसाम्य मुद्रा विद्या स्रीतः नर्षर हैंग्रा देव्यान्य पुष्प दुन्य रें व्याय हे केदरें या पार्टें र्नेर्नित्रित्रित्। देश्यात्र्रेर्न्यात्र्यात्र्र्ह्वात्र्रीः ह्यायाः हेर केत्रसं या गुरुद्यात्रया दे या द्रासं या ये ग्राम्य पायदा विदायदा द्रा यदिवायाची वदी सुरे हो नदे अर्केगा इस्कृत प्राप्त अर्थु तर्पा में हे अपवर गुनः श्रु-१८८। यगः स्थाः स्थितः यहारः १८०। वयाः स्थिः स्थाः वयाः स्थाः स्याः स्थाः स्याः स्थाः स्याः स्थाः स मा रें हे पहेम् अ छे ५ छै और ५५ मा मिन हे मिन ५ दम से दे और ५५ म यर्दिरः हुया यो र्भ्भेरः दरा अळवः यहें दः दरा वयः यहिश्यः अवे र्भ्भेरः दरा क्षेत्राची पान्ययान्या नरा नरासुन्यायोव कुराया सेवायाया सेवायेरा ग्री:ग्राम्ययायान्दान्यस्याया

यानयन्तर्वरक्षेत्रकुर्न्यन्त्। श्रीक्ष्यत्र्व्यत्रियन्ति। याद्रयात्रार्थः ५८। वर्षे नेशस्य वयस्पर ५८। वयस्पीत् अर्केषाः हें हे ५८। रेषाः अरेदः यः नः न्दा वुः नगायः गान्स्रसः नदा स्रवाः नविः यः से विः सः नदा स्रवाः यः मिकेन्द्रा न्ध्यावे द्वानगुन्द्वादाई हेन्द्रा वद्रायाय द्वा गर्डट र्देन द्रा अट अड्ड द्रा अट है अद्र निया में अप के निया क क्षुंहे द्रनद्रा य्वात्रु नंदेव केव य्याया र द्रा सुव सुव स्वाया र द्रा मुवासे में पूर्या कुषाप्रा मुवार हुप्रा मुवार में मार्थित के सा म्यायान्यान्या सरायार्थेन्दिन्दिन्दा आसे से क्षान्या कुन्तर से न्दरा ब्रदःस्वः क्रेंबःयः दृदा ब्रुदः दृदा र्सेवायः ग्रुवायः यो प्रदृदा व्रुदः से दृदः यः वनरन्ता हिरास्त्रिन्द्रान्ता ब्राक्त्यं व्यान्ता वक्षः भ्राम्या वनर-न्ता वकें भे कुषार्थे न्ता सुर-रंडू-न्ता वर-न्ता नुर्भे भ हें हे क्रियार्से 'न्द्रा क्रियो क्रियो क्राच्चा अप्ताया स्टर्भाष्य प्रमाया स्टर्भाष्य स्टर्भाष्य प्रमाया स्टर्भाष्य स् वनरः नृता व्यायायवान्ता नर्भेनः मुन्दे न्ता नर्भनः खुयाये न्ता र्हेगायर्रे श्रेन्द्रा विःष्ट्रं न्ययर्रे श्रेन्यर्द्रा ग्राम्यन्ता वेःर्डेन्द्रा यर्ने से ज्ञान्य प्रत्न में में हे हु या यळ व प्रता में प्रो पर्व प्रता पर्व र युन'रा'न्रा' वर्ते'।वार्स्तुम्य'र्ना युःर'षां सुन्य'र्ना रन'न्धःहें स्थ्य

यद्भान्नी यहरान्त्राह्म विषयात्त्राह्म विषयात्राह्म विषयात्त्राह्म विषयात्राह्म विषया

द्याय्यायायात्रेत्रः व्यायायात्रेत्रः वर्षः वरः

केत्रस्रित्र्रुव्दर्भव्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या यानिन्नयानरः नुःदनुषानः वेदयासुया दुः वेदिया नययापया नश्रेग्रा ग्रम्सुंद्राक्ष्यात्राचार्यात्यात्राद्यापाद्रयात्राद्यात्राच्यात्राच्या या ग्रीत त्या मारा मारा भीरा मही मार्थ र मही भीषा समारा भी नर्जे न्या स्वाया स्वाया में स्वाया में स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स् यार्शेश गुर्श देवे विषय में या यो त्या त्येत ते सूत्र स देत केत हैं हे श गुर्श श्चेर्यने त्याप्यावनु अर्के केवार्येन। नेवेर्कें वर्षे भूवा वी याव दावस् मी विस्र र न्तुः हे न्दर न उर्या या स्था ध्रुवः वे मिहे सः से दा महे र वे हैं न'र्नुकेंश'र्न्नभी अ'तुर्भ थें'तुर्भव्य'विकें'विवार्भेर्भ

ग्रव्याम्बि:इययाशु:व्ययःर्हेग्।यह्दःयाया ५४:श्चेग्।यायः त्रज्ञाकःगश्रुमाश्रुमाश्रुन्द्रमात्रज्ञानामाः । देरानश्रुद्रामाः विया नर र पर्येव वर या प्रत्य वर के के वर या भेर में अश्र में प्रया वि कें गशुस्रास्य है:सद्यायासर्रे से सासूर्यास्य स्री मही वर्ते वह कुत्री:कः क्रेत्रावयः विः र्क्षः वाश्रुयः स्या न्युयः वरायः वर्ष्यः वर्षः इटशासदे सु भ्रे भ्राय हु। के रे प्रविद पर्येद वत्र हु पा दिया विः र्कें मिडेग व्रवः र्कें नः न्दा श्वरः रः नः यः प्यरः ने न्दाः सव्या विः

ग्वित प्यार्गिश्रीर रचा च कि. क्रूर हिंद क्रूर अह्री ह्र्या क्रिंग व्याप्त्रीय ग्रीशःश्वः इत्रायदे । द्वाया निः स्वाया निः नद्वम्या दे न्दरम्भन्यामासूर दे नद्वराया परास्या दे निवेद नद्वराय र्ने के या परादे दरासक्रामा सुर्या कु तर् या या तर्त्र सामि स्थानिय वर्यकायार्टा वर्ष्याकाग्री क्षेत्राचित्राचित्राचित्राची हे प्राचित्राचा है। नर्द्वाष्ट्रिराया दे प्रायम्भाया दे प्रायम् सामानिक विष्या दे प्रायम् यद्यायार्भेयायाया देन्द्रायायाया देन्द्रायास्यायास्यायात्रेयाचायाः गित्रादि द्वारा त्वारा थे भीरा से दावी या सह दारि द्वारा वराय या पत्रा मर्दे। विद्याने अर्धे र के अयर द्वान श्रुर अर य द्वा विद्यार पानि विद् ग्नेन्ग्री क्रूर क्राया प्रिंद के या क्रिंद ख्र्या पाया या शुद ख्रूद प्रया ने क्राया यश्रायमेयानानम्। न्याया वाल्याने न्यायी न्यायी न्यायी न्यायी म्यायी म्यायी स्थायी स्यायी स्थायी स्थायी स्थायी स्थायी स्थायी स्थायी स्थायी स्थायी स्था व्यार्ष्ट्र नाक्ष्यार्या राणे भेषासेराने रावत्यासेराहे नद्वानावी हा

यानेयारमायोपातुर्नेत्रभुयळे दाइययायात्ररायर गुरावेदा दे न्वायमा सकेन्या प्राच्या प्रम्य स्था न्या विष्य है या विन्य स्था र्रोदे कु द्राये दु प्रवृत्य वृत्य विष्टू प्राय्या विष्टू प्राय्या विष्टू विष्ट नहर्वानिहेशाग्री विश्वराञ्चर स्वरा कुरायान निराधि र्सेया श्रुरान राहे से र्वेशया गुनेव हे गुने र र्यं स्थर में या थी र सं र अहर मा के र र्यं या के र नवरशन्दा कवार्ये द्वं नन्दा नुःदेव से के त्यः सेवास सर्दा विवतः यरम्बुनः विनः न्रः प्राद्यारे ने वृद्धे क्षेत्राया क्षेत्रं के क्षार्या देवः केत्रभीश्वीर्भानिः कुन्यश्वात्रम् निन्द्रम् स्वीरम् स्वीरम् स्वारम् स्वारम् न्दः नठशः मः पदः नृतुशः ग्रंदः नृः सदः नृः सक्ते न् त्रः मृ न्यः मृ । यशः नकुर्यंदे कुर्छे नभर्यंदे वुर्यंत्र सर्वे अर्थे। । गभेर्भेरछे भूतराःश्री।

## नने'अळॅन'नी'स्ननम्

न्ययः नने : अळे वा : वी : नन्दः न्दः क्रुन् : ग्री : नश्न : स्युनः धीवा : न्दः नरुश्रापायरातु ग्रुरानाम्ब्यशान्दार्धे राखेँ क्षेत्र र्श्वेनान कुन्दान्दान रुश्रापा यायर गुर विरा धे अवे अर पर्रे न दरा शुक्र अरे कुर दरा अया मुं तार्श्वायायायया मुंद्राम् । त्रायाय स्वार्

दे प्यतः हे प्रकटा ध्रमान हें हो अप्रान्त नाम से प्रमाने दे र्स्नेनस्यासुःधाराधिवाने। यदेःयावान्नेनाने सुःक्षासाने साने माने वाने सुः नियाने सामे प्राचित्र में विद्यानी मुस्य प्राचित्र के विद्या मुस्य विद्या में साम दिया स्थान यदे द्विष्ठायायदे देयायदे थे वो के वाया शुः वडदः या वर्डे वक्कु दायदे कु न्येर सु पी वेश मञ्चर नश पर्ने किंत न्या मधीत याश्वर हैं। सु पी मश कुलस्यानु देशस्य द्वारा क्षेत्रस्य निक्षास्य विष्य देशस्य नन्त्र नेयानुस्यावनयाउनाया नेयाहायाङ्कारायाया नेयान्यार्थे हुँ न यन्या देशम्बरम्यान्यावनशाया देशमिश्चारायादेशम्बर्भेरायान्वर र्ने । ने प्यत् कर् ग्रे क्या पर वर पाक्य अ ते ने त तु अर न सूर न अ अ वर नरः सुनिदे श्रेरः सन्त्रेयाय। दःरेरादे ने ग्रासः वृष्ये ग्रहः श्रुप्याया श्री सि नश्रुद्रशःभःधेत्। देःषःश्लेनःदर्भतःभृष्ट्रेःनःद्रः। हेःनद्धतःशैःद्रेःनशःग्रुदः म्या भूके नाया के हैं में है ख़ुम्य के मार्ग राम्य का स्थित है। है में राहे यदयःरेशःशुःर्वे केत्रदर्वेतःश्चितायामशुद्रशःभिदा मार्डदःरेदामी वम्र न्वो न या प्या प्या सुर्था है। ने प्या सुर्थ सुर्था ग्री प्रमेया निवास सुर्थ सुर्थ सुर्थ सुर्थ सुर्थ सुर्थ सुर् रालिव लेश म्याया शर्शे । । पर ५ तु शर्श व्या कें र्वे रवे र ५ ५ ५ । प्रथम पर नम्रेशःस्रिवात्यः प्यदःवाद्ययः सः इययः वाशुद्यः श्री।

षरःचयःर्यः सम्राम्नेरः विषाः ग्राम् ग्राम् । साम् केत्रः ये विषाः

ग्रुट बेर न दे न्या मुठेव से इस स है। मुड्ट से दुर परिंट स प्रिट म कुर न गहिरा हे भू सके र न वि पिर न या इस स है र वृ रे न दे हु व स्र वैं नड्नोहेशनब्नाया दे सयायमेट नया भुव वदेव दु भिव पया गडेव ग्री वियान्य। विनासन्यने सर्थेन हेन न त्रु स्रेते खुन न सूत्र खेन प्रायाने र्ने हे थृ या वर्ते वे र त्रा ग्राम् न तुन् क सेन् प्रमान तुन् ने ।

यस्रसंदेरप्रश्वे कूर्रियार्थे प्रश्वे वर्षे वर्षे सके वर्षे वर्ये वर्षे यः श्रेंग्राश्रासंदे केंश्रासर में ग्रायम् इत्या इत्या माने स्वीत्रा वित्या स्वीत्या स्वीत्या स्वीत्या स्वीत्य न्यव्याप्तर्रायद्वीरावी प्रदेश गुना गुरार्चेन यस सहित्। या खुरार्चे पुरार्थ वर्विरःनशः तूःर्रे सदेः श्रुवः श्रूरः वें व्यः नत्वाशः है। नदे सर्वेना वः श्रेनशः रादे के शासर र जासदा व किर वर किर न शामर र में वर किर न से किर न स वर्तेव र मिवा वृर्ते प्राया नियम मित्र स्वाप्त प्राया प्राया स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप बन्रस्थार्चेन। बन्रस्ट्रन्ययायाडेक्रसेंदिः वयाक्या हिन्रन्यायी न्नन्यस्युग नश्चनराःभीगागश्चरत्ररानश्चनरायरा कुःवासे मृत्रानश्चरायायर गशुस्रानु प्यम् विवा गुम् प्रवित्रम् विश्व शुर्वा गुम् स्थाने । ग्रम्। श्रं अक्षित्र श्रुप्त उत्र पः क्षिय प्रम्य प्रमानित्र वित्र प्रमानित्र वित्र प्रमानित्र वित्र प्रमानित्र बे र्नेन अर ल र्येन रुष न वेंन रें इ रहूर ने दे कु ल द शुर र प्रश्न गुर

क्र हुं न क्र्रेन हुं न क्र ने के ने हो अयह हैं न क्रिं हुं हुं न क्रिं हुं हुं न क्रिं हुं हुं क्रिं हुं न क्रिं हुं हुं क्रिं हुं क्रिं हुं न क्रिं हुं हुं क्रिं हुं न क्रिं हुं हुं क्रिं हुं हुं न क्रिं हुं हुं क्रिं हुं हुं क्रिं हुं हुं क्रिं हुं क्रिं हुं न क्रिं हुं हुं क्रिं हुं क्रिं हुं न क्रिं हुं हुं क्रिं हुं हुं क्रिं हुं क्रिं हुं क्रिं हुं क्रिं हुं क्रिं हुं क्रिं हुं हुं क्रिं हुं क्रिं हुं हुं क्रिं हुं

ळेत्रचीरार्राय्यार्रास्यार्रे स्यास्यात्रे त्यायास्य स्याहे नद्वात् चीरायास्य ग्रम्भव विद्या मह केव त्य कुर् ग्रम्भ सम्मान्दर मह सामान्य विष्य ধন্যমুবঝা

न्यर केंग्र ग्री कुष में देश कुर मार्थे कुर मी क्षेंन या न्यर केंशा भी मुत्रायक्त भी प्रेत्र मुप्ता भी प्रेत्र भी प्रमान भी भारत हैं। है। ब्रुनःयं नेशःरना नर्हेनःव्युशः हैं हे हस्यशः चुनःनः यथा रनः वी विः वे नर्हेन'वशुर्थार्हे हे 'व्यास्ट मी 'त्रु' या त्र्या न कुट्ट प्रिये न दे 'या के मा न द्र्या प्रिया श्चु पः प्यनः श्रुशः यश्यके दः पदे वदे । सके वा वी वन् वन वि दि व पदे श्रुवः अ'नकुन्'र'न्द्र'नडअ'र''ववुद्र'नर'वे'रेग्राअ'द्रव्दा न्यर'र्केश'कुव' 

सर्यार्ने नित्रे निवे निवे निवेशन के समित्रे स्वा मी निक्न निया स्व षरःवर्त्रेगःत्वः देवे कुग्राशःशुःशुःविद्या ष्याद्यो प्यतेशः र्केशः कुषः तुः नः धेता विंदः सद्यो अळव ळे राग्रे द्वार सुम द्वार संके कि विवार व अन्तर्भन्यः नित्र देतः व्या के अप्तीः नवतः वे त्या प्रम्या विकार्याः र्नार्थे दूं न र्छ्य विस्रम कुषान या पर नसूनमा ने त्रमानया पुषानु

व्या नेरः सरः पृष्टे व्याः यक्तः वारः वर्षः व्याः प्रान्दः सहयः वेरा यदे दर् दर् के प्राम्य के वा की या महाया निवास निवास के दे ते प्राप्त के प्रा र्वे दूं न वर्ते हे अर पंदे शुअ दुः ह ग्वेग पा दं अ वा विव्य रापाद्य केंदेरक्ष्यंत्रें त्र्यु प्रकुष्ट स्थायत्याया देयास्य पर्धे त्र्यापायायाये र ति यार वी ख्या हेत चुरा प्रभा वासे र से न र रे प्य प्य र वर्षे वास दिर न स हि र रम्हिस् मर्नेन्न्याकोरावळगानुवर्गेन्योन्यक्ष्यासुम्बेम् दूर्रेन्यक्षे यायामिनायात्रायोदाययातूर्रेग्ये क्षेत्रायाने वार्के याहेत्र वेया मुश्रम्। देवसानिः मानुनिमाने निस्ति। विदायनुनामाने धेव देश प्रभा वृर्दे प्रायेवश्य प्राया वृष्ट्र वा वेदा विष्ठा वा सेव हु ध्रित्रवर्शकुः रें मदे दुर दुः क्षेत्र उत्य गर्भेर विंगर सुवानमा वर्ष गरेग युगार् पति यात्र यात्र स्थान सुन् सुन् केर प्राची विषय सुरा मार्थर वै.वे.लट.श.वैट.है। वैव.बीशनक्ष्यश्चरहेश.चेश.हैश दे.वश.की. বাম্বরুষাস্ক্রাম্বরমা

र्ष्ट्रें न्याविद्यां के स्वार्थित विद्यां स्वार्थित स्वर्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्येत स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्व

ध्रिम्प्रायाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वय न्नरः श्रुवान्तरः। नवः संगान्याने क्षेत्रस्य वात्रः संदेखाया वेवायाया ग्रम् । शै.वे.पट्रम्भ.ग्रे.श्चित्रसम्ग्राम्सम्बन्धन्यस्य विव्यवस्य यापटार्केशासटानु वायानी वयामें हे तुं वी क्षेत्रासात्रसाते ववा में विवसा यापाराम्यत्विद्या याम्यामासुःयान्ते ग्रीहे त्यामहेत्व्यामे सर्वे पानी क्रें र ग्री विषुर पर अर र र अहं र

वॅद्र्यं नेवर्याद्यार्थे द्वर्यादेश्याद्वर्यायात्रे सकेवा क्रियायात्र र्धिन् गुर्गा पार्य नियम् या कि वया दिवे पात्रे नियम ग्री दिवा र्रे के शक्तुया इसमा ग्रीमा के मानकु दाये वामा मान पा बुदा हे सुमा में निय श्चेत्रायःहेत्रायःपःसुत्रःशुयःर्क्वतायःपःन्दःधृतःपःयःपानाःपःगुदःकुतः न्द्रभः ग्रुनः हे भः ग्रुः न दे भः ग्रुः। न्नः द्वे दः स्थनः दे दे स्थन भः ग्रुः न दे स्थळे गः इस्रयाची नायायेग्यायाम् (त्या इत्ये कुत्त्र ग्रुव् कुत्त्र ग्रुव् कुत्त्र ग्रुव् न्ययः अभ्यः से निवे निगायः ते गा क्रियायम् सम्ना निभी निया क्री निवि निया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क <u> ५८१ देलः तुः नवे देशः राष्ट्रः पवे त्वो वा पा प्यतः सह ५१ । सरः पर्दे न छे ५ । </u> ॻॖऀॴॱॻॖॸॱॾॱॸढ़ऀॱक़ॗॖॸॖॱॸॸॱग़ॖॖॺॱऄॗॕॸॱॻऻढ़ॆॴॱॻॱॴॸॣॴॱॸॕॺॱॸ॔ढ़॓ॱॻऻॱक़ॖॴॱ यम्'अह्रा

यर-देवि-श्रश्रास्य त्रयास्रावतः देद्-छेश-ग्रु-चात्रव्यूद्रशायात्या यन्ग्रीः

यन्त्रस्य प्रम्यास्य स्थान्य स्थान्य

द्यरंदी अरशक्ति थे थे श्रेश्याय प्रेश्वर्ण सुर्थं या ते द्वी या विद्वारा से स्वार्थं या ते द्वी या विद्वर्णं या विद्वर्यं या विद्वर्णं या विद्वर्णं या विद्वर्यं या विद्वर्णं या विद्वर्यं

 नवे कुन्नरगुन क्वेन्यहेशया यापर हो या सहन है। । नने सर्वे या क्वें रायगुरानवेर्न्ग्रियाविराग्चीरकें माध्यायाहरी । न्रीयाविराग्चीरकें मा यर-र्-यहर्न्यायया केंगायर्न्र-र्न्यर-वित्यक्त्र्यास्य-वन्दि। र्रेग र्रे.क्रॅश्रामु मुयासळत् सर्रे स्चू ५ ५ ५ ५ छ । ये ५ ५ ५ छ । ये ५ ५ ५ ७ छ । न्त्राचा कु न्यर की व्यायर से नया वर्षे देश या की न्याय स्वार्थे व्याय स्वाय स्र्यायायात्रह्यस्यापये वीटायी स्याधी देशके वास्त्र स्याधियात्र स्थाप्त विश्व स्थाप्त स्थाप्त विश्व स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्य र्रक्रुन्नु ग्राम्यायि द्वे देन स्थयाम्य वित्याप्याय स्थान् हि. शुः स नविरर्ने त्या इसारे शा ग्री न निर्मा सहिता

म् अप्तेर हे समा से मुन्य सम्बर्भे गाना वनवार्क्त सन्मस्य न्दःनुसःसळ्दस्य। नेरःनेर्धःस्रसःहेरस्यसःत्रसःस्वरःधावदःधदःस्रितःसस्य यान्ययान्याः स्वायः प्यायः प्यायः व्यायः सर्वे सही गविर्टे ह्यासर् है जर्मे सहर रेट से से से स्टेर रेव केव व्यूव निर वेश ग्रुप्तरे पीया क प्यर सहित हे हिर मु सर्दे परे व्यानिस्नि राम् अर्क्षे वा वी अत्राद्धान राम् वि वा स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धान स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर यर्स्य हित्र हैं स्र राष्ट्रिया हित्या हुत्त्वया वर्षा यात्रया प्रयापात्रया वर्ष  श्रश्यात्यानेवाश ने हित्त्व्या वे गुन्त्वा व मित्रा व न श्रा न्गर-रेवि:न्रेस्थान्ती:श्रुनायाने।वायवार्थे:नक्ष्मया नेवयाक्यानेयानी। नन्द्रभाष्ट्रम् विवास्य द्वा विवयः सर्वे वा विवयः स याष्ट्रिः राजासुराया सुरया यराया सामदा र्से दार् । विदाया प्राप्त सुरा सामदा र्से दारे । नर-५-नत्वाराने। ये श्वेश्वेत-५्यायी के यादिरायानीयाया यात्र नन्द्राये श्रेयाद्यो ननेशन् नु वर्षे सामद्रा रेट से द्यो सेट्राया र्शेग्रथायश्या बुद्र विव्यक्तियश्यात्वराष्ट्री विद्यस्थित केव र्रे अ'अह्री ग्रेन्द्र'अ'व्रामी अ'न भुर्या व्रामी'अळव् खुर्य विस्रा वेश र्या देशवर्षे विद्यायाया पृष्यश्वर्यास्य मुज्ञ के त्रिये हे या श्वर्या स्रुश् देवे क्क्रियः संगुव फुर्वेदा दे महिषा शे क्क्रिया शे किया से स्वार्थ मित्र स्वी निष्ठ स्वी दिया ष्युर्उ'र्,इइगोरियनेश्रायायायायायाय्य्रहेरायशक्रेर्याये म्यायार्थ्या । दे.त्यःगुवः हुःदेद्दे के के से दःषेवःया अक्वः दूर्वः द्वारा शेटमो हैं राजाणरा ने रादिते हैं नासा बदान हुंवा है। ये हैं वर्ष भ्रम्भ हैं दे नर गुःश्व हिं वेदि जर हैं न या जी वी वी दी हैं सह के.स् | देवे.श्वॅनः अः ह्र्दायाचे कुःश्वायायाविद्या हे.स्यायाचाया

वास्त्र-स्वर्ध्या इवा-इ-इ-न्त्र-स्वर्ध्या द्वा-इ-स्वर्ध्या व्यक्ष्य-इन्स्वर्ध्या व्यक्ष्य-इन्स्वर्ध्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्ध्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्ध्य-इन्स्वर्ध्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्ध्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्ध्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्य-इन्स्वय्य-इन्स्वर्ध्य-इन्स्वर्ध्य-इन्स्वर्ध्य-इन्स्वर्य-इन्स्वर्य-इ

सर्यार्ने संदेश्वे स्वाप्त स्

देवे हे अ शु द्यम रहें अ ग्री मुल अह द द अ न कु द पार्ड अ अ ज कि त्र के के त्र के त्र के ते कि ते के ते कि ते कि

कुन्द्र त्र्वो वा सामित्र स्त्र मित्र स्त्र स्त

भ्रम्याश्री। श्रम्याश्री । श्रम्याश्री । श्रम्याश्री । श्रम्याश्री ।

## यन'ॲ'नवुद'तुन्न'नी'ऋतम्

यदे अर्क्ष्मानी प्रभित्र क्रुत् इस्रम्भाग्य प्रहेत स्मान्य स्मार्थ स्

 सदिः हैं हैं त्या क्या पर्चे र प्रचे र प्रचे र प्रचे र प्रचे र हैं ते प्रचे प्रचे र प

स्ट्रेटर् अर्केट्र में ने नियाया बरावर वहीं वाया देवे हे या शुराया वव श्रीया नश्चेंद्राक्षे तुरुषा विवार्षेद्राय सुद्रात्र रामा ज्ञुत्य विद्रा सुरो सुवारा पा स्थरा ग्रीयान्य्यान्य निर्माययास्त्र स्थार है निर्माय स्थार स्था स्थार स गहर्डिटा यसरे यः वर्षः सेर्धरायर वगवः सुत्य रे सुत्रे सुत्रः सुत्रः नहेश्यानि के स्वानित्र के निर्मा के यदे देवा अप्तर्भेवा दे प्यट के अन्तर वर्दे द्राय द्रवा से क्षेत्र अप्तर हु है.स.क्रेव.स्.षेत्र.घे.च.सक्र्या.यो.टेंर्स.चीय.यक्षेत्र.स.टे.डेंस्.त.स. नव्यायायर वें यात्रया न्या निर्मा कें या शुः व्याया या न्याया या सार में हिरा हे अहया रु छितायात्रा न इता क्वा विवास हिं से से अलिए हैं। इट अश वतुःवशुःनःविषाः अर्थेदः। ५८ः सॅरः इटः वदः सः ५५ः ग्रुटः। ५ वदिः हे ५ वरः गर्रेयः नः निन्नः नर्गे राष्ट्रयः द्या ग्राक्तः या न्यः स्थाः वर्षः वर्षः स्थाः

हिन्यम् व्याप्त हिन्द्र या अधि । हिन्द्र या अधि । हिन्यम् विष्ठ । विष

ने न्या श्वर र्चे व हे हं यव इ रूर र वतु वाया या वा खा श्वे वाया या विवा ने ग्रास भू त्यान इसमाय हैं न पान्य कुमाय विष्य हैं विषा हेर न या विवे गर्देर न क्विंग्या मा के दादा गया निवे निवे ती हैं दादा निवास मिल कि निवास मिल मिल कि निवास बुँवावया नेराक्त्यासँरान्यरानु प्रविषावया हैनायर क्रयाय के विष्व मे। तुरुपारप्रम्यत्वसार्हेन् वेसा हिन् हेन् यान न्याय मार्चे विरुप्त स्था ममा दें त'रमा हिंदाया सूया नहर मी हो स'तमा विमानुमा से त'रें दिंदा ञ्चनाःभ्वनाः सः विनाः चरः नहरः नः य। क्षेत्रः न्येतः श्री अः सनाः विषः श्रुरः श्रेः हुनाः यानईन्नि । विनिन्ने भ्राममालया उत्तेन्त्र सुनामामे प्रेम्भानाम क्रुश्रायायासेन् वेरान्या वेरान्यात्रम् व्याप्तात्रम् वेरान्यात्रम् नर्सेन् खूँसमामा खुटा रु कुणानमा होता हे भारामा बुटा ने पीता है। ने दे दें मुँग्रायाने प्रायि मुलारे तुः से दाया विवानी या सूँ दासे के दारे वुया प्राया तुः विगा गुरान ने या क्रें हो ने ना वेश गुन राम मा भी शरी कुया में रागुरा

षरः सेन् परे द्वार वर्षे र पर विवा हु गुरा है कुष में ता के क्षूर र पुत मेर नु नुरुष्या मुल से विकाने। यो महस्स्राया यो से किया प्रमान से नमा देवसार्वेदादरानमानदेवामदेगाहसासदानुन्यसाम् कुयार्वादे हेर्र्र्जुयाश्चेर्श्वरयात्रयाङ्ग्रीयायायात्वायाते। क्रेंसुवायाग्चीःध्यार् नर्सिन् र्स्रू समामा मुलानमा हित्र वे माहा नर्मा मामा भी माहा नर्से मार्थे। थ्यान् र्रेतिने। याने इस्ति र्रेन्ट्रिन् र्रेति र्रेन्ट्रिस्य यास्ति प्रया इस्य याल्याःश्रुः वदः न्दः करः भ्रुषः नुः निष्टः न्याः विष्टः निष्टः निष्टः स्त्राम्यः मिंदे कें कर मिंदा निया निया मिंदी में मिंदि सकर मुक्ति में में मिंदी में मि इ.रॅ.८८.८.इ.र्.१९८.ग्रीश्वाचश्रीतार्श्वेषशास्त्रीतार् हिंवा

ने त्र अः इः र्रे त्यः र्श्व वा अः यद्य वा अः यः द्व वा यद्य वा अः यद्य वा व वा वा वा व वा वा वा वा वा वा वा

श्चराहे कु न्यर दु र्चेद्या ने ग्या साली त्यर रच हु चुर नर खुरायरा द्यो वर्त्त्रमी:म्रस्थाः स्ट्रां ने स्त्र्यास्याः पृत्त्वुरात् यान्त्रा

नेराञ्चाळ्टायानञ्चनमाममानेवानुग्राममामानुराने। नयार्थे रङ्ग-वी-८८:अहतावयायञ्चाति। ५८:ग्रीते में हे ग्रायव प्रयायायाया केवः र्रेर्गुरहो वें परिहेन्त्र हें वा रहनी हिसर् हें वर्ष वासूर्य निव हि के नर शुराहें। । देवे के इसे वे सकेंद्र मावया नर्शे द र्श्वे स्थाप वेशन्त्रःत्रःविषाःत्व्षाशः वेरःतःयः वेदःहः द्रद्या रशः रें रःषाशुशः हिर्द्यसम्यान् हिंद्रा हिंद्राने हिंद्रा हिंद्र हिं विदयानिश्चराया यरायरानिश्चरानित्रम् निर्मानियानम् दिर्मे वःच्चितःक्ष्मवशःचुःद्वेषाःचश्रःकःक्चेवःक्षेत्रःचेषाःचश्रुद्वश्ववश अःदेःच्चःदेः ८८.याहेश्राग्नेश्वेश्वेष.हेया.धेविष्ट्रेया.विष्यं नेत्राक्ष.कटागा.सं.कायाटाका त्तुः अर्थः त्रेत्रः क्रुन्यः अ*ह्*नः यश्च हे र्डसः द्रश्रुन्यः ग्रुनः वनः यो नः विवाः वृत्। कंर्ने अर्था कु या विदासीया विदासम्या व्याप्त या प्राप्त निदार वुरा नेरळें अञ्चलर केर वार्यस्य रवा वादरा

दे नास्त्रामान्तर्रं हुसालयामिक्रासाके ना देवामुनासाके ना क्षेत्र नश्चेगाः इस्रयायाधाः मे सहर्पायरातुषाययायायाया श्चेत्रानश्चेगाः वे नेवे के नव धुव रुष्ट्रें रेवे रित विद्वा य के बूर्ये क सुर्गर में गर्भरःश्रदःगश्रुयःस्या देःत्रयः त्वःयः कुःगरः दुः दर्वे गश्रद्रयः त्यः श्रूपः यान्यस्याद्वराद्वराष्ट्री न्यान्य क्षेत्राच्या व्यस्ति ह्या सामुहान्यदे छे यन प्रश्नाह्या प्राम्यश्वाम हो द्वित स्वत्या प्रश्नादेव प्रमाय हिंदा स्वित्र स्व गशुसर्भि हैं मिन्द्रद्वराष्ट्रिर वेंग हु सादे हैं से मारा ने फ़ यर न तुर हैं। क्रॅंट हेट हेट वहें व क्रें अपेर दुग हु नक्कें अया प्रयाणें व हव हिट पर उव नहेशग्राम्। वयामहिश्रासके नम्मम् व्यामानि सहन्ममे व्यः अदे नगद त्याय उदा वद्याय नय वदा वेदा वी भ्रुप्त वेदि वि भ्रेष्ट्र वि भ्रेष्ट्र वि भ्रेष्ट्र वि वि वि हेव.सद्य.सित्रत्म्, सम्यान्य कर् चिमारा लुचे योशिट.हू. विर्टेश सहूर.

मदेःगाबुदःगाब्व, प्यदः भेशः स्वः पोश्यः ग्रायः नद्रा । यद्रासे दः सदेः सर्देव सर हैं वा स्वाप्त निष्ठा है निष्ठा स्वाप्त स्वा र्दे हे वे न्यीय वर्षे र भी कें या सह न या हम समित वे ने न न वयुर में।

ने पान सु न्यार से ने सक्त नरें साम से न समा प्रमुद्द पात्र स नवरमें। धेंद्रान्द्रकी अरानारे हुर उक्षे अर्केना तुर्न्नर में नाया प्रायमित वर्त्र अर्द्भेट हेट वहें दाया पट ये प्रश्नास तुरा श्री । दे या द्वाया गुद न्वायः में हे अ वायव ने। ने प्या न्यायने मुस्य अ के या कि खें में ये नर्वः ग्रीः र्र्वेवः र्येरः शुरः या विवाः या त्या शुर्यः श्वाः क्या स्थार्य या राज्या लट्ट्या.स.च.क्र्या.ध.ब्रुचा ट्रे.इस्स्य.तस्य.ट्रीक.ट्यीट्ट्यापेर्स.क्रिक.सक्र्य. वेशन्त्रान्तेशनार्थरायरान् न्यूययशन्यान्त्रेन्तः ह्वीनिराह्यरान् यशहीं में मुस्रयायायोग राष्ट्रीत त्रया हुया है है या ही है त्या भुग नर्से पा छेता र्रे भ्रुभ वेश शुर्पक्वे न्या के या शुर्या प्रयापित स्वराप्य प्रयापित स्वराप्य स्य स्वराप्य स मुर्ग नव्नायायर व्याग्यर यायवायर पर प्रयायया सु नव् न

न्य्यावयुराम्बर्याक्र्यासळ्वाग्री न्रेवार्या से कार्या मुयासळ्त्रमुअानयार्थे रार्चे तात्र याससासबे राजाया तृत्रा या स्वा ग्रेदे

र्हें हे त्यार्श्वायायात्रु रें प्रदेख्यायात्र्ययायाय्य विद्या ग्रे हें राग्ने त्रु या सहर्नायायायार्न्यस्यायात्रकन्त्रवाची कुवाध्वानेन्त्र् |देश:इ.य.इ.दंदे:वर्गेव:य.य.श्र्याश्वाय:वर्गुर:यट:र्यः प्यटःसहि। देदेः नर्वेन में गुन नगद में हे अ वें न नु चुन खुग अ ग्रे हे न अ इस्र अ अ अ जिन ह यविश्वास्तरःश्रुद्याःविदा यवःसेशःश्रीःवाश्वरःसदेःश्रेत्रिः द्या वयःसेंगायः र्वे यश्च स्थायत्र भूर्याश्चरात्री यात्र स्थायायाया स्यायाया स्थायाया भू พ.चै.वाश्रम्अम्ब्राच्छ्रद्यामी.वर्षकाच्यायश्रेश्वाचम्यस्य निश्वाच्या रॅर-व्रेंब-व्य-५-सु-८ग्र-र्ये-व्य-पाबुद-दुप-र्य-इय्य-व्रेंब-क्रुव्य-५८-नडर्भामालुर्भा मृत्सुर्भाष्ठम् सम्बर्धामान्स्राम् सम्बर्धामान्नम् सम्बर्धामान्यम् । ५.श.८८.५५५.४१.५८५५०.०४.४१४.१४.२५४.१८८.१४. ग्री ग्रान्स्य राम्य द्वामा सुरार्थे । या निवासी में देवे के मु ग्राम्य सुगान । या निवासी में प्राप्त स्वासी स र्रे त्र न तु न रा रा विंद न द रे हिंद हिंद न दि त न हिं रा पि रा प्याप में स्थान ग्राबुद्रा स्रुगान् भ्राप्तर्भे प्रकेष्ट्र के प्रकार भ्रुव्य के प्रकेष्ट्र के प्रकार क शुन्दरमायमा भू नर्से द रं सामा गुरा।

ल्यानिया अदि के अद्भूत्राया स्वाप्ति के क्ष्या स्वाप्ति के स्वाप्



ने प्रमागुर सकेना।

न् वर्षे दूं नशक्ताम् वारक्षे पद्भे प्रथम असे एए या स्वार्थि के राह्म ग्रम्भव विद्या ने त्यः है ग्रास्म देश स्था मार्थित । क्रिय प्रमायः ने स्था है न बूटर्टि। । विर्नु नः र्ह्ने खूद ने यास्य ग्रीय ग्राट नवा से स र्हीद द्वार या हु नगरसंख्याम्बरहे। क्रेंटरहेटरेटरेटरे वहें वर्शेक्ष सहट्सेटरा ब्रिस रेवि'वशुरायरायराद्यापायहित्। । अर्देराव रेवि'शि'द्यो प्रवे प्रे महेत्रसयार्से के यासमार्से देशमान्स्र भारमानी भाष्ठ्यास्य सूरासे । देश हे सूर्यक्रुर्यये स्वित्रार्थं या वित्राची ने या न स्वाय गुवर्य ग्राय है हे येग्रअः क्रूंत्रक्ष्याः देशः पः क्रूंतः द्र्यंतः क्रूंतः पोशः ग्रीशः वुशा देः यः व्रः सः सः नर्ज्ञ अल्ला यह न्यायाया वर हें वर्षीया व्या हे यर हैं ख्रायायह न्या न्दःबेदःवेदःम्भ्राबुर्या देःयःदेवःम्यःके क्रुयःक् मिःसुःवेर्द्रःना सुःकेवः नर्भेन्द्रन्यः। देवःर्भे के नर्भेन्द्रम्था श्रेन्ति। धरः हे न देव केव शेनः मी। तुः क्रेंत्र देत्र सें के। ज्ञान्या भागित्र तुः नर्से दः त्रस्य। केंसः खुदः क्रियायायदे सम्बर्धे तर्भेत् कुषाया । यदान्ध्या क्रीया वस्यूर्व विष्टु या अर-क्रेंत-विग-में। ग्रायाश-संख्याविस्या ग्रुय-विग-मेंत्र-सर्केना-ग्रायाया वसमाश्रासार्धित्राप्त्रता क्री स्थाप्तर सामित्र से सुन्त न्याय निव निर्मित्र अर्के मामिविव नु। ने निर्माणम हे निर्मित केव सेम मोदि।

र्ह्य विचाल्याविद्यं निवाल्याविद्यं निवाल्याविद्यं

धेनो न दे दें या न है न्य स्थिता।

## <u>इ</u>नायदि'नकुन्यदि'स्ननस्।

२%व.सपु.यट्या.सूर.कीर.स.धु.धीर.स.स.धूं.य्या.स.लुव.धी ह.यद्ध्य.ट्र. १ किंवे विषय १ किंवे की विषय १ की विषय १

वे कें स् कु हिर्दा अया अराम निर्मा कें मार्थे । विष्य के वा कें द्र्य व्रम्याद्वेया ग्री स्रमास्रिया स्रम्याद्वेया स्रम्याद्वेया स्रम्य स्रम्य स्रम्य स्रम् यायिहिस्या कुटारुवेरुयात्र्यार्स्स्यार्म्स्यात्र्यात्रम्यात्रेत्रात्र्या येग्रयम्य अद्वेत र्रेन्य भेत्र पृत्रे सुत्र प्रम् र्रेन्य प्रम् गडेग सेव र सुदे हिसर् प्यर से छ्रा देर पन ग्रे र वेरिय पाय वावव विगा हु र्श्वेन माहेर त्या नहर व ने दे हो न से दूर मा है पर्हें गा श्रेवे नु ८ नु १ न व ८ में रे से ८ हो ८ मी स्वाउन मी राष्ट्र १ न से १ न नु या नः सरः में नमूरः द्रशान हिते के ते विष्टे ते विष्टे विष्टे विष्टा विष्टे वर्देन्'मदे'वर्त्त्रमार्वेन्'मभा वर्त्तेन्'भेन्यं देते भून् इस्र मान्यूनर्यः निरायेग्रायारायाहीता त्यासीया न्ययासुःगुःख्रायीःनर्गेत्यात्। । श्च श्चर्त्रवा अदे वे वा श्चिष्ठ से वा श्चर्त्रवा भूत शे वित्र नगाय:देव'से'कुट'के'नर'यमुस्या वियाग्राट'मासुट्या हे'यर्देग'सेदे' केंश इस्राय पें गुन् की तु हु के नर न्वेंश रायन्वा रिंद वी केंश वर्रे द्वस्रश्राग्रम् कु न्याम् द्वस्य श्रुम् न्या स्वर्थः व्याम् स्वर्थः व्याम् स्वर्थः व्याम् स्वर्थः व्याम सूस्रामित वर्षा मुन्ता ने साधाय र मित्र स्वामित स्वामि विगाक्रेन यमार्सेन्द्रास्यासुर्हे स्यमास्य मार्थनः न्दान्वसार्यते हिंदाना सहित्। दाकु नामान्स सार्वेना नुसासू स्वेना सहित न्त्रीयाग्रह्म्याम्या नःम्याम्याहिन्न्नाके यहवासी वेया नुःगुन्सू येव हो द द वाल्या में हिया दे वया नया सें र हिंदा रादे कें। वाहें या पर पा रान्दरभूनमाशुः चुदःनमा विदःवी विवादमा विद्राया वोभेदः के प्यदः से वर्षान्यान्त्रे वार्ष्या मुर्या ८.८८. क्रुय्या शुः व्याप्या क्रिया वार्यार नःया मिंदाम्बुदानानिवा दुदान्य मधीयाने। नया में दार्था मुख्या दुः क्रूँ अ विट न तु ग्राया वय से क्रि केर न य प्राया प्रमाय मित्र न वि पाय के ग्राया यह्र वया श्राष्ट्र प्राप्ते सहे वृत्र में प्रिये द्वा प्राप्त विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा विश्वा र्शरमो विश्व ग्रुप्तरा ग्रुप्त विश्व सम् । श्रुप्तराय विष्य स्वर्ग ग्रुप्ति में हिते न्नरःस्टः धरः यत् नन्तु व व्या गवतः हुन्। श्रुनः वनश हिग्रां सदेः देशः रादे अव द्या इसरा ग्राट खेवारा सर वादर।

शुः श्वीताः सं त्वादिः श्रेषुः वाश्वाता श्रुः श्वात्यः श्वात्यः स्वात्यः स्वतः स्वात्यः स्वतः स्वात्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वतः स्वतः स्वत्यः स्वत्यः स्वतः स्

श्रेतु मे मे त्या वार्शे शायि प्षेत्र श्रम् व तुः व तुः व तुः व त्या मे साम मे त्या मे साम में त्या नन्दर्द्धसम्पद्या उत्राख्राची सम्मासर्वे प्यास्त्रम् सम्स गरिगामिते वेत ग्रमान्य निमा के प्रतम्य मान्य व मशेरावर्यान् न द्वाप्तशास्त्रमान्त्रमाशेरास्त्रमान्यास्त्रमा दे वयायरामायर्गे प्यायाया ग्रीया श्री में रामी त्या सार्ख्या मुख्या हे वया नवा में वशकुःग्रामः रु:र्र्वेव। ध्रयः द्रव्यः श्रः सेवशः प्रवे:क्रें वृःर्मे:पः श्रुं दः पः यः र्श्वेन'या इसराया हेव वर्षा श्रीं श्रीमा व्यव वर्षा समाय से मुखाना धीव हो मा न'विग'नवग'न्र भूर्म नेर ह्या भावत'या है साम्राज्य विरा न्ग्रेशःहॅरःग्रे:कुन्यःग्रीगशःहॅगशःसहंन्यःग्र कूःरें:पःर्स्वःयःन्तेः वर्देर्-राक्रेव्रस्भुभाने। कुःग्रान्-१व्रस्थियायः द्रस्ययः क्रीः थुयानु सम्मान् नेविक्तं पार्सिन्य स्त्रीम्यामविष्मुन र्वेन सम्भान यटासहया इयादर्हेराद्राइयादर्हेरासाम्बदादम्यादरेग्यायटाम्सस यः श्रुः र्कें ग्रायायम् विदा ५५ मा केतः में या महामा मा विवानियाया यारोवार्डियाः तुः सहयारे। यारोरः इससास्याः प्रसामस्य सम्यान्याः विष्य विगाःधेर्याः के सामान्याव्यासामी समे स्वान्याः समान्याः सम्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य र्शेट्य वयात्रमाग्रा वसमाउट्यासेराम्चेट्यीत्रे वेसायास्ट्रमा दे

वर्षाभी सूरावराम नेवाया देखा हे स्यराया देखा है हि भ्री नमा क्रें तिये सारे वा सुद र्शे वा वा वि ने श सूर नमा हिन नर ही मा विशास्त्राच्या त्रुवा त्रुवा त्रुवा त्रुवायान्वेग्यायान्वेग्यायान्वेग्यायान्वेग्यायान्वेग्यायान्वे कुंव-कर्-र्-ब्रुग्य-र्याहे स्ट्रिन्-पहित्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स यशयद्यार्शे ।देवयायरायदार्भे द्र्रेत्रित्ते नयार्थे राये नयात्रायया हेर्गी:रररकुषाम्बर्भामुम्मा मुख्यासकेर्मी मुख्यासकेर् इस्र ग्राम्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के व्यः वेद्रः द्वेवयः हे । ध्वयः या बुद्रः वद्या येद्रः या । यद्या येदः या । ब्रम्य। ग्वित्थार्यद्व्यं से स्याध्याः क्रम्से न मक्रम् द्वा विवार्धिन्यमः म्यायात्राही ग्रेम्स्यूर्यात्र्यात्राहीत्राह्यात्राह्य यःग्रम्भदःस्थः श्रुग्र्यः इत्यः हे कुःग्र-५. हुँ द्राय्यः कुःग्र-५-१ हुँ ग्र्यः शुः सददः वद्वा श्रेःदेः वद्या कुदः ग्रेः व्यवस्य स्ट्रा द्यग् कु : के द : देवे : अव : द्या : यो अ : अदेव : शुअ : क्यों : हे : यदयः यद्या के तः से दिः यगादः देवः श्रीशा । याविः के सः छेदः श्रीः यः योदः यरः हैंग्या । सेस्यार्स्ट्रिट्यास्ट्रेट्यास्ट्रस्डित्युया । सेर्पेटिस्ट्रेस्यार्यादेत्रस् क्रिं। विश्वान्यस्यान्याः स्ट्रान्यम् विश्वान्यस्य

र्रेर्य्यव्याहिश्राशुर्त्वेव्यव्यात्वास्यस्यस्यस्य स्थित्रास्टर्यायम् देव्य ध्रेर्रोद्वायदेख्यानु नवारी हिर्यय लेज्य वर्तेन्यदे ध्रेर्तेन्द्वययः नश्चेत्यःनमा नेरःविगायमायःविगायव्यामायदेगामायदे श्चेत्यमार् स्वर्गाः मेशस्मानात्मात्त्रस्य अन्ययाची देखा अन्य क्रिया अस्य न्यान्ययान्यान्वरावेराचेत्राचेयाच्यान्यस्य स्राप्त्राच्या र्रे.चाडेचा.सदे.श्रुट्र.च.लट.ट्या.स.चिट्या ट्रे.च्या.क्य.क्रूट्र.ट्रे.ग्रूंचा.क्रु. क्र्रेंद्र प्रश्नानक्रेंद्र नगुर ग्रुश्व द्रश्व व्यास्य नश् र्दे दे सगुर गुर प्रमा न्यायम्यविष्या नेव्ययार्द्धम्द्रिययार्थः स्वार्थः स्वार्थः विद्विंग्रियाची'र्यार्क्षेर्र्याद्वर्युर्य्युर्योग्राचग्रद्धे। सुयाद्यार्केरावुर्या ममा ग्रेदे में हे दे कुर न १८ मार्ट न १८ में ने मार्थ मा छिर धर-र्-ग्रान्ययान्याव्यान्यया येयःक्षेत्रः संस्थान्यः श्रीः भेयः लट्टियानर्यविष्या देव्यस्यूर्यः भ्राप्त्रेय्यस्य श्रीयः स्थान्त्रः नश्चरमाया र्वायायार्थेना मेदिरमेतुरक्रा कुर्मेरान्ययाये। न्यो <u>२२.कु.चर्.कुराचीयाचीराष्ट्री सहकायाकार्यास्य प्राप्तीयाः भीत्वीरायोषयाः</u> मुयासर्व गुरार्ध्यासुरामी सरायासर्मी प्यामा हिंगामानुरामा वर्द्ध्रा न्नरारे। सेशर्कें दार्श कु हे से नेरसा कु क्रेंद्र विवारी सराया हु हो ना

श्रुटः क्षेत्राञ्चटः स्वा हे न द्वंत्रः क्षेत्रः त्वा स्वाराः क्षेत्रा

माव्र प्यट माद्रय श्री पुट मो श्रु न उद त्य श्री द स माद्रय प्र न दे न प्र मःयारान्वाः सरावात्राः हो। देशः ग्रारास्याची हो नामाः वाताः वाताः दर्गन्तीश्वत्रम् मुन्देर्ग्यते सानुर्दे । ।दे मुस्रश्वर्श्य स्वाक्तिशहेरा वर्द्धरन्नरादे। येथार्ट्वेदारी येषार्यस्थाराद्वयथायागाः केदानिष्यरा वेरा हैंगागे अप्टर्से राहा नवर से विवास्या हेता राष्ट्र स्थाय हैं। व्या हि सहयानाया हिन्नी पर्ने केंशालु नदे लु हेन पीन न ने कुरा वया सहया नवि हेत थीत त ते के लेश ग्रम्म शुर्या ने सन्नम निम्म यान्य स्वाव रे'मावर विरा धेशरे वेर क्षुव इरशक्य वश्वी मावमा नर्व दुः श्वरा हि: दरा ने सा वें न पहेगा इस र ग्राम्य विषय है। दे त्या ग्रेटे हें। न न यदे कुर्ग्ग्रा रयया गर्व नवे या अः द्रुः स्रुः प्रुः क्रायावरा वरः विर ग्रीराग्रह नश्चुहरा हैंगानी विषाद्या हर्मह मी प्रेंग्नुह ग्रीराहे प्ययास यूट्या त्रु सदे कें या वे वट्टा से दाय पेता सुद्

णटा हे स्यर्ध्य स्था स्था विद्या स्था प्राचित्र प्राचित

यदे ग्वित्रम्बित्रम्बित्रम्बार्यस्य स्वर्थः म्या द्वार्यः म्या गुराग्ची ग्विरारे से देशे से दार द्वारे से के प्राप्त का का का किया में किय यहर्नि । हिंग किंग ग्रेनें हे हो हे यर पदे हैं शु इन्था ये ये ग्रेन विश्वरम्। रटमी द्वा इ इ वर्त्रम कु में हिरे के लामव हैं द र वाने वाम श्चिरहे अर पळु दें ही न य यहिर अवश्व कर व के दें है ये न हो ये हो ही स यी नर र र न तुवाया ने किं त हि र छी हैं वाया य छ में कुत छी हया वर्छे र र र इस्र राष्ट्र त्वराया स्राप्तर त्य राष्ट्र विदायस विवास हिता सह भूषानान्दाकृतानानी भेगाषयानु र्वेदावहुगा ग्राम्य स्वित्र सहित ने। तें ह्ये ने र मारे ह्यूया राधित कें लिया मार्गाया या थी। विंदा मीया वें खुया इं इ गठिगानिक्रासिक्षे हैं में हैं में नुर्जु व्या कें लें हूं नन्ना हैं के नर्हेन त्यु अप्याधार हुर यहि अपिर एक अपिर यह या हिया की अपन से अप र्ये द्वाप्य से से सूयाय कु या र स्वाप्त प्राप्त र या वे र रे या गु से र ग्री स प्राप्त र्रे के नित्र हे अर्धि कुर्थे है निया निष्य निर्मा है निया में शुरा नडुः इन्नित्रायीम् गुन्यसिन्ने भेषाने शासिः भूत्रार्थे के ते प्यतः हे सर इसराग्री से समित कु सर्वे न्यायन्यायें नर्ये नरे विमास से प्रिया ने गुर

क्षुत्र-प्रश्वित्। क्षुप्त-संग्रान्य-सवित्र-स्त्त्य-स्त्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्त-स्त्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त्र-स्त

रायारस्य र नुष्टा यान्व रास्य सम्याम् यावनुसासे या स्रीया से रायार से या स्यायारी:यन्त्रायिः क्रुवाया बुदारी। दिवायीयायातुदार्गायन्तराये क्रुवा ह्येरश्रायायश ह्रिनासारसाउदाउदा ह्याद्वानाउदा हैनान्नाया ह्या याउवा शुयापार्सिन्गाउवा क्रेंपाकुरायाउवा पाद्रवानार्सेपाकुरायाउवा यःश्वाशायायाः स्टार्डिन ही । देवे श्रश्य से हिंगा सर्दे श्वेती यश हिंदि श्री यानवःरीः श्रुवाः भेः कुषः श्रुः नः भेव। हैवाः केवः यीः नदा श्रुः भः वः वहः श्रीः श्रीटाश्चार्से के या है व यहि या श्री श्वर्या सुर्या या सिंद या त्रा हि या त्रा श्वर्या <u> न्तुर वे न्तुव इः इ न्तुव व ना ने ना श सदे न्य न्तु न्य न्तु न्य न</u> यान्स्रयान् स्रयाण्येयावर्षे निविद्धाने निविद्धाने के निव्या विविद्धाने निविद्धाने निविद्धान निविद्धाने निविद्धाने निविद्धाने निविद्धाने निविद्धाने निविद्धाने निविद्धाने निविद्धान निविद्धाने निविद्धाने निविद्धाने निविद्ध स्वायायाविवात्यावर्षे दावस्य के वर्षायायायायायी वर्षा से दाया से दायायायायायायी र्शे नर्रे कृते विषाम् विषा भिता वनमायसम् सम्यानहे माममा क्षिनस क्ययायावनयाययाग्रीयाञ्ची पाने प्रति दित्यदित्य स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्व नर्डेशःग्राट्या द्वार्या विष्या विष्या विषया विषया विषया शॅम्श्रासंदे न्वो नदे न्वेशमाहेद के न्वा नसूश्राद्य के शादिन केद से नवे न ने रामित्र के वर्षे ने इससाया न वे न प्रमान विकास निष्य के न हेव'गडिग'गी'ग्राथ'न्धॅव'ग्रेन'र्-ज्या नेश'हे'सर'रादे'ग्रान्ट्र'र्-अ'हर' र्विमा हिर पर्मायाराया ह्यर हुरायया वर्षे प्यर हित्र यया हिंदा हेर या बद्याद्द्र स्था इस्र संस्थित की निया निया निया की संस्थित विया द्वा निया संस्थित य। श्रमः स्टायम् राज्यम् स्टायेट यो श्री स्टार हे से त्या वर्षेट्या वर्ष्ट्र इस्रयानरानिवान् र्रेष्प्रायमानित्रराने यात्राम्यानित्रराने स्व शन्यायित्रायित्रायित्रायित्रायित्रायित्रायित्रायित्राय्यायित्रायित्राय्याय नरमेनशन्त्राम्हान्द्राम्हा हेत्रम्हा नेत्रम्हा नेत्रम्हा यार्ट्रायर:ब्रेया:यश्चीशवश्यःवव्याश्चायः व्याःश्चे। रःक्षेत्रःयरःर्ःध्ययः र्थे. व्याप्त स्त्राचे स्त्राच बरशन्गरवयवाशयः नेशर्मा नर्रे वें द्वं न इत्वें द्वं न वर्षे व्यायः क्रम्भायदरामानुमामा यात्राग्ची:वियाक्रम्भायाद्ग्रीमार्हेनः मुश्रुद्राचार्येद्राच्या मुर्द्रद्राद्र्याची स्टार्चेद्राच्या द्रद्राद्र्यायायायम्। नरःक्र्याःवशःह्याःवःयाश्रवःसःसह्य रुशःष्ठिशःरसःख्याश्रामशःदरःह्याः रसः हैवा विश्व से द्वेरिय प्याविवा हु श्रुर विश्व स्वरं वर्षे या सहित्री। रसासुग्रम्भामा इसमान दे। रसास्राम्भामा केत्र में प्रीमा मङ्गे प्रत्यसम्

गशुस्रायापराईद्रायस्यस्य प्रम्युम् हेग् हेर्मा हेर्मा ह्रम् स्यायुम् स्यायहेरा यः विवार्षेत्रया क्ष्यावा क्ष्यावा स्वारात्र्या स्वारात्र्या स्वारात्र्या स्वारात्र्या हुर्न्यत्र राष्ट्रं अर्भियेष्य शुर्म्य द्रायं प्रमान्य यात्राय व ह्य वर्षा व्यापाइव ही लुयाययाय निराम नेव मुना वर्ष सेया र्हेगायाष्ट्रवायमानन्दार्धेनार्धाने जुरानाधेवानेमा समानेमा ग्राह्म कुन ग्री'नन्द्र'संस्ट्र'सह्द्र'स्या द्वेव'से'र्स्सहें हे नडव'ल'र्सेग्राया ८८। यावरामा कुत्रयापट श्लें नायर कुर्न कुत्रयाय हे में सर्वेद से या न्दर्भेराक्षेत्रपाद्येत्र्रित्या क्षेत्रपाया बुनायया क्षेत्रप्य स्तुराही ग्रे र्देर-ग्री-८नट-मुःवयायः वुयायिके। र्या-विटावयायायायायायायाया कुर्वायर वर्षाय सें या ग्राम्य या वर्षे या ग्री में स्प्राप्त वर्षा सूर्य पा ग्रीमा कु'व्रअ'क्रीश'ग्रे'हॅर'क्री'त्रे'गा'णर'येग्रय'यर'यह्री हे'र्नेश'रे'ग्राहर' वयानन्त्राधारायरात्र्यह्ता हे रेवे सेवाया केवाया द्वीया ग्राम्या खुग्रायान्द्राया सुत्राया देश्या सुर्थे स्वर्था सुर्थे स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या हे रेंदे हैं न अप्यादिव हैं है से ट यो जिया या दिया या त्या स्था स्था स्था या या विवा या स्था या या विवा या या येग्रयायर्थ्यव्रव्दि। स्टामी श्रयायक्त्र न्ग्रव्दिव गुनायार्थे व्यायाया इस्रश्रायापराचन्त्रप्राचेते कुतार्थे दार्दे।

र्रेगासर्रिश्यार्श्वितासां स्वासा इसा इसा द्यारा नियारे विसारे वि

वळे छ न्रस्रो अवाधेरामाना हे में अर्वे वर्षे दें है गुवान वितर् मिनेव में हैं से दाने सहस्र से द न्तू या पे भी हैं मार्चे से सुरा द्याः अविरः न। क्रें कं के अभी रेवः क्रेंव अवदः येता क्रेंव्या क्रेंव क्रिंव के केव्यमीव्यास्याम्यास्य स्थान्य स्थान्य विवासिक्ष श्रेया हु यत्वारा नुर्या अळं द र्से विया स्था कु स विया यी सर हिंद पर र्वेत्रत्रत्ररः कर्वेद्रा अटः तुर्वः वेत्रत्र्अभः विद्रायरः ठतः वेताः ग्रटः वेदः नशः र्रेत् वेन ने प्यरः हैं ना नी क्षे ना स्था सुना पे कुला ने हैं के क्षे के ला नसून मं से र सामन धीन विदा देवे से नश ग्री श सर्दे से पा गुरा पा के न में यहर्नि । श्चे से परिने ने गुन र्चेन सके पर ने न हिर राज ने गा पेन निरा ने'स'य'से'न्र्स'ग्रास्य्यास'ग्रे'कुन्सर'र्से'यर विरायान्त्रितेस्य र्भे भिर्मे स्रि. श्रीट नमून निवेद स्थान विदास मिर्ट हैं स्था स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स ग्री हेर र्जुना सं ने दार्शे स्या त्या विद्या सर्व रहे वा विस्रा ने सर् न रहे नम्याया वे नवे नयं स्थाने स्थाने नयया है कुषा ही स्थाने हैं न गुन न्वायः हें हे प्येत्र है। के के सामान्य या यह मा यह मा से में के त्वा यास्तिः सके तुः द्रमः दे। द्रमया के दार्गे नि गुनः विनः विवासिन। सयाद्रमाः र्से इसमानक्षेत्र क्षेत्र विटानी पात्रमानवि पत्ना वे प्राच्छ वे प्राचि के से मा

र्रे मिनेम्बा रदार्थे नतुन दुः इत्त कुद्राय निदार्थे हाया निम्बा गुन न्वादे अभावा वे निहेन् यावा भारा प्यतः ग्री ले न्वा रा कु से हि त्य पहिन्या क्रिंशः इस्रश्राणनायायेग्राश्रान्यम्या त्राप्तन्त्रात्रीः श्लेनास्रानास्त्रात्रा नश्रेवः हैं ग्रायास्त्र वें र्या वें र्या क्रें या क्रें या क्रें या या कें या क्रें या या वें र्या वे नक्षेत्रा ग्रीतेस्याप्तराग्रह्मार्द्धमायमाप्तरानित्रम् हे सर्भराविः गर्रामर अर ने र गर्व रहर र है। गर्व र र सहर वया वक्षर दुः य भ्रग्राश्चर्या स्वाप्ता विष्टा निर्ज्ञात्तर्यात्विर्यन्या नक्त्रा नक्त्रां निर्देश्चेत्रःयानेवाया देवेः श्रवारी श्रिवाद्येव सेटाने श्रुष्या ग्री श्रिवादा निटार्से खुवाया विद्या वर्ष द्रान्ति वारा साम् है द्रावा नेवा सा देवे वा द्राने हर से सा देव केव नवर में प्यव ग्री से प्राप्त कुर्से प्रस्थ प्राप्त विद्या नहेन्'यं केंश इस्राम्यम् न्यान्तुर वेंग न्युर वेंग यान्त्र न्या सहन्। नर्डे नकुन्याया बुयासुरान्नो र्ख्यान्या श्रीमाशुर्यायाया नश्रेत हैं ग्रीश्रासन्। सिन्दःस् वितास् नःस्र भाग्याया भार्याया स्र स्रिनःस्र वेरः निया ग्रायरः क्र्रेंब पो भी या प्रया प्रया प्रया क्रिया प्रया क्रिया प्रया क्रिया प्रया क्रिया प्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क नवर सें न वर्षे र सें न न्रा क्षेत्र नें क ने क निक्स समानिक किया निक्स मानिक १८९१:इन्पर्वयायाञ्चात्राची । यहेन्य्या हेशःशःविनयः हेपानञ्चनयः

वर्षामान्वर्षासहित। ने वर्षासे स्थानाया विस्रका सु र्रीत्वर्षा से मिहेराया याशेर मी प्राप्त प्रमुर प्रवेदशा भ्राप्त प्राप्त प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स् श्चेयानि निर्वास्थ्रित्ति अर्थेन निर्वादित्यानि । वर्षेत्र निर्वाहित्येन । क्रिंग्राम्यान्त्रमा देवे सुभू भूषा द्व्रामार्य द मी द्वीं व से प्रवेषा पेद गुवायासहि। सरामित्र स्वायायायायायाया के निरास्त्र के निर्देश मित्र प्रवादित स्वापित येन विर्यो लेगिरेश्य भेर से हे त्या र र हिर है दि विर्य राख्यारार्से स्वाप्यात् रेवार्से के तिव्या वर्ते हैं वाक्का केर सह दावरा र्विटःस्टःवीःस्टःवें नत्त्रः द्वः इः नत्त्रः या शार्थे ख्याः या नेवाशा देवः केतः नवर सेंदे न इर से क्रें न देव के शहर के भें से साथ प्रविष्य प्रयोग मासुवारास्यात्यानीवारा विंदावी स्रायासेते के तास्य निंदि से सामित मुयासक्त कुर्से सुगायायहिस्य से नितृत्याया ह्यास नेत केता नहरासे मिलेग्रम। रटार्वे नर्तु इन्तर्तु रास्य स्ति । यदि स [मस्रशःशुःर्चेत्। रे.मॅं.केदे:रेत्रःमॅं.के.मःयःश्वामायः स्वास्त्राम्याः हुः बेन्या वृत्य न्यक्षेत्र कुंब्र नु वेषायाययाय वृत्य वास्य वृत्य वित्र श्चेतुःविरः नुःश्चेन। नेःहेरः गन्वः रासद्गः प्याधेव। धरः सुरसः वें रहुः नः म्यायायाः मुयायळं त्राया पुरायात्वया हैं हे हे दो दारा या यव प्रया हिरायाः

मी नर र दे है दि विद्याय होट निर्माय से स्वर्थ कर सर पेर प्राप्ति हों न न्यॅबर्क्सर्हेन्रची:श्रुश्यवावित्यःश्लॅबर्ध्यवाची:यनुश्राची:श्रुश्यवादेवर्धेः के देव मुन द्रमय न स्वाया रहें स्वाया या विद्रमा हेर द्रम् न वेया परे के रेव में के के शक्त यान ने गया रह में द्वा दु इ नकु द रास में स्रूगाया ग्नेग्रम नेवेरस्य नेवर्षे के जुर कुन न्यय न ने नेवर्षे के कें या कुय न'नानेनार्यादि:मुं'लेंग्यार्य:मुं'न्यायादिर्या श्रेयाद्वःस्निन्या यायारेत्रार्ये के र्देत् गुनाद्ययाना नेवाया यन ग्री हे वात्याद्या स्वा याहेर-श्रुयायावयायहर्गाययाहेयानिये केंया स्वयायानीतानियानीता इर नर शुरा रें व शुन द्राया निया भेया या है या या द्वार या शुर विर द्या क्रिंश'स'कवा'सर'वाशुरश'स'या वेवा'सून'ठव'ग्री'वार'ववा'तवाद'रेश नन्गार्से दुरक्वेद प्रायार्थे वाप्यर वुषायय। नगवान्यें द्युरक्षे ग्रुप इस्रायन्त्रीटार्डसानु नत्वाराया हे केंटावाराकेतारी नुसानु सुदानु क्रिंगम्बुद्द्रन्तिः क्रें सहयातुः हिंद्राम्या हे सानगुरः क्षेरे केदारें सहत्। यद्येव-तंत्र-लूच-त्रव-स्थर्थान्य-इन्-वार्डन्-वार्वन्य नेन-ह्र-संक्र-संक्र-विः गश्रुर: पर: पर: न त्रुम: माम्यूम: माय्यूम: माय्य मर्थाकें केंद्रावहें वाया केवारी क्रम्या ग्राम् धीट भी देव वा सुम्या केंद्र हे नगः भेरान्ययः ध्वाप्ता याववः केवः प्रज्ञः नवनः में त्यः सेवारापिः सम्वितः रनः उतः श्रीः श्रीनः सप्तः सरः नुः वन् स्वाः स्वा ट्या.गी.ट्यट.सूत्रा.ग्रट.कूत्रा.सट.ट्र.योशयी क्रूश.सट्य.भेता.में त्रा.सक्य. ग्रीशःग्राम्स्याश्यायाःग्रीः न्वमः विश्वा ने हे साधितः विनामः याप्यायायाः वज्रुद्रःगव्रशःग्रेशःश्रुवःइदशःदशःदेशःहेगःश्रुगशःग्रेःद्रवदःद्रःकुदःवन्दः वश्यानगुरः क्षे केव में सहि धुया कुरा न देव गुन द्राया न दर। गुयश र्रे द्राया के शामी माना सार्ट्या व्राप्त स्वर्थ मुख्य सक्त पा इस स नह्यायिकेशः श्रीः याबुदः हें हे स्यरः य्यायाश्वारः वियाः व्यः केशः करः रे व्यः सक्तः अ'रे'नहन'मदे'म्दर्भ'नकु'र्दर'नकुर्'ड्'इ'गहेश'बूर'। नर'सूनश'रु यान्वरश्यान्वस्थर्थायान्वरविदेश्यन्त्रम्भूवरळन्धाः हेर्स्टिन्यर केत्रस्तिःनगादःख्राद्याहित्रश्चेश्वातेश्वात्वात्त्वात्वेतिःनन्त्राद्येतः मःसिंद्राम्ब्राह्मःसम् द्वेतःविदःक्षेतःम्बर्भनःम्याःसिनःद्वेतः सर्वेशन्तरान्त्रन्त्राध्यम् स्त्रम् दे स्त्रम् स्त्रे निविष्कु के विषे यह्रेन्यवुःस्टान्युः स्टान्युः स्टान्युः स्टान्युन्यः यो भेषाया

धेर्वा भेर्वा

श्चेतुःबिरःतुःहैंगाःगीःगतुरःचकुत्ःईव्रःमः त्रस्रशः उत्।ग्वंदः ळः नकुर्धेत्रया कुषळ नकुर्यस्रिते श्रूष्टे श्रूष्ट्रियायायात्री यन ग्री-र्से ग्रिम् प्रम्यायार्थे ही नायायह्म स्यात्राया है दे नर्सुया हु हा नर्त्रनत्वम्या यनः ग्रीः क्रिंशः इस्रयः यः नेतः हास्यः नेरः येवाः कदरः यर.री.सहरी ह्र्यायायायी.याश्वर.सू.हू.सूर्या.का.विदेशी हेराष्ट्राचलुग्रमा देवे गाउँटार्से हैं नर्से दासा न्यु नर्ज नर्ज न्यु नर्ज न्यु नर्ज न्यु नर्ज न्यु न्यु न्यु न नव्यामा नेते.याउट हें न छट ननट सें छ साट ल पहिन्या न उपार्थम नव्यामा गड्रम्हें नरे नेम्प्रमायायहित्यान द्वापिया विवासा विवासा बेद्रम्मन्याक्षःश्चित्रः क्रुवः क्ष्यः क्ष्यः व्याप्तः श्चित्रः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व विष्ट्रमान्याः स्वापी वर्षे वित्वत्याया देवे वाद्याः से हे सेर मे प्या भी श्री मा श्रुसारा कु र्सि हो दु त्या यहित्य। स्टार्से हुमा हु स्व कु ट्राय येयारीं मिनेम्या रार्से यास्याम्यस्य स्री सुयासे। हैं न्यू हैं नर्सिन् स्थासे ते स्थान विष्य नियम् नियम् नियम् नियम् नियम् नियम् नियम् । वर्ष्याचित्रमा गुवन्त्वविःश्रयन्त्रवेतः क्रेवः क्रियः में ने व्याश्रयः ने विक्र न्यया ग्राम्याम्याम्याम्याम्याम्यान्यम् गुरुप्तान्यम् मुर्म्याः श्रभःगुत्रःन्वायःनवरःसेर्वे । श्रेषुःबेरःनुःनेत्रःसे के नगः विश्वःन्ययः नही रेव में के जुर कुन नमय न हेन ग्रेम तुर न विहरमा कुर दिरे नु म वम र्या तु : शुर : बिर हे अ : बर : तु : के त : से : कें या त्ये या न ते : या त्या या व द : यदेः र्सून गहेर यहं । दे हिर प्यन से श ग्रे कें सहस्र से दे रें के न य क्टरनरःग्रथतः विरायम्यापरायम् या देवः वे के निः भूके वुरा देव र्से के या वतु वा या देराया वा प्वा या प्रवा देवे ख्या प्रा विश्व या प्रवा विश्व या प्रवा विश्व या प्रवा गन्न अन्य विवि । हे अर्ध कु ही या विहर्स न्य दिर सर गी से में हो तु वर्रे प्यत्र व्यः वे निक्क न्दर द्वा द्वा स्ट स्था स्ट स्थितः श्चेंन'यास्यायायार्येग्यायायेरश्चेयातुः केत्रायाः इययाः ग्रीयान्वित्रायास्त्र नायमाकुःभिवातुः केरनमायमेयाविमा नकुन्याष्ट्रीमात्रमम् भेरतें भाषा ग्राम् खेर खेल बर्म कर्मित्राचे सम् कुर ग्री निष्या सम् र्हेण नकु ५ वर्ष के के कि विष्ठ के कि विष्ठ में निर्माण के निक्र में निर्माण के विष्ठ के कि विष्ठ के क

## वनुषायायम् अत्राप्तुत्र विश्वासायाः वनुषायायाः

वर्द्धरः नगरः ने देश में स्थानी सन्यन्य वर्षे सान्य वर्षे साम्य वर्य साम्य वर्षे साम्य वर्ये साम्य साम्य वर्षे साम्य वर्षे साम्य वर्षे साम्य वर्षे साम्य वर्षे साम

र्मन्याम्बर्ध्याप्यम् वर्ष्यम् म्याया स्वायायकरम् मुन्यम् स्वायायकरम् न। यनःनेत्रः तुः अशुः के ना निना नी अर्थः शुः प्रह्निर्य। कुरः द्वे र् र्यात्र्यः यशसेन् पश्यास्य स्वाचिन्ने हिन् क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रमान के रावहूर नश् नेवे के नेवा पानसून राम राक्षेत्र राम निस्तर में हि सार् स्ट्रा है सार् नश्चराना अविशासात्रस्था स्वात्रासात्रस्था स्वात्रात्रात्रात्रस्था स्वात्रात्रात्रस्था स्वात्रात्रस्था स्वात्रात्रस्था स्वात्रस्था स्वात्रस्य स्वात्यस्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्वात्यस्य स्वात्रस्य स्वात्यस्य स्वात्य यश्चा इत्राचेत्र द्वे क्ष्या ग्री न्य क्ष्या ग्री न्य क्ष्य म्या मुर्थ प्र कें हिंद् नहें नम सम्मित्र में नम से नम से नम से नम हो नम वनद्रायं केत्र में सहद्य दुष्यं भुष्यं मुर्ग्य में प्रत्ये माने विषयं माने विषयं प्रत्ये माने विषयं माने विषयं प्रत्ये माने विषयं माने माने विषयं माने विषयं माने विषयं माने विषयं माने विषयं माने विषय लुया.श्रायथ.जा २.के.याश्वर.य.उर्थ.याद्य.यार्थश्वर.क्र.क्र.क्र.च्या पूर्ट. इस्रम्य दे स्रम्य दे विष्य के विष्य दे दे स्रम्य दे विष्य दे । नगुर-इद-वद्विवानश्रूस्राय्य स्थार्चेत्र व्यायद्यायद्यः क्रुट्-द्र-ग्निस्रम्याग्निर्याच्या स्रम्यत्रिष्याच्या हिन्स्रम् भीत्रिकः नः धेवः धरः वर्षाः ध्या दवेः सः श्रुवः सरः सः श्रॅवः वषाः श्रुवः वर्षः दिवः हुमार्वेद्रस्य विद्रम्भेर वेर'नशा वर्द्धर'ग्रीशः ह्वान'गिर्डगाः हु' सर्वारा हिन् यर उत् चुर त्रा हु न के यो से दे यात्रा से र या वि वक्के नर पे र प्राय

न्यायनेनयाल्या हे सरामया ग्रम्सरमा स्वापाया हिन् ह्वाना के यो र्सेदे मान्या क्रेंट त्या क्षूर हिना मार्स्स निवेश निवेश में दिन मान्या के दिन मान्या हेवरमरार्विः हेगारावे प्रविभानियान प्रिन्यमा ने सेट ह्वासासर प्रवेशस्त्र र्धिन् प्रते पुराधिव ने ने ने वी वा वा प्रते प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप ह्यू दानी शाक्कु र प्रदेश वार्की पाय हैं प्यें दारा विदेश सर्वी पर से वार है। की देर ह्या स सर्भारा अहे अवशा के अध्या के प्रत्या या वर्ष विदा है पा अध्या प्रत्या वर्ष विषामी अपनिष्य में अपनिष्यं मामिका से अपनिष्यं अपनिष्यं भी अपनिष्यं अपनिष्यं अपनिष्यं भी अपनिष्यं अपनिष्यं अपन श्चित्रद्रम् क्रिंगः रेस्र वृदे स्रदः न्याः दरः शुद्रः शुद्रः यो वित्रः वित्रां स्वाराः स्व मवरा ने पर हे अर राय थे ने शवनश सुनाश मी ह पह नरा वना व न्म। श्रेअप्रवेशेर्मिन्मप्रवाहरूपाये निर्म्थयः विश्वपाय्येया स्थापित्। नेर्म्थयः यः क्रुन्देविः अवः प्राः हित्यः वयः प्रकन्यः अन्यः अन्यः । वृः रेपिः क्रुन्कुनः यव रया मी ख्याय य है य शु यह द य पीव है। के य कर र र र र र कें या य वर्षिर हैग (बुर्य प्रवे कें। हे सर प्रय रूट वी य कु ग्राम र र कें या र र ख्यायान्द्रम्यायानाञ्च नाख्यायान् स्थयासन् सन् । क्रियाने क्षरप्रायम् मुग्रम् दर्गेरम् या विद्याये से से सह मुग्रम् स्ता गश्रु र त्र अ र्थे द्या पुर वेया या । दे रवा र व्हुं र र शे र व्ह द र दे र द्या र यो र हैं हे र वे अ बेरा । दे.ज.श्रुच अयर दु.जेंद्र ग्रह विस्र स्टार्स सहस्र हैं है। सर्विद ग्रह

याग्रीहै। वक्षेत्राक्षेत्रावर्त्रात्व्यत्राक्त्यात्रक्ष्यात्राक्ष्यायार्दे ते पीत्रा

दे त्याप्तस्य सार्दे सद्भादे हे है। कु न्या र दु न्या सार्दे या न'य'र्चेत्र । ने'यम्हे'र्रे देन्ययाद्वर पर्नेन्यया । ने'यम्या विवायाद्वर स्याह्या विविधान्यरायर्भाष्ठ्रायदे स्थान्यः स्रोत्या विष्यरायाः हुर नथा हिर महिशमार दुर्चे हु अप नथा दर्दर ल दर्भ राष्ट्र कर प वर्षिव गान्य गो है न्य अवस्य नु गायवा वित्या वेश वा कुन अव न्या न्य नडर्भामान्या विस्रास्य दर्द्धमान्नी विस्राम्य विद्यान्ती विष्यान्य विद्यान्ती विष्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यान्ति विद्यानि विद्य यर सहित ने निर्दासम्बद्धार प्रमान्त्र में के जा यह सम्बद्धा मिले हैं । श्चित्र म्यू श्चित्र भ्यू मार्थित स्थित स् <u> ५८. ई श.श. पत्रेषात्र हे अरामश्रासहं ५. मंदे कु ५. ग्रे ही देव विवाणित</u> बूटाया गहिरासेट इस कुया के दार्रे पदी पुरासे रार्टि परासा न इसस मदे ह्व अधीव ने राज्य सर्वे चुर विदा याया वरे कु में जासुर मका ह्यश्राम् हेर हो। विस्रस्य स्टिस्स हिं स्टिस्स हिं स्टिस्स हिं स्टिस हिंदि स्टिस हिंदि स्टिस हिंदि हिं नशःकुःसंनासुरःमदेःर्नेनःभ्रेःभूरःरे।।

वर्षिव नान संगी है ने प्यमा असर से से नो कुष अळव त्य पुव से म

न् नहेन परे हें न अवस्या र हें र य नेन हु सम्सार धेन ने मिंद में नश्रमाना वर्ने वास्त्रमानिया गुरान श्रुमान स्थाने वास्त्र । न्वीरश्राचा वृह्यम्। वर्द्धनाया अवारवा व्येन् सम्बेरा विरावा तृवा श्राचा धेव है। वर्षाय महित्र क्षेत्र मान्य क्षेत्र क् वुर र्श्रेन प्यासहयापा वुरा त्रास्य र्श्वेत र्शे विवा सूर नर्श सर्वेत सामा हु ग्वयायार्ट्स्ये नेयायदे स्याग्याया सुरा हर्ट्स्य सुरा वस्य उट्ट्या रेसामायायात्रसमायेदानु सहन्यमाञ्च साम्रानुति हिरारे पहेदार्विन यदयाक्त्र्याक्त्रेयाक्षेत्राच्यात्र्याचेष्ययास्य । देयान्नावरावर्षेत्र्ययया रेव केव ल मावर है। ज्ञापर न प्रतिव माहेश ग्राप्त समाविमा प्रति ह्युव लेवा इराग्नामराना र्सेनान्सेवान्सेवान्या अराये सेराये विवास स्वास्वास स्वास्वास स्वास्वास स्वास्वास स्वास्वास स श्चेशक्षान्याः देशक्षान्याः विष्याम्याः विष्यः न्योयः ने। दवेः यान्ययः न्याः वर्रे हि बद न उर्देश प्राप्त न विष्या प्राप्त विष्य विष्य विषय । विष्य विष्य विष्य विषय । विगायिवा दिरार्स्स्नियः देव स्ट्रिंग स्वर्षा प्रमायका प्र गशुरःवर्भःन्ग्रेशःनविवःनुःगवरःस्रे। न्नुःनस्रुरःधरःनवेशं ग्रापरःनशः त्रुग्रायाक्ष्ययासु प्रविधान्या ह्यु साम् प्रविदे हिरारे प्रदेश प्रदेश विद्वास्त्र स्था शुः तुना वर्गेन्यापरः नृतुवे याद्याः हेरा धरः वर्षेता याने यायः पवे के रिवे श्चर्या श्चेरियर विवाय वाश्वर वया श्वर यदे सकेर विर प्रवाय विवास

नश्रव वयान विवाय शुराविष्या नेते हेव त्रवेय ग्रीय मु यापर हें न नु या मदेन्द्रम्यमाभे प्रक्रम्या वेरामार्थमा वेरामार्वेद्रमाभेद्रकेरा नदे नर शुरायाधेव दें। दिया शुराया न हुया शिस्र साम्राज्य या न दराया वनश्रास्त्रीं त्रायरान्रह्न विवायिता हिन हैं स्थायश्रास्त्र स्थाने नश्चेत्रियायानह्रम्यार्थेनाम्याञ्चात्र्रम्याश्चात्रम्यात्राम्या यः ह्याशः र्वेदः विदः द्याः हें दे दे त त्रुशः याः वर्वेदश। श्रूदः त श्रुः सरः निद् त्रुग्रास्ट्रिंग्रास्य क्री:८८:य:प्रतृग्रास् त्रुरः वहुग्रामी हिट:दे:वहेत्रःयः ग्विश्वात्रश्चात्र्रा भ्री हिंगा पात्रस्य सार्था स्वर्था स्वर्या स्वर् नव्यासायधेत्रत्रि । देसाबदाने नायसयासासासुनसायावदानाधेताते। ने प्यर प्ररास्य प्रमुद्ध द्वार अपावि प्रयर से र से र से र प्रमुन गहेर्यस्ति देवस्यस्त्रीत्र्याम् गहेर्यस्त्रीत्र्यस्य र्ट्सियायायाष्ट्रियाराउदाश्चेया यानेवायायदे छे या वेसयापटायायहरे क्कॅर्स्स्स्र अभित्र निष्ट्र निष्ट् नियाम्येरम्भेरयाम्बित्नुर्दिन्यम्बित्रः नियाम्बित्रः नियामित्रः निया विस्रयायास्य मृत्यूरा हैं में त्र्याय कूर्याये स्थाय स्थाय स्याप्त

नडर्भामास्य नित्र वित्र श्रुवार्थ क्षर्थ सुः यदान मुकासाम्बर्धः याद्रत्यासायास्यायायायस्रेत्रह्यासायात्यस्र र्रेर्गुरहे वर्षा वरे भ्रेर्या श्रुर्याय केत्रे या सद्य वर्षे वा म्या वेनअ'न्सॅर्व'य'र्त्रेत्'प्रअ'व्निय्य'नश्रुट'र्द्यअ'व्नियंग्रे'श्रु'नेद्य'शु'नव्ग्य' मदे के। सुन में के नय वनय हैं ना सहि। मिंद न में मून मय दसनाय भूरःश्रे अधिवःवयःगशुरः। ययग्राश्रभूरःश्राववःर्ये ग्राटःवः वर्देगः ग्रुशः नमा विर्यन्ते। क्षेत्रपुरम्थित्राक्ष्राक्षाक्षाक्षाक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या ग्री-क्रॅट-र्से वसवायाक्षें रास्रावयायाध्यें रास्यावायव्ययाचे रावया द्वराचरा क्रुेर्रथायाविषा ग्रुम्। द्ध्यार्देर्यात्रयार्द्वयार्द्वयार्व्यायार्दे केत्रवर्षेया व्यादयवायायायाळेयालु वदेवायेयायायाच्यायया दयवायायदेवासुर मैशिर्दिर्च त्यायार्वे म्याया हिमान की दाम श्री दाया श्र वस्र राष्ट्र वित्र वि विगानव्यामाराह्मसमाग्राम् वृत्राम् वृत्राम् विगानव्या वर्वातवर्णात्रा वाववरणराहे स्रमार्गे नवे रहे मार्से न वे वा स्वापा वेश ग्रुप्त वार्केश ग्रुम प्रमा मु के द में दे हित् वुर्या मुरुप्त स में स न्तुःसःवळन् प्रवे बुर्केश ग्रीसःगस्त्रास्त्र सहन् प्रवे छै। ग्राव्य प्र ळग्राश्ट्रम्पी इस्राय हुम्य रासें द्वी शुं र्री व्यासें प्राय स्ति है। दे

वसानुसाबरावसायम्बरावसार्चे ते स्थरानु हिंदा वावन परास्वासायर <u> इत्तर्भ के ज.की. कुचा की स्वार्थ का श्राचीय श्राचित्र के प्राचीय श्राचीय श्राचीय श्राचीय श्राचीय श्राचीय श्र</u> ने म्बर्या शुः कु भ्रेया होता भ्रेया मिया पा भ्रेया गुरा ने म्बर्याप के प्रवा केत् र्जेत्र पाया ग्रामा केर केर सहया त्रमाय विराध है नि न्दा पठ या पाइस्य यार्केशामी देना प्रमानत्वार्यसातुमा देन्यसमेराम् प्रमानविष्यम् हे नार्य र हिर्या ग्री नर्गे व न्या यहना यहार्य प्राप्त या स्वयं प्राप्त स्वयं प्राप्त स्वयं प्राप्त स्वयं प्र केत्रवस्था उत् भ्रेया पुराया स्या स्या क्रिया यह स्या वा सुराय स्था स र्डसार्येन् पान् हेन् ग्री र्स्नेन सायग्राम् ग्राम्यान्य पान्य सुमा ग्राम्ये सेन से यित्रेरामायावरावरासुरिवियारेरानमायसुरा सुरासरारामाववर्तः वर्गाः हर। श्रुमः मंभाराः मंभी भाषाः श्री भारतः श्री मार्थः मार्थः भारतः श्री मार्थः भारतः भी खुर्याययात्र्यादियः स्रीतिष्ठ्यः स्रीतियात्रेयायात्रीत्रायात्रीत्रायात्रीत्र विभागा हे प्रदे भ्रम्प्राश्चा है सम्बन्ध स्थान है। हैं सिदे स्था में भ्रिट स्वा में। 

वसवासामसाम्बासान् में या वित्तर्भाया वर्षा स्वासान वित्तर यानर्वेदाम्रोयानु हार्भे राग्नु यान्या द्वास्थ्यान्यासे दाहे सुरस्तु सन् नवगः श्रे कें अ १९व र , न दुना व अ वना अ अ र र न र न न न न से न हैं है । ब्रिंट्र प्रायम्बर्भ सम्राद्धिः के साया प्रमुखा वेषा नगाय नग्रीं म्या । विषा र्रेगार्सेर्प्रथार्से श्रुरि हेरे कुष्ठक्तरे अयाया लेया तुरापाता दरे कैंश सर्वे पहुंचाश पर्ट हिंद हैं । से दार्थी सक्या केंश में दार प्रदा से द श्रीचित्रपात्र्याक्ष्रयावेषायाश्रुद्रयापात्र्य केषात्रप्रयापात्र्यात्र्या मी हे वन्याय प्रायाय पर हे विया सक्षेत्र वित्र वित्र प्राया दे द समें द वर्गुर्रागुः दवे रहे साम्राम्भूरि रहेगा मार्श्वरसाम्सा हेत मार्श्वरा रहेत र्केश वस्र राज्य के वा सार्वे र नर क्रें र जुर नशा गुव ५ व्या ने वरे वे श्रुवारविः श्रुः केवार्ये विवार्यो विश्वासी रायर हो दार्री।

ने प्रमासाया पर्चे प्रिन् सर्वे स्वर्गे स्वर्

मर्शिया वर्तेशःकेशःग्रीःम्।यारः प्राप्तः प्रितः वित्रः केशः वस्रशः उतः यव रेश पहें व पर वुषाय है जावव श्रीश हुव वय श्रुष्ठा परे नह्या प गुर्भाग्रम। दे विंद्रम्बेद्रम्बुम्य प्राच्या स्वाप्ति के निर्दे प्राच्या स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स र्धेन्या इस्रायन्त्रेया वित्रात्त्र वित्रात्त्र वित्र हिस्राय वित्र वित्र हिस्राय वित्र वित्र हिस्राय वित्र वित्र हिस्राय वित्र वित् वर वीश्रासहर्पायश्राम् न्या विद्या तुश्रामी विद्या विद्या ग्रीःभ्रम्नर्भःशुः भरः नेभः सरः ग्रुदि । तर्ने ने : भनः न्रः खुनः सेरः नुः वर्शे माभः शुः वुर नर्भ प्यन त्य निष्म रावे पेंत्र न्त्र मस्य उत् सम्य दे त्य पेंत्र न्त्र नुःसःसददःनवेःगुन्सिष्ठेनःदसम्राश्वेदःग्रीशःम्बन् नेःषःनुःसेन्सेः केशम्बर्भनाधिवाने। देः पदानुः देवार्ये के न्ना सार्दे हे मुखासकंवा पदे इन्दर्भाविन्यायद्यायद्या इयाविन्याये क्षायदे द्वयय सक्रवःसरःवर्देनःसःयःसक्रवःसःसःह्रेनःविशःसम। हैं हे क्रियःसळवःसवेः गश्रद्राचीया दें द्रादेद्राची सकेद्राचें गया सुरक्ष वस्याया देंद्र हेया चुर्वा विवा लूर्त्रभार्त्रे त्याश्रूर्त्। ही भावि सिराम्यम्भायसम्भार्य्त्र इर नडन् प्रमा वयवामार्दिन् वावन् विवाधिन वा ग्रुमान्माने वा धिन किन र्रे प्प्रिन्द्री नश्चनः मं स्वार्यः हो सः नश्चन्यः स्वार्थः दिनः प्यारः न्नामने मुन्ति से दिन्न विनाम मुन्न सम्मासम् निमा के स ग्रम्भवर्षायाः नुद्रानुद्रान्तिः विष्यायाः विष्यायाः विषयाः विष्यायाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषया

मीया दें त्रिंद कें या के के तर में ते निष्म में भी तर में या मार में से तर में तर मे र्नेत् र रर्दियो वर्र् र्वे वर्ष वर्ष वर्ष र वे वर्ष के र के या रदिःवयःत्रम् विदःस्रायम्यःयःधित्रःयम् कुःवदेःकुःख्वायःद्रःगसः नवे नार खुनारा या से नारा से निर्मा न निर्माण सामे न निर्मा न साम क्रॅंशर्झेनके'नर्नुग्रुर्न्नथा तुर्नेन्भंक्रिंशकेशनन्गायने'यर्भेन्दुः र्शेश्वाराष्ट्रिया प्रश्ना विवारित केटा क्रिया प्राप्त विवार विवार विवार विवार विवार विवार विवार विवार विवार व वसवासायदेवासुरवीसा अविदेत्वेत्रेचावीसासेवेदा र्वेदायादेस य्दे वित् व्याया ने हेट न नित्य सा व्याय स्त्र कुत्य में न ये न या से से से वळराम्बुटानमा ह्वापानीपरार्प्याळ्समानस्यमाद्रमार्थिः वित्रवश्चरयायय। यहयाम्यान्दर्ग्यहरास्त्रवास्येसयान्द्रयहर्गे हिर्दे वहें त्रिः हो हे देशें अहं दाया अँग्राया वे प्याप्त प्रायत । यह त्राया अहा वे प्रायत । ने न्यायळ्ययान्त्रीयाने। नुःनेन्यां केयाविन् खुन्यायायने वापीन्यो वर्ने नर्या प्रवे निर्मात कु निर्मा निर्मा प्रमान मान्य । नगवःक्तःने से विने नर्भायमः बुर्भायस्य वस्यास्य प्रति यासुर यो सायमः विनः धेना ग्रुमामान द्रम्मा तेन से दार्म नित्ते मान स्वार्थ नित्ते स्वार्थ नित्ते स्वार्थ नित्ते स्वार्थ नित्ते स्वार्थ नित्ते स्वार्थ नित्ते स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार वर्ष विरास्तामी अष्ठस्य सुरसे त्ये दारा वसदा कर के वार विराध स्थान हो दारा

नमा न्युना प्राया श्वामा राष्ट्री प्राया प्राया स्थाप यः भुवान्यः से द्वावः से भी वासुरः द्वायः स्वानः सुन्दरः वहसायः सहित्। वासुरः नेवि:न्नर:वीश:विन्:धेवा:अहन्:मर:न्येवाश:य:क्र्यश्य:नर्रेवाश:य:क्र्यश्य:नरः र्षेर्प्याया रुष्या भ्रेष्या भ्रवा स्वास्य स्य स्वास्य मश्चर्यात्रश्राचित्राधेना पुरासहित गुवासिवे तसमाश्वासादि । या तुःसेवः र्रे केश पे गिरे क्रें र ग्री निवर । कुर विशेष ग्री निवर । अव र गिर्र नडर्भायान्त्र। वार्यायान्त्रभायास्य स्थ्वार्यान्त्रम् स्थ्वार्याकेर्या मुश्रायरावाशवा केंशाइयशाईवाशवशा नुःरेवार्रे केशास्वावादावारा र्थेन् ग्री नर्भे व नग्रम् केव में विवान निषय माना वसवाय संदेश वार्थन मीया नर्रेयार्थं वर्ते क्ययाराया से नर्गेया हिन्स्र से में मायहें न्याया न्वाम्। ॲ·वान्दरःवसवाशःश्ववाशःवःधेवाःकःईसःन्वेशःचवेःनगवःवाह्रदः यर्स्त्र हिरानु देव से केदे नाश्रूर ने या से से वा मेरा नहीं या मार सर्खित्याग्री, ये. श्रुवा, त्रिया स्त्री तस्यीया सप्ता श्रीता स्त्री स्त्रीया कें निन्दायायान्त्रुवानाधितान्त्रुदा

ने वया ग्राह्म वया है से अप्येत हिन खुग्या यदि के या है हा अप्याया यः श्रें ग्रायः प्राची प्रदेश्य ने या मेहत यह से या निव प्राची निव प्राची निव प्राची निव प्राची निव प्राची निव

क्षर्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र क्षर्यात्रात्र्यात्

इन्विचार्येद्रमाविवायीयानु सळंस्रयार्थेना सुन्नु र्चेद्वयाव्यया यातुयायाते। यायदायत्याकुत्कुत्कुत्वी प्रभूत्या प्रभूत्याहेया नश्रूययः है। गहिया से दास्या कुषा देवाया नश्रूया के ता से देवा ना विदा यटःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वायःस्वाय वर्षायासम्ख्यायाशीः स्रूपर्यार्थी

## नने'अळॅन'য়ৢन'नॹॗन'नॸभ'ख़ॖॸ'য়ৢन'नॹॗन'गॖऀ'য়ৢनभ

क्यावर्द्धित्रची:न्वराधुवाःक्षेःयात्रभावादी। व्यवाःक्ष्वाःनेभावःनेवाभा श्चे हिरमें। वे वना श्रे या लेव रा लेवा निवय के या रे ने वि वर्ष मश्यस्य वश्यस्य वर्षे व हो में दिव श्रम हो न प्रति न कुन्य था से स्था विमः मुयादरावाधुरामुयावेशामुरावाहेशामुरा। वेरामुयादरासुरावनया न्गर क्रुव महिरा ग्री स्राथ स् हे नईव स्याय में त्रुव में में लिया नि सक्त विभागान्याम्यान्याम्या निर्देश स्थलित सम्यान्यान्या निर्देश कें हे नड्व मुी पुरा कें है पु इन्न वे माधेव मश् षा हिते मुदे कुर या हे न न्वीं या ने न्या या विवा विवा के ते निवा के विवा के वि

विशक्षेत्रः वर्षः वर्षः विवा हे वर्ष्व क्रीशः र्से वा से वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे ग्नु'नक्कुन्'स'वेग'मे 'सर'कद'म्स्रिय'त्र्य'सु'येत्'वेद'वेद'र्यम'र्देद्र्य'स्या स' हिंगाने। याभी याभी यामुयाया नु हिंदाय न मुन्य देदार या भूदा ही। वर्षिभावि । वार्षि न श्री मा सु इत्र त्या न प्योत न प्रमा वार्य न प्रम वार्य न प्रमा वार्य न प्रमा वार्य न प्रमा वार्य न प्रमा वार्य न प्रम वार्य न प्रमा वार्य न प्रम वार्य न प्र सर्वास्त्राचरारा देवा ता सर्वा स्त्रीता ता न्वा वसरा उत्। वि स्तर ता स्तर वे र नेरहे नर्द्ध नर्शे अर्दे न अर्थ अर्थ निर्देश निर्देश निर्देश न्दः नश्रुवः पदे : कः क्रेवः वनादः दे : धदः नह्दश् न्याः व्यवः व्यवः विः सर्वे रः यसःम्याया यसःम्याया यसःम्याया यसःम्याया वशर्चेत्रा सम्रुखं के ग्रुशं भी स्ट्राया स्टर्स्य स्ट्राया मिल्रूटर्स्ट्रेंबर्धिः कुल्यः चुःचर्लेट् बेर्य्यम् देख्यः द्र्यः ये विद्याद्यात्रम् नन्गायार्भेन्यमार्वेन्स्या निमारेवेन्यनायमास्य स्वाति निमार्था र्विट मी श्रास्त्र हिंदि स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान ञ्चन डेना मुः समुः र्सेन डेट वें नाडेना नतुनामा नेर समुदे सम रना धेन धेत्रव्दानानभूनशक्षात्र्याम्याव्यात्व्यः इस्यश्चेत्राक्ष्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्य नद्वन्त्रीयने क्रय्याया क्रेया श्रुट्या श्रुट्या स्ट्रिट्या स्ट्रिया स्ट्रि रे। ब्रिंट्-भ्रे तर्वे त्या ने मिंट इयय कु ग्राय के या के या यह के निर्मा वर्ष राप्तराष्ट्रेव सं प्रवेश समास्त्र विष्ण विष्ण

श्चित्रदर्भवत्रदे। देव्दर्गवर्द्धर्मेर्योः श्चित्रश्चर्त्दर्गिर्मेर्गिष्ठ्यः ग्रीभासम्भुद्रान्द्रभेर्यानाहेश। द्वेष्मद्रम् समुर्भेन्यर तुर्वेदेश्चर नहरा विदेश्हरकोरानक्षित्राचा गुरादारिहरानहरानरा गुराया धेदा ममा भूतमाकुरानी इरार्सेर बेरावमात कमायमाय विमाप्ता परे नु'वर्ने'क्षेरम्हे'नर'र्षेर्'प्रथायमु'ग्निव्या ठेग्।क्षेर्या भेग्।वेर'नदे'र्षे यो नहरमा सुनम कुर यो हर से नम न में न में न में न में न सक्समार्वेद्रव्याद्र्यामा व्याविमा व्याविमारमा मार्येवानी प्राप्ता ना र्रे विग नर्डे अत्र भरे र अशु नर्जु नर्भ वर्ग नर्जु नवि द अशु दे ह्ना अ यर्द्यायायुरक्षे देख्यायायेयव्याहेष्ठ्याये स्टार्च्याये न्वाय विन्नर्भेर्ने विवान्त्यान्त्यावयः वर्षे के शक्षेत्रः इस्स्र रहे से हि न न विव सुर वया न्या के खुका कु से पूर से दिन प्रते हिना कुर । र्केशः श्चिट्रियः वार्तेरः सान्दः वातृदः रवाः हो द्वेरिकेः अः शि ग्णुरक्त्र्यक्तियः कुर्या कुर्या सुरुषा त्र्या क्ष्र्रित् हिर्यो प्राप्त हिर्या देनन्यस्थास्यस्य द्वार्स्य स्था । अपतुन्दर्भात्रे याहे सास्य देन सूनसः कुरायाञ्च प्रसुवायायार्शेषायायवे केंयायरार्शेषायय। देराहेप्रद्वारी नमन्भास्त्रम्, भू विदार्षित्रमाया यदास्रम् संस्थाय विसाक्त्रम्

भ्रेया न्यासे सुया दुःसे त्यानुया विषाता निषा ने सार भ्रेर किया भ्रे। देव वर्दरसेर्न्न ग्रुट्रिंस्याम्बुस्र व्याद्वेर्स्य हेन् स्त्रा देन् हुट्र द्वर्ट्स वि षर वर्गेन्य सेन्दें ने स्वर्ग सूर चुर न क्रिन्द्रें क्रिंश सर्वेद प्रश् र्देन्यायुरः भ्रेंव उव र मुगा बेर वय श्वित है। विराय रे भ्रूर लुय प्रया श्चित्र निवास्त्र स्वाप्तर विष्यास्य विष्याः प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत न दुवा त्र अभेर न अनु न दुवा प्र भ व्या अन्य व्या न स्वा अन्य विष्ठ । विष्ठ विषठ विष्ठ विष यरन्गायात्वरा नेत्रयात्रयात्वरेत्यात्वेत्तरात्वेत्तरात्वेत्तरात्वेत्तरात्वेत्तरात्वेत्तरात्वेत्तरात्वेत्तरात्वे यार्षियाः न्ययः नः वियाः न्नः वर्शेया यः न्ययः श्री वः ने। ध्ययः नुः श्ली न्यः वयः यळ्वः र्शे विद्यास्य से स्वति मात्र प्रविद्या क्षेत्र से से से से से स्वीत्र क्षेत्र से स नन्रः विदः देन् ने स्था देख्य वस्य उन् में ग्रें र से द निर्मे र न र्वेगासर हे नद्व राग्ने अ र्वे अ रे ने ने न ने राज्या वार्षे वार् मैश्रेत्र वुर्वात्रा द्यमाक्ष्यायार विश्वात्र प्रिता हेर् साञ्चर यासूरानराग्वसामसानाष्ट्रीतात्रस्यायाः भ्रीतार्थे गृहराते। नातृरातुः प्यराध्यसा वर्दर्से महिमा ग्राम्या प्रविमा हिमा हिमा हिमा निस्ना मी स्ट्रेम हिमा नमासुरागुरावहुः सातुरामरात्रम्। देरामित्रेर्भार्म् सान्तुर्भामार्डरः तु

द्रिम् भ्रायमाञ्चा हे सूर्वमा कुरावी सम्प्रम् विवास वार्षेवा प्रमास्य स्था र्शेटा श्रेटायाकेंशार्वित्र इवायटालु सानुश्रामाया हेवालेगार्श्वेन द्वेन ही। र्धेत्रन्त्र्वान्त्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित्र स्त्रित् देन रमा विश्वास्था के वासे निष्या के वासे निष्या वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास व क्रिंगानियः अविवाशीयायः स्ट्रेंट्या यत्यः क्रिंगानियः अधिवात्यः श्री ब्रिंद्राग्रीयाद्रिः क्रुवाया क्रुवा वेदः तथा विद्यात्रीया वेदा विद्यात्रीया विद्यात्रीयात्रीया विद्यात्रीया विद्यात्रीयात्रीया विद्यात्रीया विद्यात मर्वि च्रमात्रम् रेटर् प्रचे क्रिंद्रम् प्राप्त स्वामा स्व मुर्थाद्रश्रात्तराश्चेशात्रश्राद्ये भूव ग्रीशाद्र क्रिंशा ग्रीट वित्र ग्रीयाग्रद्रायो में ग्रियामया के प्यदाया ग्रुद्रा दाधिवावा हे वृत्रे से हिदे हैं न श्चेग्रयात्रया सेस्रया स्टें रास्तर श्चें दाया विवा पिदा ने साम्या विदासरा नेरःक्रुगाःगश्रुरःनश। अर्ळदःर्वेशःयःउंशःग्रीशःन्नवशःधिनःनगवःकेशः हे कु हिर र हैं वा वय अर्वेट न र अ ही य सूट न ए हुर न हुए। त्रा स सर्मिराय्यास्तराय्यास्य स्तित्र द्वा स्तित्र स्तित्र स्तित्र स्तित्र स्तित्र स्तित्र स्तित्र स्तित्र स्तित्र स शुरुरायि श्रुवान इवा विवा हु र्शेट वर्त्युट्या दे स्ट्रेट वर्ष्य होत् हेट व्येट्र प्रदे कें। वर्द्धरःहेवात्यःश्रवाश्वाद्यदेश्चितः स्राधे केत् सराधे त्या ह्या स्राध्या ह्या स्राध्या ह्या स्राध्या ह्या यह्रम्यमा नेरः दुन्न्यः स्रुयः त्रमः त्रुयः यमा विवाः ग्रह्मः याव्दः। नेरः

धुअःमुरुःअःमर्जेन्द्री दूःर्रःमदेः श्रुवारुः न्यः मङ्गः द्वः वाः विवाः धेनः यवाः ह्यार्थाशुर्वार्थ्यर हे र्हे या उदार् प्रति । त्रुः साशुयार्था वेषा प्रश्नार्थे राष्ट्रीया वर्दे त्यामान्स्रसामान्स्रसामान्द्रम् न्यान्त्रम् वर्षे त्यान्त्रम् हे नद्भाना म्बर्ने में म्योगियाश्रम्भे म्योग्याश्रम्भे म्योग्या स्वर्धियायाः स्वर्धाः प्रया हिरानमा हिंदा के अभिरान स्वामित महीर द्वारा स्वामित है। हैं ना नी हुर न् भीत्रत्या मिर्नियाक्ष्यायार्वेदयायायायात्रान्। ययासुः भेगानित् सेन्। न्व्याना विवादीर विभागमा ने मान्ना में सानि हैं नेर्स्नाप्यार्थे दूं नाके दार्य दे नगदा हुर है। दि स्मानर न्त्रा हैं नाकें न याष्ट्रिंदाग्रीशाश्चेत्राचराकुतेश्चेत्रायालेगार्श्चेतागशुदानशा हेगामीश्वारीया द्यग्रथः द्वेरः विर्दे र्गेवः वर्षेयायः नियाः वीयः व्यः द्वर्यः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः र्रे दर्। यसर् श्रेव तिर नकु द् उर्ध सन्धुनमा वनुयान दर्शेव स इययास्या ययाद्वययाळ्याच्या व्याययाच्यायाळ्याया निवा निस्र वास्ट्रा दर्भ दर्भ दर्भ न इस सम्बन्ध स्वास प्र विस्तर स्वास स याश्चित्रपत्रम्रः व्हंग्राश्चान्यात्रात्र्या हिंग्। वेस्पत्रे पत्रम् विद्राप्ते विश्वा मन्त्रायःयान्यस्यःद्याः क्षेत्रः च रहेः धेवः वाशुदः। व्यः स्रवेः स्रवाः ह्यासः द्राः नडर्भाने नगवा शुरानाया मार्से दालु मारामा से त्याया वी वा मारामा हिंदा

यास्याम्याराष्ट्रयाराष्ट्रयाराष्ट्रयाराष्ट्रयास्या देरः ह्रासार्गे वा वी साम बेदसा द्रसा से दा हो दा वी प्राप्त हिसा वृहः नः नृहा नृह्या अन्या ने सः सुर्वा अन्त्र विवाया विवाय वह्रं अप्याद्यात्र व्यादे वद्या से द्या से द्य र्चेत्र'स'न्रा न'कर'येग्रायर'र्नेर्या नेग् न्येत्'र्स्य न'म्ययान्य चुर्वे' मश्रुरः त्रमा भ्रेष्याया हिंद्रायमा छत्। दुर्ग्दरार्भः भ्रेष्याम्यापदान्यमारमा भ्रेमा देव ग्राम् भेषा केव से प्रमुषा मरा श्रीम र प्रमुष्य भेषा भेषा भेष वश्योः वश्योः श्रुवः श्रुदः देदः दुः सद्द्य दे हिदः त्युः स्रुथः वाद्यशः द्याः इस्र षरः न्वाः धरः क्रं न्वरः वावरः। वर्ने व्ययः भ्रुवाः चः व्यरः ने यः याववः वर्वे । न्यर-तु-नव्या-परि-न्तु-नश्रुर-सहन्। र्क्-नि-स्-न्य-स-न्य-स-न्य-स-न्य-नर्झें सम्याग्यादार्धेव नृत्व केव से साम्रोमा देव दे समय भी माले नार्देद या यगुर-५-नवेदयाया दें व हि द कुर-नवेव येग्य में। हिंद हेंग्य पर्दे र उवादे दिन हैंवादिया । श्री मार्स हिंदा श्री शासी शासी श्री । श्री मार्स हिंदा श्री श यानेयात्रा । रागुराबरावी से त्यास्यायाधिता । हो नागुराबरावी क्षुरातु नठन्। श्चिम्पाहेर-न्तुश्यावंद-वीः श्चिम्रश्चानश्चेश्व । सन्दरः श्चेत्र-दरः

द्यास्य स्वास्त्र स्वर्षा सिंदा हेवा स्वाप्त स्वर् स्वर्त्ता । हे स्वर् स्वर् मु मु स न दु र स न तु न स । हिन् स र से हे सू न स र दु र सा । इन स्न न स निरा । नसर विन ग्रे सुमा न वे स सामस न परा । से वि वे वे सं स उत्र अर्केन्। । हे तर्रेन्ट्र शै. हे अर्डिन्न क्रुन्य श्वेट्र । खुअरहेन प्रजेयापान्ट्र न् नसूत्रत्राण्या । श्रेस्राक्ष्याक्ष्याक्ष्यान्याक्ष्यान्याक्ष्यान्याक्ष्यान्या नव्यायार्थाः भून्। । यार्थाः द्वंते स्रुवः याक्तिरावया । यळवः र्वेयायाः नःररःग्रेशःश्रूरःनःदशुर्ग विरःक्षेःरनशःग्रेःक्षःशःधेतःयःवर्ग ।यःश्लुदेवः उव मी विनय दुर है। वि दुन मुं अर्घर न मु र र न स्रा विय भी र म्नेन'अ'नबेव'र्'तम्बामा । बर'बेर'मे 'दर्य' कु'अ'अकेश'रे। । खुर्यारमा मी विनय में मार्थ प्राच्या । श्रुम्य मिन्द्र स्था सहेया प्राचित्र मार्थ विन्त्र मार्थ मार्य मार्थ मार् नेया । भ्रुव नकु न ग्री नान्यय म्या है नाय स्याप्त । विया ग्री नाय । र्शेग्राम्याम्यान्यान्याने प्येत्राते । १ प्यत्र कत् इतः वतः विवासमः विभाने। नर्डेशयास्य से सर्वेद न्या स्ट्री रहें स्वीता त्वर् मा धीत हैं स्वास्य নগ্ৰীশ:ৰ্মা |

ने पा हे न दुव ग्री अप्तर के शुअ दुः हम् न कु न पा पा अप प्रदेश्वन अ

इरर्रेग्नि नेरर्वेनविनदुः स्वितेनरर्रमत्वामा वेरथ्यानमा रायात्वारात्रेयायायोगात्वरायरा गुरायात्रा वर्षे । स्त्री वया हे नई व री या नियम नियम नियम सी नि खुर्अःक्षेत्राचनान्दर्यान्ययानाधित्रःवेर्यान्यस्यानान्दर्यान्दर्यम् ।दे त्रशहे अर प्रते विनयः इट त्र शर्चे त हे व्ययः दुः है वा यदट ध्रवा यह हा ध्यय: नुः सेन अः मदे के । अः यन् अः न्यः क्रूं मः ने वेः में स्वा अः ने वाः नः नुः यः तु ने सम में मार्थिय मारा विया पर्या मारा या सूमा सह र रे विया या हैया रेगा'रा'गान्द्र'त्ररा श्रेग'रा श्रुट्या श्रुट्र'रे सेया राशेग्या श्रेट्र सेट्र'विट पेंद्र' मदर.लेक.प्रिमी लेश.रोश.योधेश.ग्री.बुट.सेक.बुयो.लूर.स.शेश.ग्रीर. वरेनशः अनुश्रानरः वर्षा अने दे र्श्वेत र्मा धेत ग्राम हे नईत लाकेंगा वहसार्थेशनतृत्वरात्वावानाः सुराह्येत् छिता विताने । अवेशनत्वरा भ्रेयानदेः कन् नुषा मॅन्यायाया अन्तरे से संविता हु ह्वा न नर्झें अर्थायशर्दे न् ग्राम् के म् स्था क्षेत्र या व्यापद दर्गे स विवा वी शासुर्थ गवर्निस्त्रम्थानविव ग्रम्थान्त्रम्थान्त्रम् न्द्रिन्गवन शुन् तुरुष्य स्वर्षा स्रुरुष्य स्वरे द्वीद्रुष्य स्वर्ष सुरुष्य द्वा स्वर्ष द्वी से से दि मी दे हे हमस्य या भें वा से यदे हिंद दुम हु मा सम्मान या यद हों दि से प्राप्त हो से प् इस्रमायार्षेत्रपाधिता नेरावे न्त्रीते नरातु वृत्याम् स्थानित विष्ट्रासूत् यह्र वर्षा न हेर् । त्युरा इवा वेरा न हेर् सरा सरा हुर । ता रहा द्वा ने विंत्र हेन ग्रे पो लेश लन् भे मान्त्र ग्री श म्री त्र श न हुश राय दें न मुया नकुषायदाष्परा हे नद्धन हे न न ने न केन में वे हिर हे पहिन पानहन पर र्दर्वराची किरादे वहें वाच के या या वर्षे वा या यद से वा या मदे भ्रेरिने से दे न्यर पुर्चे वा देर में विष्य है प्यार्वे व व या प्राप्य भी है र्बेर दर्ने विर दर्गाया हे नहुंद ग्री श्राम्न हे ना मी श्रामा स्था ग्री हे र्बेर ग्नेग्रथात्रथात् प्रवादार्थार्गेश्वात् मुद्दात्रथार्वेत् से स्द्दात्रव्याया बुद् नुःभूदः नः यः श्रें नाश्रामिते रें तिसुवा पदः नश्रुवा ने नश्रास् र रें व्यास्य र रें व्यास्य र रें व्यास्य र रें बॅं यः बॅं न्याया संदे प्यंत निन्ना सर में या विनय में ना ग्राट गुर्य या भ्रीत में विन ममा ग्राम्य से के नम हे के प्रमानिया हुए विस्था हुन विस्था है । <u> ५८.लूच. यरवाः भू. ६८.लू. भू.वाश्राचाश्राचाश्राचाश्राचाश्राचाश्राचीशः हैः</u> मभा रे बुर हेगान गमय विगार्विट इससाय ग्राम हे र हेर वर्षा हे य्याश्चर्यान्द्राष्ट्रम्बर्ध्याण्येषाण्याराष्ट्रीत्रात्रे। याश्चराश्चरायान्यस्यशा श्रेदे मह हे श शु १ दुवा हे व श रे भी वा व खुवा थ विवा व दु । व छुट व द धुरविरा अगुरग्रीमशुरविषाग्ररग्रामश्य स्थावनशः दुर रुश्चेन या वा

म्रोत्राराष्ट्रीत्रम्ययात्रेर्ध्यार्थे त्यावर्षित्। त्यात्रे नुरात्रे न्यात्रस्यायया हिन्द्रसम्भासायने यह न से न यह माना यह राष्ट्रमासाय हे न दुव स्था सर्वेद ना सद विवा वर् वा स्था स्था स्था वा सद दे । वर विगायमामाम्बर्धम्यानाया इसामास्यानवि रस्यायमामानि नम्मान्त्र्य इस्राञ्च्यान्दरः भाग त्रुया विंदात्त्रस्रसाया त्रित्रा ध्रायायात्त्रस्रसायी सायाद्रायात्र् ब्रेन इंनईवर्ग्रेयाग्रम क्यादर्रेसन्ग्रमाययानने नस्तुमा विवर नन्गः भुः निस्रसः नने व्यासः सम्। विः नः यः सैनिसः परे सम्। स्रा गश्रम्या ने न्या कु नम् नु नि भू यहे वे न्या गुरू न होया ग्री या सम्बा ने हे अ धुल में ८ ५८ ५ ने व भिरो पाव अ श्वर्के पाय भारत इसय शु में व निर नव्यायात्रम्भितायापारक्षेत्राचायाद्या कुःयाराइस्राचे के प्रायारा व्यापायाविद्याचे अरहे नद्धन्यान् अर्थते सुना नद्या न्याया अद्या कुर्या ग्राम्प्रीतः त्रे त्र न तु ग्राया प्रदे भ्राया भे प्राप्त है । यह व प्रदेश प्रदेश विद्या श्रीतः म्रोटशनश्रीया कुनर्नु पदीन्यना श्रुट्ना दे। दसाईट सूर्व प्रश्कर्ये वाश्यापर प्रमुद्रा हे नईत् मी क्षेत्र या पर रमा सके द न मुद्रा न न है। गुरःबरःमी गठन कुरःस्याया खेराखरमी रसाईर स्याया ह सेरि

यन्ते क्षेत्र म्याया क्षेत्र विदेश्ये प्रम्य म्याया क्षेत्र विद्या विदेश क्षेत्र विद्या क्षेत्र विद्या विदेश क्षेत्र विद्या क्षेत्र विद्या विद

रशकुर न न । यरश कु श क्रे न न विन न विश्व मिया स न ह । कुन से सस न्यदेःश्रुव्यायःहेःश्रुव्यार्थे नाकेत्रार्थे न्दा श्रुव्याव्याः श्रुव्याव्याः श्रुव्याव्याः स्टाकुव्यः रश्यान्ता द्वार्यान्वराष्ट्रवायाक्ष्यायर्धेतायाक्षेत्रायाक्षेत्रायाक्षेत्राचा न्नःश्रेशःगुश्रःशुः वृद्यः पद्भेः श्रेश्राध्यः प्रेग्याशन्तः। हे हे स्निन्ता वृद्यवाः ८८। श्रे.चर्राक्षेत्रकुर.८८। ख्राञ्चर्यास्यास्याप्टरा ख्रेत्रचर्याञ्चर्यायायाः <u> ५८१ इया वर्षेत्र या थुया से ५८१ क्षेत्र वे त्या से वासाय के साहे ५१ की देवा</u> हैंग्रथायायरातुः हुरारे वेयायदेवा रयायावे नारेंद्रा यरया कुरा सुनया र्रेट कुट रम्यामा युष्य यानद हुँ ५ ५ ५ तु ५ छेटा। सुष्य से मे यह या म्री क्रूमाग्री विटाक्ष्या वर्षेटामक्षममामाञ्चाक्या वाचर म्रम्भाग्या स्थापतः र्श्वेर-र्-नत्र-में। १२-७८-भेदे-दर्श-न-दर्य-नदे-अर्केनाः हे-स्रमः संग्ना भे अधीव द्वस्थायन् यानिया कि शकें मेरा तूर्गी सद्वस्थायन्य ने राज्या विवा वे राज्याया प्रमुखाया हो। ध्राया विवा प्रवर क्षु क्षू व्याया हो। क्र्रेंत्विता धुयान् सम्भूत्रचेयायीयायानेयायाने संस्था स्वरामी देवा

यह्र प्रदे हे न दुव केव में प्रदे दे क्षेत्र या कर न म वे शु विवा यो या न न र नर-तुषा हे नईत केत से परि ते क्षेत न से त पह स न प्याप न ने स पा हेत धिव वें विश्वान्य प्रते भ्रे शानु केव में प्रणाण शुर में । हो पर्द्व परि वे न्ग्रारार्थे नक्तु न् इ स्विदे नर्नु न्व्यायात्र्या कु सं र्धे या नुदे र्थे या विवर्त्रभुमिनेग्रामदेखंयानभूवा गत्राम्वरम्यान्तरा नश्रेषायाश्रेषायापादी दुर वर्गणराया तुरारेषा । हे नद्वाया है राष्ट्री था मासामिक्यालासामिनातम् स्वादाविमामिसासीसाने स्थान् साम्यासासा मुश्रालुश्रास्य। विरामी निर्मित स्त्रीय ने मान्य नरा से स्वर्धास्य स्वर्थ कुश्यम्देशःश्रीःविवायाश्यम्दे।।

ने लाहे रमा कुराया दी हे नड्द सुनाया शर्मे गाया नत्न माया दे निरार्थे हैं नायानिन गुराबर मी सकर विद्या सक्त में हे ग्रामाया नेया बेरा यः श्रःश्रें त्र यं ने। ति र्वे र्रा या या वर्ष या वि र्वे वे वार्थे वा हो र रहेरा गर्विव प्रति के हिन्द्र मार्ग्या येग्य प्रम् स्य हिवा में न में ग्रिय हिया में न समातुः तॅ: न्दः सम्याप्तः स्वेदः केदः पॅन्। समः कुदः समः व्या क्या केवाः यॅव्राविद्या हे नड्वाकी त्यांदे अळअअ त्यां न्या से ळ माहे अ ग्री विदासे हिदे वें ला हे नड्व गुर घर में में मारें विनाव न विनाय पर पर समा देवा श्चित्रायाम्ययाहे नद्वात्यानश्चर्यात्रया यान्दात् त्रियाहे नद्वात्तात्रया

यायनम्यम नेमहे नहुन् श्रीमानुसर्से नहुँ सन् नहुना प्रभायेग्या रया ग्रुटा बेटा। हे पर्द्व ग्री ग्रुटा ग्रुप्य प्रदेश हो। स्राप्त में या श्री के प्राप्त के विश्व के प्राप्त के विश्व के प्राप्त के विश्व के प्राप्त के प् नु न दुग मा सु नि मा देश के मार्थ मार्थ मार्थ के साहे नि मार्थ से मार्थ के साहे नि मार्थ साहे नि मार्थ साहे मा वया ने वया हे न इव ही हुर नु सनसूर सर विर हूँ र इसया शु हवा विर नस्ता नेते के 'खार्ड' राग्युया ग्रुट द्वारी स्थारी या स्थित है । ज्ञा यार-र्-विर्वश्वःस्यायार्ड्यःयात्र्याश्च यायार्ड्य्यात्र्यार्वे न्याउव ग्वर वया व्याप्त बेद्रायम्रेषा क्षम्यवयार्यम्रेद्रस्यात्रयाषानुत्याद्रान्यार्याया नने सर्केना तार्शेना श्रामिश स्वे कुन त्याय ने प्यान सम्बाह्य सुन प्यान हो नहीं नहीं नहीं सुन प्यान से इट्ट्रिय्विर्यात्रा हे नद्भा की विष्यात्रमा की माराया से नामाया वर्त्तिवे के अने वा के अन्ति मान्या विषय के अन्य के वा का निष्या के विषय के वि केंश्रें र द्यु रें त्यश्र ख्र त्यश्र अवित् वित् क्रीश्र कर वर कु यार द्या ब्रिट्रावियायाश्चर्यवियायम् प्रिट्रायशा द्रात्रशास्त्रहर्या स्त्रीत्र स्त्रीयामः र् र्शेट्य के शर्रे मुस्रस्य कंट्य न्यें द्विष्य हे स्यासुट नस्य रूट मस्त्रास्त्रे महारायासहत्ते हे सुमार पुष्टी वावसातू रे प्राहे स गदिन्दिंशः र्रेनिने सुन्यायाः कदान्य त्वा व्यव्यायाः वाद्यस्याः स्यान्त्र नर्वान्त्रभात्त्रास्तरे दुरातु द्वेता के राष्ट्री रात्त्रा देश त्रास्त्रभात्त्र स्व

स्थान्यार्ट्स्र्वारायान्यान्य त्यार्ट्स्ययाने त्यार्थेन या स्यार् नित्। देवश्यकेद्रप्रायानदेखें वासून्यक्त्र्राच्यू द्रश्यक्रित वर्षामाववायासकेन्यायास्यास्यास्यास्यास्यान्त्र्राम्या कुरःमश्राहे नद्वं त्रियायायानहेत् त्रश्राहेत् म्यान्त्र न्यान्त्र न्यान्त्र न्यान्त्र न्यान्त्र न्यान्त्र न्या हेर्ग्येशक्ताम्त्रश्चरम्भान्यदेग्वर्म्यस्याम् स्थान्यस्य । ग्री:रुट:रु:रुगुरु:ख्रीं:नर:लुरु:सर्भा हे:नर्ड्न:ग्रीरु:ग्राटमाल्वःपःसरः यक्तिन्द्रित्यम् द्र्यात्रम् व्याप्ति । व्याप्ति व्याप्ति विष्ट्रे नड्रं त्र श्री अरअर विवा देर र स्वा विवा दिन स्वा विवा क्षित्र स्वा विवा क्षत्र स्व विवा क्षित्र स्वा विवा क्षित्र स्व विवा क्षित्र स्वा विवा क्षित्र स्व विवा क्षित्र स्वा विवा क्षित्र स्व विवा क्षित्र स् मुक्षाम् मुक्षाम् मुक्षाम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् मश्चारम्याद्वारम्यायाद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्यायाद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम्याद्वारम् यः व्रेतः ग्रे. तुः श्रूनः पार्वे : नर्वे यः यथः व्रिनः ग्रेयः यथेनः श्रूष्ययः ग्रीयः यः तयः वृत्। नेरन्वत्राञ्चर्यात्रे व्याप्तान्ययात्वायेन्यरापाळ्या

য়ৢঀॱळनःॡॅरःनःष। हःसःषः ५ ताळॅदः गशुरः য়ৢ५ त्रे।।

व्यापानःषः ग्रह्मः स्था हःसःषः ५ ताळॅदः गशुरः য়ৢ५ त्रे।।

ने न्या के निष्ठ ने अपन्य कुर विषय भीषा नत्या व्याप व् मदेर्भेश्वराभ्रें रात्रवावी केंश्रम्ययाविरात् स्था सुराद्यया वित्तु सेनश्रापात्र ग्वितः श्रीमायर्थिमा प्रदेशस्त्रम् स्वाप्ति स्वाप्ति । मान्वनायासकेन्द्रासी स्टान्निम्सान्या हिन्दिर स्वानाम्सेन पुरस्या वर्डेशःग्रेःश्चें करातृ प्यारार्वेग्यायत्व्याया देव्ययापरायुर्वाया नव्यायायायायात्र्याक्तात्र्याकेयाकियाकियायिताया देयास्रुवायायाव्याद्या स्व रेगा १ या न मा स्वाम र र्रें से र्रे मा न मा न से प्राम मा स्वाम र निया मॅ र्रेर न्या के नर नत्याया ही या हार न्याया या या विष्याया या विष्याया विष्याया विष्याया विष्याया विष्याया विषया यहयाविदा विर्मेर्म्यव्यायाये के के या कुषा देव के व सीदाय यह या व्यासूव्यक्त्रिं ग्री याद्ययायात्र्ययाः में या है न्या है रास्त्रिं वायायात्या त्रुग्राया ग्री स्थान द्वाना सुरा है त्र स्था वि है। सर्वे ना व्यव्यास्य स्थान नुर्रात्रं पर्वेराष्ट्रा वें र्रे सूत्रिन् नुष्यों प्रात्त्रा स्वार्थे सार्के या वें र्रे से सूर नःशुंबःक्ट्रॅवःक्ट्रंबःन्य नुरःक्ट्र्बंबःवगःरी यःक्ट्रंनःचन्यःरेःर्वःया गयोः केव से न त्री से स देव या वा री न न किया है है देव न न क्या स्वर्भ र न र र

र्रेन्द्रमञ्ज्यादेशम्भ न्वद्याय स्वाया यो स्वेयम्म निया ग्रुद्रश्रास्थः हे प्यत्र ग्री शर्ते प्रतर हैं ग्रश्या ग्रुट पो भी शर्देश सा ने त्र ने म् मालव प्यान के मान का सेव केव माना मान मान मान से साम के साम किया का मान से मान यटा बेर् अंबरके वर्श्वेव यय। यय येरा या यटता रेया याया सक्य हैं से से से पर निर्देश वर्ष र से निर्देश यद्वित्या र ने स्र्राया क्राया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वया नु नु र्से खू न्दरस्य विद्यु नुद्रम्य प्रे न्तु मन्द्रम्य स्थि न् न'य'नहेत्रत्रान्ध्रेंस्रर्भप्रभा से से में दें त्र्रास्त्र हें द्र्याने ने न्यान्य म्यायायार्थे। । ने स्वरायावन में नें न्यार नें प्राप्त विष्ट में नकुन्याञ्चन्रार्थाञ्च्यायायानेन्य्यार्थे। । स्याकुन्यान्यान्या मुयासदे से सूराग्रे के स्था स्यास्ट्रियाय स्याय स्यास्ट्रियाय स्यास्ट्रियायाय स्यास्ट्रियाय स्यास्ट्रियाय स्यास्ट्रियाय स्यास्ट्रियाय स्यास्ट् वेर'न'र्षे ५'त्रवर्। ५रें अ'ग्रे श्लें न'स्य अर्के न'ह्य अ'ग्रे अ'न स्व रहे अ'वेन' 

र्ये ही अर्वे नित्रे धुयामहत्य हैं नित्र म्या हिन्दा म्या हिन्दा हो सह्यास्यात्रमान्यम् निराम्यमान्यम् । स्वान्यम् । स्वान्यम्यम्यम्यम् । स्वान्यम् । स्वान्यम्यम्यम्यम्यम् । स्वान्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम नः क्रुं द्वेरः रुं दः द्वारा अद्या क्रुयः द्वारा रुद्धारा येया विष्टा द्वारा रुद्धारा रुद्धार रुद्धा

मदे विया ग्री विष्य मित्र में मित्र इयादर्रे राम्री नगरा धुना के दार्थे रामबुना या या विना नायर प्रमें या भी श्रभःश्रॅ विवानीयावनयार्नेवायह्न वयाहे रस्य छूट प्रवेश्व स्र रखें है नुः इः ध्रः ग्रायः दर्षेत् सह्दः दे तिर्दरः वस्य र उदः श्रुदः विदः वव्यायः यः धेवर्ते । हे नड्व गर्दा प्रश्ति प्रश्नेष्ट्र ड्रायदे श्चर् ग्री श्वाय हेतु सिम्राबेशानुनात् या स्यासुसारान्यराधुना हेशानुनान्रा सुसासार्से हिः सपर वेश श्राचित्र श्राय विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र वि र्देगा हो र तया श्रुट रेष्ट्रेन स्रुवा र्ळाया नु रेष्ट्रेन खुटाया सु न्यराया नु राष्ट्रा सर्दिरमामिक्षाम् । वे स्वर्मिक्षाम् । स्वर्मिक्षाम् । स्वर्मिक्षामिक्षाम् । स्वर्मिक्षामिक्षाम् । स्वर्मिक्षामिक्र वयाहे रया कुराववे श्रुव श्रूर हिंदायया निवा हिंदा ग्यायायाये श्रेत्रायमा निर्मात्र में स्था स्था न्यार से सिर्मात्र स्था न्यार से सिर्मा याद्यायाद्वेत्रायासहयाद्याय्याचेस्यायार्थियाःसहरादे। वयासहयाळहा यासर्वेटास्याम्बुसम्बद्धाः सर्वेत्राम्बुम्यास्य विवारे स्थास्याम्बर्धाः विवारे स्थास्य विवारम् सहरायरात्रायर्थाते वर्षाया प्राचित्राया प्राचित्राया ग्री:प्रेंब्र-नद्याः प्रग्नुर-भःद्दा वयाः देदशः शुः क्रेंब्र शःयः ग्रेंब्र-ध्या विदःयीयः हे नात्र सार्द्र स्वर कर् विंद्र से दारि के सार्द्र मार्स सार्वा सुद्र हिना ग्रम्याश्यायाः सेन्स्रम् स्यास्यायानेवायाहेयावान्त्रयावा स्यास्यायानेवायाहेयावान्त्रयावा

नेवेर् रुश्व कुर्ने मङ्गु कुं वर्ष न बर न सम्मान्य मार्थ सम्माने कुर्ने र गिरेश'गा'त'के। शुग्राराहेश'ते'शेसर्थ'ठत'वसर्थ'उट्टिश'स्'व्हित'रा' विगानव्यामा यरमे र्से र्से नियम्बर्गाम स्तर्भ स्त्री स्तर्भ स्त्री स्तर्भ स्त्री स्त्र केंद्रिः भेर्द्रभर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर्द्रभ्रद्भर् श्चित्रभू मे अर्घेट प्रमासे समायायम् विटा श्चित्र प्रमित्र पावम् या से मान्य यान्स्रराट्याः स्टर्स्य स्टर्स्य द्वर्याः वर्षा वर्गाः यदेः धेवः श्रेः स्वाश्रुद्यः मशर्देन सर में वियान या वर्षा न श्रुण या प्याप्य मित्र केता सरदापर वियान्यानित्याः श्रुतायनयः विवासित्राः विवासित्वायाः हे सवार्थे व्यापितः विषात्रशाग्रम् मुग्गम् ग्री ग्रुन र्वेन केत र्यो विषा धित है। हेत वर्षे वा धित । दं अ विवा वी अ सव र्चे वा अ के न अ चुर न र्षे व वा शुर । वरे वा रू स कुर य ८८ सून संस्थान स्वाय से स्थान से प्राय

युर्-र्श्वें स्राची है स्वार्से ग्रुप्त न्यार्से वार्से वार्से वार्से स्वार्से स्वार्से ग्रुप्त विद्यार्स विद्यार्थ विद्यार्स विद्यार्थ विद्य विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्थ विद्यार्थ विद्य विद्याय्य विद्य व

म्यायायायाः स्वायाः स्वायायाया वाचनायाः नवनः स्वायाः स्वयायाः स्वया बुर्या कु'न्यर'य'य'न्तु'र्ळन्'१३वा शे'य'सर'धेव'न्रा'वह्य'न्यया सुर्या मन्यायाराधी प्राप्तवाया भूरा हैं नर्से प्राया ने सर्के वा प्राप्ता कें न यामिरमार्भेन वर्पार्ट्यं यात्र्रायात्र्यं राष्ट्रमाया वाव्या वसर्यायायावात्रम् वर्षेत्रस्य वर्षेत्रस्य स्थान्य वर्षेत्रस्य स्थान्य न'य'ग्रोबेर'श्र न्गे'नलेश'कु'य'रेस'श्र हैंग'य'न्ग्रेस'हैंर'क्सस्र ग्रथर, है। देव.क्. यान्ययान्याया श्रीत्याय श्रीत्राया स्थान मुव्यायमायन्यायम् मेर्वाच्यायन्य स्थाप्तायन्य स्थाप्तायम्या ग्निस्रराद्याःव्राध्याम् त्रार्थः श्रुः स्रुराः भ्रेः यसः म्रुराः विद्युरा न्याः विगा ग्वरा गवर इस्र श्रार प्रायम् विर में विया द्या स्य कुर परे सर्जुंद्रसहयान वुरापस्य भे इसस्य देने नहुंद्रप्र सुद्रद्र द्राप्ट्र नमासी सहयाया के ने सामिताया सहया दिने ही त्यस मुल्ला न यश्याद्यावियात्रामे हे अर्दिन्न्रथ्वायर्दिन्न्य खेँन् वेरान हेश हु न'ने'हिंन'ग्रे'र्स्रेन'सर'वर्ग है'स'ने'हिंन'र्'द्ग्य'मश्राम्स्राम्स्रेव र्वे माश्रुम् वर्षा वर्षा न्त्रा न हु न्रस्य माया सूत्र न हु न क्ष्म न स्वार्य के वार्ष वर्षेरःग्रहःत्र्युः नहरा दःवर्देरः अः श्रृदः धरः श्रृदः। दः अः भीः नवेः नरः दुः ह्यः अन्दर्गद्रअभारमाम्बर्ग देव्यम् कुषार्भे त्यासहे रेवि नर्भे द्

शुरःळंदःयःविदःय। गद्यश्रादार्जेदःदुःसःवश्चरःगश्चरःदे। दिःवशायवः म्र्रिट.क्ट.चेया.ज.ज्.चर्य.चर्याया वावय.म्रीय.चस्रीय.चर्यार.म्रेट.त. यार्रेया'ग्रम्'रुप्ता प्र'र्नेदे'याम्रा'यदम्'यत्वार्या हिम्रह्म्'रुप्ताम्ब यार्ग्रेटायह्वाग्राटासहित। स्रूटायायेने यार्थे वासामासे वास्त्र यर थे न्यानु अदे वियाम् विम्यान निम्यान मुन्दल्य दे अर दनन पान्ता वनायः क्रुवः कर्यः प्राप्ता व्यायः द्यायः व्यायः यः श्वःमेरिः नुः निने ना यः न्यः श्वरः श्वरः ययः देरः नश्चे यः न्यनाः नुः सेन्यः त्र्वेत्रते । विद्रास्ट्राच्या स्थान गर्रास्य मु: धेवा श्रेमः गर्याय्य गर्विवः र्याय्य स्याय्य स्या यर में यहरी है ज्ञा हु हु र कंट न न द यह य न सून न हु न ही यान्सर्याः ह्रियार्थाः प्रमः हिन्। यात्रर्थः सुयार्थः हिन्। स्वार्थः सिन्। मॅरि-५-५नर-मी-नेय-र्ना स्वयास्य द्वया द्वया स्वया द्वया है या प्राची स्वया स्वया नु शुर्न नवे रहे वा विस्र राउदान्या देश या गहिरा हुन नविदानु शुर्रानिके निक्ति वर्षा अप्ता रहा से अअअग्री अे विहाद वा प्राप्त भू दहा सुर अ न्वेर्येन्न्निंश्यदे नयस्य मान्त्न्न्। क्रिंशवस्य राउन् क्रें न्येन् हेन

अळव्यास्त्रेन्यम् स्वयाद्यास्त्रेन्य स्वयाद्या । स्वयाद्यास्त्रेन्यम् स्वयाद्यास्त्रेन्यम् स्वयाद्याः स्वयाद्याः स्वयाद्याः स्वयाद्याः स्वयाद्याः स्वयाद्याः स

सद्देन्द्रस्य क्ष्य क्य

न्वायर में यरवा ग्रुट कुन ग्री से सम ग्री स नावव देव सुर सह द हिए। वे वग हु क्षूव न कु न भेव हु अर नर ग्राह्म अर अर नर विर कु अर पर सहरित्री । भरमारासरिक्ष्यरित्राचित्री स्रीत्रास्तरिक्ष्या । र्युश्रः हुर्। वटः सर्रे हैं च्याया था ची प्रवेश श्रुरः विद्या। सक्त स्रुरः च भुन्याशु निष्या वे निष्ठ निष्याया भून निष्या मुन्या मुन्या निष्या नक्ष्मर्या भेट रहें या क्षेट्र विवाया दूर रें रहें या द्वापा या राज्य वा या रा श्चॅन'न्सॅन'श्चर'त्य'श्चम्याहे'केन'सॅ'सर'स्यायाल्या सरद'नन्याश्चर' रयायामिरासदे। वनार्केशालुशा नुःश्रद्धाः मुश्रागुदः द्यादाया ग्रेः हेरः ह्या.सियोश.र्टा ब्रैयश.ग्री.यक्षेष.श्रीट.योशवी वेट.तक्ष्य.स.स.स.शुक्षश्र. नश्चेत्रप्तः हिरादे विद्वा श्ची प्रवारा रुषाया प्रवार दे व्याप्य विद्वा विद्वार विद्यार विद्यार विद्यार विद्यार विद्या यः श्रेंग्राश्चार्यः स्थाः कुरायिः ग्रान्यश्चार्यः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्था नुःहें न्रायानु अप्योर्वे सान्दार प्रहेषा अपने नु अपने क्षेत्र निर्मेत् पर्योत् । क्रियायान् क्रीशर्हेरारसास्यायायान्यायायान् व्यायान्त्रेताः र्डेगा परे रे के अंभूना निरमा सम्भेत निरम में निरम सम्मेत निर्म हःश्चें अ'य'श्रुव्'नकुट्'प्पनःश्चें र:ग्रीःर्ग्वेय'यअ'न्नरन्दःनठअ'य। युअ' बेद्रायार्श्ववारामाद्ययारामाश्चरमाउद्गामी र्श्वेनायाय स्टर्स हिर

ख्यायारी:स्रुव:नकुन्। याडेवा:र्केट:हें त्यःस्रुव:नकुन्:ग्री:वान्ययःपःन्नटः न्दान्यस्याप्याप्रम्यस्याप्रसाव्याप्यस्य स्वाप्यस्य प्राप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्व नन्ग्रा न्राहित हो स्वाया हो र विं न्या हिना नत्याया है किया त्या है न न्धेन कुर रें मिर्वेन रेर या पन्या पर पार्य पर रें प्राया या या विवा र्धिटार्हेदे-तुट-तु-त्यव्याशुअ-र्त्तिव्यादे प्रायाः स्नृव-तक्तुन् क्रिट-तर्यावट्य हिरक्रायदे स्वाप्ति रहा त्याह्या क्रिन्द्र्या क्रिन्द्र्या स्वायाया यावरःविरःखरःवस्रवः परः सर्दरः द्वा । ११८४ रास्य स्ट्रिवः श्रीः स्वारास्य विषयः क्षेत्रायात्रवर्षायम्भी विद्वत्या वारी वार्षात्राया क्षेत्रयाया क्षेत्रया विद्या य.भू.चेया.स.ज.जय.पचय.विय.जीया व्रि.सी.क्र्.दे.य.ज.ईय.श्रय.ज. र्शेषायाने। क्रेंयाल्यामित्रायानन्त्र दुः पेंदाने। दिन्य स्रेंप्तयान् हिंद वयानवाध्वयाधे सदानु चह केवासङ्घासही न्या श्रुष्ट न श्रुप्य । कुन वर्षेयायान्द्राच्यायाः हेयान्यान्याः विवाद्या द्रवदार्थेद्रयास्यः हेवाया मन्त्रुन्दुः इन्निः विर्मेन मुस्ना मङ्गेन् भूने स्थाया गूहि त्या हे नदुन्या ब्रैंवायदेन्तरन्त्रीयाकेवायार्यवायायर्त्त्वया वराक्रेत्या कुन वर्षेयापाशुरात्र्यायर्षेयात्रेयापाव्यात्र्यायाय्या स्थाया

मर्शेषानानिनाम्याम्यदासदे कुन्त्रमेषाम्यया वर्षानिन यर्रायात्राचिवायार्वेयायार्वेयायार्वायाया सर्वायस्य प्रतिन्त्र निर्मायसः हिंसामायास हिंगा प्रति हेन्या सर्क्रेयाःग्रीयः कुन्याश्चरया यानिवः हे यायवः न्यायः ह केवः र्यः सेनः स्थानियान्त्र नियान्त्र नियान्त्र स्थान्त्र स्थानिया स्या स्थानिया स्या स्थानिया स् न्नरःसहन्द्रभःगहिन्सभायावयःवर्षेत्रामन्त्रम्। क्रून्वियःश्चीःन्नरः मी रुषा शु शु शु र रिर्देश शु ग्रुटा श्रेट र निर्देश स्त्रुट सह र रुषा श्रूषा है । मक्रम् रव मुम् मवयायम नुम्बम ने केत्र में न्मा सहया त्र म के मासूर म यानित्रीः कें तस्य पन्त्रभिरानियानीयानियानिया द्ये प्रार्थिया मर्वेद्रायः ईस्यायः इमार्येदेश्य हुया ब्याया ग्रीया यद्या प्रायः दुया द्री हिंहे हेर न य से न से र त्युर पर सर न सह न सर द्या है यदे ते गा रेव रें केवे पा हे र सह । यह पा पा है या शे या विश्वा स्था शेषा रवःमावशा वर्वः क्षेमाशःमा वेरः स्वे अवः दमाः यः श्रेमाशः सः सदः रु सहि केंद्र मान्या मान्या मान्या केंद्र मान्य

बर क्रेंन न्दर वार्रे श क्रें अ वार्रे अ ग्री क्रेंन अ शे क्रेंन हैं कि ते। वार्ड र मी कुर र्रेट विद्युद्या अट र्हे मिडिया र्येट र्हेट रायट वुया वदु यहिया य यार्ग्वेना नेश नर्डे नकुर्याया त्रुया ने वार्ष्ट्रेव के कुर्य के प्रमुख्य र लट.र्या.पश्चरश.सुटा क्र्याश.कुर.श्रथश.कुर.श्रीयश.भूर.ग्री.खयाश.ग्री. वयास्रावदःके'वास्रवःप्रभा सेस्रमःग्री'वावसःख्वासःवेसा वदःइदे'विदः सह्दायशास्त्रमाः क्रिकेत्रे संभावस्थिमाः क्ष्मा व्ययायम् । ययायम् । ययायम् । ययायम् । ययायम् । ययायम् । ययायम् गन्सर्भाना प्यान्या याहें सूनर्भा हेंत्र त्यासून प्रति स्रेत त्या सान्य स्राम्य वनशन्ता श्रुप्तश्रुषाश्चि स्वत्यायापात्त्वशा वे श्रुश्राद्धायायाक्वेत म्ब्रियःविवाःर्यः वः व्याः भ्रेयः प्रदेः न्वरः नविः व्या शुयः दः सः विश्वाः यः विश वै.रू.क्र्यारीय हैं र.तीया हैं र.स्यश्विश श्रेंश हैं स्वर्थ यार्डेगार्रे खें क्षेर्या शुःब्रावेर कें नवे दुरातु सूर्वा व कुरा हिरा हरा व व्यानुद्रान्वे मान्ययान् इयया ग्री क्रिं पर्ने माया नव्दा

याश्वर्षा क्रिंशः वर्षश्वर्थः उत्रह्में व्यथः ह्युः स्वर्षः स्वरः हिंग्रशः विद्या याववः स्वर्थः व सद्यः नहे सः यरः निवेदः से के दः दः दि दः दि है नाः यः नर्डे सा सह दः यः वस्र र न निम् के स्र र निम् के स्र र निम् के स्र र निम् र निम्

यररम्भेत्रमार्ने इस्ते प्रायमे विषय स्ति विष्टे सामित रुषःदयः हेरः धेव। वुस्रयः केषायाः सम्यान्यः पर्सुद्रान्यः वेषः वेम हे नद्व तथा पान्सस्य महस्य हिंग्स सम्बेन हे नद्व सुी नगद यानश्चानायाद्वा देशानुदाबदारशायायानदेशकेंगासून्व नकुदा हैंग्रायास्यावरा देयाकुः विष्यास्यायास्या देया हैया के सामें रादेश हैंसामाध्यम्यम् स्वान्यम्य वार्यम्य स्वान्यम् ।

अट्टिंद्र प्रतिः श्चित्र स्वाविष्यः प्राची श्वाद्यः स्वाविष्यः र्रेट्या न्गुट्यें नड्र्न्गुय्यें मिट्रेट्यें अय्यें आ त्रुः अर्थेन्य पिस्रशाम् सुसार्ये द्रात्मे वा हेत् वर्षे वा ने वर्षा वा हेत् नुःर्देशनुःषःर्तेदःमशःत्रेदःग्रीःषःर्शेदःदशःहेदःपःनवुग्रयःपःद्वःस्य गर्भरःश्रदः सेदः स्वायः वर्षा वर्षिरः यः यः र्त्तेः वर्षा भ्रीः वर्ष्ठिरा वहिग्रयः वर्षाः क्रेंश हो द्राया व्यवस्या द्रया प्रमार्थ स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप नमा त्यार्ह्स्टरमंदे विवादमा हे से विदेशात्र मात्रमा नमा विवाद में त्रित्र वर्त्रेयःनः वनसः यसः श्रीः मान्ससः न्याः न्याः श्रीतः स्वतः स्वतः वर्त्तेयः नः स्वतः नकुन्गी नान्सस्य नानिस्र राज्य मेरे स्था ने त्या सूत्र नकुन् गी नान्सस्य ना यरी मान्तराया ही तारा भेरा है। यह तारा सुराया ही तारा भूरा हो राही। वर्षा मिं में वा हे कु में प्रवेश्वेश मह्म एक रामम् प्रवास प्रिया श्री राम्य व्या विन्यम् क्री क्रिंग्न क्रिन्यान्ययः द्या न्य वर्षा विन्य क्रिंग्न स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्याप्त ख्रुत हेना क्रे अपरि हैन अपराय में क्षुत्र त्र भा हिन् ग्रे अपनाय हे नि ग्रे उत्तर रुअअः शुःर्येदः विग ग्रायदः स्वायः ग्रेः र्सेदः रुपः रुपः निवः हुः दर्गेवः परः वर्गायमा नक्रुन्यः वेदः पदेः क्रून्य्वरगठिगानी कुन् क्रेवः परः क्रीभावः यान्ययःन्याः व्यन्त्रः भित्रायाः भित्रः भित्रः भित्रे भित्रः भित् वर्ज्जिन्यः वेदः प्यदः विद्या विश्वदः श्चान्य विश्वन्यः विश्वयः विश्वय देवे यः बद् केवा कुर्वे वाकेवा द्रा भुदः सर सेरः स्वावा वार्देदः दुः वे विवादः नव्यामा नेरः सर्केषा शुक्र सेरः मी 'न्रेस गुन' त्रा सरदः नहे मा सर्वि पर सिव्यास्य न्त्राराक्षात्र व्याप्तात्र व्यापत्र व्यापत्य व्यापत्र व्यापत्र व्यापत्र व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्र व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व नडन्'रा'हे'स'सेट'मेस'न्सर'नु'न्या'रा'मविन'नु'नेस'रन'य'ग्रह्म नेशपर्देसः द्वेतः नेतः केतः नेशरमा न्योरः द्वेसः रेगरेत केतः द्वेपः विस्रमा

ग्या भूर में राम्या मे न्गॅव्यळॅग्ॱहें यावर्गःग्रुचः अर्द्धः नह्यं हेतुःवेटः देवः से स्ट्रा न्यया नेश्वान्यायानने सर्वेना स्नुत्र न कुन् ग्री न्यन न न मान्यस्य यर में यावत केत सेर वो न्ययान न्य केत केवा हु वात न्या वा का र्थे खुट नमार्यं दिन्दार न के त्री द्रो न्यो न स्रूट वि मा समय न वि गुः न्या न। मुः अः नार्रे । नहें नः ना मुः अः नृगें वः अर्के नाः नर्राः अपवि । केवः केवः वे अः हें रः न। क्रेंशः क्षें नः क्रेंशः न्यायः नेशः न्या क्षें नः श्वायायायायायः वर्ष्युनः याव्यायायः नर-र्-नक्रुन्ने ग्निस्सर्भाम् स्सर्भान् १ द्वेते नर-र्-साक्ष्य स्पर्धेन पर्दे। ग्वन पर क्रिं र र्रें न र्रें न र्रें न रादे न्न स्वर्थ रार्री म्रा वर र र सून र क्रिं र ग्रायन र्यदे'धे'में 'वर्मा'म्'वर्ष ने 'द्रमा'म्'राथश्राम्मुद्राश्राप्तकायाम् वर्मा क्षेत्रायाम्बूत्रप्रेरामुशायळवातार्ड्यावेगान्त्रेश्वाप्त्रि । श्वर्शमुशासुर्द् यशयद्रशत्रात्र्यां शुरानकुत्रात्र्या हे केत्रारीं हिता देशार्था शुरानकुर्येत् मायाहे में विष्यायहण देवयाये है या के मिन के हिंग या पाया है । द्वेन्यश्यह्या देव्याचीरास्यान्वेग्यायाय्यदाकेंद्राद्वायम् इः इनकु न् स्रेनः क्षेत्रः स्रेवः यः यन् यः वयः व्यः स्रुवः यन् नकुः न् नः स्र नडुः इनकुन् से से श्रेषु प्राप्य या सेंदाना रसा कुर खुना सा ग्री नसूद है सा धिव दें। निर्ने अर्केना स्नृत निर्मु न निर्म र स्था कुर स्नृत निर्मु न शे स्नित्र स्था

## ผูม'ผั'ค'ฦๅ๑'ฺฆ'ๅร'คธฆ'ผลิ'ผูลฆ่

हे नई त से लेटे नु हैं न हमरा है अर्के न ह नाम र प्रे हे है साम है नःवी कुषानाष्परान्वेवित्यमा श्रुषाममा श्रूषामवे नकुन्वहेव श्रुमार्थे न। विश्वाश्वर्षासाक्ष्म क्रियारेविः विनाग्रीः में दाविसान् विष्ठाः निना केतः र्रे ध्रुमि डिट देग्र अर्थे नदे श्रू श्रू हिंद मिर्वे तुर सुर पदे छे। इ में द सुर-रेवि-रे-ल-बुन-पवे-८नर-रे-ल-सर्-हेर-रे-वहेन्-ग्री-मुल-रे-लुरा-नित्। ने हिन् श्री के रूट मी विकान क्षेत्र या विकान क्षाया क्षुत्र प्रदेश व्यायेग्यायान्य स्रेवायाम्। स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वायान्य स्वयान्य स्वयान्य स्वया शुःसर्रे से पर्ने बुर डेवा डेश नगद सुरा व्या के दिन वित तुर शुर प्रश ग्रम्भ्रिनान्नम्भ्राने अर्ने से यहेन सम्बया ग्री साम बेसा सून समाग्रम ৾য়ৢ৴৻য়৾৾৴ৼৢ৾৽৻ৼ৾য়ৢ৴৻য়৾ৼৼ৻ৡ৴৻য়ৢ৾য়৽য়ৢ৾য়৸৻য়ৢ৾৴৽ঢ়৽৾ঀয়৽য়৸৻ৼৠৢয়৽ नदे जुर कुन से समान्यत हु दें न जावें व तु ने वे हे सुस रें न न न येग्राराम्यान्य हुर्दिन्यविव तुर्युर्यः देः धर्यम्यायः म्रार्यः सेनः मदेः श्वेंतः रेवः हु। देः निवितः गानिगार्यः मेतः सेवः सेवः ह्वेः ह्वः नः इसः मरः न्वायास्त्रियरायस्यासायदे कुषारेदि नसूत्रायस्त्रीनसाया ग्रुट

कुनः से समान्यतः से 'हें गाः ह्वा सहें माले मानु नम् शुरु न स्वा गुनः हुन न ह र्रे विश्वानु निष्या शुनु म् कुन से स्रान्य स्राम्य स्राम्य स्राम्य विटा भ्रेमम्बर्धियः मित्राम्या विटान्या विटा भ्रेमम्बर्धियः विश्वास्त्र विटा कुयार्यान्यवान्याचीताचीयान्वेनायायान्येयात्यान्येयात्याचीत्राम्या नयर.कुट.र्थायर.वाधेनय.त.तत्रा र्थाय.स्यय.वीट.वि.टू.वा.स.४सय. यर धुव रेट रु पर्याय अर्बेट व्या कुय में केर वर्गे र रे वन्याय य चुर्यायायार्सेन्य्यायायात्र्याकुरकेर्याय्यायायाया कुर्यार्थे न्ययः नश्चितः वे रेष्ट्रेतः यः श्वनः यदे । न्वनः ये प्येतः यः न्नः वे रेष्ट्रेताः श्वः यहे यः त्रुंदिन्यविव्यत्र्राष्ट्रास्त्रेन्धिवासन्। त्रुंदिन्यविव्यतुंकेशहे स्रुयः र्रे नर कुर राया श्रेवाश्वायाया श्रूयाया द्वारा हुत रावे श्रु के रावा हु। सर र्रे धीर्क्षश्यर्युरिते। देवेरनगवन्तुर्वहेत्र्यः इस्रार्थः ग्रीराग्रद्सि हैट-दे-वहें वृज्ञी-कुष-र्ये-व्यावाडे अप्यय-वहें वृत्वेद-सर्कें द्र-यय-सहंद्र-या धेव दें।।

र्देन प्देन ने नियम ने राम हेन में हैं नियम न्या न सूर ही द्यमाक्तुः क्रेवः भें न्यान्यः क्रेमाः विन्ते ने स्वर्ते से हिरारे विद्वा की क्राया स्वरं र्देव धेवा दें क्रें या वे ने या दूर्या प्रमाण मह्या प्रमाण मध्या है। ही गश्रुर नवे देव दे जारा अयारा न स्थान स्थान

धेवा दे स्वान्य वास्त्र स्वान्य विकार के निवेष्य वास्त्र निवान स्वान्य यश्यन्त्रप्रदेश्यद्याक्त्र्याची व्यव प्रवादित्र मुस्य स्थित प्रवादित्य व्यव प्रवादित्य विकास स्थापित विकास स्थापित स्याप स्थापित स्थाप ग्री:र्क्ष र्श्वेश शुः क्षें रे व्या ने क्षेत्र व्यापर क्षेत्र ने व्यापर स्त्री के व्यापर स्त्री के विवास स्तर क्रुं नगा बुर्न न त्यार्थे ग्रायाये द्धाया नया निया नसूर्न सरा ग्राक्षे देवी प्याया गहरास्त्री गर्रास्त्रेजा धरास्त्रेज्ञ क्यारी धुसार्विसेजा बदाके खुसा यिष्टेशायाञ्चरार्ये याश्चर्यायिष्ट्रियायिः यार्यः यस्त्रायाः यार्थः याय्यविष्या मर्वेद द्वेर द्वार कुर कुर महान का मान का मान के कि कि कि कि में कि मान का मान चलेशयाया सुःहेरिःहेर्नुःस्याचलेशयदेर्नुशःहेर्सेन्यर्भयाया त्रुग्राश्चर्भे है। है ज़ुरु जुग्रायय प्रोप्तिय ने अपहेत ज्याय होता व क्रियाः ह्रियायाः यहार्ता द्यायाः स्त्रित् द्यायाः स्त्रियः स्ति स्त्रियः स रेव केव क्व व द्वा अप्य र्शे वा राय दे द्वार अर से प्यार वा राव दे द्वार 73.2.3र.ब्रियायायुर्विवावया व्यायायायाया सुवार्वयाया सुवायाये मश्वान्त दुःगशुरार्च सार् से पर्के रान दे हिरारे पर्दे दायर प्राप्त है। वशरमानी पुरानु र्जे व वश्यक्षेत्र विमान विषय । विषय विषय । श्रूट में माश्रुस वर्गा प्रवेश्माठेगान हो। वन में मालेश पर में प्रवेश सामे प्रवेश सामे प्रवेश सामे प्रवेश सामे स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वा

र्सर्यः रे नवर र्षेत्र द्वादायाया वेस् विवादा रे। क्षेत्र दे वेत्र वेत्र विद्वार व्यायान्याय्यात्र्यात्राच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र् वश्यस्य वर्षेत्र रहें त्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र प्रस्य वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र व र्सेन्नेम नेम्सळ्वर्षेश्यश्यिन्तिन्त्रम्स्यूम्ते। श्रूम्सेन्त्रस्यश वर्देन्'संदे'नबद्यन्तुर्'त्रीत्र्वश्रा ने'दर्'नदे'त्र्व्यत्रीं र'स'ने'ग्राट'त्र'र्षेन्' याधिवदियायय। श्वरायेदिवरो वेवरश्चेत्रयाचीरियायत्व्वायायधिवा यायमार्वित्यह्यानु द्वीत्यापत्र भे अर्वेता यायमा सर्वेत् हेत्नु सर्वेताना डेगान ह्रस्य प्रथा धुया कु के दार्चे राष्ट्रिया प्रणानु राष्ट्रिया नुया प्रथा ग्रम्भूनः भेवः हुः के न्वरः बुदः। वेदः वः त्वदेः त्यश्रः के नवेः रणः तुदः बेदः नःभ्रेशम्य। त्रुः या हे नहं नहं निर्दे निर्द नेरायसार् क्रिंग्न्युर्देश्चासार्वस्थायासुमार्स्रेयार् र्वेत्वस्य राज्ञ अप्दे प्दर् न विवा वी न स्वाय पर में या या है सह या र पर्वे विया प्राया यायान्ते देन प्रतामी मान्यसारमा मी सार्केन से नासुरा ने प्यरान हुन ने लु अ रा अ र्शेन् विवा रावे याव्य रा रा नित्री ह्या अ अ र्शेन् ह्या अ यश्रिमा नेस्रवर्गेर्स्स्र्र्न्युम् विवाद्यावर्गेयास्य व्यवस्रित्रं

वर्ष्याशुःश्चेन मन्दर्गे द्या श्वें द्वा द्वा या से देन खुर्या विदः स्टः वी या हैं द मभा हे नड्व न्द्रि साम्रे न्द्र मिश्र स्थान स्थान में स्थान इवार्सि वर्से ह्या सुरक्ष का निष्ठ है । वर्ष के देश है दाया में व्यापन विवास मश्युर्-पु-र्शेश देव्याचेत्-पु-सेन्यामिते हो नहुन्-पानेष्-राष्ट्र-वयाहोर्रे नर्ये द्वययके व ने ने के प्येव हुयायया स्था स्था होर् वर्चेत्रः सम् त्र ते देन त्र श्वारः न स्त्र । प्रश्ने न श्वारः निवा न श्वारः निवा न श्वारः निवा न श्वारः निवा न वुरःनशःर्देरशःयःधीतः वेर दें तः र र र पर भ्रायः धूतः तुरा सूरा र रे विरम्भामा दुर विगा चुर नमा दे सु समा सिव नमा सु न से दुर प्रामहा ने न्या देव देवा विवा वा स्टान्य में न्या के न्या है न इव समें र देवा वी से र वःचल्वारायर्गायया वार्यरः रुयः देवाः हः बुयः तुः देवाः वेराः स्वायः वया ग्रोर्यायदे द्राप्त के स्वाय स्व भूजारादे वराक से दावा शुर वर्षा भ्रीता वरा। करागा सूराया वार वर्षा या यवराना निने र्सेराधेवाययान तुरानु से स्वरास्त्र सुरान्त्र स्वरास्त्र स्वर स्वरास्त्र स्वर स्वरास्त्र स्वर स्वर स्वर स्वर सिव्यक्ष म्वर् में स्वर् में स्वर् में स्वर् ग्री भेट हे 'पेव माशुट। नर्शे द वस्य देव केव ग्रु न स्याय विश्व स्था नर्से ५ वस्र अपनर्से ५ वस्र अपन्त निस्त्र मास्त्र अपन्त मास्त्र अपन्त मास्त्र अपन्त अपन्त अपन्त अपन क्रियायायाद्वेयाययायायया शुर्वा विषय उत्तात्र स्वी श्रिया

ने अगुर-तुन्विरमात्रमा ने त्यान्तुमामा क्रेंत्रमाने स्रापेत स्रापेत स्रापेत स्रापेत स्राप्ते ने न्यान्ययाया वर्षे क्यया नित्रीया वित्रीया न्नरः र्वेन नमामुरा सरः खुलः र्वे व्याप्तेन केव क्वा कुव दुवा नरः नरे सक्र्यात्यःश्र्यायायदेः द्वरः सर्धः र्षत्रा द्वः रुः ग्रुटः स्त्रियायः सुः नगदः गन्ययाची गन्ययान्ययान्य । यह स्वत् व्यान्य व्यान्य व्यान्य । यह स्व नवे हिर्रे विष्णु ग्रह्म विष्णु ग्रह्म विष्णु ग्रह्म विष्णु विष्ण विगाः अह्न दे त्यः निरंदे ने दे त्यः विश्व स्थाः मा बुग्यः निरंग बुग्यः से नः प्रदे ञ्चायानम्भयामिताम् नुस्ति वर्षे मानि के मानि क भ्री मित्रा ही सामित्र मान्य सम्प्राप्त स्थान सम्प्राप्त सम्प्र सम्प्राप्त सम्प्र सम्य सम्प्र सम्य सम्प्र स यरम्बर्भरम्बर्भरम्बर्भरम् वे अवरम्बर्भन् वेर् केर् र्हे में हे नायर स्वाय वळ ५ ५ य द्वा दे न द्वा द १ य द्वा द १ य द्वा व १ य द्व व १ य द्वा व १ य द्व व १ य द्वा व १ य द्व व १ य द्वा ग्रीशनारिंदरनाधित। नगायनान्स्रश्रामणनश्चीन्दिसाध्ये मेर्निर्भाने न्दा क्रिंग्यारेसक्षेत्रपङ्ग्रीत्यायात्रप्तक्ष्त्रप्तारेष्ययासेत्। निर्हितः र्रादियातुम्रास्याम् वर्षाम् स्वरान्स्य स्वरान्य म्यान्य स्वराम् स्वराम् स्वराम् मी इर निर्दर्भव में लाय मुराधि । वर्ष कर के वा मुराधि वर्ष वर्ष वर्ष वर्षे यान्स्रसारमा तुसाराम् विन् ग्रीसास्र न्वर विन प्राप्त सामित्र सामित्र

लुय.क्या ट.स्ट.ची.खेबाश्र.चुवा.क्य.चुर.चेब्रूश.वाश्यट.वश्रा सवा.शुद्र. व्रीत्रस्य राष्ट्री निर्माय देवा यात्र हो निर्मास्य स्थाय निरम्भ स्वारम्भ स्वारम्य स्वारम्भ स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्य स्वारम्य स नश्चेंस्ररायराह्यायास्यराध्यायरादेसायरातुरानात्वारायात्वरायया वस्र अर्थ : इत् त्या सुर्थ : श्री : वावर्थ : विस्तर : विस क्केंत्र:पर:भेत्र:पॅत्र:प्रत:पर:भेत्र:५.५५:नक्केंस्य:भेग:गशुर:त्या नश्चित्रासम् विगारे या हुर बेरमारे मार्के गारा प्रा हुर या गार्से र छी। हेर्स्सरपर्देरम्याया वृत्याव वृत्यायम् देर्पात हुत्या न्या वि स्रेतः यश्रासुर्नित्वे धेत्राम्युर्ग है ह्वाम्यव्याम्य महर्मित्वे सूर्य सुर् वे र वे ग्रुप्त त्यव पाश्य पाश्य विर सर्के गा मी मातृस से पावर । देवे ह्वार्थान्तर्भर उत् नुराव ते हिंदा से ते दिन प्रत्वा वार्षा दे स्थर विनयः इतः ने सः त्रुः वाशुयः वित्यं प्रान्तियः यः व्रेष्टायः स्त्रियः वास्त्रः व्या नत्राम्बराद्याः विवासी नरात् भ्रुतात्या देरात्विवा हेत र्स्त्र ब्रिट ता श्रुव पा त्वर तिवा ग्री या प्रवा वा श्रुय क्रिय प्रवे से प्रवे से प्रवे से प्रवे वा या ने क्रियं राष्ट्री निक्कर राष्ट्रीय विन्निन्निन्यायम्बन्धिन् न्स्रेनि न्स्रेनिम्स्रिम् न्स्रेनिम्स्रिम् ग्नित्यार्डग्रिशे देवे पुराप्तारायदाः अर्चितः सूरायदे से स्वाप्ति । मश्रुर्न्न वार्श्वार्या स्वार्थ विष्य नर्गे द्राया स्वार्थ मे वार्ष्य प्राप्त स्वार्थ से

नःस्टान्यः नविन्यस्य विवासा नेसः नगदः ग्रान्यस्य प्रदे नगेः वर्षः बर में पेंद्र प्रका वदे क्षका ग्रे कें का क्षेत्र केंद्र में प्रकार के वा कर के वा के वा के वा के वा के वा के वा न्वींदर्भात्रश्रास्त्रानिवा हेट्। ने क्ष्यश्राद्दा क्षेत्राय्यात्र क्षुत्रायश्रादेश वहें त्र इंट विवा विशेषशा ५ विदेश शे वेंट वर वर्षा विषय वर्ष गशुस्रभूत-५८:साञ्चयानर-नर्भ्रसार्यः नर्भेत्रात्वुरात्रभुद्राप्यान्वेदः सेसराग्री दें ने सर्वेदा कें रावसरा उदाग्री दे किंदा है दासरा म्बार्यास्त्राच्यात्रे स्वान्त्राच्यात्रे स्वत्यात्राच्यात्रे स्वत्यात्राच्यात्रे स्वत्यात्रे स्वत्यात्यात्रे स्वत अः हे 'न दुं त' ने प्रमार्थ भागी 'भू 'हे न' नु पर्न वा प्रमार्थ मार्थ स्मार्थ स्मार्य स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ र्रे हिना हुना बुर वर्तना सूत्रा सवर बुरा हे त्र सा हुन वहुन की नासुर नविव-५-भे-५८-१र्मेन्य अप्याय श्रुम्य हो। ५ नेव-५१ माव्य स्थार स्र र्वेग्राय:रे:व्याय:रे:प्रव्याय। यवर:रें:रे:गुर:कुय:ग्री:ग्रार्य:प्रव्याय: व्यार्थे अराम्यार्थेराचा देवाचेषा भेताविषा भेताव मुर्यात्रेया श्रीत्राचित्र होत् में वित्र में दरे तु त्वा श क्षु क्ष्र स र्थे श वा न्व त्य देव स र त्य वा न श र र वा ने वा श निवा बेर दश्र शे श्रूर वर शुरा दे व्य हे वडुंद शु दुर दु अहवा वदे वे दे हे नर्डं व ग्री नर्व दुः इ मिडेमा मा मर में शुरा दुः इ मिहेश मा श्वा शर्मे 

य्त्री मुत्ति स्वाविष्य स्वरेश्चर्या श्री स्वरंति स्व

र्भरावर्ष्ट्रेस्र अ. विश्वासंदे के विश्वस्था व विषा व । या प्राप्त विषा विष्टा व र वर्गाक्षेयानश्रूसमा र्स्सर्ख्रावरी प्रमेश्वराक्ष्र यःगर्शेषः ठेगाःगश्रुदः दशः सरः ठेगाःगददः ग्रुदः नःषा गश्रुदः नः निवः गुर्भाम्यास्य संदुन्द्रम् सर्वेद्र सेदि सुन र्भेन सुर सुर गुरा हेन् ग्रीय धेवा क त्वाद में प्यार सहित है अ सर्वे दि से तहे क उट व हु च हवा अ तहिवा न्वीरश्वशा न्वे थी यो ने इस्रश्र इन वन्ते र वन्ता प्रश्रे शे व्याहिर र्वेगागश्रद्धरान्यस्याने। धीमो इस्रामान्यस्याम्बद्धाः वहसामरावशुराववेषवसासह्य न्योग्वलेसाव्वायाचेषात्राचेपा मने सादर्शनिया ने प्रशासके न प्राप्य प्रवास में मुस्य रॅर्सेनशरादेकें'ग्राइत्शर्भे'न्नराधुग्राकुलार्सेशातुशरादेखर्दिकोरा ग्विम् नर्डे अप्युन्दन्य में ग्रास्ट अप्यस्य उत् सक्य पारितः यर:क्रिवायायर यरया क्रियाय वियाय क्रुटाया यविवा रहा हेरा क्री या क्रिया क्र केत्रस्विः ह्रेंग्रथः यद्वे सकेंग्राः तुः शुर्म केंश्रः शेः वित्रः वित्राश्चारायः नर्स्नेरः न'वेश'ग्राश्रुद्रश'रा'नवेता ग्रान्सश'र्गा कु'केत'र्रेवे'प्रेवे'प्रेवे'हेत'र्द्र यक्षव्र-र्-त्रक्ष्य-र्-त्रम्भ्यः देःवर्ड्वाधेःवर्वेःवर्भाव्ययः इस्रयायात्रम्याची प्रमान्ययात् । प्रमान्ययात्रम्या

न्वार्थासे देते हेवार्था के या ग्राम्य वार्य स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स यदे यद्यत् के न यन या श्रम्य वदम क्षित्य या या यद्य के न यम से से न्वीया स्थान्य अप्ताना विवास्य केवा वास्य विना सुन में न्रान्त्रयः द्यूरश्चर्टरः क्रुचा उद्य र विक्रान्य विषय व्याप्य व्याप्य विषय क्रिक्त क्रिक्त हिंग श्रान्य धुव से दिर नर न से द्वा नगाय गान्स र गी न सूव र परे देश परे न सूव नर्डेशःग्रदःसहेत्। मन्स्रशःदगःग्रदःसदःतुःम्बुद्रशःस्रा ददेःद्रशः नगवः स्रमाः कुः र्वे गिहेशायदेशः शुः स्रमाशः है। द्रमो नवे नवेशामहेव मानवः ल्यान्त्रान्त्राक्ष्वावितास्यात्रास्यास्य स्वानितान्त्रेत्रात्रितान्त्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्रेत्रात्र वश्यादशः वित्रद्र। इस्रेन्द्र। वाधवः रेन्द्र। ववाशः वित्रद्र। द्वेवः मदेरमान्या । यह स्वाप्त स्व स्वाप्त स् ग्रीयासी विना रन रु ग्रुट नवट वियानयय स्वित्र पुरायासी नवि न द्वार स्वित यर में प्यर हें वाया या वर्गे दायया यळ व के दारे दारे परे वरे वरे य यहित्रकेत्र में त्याय विया यो श्री क्षें या श्रय अर में क्षे अर्थे प्रश्ने अर्थे

नडुमामाठेशप्रतम् नाशुरमीय। अळव हेर्पसम्बर्धारायाय नर्ग्वनित्रे। द्वे नर्द्वन्द्वन्दि स्यया ग्रीया वर्षे द्वा से स्वा से विदाना धेवा गश्रा श्रुयार्भेराम्ब्राम्यार्थेरा के श्रुर्भे सक्स्र भारते हिन्तु प्रमाणा स्थान वयायः विया यो र सः यावशा वयायः विया यो र हें वर हो वे र यायः न हा यावशः याववः सहर्भासरात्र्रेव्यापात्रा वत्यायाये स्वराधरायायया स्वराधात्रा शुक्र-रमानीवामायार्सेवामासुःसर्वेट-वान्दा यायमानीत्रम्यामान्द्रिः यद्यास्त्र स्त्र न्या दे स्त्र वसुवानसमानी सामी निनामान्या ग्रामानसूत्र में वार्स्स सामे से सिन्स से वर्च अ.री. बैंट. जूरा है। वर्चे जा हेरे कें. बूं जा कें अ.जा बैंट. जूरा हैटा दिः हः वः हं 'हे 'र्चेन' ग्राह्म द्वार हं 'हे 'नहन' न न वेश मा में वः क्षेत्र सुदः नकुषः अरशः हे 'हं 'हे दे श्चेम् श्राम्य चुरा ध्रेश र्श्वेष 'श्चेष 'श्चेष 'द्युष 'त्युष 'तु चुर नदे छै । कु अ र्थे न त्याद विया यो आ र्क्षेन न र्ये न छिन त्या न हिन स्त्रान त्री दे कें सादि या है हुमान धिन है सामस्या है दे के नामि से या हुमाने हिमान धीव'बेर'नश्र भी'दे'व'रे। दर्भव'र्र्भ्य कुद्रमाठेग'मर'व्द्मा'म'र्द्रभळंर' के ने न ने त्य र्शेना श्रामित स्थित साधार के त्यस्य एउत् सर स्थे। शे से र्शे ने र न्ययः केत्रमु र्वे श्रास्त्रे में निर्मा शुर्भः हीत् वेषाः प्रम्स सहन् प्राया विष्

यावव प्यट इय पर्धे र के राया पुट यी रार्ट यी के या रा थी रे राया वसुवासर में पेंद्रदे। दे उस की सासकेंद्र हैं। किंवासामा प्याप्य प्याप्त देरा दु नश्चित्रात्रमा सन्नरः कुः स्रान्तिः विदेशः विद्यात्रात्यः विद्यात्रात्रम् वर्ष्वतः व महिराग्रीयायमारुमहिरायारे विम्यारी देन महिरामहिराययातु म लुय्नम् वियाना हुमानहित्राचरालु वेरानदे भूत्यन्यन्य वेरानुराम यिर्देर्याश्रम्। नेरक्षेयावशक्षाक्षियाचीश्राञ्चनाञ्चाळेवार्यातुःचार्थवाञ्चेशवा भूर विराध्या दे महिया ग्रीया ग्रीया मु के तर्थे त्यायायाया व मु के त रे दे ना न्यया पारा पान र रे । । ने स्वर हे न मी के या स्वया प्यया ध्याः कुः केवः सें विवयः विवायमें विदेवः यः सह्दः दे। द्युरः सें वर्त्वः दुः हः सः यदिरःश्वेरम्यायमःश्वेषम्यायम्।श्वेष्यम्।श्वेष्यम्।यद्यम्यम्।यद्यम्यम्।यद्यम्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्यम्यम्यम्यम्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम्।यद्यम अधीत्र इस्र अप्तर् प्राप्त शुर्म प्रम् विष्ट स्र विष्ट स क्ष्रासूरप्परावस्यामीर्यासीत्राचार्या मुरावाद्वस्य से विकामानुरा भ्रयासेया. १ विटाया स्रियान्येयास्यास्यान्यान्याय्या त्रेव'प्रथ'त्रस्थाउट्'प्रथस'प्रक्षिंस'प्रम्'श्रुम्'र्हे । प्रास्ट्राप्य स्रुक्षेय'प्रदे'तुः केत्रायर विर्मेश तयवाराचा विस्न विदाये विस्न श्रीत विसे र श्रीयाये नेशःश्वेदःस्। रसःहेर्नाळ्याण्याण्यान्तुरःश्वेर्म्यानारार्धेनःसःनि। द्रमायाः र्राः क्षेत्राः खुत्य। यगः क्रें गुःय। वनदः र्रे अःय। नुअः गशुसः सिवेदः यः क्षेः नक्षुनः यायहेवायायवी द्वायार्थेयद्वाययहेवा व्याराञ्जेयाद्वा यापवाहें ह्या म्रायायाया विष्ठा म्राया विष्ठे दे निया वास्त्र सार्वे निविद्या के वा विष्ठ व्या हेश य्याया या व्यवस्था स्था स्थित स्था या स्थाय स्थाय स्या याक्ष्याश्चार्यस्था याश्चार्यस्थितः वित्रस्थात्राच्याः म्बार्स्य हैं नर्र्र्स्य है से स्राम्स्य है से साम है साम है से साम है से साम है साम ध्य वयानात्मवन्ते। नर्दन्रसंभ्य क्षेत्रन्देव्यक्षेत्राकुन्त्यार्श्वेष्या यट.र्ट. व्रिंब.क्री १८.जाम्ययाचार्यंत्रयायाचारात्रः श्रेष्ट्राच्यायाच्या

श्रे पळ ५ प्यम् शुर्म् प्राप्त विव १५। हे श्रुष्य में प्राप्त से स्वाप्त से प्राप्त से स्वाप्त से प्राप्त से स विस्रमान्यया वेशा ग्रामान्त्रा स्रोते प्या स्रोत्ता स्रामान्य स्रामान्य स्रामान्य स्रामान्य स्रामान्य स्रामान्य इ.इ.चर्ष.तातात्राचीनुवायावया हीयारेगु.धूर्ययायावयःपूर्टि.चीर. वशःश्चे नः क्रुवः भे प्रकट् न् नुद्रानः धेवः है। दे वे श्वेशः श्चरः धटः हे श्वभः भे नवेः र्रेनियम् शुरुते। नेवे रहेषाने भी नमाने नियम् श्री । हे न्याया में क्ष्र्यार्से निवे वाडेवार्से कु ना के मे निवा धुया के खुया वाडे या वार्सिन निवे भूषाना भूषान्यवायायायह्या भूषाक्रम्भे स्थायायायायाया वर र्थः र्रे न रामिनाया के न र्रे न र्रे न र्रे सामा प्राप्त से स्राप्त रामा उव ५८ १ वर्ष है से से है दिवे के व्यापाद वर्ष में १ वर्ष १ वर १ व गठिगार्ये द्रायि के हे सुक्षार्ये न द्रायहण हे सुक्षार्ये न दे विषाद्या दरे मु ग्रन् मु राष्ट्रे प्रकेत से लिया धेत या श्रम् विषा सहया पर संस मु स क्षुनुदे ने दि ते विद्या न दु न तुन्य प्राप्त न ने या सदय दे या प यास्तानु गुरा वें दे ने निया हे सुर्या में निया श्रीत कुर दे दि गुरा वर्षे स्तु न्वरावश्चरत्रम् वश्चे नश्चे नहें वार्या भी वार्यया यो वार्या या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्या वार्य नमा वीं नर्रे नकु न्याया सुमा कु के दारी क्षेत्रानु से न्यते हिंग्याया यहान्या

व्यश्याययायायायायह्रशह। वे.धे.वी.यव्शायपु.क्र.योध्याशासः च्र-अदे ग्राम्य य त्वायाय दि के। ग्राम्य हेर प्रत्याय ग्राम्य हेर क्या रेशर्रेशराप्टा वर्ष्ट्राचित्रेत्रुट्यी। वर्षेत्रायाश्यार्थेर्याचीयाश्यित्। ब्रेटर्दिन। श्वेंनर्ट्याणयायार्णेवरश्वेंनर्यकेन्यया सेन्य सुट्य सुन्य सु र्शेर-१८-वाश्वेते नुःवानादादे ५-५-१० दे द्वारा दे द्वारा विकास के दे दे विकास विकास के दे दे विकास वित इ८५,७४५४॥ हे सुर्यार्थे नयार्केयार्वेयाहे नेरायानगया वे दे हेराया नियामा मिरानु निर्मेष्ठ रामर हैं गाया सक्त कुला विस्र असे रामेर गार्थिया है। स्रमार्या प्रमान्यमा प्रमान्यमा उत्रहें वा मार्या प्रमान्य स्याप्रमान्य र्रेन् र्चेत्। बरमासुरानु त्रु सम्भायेत् स्री र्केष्म भायेत्र सहन् प्रदेशकेष न्त्रिं अ.दस्योश.स.ता.४शश.ग्री.दक्ष्म.सीयोश.ग्री.तयोश.शश.योशेटश. ममा यवर्रा वस्मार्हेनामर्टे में विदेश हैं सुर्वर में विदेश हैं सुरवर्दर वर्यकाशेन । १३ सर्था हैन स्वराय द्वाय प्रत्य हैं वा । विश्वाय वा स्वराय द्वाय प्रत्य । यगुर-गशुर्यायया वयग्यायायश्वया सुयारी नियान्या दे भूजा ग्रीया निर्मा श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया श्रीया भीता वा विवास के वा श्रीया श्रीय श्रीया श्रीय श्रीया श्रीय श्री यार्शरायेत्रपुरायाशुरायात्वाया न्यारायाःशुरा सुरायाः सुरायाः स्ते र्थे.ज.योरेथ.अर.रेयर.यश्चेरी र.मेश.राश.रे.छिर.रट.मेशश.क्षेत्र. विश्वश.

क्षेट्रासं या न तृत्र हे ना ना श्रूटा दे न रा भ्रुना रा से ख़िना नी र्वे या ना न सरा रा रु: अरे वाशुर्या ने व्यार्थे विश्वार्थे विश्वार्थे व्याप्त विश्वार्थे विश्वार्थे विश्वार्थे विश्वार्थे विश्वार्थे यार्ट्यत्यव्यायाः श्वायाः प्रश्चित्रत्या देः याव्यायाः प्रदे हेत्याये रश्चेः नग्र-विशः र्स्ने अदयः नवेदशः विद्या सर्केदः विदः हेदः अददः स्मेयः हेदेः अविदः यशःग्रदःसहित्। देःवशःग्रयदःसुरःर्त्वेवःवशःदेरःग्रुःसःवकुःर्वसःवरुश नेर-न्योशः हेर-भुन्ग्वे व्यानी ने निष्ठयः भूति या नभूतः प्रभा याद्रवार्श्वन्त्रीयारावाषारावस्वायरातुः त्रयायय। विरागीयाग्रारायर्वेरा ने न्या क्रेंन् खुर्या शु नाव्या नह्व न्वेया स्वान्याया या श्रीया क्रुव द्रार्या व्या वर्द्धराभुःशुरामी द्वीवारायह्याया द्वुराम्यराम्या द्वुराम्यराम्यराम्युरामी मःक्ष्यःकेःनरःवर्ष। अःसरःसेनसःमदेःके। अःसःसेःविष्याःमीःक्रेवःग्रीसः रे जुल पुर्सेट न पर्दे ग्रेस नर से तुस सस सूस म जुट न दे हैं। सदल यमर् हे सुमर्ग नमहिंद्र के मान्य दिंद्र के स्वार्थ देन स्वार्थ है से न्यूयिः भ्रुःषः दर्देशः शुः श्रुवः करः चुरः नशः देः हेरः दः नत्याशः वशः गर्शः वयः क्रुवः सुवः सुयः र्क्षेया सः प्राप्तः प्राप्तः प्राप्तः या वा

दे व श्राण्य प्रदेश । ये श्री व श्राण्य श्री व श्र

येत्। ध्रम् क्रिक्टेव से हिंग्या स्या श्रम्य श्री में वार्य स्या विष्ट स्या यः श्रेंग्राश्राद्ये सदानु विश्वादा सुराश्च स्रायाः स्रायः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायः स्रायाः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायाः स्रायः स्रायः स्रायः स्रायः स्रा <u> २८.५५ ४.२५.भें. मू.२५.की. । श्रम्य भू.२०११ वि.स</u> मर्वेद्रानि । नर्वेद्राव्ययाम् । नर्वेद्राव्ययाम् । नियानु नयाः नर्हेन्यरायरायहन्ते। विवापियायारास्यारुवे विवासे राजेन न्यरःचरःगशुर्य। क्र्रेंनःश्चयःचेंन्यःवेग्यःव्याःचः इययःवःदःशुःन्दः यर से सहया नदे सक्समा ने दान मा नि दार दे ने न ने मानसमा प्रदेश स्तरम्भारायार्स्याभागारास्थायात्रहेत्यास्रम्भात्रम् भार्सिःस्रार्माः नडुः इनिवे सन् नुमानाः ह्वानिर हे राष्ट्रे स्वाने निम्या वे त्रायने त्रायने त्रायने त्रायने विष्या न्सॅन्सुःमः धरामिनेगमा माधमान बराकें माहे विह्यस्यामः धेता ने त्रमः विया यर्त्र त्यार्ट यव् यस श्रुवास श्रूवास सक्षेत्र यर हिंद राखः र्शेन्य राष्ट्र सहित्य राष्ट्र राष्ट्र

नेवे:ह्रेशःशुःश्लेंन'न्वेंबःश्लेंबाःह्रम्भीयामन्वःयानश्लुम्यामध्येवःहे। ने ते हे श्रुम में न हे न त्या पान्स या स्वा स्वा स्वर प्य या मदे खें नित्र अदय न विवा से वाद्य अ वे विश्व महिना मह्य के नियारमा मुद्रा कुना हेया मु द्यादार में प्रविष्ठ हु स्विष्य मिने मा मिन्द श्चित्राय्याश्चर्यायार्श्चेत्रायार्श्चर्यायार्थ्यया शु:गुरायान्वारायां पर्वाया पर्वाया विषया विषय ध्ययः द्वार्यार्ये वेराद्यारः दुः र्वेदः रेवेः रेवाराशुः विद्वत्या श्रुः यकेदः वाशुर्यः यिष्ठेशक्रिंशहें सुर्यारी प्रदेश स्वित्राया धित्र ये। वित्र ये। क्विया रास्त्र वित्र स्वित्र स्वत्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वत्र स्वित्र स्वत्र स्वित्र स्वत्र स्वत्र स्वित्र स्वत्र स्वत्र स्वतित्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत्र स्वत रॅंशर्चेंद्रामशङ्ग्रम्भ्यार्थे निराञ्चया नेराञ्चयायात्रम्भराधें। यर्गे व रेरे वे हे या पावरा ध्या कु के व रेरे वे रेरे हैं द इयय पावरा दे वया यात्रशःस्तरः रुष्ट्रनशः र्र्ष्ट्रस्यः र्र्यः र् नेते तुन र्से से प्यस नु पार्ड र में प्यासे सर में निस्तुय न से स प्या ही स ने र न गुर विरा अपन् नु विद हु अर नर गुर अर्र अपनर न वासर धेत अवा नेरः इसः गणेटः के नमः भः से प्रदूषः वहें वः उवः नुः र्हे वः प्रमा के मः गुरुट्यान्यान्यान्यात्र्यात्र्यात्र्यान्यायात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या क्रिंश ग्राम विवास में नियस नियस मुद्राम में किया मी स मुद्राम स्था नन्द्रात्र्राक्त्राक्षा क्षेत्रद्रम्भ अस्ति चुर्त्त्र चुर्त्त्र चुर्त्त्र चुर्त्त्र चुर्त्त्र चुर्त्त्र चुर्त्त नदे के राय शुर्य पान्ता धुर मेर पु सुन से मुन में ने स्था है से साम से र्श्वेन नर्भेन श्वेम राम्य किया या स्वाप्त स्त नमा र्स्निन्द्र्स्त्रःस्त्राम् व्यामार्स्त्रःस्त्राम् वर्षामायाःस्त्रामायाः वया न भ्रेत कन केंग्या थे भ्रेन स्र गुरा मुस्यय ग्रम् हिन ग्री यन्तर न यन्वाया दवः याद्वः याध्यः हिंदः श्रेयः श्रेयः याश्यः याधः हिंदायः श्रेः र्वेयः वरः वार्शेयः व व व व व याद्रा याद्रवः याद्रवः याद्रवः याद्रवः याद्रवः याद्रवः याद्रवः याद्रवः याद्रवः य सूसर्धिन्यदेखें सदर्धे सर्वेद सर्से निर्देश स्थान नेवास देदे यान्व अर सुरा कुर न वृ या या या र वे र यो है या या या या या व्य र वे र क्षेत्रायाः श्रेष्वाश्वायते केत् से स्या पुराया वाष्ट्रित स्थाया याहरा देरःयाद्वःश्वरःचल्याश्वःश्वः चुःदाः युःधः इश्वशः ग्रहः मुँग्रायाववर्त्र्रात्वे प्राया वर्त्रात्र्रात्र्रात्र्रात्र्रात्र्रात्र्र्यात्र्रात्र्रात्र्र्या स्रुमात्रमा वेर्गनकुर्गी। नर्ममळसमानस्यमात्रमात्रमात्रमात्रेना पुःसहर्षा युःराः इससाधरादर् सार्चुरा रे वसाग्रह्माना गुरा छूनः वर्चेत्राचि.चन्नाःचेत्राःचन्नाःचन्नेच्याः वर्ष्ट्रमःच्चित्रंचन्नाः वर्ष्ट्रमःचित्रःचित्रंचन्नाः यप्रयान्त्र स्थान्त्र इं त्रज्ञे विराधकात्रवायाळवारीं के त्रा प्रवासकारी

वर्त्विद्रशास्त्रम् विद्राग्चेश्च केशाग्चरार्श्वेदान्य । श्चरःलरःश्वरःत्ररःचल्वाया द्वेयःह्यःशुःवद्वे।हिरःवःश्वरःत्रंरःद्वेतःवदेः र्भःश्रा तिःर्नेवःगश्रयःग्रेःश्रगयःग्रेःश्रया । नश्चनःयःगश्रयःध्वःहेःहेः वहें वा भिं से नहें वे के विषय के स्वाप्त के वर्त्य । वेशनक्षेत्रप्राध्यम्य ने त्रश्वित् इस्रश्यम्य मुस्य भीरा वर्षानायार्षात्या देवसम्बानाम्बर्धान्त्रम् स्थान्त्रम् वर्षा महंगायमाप्तरमान्य इनुमाय केमा हो नायर में अपवर स्था अपवर र्रे नश्रामान्यनित्र दुः त्रस्य प्रदेश स्टानित्। वे नश्रस्य स्टान्स्य हे त्रे हिर्प्यश्यारहर्षे युप्यस्तुर विषयश्य सेवास्य पार्वे वायवा पिर हैया परे क में व सर र यावर । यव हेया सवय पसे र र र र र गुरःवया गर्वगायमामिरःहेरः अदे हेव इस्रयः गुरः अर्केन मिरः ग्रयः सरः यान्वर्न्या हे.वर्ने.विट.नश्र.न्या.स्.यीतु.क्र्श्र.स्थशःस्वर्भन्त्रः नशःवेवाशःहिवानिद्या देवःर्ये के वर्षे वाचायः सेवाशः पदेः स्वेतः साधादः यर्यात्रम् अहर्व अवर्ष्ण्यात्र्यं नत्त्र्यः स्थानिकार्ये से स्थानिकार्ये गर्रःश्रुरमःसमः श्रुगमः भूगमः न्रामाणितः सः सः स्वीता परे इस्र अन्तर्यादे या तृत्र वित्र त्र त्र त्र त्र त्र वित्र स्थि।

नेवे गान्व संवर्ध । हिंद श्ली दान स्थान संवर्ध स्थान स यावर्या ग्रीरायह्री ने व्यान्या के या श्रीराया श्रुवार्थ के या ख्याया नेवा र्शेवाश्वाराम्बर्धाः त्रिंवार्वे । श्वर्धाः वाचान्त्रः श्वान्यः वाचान्यः श्वर्धाः ।

## **ล**ุ่ม'ลั'คลิ'รุรัส'ลัฐล'ฏิ'ลุคล<sub>ุ่</sub>

हे सुरार्भे नवे नु के व हुया वर्जे र के शावाधुर वे। त्युर श वित रेंदर मी रया सन्म प्रिं से मू सुमा नु मिर्म स्था सुमा स स स सुमा त्य मिर्म । नडु:न्गु:व्य:नु:धुव्य:नःव्य:स्न:हु:नु: है:नु:इ:गहेश:य:व्य:क्ष्र्य:सें:न:न्रः सहया धेंत्रान्त्राध्र प्रमार्ड्या क्षेत्रा क्ष्यामें क्षु सके प्रमार्था स्वाप्त क्ष्यियायायायभूत्या ने हे याची नित्ति क्ष्यायायायभूत्यायया नित नकुर्यः से से स्वायानियाया।

षट-द्वाश रेदि क्कें नः अ. गुनः ह्वाश अळेवा . हु. गुरः यः र्शे वः क्कें अ क्रूमानीतर्थे। तीकारूकायाना त्यानि है हुँच तमात्यर्रे रा तीमा सम नेयाभुन्यिक्षाण्येयासुरक्षार्याची वे व्यापित्या हे सुरारी नय हैं शुः इन्थ्र निका न इन्निका महामिन महामिन स्थान महामिन स्थान महामिन स्थान स्

श्यायान्द्रभूत्रत्रम्या वर्षे श्रयार्थे स्थाने स्थायाने स्यायाने स्थायाने स वर्षाम् राम्ने त्रम् व्यावितः भूवाने यान्य व्याप्त व्यापत नक्षनमा ने नम्भ अर्थे न या नित्रमा नित सह्र-दे-वान्स्रयाः इस्रयः तुर्या विवाः विवाः वीः वरः पुः विनः वार्यः शुरः गठिगायानत्वारायार्थार्थेग्राराये स्वारायवे स्वाराय्या स्वीरा हेव ग्री समिव वर्षे सन्नर ५ वर्षा थे ग्रुन इसम ग्रीमा भाषा होव वर्षा र्ये र्रे रस्य कुर प्राय सूत्र पक्ष प्रमा वहस प्राय विया विया विया विया 7नु:नु:मुंग्राशु:सुर:नक्ष्र्व। यु:सुय:नु:र्य:मिष्ठेश:नवुग्रा नेदे:के:हः वर्गायाया दरमितेर्रे वर्गेत्र वर्षित्र वर्षित्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र र्थे न्द्रने नर देवे माद्रस्य प्रात्त्रम् देवे के मास्य मार्थे न्द्र स्रूर् ग्रीभान्ग्यायायार्भेग्रम्यदे तुषाया केत्रिंग्त्रहेश। यारी वेर्ष्ट्रं याया सूत्र वनश्यकुः इत्यः श्रेवाश्यावाश्यवा न्ताः वहः इत्त्र्यः श्रः श्रेवाः वीः वे यर्टे सळ्र प्रदेश्रम प्राप्त महिमानी मा र्केशः हे 'यनन'र्नेस'म'न्र'स'न्नर सुनादी दस्रवः स्युत्यः सर् रःगः

568

नदे नेवाश शु विद्या वार्वेव पदे नुश शु श्वाश कुर वार्वेव प डेवा इर वुरक्ष। केंशहेश्वयार्थितवेशवर्षायायायरात्रर्त्वहें दिर्देता विदारर षरित्यी वर्र् रिवर्ग तवर् वेर्ग तथा दिर्ग वित्र के वित्र वेर्'र्याव्याप्यावेर्'पर'प्याव्याव्याते। पिंर्राचर्यस्याव्याञ्चयार्थरः व्या स्थार्यरः स्थेनः सामान्याः स्यायः स्ट्राने वारः स्ट्रान्येनः स्थानः स्ट्राने ने हे अअसे निर्देश्वयानराम्या देवश अअसे निर्देश निर्देश स्थानिया निर्देश स्था स्थानिया निर्देश स्था स्थानिया निर्देश स्थानिय स्थानि ग्रीयान् बुर्विर्द्यस्विर्ग्ययान्त्रीयान्स्रुर्याययाः हिन्यायायाः सर्वेनाः तृ सुराहे। न्द्र-दु-वनन-र्रेअ-न्द्रीन्द्र-म-दे-नहन। भु-क्रे-अद-रेद-नर-नत्नाशन्यः र्श्वेन'स'सर'र्'तर्भा ग्रम्भ'रेर'स्यापद'दर्शे'तर्'नर'ग्र्माभ'नेर'र्गुःसर' र्रे तर् विवार्षेत्। देवे नक्त्रार्वे र र विदाय विदाय नुषान्धेषानानुमानकुन्द्रमायक्षयाममान्द्राषाने व्या र्शेग्रायायाया हुर। हे. वे रसायायायाया रस्याया स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया स्था नेश्वान्याः क्रेत्रः अह्नाने व्यानेत्रः केत्रः विवार्धेनः या **८५.४.४४४.४५.४५७५४५**०

यदा हे । अया सें प्रति अस्ति । या प्रति । य

स्रूर-ग-न्नवः श्चेन् चे राचः सर्देन च-न्नवर्गः हेन्या सर्वे प्याः श्चेन्याः व डेगान्दा धुअः स्रूगार्थे ह्या र्स्ट्रेन विश्वान्ता भीता स्त्रे स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र नुःकुरःगीः नुभः शुः शेः गाववः से नः भवेः स्वी यगाः भः नगरः में मुवः ठवः छे गाः मीश्रानुः हे ने न्या हिन। वे माशुक्षा वे न्या वे के प्यन ग्रीका के नि मजुरम्ब महें पर्ने कें रश्या ग्रम् के शबेर वस खुर बर् ग्रम् क्रेंन स न्वीं रायर ने या वें व्यावें त्राये कें ही याया हु वें या ने वा ये व्याव हो वा या मश्रास्टान्नटासेन्यस्यमुख्यानाः सूर्युम् क्षुः नशः विनायतेः स्वेटा हे केवः र्रे सदय विदसे द्वी न स विदस्य न या पद दहेया के न इ उस के त्र न्नो नि ने शः श्रूव सन्दर्भव स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स श्रुनःसः परः नगः रे सहि । तु र्ने कि ग कु हिरः सद्यः न तुग्रासः यः नुस्रा कैंशन्दरसदेवरमन्दरक्षेत्रसेन्यम्भास्य न्दरम्य स्थान्य स्थितः मुन्दः संरागित्रे भाग्ने भाग्न व्याः क्रेन्द्रा यद्रः क्रिन्या या ये व्याया ये व्य र्धेग्रथःक्ष्यः रे अह्या र्देरः दरः न वरः र्धः न व्यः तुः रे ना गवरः वया हिर् रहेः यः १२ में वायः शुः र्येट : ५८ म्री ५ ग्री : १३ या ११ में दिर वी : दें स्थानवा : ३ या प्रदे :

ख्र-निष्ट्रवाय-जुरा देव्याख्यान् र्जेवायमा न्नोनिक्याकना जुना डेगार्ग्रेट्शर्भदेख्द्र ग्रीर्केशयिक्रायायार्थ्रे द्रात्र्गेव सर्केगा सम्मर्द्र नश्रम्भाष्याः श्रुवः इदशः प्रदेश्यमः त्रुवः वशः सः र्रेषः दः श्रुवः प्रदेः दगादः र्वेशमान्त्रेयापर्याचेमा नयोग्यन्वेशमान्त्रेन्यशास्त्रम्वेमपर्या गठिगान् सर्धिन स्राप्यायां केता ग्राचेर न्यायमें प्राप्य स्थायां स्थायां क्ष्र्यार्ये निते क्ष्र्याया क्ष्र्या केत्र विवार्षित् न्य्या स्याक्ष्यार्ये स्वाक्ष्या वेता दे वर्षाणुयानु । भुवाकी देना नित्र वर्षा नित्र वर्षा भूवा वर्षा स्था । भूवा के वर्षा नित्र वर्षा भूवा र्रेन्र्जित्। विन्विन्यावन्ते व्यक्तियान्ते सहस्य हे सुर्यार्ये निर् यश्रिरःवशा है। सन्त्रापदे श्वरः वन दिरः वर्षे देवः ग्रारः हैं। वर्षे नः वर्षे दिरः या ८.८८. हे. पश्च तर्रा प्रमुख्य प्रमुख्य विवा स्ति प्रमुख्य स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री वरिते के अर्भे सुरातु मार्थर। देव अर्के अर्भे देवे अर्के अर्थोर्मिर अर्थु याचिताम्वेताम्वेताम्यान्तित्त्राभ्रेया दानेयाळे यहराम्वेतायराद्या डेगायाश्रुम्। नेमः स्रायदेः व्रेतः स्रम्याधेशः स्मायदेशः श्रीः स्मायदेशः नुदेः ध्रमाक्तुः केवः रेदिः हैं मार्यायहित्य। व्यायया पुरारे रेपाया थे । य नःसरःम् विष्टः वस्य वर्दे स्ट्रां विष्टः विष्यः वनवः विगा हो न प्रशास्त्रापास्य में विने से प्रति सं विकास वा सु स्रोदे गासुनः वया ने या शे दिन। हिन् के सबमावहिता विन श्रें या केवा सर्वे से प्यान ने ना नकुर्वं अ: कु: र्रेन दिन कु: दुर्गे अ: पर: रेन प्रामुद्दा पर वियात्रमा नमान्दारी नार्ने खुन्मा ग्री नदे अर्केना नसूनमा प्रापीत है। न्रे यं डिया यं यदे अर्केया लुर्यं भीया यहार द्वा सुः धे यदे र्ये सुर्या राष्ट्री वर्वोवायां वें दूं नारे दा के दान नार में या यह दायां दे ते प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प् यवरा श्रमारी निर्मासक्रममासद्दारम्या श्रमार्थे स्वर्मास विकास विकास है। ग्रवश्यवेत्रित्रुद्दवश्शुव्यूर्धेव्युव्या द्वेयळ्ळारायेते हिंद्रि केन्-न्-नुस्रान्धेव न्यस्य वसाधिव न्-निना नश्रम् । श्रुः ख्रारा सेन्सा स्रि क्रयमा हुराना इसमा बुमानमा देगा व विरायहरा धेवा दाहिदा है देव मुन वेद नाशुर। अन् ग्रेम एवर नुव द्वार निम् यम् नु । विनः अम् में सुवान्या अहेशा अहेशा भूमा अह्न ने में शार्थी पार्डिया नमा श्रमामा निरमा मारा मिरमा निर्मा निर्मा निर्मा निरमा निरम शेसश्चान्यतः त्वान्यास्य स्वान्यत्रेष्ट्रम्य स्वान्य स सर्केग्। मुः से सरा न से न्या साम्य से दे न स्वाप्त से दे न से स्वर्थ से सरा उदाया

डे यत् हो ८ ५ वे अप्यास्ता स्र त्र अप्यार से स्र उत् हों स्यास स्र पहला क्षेर्रा प्राप्ते देश हिंगा पाक्षेर्या होता दे विकार्ते विष्टा प्राप्त याविका नर्त्रन्द्रस्याञ्चापनायास्याम्यास्य स्त्राच्यास्य स्त्राच्या ८८. छे. यपु. येया. ह्या. ता. येथा येथा हो. त्र ह्या या. व्या. व्या. व्या. व्या. व्या. व्या. व्या. व्या. व्या. गहेशःग्रेशःवर्षमः तुः ग्रुटः नः नृहः। त्रुः या न्त्रायः प्रदेः न्रमः विष्यायः योः वनरःनरः अर्बेटः वया थुः वहेया है। यरः वेटः या वुया धुवा है। वा थुवा है। यार्यायायवरायर्याययरायहत्या देवस्यद्रार्रेकेसः ह्यायी क्रियः हुत्र्योसः यः में हिते कुन्या अवः यमः में में में अमः क्रिंव वशा कुन्यान्यशः न्याः अदः नुः या अव। ने व्यश्वः अः ने निष्यः अदः चित्रः व्यवः या निष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः ८८ क्रिट इस्र अयोग्या स्टाम्या दे वस्त हा महिस ग्री संस्ट्र हा स्टाम्य वनुवानासरार्गि हिरावया शुनार्मिता ह्रीनान्मिता होनया रा.ज.झे.जञ्च नक्ष्यायाया शुरात्र विवास नेया निष्या यह वा या विवास वर्त्यानः इस्रास्या क्षेतः द्वेतः क्षेत्रः प्रेतः वयः वया हिन्दिः इरः क्षेतः डेग भे'यरी'क्सभागी'त्र त्र हिंद् नर्भेद् त्रस्य सक्ते न डेग'र्देर ग्रास्ट । ही र व्यञ्च अप्ये राष्ट्री स्थानी स्थानी विषय स्थानी स्थ हैंग्रयायाः क्रेयाया द्वीर्यायात्रयायाः विष्यायायाः विष्यायाः विषयाः विष्यायाः विष्यायः बेन्या बुरक्षे। यन्य स्विमाय स्वाविमाय हिन्य प्रवित्त विमाय हिन्य प्रवित्त हिन्य हिन्य प्रवित्त हिन्य प्रवित्त हिन्य हिन्य

## र्देशःश्वेतःग्रेःभूतशःश्वा॥

## श्रुव भी स्वापन के स्वापन

हे स्नुयार्ये निर्वा के ति नुस्य स्वित्त स्वित्त स्वित्त स्वित्त स्वित्त स्वित्त स्वित्त स्वित्त स्वित्त स्वित स्वत्त स्वित्त स्वत्त स

ळेत्र'ग्राराय न्रा ने'ग्राकेग्रारात्र्य म्यात्र्य साधित'म्या सुराय स्थित हो। ने : धर अर्दे : विस्र राष्ट्र या की के कि निष्ठ के निष्ठ ग्री:इव्यवर्श्वेर:पःर्श्वेय:पःर्रे हे अर्गेव:५८। धुय:र८:पवेव:ग्री:इव्यवर्शेरः साक्षेत्र्यायावतःस्टाबुसासेटाव्हेत्रावेताव्यायात्रेत्रायात्रेत्रायाः र्से स्वार्य निस्त्रस्य नियय स्वार्से त्यु निर्देश निष्टिय नि निर्देश बेश गुर्नर अळव्या र्रिया यन या स्टाय गुर्न मुया से दि मुना रा ग्री से मा कुःगराने रेर्नित्। द्रम्य पहें व द्राद्रा व्या सहया वर्षा गद्रम्य प्राप्त स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स ग्रम्भवा व्रमः वे सके गः श्रेन् ग्री समें व्रमः व्रमः व्रमः व्याः या श्रमः वित्रशः ग्रीः हे अः ग्राययः तरः अह्रा न्युः तुगः नवे अः पदेः छेः हे गः येग्रायः निवे अपिव द्या में वि के वि निवंशासावियात्यास्यावदार्सात्व्या क्यास्याराची स्वायायात्राची साम्यायात्राची साम्यायायात्राची साम्यायायात्राची सह्दावरास्यापुर्यं अळवाळेराच्यायायासराम्रीया वेरामहेरासु न्नो वन्त्र मी मान्य पानि वह ग्रय प्रते सुमा केत्र सहन्। है रेवि रेर्सेन स र्धियार्क्षेश्वान्तरा देवे र्श्केन सम्मान्त्र सके द्वा है शाया है रेवे देवा शामी। नरे अर्क्षेनाने रनरर्रा न्यार स्निया राष्ट्री सुन सनसा सर से र्रा से 

रदःश्रॅंशेवेःमाबुदःक्ष्रःमुनःहमाश्राःशरःतुःचुदः। देःवश्रान्युःद्गुःधःशः न्त्रमासु र्वेत्। हे लु पाया सूर् सुर सुर मा से पाया सूर सुर सुर मा सूर सर्पर्रा देवेः श्रूनः सर्पर्भरः देवासः वाडेवाः पः यास्रावसः प्रशूनः न्मॅर्युःनःगिरुश्यः गुर्यश्रेष्रं स्त्राम्यः विदः सिवसासरावस्वस्य दे हे साम्बर्धाना देवे र्स्सिन साम्बरावर्धे राया नियम्बर्मे हे महियायाया द्वाप्तहेव व्यानगदान्यया ग्रीकें याय प्र याश्वर्विद्या श्वरळ्याच्यर्द्वर्यायान्यम् अस्वराच्याया वर्षावहें वर्षाद्रा वर्षार्श्वेच पोर्श्वेच से वर्षा हो । ग्रुट'र्ने अ'सर्ट्'रे'नक्षेत्र'पर'र्हेग्राअ'त्रअ'यर्षायआप्रअ'पर'नक्ष्र्रायः है। ग्वित यान्त्र प्राचित्र सहित्। त्रु सामु में प्राचित्र साम से प्राचित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र स क्याञ्चामरात्राचल्यायायाञ्चे रात्याच्यान्यायाच्याच्या न्ग्रान्ये सुसारु राषा सुसारे सहया नित्र राष्ट्रिया स्वार्थ निया [प'त'र्श्चेन'न्देर्व'र्श्चेस'र्ख्य'न्ट-'भ'न'श्चेट'रा'न्ववुग्यरा'र'न्टासह्य। र्श्चेन' न्यें तर्भे अर्थायान्तरम्बि मार्थत् विरार्भे त्या अर्गम्यो स्त्री विष्यम्बि मार्था ने वशक्ष्रास्त्रः र्रीव वशक्ष्रः हे ति नर्षेव निरम्भ माने निरम्भ स्ति । ये. द्रेया. संकार्यमा राज्या र गश्रम्भान्य प्राम्य वर्षे निर्मा स्थान्त्र निर्मा स्थान्त्र निर्मा स्थान्त्र निर्मा स्थान्त्र निर्मा स्थान्त्र

गश्रा वुःश्वान्यन्यायाहेरः वस्र सार्वितः श्वान्यायाहेरा ने वशमें विवाद के शहे था द्वरावश्चर वुर्या व्यय थय श्री वाद्यय द्वा मवरव्यान्युँ अयापयावमान्याः वयान्याः वयान्यः वर्षः रशर्मेशः मुद्राने वार्येषा बिद्रान क्षेत्रया ह्यान त्वारा स्वाद्याया चलानरानर्सेस्रयायय। र्सेस्राकेतानकुत्तकुतेत्रदात्रर्सेस्रास्र्वकेतरा म्याया हिरारे वहें व में जिंदा हुन प्राया हुन से प्राया के साहे साखर नमून नमा नमा में मा है सा है स गुरः त्रुः नः निर्वाद्याः न्यः वर्षे अअः यथः श्रे अअः ग्रीः निर्वाद्यः स्टः न्नरः र्वेनः सः न्राह्म द्वाराष्ट्र स्वार्षितः स्वार्थितः स्वर्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वार्थितः स्वर्येतः स्वर्येतः स्वार्थितः स्वर्येतः ग्री है साक्ष्र तु प्यार तुरा क्षर क्षर क्षर क्षेत्र क्षर चित्र व व राष्ट्र व इट.ज्.चोश्रेश्यविवाया ज्.र्रट्रस्य केट.त.टेट.यह त.वया क्र्य.रेवा. यसन्सर्विन्न् सहन्यस्य निर्देश्य क्षेत्रक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वर्सेन्या से वित्या निवास में निवास र्रेदिःगन्ससामालुसामसाधित्रान्त्रात्वित्सा रेटानायग्रान्त्रो नदेः ह्यूनः याश्चेत्रस्यायाश्चेत्रकृषायार्दे हे सयार्थे। केंशार्श्चेत्र वर्षेयायार्देत् केत् मुन्दुग्द्रा द्वर्यत्वेदेः १ सम्भास्य स्मार्था स्मार्थितः स्मार्थः स्वाःक्षेत्राः सुद्रः त्र्वाः स्वाः त्र्याः स्वाः स्व

नुन्सेन्याडेयात्रःमे। द्वेस्स्हित्र्द्रिन्स्यत्वुयासः बेर्यस् नुस्रभः भ्रेट हे नुट कुन ग्रे सेस्रभ या ग्रव्ह न सुव हुन निर नव्यायाययार्देन्युन्यासुर्द्ध्य ह्यायार्देख्यक्रम्यदारुत्युन्य देया नेशहिन्यर्डित क्षेश नेवशकेंशहे हा क्षेत्रान्वेव यन विवाशश्रर बुँवावयाह्रवायायायाया बुँदाशी दे वूँ रायर्वा राबुँदायारे के नालेवा यायान्न्त्राचर्ष्र्व्ययाम्बुदाव्याञ्चान्त्र्य्यास्याच्याच्याच्या यात्युर्त्वया यदाव्यायया स्वाः श्चीः त्रेर्त्रात्ववात्यया स्वादिरावाद्र वहोवाकेंद्राचाधेदार्वे वाशुदावशा वावशास्वाशादेवा श्री देशेंद्रा शेयश हेन्थिन् निवेदार्देन्य मुद्यान्य स्वाप्त्र मुद्रम्य मुद्र यासर्वेटासूटानवटार्सेस्यटानुस्य सुर्यार्सेन्स्यासून्त्र्यार्स्य सुर्यास्य नश्रूययात्रयास्त्रत्यीः कुषारीं वा श्रुरावी यस त्रीत् नेयार्धेता नेयार्धेता नियार्धेता नियार्धेता नियार्धेता

वशःभः । द्याः श्रृयाः श्र्रीयः श्रीवः वशः यत्वाशा वर्षियः वद्यः प्रश्रेयः श्रीयः श्रीयः हैंग्रथायानहेश नेव्यास्यार्यम् र्चेत्वयार्या ग्रियापत्याया नेव्य क्रूॅन'व'र्यास्या'रेया'व'र्या'यदे'न्देयाक्क्ष्याक्क्ष्यास्य कर्मा'यकेन'यि रायदरम्प्रमान्त्रम् देन्स्यायस्य ध्रयान्त्रम् वी व्याप्यान्त्रम् न्त्रुव न्त्रुय नत्त्र्वाया व्याप्य विवाय प्राये प्रये स्वरं नश्रृत्र'राश्राञ्च या राम्यायाया या या या राम्यान्या स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स ग्राम्यान्यान्यः प्रमुद्धेन प्रमुद्धेन त्वुग्रयः ग्राम्यान्यः स्त्रीतः प्रमुद्धानः नवि नविर्याया ने सायदायमें समायहें न न न न ने न मही होते प्रस्ति न सर्भेत्रस्यस्यास्यवरद्ये स्यान्दर्भे हिन्दर्वे न द्रम्य देखाने हिरादे विद्यान्त्र विद्यान्त्र के दिन्द्र विद्यान्त्र विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त् न्वेंद्रायात् दूर्रेनदेन्द्र्यार्भ्यात्व्यात्र्व्यायात्रात्रायात्या सर्द्रिनयर नेयायायर पुराक्षरया ध्रमा केत्र में माननय प्रमायया भी स्वर न्याः सरः नुः लुर्भ। सुः सः सः हेः हेः या शुरः ग्री शः या शुरः सदेः लव्यः यहवरः सरः नुःगवरः। नेःवश्रःश्रःतेःक्वनःभैःनरःह्याःभैरःषरःक्वा यापयाःश्रेःनरः वयव धुया इसमा शु र्रेवा दे वमा शु प्रवि द्वीं व द प्रवि व मा दे व मा भूमा र्सर-व्रेत्रामशा हेरानदे श्रुत्रश्रूर-व्रेत्रामः श्रीवाशा श्रम्भ १८८ व्रिरामः

याश्वरा देर: न् ज्र स्वा याडेया यत्याया दे त्रयः गायः से यात्रयः त्रः नु क्षुन पर्भी श वर्गे देव केव में वेंद्र माश्रू र प्रमावदा देव श कु में दे दर यु'निवे'सर'निव्याया देर'सुस'र्से'न'मिनेग्र्य'मित्र'ग्रिस'ग्राय्य द्राय त्र्वित्यमा श्विनः द्वितः श्विमः निष्याम्यः निष्यः स्विनः स्वितः स्वितः स्विनः स्वितः स्वतः स्वितः स्वितः स्वितः स्वतः नवद्यायह्र अवस्यान्स्यान्य नवद्यायम् केसा हे न्यास्य विद्या यासर्विस्स्यान् र्वेद्वारान्येदः स्वाराम्यास्य स्वारा नेव्याम्यानि न्नींवर्र्चेवर्भवेके। गामर्भेषाव्यावर्ष्णवर्ष्ण्येवर्ष्णवर्ष्णवर्षा र्दे हे न्यय हेवाय ग्रीय ग्राम्य अर्गन या क्षेत्र ने न्य महाव्याय व्यवस्थय वयार्श्वेत्रप्ति श्रेवाराष्ट्रास्य वित्रवारायाष्ट्री सुनायार्जेवा वर्द्ध्य र्देशन बर्श शुः हुर बर् नत्वाया श्चेर द्वया वर्ष द्वर सुं शुं श हु नत्वाया र्रे नावश्वर दर्र नत्वाश दे वश्चर हेर हैं वर्षे पर्व सेंदर देश पर्वश थुयानेरावह्यापारार्दालेरासही क्ष्रसारीरावाधुकेवावनुवादाहासही नत्त्रः खः श्रेंग्रायः पदे प्रतुषः नः नश्चिम् ने व्याः भ्रें कुनः षः र्रेंति हो नतुः शुः र्रेत त्र अञ्चर्य राष्ट्र या शेर वर्ष या स्तर्य विष्य स्तर्य म्रोग्राय्यानमु: न्द्रायु। ग्यु:केव्यु। सर्हें ह्यू: न्दुःयः र्रोग्रायः सुव्या न्तुश्याव्दानी से न्वीत इस्रश्रुव्द र्से वाश्याश्या कु के तर्रे सहि वि.मू.में प्रमाशिष्ट्र भारत हो भारत हैं भार्क या मी विषय में भारति । विस्र श्रः श्रु न श्रुवा के जुर । यर । यर । विवा वाश्वर । विशेष । विश्वर । विश्वर । विश्वर । विश्वर । विश्वर । गलु'यक्द्रम्भी'नर'यदी'न्वेवि'रा'यदीनश्राप्तान्ता द्वाश्राक्ष्यास्य स्वाशेर मु भोग्रायायायम् वर्षायायाया मु अयावर मे विष्णायायाया से इस्रास्थ इस्रयायार्द्रस्यायाध्येतात्रुरा वरायायवियायास्यास्रास्रित्रायस् वरागी अ। धुमा अहं न त्या यह अ। वसार्चे अर ५ , न हर अ। वसारे । धुव कर विवास्य सहित वर्ष्ट्र सुर द्वीत्र प्राप्य विवा हे त्र श्रास्त्र विवास विरिन्न न न ने अप्यान् सम्भाषा प्रतिस्था स्थाप प्रतिस्था सम्भाषा ने स्थाप प्रतिस्था सम्भाषा सम्भाषा सम्भाषा सम अर्केगामी हेत न्दर्यो पर्त्राय पश्चेत नगुर श्चेश गश्दर नदे लय नर्गेद यर में अन्तर्भु न सह द दे निष्णे वाया है अर्कर निष्णु अप्याद दुवा वुरःश्रेःकुरुःयरःयःश्रेराःशे ।

नेते र्र्मेन संस्था क्रिया रसा के दादी गर्रा र सामुन्ती ध्राया पर सुरमःशुःष्पनःग्रह्मःन्यःग्राग्रमः । धुमःनर्द्धनःस्रःग्रःनदेः श्रमाशुःविद्यावया है यापदे नुयावया नामायहैं व नुपद्ये गुम दें नामाय र्दा अपियः वर्षे अयोशे राष्ट्री क्रुव उव पवि हे शाशु वर्ष दा पर्वे वि वे प्राप्त

नवेश'रादे'ळे' बदश'रे'रश'रादे'शर'र्चेत'त्रश'रश'ळुट'रा'एश' गुट'रादे' गन्ययाम् इययाग्यय प्रया नने ग्रायया से हिंगामित क्रियं मिं राधुगा हु निम् व नवर रमा मुर रु सह र परे रमा केव रु वाया या वर्षे थ रवे य मन्त्रमान्यमान् कृत्याक्षं स्वाया वित्रमान्यमान् विवाया हे स्वित्रम् सम् ट्या.श.ह्याश्वासर.क्ष्रा.हे.श्ला.द्वा.चर.दर्या.च्या.व्या.व.व्या.व.या न्कुःक्षेत्रायागृह्याया है क्ष्रूम् व्ययाग्राम्यने नम्देन मी याग्राम्य है वसायवार्से वा प्राप्ता सम्प्रा विदार्से सातु सा दे वसारे वा पुरा वर्ष राप्ता देखाम्बरक्षित्वीम्बर्धस्य स्टान्त्र्या हैं क्रु अञ्चन्य वर्षे स्ट वर्षित्रं विष्यः पर श्रुरः। ने वयः याष्ठ्यः नु याउँ रः क्षेत्रं न में वर्षे । प्याः श्रयः याक्रियायराय्येष्य देवे के सुनिया से द्वे वियाय वियाय वाक्य प्रदेश सुन् र्रे निते क्रिन सन्दर्भ ने सन्दर्भ निस्ति निस्ति में स्वरं स्वरं से दर्भ निस्ति स्वरं से दर्भ निस्ति से सिर्म नव्यायायायात्राचारायात्रयायायायात्रयायाः व्यव्याची मेर्यायाः नेट्रान्झ्रियराधराश्चुत्राद्रायर्विराधरानेया देव्यापराग्चुरया शुः र्रेव वया हे : श्रेवा विवा र्रेवा या ने या प्रवेषा ने या ध्ययः श्री यः श्रुवा यः न्या यार्वे नः यरः न्वे न्या व्या वार्ये रः वे न्या व्या व्या व्या व्या व्या व्या व्या मुनलाई सेंदेग्निस्सामाई दाइस्साल्या देवसार्गेट सेंद्र मुंद्रासा

सदयःरेशानाद्दासहया वाद्रस्यायास्य स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या श्रभाषायाः श्री क्रिंभाड्यात्यः श्रीयाभाषाद्या छ्रिन्धरः अर्वीदः श्रेनेरः द्याः ठत्रातुराभीरावयापरामानेमार्या परासुररात्राप्यासीरार्रान्त्रास् पिस्रश्रार्श्चेत्रप्रशादे स्रम्भार्श्यास्त्रप्रशास्त्रिश्व स्वामार्यापर्याम्य सम्वेत्रपानत्वायापार्चेयात्रया वयानस्नानप्तित्वात्त्रम्यात्पात्रपान्या कें अ'लु'कु'वे'सेन्'नश्रस'त्रश्रेत्र'र्यदे'हें। न्यो'नश्रेत'हें हे न्यय हेयाश ग्रीयानशुम्यानुष्या नुष्यानाशुस्यासित्रमान्द्रस्य। नेदिक्तेन्त्रमानशुस्य सिंद्याया । वित्रस्याया क्ष्रां नेया स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वा क्रम्यारेवानर्मा वरे कुर सरस मुसायार्से यासायार्मि हिंदार्स देवे इर-श्रॅट-वाश्रुट-वर्गा वर्ने-छ्ट-स्टर्ग-क्रु-श-ग्री-स्टर-ध्रीत-प्रमा हिन्-स्वास-<u> द्धर-</u>भेशन्त्र । उत्र विषय्त्र विषयः । स्थान्त्र स्था विदा द्वायाक्षः स्वादेयावदेश्यमः स्टिम्सुदा र्वेद्वायसः स्वापः दिवाः वःश्रमाः क्रेवः सं दिमायन् माय्या श्रम्मा श्रे दिया स्रा व्या विष्टा स्रा विष्टा स्रा विष्टा स्रा विष्टा स्रा वशः ध्रेवः प्रभा सर्वेः देवाः वर्षाः प्रायः वा न्यूरः विदः हे तुः ववावः प्यरः श्रुरः वयः

यर व रूर क्रूर निरे दे त इसमाय व नि व रो धर हिंद रूपाम कुर नेम र्या उर्व देवा पर्वा प्रमार्थ द्वे न्नु सदे ह्वे या साम्या मुर्व द्वे द्वा या मुर्व राम्या श्चिनः अदे व्यव म्हान्य विष्य विषय विषय । श्वर मुक्त विषय । श्वर मुक्त विषय । श्वर मुक्त विषय । श्वर मुक्त विषय मदे-दुर-तु-बुँव्यव्यान्ययाम् स्रयान्यवन्ते। वे नत्व-तु-तु-स्याया भे तहें वा परे द्राप्त वर यह द्रा वाद्यश्रापते सु ववा केंद्रा केंश हे देव र्रे केवे वियात्रमा न्त्रमान्हेन या केवा या हिन्न रहेता न्येव नगायः यान्स्रसः यादिसः हेन्यः के यास्रमः यावेवः न्। यादेवाः स्मः यत्वासः न्नर सेन् प्रस्थित त्यम ग्री सम्बद क्रमा पर श्री स्थित न्या द्या न्या सम्बद्ध मदे-द्वर-दु-प्यर-वे निश्वर नर्से स्य। स्र-दुश-नश्वर सहित्र-पदे-प्यर-र्यः हुःवज्ञुदःवरःदेशःचवेःवगवःवेद्रायःद्रः। क्क्षेवःद्येवःवगवःवाद्ययःययः नभुषानायानहेत्रत्य। वें सें नत्त्रायायायात्रत्यें साहेयान दः ह्येन र्देव्यायाप्याप्यायाः केवाः ह्वायाः सहि। अक्वायर्भेर्व्ययः ग्राम्यास्य प्रमाया देव्याम्य स्वर्धि के द्रास्य व्याप्य प्रमाया नव्याया रुयायास्यायाह्य सार्च्यास्य स्वर्तात्र स्वर्त्त स्वर्तात्र स्वरत्य स्वरत्य स्वर्तात्र स्वरत्य स्वर्तात्र स्वरत्य स्वर नुःश्चेताः श्वरः सहित्। ने वयान्यराप्ययाः शुः श्चेत्वयावर्शे दिनः कुः केवः सः यह्र निर्दे भ्रम्य अलिया हिर्के अहे निर्याया श्रुया यहित निर्माया निर्याया अ यर अधिवा धेरा नित्र अदे विनय किंग ग्रम केर अहं न मुखा नित्र विनय के र्वे न्यान्य के त्रामी विषय विषय विषय स्वास्त्र स्वर्थ के निर्दे निर्मे के स्वर्थ के विष् र्नेत्रस्त्रस्रुयः र्केषायः प्रदेश्यवरः न्तृरः र्वे नित्रस्त स्त्रुयः स्त्रुयः स्त्रुयः स्त्रुयः स्त्रुयः स्त्र चद्रक्षे. शुःष्ट्राया विद्यायम्या विवाया देवे हे या शुःषदा ह्रीं वा या ह्याया भुदे नर्गे न पा भू र्के न रा शु न सूत हैं। । ना न न सु स्थान रा भू न न न न न नश्रेषाधरासरातुः हैं न वै।

नेदेश्चित्रसादी केंग्राहेश्चित्र न्यापाय पीदाने। नेदिश्ची प्राप्ता न्यापा न्यापा न र्केन्स्र रेवे रेन्द्र हे वान्व कु वर्त्र अर्थे वर्षे वर्षे वर्षे अयः न्ययः भे अः र्र्ते : र्रो अः ग्रुः नरः श्रुः नः नवे आ ने व अः यने रः यग्ने : कुयः न्यायः क्रूशः श्वीया . वृशः श्वीया . वृश्यः व्या श्वीया स्थायमः सम्विवा न्गुदर्वे न्गुवे र्र्भूदर्नु स्थामहन क्षुत्र स्थापद स्थाद स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय रशकेव मेंदे थेंव नव नु अर्थे अवशन् न मा के अर्थ के अर् वहें व भी कें नु स्थायहारमा यव के वा सवयायस नु नु नु से नु सम्से ग्रुग्रं देट न नुः सं अट सं अ नर्भे र न विग्नं ने विन् ग्रे नुः सः अदसः क्रुशरशकेवावी द्वाशरी क्षेत्राकुरावी क्षेत्राचिवावी शासुरा क्षेत्राया चुरा 

सहयानमा स्नादाई हे निर्देश धेता प्रेन स्ना स्ना स्निमा स्निमा स्निमा स्निमा स्निमा स्निमा स्निमा स्निमा स्निमा देवाः द्विवायः यद्धययः वययः उदः हे । वद्धवः यदे । द्वीयः वर्षे रः दुः वाययः वः डेग्। ग्रुम्। त्रुः अदे वियात्रम्। अर्केन् कुमायने भामते माम्यूमार्थेनामा धेव नाशुर वया दे छिव कर सर्द र जुर विव र र श्वाया या नामा दे वशगुरशर्वोवःधरःवव्याशःधवेःकेःविष्रःवेःश्वाधवेःद्येवःविषः हेंग्रयायि:हेंग्रयायायहारमा देव्यासूर्यर्भेरासेन्सेसासेन्से विद्या अयाववर्र् वर्षे वर्ष् वर्षाय्यायावर् वावयः भ्रवयः न्वाः हः केत्रशुर्त्रायम्यायन्त्रापराहिन्शीः नभूतः यश्यायहेत् वियायय। द्वेः क्क्षित्रायाम्बर्ध्यास्ट्रायमी में वर्ष्यासे विर्धित् देवे वदाव्या ग्राटा हिन्द्र हिं म्रास्त्रिक्ष्याम् स्वाप्ति स कुः केव में में दिर न पोवा हिंद शे शुं शुं न दर प्यर ह्यें न शे न स्तु प्यर होव यशक्का क्षेत्र में में दिन पार्थेत पाश्चन पार्वेत प्रश्नेत प्रश्ने हुर न धे त हैं। । या नावत र पर्मे पर्दे र हुर न दे के र या शुया यहित या र्चेत्रत्रमा ग्राम्प्यायमें सप्ते हेर्न्न प्रश्नेस्र स्राप्ता स्राप्ते प्राप्ति ।

र्देव'गहेरा'ग'वर्चुट'वेरा'ख्टानसूव'रा'नविव'र्। श्रेय'र्श्चे'नर्गेव'रारासुग्रारा' यन'त्रां में नडु'तुग'तु'श्चून'म'सह्न'म्या'मदे'श्वूर'न'नश्या'ग्रीश'से' वियःयः भरा क्षूत्रः यथः श्रुवायः वययः उदः दुः वियः वी । गाः वयः वी वार्षः क्रॅ्रेन'ने'क्रुन'य'के'नर्भ'वर्ने'हे'वर् न'वेषा'णेन'न्य अन्वेष'न्वेर्न्भ'य'य। श्रुपार्भ क्रिश्रायर सुरा दे व्यश्राव्य र्वेद श्रिया व्या पुर वर्षेव राया बुदा देर स्थर्यः क्रुअ से विश्ववार्य प्राप्त प्रवा कि से दिया में विषय के प्रवास के र्रे चुरा ने वया यरया मुयारया केवा मी वयर प्रया सुरान् यात्र्रीयाश्रुद्दानाया देर्द्रार्च्य स्थान्त्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या ग्रस्थायाव्यकार्तेषा हुःषेद्राया दायवाची वदायदेशार्वे वे द्वी द्वी का नर्दिया अरशः भित्रार्थः केवानी विवादित्रार्थित्रात्रात्रा स्रीटारी सार्वी. गश्रुद्दः नदे मश्रुद्दः नडग् मश्रायम् देव ग्रुद्दः द्यः भे न द्वः ग्रुद्दः यः भे न हिदः भेर्यासुर्य सुर्व स्थापर्वयावर हे गारस्य या हे रुका वासुस्र सित्र पदे नक्ष्र पर्र मुक्ष शु गुर्दे क्ष्रुय दक्ष हे तुका गुर्वा ५ दुका गुर्वा सम्वेत्रमंत्रे नसूत्रमंत्रित्वर्द्धमः सुः सत्र कत् न्तुः हिंद् ग्री शः श्रीत्रा निषा हे शः वयः नम् सहि गरः रु. ग्रेग्रेग्राख्या नगरः ध्वः रु. वर्शे नयः रेमः

सिन्द्रम्य स्वार्थियः विष्य स्वार्थियः स्वर्थियः स्वार्थियः स्वर्थियः स्वर्यः स्वर्थियः स्वर्ये स्वर्यः स्वर्थियः स्वर्यः स्वर्थियः स्वर्ये स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्ये स्वर्यः स्वर्

नेते.श्वॅन्यायः नेत्राचे स्वाचित्रायः स्वाचित्रायः नेत्राचे स्वाचित्रायः स्वाचित्रयः स्वाचित्रयः स्वाचित्रयः स्वाचित्रयः स्वाच्याः स्वाचित्रयः स्वाच्यायः स्वाच्याः स्वाच्यायः स्वाच्याः स्वाच्यायः स्वाच्यायः स्वाच्यायः स्वाच्यायः स्वाच्यायः स्

यदुःर्श्याश्चा सःसदःवयात्रमा रेःरेरःवयासायदःयःर्मःसायदःवर्भः ब्रैव गिर्ने न या पानि व सूर्य वित्यापय पर्चे या चित्र मी या प्राप्त किया वर्गामाश्रम। ने तुनन्नम् सहन् मशहिन् प्यमा उत्रेगावर्ग रुमा गशुस्रासित्राचार्यस्य मार्थान्य विष्टाचार्य क्रुन् ग्री: त्रुः साम्यस्य ग्रायाय प्रायाय मुर्च। ८.८४.क्ष्र्यायर्टी.क्ष्र्ययाश्चात्रारा ने.ययाग्रम्यायाम्याया रायनुसान्दा भुदासदासुनायार्श्वार्सिन्यस्पतिनक्ष्मनायासर्वेश सळ्ता र्केश ग्रे न्नु अर प्रार्थिय। देव में के त्य बिद लु अ प्रवे के त्व साम किया मी में मा प्रें न स्वाप्त न स्वाप्त न स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप यरः १ अर्था ये न अन्य विष्ट्रिया हे न स्था विष्ट्रिया हे न स्था विष्ट्रिया हे न स्था विष्ट्रिया हे न स्था विष्ट्रिया है न स्था है न स्था विष्ट्रिया है न स्था है न स्था विष्ट्रिया है न स्था विष्ट्रिया है न स्था विष्ट्रिय वेद्रायाविषाया विस्रसासुः व्याप्यः विस्रात्यः विस्रात्यः विस्रात्यः विस्रात्यः विस्रात्यः विस्रात्यः विस्रात्य वर्द्धरासुरार्चेत्रत्वरार्वे चुना तुनियाय। नाम्यान्नारायान्यान्याः यः निवः तुः क्वे विदे क्वे रें र कुयः र्ये अया शेरः धिवा यः वतृरः वशः वादवः वहेवः हुर नश् हु धुय रु हुँ वा यश रु वर रु में वर्ष हुँ मार्टर यदियाः वयाः वियाः यः वर्षे अः यः वः श्रीया अः यदे ग्रुः यः अरः से अहं न्। कुयः

र्रे विरिन्द्र न्दर्भ कर विषय के अभाव क्षेत्र निव्य विषय के दि । विद्रास्त्र विद्रास्त्र विद्रास्त्र विद्रास्त क्रन'य'न इन्। कु'न्र'र्नेर'की राज्य हमारा शु'र्जेन। छिन्'यर से १९मा'यगिरे ध्यय: नु:वार्ड्या:यया: विद: केंद्र: विया: विद्या वि सर-र्-सहर्। सु-क्षेत्राम-र-सुन-सर-तान्म-पिने क्ष-त-रन्-प-विदेन-प-सर रेवर पर द्वा रावे यस या नर्गेत् दे त्र साय र ही सा कुवे प्याय र र मुयाप्रस्यत्वियासारादे के मुँद्रायस मुःसर्वेदे समर भूँद्रायाया स् मदेः खुषायाधेतायायाया गुमाना स्थान क्षेत्रा स्थान स्था ग्राम्यायदे स्रुव्या हे के मार्थे । विद्यायम्य स्वाप्त के व्यापी विद्या कुर्राः र्र्भु निर्मुस्र राज्य राज्य र्या र्रो वा असर से दाय राज्य निष्ण ग्राम् रहसार प्राप्त राज्य रा क्रिंद्युयानमूत्राया में में प्रायाण्या विनयाया मृत्याया में न्यायाया र्शेग्रथान्यन्यने न्या हिन्छित्। देन् त्या क्षेत्र त्यस्य नवर सि विनावेरः व्यायम् यान्यानम् वित्राच्याया हिन्दिः यान्यः व्यायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स्थायस्य स नरःषयः नुःर्वे नकुन्र्ये । वर्द्धनः स्वर्ययात्रयः स्वर्याश्चर्यया इत्याञ्चायरानु निवेद्याया इयया ग्राटा केया कुषा श्रीदान द्वा श्रीया से स् ग्रम्यायालेयान्यते श्रुन्याया दुरा वन्यान् मे याया मे वार्याने नकुन्दुः निवेशामाकुः सिंगुमामी सिं ह्वानामासुसामायासु सु सु । ह्या स्

वन्द्रवि:कुष्यानभूव:हैं। ।ने वशकेशन्त्रा हैव पर वार्ट श्रुट्यायया व्यायाञ्चायाञ्च वार्यस्यास्य स्वाप्तर त्रिवः विदा देदः वर्षेयादगार सें न्वराक्ते नदे । वर्षे वा सुरक्षे वा सामान्ता हुता वा स्वर्धिया सुसाद हो वा न्ता भुग्व व्याय प्रदर्भिया प्रवृत्र प्रया यळ्व स्याय या स्या से दिन दे इससायाकेरावाद्वासावीवार्वेवावीःवाद्वादेवास्त्रस्यसासुःवत्वासासुः वर्षिय। दःववदःद्रम्धवाराःयःश्रेवाराःयदेःदुसःतुरुःश्रेराःपःद्रःथ्वःयः वस्रयाः उत् ग्रीः यया नगरः हो। यहेवा हेतः वस्रयाः उत् नगः वियाः सहतः

देवे क्रूँ न अ वे ग्रुन र्चेन के व र्मे खु मुव म धेव है। व्कुंन सुन र्चेव व्यः के यः हे माह्यः प्रदे विवया या तुराया वा वा व्ययः प्रदरः या यवा धुःत्रशःभुतेःभुः नःधुः स्रवे त्रदेत्रः सः स्यादः स्ट्रिन् देवे के नित्रे के नित्रे स्वाताः स्वे भ्रमश्रुमहिंद्रम्म मुदि।

देवे क्रेंन सकें का हे न्दर हुद न दे। दे प्यद कें का हे गार साम ने कु र्शे खिया यी ह्व न या श्रिस सदि के साया श्रिस या यो ने या सा हिंद खुद सायसर करातु में रायह्या अहता स्थानी व्यायेया पायदी से सुरासूस व्या सूरा ग्री:यास्रमाञ्चुत्रायात्रवाचीयावर्ग्वयायात्रयाच्यात्राचीया हेः नर्दुन्से पदे पद्मिन्स पुष्य रदे सुमान्स तुर्से दे प्रमुस नु। केंस हेस

श्चित्रपानम् अवे मा बुग्रमा ग्रीमा र्जित्रपान् न्ययानने अर्केना मे । श्वा र्ज्या इयिहेशःग्रीःन्ग्रीयःयोर्वरःन्त्रन्तरःन्त्रुम् नेव्याधुयाग्रीःसन्यःलेयाग्रीः स्यानस्यानवे सूरान सेता दे त्र राजीर से से दिवे के विषय से दि के रा नक्त्रात्यः भुग्नाष्ट्रस्य अधिवायरा से सिविवाया से सिविवाया सिवाया सिविवाया सिवाया सिविवाया सिवाया सिविवाया सिविवाया सिविवाया सिवाया सिवायाया सिवायाया सिवाया सिवाया सिवायाया सिवायाया सिवायाया सिवायाया सिवायाया सिवायाया सिवायाया स धुअःश्रशःगश्रुअःरेअःग्रीशःरेटःरेरःग्रेवःपश द्यःपरेःश्रुःरेःवहदःर्क्वेवः क्षु-गुर-पर्गायायमार्यायाचे सामित्रे सूर-य-गुर्ग देवमाया ग्रीमावे वेन् ग्रे कें शक्ष्य मुस्य राग्य प्रमाय प्रम प्रमाय प्रम प्रमाय प यापटासुराग्ची यापवा थी यो वि र्गे वि र्गे स्वि र्ग्ने स्वर्ग सुर्ग ग्रहार्स्ने नाम न्वीराधरासिक्षा सर्वाध्या प्रमास्त्रा स्वरास्त्र स्वरास यदे-तुर-तु-तुंद्व-प्रथाश्चुद-र्यायात्रेयायाः ग्रीय-तुद्व-ग्रीय-प्रमुच्या दर्गे. र्देन वर्गुर नर द्वेरिया अवियान द्वेन वार्येर विदानया नद्वाया गुराया सम्पद्धित्यम् वित्रम् मदे-इर-५-ध्रेत्र-भन्नेने न्यार्चे ग्रम्भ स्थित्। स्थार्थे द्राय्य स्थित्। मुनः केन् प्रदेश्मश्रदः मीश हैशः प्रहिंदः द्वेः सुः अदेः माद्वः व्यामितः प्राहेदः प्राहेः धेव गशुर नश् व्याप्त र धेव है। द विद या रे दर्गे श सर पर्वा व्या व्यार्चेयाचीयानवया देवयाधाः क्वारायाः च्याराख्याः द्वारायाः व्यार्वेषाः द्वारायाः नश्चेत्रप्राद्या वर्षेत्रक्ष्य्य्याद्येयातुःख्यायाश्चेर्य्याद्याद्यायाया निन्द्रसम्भाषान् निर्मेश्यास्तित्। क्षुरस्युत्यः निन्ति नुष्यः मे वर्षिरः वे दिर्दे वर्षे वरते वर्षे व र्रे र्श्ने अर्थ र्भे र द्वा परा वर्षे वर्ष परा भ्रावाश्य रे र्श्वे वित् केव नकुर्द्रा कुयानकु अर्की र्रेन्द्रा कुर्दिना कुर्द्रमा कुर्द्रा कुर्द्रमा कुर यर के अ स्रव सर र निवर । ये निर्व राय समिव में गुव स्वर ने अ र न यः रनः हुः हुरः दशः नक्षुनः कैंग्राशः इस्रशः येग्राशः परः नक्षुनशा देवेः कें। निनेशामिहेन त्याद विमामी निमा श्रूट या श्रुव रस्य मिनेम् राष्ट्रीय प्राप्ती ल्यिन्त्रन्त्रम्यायायदी स्रूर्चूर्यो से हिन्या या स्रूर्यो स्र र्'ख्रिक्चित्र्ग्,र्भर्पर्यर्भ्भर्प्यभाक्ष्यायरे अर्क्चिग्राह्यां वेषाया यास्ट्रि शुः इर न ब्यायायि के। यर्गे द में प्रम्यायाय विषय विषय वर्द्धरासुरासुरानु वर्धेवाद्येवाद्ये वर्षे रासुरासेवया गवित्रस्थात्यः क्षेत्राम्यव्यस्य निक्त्रम्यः स्थानि स्थानि स्यानि स्थानि मदे श्रूमान निमार्थे निमार्थिया स्वाप्ता मित्रा की स्वाप्ता स्वापता स डेग्'नड्ग्रारायाः क्रुराने व्याप्तायायाः विवासायाः

त्रीत्रा ग्वित प्यट के राग्य राय दि देश पात्री त्राय ने राय प्याप्य स्ट मदे नगद त्रोय न मह महिला महिला हो न महिला है व कि महिला है कि महिला नःयःन्त्रीशः हेरःयः श्रें ग्रथः बुशा धरः ग्रुवः रशः न्गे वर्त्वः वर्त्तु अवः ग्रथर:हेट:ग्री:कुट्-श्रुव:व्यथ:अव:ट्या:विव:ह:अट:वर:याथवा ग्रव्थः अर्ळे प्राधी प्रश्लेष्ट में हे त्याया प्राधिया यो श्लेष्ट प्राध्याया स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप न्नो पन्त्र देव केव पायश्य पश्चेत पर हैं नाश वित्य ख्रार है नवि या श्रेनश नःतर्वः नवेः भ्रूरः अरः रु.वाशवा भ्रूवः अवेः श्रुवः ववशःवः श्रेवाशः ववः न्नु अदे र्भू र अर रें न्दा गुअश के राष्ट्रा अदेव पार्वेद रें वा न्दर राष्ट्री क्रन्यायार्श्रेवायायरान्त्रायाया नेत्रयावययास्यान्यस्थित्रया क्षेट्र भी देवे वाव्या वह वाद्या के वा क्षेट्र प्राप्त के वाद्या क ग्रीयानशुम्य क्रिक्टिया भ्रीयाधिव नगायायाम्यायायाया मार्था ग्रीया हिये विष्यान्यः क्रेन् सं प्यान्ति वर्षः सम् । दे न्यान्त्यः सं व्यान्ति । वर्षः स्वयः सं व्यान्यः सं व्यान्यः सं व बटाब्रुयानशुप्ता नेप्रयापकुरासुरायेनयापयाकें या श्रीटाइयया न् ग्रेशमंदे सूर न ग्रुर व्यासर हैं ने लागन्ग स्था है। सुँग शन्त दुदे

वहिमा हेत्। प्रस्य ग्री दे निवित मिले निया राम्स्य सारी दुर दु । पर स्र केंद्र मा वनुवानिव परिश्वरान्य न्यवाधाः क्रुवारित्रां संहिष्या धेरा क्षेप्सर्रे नगावर्रेव ग्रुवर्याय प्राप्त कार्यो र श्री निवर्या विवर् ग्रथम् विद्या ग्राव्य प्यतः क्रुन्न न्दर्योयः याश्य सः क्रेन्न न्दर्यान्यशः मः अदः तुः वा श्रवा दर्गोवः अर्केवाः हेवाश्वः यः ददः द्यः केशः यदः द्वारः श्रवाशः यर्देवे खुर यर में दर्ग यर्देव म वीर देवा से वाया कु के र वायवा श्वर्य याग्रीं न ने मानि मानु मान्या कुषा विस्र में ते के ताम सर पर्म वस्याशः भूरः वः श्रेयाश्चाश्चरः हेटः सटः नुः याश्वता यार्वेदः नुः वनुसः वः नभूत्-नशुर्याग्री-नगादासरार्धे-न्रा रेस्ट्रिस्य-प्रम् व्यायाः स्त्रीत्रायाः यायवा हैं व ने जिल्या वर्षेया यायवर द्वाराय से वायवा सेवार है व राष्ट्र सूर्र्स् वर्ष्ट्रम् वर्षे वर्षे द्विषा स्वर्द्ध्य प्रस्ति वर्षे वर यानायत्विता देवित्रस्यायय्यया ग्रात्यया देव्याञ्चया देव्याञ्चया देव्याञ्चया वित्रयाञ्चया र्सर्ज्ञित्वर्राण्वतर्देवर्र्यायह्म द्रंस्याध्यस्र्रंस्यप्रवेग्या श्रुर र्गेट्स्र्र्स्स्र्य्याम्बुम्या निष्कृत्याद्याः चीत्र्याः स्व वर्रेयानुःसःन्न नेव्याहें सँगाम्यासुःमतुग्यायान् र्सूनान्स्तायहतेः श्रूरःतः ११ र विर विष्ठा व्रेश मञ्जू नश्रा वर्षु र स्वेर गुरश्य न विष्यश्रा परि हें। व्रे.यट.ग्री.यावतःश्रेर.अव्ययःसर.याव्यायाःसयः क्रेयःग्री.यक्षेयःयक्ष

यह्री ने वशायर नने के व केर शेर शा भी न में वर्ग न न ने र न न कि वर्ग से र या में र् निम् विस्वानिस्क्री में विद्श्वित श्रीति । विद्राय श्रीविश्व श्री क्रिं विद्राय । ब्रूट्स्स्टर् न्त्र क्षूट्स्टर् केत्र ब्रूट्स्स्स्स् स्त्र स्त्रे स्त्र स्त्रे स्त्र स्त्रे स्त्र स्त्रे स्त्र स्त्रे स्त्र स्त्रे स्त्र स यरःग्रेचेग्रयःयराज्यः इतः देवः ग्रेः यस्वः यदेशः यहं । राष्ट्रः परः नर्दन्यनान्दा श्रुद्रः स्ट्रिन्यः सेवासः याद्यः वी सः स्वितासः सद्दः चेवासः वश्यावन देव कु केर सहि। अर धर में र सेर हैं व वश्य ने वेव यावश अर में अहर केर। गरुष गुः अर में वर्ष या न में दि केर देवा शासु या र्शेम्यास्य विषया द्वेपासे न्यासे निष्यासे निष्य वर्त्रोयायां नहस्यम् भूगां गों विं त्या थुं समाये न स्वा ने त्रमा गमास्यमः र्हितः व्यापार्द्वपायपापिटापार्थे प्राप्त्र के या स्थाप्त के या प्राप्त के या प नर्हें द्रासदे ते मान इसमा वर्षमा वर्षमा स्वापार्थ वार्या स्वर्णमा दे त्र स्वर्णमा स्र-भ्रित्यमार्ने र स्थलानु भ्रेषामान्वी मार्यर न्वी द्रमायर स्थला ञ्चन ग्रुन श्रेर्य ग्री में दिन नहन। खना वें त्य न्त्र या शु र्री हो दि वें त्य र्देराध्यावसार्देराक्च्यार्देवे सुदायदेव चुटावसानेवासा ह्यानाच हुनाया रेव केव न्याय कुषारी या वर कर प्रतुर वर खुर वर्ष्ट्रवा वावव रेव न्यग्रापुः सेन्यस्न्यस्न्यस्न्यस्न्यस्न्यः विःवः वः सेन्सः स्य

वेग्या देव्याक्षात्रमात्यारायेनयायात्राक्ष्यायरातुः वया पिस्रश्रासेन्यान्याप्रस्थान्त्र्यान्त्र्याः हेन्याः हिन्त्र्याः हिन्त्र्यः लट.रेथेश.शे.सुयश.सश.बट.कै.रेट.वोटश.रेयोर.ज.शूवोश.सश.यश्रीश देवयानययापयावळेययासुराहेटारेवहेवायानवुगया देहेयानगव वर्गुर-१८-१ मूर्व-१ वर्गुर-१ वेट्य-५ दे के रच-५ वार्य-४ साम् १ स्थान कुनः से ससाद्याया सारा से प्राक्षेत्रा के स्वार्थित । स्वारा स्वा थ्यान् वेग्रायान्याने स्युक्ति वित्तु होन् नित्र हो। केंग्रा हे हिन् हुन हुन वि न्ग्रेयायिं राग्रे वरान् प्रवासाय स्वास्त्र प्रमा क्रिया से राम्य नडर्भामा नेत्र हुन्द्रामा सहदादे। दे ते द्वादार्थे स्थान दुः इत्वापने वेर्थामा यार्सियां में विषयित है। । दे वायहिरयाम त्या न इर हे के यायर दे म्राम्यवार्यते के प्रमा हिरारे प्रदेश वार्यत्वा मार्यते के प्रमा प्रदेश मूराया स्रमा मुँग्रायाययायायाय्येयार्थे। क्रियाहे स्टानुटानयायह्नायये नसूत्र हैया गर्नेरशंडवः व्यान्यवः पायेवः है। गुनः केवः शुः क्रुवः परेः नश्रृवः है शः ८८:अञ्चतःर्वे॥॥

क्रिंश हे स्ट हुट नवे र्र्स्नेन सन्ते नायुट र्र्स्नेन हें हे न्यय न येत्र है।

ग्रथरः नुःचित्रं राष्ट्ररः सहित्रः स्त्रे। हः निवेत्रः गुः भूत्रे शः नुहः त्रशः नः ग्रार्वेतः यादार् भ्रे प्राप्त विश्वास्त्र विर्धे । यादारे द्वार विद्या विद् नरःविश्राराया हिन्ने उंश्रानु सेश्वान में निर्मेर देन पश्चा श्रुर सु श्रु नदेर्न्यान्यार्गेर्द्यर्थन्यायाधेन्ते। देष्पर्ध्यार्द्र्यं भाषायार्द्र्या केव श्रू र प्राप्त श्री यावय हिर त्य अप श्रू अर्दे र प्रश्रे प्रवस्थ र विश्वाप ८८। तिश्रात्र, प्रेश्रामी स्वित्र तम् राम्य तम् राम्य तम् ञ्चव डिया हु याव राजा हे यह व यदि द्याय थ्वव र प्रवास यह स युव प्रवास्य म्या प्रवास मा प् यानेवामा देवे के सम्यादवा मंदे में ब्रम् तुम् स्थाने वामें द र्श्वेरा के द्वेर में या अदय है द्व प्वत्याय प्रति के साहित सु व्याप्य पर दि । वविकात्रिम् सह्रम् सम् तीमा स्तर्भात्र सम् विवा विकास सम् मुन भुग्रासं वर्ग्यामी में ज्ञान ग्रास्य स्टे के सान कुन ता सुन स्ट्रास

ने सम्बन् संहे न्दर्वहरू नाम्यः में नाम्यः मुद्रान्यः प्रवास्यः भ्रेमाया धुमान्निमारायाभ्रायमान नर्सामाया धुमाने स्थाने स्थाने । न्वीं अष्वे अर्ने वा अर्थ न अर्थ न स्युर् हैं। । न्तुर वे वा शुअर प्राया शुर र्सर्ज्वा देवे के 'पुरायारा ग्रारा अदि ही पायी इसा जुवे हीरा यर्नर्रात्तेयानुयानुस्य प्राप्तर्भा हिंद् रहें अः नेवायाश्वरत्वरा वक्के से न विद्यायिक वर्षे मार्थिन वर्षे म्याया न विद्या स्थापिक विद्या सरत्त्रित्रप्रें सालुसामसा प्रायवार्या केंत्र वसा केंत्र वर्षा केंत्र वर्षा केंत्र वर्षा केंत्र वर्षा केंत्र वर्षा पिन्दरः ज्ञमाः भ्रीः न्दरः क्षम् अः सुः क्ष्यः अः सुः भ्रीकः क्षयः निष्टः निष्यः निष्टः निष्यः निष्टः निष्य लिक.यो.चुर.इं.ट्रट्रायपु.प्र्या.य.रशिक.यपु. बट्याय.लूर्ट.यथा ट्रे.यथा सेस्र उत्तर्मस्य पद्रेत प्रों या दि ल्या सर्वे प्र रास्तर सें प्र सें प्र रास्तर सें प्र सें प्र रास्तर सें प्र लेवा दक्रम्सुन्दरग्नम्सान्दरकुषार्देदे दे न्वरक्षस्सु स्वरम्सानीया वर्त्ते । क्रुयः रेविः से ज्ञान्य नियानुया ग्रुप्ता मुख्या मुख्या । क्रिया रेविः से ज्ञान्य नियानुया ग्रुप्ता इंट हें दार्ग र सामित्र है र से स्वायाय के किया है र दा हुंद है सामित्र ययात्यायया नेपिषेयाह्यन्यस्येन्न्र्राययायास्ययायासः यान्यया ध्रयःग्रीःभ्रयाःयःयेटःभ्रयाःग्रुटःनयःश्चेःस्यायःनर्हेतःयया हिनः श्रेयश्वास्त्राधाः निष्याचे निष्यास्त्राच्याः निष्याः स्त्राच्याः निष्याः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्राचः स्त्राचः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राच्याः स्त्राचः स्त्राच लेवी शर.सूर.र.क्श.ब्रिट.ज.स्वा.तक्ष.च.शर.सू.पूर्य गूर.वी.की.या.

मुःद्वापरामी मुनः तुः नाव्याम्यराया रेना यह नायह या स्वर्मा साधिवा विःनःवें न्याविः र्वे व्यावित्यः वाः क्रेन् र्वे वे वे वे वे विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः विषयः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः वि न्दःयदे भोता ब्रिन् के प्रदायन प्रदे सुन्तु विवा भेता ब्रिन् के अप्यायने सु नु'दनुष'भ्रेटि'वेस'नु'न'ष'र्सेग्रांभ'रादे'सृ'म्चे'न्द्रन'रा'सट'नु'ग्रासुटस'रास' र्वेन धेत त्युन हग्रा अ र्हेन वेर र र वुर त्या यर्के र निर मे व कि दे हेर र रादे द्वाराचीर माराचित्र। हे यर मिया पहुरी में यत्रा स्ट्रीत राष्ट्रीय राष्ट हैंग्रथः भूवः सर्वे वः कुषः नशः तुरः तुः श्ले न्। केंग्रथः व्यायः वेषाः तुः से स्वयः मुश्रद्भान्य क्रद्भार्क नश्रेयाम्यन द्विरायार्भिमाम्युद्भा नश्रेया ग्यायन्त्रस्यान्याने म्यापिन केट कुः खुयान्दर यद्दान्य कुः खुयान्दर नशेषाम्यायम्यायम् ग्राम्स्य स्त्रास्त्र स्त्रास्त्र होत्। दे निष्क्र स्त्र स्थम्स्य द्यनःद्यनः चेत्रम् अरः। अरः चुरः व्याः विच्यः च कुत्रः च वित्रः च वित्रः च वित्रः च वित्रः च वित्रः च वित्रः च वयःग्रीशनवेशपाय। ध्रमञ्ज्ञात्रमायशक्षेपवव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्य मर्या त्रुः अरे भ्रेवा र्श्वे द्राया प्रमायवामा प्रवासी व्याप्त विकास वि मिलेग्रास्टिर्श्यासुरह्मानदेर्द्वर्त्वरम्व्यायास्यीयस्टिर्श्वराहेर्

ह्म'न'य'नबुग्रय'यप्रायाय'यय' व्यायया ने'विट'स्ट'ह्यय'ग्री'न्ट्'य' न्दर्दे श्रेद्रहे या नहेत् त्रायर्षेद्रा नायेत् द्रायात्रित् ह्रायान्य्रयात्र्या वदी द्वा हो द देवा ना स्टार्या या स्टार्य अ दि र इस अ हो सु अ हो ह स व हो र हो । यन्त्रें प्यम्याद्त ने न्यान्तुग्यास्त्रं त्यान्तुग्यान्त्रा ह्यान्यान्त्रा र्रे के न्दर्भेदनो त्यर्भे नामान्य त्र्नुना साध्यद्द स्थित नासुद्दा हुदन्त्रमः वि'नर'ग्नेग्रायपित्र प्रदे नहिते में रह्या में ग्राय्य म्यायाय से द'न्दि योत्रेयाया युरावयार्यार्यार्येदे अरार्यात्रय्याय्या देन्-तुःर्श्वेनःषःश्चेम्बन्यःयरःनने नरःम्वेग्रयःयःहः सूरःषःनतुग्रयः मभा ८.ज.चश्रम्भाराच वर में जूर ग्री मश्री मश्राम्भ भारत मही नर्भ र वस्रायास्य स्वापार्य स्वापार्य स्वाप्त्र स्वाप धीवा र न्यायः स्व न् र त्यों याश्वर न र हेया विर यो न्या सूर या हुर य न्या या नः भ्रेअन्य भाष्ठेव पाषव पावव प्यट उट क्षेया ग्री हार्ट ग्रा में दि त्या से पाया मित्र श्रूषा श्रुप्त सार मिं हो दा हेदा व्यय द्याप स्वर दे । वया से दा सार से दा से से दा म्बर्ग ने न्याम्बर्ग्या भेत्र के सम्बर्ग्य मुन्ति स्वर्णिय विष् विया विश्व हो। कर विश्व वश्य विश्व सम् वि। न्याय स्व व वर्षे प्रमा वि न्यालुयामया श्रीयाचेनायने प्रदानायेना नन्न हे प्रीनायायेना सुरा नर्राक्तिवान्यार्थिते नवरावेरानानित्रम् व्याप्या नर्राक्तिवा र्देवान्ववार्धेन्यः अञ्चर्मा विर्देवान्यान्यः वार्यः देश्वः स्वित्रायः विर्वान्यः वार्यः विर्वान्यः वार्यः विर्वान्यः वार्यः विर्वान्यः वार्यः विर्वान्यः वार्यः विर्वान्यः वार्यः विर्वान्यः विर्वान्यः वार्यः विर्वान्यः विर्वान्यः वार्यः विर्वान्यः विष्यः विर्वान्यः विष्यः व इश्रासरायापरासेरायाद्वालुश्रायय। त्रुःसायासेष्प्रयामेःप्राया न्यायमा कुर्ण से में नारे रे त्यायर में ना हो र उस खेर ना शुर्ण यर द्वाद मी सिन्द्र निर्देश्य स्टर्स स्टर्स से स्टर्स से सिन्द्र से सिन्ट्र से सिन्द्र वर्दे वर्दः प्यतः सेन् वर्षः वर्षा इतः मी विष्यः वर्षः त्रुः सः प्रायः वर्षः सेन् सीः ढ़ॖॱॿॺ**ॺॱ**उॸ्ॱॸॸ्ॸॖॱऄॴॗ॔॓ऒॶॴॶऀॱॴॸॱक़ॸॱॻऻॗड़॔ॸॱय़ॕॱज़ड़ॱॸॱऄॺऻ न्वायः स्वावः से स्थायः में स्या निवादः से न्या सार्ते वस्य सार्वः से वर्षः से वरः से वर यशः ग्रीनः सः भ्री नर्ड्र अः स्व त्रिकः ग्री सक्षः मित्रः प्रितः । वाशुस्राह्मसायराकुषावदे।विटावबटायार्सेवासायरिदार्से के सूर्सेवासा यशः ग्रीनः माणेष्र शेः प्रायः ग्रीः स्रायः । यदः वर्षः नायः । यदः हःश्चिंगामी हारा बदारें पद्मारा प्रवास्थ्य स्थापित स्थाप्त स्याप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्य स्थाप्त स्थापत स् नुशः र्केन् सेन्द्रान्त्र निवादकेषा नाषीत्र माश्रुमा केश महारा स्वापार निवास

शुःकुन्नु । वेत्रायुः न्येत्र श्रूनायी प्रदेशाना नश्रून परि भी में निया थून यर्गेत्रकुयानायात्र्रेरेते केंयानुना क्रेंत्रनुगाया सेंग्यायान क्रेन् यर:र्'ग्रथ्य रे'स्'र्दे अन्यर्'र्स् अर्थः मेन्यर्ग्वा वित्र्र्गि स्थरः दरकें अः श्रुटि त्यः श्रेषिश्वायाः स्राम्य स्राम स्राम्य स्राम्य स्राम स्राम स्राम स्राम्य स्राम मैश्रानमें निश्चन प्यान्य स्थान् श्राम्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स द्येराम्बिम्राश्वराद्यस्यराद्यास्यर्भात्र्यास्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य कुषायनायावेनानि न्याने मान्या विकासी ।

र्क्र्यक्र्या है स्टा शुटा है है क्रिया विदे कुन हित स्वापा स्वाप र्रे विना नर्ग वर्रे केंश विदे कुन पेंदा न्य अवस्थि कें किं ने वर्ने र वेंद्र न प्येत माश्रुर न न वेता इस वेंश र वें या ही मात्र श हों ता केंश ঀ<del>ি</del>'অ'নঀৢৢৢয়য়'ৢৢয়য়'ৢয়য়ৼয়'য়ৢয়য়ৼয়ৢ वर्गाशासुरम्बिसशापरार् हिंगाशास्त्राष्ट्रे स्थानायायायायायायाया ५८.चु.स.त.त.स्यूचेश्चरेत्रेट्रस्ट, यादेश्चरे यादेशस्य स्थान्य स्थान्यः गर्नेद्रश्रामः नेश्रास्त्रान्द्रायायायात्रग्राद्रात्युरः र्रे क्षित्रान्द्रात्र श्रुवः वर्षेश्रायदः र्रेदिःसुरःग्रम् देवसःस्रुःर्नेर्स्यम् वयावयानम् याकुःसरापरःसेः वर्त्ते नर कर दूर वाश्वर नविव र नुव अ वेवा पर तुव र या विव र वर कर इर:बन् बुर:यर:श्रुॅंब:यर:य:गुरा ने वशाने वर:न् व्येंब:यव:यर:वर: कर्गीश्रायानभूग्रा ने व्याउ रे रे र र्जेवा नगायन कुर्गी सुराय र र भूते यात्रेयाराः सूरः सरः विरः हेयाराः सूरः सर्वीतः क्रुत्यः यः त्यः स्वीतारायः देते हेतः तुः यगुर्यस्रित्यं उर्रेष्ट्रित्र्येत्राच्या अर्रेष्ट्रेत्र्य्यान्यः मान्यस्र म्यायम् ने न्यायक्ष्रस्य प्रति मान्य प्रदेव मुन्न यया व्यय न्याय व्यय प्रायः नर्ने न्य स्थान्य स्था गुर-र्जेव-पहिश्वासेन-शी-पो-पोश्यो-विश्वास्त्र नु-त्र्यास्त्र नु-त्र्यादेव-क्रॅंट.वर्च अ.श्रे.मुचया चयय.तया.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च.च यदे द्रम्म मा स्वार्थित । स्वर ५५'नर्गुरा ५दे'से'र्गुट्य कुय'नर्ग्य गुर्रे हे के देरें नर्गुर्ग् भेटा ञ्जापर-५५ मा

देश्वराष्ट्रग्राय्ययाचे व्यवस्था व्यवस्यस्था व्यवस्था व्यवस्यवस्था व्यवस्था व्यवस्य

र्रेश्वर्भेर्य्यर्व्याम्बर्ययाः स्वायाः स्वायाः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्वय धराग्नुरा ने वयावर्द्धरास्र सेवया नेरायावर केव रेव ग्रुव प्राप्त पर सहि सक्त निया इस में हिर पार्शिया समित में या पर्वा में रासर नु'ग्राया कें या हे 'पर्येन 'त्राया कुषा यक्त 'न्याया प्रवटारी 'या प्यटा यह या न्वरमान्यर रेवि कें माववेषा वुमा ने न्या नने के वानु प्या कुया न गणुर क्रूँ न भन्द अहया नर है। नवे के ले विवे न ग्रीया विवे र अदारें यभियाया गणुरः हेर्त्र सः द्रास्य द्रया दः त्रुः सः वेदः सः यः संस्थायः स्था नरःवुःगशुरशःपश। गारःसःसंनैरःविद्यःसदेःकें कुःसर्केंदेःसबरः व्याप्तरः व्याप्त्र व्याप्त्र राष्ट्र व्याप्त व्यापत हुन्द्रव्यायर दुर्य श्रम् देर वायुर क्रिंद्र राज हैं हे होर वा यावद वर्ग् मु अर्हे। अर्रे सेस्या है वर्ष्य ग्री नियम् या स्वाया मित्र स्वाया ग्रथरः हेट मी न्यर न्यः कुन्न स्थान म्या क्ष्या स्थान ने व्या नक्कें नः क्केंन न्यें द मार्वेद नु न्यय श्री श माश्रद क्केंद सह न दश नक्केंद नरः हैं नामा वर्षानिरं नडमाना संसे मुसमाग्रारं नमुर विरा विरा विरास्त शुः हे रंग पर शुन्यम पुरियाम हे प्रिंम र मुग्याम सम् र् नर्गेर्व्यायम्यायमार् न्वीनियास्य रे वस्य रहर् ग्री कियार्वेद त्रुग्रास्युः कुन् केन। धे मेदि नेग्रास्य से त्र न प्यान कुत्र संस्थित। ने वयाये से में में मार्च विदास के से मुन्य से न्या मार्च मुस्य स्था में न्या ने नश्यानने के न पुरक्षेन प्रसें न के न से प्यासे न प्रति के न में प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र श्रेवे म् मान्य व्याप्त विष्ट विश्व विष्ट त्रादेशपराव्युरपाश्रद्य देव्याक्यपर्यक्रित्रपर्यक्रित्रवे स्थर् ८८. प्रथात्र अ. क्रुंच संस्था स्थान न्ध्रेन्द्रभ्रेन्ध्रेन्द्रम् व्यक्ष्याः क्ष्याः अक्ष्यः यक्ष्यः यद्भावः यद्भावः यद्भावः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः व गर्भरःधेग्रान्यसःसंख्यकुषःसदिःसुरःदर। कुषःतुदेःसेःहेःवग्राह्यायः ग्वर श्रुव कु केव से प्रायय सम्मान स्था सुव पर्येव प्राय स्था श्रेश्रश्ना वित्र के कित्र में वित्र में वित्र में वित्र वित र्शेनाश्रार्श्वेना ननशा ग्राटा श्री श्रुमाश्राणा निर्दे पा श्रीता प्रशाहेत प्रदेश नवर में र प्रोरिया दे त्र य में र प्रायु र मुस्य य शु माव्य में त कु के द में यहरिक्षित्र वर्षे अर्घना दिया स्थित स्थान स्थान

अट. श्रुण्यात्र अ. श्रिण्यात्र अ. श्रुष्यात्र अ. श्रुष्य अ. श् प्रथमा मिन्न के प्रमान के तुषा ळग्रपदेःगर्दे न्यातुर्नातात्त्रीयाः प्रमः लुषाः प्रथाः ग्रामः ने साम्याः नर्ह्मिया देवसर्द्रस्येनस्यस्यः हिंस्रीय प्राप्तिस्य प्राप्ति स्रीत्र यदे नसूत्र नर्डे या यहा ने त्या गा कु म्री टास्याया सु से नया पदे के किया बिदे अर र्श्व कर अ र्श्व म्यारे र क्षे अ र र्शे र यह से रे मा इ या विवाय र्बेट तु नक्का र्बेट तु रे रे वा पट के रेंगा नक्का नक्का के रेंगा रे रे वा पट वन्नासासेरासें हिंदाहें दार्थिन्या के नरान्सरायें। वो सरासेरासें डिवा भ्रेशपाने अर्वेदावेदार्वेशपा वस्र राउदार्दे सक्दार् गुरा यार्येग्र रा क्षेत्रावर र्र्प्तराय रे व्याचि सर विराधित विराध स्त

ने न्याना कुर से नया प्रते के प्यार में र यदि मान्य प्रदेव हुर व्यार नुषाप्रथा ग्री प्रशुर नहीं ना देंदर नर निर्मेद था के प्रस्ट द्वा सेंदिर ध्यानकुन्ने अ११मान्य अद्भान्त्र विता अर्थित में वित्रामानुस्राखें १९ इन्थिते नर्नु सहि वह विषय दिने रि.से.ल. न विषय स्ति नु सार्श में हिन्सू स र्थेट-८८-वावट श्रुवि कु केव से ने अरू न ए से वाया से वाया परि से प्रिंत यर र्रे या पार्व द्राय है। यर्रे क्षार् द्राय प्राया वह या र ग्री क्षार वह्रसासुवानवे वह्रसवे वहर्त्य हेर्रहर सेससाउत्रस्ति वासवर्षे

ध्र-रिक्षण्यान्त्र्रित्याक्ष्रित्र प्रक्षित्र केत्र स्थानित्र हिंदि स्थिति विका साम्यास्य म्यानित्र स्थानित्र स्थानित्य स्थानित्र स्थानित्य स्थान

ने वसारा महासी नित्राया निया महिला महिला महिला है न रेग्रामान्ने म्विम् प्रदेशी सर पुरत्रामान्य नत्यामानिवे म्याप्राम् प्रतिकार्या न्रासुः तुरुक्तिः द्वान्रा वार्षे द्वान्या वार्षे वार् वया वें द्वं इसमार्थे सें रावश्चराते। यातृया ग्राह्मसमा ग्रीमा यादिया <u> ५५:नर:सर्न वि५:नर:कुल:र्से:अन:स्रशःवर्त्तेर:स्रे:५नर:५८।</u> वनश्यायम् देवे के श्रान्यायार्थे या श्रायात्रा मुख्यात् के त्राया सुश्रीश रगर्भागकुः इ। कुँ नुः सः त्योय। सर्ने से कुन सः त्योय। नुर्भायिन स मुयानामु अर्के दे न्नर प्यर मान्रा मान्न प्यर मुयान मुन्न न्र ने ग्री से न्र्येत मी अ मिया मार अ मु र्हेर निरा थु गुर निरा से छ या निरा गाउ वि'व्यःश्रेष्वाश्वःश्चे:क्षेत्रः द्र्यः दर्भिः दर्भिः द्र्यः प्राप्तः स्त्रेदः स्त्रः स्त्रः

कुन हुने अपा सहन कें अहे समेन अमें ए हुन है ते वन्न हैं कें न्त्री ते नर-र्-कर्-मशन्द्रयाचे केत्ररे वायन्त्रश्चिमाः स्रेन्यश्चेर्पादे स्रुपो ५८। वर अश्या १८ दे वे वा अर में भ्रे वर अर अ व अ मु अ विश्व अ इसराग्रद्धार्भार्भावन्त्र अवार्ष्यः अवार्षः अवार्षः विद्यायः हे विश्वायः विद्यायः हे विश्वायः विद्यायः विद्यायः ग्री'प्रद्याक्षेर् इस्रम्। युर्यायम्। दर्याये केत्र रे प्याप्यु खूया ख्राय ख्रा वसेयान्यासुनो कुवाळ्या कुयानुस्री हे मूर्याविद्याम्याकुयान्यया वस्रकारुन्यने न्यन्तुम्। वद्यान् नुन्यकारुन्यन्य प्रवेष्टिन्दि स्राप्त्र सळसमायार्चेत्रप्रमाहेत्र्त्वाप्रयाळम् केत्रपे निना देमः भ्रेटे वसमाउत्। धेन्किं साधार क्रेंन न्यें व्रकेव् सें गुवे गुन्स सामा कुया सेंवे क्रुके धन से नह्ना कुष्यः श्रेन् व्यवदः गार्वेन् परंदेन न्यन्त्र गाप्या न्तुनः श्रेण्या श्रुः वरेग्रायाश्वरः चात्ररः त्रा कृषः में श्रयः चडयः वः प्यरः देते देते वुः चः यटायटा नियात्रा केत्रात्राकेत्रात्रेश श्रुताकना श्रुटा विटावता ग्री शाम विषय श नर्तुशःग्रार्भागवरः। धरःवर्षेःग्रुरःकेरःशरःद्रःवेःरःशुःकेरःशरः गहेशःग्रेशःश्रमः त्वायायाः विवानीतः तुष्यायाः त्वायाः विवाधायाः विवाधायः 

र्र.च हिर्। तर्वः श्रें अः श्लेवः यश्यः द्वुः वृषाः च क्रुरः द्वेता वस्र अः उर्दः श्रेः वनु वसेवा बिट नगा विश्वासदे त्रासा बेश हो र नदे भूनशा वदे र न बुग्र श नर्विश्रानात्व क्रूश्चेतुःविताय्या विश्रकः नतुः न्याः सुः हेर् स्यात्वर नव्यान्द्रम् अळ्मानाध्येत्। देनायाक्त्याक्षेत्राची चानायान्त्रीया निशः र्र्भे वार प्यर सेत्। नव दे ग्रु न वार नदे स्थर वर्गे विर न सूव पार्ट सेस्र उत्यान्य नित्र नित्र प्रेम्य भीता विस्तान्य स्था से प्रमेत ने निहेशन् शुर्दे स्थयाधी ने रायह्य स्थार्थे यात्राया है तर् ना बुर् दे वस्य वद मुस्य वस्य स्था ने वस्य के वा सदे खुट दट खु स्यवा से वास यवरव्या भेरत्याची ध्रया श्रवा श्रवा श्रवा श्रवा श्रवा श्रवा श्रव श्रव्या श्रव श्रव्या श्या श्रव्या श्रव्या श्रव्या श्या श्रव्या श्रव्या श्रव्या श्रव्या श्रव्या श्रव्या श्रव्या श्रव्य येनमा नेरःकुषःतुःरङ्ग्दरःनद्धंदःर्सेरतुःहुःङ्गःरेःदरःसहषःद्रभःवेषाःभः केत्रस्मित्रा देवे द्वे त्वेत्र या विवा पुरदः चत्वाया गाय कुते हे वे वाया शुःशः वर्षाः देरशः शुः श्रुः त्रिं प्राणः हुः से दः यद्शा देः देर हित् क्रू प्रशः मवर्ना मुस्रम् सर्भि दिर्मित्रे विस्रम् निस्रम् निस्नम् निम्नि र्रेदे नर्र् ने ने क्षेत्र का क्रुव सा कर्र पान्तर न विना न दु न् गुदे नर्र् क्रुवः यः करः परः यहं । देवे के क्रें न कें र की कुषा में कें खुषा ने खुर की यान्व पर्नेव मुरायाय र्मेव पर्मायाय या या स्वर्थ विर नु वन प्याय स केत्र में जुर नर्भ ग्वित्र इस्र स्यु जुर ग्री स र् ग्री स त्रा हिर स त्रा व्यु दे

वीर्यंत्र्यं

ने वसावर मंदे से र न न सम्मान से वा वरक्रिटमाबिवियाः अरम्प्राधीः विद्याश्वरम् देवसम्बर्धितायः ळरमेनमा दे इसमाशुप्तनुषान नुराना मसमाउद्गिन्न मार्डर मी रहें भा क्षेप्तगेप्तुन्व वहुर वेत्रा वेत्रा वित्रा व्यापन क्ष्य वित्रा वि नः इसः नव्याः नदः नठसः मञ्जूनः मः यः त्रुः सः ने न्युनः न स्व मायावनशार्मेगासहना हैं में देनुहानुषाने के दान दुर्गितेगायश ह्रा रावे क्रें प्रा वर्षं मास्वे क्षेत्र क्षेत्र वा वाको माने के वा वा वा वह मास्वे के वा वा वा वा वा वा वा व मदेगार्थर-र्वेगान्दा न्द्रवाचे सुया द्वास्याचे मात्या स्ट्रस्या पदे र्स्सेटानु थ। नगे पर्न अर माया न द्या हो मार्थ अर ही अर हो। यहे के न न दिया वे नाशुक्ष की भूट तु त्य र्से नाक्ष सन्दर्भ नाव्व प्यट गार्स स्वीत्र सन्य श्रीवाश्वासदे सर्वे विस्रम् श्री वार्ष्वा त्यवा विदः इस्र स्था श्री प्रति स्थि स्री दिया कुत्रवनरः ग्रे क्रें र कु नायायः से नायायाया पुरसे र प्रायद्वाया वर्द्धवः र्शे.सु. हुङ्गः रेशः कुषः तुः रङ्गवे के ५ : ५ : न । न न । धरः न ने न : की : रे : परे : ५ : सक्रमःसदेःसद्भःक्तुभःग्रेःभ्रुःविगःनवेदसःदःदगुनःसरःदशुरःनदेःभ्रेः 

स्रा विकास स्रा विकास स्रा विकास स्र विकास स्

देन्यान् हुङ्गे देयान् वित्त न्यान् स्वर्त्त न्यान् वित्त न्यान्य न्यान् वित्त न्यान्य न्यान् वित्त न्यान् वित्त न्यान्य न्यान् वित्त न्यान्य न्यान् वित्त न्यान्य न्या

केत्रस्य सम्पर्भे स्थान्य स्था हिर में श्रुव श्रु कें राष्ट्री कुय में दिर सहय वशा वू में कें राष्ट्र मा दूर है अ सह्य इ.स.चर्याटश.मी.स्र.स्र.मी.ब्र्य.री.ब्र्य.री.स्री.विश्व.री.क्ष्य.य. या ८५ वन से वके नमा हो ५ इसमा भ्रमा से ५ वो मा ५ वो में ५ न मुट सर र्रे तर्रे नमामान्दरमा हेना हुम् नममान्द्र मुद्दे ने द्रो क्रा हिम् यायर्वेराना हो दान्यों याना शुदान्या यसन केना से प्राप्त के स्थान केना से प्राप्त केना से प्रा न्याकेरायह्न केंयाहे में टायदे महुट कु खुयाहु र क्व खागा हुया श्रुट्य याधिवा देन स्टा ग्रुट नु से भीट नु मैं व से ग्रुट में ग्रुट में ग्रुट स्था भीवा या यर में केंद्र त्या हिर वाशुर द्राया स्थाया हार ही वाया द्राया हार ही वाया ही । र्यः निवः हुः न्वेवः पवेः देः विवाः वीः दुरः नुः येवया नेवे कें देः वदेवे हेरः न्वोः र्श्वेदःयाद्यः त्रियाः वी श्वेदः श्वेद्यः व्या विदः दः क्रियः द्याः विद्याः वि हेश्रामदेगाश्रुराष्ट्रा हिंदामराम्याया देराद्याराके निहास वि नवेशन्यकुर्धेन्यम्मे ह्वान्यन्त्र्रम्ये केशम्बुर्यन्यन्त्रम् सहेयानदेख्यानसूत्र हुननेदेखेरानर्डे स्टेरसळत्र से सुनासुर व्यायाणे हेत्रह्मययायार्भे राजायात्र उत्ताया सम्प्राचाया भुदे नर्गे द स नर्भ अ न अ मिन अ र्थे ।

नेरमात्रःश्वरमःमभावहवःतरःवितःतरःभाषाः नःतरःभेःतेषाःषीः ळर.ज.श्रुचाश्रास.क्षेत्रार्यया.धे.सुर्या वैरा रेर.स.रेर.केथ.स. ग्रीशक्रिंशहे द्रसास्रावदायायह्यादेन्ग्री न्ग्रीयादान्त्वारापान्ता सेटा यो पान देन राप्ता दे हैं हैं भूर स्रोते स्रोत न त्वारा रापार्थे या रापार्थ सर्वेट सूट सट में पट निरानर शुर में । ने निरान स्वित मुंदि गुंदि गुंदि नशन्त्याचे केत्रनक्त्र्यान हत्यापदे सकेत् हेत् भुग्व व्यायात् ययानमुत्रायार्थेन्यायाये हेत्यारार्थे न्यूनायायार्थेन्यायाद्ध्रम्यु न्दःग्रान्स्यदेःग्रन्त्रःभःग्रिःग्रन्स्यह्न्दे। नश्रृतःपःक्रुशःपनःसहन्दे। |नेवे:भुवे:भुं:नःर्केशःहें:ने:नविवःगानेगशःगःवे। निनःर्वे:ग्रे:नवे:विं:या ध्या श्रुट रें हो ज्ञा को त्या श्रुट त्ये हो। या स्वासाय गुर रेव केव प्टर लियाके. भूरि. ग्रीया स्था श्रीतिया स्था स्था श्री श्री वियोया राष्ट्र रियालीया. อุจารุราหาขางาาเลาสูรมารามีมาฮัมาราอูรา ผูมาฏิ มิาณมารู क्षरायाध्ययार्श्वेषायार्नेरायेनयायंत्रे सूरायात्रा ये हेंगायी करायययाया वहवर्क्षेत्रची द्वान्य वर्षेयाचा द्वी प्रवाद वी प्रवाद विष्य विष्य विष्य नम् उत्यापम् अम् नुम् अभाषीन् नभूत्य त्राकें साहे मेत्रां के प्याप मुँग्रायायदेरावर्षेत्रायरारेयार्थे वियास्नु में ययायास्यया गुरारेयायिः नियामार्षिनार्षिनाभूनात् भूनाम्यमात्रेना नक्ष्ययात्रयाङ्गानामित्रास्या

र्शेट्-न-न्द्रः अपित् केत् अपे क्षित् प्रशासहय प्रशानि के अपि क्षा प्रशानि के नुः अन्यसूत्रा वैं विदेवा दं अन्वि अन्यत्व वार्यवा स्वितः स्वेतः नित्र सामान्त्र गाः र्र्भेना गोः स्ट्रेन्यः शुः वर्र्धेन्यः मस्ययः सहिताः विः गिर्देशः यः वः स्वरः वः स्वरः यनशत्रशक्षरः सहरात्रशक्षे वेरा हेग्या सहता सहता सहता सहता स्व र्रे ग्रिट्र प्रद्रित्युयानु स्राप्त स्रुव्र प्रदे से सामा इस्य रे ने ग्राह्म या स वन्यार्श्व । श्रे में ते वा बुद्या कुते विष्या सार् में विष्ये दिया सार्य के बिन्या हेशमाश्रयम् र्जुन न्गुन्ये नवेशमवेशसे के के शहे सामर हेन्य न्दः सहया द्या केता क्रें रः द्या यः स्या सः सः सः द्या सदा दे तसः न्या रः र्थे निर्वास हिते थे ला हे क्षेत्र मान्य केव निर्वास निर्वास निर्वास नवर में र निज्ञा नर्डे नकु र निलेश र कुष्ण य अर्दे निलंश के निला र्गेन् र्गेते देने ने केन रेन् वेर न्या याप्य प्रत्य प्राप्त केन केन में यह ना मेंन मुद्रिः एवा निर्देश्यमा मिया मर्दिन मा मेर्दिन मा मेर्दिन मा के मार्थिन मेरिया वुराद्यान्यायायाने द्याया से न्याया से न यहर्मिन्यान्ता ने वया ब्रीटाची प्यायान्त र्श्वेषा गामायान्तर में के त्या सेवाया मः इस्र श्रुवरः र्रेव व्या र्रे शः ग्री विषय रेषे कि के वा से मा अर में र र्रेर्येन्या है. शु. महरे कें ला हे के सूर नु यान्त केत नर्रे न न न मार्थ न्तुश्रास्त्रेत्यराह्मिश विवायाद्विन्याद्वन्यश्रिशन्वे हुँ राया वनद्रायाः अन्तर्ते व्याप्तरात्रवा निर्वादि । वद्रा वित्र न्तुःरेनःडस्यस्न्नेग्वीवायःसदेःहुःवस्यानस्त्रा नेवयार्विःसुन्यू व्हरनुरावयायहँ अयहँ अयर दुः अहँ दुः प्रश्रा विः क्षेत्र पुरादेश वार्यः न्नो श्रु र य वन प्रमान्नो श्रु र विन पर न् वुर प्र श्रु मारा श्री मारा सेना मारे मक्रम्यद्रम्म म्यान्यस्य सेन्यम्य म्यान्यस्य म्यान्यस्य म्यान्यस्य वर्षायायाविषायाद्रा वयार्ष्ट्रवायाद्रा विषयायार्थ्यायायायाया मदेख्यायामर्गिन्दी ।नेदेनुश्रास्तिन्याकुषासदियान्वादहेव्सीश्रा <u>ख्रुः अन्तर्राद्युर्द्रास्त्रराये नक्षात्र क्षात्राक्षेत्रः धिता प्रवेख्या विद्यात्रा स्त्रात्रा स्त्रात्रा स</u>् र्श्रेयायायायवेया देवयादेयाग्रीयाप्ययाग्रीयदेखाइययाशुपावदाग्रीः र्देवःश्चेंद्रःविद्रःवेद्राच्या देवेःदुयःशुःक्चवेःधुवःवेद्रःग्रीयावेदयःयः ८८। योत्रिस्यापटायायहरेगायात्वाया ह्येत्राचीयास्यास्यास्या नुःर्से इसमाग्रीमान्यामान्यन्यासिन् सुमानुः सर्केन्यान्यायाः र्शेग्राम्यते हु तसुवाद्य रेट से सक्त प्रति क्षेत्र प्रति हु साम्या हु से दारा न क्षेत्र प्रश्

दे.वश्वावस्थाः श्रीःश्वाक्षत्रः स्वावस्य स्वस्य स्वावस्य स्ववस्य स्वावस्य स्वावस्य स्वावस्य

नगायनि भन्ने सेत केत न्यया कु अर अ कु अ न्यर धुवा य र्शेवा अ य क्रमायम्य स्त्रीत्रः स्वामान्दः वनः स्त्रीते वान्समान्त्रमा हिःसेन्य प्र न्नरःवःश्रेवाशःयायव्यतःयदेःहुःष्यरःकुःकेरःसहन्। वन्शःसःदेरशःग्रेः वर्रे न्दर्वेद्र वेश मदे वाश्वर प्या स्वर स्वर म्या वावव वा केश न स्वर नशःश्चेत्रकेट में यान्य सहित्य वे नाट स्वा ग्राट मार्थ ग्री शंके में इयशःग्रेव्यान्य सर्वा प्रमुद्धार्या देश्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्व म्नें में भ मुय अळवा गु भें देव केव दमया गु भें देव मुन में गु नवरासें। श्रूयाश्चाळें साम्यायायो नेसा देसामा ग्रुवायाचा सासे हिंगसा व्यायार्थेवायायायात्रात्र्वेता देवयारेयाग्रीयाञ्चायार्थेवयात्रा यात्रशःविने 'हेर'रे वहेत्र' वित्र हु वयेवा रेर'र्से र से 'र्से यात्र पात्रशः वर्दे र वर्ते वायायवाया कु के दार्थे व तुर वर वर्त्वा हे यायाया से वायाय है। वयानम् अरार्ग्यान्। देवसासहेयान्यार्थे हेयानुरान्यानम् निवासा सुयः नमा हेव : व्होयः विवा यो भः सर्दे : विस्था गारः सदे हे : विवा सः नेव : हु वर्त्रयानहराळम् नेमान्सवाना व्याप्ता व्याप्ता व्याप्ता विष्टा व्याप्ता विष्टा व्याप्ता विष्टा व्याप्ता विष्टा व गशुर-न-न्रा ग्रिस्य-न्रिंत-य-न्रो कःशुःहेत-ह्रस्ययासः वर्षेर-नःश्रीयः 

निवंशासंनिद्धाः सुवानी विषया विवास। वहतः दूर देर देर से मियी ळर'य'र्शेवाश'य'र्पवा'रु'सेर्'यत्रा श्रु'वार्ट'श्रुट्श'तश'श्रुवाश'हे' केत्रस्निन्द्रम् अर्केम् न्रोश्चर्म्य प्यापुर्या मुन्द्रम् दिन्य श्रेष्य यथा सुन मन्द्रा देद्रमञ्जूषामिन्द्रमाञ्चलकाष्ट्रमण्डाम् भेद्रमाञ्चल भ्रुदे भ्रु नित्र देस्य शु र्रेत्य प्रस्थ या उत्तर्य स्त्रीय स्त्रित प्रदेश प्र नुः भ्रेत्रायश्यायाः सददासद्दार्गादा भ्रेतासः हैग्रसः थ्र्ताग्वतः यास्तारा र्नेतः मन्ते के साहे ने नविव माने माया पर्ने मिन सराम धेव के । विन सराहा रो हैंग्रराष्ट्रव वेरापायदे से १३मामी कंट र् प्रमुद्र राव्या या प्राध्याया ग्नेग्रायर:रु:ध्राय:रु:चलुग्राय:नेरा त्रायः महेत्र:य:र्रा ग्राय्यायः बु'न'न्मा श्रुमार्थ'न्याय'न्द्रेन'यर'यह्ना भ्रून्थ'नेन्द्रेक्यहेने नविव ग्रिन्य रायि र प्राप्त र प्राप् हुन्द्राम्यावनयानुदानु वेत्र्या देन्या देन्यावर्षेत्राम्येव हिल्ले न्याये मश्यत्वयानः केवार्येवदासहित। श्वरापवे दिवेव के कुटा इसशादि प्याद व्यट्यार्श्वेरिःग्रियाः नेवारिः पर्देयाः यरा ग्रियाः ने वया श्वरायाः मेरित्रायाः नुसाञ्चासरासहयानु र्चित्रामस। न्दार्सेराविसामराधेन्यवे त्रदानस्रेससा गुरावराः भुः सर्व र् दुः सहया र् गुर्व र् नगः विरायगुरा ग्रावराः मश्यूर्यम्यात्र्या ग्राम् स्राप्त्र व्यास्य विष्या प्रत्य स्राप्त्र स्रोप्त स्राप्त्र स्रोप्त स्राप्त्र स्रोप्त

यह न श्र्मा न मुन्द्र स्त्र मिन्द्र स्त्र स्त्र

दे वयाप्ययाशु र्चेदादयाया केदायी भूगागी गा बुदायदे कयाया प्रमः र्श्वेम् म्यायावन देवान सुर्यं भेटा देरान में माया सहनायर में न व्याध्याः व्यवः इत्रयाः ययः व्याध्याः स्रेतः याः व्याध्याः द्वेतः विवः विवः देंर डेग न न सम् देंरे केंट सम्बर्धित स्ट में अस्ट न सम्बर्धित स वरेनर्भामवे सार्भेर रेर रेस रेपानियानी सार्भेर त्या वरे वे वर वरे र न्नर नमा निव्य स्वेनमा स्वित मास्य मान्य मान्य समा निव्य समा भी भा मुजासार्थेश रेषु.मूरासियरे.चै.समाचिमारीसारीसारीसारीसार्षियःसार्ष् ग्रीयान्यस्य न्या ने न्याने स्वरायम्य मान्या मश्राम् प्राप्त स्तर्भ मित्र प्रम्य स्तर्भ स्तर्य स्तर्भ स्तर्य स्तर्य स व्दा दे क्रम्भाग्री वदावमा सर्वे वा पुरव्य दा है वा माध्य प्या विद्या 

वुर्यायायवयः विवाधिव। देवे वदावर्यागुवः कुराके कुरावीराध्वार्स्ट्रितः र न्वीव प्रायन्त्र। वर्शेन प्रेश प्रश्रास्य सुसास्य मि सुन के साम निष्य सिन स्यार पुर्वेता कुष्मिर्य विष्टित वेर प्रवार में स्थित सूत्र सूत्र स्थित सुर सुर स्था कुष्मिर्य । रं अ'विग'मी अ'ग्वित'र्ने त'के र' अ'न श्रुट अ' यर श्रुव' य' मिं त अ' तु अ' यद य' नरःसहि श्रूनाः नर्भेवः ठेनाः नेशान्वः सः नश्चुरसः ने। ने । परः श्रूनसः न्सः निव हि अर्घे विद विषय । या विषय विषय विषय । या विषय विषय । या विषय विषय । या विषय । या विषय । या विषय । या विषय तुःनःष्परः बुग्न्यः न्वातः। धेवःष्यः कुः केवः र्वः क्रुँ रः नः ठेगः तुरः क्षे। देः वे के शहे अर्घर न देव ख़व परे पर हों न अपी दर रे दे न शु १ १ १ सःरेवादन्वासायाद्धःरेव्यासर्वेदावेवात्यास्यार्थावान्न्वयायन्या यद्यायया भुना भी यार्ने दाया विद्या मित्र महिया चुना ना विद्या मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र नुषान्त्रीयान्त्रीत्रायान्त्रेयाः कृत्यन्याः यत्त्रम् सहन् स्यान्त्रायाः ग्रैशःक्षे नगरमान्यानस्यानमान्यान्यान्यान्यान्यः श्रीत्रान्यः यानेवारायन्व ने दर्भासावयः श्रुन्यम् वावारा स्वा विष्टा साधी प्रवटावीरा

बदे क्रुय के दें निये र जी निर्देश में मुन्तर हैं हैं नियं दें र निर्देश हैं नियं र र निर्देश है नियं र निर्देश हैं निर्द कु न शुक् दर्भ प्रदे भून भर्श कु क्वा मी कु य रेदि रेदि से वर मी रेवि पुरि ने कु नवे सुग्रा से म सुयान हेगा ग्रार्थिय क्या र्रे व माधिव विया प्रदेश ग्राह्म यर यें न ने कें म हे सर्वेर न नें न क्षेत्र ने गार सन्द ने निर म क रें स नु यनः स्वायान। युयाद्वात्त्रीं म्यादे मेवायानियानी विष्या स्वाया से से स्वायानी स्वायानी से स्वायानी से से स्वाया ध्याया क्षेत्रया मान्य विषय स्था स्थाय स्थाय स्था स्था स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय द्याध्यायान्वीन्यायाद्यान्यान्या क्षेत्राच उत्तर्या विष् लिकाविष्ठभाष्ट्रिया है।क्. श्रे.याश्रियायदे क्र्याय श्रेयादेश श्रेया हेन्दियायानुन्वयानवे सरानर्भित् र्स्रुस्य स्ट्रिन् र्नुन्यन्। दिसायानु च्यानाम्बिम्यासाम्बम्। द्योसामित्रस्यात्युमः दुःसासहन्। सासान्याः कुव-५-माश्रम। देवशःभ्रेना-५-छिन्-श्रःधेव-ग्रुशःभव-स्वास्त्रःस्य-स्वा मीर्यायह्र यात्रया न ते भ्रे सेन नाईन मागुन न न नाम यात्रया । मान्य सेन मान्य चलायिं रायदे पर्यो । । सासुका चरायदे पात्रका सुरादे ते रादे । धेरा भ्रिः पर्शेःगुवः ग्रीः न्ययः हः नन्याः ग्रुरः है। ।वः यः क्रं रः नरः ध्ययः याववः शे क्रें वर्ग विश्वाश्रीरश्चर्य राष्ट्र विषाविष्य विश्व शिष्ट्रे खुःखुःवेयःगशुरयःयय। देयःयःग्रःत्रयःयः५५ःवययःवेतयःर्हेगःग्रुय। **त्तुः** 

न'निने'र्सेन'न्स'सु'नु'न्य'न'न्सर'निसर्भ'सु'र्नेन'न'न्र'सर्भ'ग्रमर' वेर-नदेः अत्रकेत्र में गुर-नया वसया उत् स्वा नस्यानाया वित्यहेया ममालुमाममा है। प्यान्याहेमा स्वानित्या है। प्राम्निमामा दिरमासरार् प्रास्त्रा ह्यापान्त्र्यान्त्राम्यास्यास्यास्यास्या क्रिया'रा'र्र्र्प्थे'मो'र्या'रा'याश्रुर्या वि'र्वेया'रु'रात्यायायया वि'र्वेया'रु'रात्यायायया यह्रीत्राच्टा वित्रा वित्राच्या व हिन्यम्बुवग्रवायम्बिग्रयंभिन्यवेन। यन्सुःध्येत्वुर्यय्ययः यन्याः धेव'ग्राश्रुद'व्या श्रुग्याय स्थ्रुग्य एड्र्याया ध्यत'ग्री'नद्दर्धेद'र्य थार्द्रिय या गुः त्रया निया या यह साम्या विष्ठा सुर्वा स्वर्था विष्ठा स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्या नविवामिनेग्रासदिः हुं नाधिवः नेया स्याम्स्राम् द्यापान्दर्भे कें ता सायकसामायायदी निवित गुरात पदी सूर मुयानर वशुर ग्राह्म हिसानु सेनसामित हो। ह्वासामित्र मित्र मित्र में सामे ही मार पीत्र लुसा मशा नर्गेव मारा स्वा अहं न नित्र व रायने प्येव निर्मेव नर्गेव नर्गेव नर्गेव नर्गेव नर्गेव नर्गेव नर्गेव नर्गेव वसारास्टामी धिवामशुरावसामश्रूसमा माववाधरासर्वि साम्रिवासरातुः

मशुरुषा नेरामार्डेन्यायान्याः सूरासरानुः भना से हिंगामी करहे सा मुशुस्र-तु-नन्य। देर-मुर्हिन-न्या-मुश्रान्यस्य उत्-तु-हिस्-हिर-नश्चनामा ग्राम्यम् प्यम् प्यम् प्याने नश्चम्य प्राप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वा श्रीटात्रशार्वेशा देवसाग्रान्यसायेनसा होता क्रान्यसा विदानसा विदान र्थेन् मद्र कत्। हेत् इसस्य या देस प्रदेश सहत् तस्य ने प्रवित पार्श वित्र पार्श स्थाप नर्भेर्केशनर्स्स् नर्त्रात्रयास्त्रात्रम् वर्षात्रात्र्या वर्षात्रुट्ये वर्षात्रुट्ये वर्षात्रु मश्राकरानन। भूनशानिना हु साम्ब के तारि स्वर् से सिंद स्वर् के गिवेश ग्राम् क्षेत्र ग्रीत प्यान मार्थित। यात्र केत सर्गे क्षेत्र मार्थ प्यान स्वान वर्षास्त्रम् रास्यक्षरान्ध्रम् । न्राकेवापारे नासे वर्षास्त्रम् ह्मार्थः कुंत्रः ग्राटः वर्दे । र्षेत्रः माश्राटः त्राया द्वे : ह्या श्रायः श्रायः वर्षेत् । प्रते : वर्षे गुरुद्यान्यमाम्यमासुः र्रेन् व्याग्रामः यदेः प्यदः द्वीतः नुः यह्य। यावतः केत्रम्यास्त्रमाहेत्रमहरम्यदेर्त्यासुरस्यास्त्रमास्त्रम् कराह्देर्त्या शुःगारःसःगुत्रःश्रूरशःस्था हित्रराये। शुन्रायःयःनन्ग्रयःराउनायः गर्रेयः रशः देगाः ग्वरः नरः लुः लुशः प्रशा क्रेंद्रः पः ग्राशुरः दशः ग्वरः नशः गर्नेट अके अभ गटा वस्र भ उद्यो पित के अ सम सम् । पुरा दित पिते

र्थ्याशुःशुव द्रद्यावया धुयाग्रीयादुदायाधायायात्र्यायाराहेयाया हुदा विश्वास्था आसान्द्रन्त्वादाध्यात्र्यन्त्रन्त्वात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र अभेरमाशुःशुन्दरमामदेखेः ह्वानाम् माह्याम् वित्तर्वः तुमाशुः हुन्तमामीः कुषारिते वर् कुषार्टा वया क्षेत्रया ग्री नेट श्रुट वा सेवाया नर्गे दास कुया धरागशुरमा द्धराश्चराद्वीत्रपुः श्चायळ्यमायात्ववामात्मा कुरानाकुः मर्के मुँवामा केंगा मुँदासुगानिवामा नेराद्या उदावा में या माने नगदनिन्य अभिग्रिं नदे हे अभावत् सुय नदे तु अ शुं थू के खुग्रा स्र-अयाविवाया वाववः धरः वाविवायः सः वाद्यः स्रेत् सर्वे सर्वे स्र स्य स्रितः मदरस्य मुन्य सुन्य सुन्य सिन्देव या नतुन्य या स्राप्त र रादे क्क्रिंय के त्र पाक्ष्य या प्राप्त क्क्रिया या प्राप्त किया या विष्ट वयाम्यामुत्याभूटानु र्चित्रा ने वया खुराये नया प्रदेश के या न दुदे कें नया म्यायान् म्यायान्या में वित्र में या वित्र में वर्रे र्हेर्न्य श्रे धेवा कुदे सेव वेश वेश कुत मुस्या नेर सर यक्त स <u> इर सेससः सर में दर ग्वस्य मह्त्र न दुः दुवा लः सेवासः सर दुः ग्वीवीस्य</u> भुः शेरः विः र्क्षः पिष्ठेशः उद्यायः श्रुपाशः हे रक्षेत्रः र्येतेः श्लेयः प्रत्या व्रुः यदेः ह्यः वर्चेरायार्श्वम्याम्बरमा देर्म्यार्म्याम्बर्मान्यार्थ्याम्बर्मायार्थ्याः वयर। ग्ववरायार्डे यदी प्रवेश्ववर्गार प्रतः रहें शाक्षश्राम् स्वर्था ग्राम् विवास स्वेर त्रम्थर्त्त्रस्त्र व्याच्याः व्याः व्याच्याः व्याच्याः व्याच्याः व्याच्याः व्याच्याः व्याच्याः

ने न्यारीया भी नार्य राये नया न्या न्या न्या मु के नार्या नश्चुम्या न्यायार्थे त्याम्य कुम्मे रेवियाम्य विया वर्षा मदे र्ख्यापर नमून नगर मुग्याया साम्या सर्व राम्याह र वुर्या साम्या म्बर्ण्या शुर्ष्य शुर् कें राष्ट्रम्य प्ये प्रेर्या प्राप्त है से हि से दि प्रार्थ म्या मःसदःनुःनहेत्वराग्यत्यायद्यायदिन्यदे द्वयः धदः कुः के नयः सद्या यर्देरवावययाग्री:यदेः कः इययाद्या मेंदार्याद्या द्वायार्थाद्या देदा ग्री:याकार्ड:देवायापाद्मययाद्मा विस्थाद्मय्याग्री:याकाद्मययासु:विनयः ग्रीयानवन्यायात्र्यात्र्यात्रम्ययाञ्चेत्रवेटार्ग्यान्यायात्र्या इसराते ग्राम्या ग्रीया से त्या दिन विद्या है दिने के त्या है सुन्ति नित्राया यदे.र्भाश्व र्रा.स.स.स्यायाम्ययाण्येयानीमान्याचेरानया र्रीना न्सॅर्अट्याक्त्राक्षेराको नया नह्र्यान त्वाया ग्री मार्सेया नाम नाम न

५'र्खे'रेश'वार्श्केविशे देर'चा ह्याचा प्राचित्र नर देर रूर मीशामना विष्र राज धीव'गाशुर्। दे'व्याद्वेव'गावय'गायर'सुर'सेवयावयाभू'यळं सयाय' नत्वारानुरासुराहेत्रवस्र राज्यासर्केन्यान्य निवास्य केरार्सुन यासकेंद्रामहिंद्रासद्दात्रयानगवान्द्रीं सह्दा वाद्दा हैत् स्रायाः नत्वाराशुमार्रियाद्याप्त्यायह्ना केराहे स्रुप्तिनायादेन स्रुप्त नर-र्-मु-अ-१, अर्थ-प्र-स्-मु-अ-पाश्रुर्या मु-अळ्व-छे-यग्र्या श्र-प्रया श्र-इ.य.च.र्ट्राय.वि.योद्धेश.क्ट्रेंट्र.य.लूट्रायश्चेत्रायश्चेत्रश्चे.शूर्यायश्चेर न्वीं अधिन्याश्वर्य ने स्थिव न् यविष्या अस्य स्याशिय स्य स्य गर्धे न'न्ना है'स'ल'हेंन्'सेन्'स'न्ना से'हेंग्'गे'कर'दनन'स'सेंग्र यानेवार्यायदेश्यळव्यारात् चुरा देवादेश्यां वित्राचित्रायात्राच कुत्री गर्सेयामार्चेनामार्या नेते भूनमार्यः भू कें भान्दान्त्रा वृ वृ व्यान्दान्ये वर्षेते विषानान्स्रयाया सेनाया प्रते सुना न्ये क्राया गुः क्री नाया नाव नाव स नकुन्नवेशमः कुः सं ग्रुदेः सं त्यानियाय। नेदेः र्सून सदे सर्वे वादे रेसुन न्वे न्ययावर्द्धिरादेव ग्रुवाया इसाया गरिशायाँ में ने रागुराये । नास्त्रा ग्री

न्ययः नुषानाशुष्ठाः यद्वितः यः त्रषः भूतेः भ्वेः नः नः नेष्ठाशः शुः र्वेतः यः नविन्ते। अवतः अः र्क्षयः विअशः र्देन। वसः अनियः र्देन। श्रेतः ग्रुनः र्क्षनः र्देन। मु:क्षेत्राणे ने रादेर दे। । वाववाणर वार देव दें के। यावराय प्राप्त दिया स्वादेयान वार्द्रासी मुस्यायास्या केंसाहे वादसाया हे हेंद्रान रेव केव सेट वी। सदस कुरारसा केव रेंग्य सेवास पर्वे। । गरासप निवेश्विनः अवी धेरने अन्तर्द्यम देव केव न्यया कें राध्या नुक्रा र्रेश्वार्यायात्वार्यारात्रे सेरावर्षेवारार्श्वार्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रा वर्रामिक्राम्याराखेरान्येम्याचेरा म्याम्यान्त्रःस्यामा हिम्यास्य वृत्येरा न। वु:न्यर:न। वु:वि:न। सूना:यर्गे:न। नविन:यर्गे:न। र्वेय:यर्गे:न। सुन: र्थः क्ष्रमा विष्ट्रा विष्ट्र अपूर्व में अपूर्व के स्वाप्त के स्वा इट से न्रो रा हेरा नर्वे द रेव रेव से हो वावस सर्वे न के वर्षे इट से सम

मियालेश चीयाक्षेत्रासियाता चार्यात्रास्यास्यास्य विश्वाहित्र इर्इं हे दे क्रेंन अदी हैं नशस्त्र नशस निह्न सेत केता ने ग्रामशस श्रेट्यो। ह्रियाश्रय्वरह्रेचें। ह्रियाश्रय्वरहिःल्याया वियाः श्रुयाश्रया धेः कुषाया ब्रैंन क्रेंब मार्वेव वु त्वुया श्रुव श्र के के मार्थ पर्ने में क्षा ठव प्य यह व नहेश इगास्टरगुन् श्रम्भर्मेद र्ये के कुयान नास्टर हेन या अवश गुनःइसःद्वः गणगाःशेःमहःकेवा सम्यःगुनःदरःकुयःना व्यःसःदरः वर्चरा अविव केव है नरना श्वें न द्वें व वह अवि श्वें न में न में न न वि यसेटाने कुषायळ्या यदेवायाचा स्वतासुद्रस्याचा वास्ट्रिटायासर्वे वाकुषा न। नगे तन्त्र श्रू निर्देशमान्त्र में अपिया नर्द्ध न ना मान्य हिंदा हिंदा मदे दे हे दे क्षेत्र मा क्षेत्र द्वेत सुदे सुदे त केत द्वा के राहे दे तु क्षराया गुराञ्चर्यागुराद्यायादेवायाया द्वेरित्रे के। हे यह वावयाया यर्गे न दे यर्गे न नरम यर्षे नगर में न नुयय र्षे यान नुर रून मुयासर्वा ग्राम्यामान्ग्रीतान्वित् र्केशाहे स्वापया हुन्याया सेवासा नर्दे। रिश्वाशियासिक्र निर्धितासिक्ष्या है निर्धासिक्षा निर्धितासिक्ष ध्या गुःनम् धनावायर स्वाय हैराया पिता वी गानी स्था शुः विरासे ख्वाया नवे सक्त मेन केन वें न वें निम्के मा स्वा निम्के मा स्वा निम्ने में न

क्रियायाया वाष्पयाया द्यायार्थे वर्षे वर्षे हे यावयायाया ग्रह्मा वि के यह के दाय के वाया प्रति द्वाया यह दाया वार्षे के स्वर्त के निष् यश्चिमाक्कु केत्रसेंदे हिम्बारा महेश हे से मार्थ ग्री स में र प्राम से म यार्सेग्रायाय्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र सहर्। विरामी केते समय या हिरान समा मिराने में महासे महास मिराने स्थान स् इस्यायायायायायायाया देवे क्षेत्रायायययात्तीर देवार्ये के दे। ह्या श्चर्गीःश्चें खर्भेरख्रानदेष्याख्यात्। अयोशस्वा<u>र्हे हे प्</u>नर्ध्वाकेशः चि.च.को श्रश्रास्यात्रासर्वात्री स्यात्राक्तिया स्यात्रात्र्राते वाश्रस्ति। के व स्यायासमित्रम्भिराह्ययाः हासीयाधियाः त्रमा देवमादेरादेराधेतः वशक्यादर्वेराधराग्नुम् नेवशक्वार्वेरावदेशक्यादर्वेरासाद्राध्या लट्टिट्ट्रियल्प्ट्रियहेश्यहेश्या अख्या अख्या वित्रा वित्रा यान्य्याकेषान वरान्दान्या उदाया स्ट्रास्य स्ट्रिया निष्या स्ट्रीया यहर्ने रन मुन्न व्यायर न् नक्षेत्र वय व्या क्षेत्र वय के व्याप्त व्या व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व न्ध्याची बुराकें अपवदार्थे अदानु चुरा क्षेत्रची अराक्षेदानीं वारा व-द्रम्यास्त्र्रीं नगवन कुन्नित्रे स्थित केव केवा विन्ताने वा स्वाप्ति वा स्वाप्ति वा स्वाप्ति वा स्वाप्ति वा स र्शेग्राश्चित्राच्या कु के दारी दे हिंग्राश्चा नहेश ग्वा मार्था पार्य से दा के दा 



यर र्सेन संभेता सुकेते सूर्ण सुर सूर् नश्य सुर नश्य सुर नश्य हिंग्या स सर्चित्र तर्मे द्वा की स्टर्से द्वा से सामित्र में सामित्र की स्टर्से द्वा सामित्र से सा यदे केंश हे में द कंट न द्राया विष्य केंग के न केंद्र में द कंट न विषय केंद्र मिहेशरीश्राक्षेरहेरी श्रुवासदेश्चित्रेरहेशसम्पर्धि ॥

## वहुनि'न्न्न'नन्य'ग्री'स्निम्

वर्द्ध र सुवे मान्व अवे रे सामानी हे नु अ माशुस्र सिव र मर्था नु में व रानहरा दर्ने देव नश्चित्र वर्षान्य नेवार्य सदे देव हुं या प्या राया यान्वरश्यों यादेशयाशुस्राधी यम्न प्रस्ता ने हे शन् श्रायाशुस्रास्रितः मदेः र्सूनः सः र्सूनः खुद्रसः च्रीसः सः दृदः सद्रसः क्रुसः ग्रीसः ग्रीद्रसः यहरी टे.इंश.टेश.पशिषात्रिय.पष्टियंत्रस्य याची.याचीरश्रायशी टे.इंश. कु'सर्ळे' त्रु'सस्य विष्या मुद्रस्य मुद यदे श्वरा दर्वे व धोव या वे या यो या या दव या या श्रुट्य हे 'दर्वे व से व से के वेस दे हे अगार अधिर उसे दर्वे द्वा अगाव अवदान दे हे अगार अ

श्रथः व्याः भीषायत्र्याः प्रथानितः शानितः । नेः हेशः नगः भीषायत्रयः यमान्यास्य स्वान्य स्व यानेवाया धराञ्चायान्वरादेवराष्ट्रीयावे विषयान्वर्यान्वर्यान्वराया ग्वस्यव्याविष्ट्रीत्रिं त्रुः स्राध्यादेवा केवाद्याया वेषा ग्रुः चार्केषा हे प्रस्तुर हें है अपन्ने अपन्य गान्न अपन्य स्वी प्री प्यान्न अपन्य गार्थ विश्व गान्य है। हेशरिंदरगे सञ्चत स्याकेंश ग्रहा दे हेश अद्यय ग्री स्था गरिश्य स् ग्रीशायशागायाशेराग्री व्यापालीयाग्री में शुर्दा वर्षाया ग्रुहा दे हे श मूर्यः धेराची स्वैद्याची स्वेद्याची स्वेद्याची स्वेद्याचित्रः स्वाद्याच्याची स्वेदा यानेवाराहेराविटार्ट्टावी सकेटा पार्केरा क्वें रावाट्वारा पार्ट्टा वर्षा गा मञ्जा ने मिनेमशहेशर्मिर स्रामें मञ्जूर में न्याय श्रव श्री सुरा है। स्रामें स् र्रे के गुरु द्वाद हैं में अध्यय वाद्र अद्र या श्रे गार्थे वर्षे खू उस वाहर वया सकेन पर्के रामी में निया मानना वर्षे रामे हैं भी स्वापित राद्रायरागाना बुरा देना नेनाराहेरा देवे सकेदाया हुन सरा 



यशगाया बुरक्षे। येरेशयान्वरशस्त्र विवार्तिक्षा हे ने प्रविवया नेवाश मर्गोद्दर् नेग्राय्यक्षम्यक्षेत्रः श्रीः नव्याया ग्रीं व हिद्दर् गुः वेदिः यथः गाः गरिः श्रीट्रित्रक्षाम् सुम्रान्त्रं वात्रव्यान्त्रः वात्रव्यान्त्रः विष्यक्षाः विष्यक्षाः विष्य हेशन् क्षराधी गुर्ने नायनेत्। विद्यस्यदेशमन्तरम्यश्री ॥

## श्चय'नदे'श्चदे'ने अ'न'न देशन दे। व

श्रुवारविः श्रुप्तकुर्पवे रेसाया पिष्ठे साया वहें रायर ग्रुश्रे। हे पद्वा हिस्री प्रति स्त्रीं ना सार्विया में 'न्याय लेस' मुं 'के 'यस सार्वा कु 'में ' यदेः र्र्स् नः सः हं त्यतः इः रूरः श्रे अः यदेः त्र सः वेः गुतः रेगा वे अः तुः नः वे गः हुः शूरा ने नवार्धर पार्विन नु पार्यर के सानु शुर है। ने सार्थपार शि सन ट्यासट.र्ट.ब्रूश.प्रे ट्रे.येश.यश्वश्वशा र्च्याश.ग्री.क्ष्यायश्वश्वाशायश यानहेत्रपर्यास्याक्त्राक्षेत्रपुर्यात्या स्वायायाराह्यस्यात्रिया रगायमार्गर्मरम् त्रुरमात्रा त्रुः सार्मार्गर्मरस्यान्यः क्रिंदायमान्यः डिट पायव परि हो। वर्गाय शुः से 'हें गाय शुः सु 'ही व पर सु हो व हो। पाये व स ग्रवस्य प्रदेश्य विव तुरस्य क्रुव र् सस्य मक्रुव र पर विया मीया च र च र हिं या स पि.च.वर् मी.क्ट्रेंट्या मिल.चयासीट.चर्षेय.मूर्ट.व्याम्यायायात्रातीता ।

नेर-सॅट हिंद शे वर्देद य गुन होद दी । वरे मिने मिन हेद हुव हिंद शेस सर्हर नर द्युरा विशासर नमून र जुर नमा र नी सु सा की मार सुग यावरियाम्या नेयाव्याव्याव्या व्याव्याच्या विष्या व्याव्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय महेत्यार में न्रायह्य नरा न्राप्त मन्त्र हु तसेय नरा ह्येत्र यस प्याप्त सर नुःनन्न नेःन्याहेःनद्वन्भेःयान्दायह्यानेःस्नायदानुःनद्या सकेःसः म्यायावनयायाप्रम्याने भ्रित्ययानन्याया है नईत्ये यया हिंद वे पान उत्रें मिन प्रतिम्। प्राप्य प्रमु विट के अर्थे नि ने। वि प्रयापन्य ग्रम्भिःमाञ्चमार्थाभा । वर्षे निष्ठे हे पडिगाय। श्रिंव मी पर्शें प्रवास प्रमास माने प्रमास में प्रमास म धुरःश्चेत्रःविदा । वर्देद्रः ग्रुवः श्चरः ग्रुवः ग्रेट्र । विषः ग्रुः वः वः श्वेषा श्वरः । सुर नमून सर नु सहित्। ने न्यानय में न गी सार्वस्था सु न्याय सुन यान्त्रमायमाभुक्तिवर्षमाने। न्तु-नुःमून्-नुगनमून्वि-वर्षुन्-सून् ह्रियायाः सहिता सक्त्राक्ष्याः विस्थाः न्यायः वार्यायः स्थाः स्याः स्थाः स्याः स्थाः न्नो नदे न ने या हे न यह से नहा हे म्या कुर म से न्या सामा सामा सामा है । नक्षेत्। गर्रें में महे ति ने में त्राहेश या अरश क्रुश ने से यो पर्ने अर

भ्रुरापर्याः इति विषयः विष्यः विष्यः विषयः र्से ति निर्मेन निरम्भ कर्या निर्मेश के निरम्भ निरम्भ निरम्भ भी कैंश ग्रम्सार पुर्विया ने प्यम्से नित्र मा कुर्ये ही नित्र के मा ने नित्र शुःशुः द्वोःश्चिरः वयः यावदः विद्वा दुः यळ ययः ग्रेः यदेः ळरः प्यवः द्वीवः यः कुर-इ-त्रशर्ध्व-ग्री-न्नः अन्तर-विर-दर्ग-भ्रीशनी वेर्गन मुद्द-द्वाप्य केरा हे.र्भागश्रमाम्बेरायायायाया क्राचम्रान्त्रास्यायासेरार् नश्र्वा ग्रान्ययायाद्रम् हेयासुम्ग्राम्ययायायायायेद्रस्त् हेयायदे र्श्वेद्राया सेद्राया स्थान स् नशहें नेव फुं सहें शर्म र शुरा कें राहे विस्र र शुरा ने ग्राय हे र ग्राट्स नगरन्ता शे. शे. देन्ता विस्वान्ता बरक्षाया श्रेवशास्त्रे निवस इस्र शु:नर्झे स्र श सक्त स्र नर्ने दर्शे सर्गे व विर नर्ने हैं रान्र । हैं यास्त्र विराधरायरे यानेवासास्त्रवाखराबरायायार्रायार्यात्रेवात्रसः क्रॅंश लुश गर्डें में र सून मार्ने न नुश दे न सक्रेंश हे न न सक्ष से न स वशान्यश्राम्भ्रम् सार्ट्य स्थान्य स्थान ने न्या विष्य के निष्य के निष्

यःहःसर्केनाःमोःह्यःवर्त्तेरःयःद्वरःधुनाःयेग्रयःयःद्वा धुसःश्चेत्यःसः वर्क्कद्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् श्चरत्रमा न्त्रभःशुःसेनमःद्रमःश्चनाःशुरःमःश्चाःषयःनःयान्समःनः बुया नेवरित्रों यारासहरिते केया समय केरा पर्या यह । क्रियाणरार्चेत्रचीयाणराष्ठ्रवायाहेयावा बुराव्यावीं सरार्धेरास्त्राता यहरी क्रूबाई गारायान्दायक्षययाप्रिया श्रीयहत्या रेटायान्या है येन्या भे अपने विन्यू वर्षा या श्वास्त्र स्वित्र स्वत्र स्वत् र्वि र्विते र्श्वेन सम्वयुम् न स्थु हुस्य सम्वेत न में सम्वावि स्वेन स्थूम र्यो सम्वेत यान्ययः न्याः यावनः नर्योत्यः हे व्यावनः। न्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यान र्वे हिष्याम् नेम्ब

 सहरी लु.चुरासियःवर्ग्नास्तरा र्योटःतु.कं.वर्रास्त्र वयःग्रेचेग्रायः न्दा व्रियः पदेः नुर्यः हेन् वर्यः सर्देन परः वेरायः विवायः येन्-न्-नुम्। न्गुम्-लॅ-नर्ज्याम् अयायाहे कियानि सेन् सार्त्वे में यानाम्या मदे-दुर-तु-न्नो-नभ्रेत-ग्री-र्स्सामा सर्वेश नेर-विर-नी-दुर-तु-विर-मिक्स नव्यामा देवमापः मुद्राने सामा हैया यो सम्भूताद्या न स्रेदाया य हैंदा यम् सहिन्यसान्यायापार ह्वासासर से हुता न्वार से वह वर्त्राया म्रायायो नेयाये नावे नुरानु निर्माय स्थान र्स्नेनः अधिव कुः सं नः सुर न सः नुसः न सुसः सिवः सः सः विवा कुः सः नेः इस्रमाग्री:इर:रु:वार्स्सायासर:रु:बुर्मा हिर्:सर:धे:वेस:सेर:वो:नःसः वनशायशकीं विन्त्वशायशर्देन विन्तार उत्स्रीश दानवर रशक्तर रेशकेंग्रामभान्त्रत्म्। र्यापमा नेवेकें नेर्यमा उत्पारव्या यात्रेयाया केंयार्भेट्रियोयाद्ययास्याद्येत्रायराख्रात्रम्भूता देवयाद्यया **श**ुर्चेत्रत्यार्रे हे न्या ग्रम् सूर्या सूर्या स्थापनाया वर्षे नम् तुर्या स्थाया यवरावर्या यासरसावसाहावारसावियान्दरायासेरान्द्रयानुः साठियाः नश्रूस्याने। यनवःरे:क्रिंशःस्ट्रान्य्येट्रान्यान्यान्। नरःळ८.सुट.तरःब्र्या श्रूपाःकः।तरःनरःचयाःवयःश्रुभःरशःश्रुटःशुःग्रुःग्रुप्रायः

वेत्वानः स्थान्ययाष्ट्रत्यत्त्र्यः नेयानने निष्या वित्र वर्द्धरास्त्रर्भार्सिश्चेतुःवासेनम। देवेःकें कें माहे रहा गुहाई हे में हार्सम शुन्दरशन्याम् मिन्द्राम्या देराश्चित्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम् वर्षाम्भः मिन्द्रम् क्रिन् क्ष्यः विष्याः व्यावायः स्वावायः स्वावायः स्वावायः स्वावायः स्वावायः स्वावायः स्वाव न्वेंद्र'नर्केन्द्रस्था सेटाने 'व्याष्ट्र' क्वंद्र'ष्ट्रवे 'न्वटा क्रस्य सान्दा क्षुवा वर्षा इस्र लुर्भ। रुर्भ वाश्वरास हिन प्रते स्वा दिया धेन से र न देवा ग्राट वान्य म्बर्यायम् मु: क्रियान्येव प्रायायायाय निर्मेश मी प्राया विष् न्नरः ध्रमा खेत्र न् ज्ञरू अ जी जी मान्य न्य अ स्थान अ ने स्थान अ स्थान अ स्थान अ स्थान अ स्थान अ स्थान अ स्थान त्र्वित्वयात्वार्क्ष्यायायह्यात् व्याप्त्रियायार्विवात्ता व्यार्क्ष्यायार्श्विया न्यॅन क्वें कें अयर्द्ध न्या सेनाया पुर्वाया त्या सर्वा स्वेन केन् की से हिन्या से भ्रद्भा व्यम्भक्ष्माभ्रद्भा क्ष्याम्भ्रद्भाद्भा सूर्यान्याः सूर्यान्याः वह्रमात्यः स्वायान्य स्वराद्या हित्य स्वराधित ही ते मा हिमान इसस वर्गानवर्ध्यायहेन्से ने से वेर्पायास्य न्या से स्वाप्य दे वशकेंशः हे न्दः तुरः हें हे गेंदि से वश्येवशः है। वळवा याद्वावा वहे ग्नेग्रायाये क्रूंत सेंदे ग्राया न्तु सह न प्रदेश्य र सें या है सह या नु र हिंदा र्ये निवे त्र सर भ्रेत भ्री किया भ्री निवार में निवार स्वार स्वार निवार स्वार स्वार

न्यामु न्या के या हे सूत्राया के प्रयासहया नु मुँदाया। व्यास में प्राप्त स ग्रीशःश्रदःनःवर्गुरःनुषःय। श्रृदःहेनःश्रेदःहेःवर्ग्वेदशःय। श्रुवःश्रदःनर्श्वेदः यायानिताने वित्रेत्र क्षेत्री पार्विषा वित्रेत्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत याश्वार्यात्रायात्रयार्रः श्वित्रत्रा त्रायायायायाः यो सेययात्रश्चेत्रव्या यायर स्रम्गुर देय प्रथा के प्रत्य प्रवाया क्षेत्र यायम के प्राप्त विवाया थूर यः श्रुरितः श्रुरात्रया कें यः हे ते पुरत्य समूरयात्र प्रितात्र श्रुरात्र स्र नव्यायायम् भ्रम् भ्रम् व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत व श्चेन चुर । हिन्य केंश श्चें र यो मन्य प्राप्त ने यें केंश हें या ने र केत्रक्षेत्र्रायह्य। नेरक्षुयार्वे सम्मुयास्यार्के यात्र्यामी विद्वाल्याद्या न्वरने से तमे खुरन् निर्मेस्य राम्य कुस्य नवर में विवर्ष । खुरम कुर्याम् निते सूर न मुरान कें या है त्या वुर्या मा कुरे कुर है रामित र्बेन्याश्वर्। न्युवःनने केवःन् नर्बेष्ययः मयः श्रुः ख्यान्दः श्वेः ययः यः स्यः र्वेत पर जुर नशा क्षेर र्हेर जी रसना भूर के तर्रे जुर पर रसना सर्वे । अर्देशयात्रशर्येवायाविवाशयावित्। ह्यानास्त्रीत्रप्राचीत्र मदेः भूतः कः जुरा भेः प्ययः तुः धुः क्वतः तुः र्जेतः प्रयः हे व्यः प्रायित्रः वितः तुः प्रवितायः विगानु न्वेरियात्या केंयाहे त्या व्यापया व्यय हिंदि मी हिर्मे न्नु न

यक्तरम्ब्युट्यार्थयायान्त्रम्यार्थे स्वाधित्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्र क्रॅंश हे 'ब्रॅंब' वि'ठेवा' ख्रें 'ब्रॅंब' शुव 'इंट्य 'ध्ये 'ध्ये विष्ठ विष्ठ वि द्यगानुसार्वसामार्डटार्द्विमासात्यार्त्वेत्। व्हिर्से त्रटार्नु नुटासेससा कुत्यापेसा न्यस्या पर्केशाहेते मुप्याधीता सेपाम्यायायाया सेपामे नेपा नासु मुन र्'तर्में न'यग्राख्याया कुंग्राम् कुंग्राम कु कर्रेंदरन्य अयर्त्वेद्यम्बर्दा विर्यय द्रियः वर्षः स्वादे विर्ययः न्यायोवित्रन्तरामित्याल्यावया श्रीत्राची सेत्रसूत्ल्याने निर्मेयया नश्रम्याश्रम्भशः ह्रेनाशः प्रम् जुदः नः श्रेनाशः वुशः प्रशा हेशः इतः यः श्लेनः वर्षानित कर्मनश्चिष्रमार्थमानश्चर्या क्रमाहे स्टार्चेरायदा दैरार् बिट्रसट्रु लुर्अप्यप्ट्रा विट्रप्यर्श्वेट्रविषालुर्अप्यर्थः ग्रह्मार्थः स्थर सर्वेट विश्व स्था देवा कर नदे देवाश शुः वर्वा वाश्वरा

ने न्या श्री त्या त्या श्री त्या त्या श्री त्या त्या श्री त्या त्या श्री त्या त्या त्या श्री त्या त्या त्या श्री त्या त्या त्

सहयात्रमा विनाः विभागविनामाः हे 'र्नेत'न्यानम्भेत'मः निम् श्रुपः वनमः हाः सर्वेदे सुर तुरा राष्ट्रिये में रची प्रचे सुरा चु नदे रे विंद् रे वा द विराय राष र्श्वेर:र्गायायमाकुः सहर्पायमाभुः सर्ह्याः भीतः तुः येवासायः वेवाःयः हा क्रूट्यो म्यून्ययायात्राप्य म्यून्य देव्य भू देर्यययात्रया क्रिट्यं नव्यायायदेखें। कैंयाहेयाहें सेंपारयायानव्यायादयायाद्यारायहिं। ग्रथास्त्रग्रम् न्याया शुर्व देरास्त्रयायस नुः केंश हे सें नुः कराना नर सहयात्रशाक्षेत्राणीः वाशुरान्नोरासरानुः सहन्।

ने न हे न इन के त्यते वन म हे म ग्री के ट न में द कट न दे वन म नव्यास्यायः केंस्यनेयाव्या देवसः हेंद्रमायः मेंत्रस्यान्यार निरा ग्वितः इस्र श्राधराग्वर्या द्वेषारे सहित हे न द्वेत दराधरा सर्यायसार् सह्याविरासग्र नास्र स्या श्रुम्या स्यायार वितारायहारी दे द्विम्यास्य त्यास्य प्रत्यास्य दयम्य स्थान्य दे द्वसः मुर्वेग् भे के अमेरि विद्यायम् अर अर अर अर विवाय निरा दिर देर अर र्चेता ने न्या सुरहर र्चेत प्रयागुन केत परि सु ही न इत कुर र्ये न इगा शुया वेंत्र'म'न्नर'में 'नूरम'म'ठेग्।'यन्ग्रामायाधर केंस'यनेयाग्रम्न विरा

यानव केव नर्शे न वस्र भेर्दिन हेर त्या पद के सालु सा नेर नर्शे व केव न्वेव से हिर वहेव नवर से न्र सहया गरे र स्र गर विर गेर स्था ने न्यानने केत्र नु कें या हेते नु न नु ने या वेर ने या से व्येन मानु नि केत्र-तुः श्रुण्यान्य त्यायान्य विष्यायान्त्रेत्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र केत्र मर्वित् तु गुर कुन ५८ क्रिंग ५ सें त न मा निया निया से त केत त्या से माया या या नश्रेव पर हैं गया अपवि रें ल के यार प्राय पर प्राय ने र के गया या व डेगा. ह. देर ग्राया शी. ८८. र र ग्राया थे. स्राया से दि र र र र र ग्राया से खे. हैं वहदर्दिन ग्री निश्चिय द नित्वाय प्राया विवाय प्रदेश से निश्च ग्री नादय हेशरु:५५,५५,१०० भुःशुः हा अत्राम्ययान्ययान्ययान्यानेग्यानेदिः यगुर-पर-वाशुरमा देन-झून-नर-वाधयान वरमानाने मागुर-ने-नुमा व्यःश्चेत्रायाधेवरद्वयाधरमाश्चरमा भ्रान्यःविनार्तुः हेर्यः हेर्रान्यः नसूरसन्सर्भेयायान्दरधेनासन्नान्द्रचेद्रसेय्द्रनायस छिट् मवरव्या यायमाळे सुना यायमा इसाय समामा सन्दर्गी पर्मा देन र्ख्य र्क्के मिहेश ग्रीशमित रहेते न क्कें मानाय (तुनाश स्था क्किम कें मिहेन श्रूट्रियान्द्र्र्या अनुस्त्र्या अव्या श्री अन्त्र्या अन्त्र्या अवार्थः न्नीव हेना व सेव नु सर में गु खूर खूर ह नवे सु र्स समा सर हुर ह

मुन्यम् अस्य स्वायन्त्र मान्य स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्त्र स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स्य वर् गुर लु अ प्रथा क्षेत्र प्रसें हें हे से र मे वि हे मात्र अपि न हर प्रमान वर्षाः वेरः वः वृद्धः हे स्वः से के व्यारः भुष्यायस्य द्रायास्य देवसः हैंग्राश्वरणे मुलन्दा यावर में द्वार हैं निया केंद्र निया से है नायय याने स्वानाधिता ने स्वतः कराव्यान्तर प्रान्तर मिना की क्षेत्र व्यापाव्याने विकास केव से सहि के राहे में दिसे विषय सुदे द्वीं व स यहे वर्ष सर यहें व मिन्। यरे के व की यादव अर वव की अ य भू अ य या व याव य व या व या व यह्रान्या र्या द्वारी यार्त्या स्वार्थित स्वयं स्वयं स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स रेगायहें त्रगु सूर्र् हें प्रार्हेग्य केत्र ग्रायर क्रें राय सेंग्य ग्रायत्र दे वशस्याः सेविः से वित्रुप्ताया ने वशयायर स्य व्यासेव त्रायाय र्रे अपियः श्रें न श्रें मः लुया होता छोया न स्वाप्त स्वाप्त श्रें मान्य स्वाप्त श्रें मान्य स्वाप्त श्रें मान्य स्वाप्त श्रें मान्य स्वाप्त स्वापत स् त्रुग्यन्याम् अत्राम्या स्टिन् स्टिन् म्यान्य स्टिन्स्य नशः होत् क्वत्राः शेः श्वरः नः अरः सें खुरः। हें हे वात्व हो हेर खुः अत्रा छुः कुत्रकीः देन स्वाप्ति ध्येत्र स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति नव्याया ने नया पर्दे र उर्दे सुर नुया मुख्य यहित पदे हैं न या गुन

वर्वेदिः ब्रेट्ट र् वेद्याया मन्याय वर्षा हिना सर्वा त्यस र दुः क्षेत्री स स दस सामाय य हिन दुन । स क सना र र ने विन मन्त्रन्त्रः दर्शे देव केव से देंद्र । दः श्रे निष्ठ स्वर्धियः स्वर्धियः मभा भैट से अपने न अपने मिन के निया मिन के निया है र विषायात्रवाराक्रम्यायार्वेमाम्बिम्यायया देखेर्द्वयायायात्रम् ह्य नर्भिया हार्ये वसमावसम्बद्धन वदेवसः रुषः वेद्यवा उद म्बेस्यापराद्यायदे याने रावया बस्या उत् सँगा सँदा नया देरा लट्च की सेवा श्रम क्रिया व्यय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय कें अर्जुग्दरक्षें रर्जुग्यास्य स्वार्थित्य सर्जु जुर्य रेर्बिट्य रेर्जेर र्वरावाशुरानु मुवारान्सायसेयावर देंदा ने वर्ष में दावियायहें वारा दिराग्राह्मरायदे सुरायह्म नेराय्ये देवा सुवारे राष्ट्र सह य्राचेश्रश्रापरः भ्रेंत्रायायाप्ति विद्रापिटायदेवशासुः व द्याप्त्रशायाचेश्रशः मः सहित् दे हिर्धे न्या व्या के या हे से वार्षे के या नदे के वाद् न से दिया श्री

नदे न्या से स्थिन। सः बुद्दः न सः नदे : के दः तुन्या सा दे सः नि सः नि सः येग्रायर्ग्य केग्राय्य व्यान् ह्या वित्राय्य हिन् वित्राय सुद्र वित्र वित्राय सुद्र वित्र वि या ग्रम्भः वरः वर्धेनः प्रमः न्वेन्सः वसः त्वेनः प्रभः ने सः विनः न्वा ध्रमः र्थे या या ने के ता नु सु सक्स स्वापा सह न प्रति के । के सा हे मे ता से कि से बर-रु-वि-नर-मानेमार्थ-प्र-दि-क्ष-न-नविद-रु-सिविदा न्गुर-वे-रु-स्-याडिया'रादे'भुं'भ्रेया'य' इट'विया'यावर्यावट'र्'याहेत्य'रा'या यर्व'र्खी'व्या यानदःश्चित्यः या क्रुत्रः न वरः विरः देः न वरः वी र दरः दरः ध्वतः यः केवाः वा वेवा यः नमान्त्रामान्युम् यदान्ति नार्थे ह्वान्य विवासाय महूरमानमा हे वुः अय्यदः सं विवः हे न न विवाय प्रथः दूर्या दे प्यवः कर्रः न विदायस्य यर-रु-ग्राचिग्रय-प्र-र-। नर-र्ने-सर्देत-सुस-रु-ग्राचिग्रय-प्रश्-रे-प्रग्-गी-र्नेत-यहर्नियन्ता क्रियाकेन्यियोग्यायत्त्र्रियायायार्थेग्यायात्त्र्यया वे ग्रम्य से न ने ।

सबर्द्रग्रद्धिः चुना दुः इन्तर्व नवे सन्तर्सा सार्धे सुर्वो सिवे द्वीर न्नि च रुट्ट पाया नम्नुद्र रापदे रुष्या नम्नुद्र के राप दुः पित्र राभुः। प्रथा वित्र र् रेस्याप्त र्रेन्य वित्र र्रेन्य वित्र र्रेन्य वित्र रियह र वियाः इत्रायदी क्षेत्रः विद्राद्या दः क्षेत्रं विद्रायद्वर ख्रायः शुप्तवि । वि

नश्रश्राम्य केत्र विष्या स्ट्रीय स्ट्र कुत्रज्ञामीयानकुत्रवयान्द्रयादतुयान्गरायरारे नामीयान्दर् वयः वरः रु: क्रेंत्या विवा वाश्रुरः चः यः श्रें वाशः प्रदे वयः चर्गे दः सह दः त्रश केंशनइन्ग्रिकेश्वार्रेन्स्राम्याविनदेन्द्रीत्यासुग्निन्यास्। विन्तु गशुस्रायान्नेगरार्हेटानश्चनसामदेखें से कें मानी स्टर् से दिनाम गुव्राचीर्यासर्वित्। देवे के सुर्भु भे स्थादे वर्षे वर्षे मास्या सुत्र सुत्र स्था र्हेगामी कर नगरे अम्मगमी । श्रुप्त तु अप्त मार्द्द मार्द्द स्यार्त अस्तु लट. स्रियोश सम्रास्त्र विश्व तहता स्था स्थित । यह साम्रेय विश्व स्थित । स्थित । सर्केन्-नश्रमः प्रदे स्ट्रेन्-न्द्रियः वहतः इसमायि वित्र नर्सेन् पा हुनः रें। विदेखार्श्वे रार्श्वे नामा सरायराय्य केतान विदायायायायायी हियायाय्य सर्ग्रेव् मुलाना वह्र अन्तर्म स्था क्रिया व्यापना से प्राप्त अपिया मुनन्रस्य मुल्य अळव रान्द्र निविं । दे द्रा व्या व्या मे प्रा हि के वर्षे। न्यायनाः भेरते अन्य अन्य अन्तर्भात्र स्वर्मान्य स्वर्मा स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स निवेशमंद्रिम्मान्ते धीत्। वे स्थानें त्रमायायन त्र में के साम्माय स्वासी श्चें न सुन देवा वार्या हैं वारा स्वर देव श्चें व न न हैं है व न न न हैं व यार्ग्भेवायिनानभ्रवसानिता द्वेसावन्यास्त्रायान्या सावताकेता

कैंशन्ययानायान्वी नश्चेतन्तर्यस्य स्वातुर्ध्यान्त्र वर्षानाक्र वनावःनास्त्रा रसः र्ह्नेतः नर्सेनः रेतः वः नने रहेवः सहन्। वनुवः नवहः ग्रम्भवा सम्वरक्रेवर्दिन्यग्रुम्द्रम्। वृरक्रेवर्देवर्यग्रुम्यम्। क्रियाया यायर सं.य. मुं. मुंयाय खंरया सेर त्या इसारेया न्याय मुस्या हैया थ्। हैं निवह्य क्रियानस्याम् स्वाद्यान्यम् निवास्य विक्रिया बिश क्र्या ईरार्ट वैटार्ट्र हैं या कियान कि अक्षी सवा स्री नटे अक्रवा यहेग्रथा हो नित्र अव हेगा भे अ भे न भ्रामा अया दें भें न स्था में निता नने अर्के ना स कुन नह्यायित्रभा र्ने ज्ञा वन से वर रेने ही से सम्मास्य से से मित्र महिया है सामित्र सम्मासी नन्द्रमा नक्षेत्रसूना रशःकुरःसूत्रनकुन् नकुन्येत्रसेरःनःयःस्वारा यः वुर्या वयवः में नर्द्धवः नृगाः या ववः में वे ववः नवे संवे क्रें र इस्य यः याश्वा हैयाश्रस्व यायाश्रसेट याया वृत्ते देवे के श्राच्या द्वा दिया है र च्या ५८। व्याहेराके असे अदि होता क्षान्य हिमाहेरा महाराज्य कर ख्यायान्दा गोगायायेयायार्थेयायायाद्यात्रायायाः र्श्वेर:इग'र्टा र्वट:सर्रेर:वस्व:रटा हे:क्वंश्वर:रटा स्रूथ:रासेगः वर्चेन्यःश्रेषाश्राम्यः बुशा नेषाः वहें वःगुः श्रूषः नः है वे नुनः नुहें षाश्राकेवः क्रुन्द्रमेथामे नित्रान्ता मिलेन्न्यम् मे नित्राह्म हैं

वर्षेयान्दा नदे सर्वेषाः भूदावर्षेया द्वायाद्दा दुशायितः कुदार्षे साम्स्यशः ग्रम्भवा न्यरावे दूं न र्हे के सम्बन्धान हा साथ है है है है से न्या साथ है है है है है से न्या साथ है है है है सर्देव'रा'गुव'यथ'न हुर्य'र्दा श्रुव'र्दा श्रुव'र्दायाथ' में में दर्दा मक्षेत्र नहें दर्या में नामा मार्थ दर्शन मार्य दर्शन नेश'ग्राश्रद:ह्रिंग्राश:ग्रे:कुर्ग्यार्यश्राधार्पः न्याराष्ट्रीट प्राप्त न्दानक्रामा अर्देवे मन्स्रामा सुद्रामा सुद्रमा सुद्रामा स्रामदादर्भे । श्रुरः त्रेया यो प्रवरः विदः शुरः प्रदः वरुषः या अर्देवे कुर् कुरः यो शुरः। उ से वर्गुरम्भे:नुभावित्रम् कुन्वमेवाग्री:सुरन्नरन्नरम् न्यानेवाहे गिनेन्गी सुर। अर्नेन्निर्यादन्या सेस्रासे्स्रान्निर्या र्शेवाश्वाराविश राष्ट्रेवारायानुशायविराधेरशाईवाशाग्रीन्वरावश्चरा कुर्वियाची प्रभित्रा वायर पर्या ची प्रमानित किर् मायानक्ष्मनान हुरू न्त्रा न्त्रा साम्बार मायान क्ष्मा गुरु सि हो नि में या नि मायान क्षिमा नि सामित स्थान सामित स्थान सामित स्थान सामित सा न'य'र्श्यर्वेर'कुर्'य्योय'ग्री'नन्दा अर्क्षेन'र्नरा श्रेर्'र्ग्ना'गे' बिना देशर्देव कु अर्के र्श्वेमश्यर पुरायश्व न्यय थ्व कु सामाय गुररेग्रायस्याग्रीद्वर। द्वायाश्राय्यायाग्रीसेययामश्रीद्वा यया

वर्षायार्श्वेषायायवा श्रुराञ्चाया श्रुराञ्चाया । वायर कें राष्ट्रदारे रहे साद्रा यायर सुवाववर्गक से रहे सारे। यायर सर्दे सुद न्व्रियायम्या अस्त्रियायम् अस्त्रित्यायः म्या या क्रेअसळें वा नश्रभावाद्वर प्राया वाद्यश्रामा बुर केंद्र मार्था विद वीश विष्या श्रुष्टिय । होता प्रदेश प्रदेश विषय । वैरः नरः दिः विश्व क्रिंचें संक्षेत्र दिन्ते क्रिंचें संदिः विश्व क्रिंद्र स्वरंदिषाः गश्रा दे स्ट्राहेन वर्षेय स्त्रं श्रुय र्स्टिंग्य प्राप्त द्वारा स्वरं में प्राप्त वर्षे यानम्या अर्देवायरान्वेयायान्दाय्यम्यान्वनार्देवाकुःकेरायह्या श्रियः सदरस्मित्राःभीरः वतः सदिः वत्रायः न्यायः सददः नहेत्रः न। देः विद्रायः यर्गेत्रसंधि नेयर्दा गत्त्रयादह्यायदे द्वर्य केयायर्गेत्रपर्दा यविश्वीय विरक्षित क्षिय सक्ष्य प्रदा यविष्ठे स्थर्भ क्षिय स्थित स्थ यःश्रेष्यश्रास्यास्य । वित्रित्रं वित्रं यापात्रमान्द्राच्यात्रमञ्जीतायास्यात्राच्याः भ्राप्तान्त्रम् वर्त्ते नः सर में वास्त्र वर्दे वास त्रस्य प्रते न ने स वाहे त के त में वर सर ५ व्या नगुरावे नकुन दुः चले याया या से हिरावें वा ले नरा में ने वा या ने दे हेशाओ नै त पर देर शर वी नर र देवे के श ही खुवा कुत या कर नर व्यन्ति।

रे बिंद्र या अर्वोद् रें प्ये के श्रा श्री श्रा यह के दा निवाश हे शा के वै यी । यान्वरश्रमः धुवरश्रे सेटर या विया यत्या श्रावरश्रा श्रावर स्वर्षे देशे विषय या विया क्रॅंश विस्र संभित्र प्रत्या विदः द्यो पर्त्य ग्राट्य स्तर्य मान्य देव क्र केर्न्स् अप्तर्केर्या अप्तर्केर्या अर्दिन केर् याक्षेत् अत्यारास्य प्रविष्यायात्रयात्रित् श्रीयापावव रेवि या यात्र प्रविष्य मभा क्षेत्रासासम्बद्धितः देवार्ये के कुयान वदानाया सेवासा हिंदा हिसा र्धिय देव केव भ्रीट नित्र व्यापर्भे देव सहि। केव महे मुट मुय निय क्रॅशप्तें र होर र पुर रेर र र र र त्वा या या ही विवाद कु सेवा र वें त ग्रथर:र्:प्रत्याय:हे। ग्रव्य:र्देव:प्रभुट्य:प्रदे:र्स्व्य:स्वर्ध्य:र् नुःगन्वः अःग्राह्यः वयःग्राव्यः देवः अहन् । प्रश्नाद्यः प्रश्नाद्यः प्रश्नाद्यः । ८८। भिरक्रियान्युयान्त्रीयाश्चित्राश्चित्राश्चित्राच्या

नर्भू र वर्षा नाव र र र्जे वर्ष र न न र न सुना है र वर्षा या र नश्रुव वशा वर्षि मः इस्र श्राचिषा व्याचिषा भ्रेषा श्रेष्ठ सम्म स्वाप्त में मार्थ याठेया'स्र-र्णु-रत्रार-रागे'श्चेत'सळस्यार्श्चियापांश्चेरापया १०स्य यक्र-निवेश्वरात्र्यात्वरा श्रुपार्विव वु केत्वरात्र पात्र श्रुट हे के ना श्चें द्रायम् अवद्रायाल्य होद्राया अर्थेद्र य यम् सहित्यायाः स्वासायवे । प्रतिन्त्र प्रतिन्त्र स्वासायवे । प्रतिन्त्र । इनान्द्रन्थः भेनाः र्र्मेनाः याययाः सर्युर् स्वयः क्रुयः द्रीरः यः सेन्यः यरयापानेवाळेवात्रायायार्थेवायानश्चेता वेवाचेयानीयामात्रानें नुयान् नडर्भात्रमाओ र्हेगाप्य विदासे द्वीं त्या र्हेत्राम्य स्थाप्य स नदेःसून्।नस्याग्रीशामुदाग्रमाद्रशासुनशास्याम् शामिं दरारेशानदेः नेयाययायरयामुयायाभुतयासुःर्येटावेटा कें रतयाद्वरायदेः र्सें त्र भ्रेश सुःह्वरशःधश्यायापार्दे सळ्र ५५ वहेन छेटा यायापार्वेन ग्रीश ग्रीव ग्रीश नक्षत्र सम्पद्दिवा ने निम्ह निम्हें नम के शहे मह मिर शहर हैं है न्दः सहयः नमः वस्यामः संभुवः रमः यात्रेयामः सुः सर्वेदः। न्दः सः द्याः सेः

भ्रेअवर्षास्यार्थास्थिराचरे केता भ्रेट्रास्या सुर्मेत्रा केर्या है सम्बर्धा प्राप्त यानव केव नार्वेव नु जुर कुन प्रश्र क्षेत्र प्रस्त में व स्तर है। न्तुर कें न्यु न्गु'य'रन'हुन्दिर'नक्षेत्र'यर'ह्याया क्षेत्रयरें न'गुत्र'न्गदर्देत'गुना म् याक्ष्यारेवा के याहे नापायायायायी मु न्या के याहे। यापन केनन्य यानयः मुया सर्वता सुः यान सें न् भेता चुन स्तुन सर्वो न सें न से न स्वयं शेटानो या शेना शामिशामा साम्यामा मान्यामा मान्यामा सामा स्थान स्था नक्षेत्रव्यायर्रे कुन्नक्ष्त्र नर्डे यान्य वे मायवाय कुळे रायह न छन् यरः अतः द्याः यः यार्डे वें रः अहं दः दे : श्रुवः यः यः श्रुवा शः यार्वे यः यरः अहं दः व्यारी वित्तित्वेवाया इयया शुष्पोपितावा इया प्रमायवत् व्यापञ्चियया भ्री महेत्रमा कुर्दरहेते द्रगाय सुन। कुर हे र सम्भेर सम्बन्ध म इसराग्रीयानश्चनयानयानुसराहीं दासदातुः श्रीय। वित्यदाहुनानुसरा म्त्राचेत्राक्ष्य्याच्चरात्वा व्यायान्यात्रित्याक्ष्य्याने न्याय्याचीया व्याव्ययाः हिनायाः सर्वेनाः तुः शुरायाः विष्ठात्या स्टावेन स्वीत्यायाः निरा न तृषान निष्य के निषया से निष्य भूगः श्रुवा साथा से वासा सिर निष्य सिर

श्रूर न सर में दर। गवद द्या में खुय दर में गय दर श्रू र पर र से सम ग्री इस प्रश्नुर इसका से विंद वा भरान निवान का निवान का निवान का निवान के निवान का निवान के निवास के निवान के निवान के निवान के निवास के न र्देग्रम्भारतिः देस्रायते हिरारे त्रद्देत् ग्री ह्या सुत्र शुस्र र्केंग्रमायायाय त्रात्राया येन् प्रमान्द्रम् अय्याशुः श्रुन् प्रमान्द्रा क्ष्या हे स्टा गुरा है हे प्रमाने विषये बर बर हे 'देरश'रा'दे 'श्रॅल'सह र पाव सर इर माबेग्रा पर दा परे सर्केगानी न्नर लु रायदे के ने नु गार्ने हे त्या वर्ते र सान्र वर्षा पर यरशः क्रियः याविदः दर्वे सः वक्कः इः वक्करः ग्रीयः वर्षे रः वः वाविवायः यः दरः। हेंग्राश्वरणे गर्वित प्राया से समान से दिल्या प्रते सुर से दार ग्री माना प्राया यःश्वायायान्ययान्त्रीयात्रीत्राच्यायार्थित्। बदाक्षेत्रेः देवित्यार्थेवायास्य धुन रेट रु प्रवृण्या देवस सुग सिन रे मिन रु से मानास र सेट मेदेःवनशायान्त्राशात्रशास्त्राशास्त्राशास्त्रात्रा गुनः र्वेनः रुः र्ह्मेशः ग्रीः नव्यायाय्यान्यः नदे : केत्र श्रेट्या वात्यात्र द्याः सँग्याया सुन्याया सुन्य वज्ञरमाने नम्रेन सुन द्वा से दिन में ना स्रोत स् र्शेवार्यायदेवाद्यराच्यराच्याच्याचीर्याक्षेत्राच्याच्याच्याची स्वयायसाची स्वया इरक्षाधु:कुव्वारे:याबेर्यान्युयार्ययावीनायाव्याया र्शेषायायाम्द्रित्त्वयायद्यायम् स्वास्त्रीय स्वास्त्रीते स्वास्त्रीते स्वास्त्रीय

अन्यानित्रक्ष्मः यात्रेन् विष्णः याद्यक्ष्मः याद्यक्ष्मः विष्णः विषणः विष्णः विष्णः विष्णः विष्णः विषणः विष्णः वि

क्रिंश हे म्याया अंदर चरण क्रिंच आयर यद से विद्राय वदे हिंद सुद वहेत्र ग्री अभान्यायर वार्रे वा भाव भावता स्वा प्रवा स्व भावता स्व यावरा यावरावरयो यान्वरस्य निर्मेश वर्धे नेवर्भेरस्य यान्सर्यायायानहेत्रत्र्यातू रेदि कें यानुयान्दर श्चे रानुयाया सेयायाया गर्यान्यान्य प्रमान्य मुर्गे होत्यायायां नर्गेत् न्याया स्रीता हे क्रेंत्रशः क्रुशः प्रशः कृषाः वेद्रशः द्रा वदः प्रदा क्रेषाशः तुशः श्रेषे विषः नरःश्चित्रपाद्मस्रस्यात्राध्याप्यस्यत्यदेवास्यस्यस्त्र श्चित्रास्यस्य वनवानराष्ट्रेनाम् रान्दार्भाम् मार्विम्नुमान्स्मान्यमा श्रेंगि के शासे वाका श्रामित त्र का के से निष्य निषय श्री मान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स न्नम्याम्यामेषायाः भ्रीत्रायम् । व्यवसाम्याव्यायम् न्नो श्चिर्मा विमा सुरुष्य नर्मा विस्था हिम्सा स्वित प्रमा स्वित प्रमा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स भ्रुश भे के के नुन्त्रयायानभ्रुया भ्रुनामार्विन्यमम् महित्रम् के प्रदे भ्रिते नरायनायम्यायम् वास्त्रम् म्यान्या स्थायम् विष्यान्य यदिश्या यशिरःयश्याःसरःशःश्चित्रमा द्वःग्रीरःश्चःसदःयगदःपश्चित्रमः मश्यक्तिंद्रमा सेद्रा क्रिंग्यदे। क्रिंग्यद्रायदे रहसः श्रुवानस्य सेद्रादे विद्रास्ति मञ्जालकः हे का श्रामा बुद्धान्य स्वास स्व

नः अरः सं अरः है। । नगुरः सं नुगान ने अः यः तः स्वा सं वा सुरः सुरः सः दवादःविवाःयःह्रवाराःध्वः यावाराः सेटः वोदेः क्षेः वः धेवः धरः वयः श्रीराः नवेशकिर। र्रेन् ग्रें न् ग्रें ने ग्रें नशःग्राश्वत्रव्याग्नान्वः वहेवः यः वः न्धेवः श्चेतः यः स्टाः चेत्रा यहवः उयः व्याधीन केया प्रदे विया नम् निम्मुया प्रदे कुषा सम्निम्य श्रुपाया महाया व्यापक्षं रागव्याव्याप्ता प्रतिवास्त्रा क्या प्रति त्यया ही खुरा वी कुः यर्दे रा न्सॅन'र्स्नेन'र्स्मभभः कुते'न्तुभःशुः धुन्द्वभः दिन्यभः प्र'न्द्राभः प्र'स्युनः यन् अर्देन शुअर् हे नडुन् अर्श्वेष अर्थन भुन्य हे नरे नर वित्य न्ता वर्द्धम्स्मन्त्रोः श्रीम्द्रम्स्द्रवाधिस्रावात्रस्य सामवारे दिन् मुर्गे सामवे रनश्याशुरश न्गुरलें ननुवयायार्केश्राशुः हे रेलामदे हें हे न्रासर्के अन्-नु-सहत्या न्वो नस्रेव ग्री स्यापन् न्यान स्यापन मासर्वेश केंशा कुंशान्ता स्वाक्ता केंद्र केंद्र में भी मार्ग किंद्र मार्थित नहें केंद्र यानव केव रेव रें के रेव मुन रमयान रहा क्षेत्र रें व के शहे रेया परे र्दे स्थायह्र व्याप्ता प्रमानिया यक्ष्य थे भेया प्रमानिया विया प्रमानिया यान्व केव रेव रें के त्य गुर्रे गूर्ये वाय कें या ख्वा त्या व विवा वायवा केंया हे नाध्रद्र हें त'यायदर हें यादगार ग्री के हुन लुया हे दे हिंद याया हु द वतुसन्दा सर्ने सरम्बाके नवे खुरन्दा ननर हे समावर सर रु

याश्वरा विराधरार् । प्याप्तायायाय क्रुर् । क्री अव प्रया विराधि के प्राध्या के'न'य'त्रव'हव'र्'अह्री अ'सर'व्ना'ठेग'नव्नार्यापात्र'सवयायस'र्' ૹૼૼૹ૽૽૽ૄૺૠૼ૽૽૱૽૽ૢૼૺૼ૽ૼૼ૱ૹ૽ૢૺ૽ૺ૱૽ૺઌૢૼૹઌ૽૽૾ૢ૽૱૱ઌ૽૽ૢ૽ૺૢૺઌ૽ सुत्य विदा भे सम्प्रद्रम्य स्व वेश भेरम्य द्रात्र प्रदार्भ स्व में स्थित इ८.२.चल्यायायवटा भु.५.छे८.क्षेत्र इया भ्रेयायर ग्रुरायदे श्लेतः सक्सरावराद्रिंगीः स्टायविवागिताः द्वार्मा स्राप्तरायाः र्येग्'रम्भ'नरे'नः केत्'र्से भेुभ'रा गुरा ग्रापमान मार्मिन नम्भान र्देन् यदर विन्। प्रयर विना न्या यह हिर सु सक्य य न्या प्रमः यह न द्या सर्दिन शुस्र नु मित्रे मार्थ के स्थान स्था वयानम्यावरानशात्रश्रश्राच्या

ने न्यान्त्रान्ये नर्रे नर्रे नर्रे नर्रे नर्रे नर्यान्य न्याय स्वाप्त्र केत रेव में के रेव ग्रुव प्रथा व प्राप्त के विषय क है। गुर्भर हैं व गुर्विव वु द्राप्य य द्रो पद्रव द्राप्य य दे द्राय थ । नश्चेत्रायरः ह्रिया शायिः तुना श्चें स्वयायसानु त्वसास्यायः विश्वादे । न्योयः वर्षिरः निले वराना राष्ट्रितः र्केनः र्के अवीं अवीश्वाश्वीशावीशाने व्यूष्ट्री नुःसःकेंशःग्रीश्राक्षंसामराग्रुशासदेःक्ष्रशान्तिनामरानाग्नुमा ननेःनाउदायः

र्श्विन'न्द्र्य'देव'यानुस्र केंत्र'यू'न्त्। केंद्र'स'क्स'देश व्द्यान यर्ने इन्स्ययान्यता ह्या हे रूट हुट हे हे दे विष हुन यान्त हे ते गुत न्वादः देन् चेरः वः हैं हे छेट नदे न्वट सेवास न्वट नसूर नु संवास न विद्या ग्रुट्यो यद्याद्द्र स्वायायस्य म्रुट्ये दे से स्विद्यो प्रायम् । दे कुन-५८-१५ कुर-पारम-शुःक्रमः हे न्नुःममः केंद्र-पार्विदः न-५८। सुरः नश्रुव रामविद्यमा विषय भीता ध्रुवादे रिवा हिः द्वित् स्वे श्रुप्ते रामुवा ग्रीशप्त्रुष्पनासरात् ग्रुरानाम्ब्रुस्य हो। ग्रुव्याद्वराहे स्त्राह्य स्त्राह्य गलेगराहेरा.ची.त.र श.मूर.स्यराजा विषया श्री.प्राचारवारा श्री. मिं त्र न्व व्याया याप्त के तर्दि ने न कि सर्वे प्य के दिन विया वी के रिक त्या न्दः नडरुषः यात्राया श्रीनः न्येवः वेदः चेदः न्यवः वः स्वयुदः चीः कुनः अळ्व'र्'गोलेल'र्'शेर्'स्र क्रुंर्'गोलुर'ल'गोत्रेग्र हेंग'र्' गर्डें'र्नेर' विवासन्यानेन्ते त्रित्रे विवासित्याया से वायेया वरासहित हे वसान्येवा स्वा नडुः इसः विगासह्तः वसः नन्नः क्रूनः वसः सुरः व न्रसेनर्भात्र है:नुस्यासुस्यसित्रस्य सुन्रस्त्राया विवास निर

रेमा की अभी दारी वे त्याप्य प्रमाय सम्भावता हुन । विद्रास्य उत्ती सम्भावता सम्भावता । याचित्रायेग्रास्युत्स्तर्भेत्रान्त्र्व्यायान्त्रीता क्रिंगःहेर्भेत्रायदेःहेर्दे नगवनित्रन्तित्रम्भित्रेत्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्र क्रॅंश हेते दुर दुर द्राया दूर रें क्रेंश दुया यी अद रया श्रेंयाश कु केर लुश निरा न्तुःसःहैवानोःवनरःनःसैवासःन्तुःसदेःवाबुदःइससःग्रदःवासदा र्ड दे अळ्व भी न्या र्या र से र प्यार के या सुस्र मान्य विषय मान्य विषय मान्य विषय मान्य विषय मान्य विषय मान्य वर्गेते दें अळ र नवे रें जिस्या पर माने माना नुमाना सुमारी र में तर में नव्यायाया न्यो स्रूराळ्याविस्यान्ययान्युराय्ये छ्यायाययान्य न्वीर्यासन्ता विवायान्यायराष्ट्रमाययान्यायाक्षेत्रमा वीरास्रि शुअनकु विदर्शसर्वेषायायायाय स्टर्स वी पर्दे दारा निवाद से मश्रद्याः नेदा न्युर्न्त्यात्रः त्रुः त्रामश्रुयः मश्रुयः यी अर्वययः नश्र्ययः वसाहित्वरस्यरम्बन्। ह्याध्यात् सेनस्यान्तिन्यरम्बिन्सः मश्यास्त्रम्भवामा हार्यात्रम्भवाहे हस्याकुयाची प्रवित्रायार्थेवा नन्गाः इस्रशः ग्रीशः स्वाः न्योत्रः प्रानन्ग न्योः वर्त्रः प्याः नि महिशार्यसात्तुमा यम्रार्थः मेराम्यम् सम्मित्वम् साम्य स्वत्रे साम्य स्वत्रे साम्य स्वत्रे साम्य स्वत्रे साम्य हे निर्निन्नरमिनेम्बर्धासासिन्नर्भमित्ररम्

न्वायः अधिः न्वीवः यः यह यः वेदः वेदः वेदः ने विवः वालीवा यः यः न्दः सहया क्ष्मा हेरानगय सुर सर पुर स्था विर च वेर म हें ना का सर सह रा नर्गेत्रग्रास्ट सुत्र ग्रुन सेन्स न्दर त्या है । त्या सिन्दर सेन्स निम्न स्था सेन्स यावतःवर्ग्ने.स.म्स्याग्रीयार्ने हितासुन्त्रान्यायाया कुवाग्री दे वेराने अर्हे च्च्रावा थरहे स्वाचर पाचेवायाया स्वाचाया स्वाचित्र स्वाचित्र या वित्र स्वाचित्र कुंवान्यमा हु सेना सुमा कें या हे ने निवित्रमा नेमाया मन्त्रया सुमार यात्रान्धेत्रः क्षेत्रभाष्या शुर्धान्या त्र्यान्य स्थानी या क्षेत्रः खुन्या तर्द्धः स्थान व्या सेराने क्षें सर्वर्रिक्त विषय विषय से निर्मेन के निर्मे के निर्मेन के निर्मेन के निर्मेन के निर्मेन के निर्मेन के निर्मे के निर्मेन के निर यःश्वाश्रामःश्चेत्रामरः सहित्। श्चरःगेरिः ध्याः नुः श्चित्रः त्रश्या देः केरः रेः श्चितः र्वि: त्र र : तत्वार्या वि: त्युर : त्र र य : या शु श्रः श्री : व्यव्यार्थ : य वि : वि : वि : वि : वि : वि : वि यशिषाः भर्ति अरः क्षेट्राः शुः चतिष्या शः निरः क्रिया श्राः चार्या शः गिहेशर्अं अप्तर्पेन् प्रदेश्चे में श्रामान मित्रा स्थान न हुयः लुग्रयः यहेव : न् नुव : प्रेन : ययर वन अः श्रुं कें वा अः ग्री अः यर् यः नरः अहर । यदे । वन अः सुर हिं। ग्निस्रर्भाषा वर्षे स्राध्या वर्षे व्याप्त वर्षे स्राप्त स्राध्य प्रमाध्य वर्षे स्राध्य वर्षे विष्टित न्दा १ अस्य समुरन्दा नसून नर्डे य वेर न्तर सद नु सह न् रेटा

र्स्नेन:अवर:क्रॅशःग्री:हे:दे:नविवःगानेग्रथःय:दर। नगवःनविःय:देग्रथः यदे रया भी अळव रेव छेव नवर में प्रा इ प्रेविंव गुव श्रूर श छैं श भी : निव निर्मित के त्रिया दे के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान के म्बिम्यार्भित्रकेत् कुषायळत्। यह्नयाविमानर्भित्रस्य स्तुया कुळत् पिन्न ने अन्यन्तर्ययाया श्रीवाश्वास तुर विदा ने क्ष्रम सह द्रास क्षेत्र शरी निगार्हेग्रथायराहे नात्रा केंश्राहे ने निविद्याने ग्रथार्यो दाव्या र्रेदाया धरक्तुः केव में सेवया सूर रं रेर वत्यायाय व वक्ते से द ह्या य सेवाया ग्रे मु षर सहर ने नवाद वृत्र सर्वे र से वर्ष त्रा सुवा न से म्सराय सुवा ह्रम्यार्था ग्रीयायव्य हिर्मा विषय वर्ष मार्थी मार्थिय वर्ष मार्थिय विषय वर्ष मार्थिय वर्ष मार्थिय वर्ष मार्थिय ग्वर्यात्रस्ययायात्रीरया विस्रयायिः गुःश्चितः त्रस्ययाः ग्रीः वृः द्वरायाः नहेतः व्यार्चेव्ययंदेःवयान्यान्यान्यान्यान्यवानेवायायाः वृत्रावेयायास्य ग्राम्ब्रम् त्रुं त्राम्याकु हे सानम र्जुं व नेम स्रम् त्रेन्या स्रम् स्रम् इ्गानिक्रामिन्स् विरासे विरासे विष्टि ह्या निर्मानिक विष्टि विष्ट यानेवार्यायदे द्विवाराने र से हिवा वी कर केत से सर दु नव। वस स्वापद

श्चित्रायात्रात्र व्याचित्र वित्राय्य श्चित्र वित्र व

इन्वींव गुव श्रम्य पाने। इन्वींव नु च व्याय वय श्रेव प्यय नश्चम्या नर्गेव वने नम्म स्था श्रें स्था श्रें सु मित्र विताया धिव वतमा नेव र्रे के विदेवे देर द्राप्य यावर ह्ये द्राप्य रेवे के या खुवाया या ह्ये द डिट्र गुरुष्य प्रस्ते अप्यन्ति । त्यो र द्वा हिंग्य स्व ग्री सुव ही अप्यन्ति अप्यन्ति । श्चरः कुरः नः धेव। दययः अपियः श्चे दः प्रदे । ब्ययः या प्रवायः भेदः वाद्ययः नशहेशसुना इन्हिन्दिन्यस्योसस्याय्याय्यस्राह्मस्यक्रिन्त् नकु उस देंद्र न जुद्र देवे क्षेत्र समावत देव क्षेत्र न सद्दु न जुद्र न स् क्र्या हे 'दे ' से दा ' से दा के ता के ता से दे हैं से सा सह दा सर खर की या माववरमें वर्श्वेमा श्रेम्य रायम् भे वी ध्राया श्रेस सम्माना सामय श्रेम याया इत्वते न्ना सराम बुरावया श्रें सार्थे राष्ट्रा या यो राष्ट्र विवास या विवास वशः भ्रेव वशः भ्रुव पर सह दि । द्यो पर्व श्रुय प्रमुख र स्था दे थ्वः श्रुः श्रृं ५:५: बुरः ५ वे विः वित्रा के रे श्रीरः विशेषः शुः विद्रायः विः वर्वः

नवि'नक्कु'र्डअ'य्रा क्षु'यावेग्रय'रात्री ८८'र्से'यवे'विट'रादे'यावेस्रय'यार्थेग् राधित्। नुषाद्वीकास्रावदार्श्वे न्यवे विवयात्यावानुवाका वान्स्रकारका हेका शुःग बुदःनशः शुग्रशःद्युवः शुंशः र्ह्वेग्रशः स्र्यः गुरुदः इस्रशः थः विव विश्वासम् । स्व न्या प्यत्र के न्या कुर् बिटाम्बन्दिन् कुः केरानश्चरमा देवे श्वेंना सामन केन भूगः ग्रामन धीव हो। इस स्थानव श्रु दारा होदा रायदा श्रुवा सेंद्र ग्राम्य वादस्य स्थि विनः कें नार्या महाराष्ट्रामा ने नार्या महित्र स्था नार्य इ.इ.चाहेश.निट.स्.विदे.ज्य.वानेवाश वविवाविवा.वस्टिवशशादविश वै। वावर्यावरादराहे नदे वाधाया वेया मराविर्याच्या यावरा ह्ये दारा यः श्रेवाश्रायाः केश्रायदानु वाश्रवात्रशा वात्रदान् वी वाद्वार्थाः वात्रवाशा क्रिंशहे :अपियः श्रुं न् प्रदे वाशुन्यः वित्र वित्र श्रुं अह्न व्यानश्रेतः श्रुं नः श्रुं नः श्रुं विट्राणिया के दार्शे त्या श्रीया श्रामा सहिद्या विदेशे श्रीया सार्श्विया दिवा सार्थीया स्वीता स्वीता स्वीता स यक्ष्य.त्य.ज्ञूच्याय.त्य.त्य.त्य.

 न्गर्स्ति। वह्यस्य खुव्य द्याय वित्या न्ये द्राम्य वीत्र वार्ये न्या न्ये वार्ये न्या न्या वित्य वार्ये न्या वार्ये वार्ये क्रियाशासवराक्चार्डसावर्शाने। सामवाक्केरियारे स्रोतायशास्त्रामा सामा ठिटा द्ये अपादिशार्से विदेश श्रुवा श्रुविश किंश द्याया थे विश्व ग्री व्यान श्रुवा सहि क्रिंश हे 'दे' क्रे 'प्याय प्राप्त के 'क्रेंग 'य 'प्रविद्या है। यापय हैं द 'प्याय हैं गशुस्रानिक्षानिके विवि । प्रोक्षित्रानामानिक्षित्राम्यानिक्षित्राम्यानिक्षित्राम्यानिक्षित्राम्यानिक्षित्राम्य गुन हु श्रु न पान्य म्याप्य न प्राप्य स्थाप्य श्रु न प्राप्य मिल्य श्रु न प्राप्य मिल्य श्रु न प्राप्य मिल्य श्रु वयान्यान्त्रान्त्रान्त्रमा कु केवारी त्यायह्यायमा वहिषा है। वी विश्वानिया यःकुःर्से ग्रुःषः द्वार्यार्थे त्यायरः दुःवार्यवार्या सावदः श्रुं दः प्रदेः श्रुः श्रुं रें के रहे क्रिंग्द्रम्याधे ने शही अपिय हुँ द्राये पाश्या शुः द्रशः स्याशः हुँ द्र इयायर्डेरगुवाहाड्या विवासरामध्यापारा मनेग्रापराभुंभे पर्वार नरःविषाश्चीशामवेशामान्दासम्बद्धासम् सुषाश्चरःम् श्रेष्वाश्चरामाः सर्मि लय.यसस.चीय.र्र.लीस.यम्.वीचय.वीध्या.ची.स्या.श्री.स्री.ही.ही. र्ये.ज.पविरश्रे। के.य.र्मेग.मा अक्य.सेय.श्रेश.क्र्याश्राम.र.रेट.र्जेय.मी वित्रश्रास्त्रीयः पुर्तेरः धियाः वार्शेरः श्रीः क्रुयः विश्वः प्रश्रास्त्रस्त्रः पर्वित्। व्रिः यः यः वेंत्र पात्र शुरायापर पायाया शहित क्ष्य या लुयायया रेया शियायहित लय.ग्रीश.पर्यश्र.योरेय.र्टरश.यंश.यर्थायर्थायः हु। श्रायदः हुरि.संह.यी. यापि देवा वी श्रासहया वसा वस्या उदा धेदा के शायर कुरा वे विवि से द

नदे के नि क्षेर निर्मे माना राज्य कि साम के सम्मान के निर्मे के सम्मान के समान के सम्मान के समान के सम्मान के समान के वनश्यानश्राणेश्राद्यान्त्रते वातुरायार्गे नायाञ्च नाद्रश्या होरा नत्वामा दें स्वास्तरग्त्र श्रीमान्त्रे राम्यान्य निष्ठा भी निष्ठी स्वास्त्र शुमिनेग्रा र्इरव्हें द्यार्ग्य र्वेया न्यार्थेया नया है स्ट्रेर हैं द्यार से हैं रामर मिनेग्रा र'न'न्र'हेग'र'ण'र्वेग्रांसेन्'न् वेग्रांसदर'सहन् सर्वेन्'सिन्नेन्'ग्रह सर-र्-जाशुरमा ने नमासर-र-क्षेत्र-प्र-द्वायः सः सेनमान्यः स्र-मु:यार्यः मु:र्याःयः सु:रामु:रायः वाशुरःया व्यवः यद्याः छेवाःयः यान्ययानवरायावरा याववार्श्वेन्यवे विवाक्षेय्यानेवा नेवास्यानवरा नर्नेत्। ने त्रश्च सार्केश न वर न या या र्या कुया न कु या की ने र त्या श्रेश्वरामिष्ठेश्वरी ह्रिम्बरकेवा देश्वर्ष्यस्थि। वित् कुन्वर्वश्वर् र्शेयाश्वाश्वा त्रुः स्ट्रिं ने किंद्र किंद्र निर्दे श्रुव्य सर्मा ने वाश्वास्त्र निर्देश मक्रास्त्र न्वे क्वेर्न्त्र्यायायायाया क्रुन्य दुन्द्रिर वेवान्त नरुश्यान्ता ग्विनायान्याश्यारक्षेत्रास्यान्त्राम्यम् देवस्राश्चित्राश्चितः इरशक्षाये में दाया श्रीया शासर हिंदा द्यादा से प्राच्या में दा न्नुअःग्रेःअःअळंअअःनदःअर्देरःळेंअःहेःनेःनविवःग्नेग्रअःपःन्दःअहयः

वर्षान्नो नम्रेव शे मूँ यापानवेया नम्मायापान राज्या ने वया भूगा हेर कें श हे श स्रापन में गान्ता कें कें श के न सकत न न प्राप्त न न न र्भेश्वर्श्वर्भंत्रः अह्दाव्याप्ताः तृः तृहा केवा हेवे तृहः तृः विदादार द्वार न्दःख्दःयःश्रेवाशःयःन्ववाःषुःश्रेन्यःवाश्रवा नृदेःश्रेनःकुयःस्राहेःहेः वकरमी भू। रें हे देव द्या वाव नगर र्वे वाव में वाव है व मह है व मह है नडुःगशुस्रायायास्त्रे नेंद्रा देवसार्गेदासेवे प्रवित्राम्बर्भास्य स्थार्थीः दरम्भः भ्रेयः विदः यः प्रेर्यायः यस्य विवाय। उस्रेर्याः वियः वेदियः शुःकें न्यमाः सेन् ग्रीः सून या सहन यस विषा सर्वे शुस्र नु मित्रे माना ने र्देन भूव प्रम्य प्रम्य अक्य अव प्रमेन से के प्रमें प्रमाण वार में र्दे से त्या हिंदा सार्या देरा वर्षे वासर हैं माना के सुरा में दिरा सार्या वेषानमाहाददेवानवरार्थे। सहदादेश्चिरायेनमावमाद्वीवामराकुः सर्वे क्षर-८, नगव नि न रेग्या भवे रखा में जार र मुर नवे नगव वर्ष्या नुस्रशः हें साथी हिंदान हैं वा रेवायाया नुवा हुए हिंदा नित्र हु रात्यार्श्वेषात्रात्यरम् वावत्रायार प्रत्यार प्रवास्य वावत्रायार प्रवास्य वावत्रायार प्रवास्य वावत्रायार प्रवास यःश्रेवायःयःस्टःनुःवाशुस्या

ने न्या के या हे । अर्थे दाना दें ना स्वाप्त । स्वाप्त अर्थे माना प्राप्त । स्वाप्त । स्वापत । स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स्वाप्त । स

र्रे त्रा नहस्र रात्रे। ज्या या शुर्या वहस्र दे। न्यर के शुर् हिं प्या रेया बरः इस्रमः शुः सेनमा ने वमा से संभा से प्रामी निम्पु हिंदा वनामा र्वेट नुःस्रायदःश्चेन् प्रायेःश्चेन्यान् ग्रान्यान् स्रायेन्यान् स्यायान् स्यायान् स्यायान् स्यायान् स्यायान् स्याया म्रीनःवार्देरःदरःश्रुद्रःसद्रद्रःश्रें साम्याः व्यान्याः विष्टाः व्यान्याः व रे के अः भ्रेराया अवाया या ने प्रया निष्य या प्राया मुन्दे । प्रया मुन्दे । स्रम्भेनश सरार्भेषान्दावनुषावनेत्नुः केत्रार्थाः सहि। मान्यान्दानुः कें अ'ग्राट'ग्राश्चरमा व्रु'अ'ग्राट्य'प्र'न्यट'द्युग्रा'कुष्य'सळेत्'ष्यंते'ग्रुवे'कें अ' भूरा वक्षानिवे के अभूरा दें जाया भी या नामाना दे तया थे अर येनशक्तश्यर्केन्पन्दः र्श्वेन्यशक्तुः केन्दे सहन नेन्त्रभन्तुनः र्हेन् वश्यम्य वर्ते निष्ठा स्वाप्त वर्षे निष्ठा निष्ठा वर्षे निष्ठा वर्षे निष्ठा वर्षे निष्ठा वर्षे निष्ठा निष् वर्द्धरः क्रेंबर के राग्री मेवर केवरया समित वर्गे मु सर्के दे निनम् या र्रोग्य न्नरःसरःस्रिन्दा बनःस्रित् नह्याःगहेशा गुनःश्चितःह्यस्राः भीःह्यः नन्द्रायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः म्यायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्व र्भुवार्निरक्तिक्वर्यं सहर्पादे भ्रम् स्मा हेर केंश हे सर्वे पर्मित थ्वःश्वुवःइरशःवशःवज्ञायः मुःकेवःर्ये सहदः छेटः। क्वेंग्रशः प्रम्रश्रयः र्रे सामित्र सम्सार्थे त्या केत्र सामित्र में स्वार्थे कित्र स्वार्थे स्वार

डेगायायत्रमाहेशासु र्वेता केंशाहेते दुरातु हेन्री मस्र स्र्रास्त नक्ष्मनानहुर्याम्बदाबेटा कॅर्याहेते:हुटानुत्रटाकॅर्यायटानुःख्या नेव्य यान्व केव न्वृण्णान्य या या से कें या व्युवा क्रीं से वि छेट कें ख़वा था यःश्रेष्यश्चरिःक्रेश्वरायद्वर्षायद्वा देव्यश्चर्षायः अर्थिः श्वरापदः प्रवेद्यः यदे म्वर्यास्य सहर प्रशहेर साम हेर साम हेर से साहेर से महिर के दारे परित्र शुःवज्ञरःनवेःगर्देनःयःनभूरःपवेःश्चे रःनःसहरःमसःन्देसःशुःभूरःवर्देनः नवर वृत्। रुअरोर स्वाखर केंग्रहे ग्रह कुन कु अर्के य विद्राप्त सहया क्रूं भः ग्राटः सरः ग्राय्य रहं रः ग्राय्य सहिता द्यायः सः स्ट्रिंदः यहा स ग्रस्या देवसासरम्भेरसस्य र्राट्स्यास्य स्ट्रियास्य न दुःगहिराग्री नर्मा विद्यायाया प्रस्थाय उत्ति नर्स सहित कुः यथा वर्षी हरा यन्ता गर्हेर्यासह्तायश्चेराक्षेत्राक्षेत्राचीत्रेग्रायन्ता वहेर्या यावर से दः यर दर द्वा विद्योदः चः यः से वा सः यदे रहे विद्युवः दुः सः हुदः दे ।

र्भूरपरे द्वेत्र इसप्राप्य पश्चित्र व्याग्राम्य स्थेत्य। इर्र सहया सुरेस सहर वर्षा पार्पा राउव पहिया हे वर्षा थेर सर्व पर्द सुर क्षेरशः इस्रशः शुः र्वेद्या देरः रनः शुरः नक्षेतः हैं ग्रशः शुः समितः सें लुः नः सरः त्र्वित्रायात्रा भ्रापिस्रसासान्ते त्रसास्त्रमार्धिम् सन्मानत्व्यासा केराहे सर्वेदः नर्नेन्थ्नरण्टर्श्वन्द्रम्भिन्द्रभाने। श्रीयासेन्यभाष्ट्रम्भेर्भाष्यभाष्ट्रम् र्शेर में र में र में या श्वर के द ग्यर ही निव दे निया प्राय शर्भेर निव्या श मदे के निव नि दे साम दे निव मान के मि है दि दे में हैं नि हैं समित्रद्रम् मान्द्रम् से में मिन्द्रम् स्वाप्त यानेवार्यान्ता हे वहंत्या ह्रें वार्याया स्वार्याया स्वार्याया हेता सर्केत्या र्वेसरानिया परि वया हत्र सर पु सह दि ने या नेया यह वर्कें वर्षा मार र्रे न्र वर्गा न कुट न स्थानु त्या र्रे ग्राया स्थाने या दे सक्तर न तर सार नु नु हा भुगार्ट्र वे ज्ञारक्ष्य केव सेवि सर्केट्र हेव वट र् नव्याय शुगार्थे या देवे भूदे भ्रुं न र्के भ ग्रे हे 'देव 'वें 'के 'ब् 'द्यर 'वें द 'पव 'वहें व 'प 'वि ' कु' म्राचित्रक्त्रक्त्रक्त्रक्त्रक्ष्यान्यक्ष्यान्य विष्ट्रम्याम्यक्ष्यक्ष्यान्य कु:केव:र्ये:सह्य केंशःहे:ग्राम:स्या व्यायायवानग्रम:सःसहसःद्रययः नवरार्थे। गुःश्वेर्पयायर्वेरार्देवाग्वापात्त्रस्थरायार्वेरासरापुःग्यर व्यागेरिसेरियेन्य। क्षेत्रप्रेत्त्वात्रास्त्रास्त्रस्त्रास्त्रास्त्रस्त्रामेरि र्रेन्शुन्दरशन्या रेंहे शेरानाया श्रेन्याया दे द्वरानाया सर्वे द्वरानाया सर्वे द्वरानाया सर्वे द्वरा बिट्रावासटारी नगायायनुसासटारीये सुटाया सेवासामास्य पासु केटा यहरे. कुर क्रेर क्रेर क्रेर क्रेय का के विषय क्रिक क्रिय वीरःस्निरःश्चीःनरः रुः त्रेग्नायः त्रार्थे स्रथः उत्वर्ष्यस्यः उत्वर्षरः नः स्रवरः उत्रन् सही देवसर्देर्धीः धुयन् देवेग्रास्त्र स्त्रूर्यान्स्ययः यार्या गुरा गुरा अरसा ग्री श्रेया यश के तर्रे कुत पठन पतर ने या गुरा कुन हुने रायम सम्दिन वर्षा सुम विस्रार्थ राष्ट्र स्राय्य स्राय स्राय स्राय स्राय स्राय स्राय स्राय स्राय स्राय मॅरिस्य माने सार्वा माने के त्या विस्तर में त् र्रे सहर हिरा विनयः नहतः पर नविनयः स्वा । श्रुवः पदेः श्रुदेः रेयः पः गहेशरादेःभ्रमशर्से॥॥

## รุคณฺฯฦ'ฺฺฺฺัฦฺ๚'ฺลัฺฺคฺฺฺฆรุรฺคฺ฿๙ฺ๚฿ํ๚ฺ

है द्वाश संदे श्रू नाय स्वाश संदे श्रु ताय स्वाश संदे श्रु त्याय स्वाश संदे स्वाश स्वाश संदे स्वाश स्वाश संदे स्वाश स्वाश संदे स्वाश स्वाश संदे स्वाश स्वाश संदे स्वाश संदे स्वाश संदे स्व

मुश्रुद्रायान्य प्रमो प्रमो निर्मायस्य प्राक्षेत्र में मुष्य मी मुद्राया प्रमाय मि नेशः ग्रुःनःवः सँग्रां पदेः नक्ष्र्नः यस्तः ने। देवः ग्रीशः वः नगवः नक्षुनः ग्रीः नन्गार्चेरन्नरम्भूरन्। न्ययायमार्खेग्युप्ति बेशास्त्रवायस्याःहेवा गश्यान्। विनायाने वे के नवे नन्या हेन ने इसाया गश्यान् या मारा न्नरःर्थे रनः हुः शुरःयाया अरशः क्रुशः हेन् न्दा विदेरः नुः शुरःयाया शुनः यदेःश्चेशःतुःहेर्-तु-वर्मुर्-यरःशुर-य-दिः। द्वरःसे वः स्रायः वे श्लेयःयः शेशश्रान्यवः केत्र सें शुरायवे खुवार्ये। । ने वान्यन्य सें र्या शेन्य न् यहर्नित्रयाने केत्यार यह या पार्ट्य या प्रत्या स्वाप्त या स्वापत या स्वापत या स्वापत या स्वापत या स्वापत या स्वापत या स्त गश्रम्भःनिमा हे विश्वास्यम् हे हिम्स्मिन्हे निस्ति सुन्ति यारेकेवरावर्षाके रमाहित्क्रम्भार्वे देवर्षा नःश्रुन्यःभेवा गश्रुन्यःने । भर्मेव श्री अरश्रम् अर्थे न नु । विष्यः श्री अर नविश्रायाधितार्वे।।

त्रा श्रःक्वरक्षेःश्रुयःत्रक्ष्यःत्रियः द्रिवरक्षेत्रः विष्यः विषयः विष

हेश शुःग बुद निर्दे द्वाद में हैं। दे त्र श देश ग्री श द्या केंग हैं है। यद यदे दें है। दर्वे वा यावत ग्रुव पदे दें है। द्राय स्वत ग्रुव दर्वे सर्वे व रें। इयादर्चेर्या श्वायाणे हैं हे इस्रयास्य स्थास्य स्था से साम्री साम्री साम्री साम्री साम्री साम्री साम्री साम्री दे'वहें त'य'नर्गे ना दे'न्यायी' घ' सं श्वार्थ ग्री हें हे स'ख़ु ख़ुस'यहू 'या'र' युनःसदेः अः वः नर्गे न अः स्टः वी : अटः से : कुवः से : अहु: तुड्वे : युनः सदेः अः वः इसराग्रीराञ्चन नुसन्तर्भात्र नर्गेरा हे जिसाम्य स्वापन वर्गे साम्य स्वापन हुन्रश्चर्त्राया कुष्यर्भेश्चरेश्वेश्वर्श्वर्श्वर्त्त्रायाम्बर्धयान्त्रात्रान्त्रा नमा मित्र वर्गे सन् ने इसमा कर नामिया के तुन् न दुना है। सुन नुन से ग्री खुरा शुरसहर प्रमास नामर म्याप्र प्रदेशी हु नु है दे र्पय स्या से गु मक्रिन्धित्रम्भ प्यम् विष्यम्भ स्क्री

श्चेश्वायाः शुर्वित्रायाः विष्याः विषयः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विषयः विष्याः विषयः विष्याः विषयः विषय वस्त्राह्म व्यास्त्र वियास्त्र वियास्त्र वियास्त्र वियास्त्र वियास्त्र वियास्त्र वियास्त्र वियास्त्र वियास्त्र वहराभेगावयाधुरानाकुर्नात्राम्याध्या हिंयाविषावर्षासुरावदेशसूरावार्षसायर्थासासुराषासुरा। देदेःतुर्थासुः प्रवा यास्त्रस्य प्रते सुवासाहे केत्र में प्यान्य के व्यान्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास यराद्याकुःवडवायाययार्रेक्तं से वश्रुरावरादन्वास्रुयाया सुरास्री नेया मिस्राम्या हो दारा पदि देशाय दारा पदा पश्चा विष्य द्वारा विषय दि । रास्टाविद्याद्द। यद्याक्चियाद्द्राश्चीत्याक्चित्यावाक्चेत्रावाद्विद्या रायार्सेग्रामान्त्र्यात्र्यस्यसायस्य हो भार्त्वेत्राम्यानहेत्। यासास्त्रान्तु दशकी नशक् में किया विद्या हिसानु नवना दशासु में शामिया हुश है। ਹੁ: ਭਿੰ: ਅਰਤ ਤੇ: ਜਿਵਾਹੁ: ਰਵਾਲੀ ਸ਼ਿਲ੍ਹੇਵਾ ਦੇ ਦਿਸ਼ਤਾ ਗੁਰਤਾ ਹੈ। ਜੁਰਤਾ ਹੈ। ਜੁਰਤਾ ਹੈ। ਜੁਰਤਾ ਹੈ। ਜੁਰਤਾ ਹੈ। ਜੁਰਤਾ ਹੈ। ਹਵਾਲੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਜਿਵਾਹੁ: ਜਵਾਲੀ ਜੁਰਤਾ ਹੈ। ਜੁ र्सून-दर्भन-ध्रेद-दे-देद-बेर-कुष-अळन्यश-दगुद-से-दगु-निवेश-पिरेळे-र्यातृत्तुम्। सळ्दार्ने हे कुषार्यम्यार्थय। धे यो सामक्ष्रम्यारम् सित्र वयायावर्धेयान्द्रयादनुयावेषा विनया विनया विनया

हैंगाः सहिता भुः विश्वाराः सानक्षित्र साम्यान्त्र साम् नश्चरःत्रारादे केंग्रायायात् करागात्र त्री मार्शेया नदे त्रायहर सहर्भमार्श्वितान्द्रितायरामहेमा ने त्रमार्श्वेत्रायार्भगमार्थः ग्रम्भद्रान्यप्रस्य अहिं अहिं अर्थित अर्थित अर्थित विश्व विष्य विश्व विष्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष पिरायान्य साम्यान्य विषय स्थानित स्थान न्यद्रधेव गशुरा श्रेरावस्य श्रः श्रें न न्यें व च दु न च सें प्रें न वह्रवात्यःवन्तर्भः ववादः से त्यादः स्वादः सहेशानशान्त्रशाक्षाः हेरानर वियायक साथर न्रेसारी दे नायु कुर विषय में विषय के विषय केत्रस्यस्य नमारेत्रस्य विषया विषयः विषयः विषयः विषयः यव या सहित्। स्वा मी से माव प्रमा प्रमा से मार से म मुंग्राया म्याया में मार्च मार नदेः भुः कुरः दुः विवानी रयः वीयान उद्याया विवायः वस्य उदः भुः सेरः र्शेट्ट निर्मेट निर्मे येत्रमा क्रूॅन्'ख्रस्य कु'न्यर'की'यर'ह'क्ष'येंग न्तु'कंन्'छ्र'पदे'वर' क्रॅंशन्यन्वो निवेशनार्धेन १८व त्या विश्व ने निवानी स्निन्य शुन्नाव

यान्सर्यानियो निवे निवेशमाने वायानियान निवासे निवासे निवासे निवासे निवासे निवासे निवासे निवासे निवासे निवास ᢖ<sup>ॱ</sup>ॶॺॱॸॱॺॱऄॕॺऻॺॱय़ॱॺॱॾॣॕॕढ़ॱढ़ॾॖॺऻॱॺॊॱॺ॓ॺॺॱॸॹॗॆॸॱढ़ॖॺॱऄऀॸॱॸॾॢढ़ॱ मदे देश मा इस साम ह्या कु द्राप्त मा स्वर्ग साम हि । कि प्राप्त साम हि । कें द्वो निर्मा स्थान विष्य स्थान स् र्योट.जु.धे.वि.इ.र्ज.ज.बेक.सेर.चे.वर्येक.ग्रीश्राश्चिर.ग्री मे.रेशर.ग्रीश श्चित्र प्रदेश अर ग्रीयायायर श्चेत्र यह एत्या पश्चेत्र प्रस्टेष्णया यापतः र्रे त्यावन्त्याना अर्रे इत्यार्श्वे वायाया अराज्ञ अराज्ञ वार्शे निर्देशियाया यर.री.योशयी अक्ष्य.धेर.ग्री.यो.श्रम्.यधीयाश्रासप्त.क्ष्.त्या. विष्ट.स्य. वर्चेर्स्याळम् प्रमः सहित्र पाळे प्रमाळे माळे माळा न्या माना होत् र्देर'नदे'वर्त्त्र'अ'णर'नसूत्रा दे'त्र्य'तु'रूर्य'वें'कुर'नी'द्रेर्य'र्स्नेन'द्यर' क्रिंशःग्री:कुषःअळ्द्रःषःचर्रे अर्ळेग्।गी:कुर्ःषःश्रेग्राशःपदेःग्राश्रदःश्र्याशः यर:र्'ग्रथ्य द्रम्यकेव्स्तुःर्ये द्रम्यद्रम्यक्रिंशद्रम्याद्रम्य नु'ग्रायम् नेते'कें अ'स्मा'इसस'त्व'स'अ'सेर'य'ग्रायन्यन्ये'कें त्व'स'य'ह' भ्रुरायरासा मुहानाया दुहा वहासा ह्या साम साम हा सामिता साम होता हो हो हो हो हो हो है। नकुन्त्वरश्यश्रास्य रहिन श्री राज्याय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वयाय स्याय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वया इस्रश्रास्तर्त्राम्यम् देवस्यावर्द्तर्तुः व्यान्याद्याद्याद्याः

न'य'अट'अपिर'नवे'र्केश'नकुन्याश्रवा हुन्'ख्रश्राह्मंन'यह्य'न्ट नर्भूद्रशःव्याः यद्रशः क्रुयः गठ्रयः क्रुदः नः यः क्रेयः व्याः क्रियः व्याः क्रियः य डेगाया भ्रेत प्रत्राच्या सम्यानु स्था व्यान भ्रेति व्याप्य स्था व्याप्य स्था व्याप्य स्था व्याप्य स्था व्याप्य गर्नेरः अर्डेग् निरंग्श्रारः वस्य देशसम्य वसः हैं संवस्य वसः वुनः ही व्ययः नहना नाशुर वयः विष्टः होर दु ना वेययः यायः नाह्यः पयः म्बेशकारात्वा वर्दे वा ही व्यक्ष उर विराह्म स्रुवादका नगा उंद्या या न्या वट नर सिर्ध निर्मा निरम्भ र हिंद र हिंद से हिं गर्भराम्ची मुद्रारुद्रानि । द्रार्थि । द्रार नः सरः सें वा स्व कें वा स्व के वा केंद्र वर वर्षा वा स्व कें स्व विश्व वा स्व वया वनसःलसःग्रीःग्नस्सरायावनःस्रात्यालेवात्वेवात्वेदःद्रान्यस्यः ममान्ता ने न्यामान्त्र व्यक्ति स्ट्राच न्यान्य स्त्र व्यव्यव्य स्त्र हेन ममा स्रूरणरामा स्रुप्ता केवा मेंदि दुरा तु स्रुप्ता मानवा परामा केवा निया अ'य'र्शेवाश'रवि'क्य'वर्द्धेर'सवे'त्व'य'नदु'वाशुअ'र्डअ'य'णर'पर'वातुवाशा यरमान्स्रस्य प्रति के बेर प्रायमानुमार्स्य संस्ति । सः सुर्य दे द्वार व विस्रसारा ने सार्वा उदा हेर द्रास्त्र स्त्रुद्राया के वसार्वो प्राने साव्या प्रान गुर्यायम् गुराक्षे शुरु इत्याययाय्येग्याययात्रीत्। वित्योयायाय

याद्रट.म्.ज.श्रुयाश्रात्राश्रम्लात्रात्र्यंत्राश्रक्ष्यंत्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या शुःन दुनाः नभा अ शुक्रायह्नाः सः सहित्राः याः सुः सः विहः दुहः सः सहे भा वहः याहेशमा से दानि सुराम के दार्भि कि वा सुराम स्था विदानी शादर्भी सर्भी दार्भी रायाहेशामाने पो सेन्। यने यन प्रतामित्रामे स्थान स्थान देशम्या वर्गे अर्गे न्यो न्यो नये नये नये माहे व के व रें किया व नहे व वःविः नरः वशुरः रसः मासुरसः मस्। दें वः दमो नवेः निष्यामाने वः सुः केः वेम नःक्षःन्यायःसःश्वेःश्वेत्रातिंत्यःश्ववःयःकेःनमःवन्यायःयाश्वम्यःयया न्नो निनेशान्यसायसार्थेनासा होन्दि दे निन्ने नेरागितेशारी निर्देरमाने सुमारीर र्त्तिताममानेनमाना हे सुमारी नासु इट विवासहेय नमाववादयादय सहया देवस सहय दुरा कें सामी वें क्रुश्रास्टार्से माश्रुद्रशा केंश्राग्राट हेत्र ने मात्र मी प्पेट्र माया हेत्र हेना मी कें द्वो निर्मायस्य पाद्राहित् इसस्य हित् सें सें र हु द्वी सामाद्र्या गश्रा न्या वावव इसमा के मा श्रुव में विष्य में मा से मा विष्य मि विष्य में विष्य में विष्य में विष्य में विष्य याश्वर्यस्य वित्राम्बराव्या वित्र ग्रीयास्य के प्राचित्र प्राचित्र वित्र ग्रीयास्य वित्र ग्रीय क्रम्भायोव के त्या मुमाया मुद्दा मात्रम्भाया मित्रम्भाया मित्रम्भा इस्रायम् से हिंगा परिष्णे के स्रार्मे स्रुम् लुका यथा जाना हिनाने त्याने उसा

ग्री:क्रेश:र्षेट्रप्रयाश्र्रः। क्रेश:पर्देगःयग्रशः बुशःप्रशः प्रवेषः न'सह्द'सदे' बद्दा कद्या भेगा'दर्गा'स'सुगा' हु पश्चिय्या' हु प्रे हो ' नशरदि से द्याद दे भी या शुरा देर श्रुवाश श्रुवा यो शर्से र त्य द्या श्रुवा ये नवे वियान्य। हिन्ना भूमा ही निर्मा की में में स्वापित कि मान में मिन की मान की व्या विदःवनायः विनानी किंशः वेवः यः ददः देः क्रीयः नाशुदः व्योदः चुदिः नाशुदः नमा नेतुः १नरः सदेः विराद्धरात्र स्वर्गः सर्वे नमास्य स्वर्गः स्वर्गः विराद्धरः यः स्र-मी कें शाम्यशास्त्र भी पुन निरम्भन सर्भे न स्राम्य म्या सर्द्रास्त्रुत्ते देते हेत्र स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया यासर्रःश्चेरःश्चरःश्वरः वृता देवसण्यरःश्चेवःश्वरः वृत्यः प्राप्तः श्वरः विवायः व नशः अधिव हो नः नः यापार ने नशः भ्रमा न मह्न कु भेना दे व पर पर र र वी ख्राम भिवास भ्रदादे वा खेदा या देवा खेदा या देवा खेदा विवा श्चेराश्चिर्याद्या देरान्चायार्थेया श्चित्रायाया है स्त्रायाया है स्त्रायाया है स बुर्यायाया न्यो नये याया हिन् श्रीया संस्था याया याया याया व दशायकन्द्रमें शाम्बुदावेदा विं में सं शाम द्वापिय विद्वासे स्थान्य नः भुःगिनेगरान्य। भ्रुयः में १५८५ भुः ५५ स्थायः र्वेगरायदे गुः नः ५८। 

न्नासाराक्षुप्ताकेत्रार्ये स्ट्राह्म स्टायाप्तस्याराक्षेत्रास्त्रात्वास्य स्वास्त्र विद्रा सहेश ८. जेश.रच. पर्टे. पर्टे. पर्टे. या श्री शास्त्रा प्रिट. मी. येट. टे. ही ये. पा. बी. टे. प्रे न्वीरमान्या सुरायरामा सुरार्चेनायमा ने रेमेमाने दे राउँ सायरासी यहर्नामरःश्रुवास्तव्युम्यन्त्र्वारम्य। श्रीमःर्देवः तुःसेनसःवस्यः सर्वः नुनव्यामा नेरःसूनःसण्यास्यान्तुम् वीतिःस्यान्यान्त्रम् सूनः यादनुषायाम्ययाद्वायारियाद्ययायाचे रेन्द्रम्यूरावदे रेक्या ग्रीम्य म्राम्यास्य म्राम्यास्य विषय स्थान्य स इससानगवासुरागेसानउरारे प्रामित केंसावर्षा निवास निवास यश्राचित्र वार्षश्राच्या विषयात्वा विषया स्थानितः स्थानितः विष्या विषया दुरळेव में जुरा दे प्यरहे स्रम्भ में निर्मात मादमादम मादम श्रेष्यामहिश्राम्यादेख्यासादिह्नास्य नावास्यम् स्वादेशासु समुत्रा दे त्र अर्दे र में दि एए या दि ए हैं न है से ये वा अर्ध अर्दे ने द र विवा व्यायायानमें ह्यात्रया वयाया मिन्निया क्षेत्रान्य में या विद्या व रगान्नरानक्षेत्र सहन् गर्रेषा । विशासदी गर्रेषा न परान्ना ने त्रा वर डिगान्गे प्रवास अधिया से नाम स्वास्त्र साम स्वास्त्र स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स ययानु कं रेंदावर्द सेंदे क्वें इंदर नु केंद्र स्थान्य स्थानिया विर्धे सक्तास्त्र स्त्रित्याने त्यामा न्या स्त्रीते सुते स्वामाया न्या स्त्रीतः सूस्राम्यासुत्र रसाग्रीसानरं यानर (तु ग्रु नदे त्यत् नसूर नस्। नरं द रेदिः गशुरमीशवरर्ग् कंनायार्ज्ञ वाचे वित्री वेशायां शेष्यो राविर्वाय र्षेत्रम्भक्तिन्वत्रेत्रित्र्वत्रम्भक्तिन्वस्य विष्युभाष्यभावित्रम् वर्भाक्ष'न'व्या वर्धेन'मदे'गात्रम'णन'सहना ने'वर्भ'नेतु'हेगा'केनम' र्धिन्यायमार्थे गुरे र्गेट न्दरहे नदे सुर द्रा द्रमा बुनाय द्या र्गेद्रमा ञ्च-निव-हु-भ्रे-नर्भ-देख-दे-प्यव-प्यम्मा-मा-नःनिव-हु-सेट्याव्या-पर्मे या नुया ने न्यारे व के व श्रूरया परि समय है ने र मान्व स्वा प्यारे व रिं के समय इन्नर्म्यायाया मुन्यस्ययाग्यर्धेरस्रेगयात्रयार्भेता सरमारस्र नरे मिनेग्रास्यापर पट विवास रे नत्वास रेर कु क्षेत्र के रसा ग्राम डेग्'स्र-त्रानस्र र्वेर्'प्रमा विदे हुं यातुर कं नाया हुत इरमायमा हिंद्रा ही या में त्रे सी द्वारा यव या सुस्य या सुर्या या विद्व सुया नशकेंगाचेन। अने नावशा भेंद्रासें र न्वेंद्रश्वश दें द वि वेंद्रे ने अ क्ष्रवार्येदायाः विवामाश्रद्याः क्षेत्रे दे दिन् वावया वर्षा श्री मानवाया दे मानवाया दे । रास्य स्वानी वे वासे नर्या ने स्प्राय स्वा ख्रा वास वास विते वे वास है। नुः इनिवं याननामिने भिरासे नुष्यावनसानु रातु सेना ने सार्वि रात्री सा

भ्रेशम्बर्गीशस्यायदे श्रेषाचे ने तहवा श्रेषायश्चे नायश्चे ह्येयार्चि हेना हो नामर लुका मका हेन हेना या ह्या ना ही का ने यका मेन न भे रुट म्ब्यूट व्याद्येय विवादि व या स्ट ही या दे र सुवया देर हिंग्य वशःम्।पासरः ५ १०५ सः प्रस्याम् वेससः श्रेषात्र । वरः वरः वरः वरः ५ १५ सः।पयः रे ख़ूवा रं अ र्वेट च रेवा यश से द ग्राट मुं सहसाय कुवा स र में द्वी द कु प्याट व्याचवरणरावदे नयानवरायारे नवेयायर वु त्यायया हिंद ग्रीयारि गश्रम् वर्षान्यो प्रत्व श्चिम्प्रया विया सम्म ने प्यम् सुम स्रोधस्य न्ययः ह्वानः क्वाया अर्वनः क्वीः ग्राह्यः न्यः अत्राह्यः अत्राह्यः व्याया अर्थः व्यायाः व्यायः व्या यहर्। यररें यायर शृंदे यळ्यया यहर छेर ही हे हिर रह रें वितार रें क्रिंशमाशुर्या निर्मा त्रम् त्रम् सम्मा ग्राम् भीव पुर्न प्रमानी सम्भा श्री यात्रमा केंश विदेश्वर क्री त्यस वस्र राउट् र तु वि से राट्ट र द्र वि त्य से वि स्र रा वर्देन्या देर-रे-रे-पिर्वेश-पिर्वेश-र्वेश-र्वेश-रिप्या स्थित निर्माण उट्-ता.श्रॅट्-च.सेव.शेश.क्र्याश्रामः श्रेशानश.स्रीयाश्रामभा.वर्षा. १८-८. विचया इ८.२.श्वेन.त्रभःक्र्या.त्रद्रःश्वेय.त्रभाष्ट्रमा ल्य्य.यन्या.य्ये.यश्वेय.यग्रस्टरः वनुवानायर से से न्यायर नु नुरान इसया ग्रीयान्ने वनुनि नि सु हु र विराग्विस्र श्रुवार श्रुरिक्ष स्राधाः सहिता विताग्य स्राधाः स् र्षेत्र'नन्ग'वस्रशं उन्'य'नर्डन्'र्से 'य'न्गन्'र्षेय'न्न्। श्रूट्'र्से 'य'सस्र' सन्यामी क्ष्यान स्थान स् स्वायार्स्य स्वापी नर्से दें न द्वा मुख्य न विवायायायार्स्से न या गुनायदे भ्रेअन्तुः अट्-रुर्वेत् युः यन् कुट्-वकुः यन् निर्मे विष्यं विष्यः युन्यायाया ब्रू र के अ मा शुर र न ते र के र नि र ने ते र मु र र स र तु अ मा शुर र न र र । वि अ र न ने र तिर.क्रूश. हे . हेव. देवो. चक्रैव. विवा श्रुव. क्रूर श्रेच प्या प्रवी प्रविते व्यापाय प्र नेयाग्राम्याश्रम्। कॅयाहेयार्चेवार्यम्युवार्चाक्वेवार्यदेत्रेवायायाः न्य न' वसस' उद्दासमें 'त्या वेद्दारा से 'त्रमे नस' तु 'नदे 'नमद' सुत्य 'पेद्दारा त्या क्रॅंश हे अ से न अ त्र अ हिंग अ स्वतः क्षे प्रते प्रति र त्यें प्रक्रें र न प्रायः से ग्रायः स स्र-१८ से १८५ नवे रहे रास्त-१ जुर नर ज्याया रे १ १ सर १ वो १८ त हैं नदे-रुअ-हेर-द्रश्यावद-र्रावद-रु-सु-सुश्राधिश्यी-नर्गेर्य-च्रु-पहिश्रासु-नश्रूव न न न न में व में व में व में व का का में व का का मिल क्रिंग स क्र का का मिल क्रिंग स क्र का का मिल क्र श्रे के व र में मार्थ न स्व में में दे के खे खे ते मार्थ न में में में भर सहित दे.ज.स्वामानः स्वितामानसमा उत्ति वि.च.च.मानस्य राज्या इस्रश्रे में द्राया इस्रश्रे में इस्राया स्थाप निराय दे द्राया स्थाप

विभार्शे । दिःषुःत्वेरः श्रृंतायाहे यायादे ते खुवायार्थः स्वापी ह्यायात्त्र मदे हेर खे. ता श्रीता सदे श्री पर्वा सहित हे ते के हि सक्र प्रेय है सार्थ है सार्य है सार्थ है सार्थ है सार्थ है सार्य ह न्दा गर्दाविष्ट्रम्यन्त्रद्रस्यायदे के तदाया केत्र संग्रे विष्ट्रम्य कन इसमा भेर मेर राज्य में निर्मा से के निर्माणी कर दर्ग सु सून दर्ग दें सक्र-्यदे के त्युवानसमा ही सामे हिनामा हुन। सन्सा कुरान्त हुना कुनः श्रे अश्चान्यवास्य देशा स्वाप्य वर्षे व ८८। श्रियायास्यायास्य स्वीत्रायम् स्वीत्रायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्वायास्य स्व वर्षामिट्रियर मे व न विम्राया न मित्राया मित्र म यार्ट्यन्तेत्रच्याः विश्वाद्ध्यायम् व्यवस्य विषयाया प्राप्ता विषया विषया हेव नार्डे धेवा ने पर तु केव र्हेव राष्ट्री स्थार तु या स्थार सुना खुर बराना हैनामानदे सबर बुना सुराना नेमानन सबर बुना सुरासना वुर्यायदे सम्म मुगायळ व सु कु र या क्याया या सम्म मुगायी पु र वि ने म भ्रवायुन्यो ने या ये हो। हैं नायायुन सी अना भ्रवा से या निवार्षे वा से व शेर्ने गुन्थ्नावर्ष्याम्भास्य स्ट्राह्मस्रमायान्स्रमायेत्रानि होन् क्रूश हे त्रहेग हेत अर्गेत स्र्यं द्रव हु स्रुग रा क्रूश हे स्या क्रूश हे या पुरुष इस्र राज्य में या देवा हैं या राज्य हो न प्राप्त के से साम स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स

न। श्रद्भानेन में द्या है ना से हैं निन्न है सुद्भार न हम स्थान हुन सा है। श्रभावि वेरा देव रें के जुवा हराया क्षाभाव प्रोप्त वृत्तु श्रुवया श्रुवा क्रूॅव्यास्त्रीं क्रिंक्या के क्रिंक्य व्याप्त स्वर्था व्याप्त विष्टे स्वर्था स्वर्था विष्टे न्यरःच। धेःस्वाःच। न्छेरःक्ष्र्यःन्वोःचदेःचलेशःवाहेत्रःशेरःवोःन्ययः इस्रयायाके नदे स्रयानि हेर् देन्या न्यार्या स्राप्त न्यार्या मुर्ने देव से के कुषक वर्ष वर्षे वाया प्राप्त पावव प्यत् मुन हवाया रुवाया रुवाया रुवाया रुवाया रुवाया रुवाया र क्रॅ्रिन्सदेर्नोःक्रॅ्रिट्र्न्यास्मित्रःदेन्त्यःस्मित्रास्यान्यान्यदेःक्रेस्रान्यान्यः तुरः नः इस्र शं सुर्गा शं र्रों सं त्रामा श्रामा श्रेतः विदा स्रेतः व्ययः के नरः विद ग्रम् मुः अपोर्भ्य अप्यस्य अप्यान्य अपोर्म् ।

त्त्री सिट ह्यू अ.स. भूगा रेव ग्री शा । या दव स्था राया ग्री स्वा ग्री दे। । कु भेगानकुः इते अर्गे ने प्वेता विशः श्चानः भूरः ने दः ग्रीः प्रायः वदिवा विशः यम्। विट : नृट : क्रे : नृत्री व : व : क्रे म व : या न्या : क्रे : या या नृत : व : व ने : व व : सकेट्रो त्र्रीतिट.क्रूश. हे.जश. सक्ट्रेन्स्ट्राच्या स्वराम्या विश्वरा र् नग्रानी अया थारा श्रीत स्थारा यथा सके दारा वश्री माल्य स्थारा खर्म्यर न त्या में अप्यादर द्वा अप्राम्य अप्री अप्राम्य कर में व पुरा अर में र

सळेता अलाध्वाणे लेशकारानेशानश्चनशावन्तानावहेवानाहेशासु ग्रुट्रान्याण्यान्त्रद्यायायवरम् याद्रान्त्र्यायाः विद्रात्तुः कु विस्रक्षःश्वरः केंका हे 'द्रसर वर्षः वि द्रवेदि वहवायात्यः केंवायायां है या हेदा उँ अप्तर्भानीता केँ या है प्रयम्प्रति है या शुः नाष्य प्रति हो से वा शुन र्थः रेतः र्ये के। १९५५: हे न। इतः रेतः केतः ग्लेटः यः यः र्ये ग्रथः प्रिटः यसम् यः इयारेव केव श्रीट पाया श्रिट रेंद्र ने स्तु स्रास्य श्रीया श्रे श्रीय शहे केव रेंदि युनःर्वेनः हुः याग्राया नुसः द्धेनेः रेषः नुसः र्वेनः र्नः मुः वस्र सः उनः रुः विन नुः नःश्रेषाश्रापाल्वःर्देवःसहन्। स्यारान् भ्रेष्वाः सेश्रेश्वेशः सर्वेषः सर्वेषः न्दः सहयः वर्षः गुनः पः नहे राहे । प्रस्यः शुः र्रेवः वर्षः श्रेरः न्वेवः नहन। गुनःहग्रायायरः नुःनष्ट्रम् यद्भेग्यारः यः यः येः ये विष्याग्यायः यः यः येः यः मीशक्य ग्रीशनवेश श्री । मानेव दर्मिव दगर मार द मार द स्था मनेवा सर्वतः हैं हे निवरः धुम र्वते वर्त्वतः वर्गेवः चर्त्वतः वर्त्वतः वर्षेतः स्वरं वर्षेतः स्वरं वर्षेतः स्वरं वर्षेत विशःग्राम्या वटः सळ्यः नः यः श्रम्या श्रम्भः स्त्रा स्टाः नुत्र र्वेद्रियानी अरामुद्रशामित्र विद्राचित्र मुन्त्र मित्र मुन्त्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र

क्षेत्र-वन्त्रम् विद्यान्य विद्यान्

श्रह्म स्वास्त्र स्वास्त्

र्वेदे गर्ने दर्शे दर्ग स्वार्थे दर्श है गर्थे दर्श दे विदर्शे हर विदर्श दर्शे सर्गेत्रग्रीयार्गेत्राया क्षेत्रारेट्यावे स्ट्रियावे स्ट्रियाचे रे हिरावया कुम्रायाया वर्गे अर्गे वर्गे अर्गे वर्गे अर्थिन स्टर्मी वेर्म्य मे अर्थने वर्गे वर्गे अर्थने वर्गे वर्गे अर्थने वर्गे अर्थने वर्गे अर्थने वर्गे अर्थने वर्गे वर्गे अर्थने वर्गे अर्थने वर्गे अर्थे अर्थने वर्गे वर्गे अर्थे वर्गे वर् मुश्रुद्र नवे नगव मुद्र नश्चे दे दे दु दु मुद्र श्वाय श्वी है मुश्राम हिन् सर ठव'विद्या वव'श्रेयशके'नश'वर्गे'यर्गेव'ग्रेश्वेन'यर्भर'न'इयश' यदर क्षेत्रासुग्रम् योग्रम् सम्भित्र हिमाद्री मुन्दि, दुर्गेत्रस् नह्मात्रम् नव्यायाययाय्यायाच्या क्षेत्रायम् व्यायम् व्यायम् व्यायम् व्यायम् ब्र-विन्त्राम् विन्त्र मश्चित्रम्मश्चाम्याद्वर्तुः भ्रीत्वर्ते वाषेष्यनी व्यवस्ति विष्वानी दिवाद न्वो नश्चेत्रः श्वेरा स्वेरा स्वेरा ने ने स्वार्य ना स्वार स्वर वा स्वार नश्रयास्त्र सहित्। वित्राप्तरः स्त्रीतात्रीत् स्त्रतायाः सेटात् नहेत् प्रश्नार्वेदः मी र्स्सिन साम्राम्य भी जित्र विश्वास्त्र के स्वास्त्र स्वाम्य स्वास्त्र स्व नश्रृत्र नर्डे अ अट र न इस्र अ विट न विट प्यत्र सहित र अ ही अ ही खुरा नन्दरसहया असुरयमा चुरन्दरेन्द्रम् मुग्रम् विद्रस्त्रम् विद्रम् न्नायाधियानाधीः नेयानहेग्यायाधीयार्ने प्रतिः द्वीरान्न्ययाग्यवायया नेरा

लेयानवे मुग्रायायदे निन्दारा मुद्दा द्वा दवे मुः सादे द्वा सादे । क्रमभाश्चिर्। चर्ने प्रमान्य । प्रमान्य । वर्षे । स्वाना उराजे दिया महाराम्या देश ग्रामा स्वान स्व दिट श्रेट (बुर्य प्रया श्रूर सु प्र श्रुप्य अहे य प्रया श्रे गुर दर्शे अवीतः ग्री:दुर:तु:सहया वर्गें सर्वोद:दरावाश्यर:ग्रोर:ग्रार:सर:तु:सहता देर:सूर: सु'नदे' बुग्राया त्रु' अय्दे 'शेयय' ह्या मुे' क्षु'न' दहेत् 'यर द्र्या स्रुय'य' डिगा गुरानशा वर्गे अर्गे वर्गे अर्गे वर्गे अर्थिव हो दरे के अर्थ वर्ग विगा हिन यासव्यान्ति वार्षेट्रम् श्रुट्रम् वे निम्न विद्यम् विनःसरः दर्गाः श्रुश्चात्रशः धेंत्रः हत्यः श्रुश्वा दें ग्रशः देशः ग्राश्वतः स्थाः ने व्यः यगु नर गुर द्र र वें गि र्रे द र या पर तु या पेया या तु या रेद रें केदे-इ८-५-सॅश-गुश-ठव-व-प्यंव-५व-वकर-कु-ठेग-दॅर-गे-वर्गायाया श्चित्र-दर्भत्र-याया अश्चित्रायम् श्चित्र-यत्रा ५.५८८ त्यत्र हिना निने वात्रायम् वि मभा दर्शे अर्गे व श्रे भार्ने द मिर्म मिर्म में भार्य भार कुष्ण न दे वे प्रदेश पर न विवा मदे भ्रिम् हेर वर्षेय सहर है। तु स्याय मह्ने दे मर येग्र सम्प्रम् व्यासहेयायसासे पाउँ पासह द्वया इत्या विंदा दे त्या कवा या है। सा

गर्सेय प्रमानविषा प्रमा देर हु साधेय प्राप्त विद्यात्र साम्य प्रमानकष् वयः इत्यावया देः वार्ययः वरः वुः ग्रुयः धयः देः वार्यया देः वयः वर्षे ः अर्वे वः मीःवियात्रमा यार्रेयानुः भ्रितापान्दान्त्राः सायार्भेषामापान्स्यमा मुः सळेतः व्याः १८ : स्याः क्रु : क्रेवः रेदिः या १ सम्भः ६ या : या : स्या सामा सम्भः स्व शेशशःह्रेग्राशःसदेः वनशःशुःग्राशुद्रशःमः विःतःधीत्। देः तस्यशःशुः देतः पदः क्षेत्रान्वीयामावित्राधित्राध्यानक्षेत्रयमावितामाश्चरामाया वान्रेवान्यया द्या है। यद साम सूर्य पाय न सूर्य साम निया या शुर या है। इट विया नश्यश्य रं त यात्र शराया शरी दित सर्वे द्यु स्थित वर्धे सर्वे द याग्रीयादिन्यादेर्प्यादेर्प्यादेर्प्यादेष्ट्रियार्थे प्याप्याद्या भ्रीयाद्याया नहना थे दशकी स्थान क्वायायदर:के.चभि.द्यातर्था रट.मु.ध्यायात्रास्याभियात्री. हैंग्यरामानेयारेयाह्य सेट्रसेट्रमेंट्यास्य हैंग्यरमञ्जेट्रसेट्र नदेः गुनः सबदः धरः धेन ने सन् इयः दर्गे रः नि से रहस सः रेसः धेवः ग्रीः हैंग्रायायि देशमधीता विषया स्ति व र्शेवार्यायदेश्यकेन् र्शेवार्यायम् स्थान्ते वाद्यान्य वा वर्षेत्रव्युम्नाद्रम् । व्यान्यः स्यान्यम् । व्याद्रम् सर्गेत्राची र्श्वेतासायत्या मुर्या गह्रदार्या दिव्य स्थाया प्राचित्र स्थाया स्थाप्त स्थापत स्य स्थापत स्य स्थापत स्य स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत विस्रस्यास्त्रस्य गर्द्रस्य मानुक्रस्येत्। सम्स्रिः मुप्तर्द्रस्य स्रिः र्श्वितः अ'थे'रश्याप्तान्यश्याप्तम् अश्यायाश्वा अ'ध्यार्थेर्'ने हें रदः वर्षाः वी' स्वाप्तराक्रांत्वा सुनामा सहत्। साध्यात् सम्वापता वर्षे वे स्वापता वर्षे वे स्वापता वर्षे वे स्वापता वर्षे वे नेवे:न्सॅंब:सॅंक्यःनशःग्रदःसःध्यान्तेवःसरःस्रवःर्वेवाःविनाःहःसँ <u> न्त्र-श्रुवःसःसहनःसशःन्तुःश्रुःन्दःवलुगशःगन्वःश्रेःगः</u> कग्राशी:क्रम्क्रानवर हुर। थे नेश्यमें द्रिते हुना गक्ष्यास्थास्य स्ट्रिंद्रायास्य म्यास्ट्रिंद्रायास्य स्ट्रिंद्रायास्य स्ट्रिंद्र्यास्य स्ट् यावरात्री नरार्धरावर्षी अर्वीत्रन्दा अकेन र्वेषाया धेतरा प्रया श्रेया स्था यःह्रेन्द्रशःश्चित्रायायह्न। येःग्रयेःनःन्दर्द्रायःग्रीःगर्द्धवाःयगः।पदः केत्रसं नहना न्नो वन्त्र में श्रेष्पर नश्चरमा वर्षे सर्वे सर्वे नर नानेनायः वशागित्र अप्ते विश्व अर्हिगा ग्राम्य स्त्र मुत्र शा वर्षे । स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स् र्रे प्यट अह्रेन्त्री विषय विषय मुन्दिन विषय मिन्न स्थानित्र स्थान केत्रायशर्भेनात्रशास्तायीयाधिनाः कवरासहित। नात्स्रशासाने वहितासवे श्चितः कुरायरः कुराळग्यायः शुः चुरायर्गामी । प्रयायायाः शेर्याः स्थितः स्थाः ८८.४२४.२५.३४४४.४॥॥

## **ฯฦ**'ฺฺฺััััญ'ฺฺฺฯฺदि'ฺฦๅฦ'ฺฺฺฦฺฺฦฺฦฦฦ

ने क्ष्र-नुः र्रेन र्जेन प्रेन से अप्याके ना मुस्य अपी र् श्वी न्या पकन रहेन। रवार्याय दिवा निर्देश वार्या निर्वा राष्ट्रिय राष्ट्रिय विवार्य । वहवा श्रीय विवार्य मदे अप्तर में वर्ष के पदि दी वालेग्य हे या वितर मुर्से मह्म या ग्रीय भ्रव प्रम्भेव में के प्रम्म वर्ष मान्य में मान्य महिला मान्य मानुम यव सर र र विंवा वे नश्सुवे या दव की वर वश्स खर वर विश्वा र वि न्गेवियाहेराव्यावासुरार्चेवयम् चीयार्वेन्या चुमारविर्धेमा सम्माया याने म्यायायायायायायाया वित्यापये भुष्ट्रद्रायायाया वि मदेरमायामु सामुमाने मिलेरमामदेरम् इसमायाने म्यामायाने म म्याया क्रियाचित्याचल्यायायदे भ्रायदायदे । यदायदाया भ्रीदाचा प्रया अरःदग्रस्थरः नुःचित्रा रग्रथः ग्रुवः यः वः ग्रुवः दिर्थः कः सेरः पदेः हें सें सरेग वुरव्या दि न्नास ने विश्व स्वा द्वा द्वा द्वा स्वर्थ में स्वर्थ से से वेर नशर्रे अर्कर र् ग्वा वुर है। कैंश विदे हैर शर् शु कु व दर शवश गविवाश शुःग्रशियः नःधेतः दे।।

दे वर्षा वर्षे अर्वे व पाने पार्थ हे श शु ह्या श वर पी श द्वी वर्त्व ही म्यायमित्र प्रम्यायम् प्रम्यायम् । याष्ट्र प्रम्यायम् । याष्ट्रम्य । य वशसे में हो दिन मर लें नित्तर नित्तर मानवर मान से में हो विस्वर मान से से यगानी नर से दि मुख्य र त्ये हिर के या है या मान्त या सहन या स ब्रिट्यः श्रुट्-कुट्-बिवा-अपिव-र्से-च-त्य-श्रवायानिव-व्याना-क्रयया-ग्रट-द् मःकुरःविरःरेःकेःनरः हुरःनश वर्तेः अर्वे वःयः मश्रियः नः नहनः यत् वर्तेः गर्नेटाया बिन्यर्प्त सुन्य सुन नशन्यासे न्वन्तर्यव नार्धेना स्थाने शास्त्रा नाव्यासे में निवेश्यर क्र'न'यमिन्या नेयावनयार्नेना'नुयाक्रीम्'सुयाक्रे'नायर'रा'डेना'ग्रह स्या ग्रम्स्युत्रम्भायम् कृत्वमायत्री।तिरःत्रमार्थायायासेनमार्भा। ने भूर अर्थे स्वा मी श्चर दश्ये थे थे भे भी नर पर वाद्व शरा थे दा द्य. श्री क्षिया खेट क्ष्र में श्री द्या है स्व क्ष क्ष्र में यह स्व क्ष्र क्ष्र में विष्ठ क्ष्र क्ष षिटःक्र्या हे या के प्रदेश के विषय के स्वाप्त का स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त सिंटाक्रिया हे या के प्रवास के स्वाप्त के स केत्रसँ निवेरमाने। ने प्यरस्य नियम् स्वरम् नियमि नियम् ळ८.५२.५.३म.५८.चेश.४४.५३.४८.५४.मशे८४.२८५ सेम.४८.५४. द्वे न्नु अदे भु हे व पर वहें वा प्र के वेंद्र वा श्रुद व या वा द्वा वा पा प्र वा विद्रा वा वा वा वा वा वा वा व

वर-तुःवहवाः श्रुवः व्यत्राः देवाः श्रेत्रः त्वीयः श्रुदः तया इयः यादियः वि च्याः में व के व से सह द के द या द्वा थया। यद से या शास्त्र प्र व दे द र हेत-५८-पाश्रुद-र्या ग्रुद-स्व-ग्रुद-भ्रुद-। श्रु-वश्च-स्वश-विद्-श्री-वर्ष-र्थाः गिहेशसायळ्याम्या नुन्सेन इस्यामित्रस्य निगा हे मेन महस्य ग्री नवा गुर रु र मात ग्री रु सातु में रे रा माहिमा हो र हो र हो । वही । वही । वही । क्रिंश हे या सुया ह्या भेद र हु सद यर यसूस्र या द्या यस्य प्या भी दिया गर्भेभाययर सर रु प्रविषा नर्द र में पिष्ठेभाययर र्वे स सर रु र ही व व भा नश्रुस्रम् ग्राट्स तर्म्स्रम् देव ग्राट्स हिंदा में मार्थे नहीं नहीं निर्मा विध्यान्यः स्त्रीत्रा यद्भी स्तर्भे । स्त्रीत्रात्री । स्त्रीत्रात्री स्त्रीत्रात्री स्त्रीत्रात्री स्त्रीत्र वहिना हेत पा इसमा हैं प्राथम सम्बा कें स्रोध है स्था वर्डे म ज्ञा स्था मीया वियान्नायदेगान्नायाः विवान्ने स्वान्याः सूत्रान्याः सूत्रान्याः क्रिंशः हे अः ग्राटः। द्वेः ह्यः अदेः ग्राट्वः अरः क्रिंशः ह्याः व्यायः शुः शेः दह्याः यर'ग्राह्म त्र राषी'कन् सर'र्से सहन्। क्रेन्'ने राष्ट्र म्या स्वाराध्या स्वाराध्या ख्र के राहे मिने में या भी मार्थ प्राचे स्वाप्त स्वी सिंद के राहे हैं दे राहे हेव डिट वर्रेय नर वर्र हित प्राप्त । वर्षे वा हेव पा दिवा हेव पा प्राप्त अध्व मदे सह न मा सुन न सुन में सुन मा सुन में सुन मा सुन

ख्र-प्राम्वेशःश्रीः नरः भ्रम्यशादेरः मान्वः श्रदेः श्रम्याशास्यः केरः नवेशः श्रमः गन्व'र्यदे'रुयर्थ'रा'गर्से'स'त्या ने'न्य'र्द्दो'तिर'र्केश'हेश'त्र्ग'रु'रु इगानिक्यायायायायायायायायायाचे स्वात्त्राम्याद्वे स्वात्राप्ते स्वात्त्राम्याद्वे स्वात्त्राम्याद्वे स्वात्त्राम्याद्वे स्वात्त्राम्याद्वे स्वात्त्राम्याद्वे स्वात्त्राम्याद्वे स्वात्त्राम्याद्वे स्वात्त्राम्याद्वे स्वात्त्रम्याद्वे स्वात्त्यात्वे स्वात्त्रम्याद्वे स्वात्त्रम्यात्वे स्वात्यात्यात्वे स्वत्यात्वे स्वत्यात्यात्वे स्वत्यात्यात्वे स्वत्यात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्या निवश्यानियानित्रस्त्रेन्याने ने प्यत्रित्रित्रेन्या विष्येत्रस्ति त्या सूत्र नवर में न न मा देते विना पुरहे शुरु स्न न न न स्म होन के माहे हिन वटः मुद्रः सहर त्र या श्रुवा खेवा या सम् सहर्। क्रिया विया सम् स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः नुः भेता क्रेंनः सः भेता नेः नेटः तमः हिनः देशः सः भेता सः भेतः वेशः याश्चरमाही सयाः स्याः स्या कर्सम्बर्धिक्षिक्षान्त्रे स्वापन्तु प्राप्ययाम्य स्वाप्ति स्वर् मङ्गते-नर्देशःश्चेनाषाः भे जुराळुनावदे नर्गोषानिष्यानिष्यानिष्यानिष्यानिष्यानिष्यानिष्यानिष्यानिष्यानिष्यानिष्य र्वेन प्रमेश्रित्ये वर्षे प्रमास्त्र स्वर्ण लय.लूर.कुर.केय.सीचरार्टा लेय.उत्तु.कूर्यायाचर.वी.वी.कंशायाहेश. ग्रे श्रमार्स् निर्देशस्य त्यायायायस्यम् वर्षे स्वार्से ग्रुपायानेवायात्राया र्यः हुः चुरः। अर्द्धवः य्वायायः यः यचुरः यावयः शुः यार्थे या र्यः हुः चुरः वयः वे र्राग्रुयान्त्रस्याधान्त्रम्यदेश्चित्रस्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रस्यान्त्रम्यान्त्रस्य

ब्रुं र य र्रेग्र र रेटे विर यग्य तुर्ग न्ग्र र रें यहे युर य य प्य य व व थे स्वापिते भ्रेम्प्राप्त प्रमान्त्र प्रमान्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स क्षेत्रशत्रान्गरः विन्तुः र्रेयः र्रेवा न्येवः त्रः ययानश्रवः हः न्यार्थेवाः डेग्।ग्रम्नहरमुम्। वद्यवाग्री डेन्व्रिंश ग्रम्नम् वर्शम्या विदेवस्य भ्रेय:दर:नर्देरमावमायने।विर:र्रेन्या यनःश्वरमावनंरें।यो:वेमान्न स्थानशु न न न स्थान स्था वर्ते गुत्र भेग स्प्राम् । नगम्य यायाय प्याम् । वर्ते से में त्यायाय प्रमाय ठर्भास्य। ब्रिन्शाम् स्राकेव केवा हुन् हुन नर दिन वास्ता नेर स्वान्त्र यानव्यापाउँ याम्री यार्के या त्रयया उत्यव्यापा केत् म्राय रार्के या प्रवेश हिरारे वहें व्यक्ति कुषार्थे जुपारे श्रुपायाया भूरावीया विद्या केवया दे कैंग्रास्यान्त्रस्यान्यास्ये साम्यान्त्रस्य स्वानित्रस्य देश मुश्रुअ: नु: नृर्ये नु: नृर्दि: नृर: मुश्रुअ: ग्रीशः है अ: मुन्द: निर्देश है अ: मु ठेगा मुश्रुव रेगा मुश्रुवा शन्य सहन्। व दुः व नुव राय रें शहे नुवा शर्मेर गिनेग्रायायि:स्रायायासीरात्रीत्र कें साहे व्यासारात्र कें विष्या सामित्र कें विषया सामित्र कें विषय सामित् म्मर्सार्यानिते भूत्ववातायावार्यायायान्यान्त्रतात्रम् भ्रेत्रस्य स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त

नमान्यामा सुरामा निरमा प्रदेशे स्थान स्थान सुराम सुराम स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स सहेयानायार्क्साहेदाम्बराद्या र्वेत्स्याम्बर्गायार्वेनायार्वे स्थाप्यारे स्थाप्यारे स्थाप्यारे स्थाप्यारे स्थाप ५'यव'अ'र्मेरअ'व'रीअ'द्ग्राय'र्से नगव न कु ५'री हेव'य'रेवा'र्देर'याशुर वशमेशर्मेवर्स्स् केंश्रहेते विषय्वश्र प्रिन्थः भुकें पर्सेष्र यानरक्त्वाराषरभेत्। इयावर्डेरायासर्वे कुयान गुनाधेदावासुरा ने वर्षा के राहे । यया में युर्पे वर्षा पदि के हे या वर्षा ग्राम् सहि। के राहे र्देव-र्र-क्षे-वर्त्र-स्रम्यायास्यार्-र्त्तेव-पदे-क्षे वित्-प्रेष्ट्रेव-पर-ह्रियायाया मुनाम्बर्पानम् वित्रं राज्यान्य निम्नान्य व्यापन्य विष्यान्य विष्यान्य दःसिक्यःसःसिव्य देःयःनक्षेत्रःसरःह्रियायःसःस्टरःयाशुदःत्या वदःशुयः व्यानमामान्याम्य द्वान्या क्षान्य स्थानमान्य स्थानमान्य स्थानमान्य स्थानमान्य स्थानमान्य स्थानमान्य स्थानमान्य र्रे केशन्त्रमाश्री सहर्त्वरान्त्रेत्रमा हेन्त्रान्त्रे निर्देश हेदे ग्री वेस स्पार्थिया सहत् प्रसार हुत है जिस मार्थित नदे के नापश्राम् विवाश न्या के शास्त्र शाम्य वा वा ने स्था ना प्रिया कर नन्दर्श्वेर्यायाने वस्त्रम् स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स् केंश हे केंग्र शुर्व्ययान निष्य मान्ता केंश ग्राश्य साम्री स्था पिट.रे.सेचश्रावश्रावश्रावश्याम्रह्मात्राचरात्राचार्यत्याह्मात्रीयः व्या अवितः संस्ति संस्ति दिन्दे से कि निर्देश किन्य के निर्देश के निर्व के निर्देश के नि

वर्ष्ट्रिन्नः मुस्रभः ग्रेः भ्रुन् भ्रेष्वाभासद्य वे वि वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे अस्त श्रुयार्धेराकें याश्रुवाद्वरयायायाश्रृवाख्रिरावाद्वराद्ययार्वेदाया इसया मन्तरभाषायदी पर्यासहर वेराव्या हेराया है साहे दे विया तथा रशयान्वरश्चरकुरःह्नेरावकुरःनुरावारानुरावहरःहेवायाशुरःवशःहेः श्रुवःश्रानहरा न्यानुशः र्वेग्यायायने उयानश्रुप्यायये सुन्हे यगः ये मु'रा'त्य'त्रमुत्य'रा'धेद'ग्रमुद्र' दे'त्य'हे'ह्युद'र्श्य'त्देश'त्र्यंग्रभ'नेग्'ह्'द्रवेद' नर्भून न संस्ट्रिंग्रा केंग्रहे ल सर्य कुर्य में यह से सिर्म ठेगाः अपिठेगाः ग्राम् अप्या देः क्षुः दः ष्यम् अम्याः क्रु अप्येदः प्रयाः से प्रवेरियः भ्रे.पाश्रुटः नरः गर्भेषः नः न्टः त् न न न न न न न न मुः न स्मा न स्म केंग्राश्वस्य उद्दाय नुसारा विषय प्रमान स्वार्थ क्षा स्वर्थ । स्वार्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स् यश्रास्त्रियरावयवाशायराश्चरायाधेता क्रेशाह्रशारस्या र्वेट्राग्ची पर्दर र्रे निर्मिश्चेर्या अयो अरके निर्मा इसस्य त्याह निर्मिश्चे या वर हैं वि निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म यह्र व्या क्षेत्र द्वेत व्दे ग्राम्य हे से र प्रतृ द्वे ह्या प्राप्त या त्या त्या ग्नित्रः शादेरः मह्दर्भः साधित्। विदः त्यः भ्रुः ददः वरुषः सदेः त्रहेषाः हेत् त्रः श्चे वित्राचित्रा हे श्चित्रस्थापान्त्रस्थरायेत्रस्थाने त्या हिंश

हेशायारिया कुशायह्याया हिया श्लेषायहर त्युराया येषा वशाया विवाश ममा वट्यने केव निर्देश व निर्वासमा । शुरु रामा श्री मार्थ सम नर्याणेट्या विविध्कृत्विष्ठियाचीयाची क्रियाप्यायाच्याया भ्रे द्रे ल्। विश्व म्य प्राप्त वा दे प्रविव द्र प्राप्त अर प्रविव श्वर प्र कें कें अर्हे वे सुना ये द न्दर समुद्र पर मुन पवे न्दर में अर न सून अर पवे वन्यानवे नडमारायमा से १३ समार्गन्य के मान्यूरानवे के समार्भिनमा ञ्चा अळ्यमार्वे त्राया निवामा द्वी देया द्वी वा मा सक्षाया स्वामा यह्री रगे.पर्व.स्यया.ग्रट.विग्यारा.प्राच्याया.पश्चीया यह्र.स.चे.व.स्रेट.स. नेशन्स्रशः विन्यान्स्रश्याण्यानः क्षेत्रः मेदिः वाश्यान्तिः वास्त्रः वान्त्रः श्रान्तः वर्गुरःश्रृदःवर्गुरःवःश्र्रदः। देदःरदः इस्रश्रावःवदेःवदः ववेः त्रुः सर्वेदः वेरः व्याभेगावयम्यास्र न्याने । वयस्य प्याने स्वाप्य वितास्त ने न ठेगान्न न्यानुः १ देगा पहेन पायसन्य न्या र्ये यान्य स्था न्या न्या ममा हैं निवे धुअ कें लान निरम् ने भाष्ट्र ना ने सम्बर्ध हैं निवे अ कें लान निर नशःवी नुशःवें नुनाःवें त्रनिर्दे के के स्व नुशःस्य प्रश्नि वें के शाम्य वर्गेर्या वेरा वर्या गार्व सेर् द्या गुर्या स्था राया र्या र्या वर्षा वर नदे-न्यो नलेश लेया ल दें चेरश त् शुन चेरा शुन चर गुरा स्था हे शुन र्थः नवरः नरः विष्टळ यात्र या शुत्र दर्या है । नशुरु न शुरु र नरः हु या राया है । नशु रे। दे हेत प्रवेष प्रायम्य महिष्य प्रियम् प्रवेष प्रायम् प्रवेष प्रायम् प्रायम् प्रायम् प्रायम् प्रायम् प्रायम् वेर'नश्राक्षक्ष्यम्। वेश'ग्रह्मान्द्र'इह्शद्रश्राम्श्रुर'वेर'द्रशाम्द्र वर्तेत्र निर्मा वस्र राज्य है है है त के ता ने निर्माण षातुः है मह नवि वस्र राउद से हायो या हैया यो सा हैया ही या है दारा दहा न्यानुः सेटामे १८१ तुवे क्या वर्ते रायाधे तायसाम्बन् वस्य स्वर् नेया मुस यर्वेद्यान्य विश्वास्त्र विष्व विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र व प्रमःश्रुद्रःगीवे म्ब्यायाया व्याया महत्र्वः मर्श्रुवा प्रदः सेवे में द्राया प्राया प्रदः क्रें देवायायर में ह्या नत्वाया हि देवा द पर हि दे क्रे नर्के या नरा र्वेद्रायार्श्वाचीयाश्वाचीयद्वराद्वाचीयायायविया देव्यशहे श्रुवार्था हेव न्सॅन हे से न ह नग डेग वेंन न सर्वेंन तथ थेंन हे जुर नश कें से त्युर न'वर्ग'वेर। क्वेंन'न्येंद'व्यावेर्यंस्वा'त्र'ठेवा'त्रिर'र्षेत्'यात्र्यावार्यः वशःतुशःमश्रा द्याः कुरशः उवः देवाः चुरः यशा दः देशः केवाः यशुरः। देः व्यक्तियात्र्ययात्रयायायायात्रित्यरास्यायात्र्य्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या नःयःग्राञ्चम्यःनङ्ग्रदःनङ्ग्रीदःयःदेःविःस्टःयः।वःमान्दःवयःवश्चेय। हेदेःवयः

वश हे मवर्गमात्र या दरमें राधि दे माया पर हिमा ही श दे वर भूर महेद ने विंग ने श श्रुन गश्रुम विनश गर्धित म विः श नविग मश विः ने उपा वेस वर्षावेस्रमाहे सेंटा वया वरा वरा प्रमानुसावर्षा प्रमाहे सुव स्राहें रापस्र वयानव्यायापाना वुःभिःभेन् सेन्द्रिःसेन विन्यासे व्याप्तान्या नमामान्त्रम् न्राम्याप्यान् के क्षेत्रम् ने न्रमानके हैं में म्रायमा र्षेत्रवाश्चिरात्रपाववावकावके नेराना नुःभावनानत्वावाभी हैं में ह्नाना गशुस्रान् से साम्या हे शुन् स्वापित्र न्या निस्ता सामा हे सामा हे । वृरर्दे। दिवे वे कुषावर्षे । सुर पुर नशा हिर् के शासूर नरे दि । हुः सूर् पारिया प्रविया वर्षे प्रविश्व स्थान दिया विष्य प्रविष्ठ । क्रॅंश हे अ नाशुर। नशस पश्च न उर्द रेवि हें दिन हु सा सुर पितर मैश हे वस्र उर् सहित पाले श माग्या मुख्य प्र प्र प्र प्र राम ग्राम व्यनकेत्रन्त्राथमाक्त्रायां विष्यानकेत्रम् वः हे वस्या उदा सिवेदारा देया ही राख्या विस्या सुवा सुमार्के वाया परि होता र्नेंद्रियदे हे या शुरव्यद्या व्या केंवा यु यह वा प्रवेश यु या प्राप्त स्था ये विया श्रू र दर्गे व र प्रायुव रेट र द क्रेट शर्म शर्म शत्रे वि व द व र श्री व द व र श्री व द व र श्री व द व र श राक्सर्याग्राटाकुंवान्दरस्य श्वानान्दर्भ्यामानिकावाभुम् गुसर्यामेवा र्रेदि हिर्दे वहें व क्रियाचे व परिष्ठ विकास के ते व क्रिया

मुन्याय स्मान्य समान्य समा वस्रश्राह्म में भार्षे वर्षात्रे प्राप्ति क्रिया क्षेत्र भारत्ये गी. है. है है रायदे रहा वया गन्वःसरःवें हैं जुः इन्जानवृगया ने वसायते । तर इन्नें ने देव र्रे के वि नर ग्रेनिय रायदे साये ग्राय हुया रु हिंद द्या ग्रिट व्युवा यह्र व्यावियात्यातः स्ट्रा या द्रा देवा स्ट्रा विश्व स्ति । रान्दा वर्गरःकेंशःश्रेदशःरान्दा श्रेंशःराः इस्रशःग्रेशःग्रेशः ग्रुशः द्रश त्त्री सिट.रे.चर्चे योश्वास्त्रे हिं चासियाच्या विचा चर्चे योश्वास्त्र हिं स्वासी श्रास नवेश वःसःयः स्रूगः सुदः सः दृदः नगदः गद्याद्यसः सः स्राग्यः दृदः कुः वद्रेः सेः नव्यामा नेरानव्यामानदेखें नत्त्रामानुमामाने ही नदेखें लाहेरा न्ययाची अप्यन्यानुः श्लेयायये पुरानुदायया यही सिरानेया ही प्रानी पर्वे इस्र ग्राट तर्जे स्र प्र हें स्र प्र हें। से त्र विषय प्र प्र विषय स्र विषय स् द्युरः तथा यत्वाया दे । प्यरः विष्यः अरः देरः श्रीः द्या । द्या द्या द्या । द्या । श्चासर्वेदानार्वसाम्रीयाद्वासाश्चीयाद्वसामाद्वाद्वाद्वराद्वसाम् मुरादनुयानः भ्रेयानराविषाञ्चरकाते। श्रेष्ट्वायानारायापरानार्वे दारा बेर्पराधेरावेंग रेव्यावगान्ने शुः इत्त क्रिंत्र ह्या द्या दिव चुराद्या क्षेत्रचुरात्रम्। विराक्षेत्रायाः भूगाः देवः चीः ययाः यद्याया चुरः

वशाहिन्यश्वयास्रावय्वशाईविः करः वना विंवः ने। वर्ने के धीवः हेरः नमा हिन् ग्रेम न्या तुरे क्रिया पाना बुन नमा न्या तु सान् ग्रेमा न्या तु सा न् ग्रीयाययाम्बयायान् ग्रीयाने हैं कर ग्रुटान पीताम्बर्यायय। वर्षया के हो दारा धेव हेरा दस सु र्श्व वस है से हो दा वावव हो स दर्ग पाय हुर नः इस्रशः वदिवे व्यवा रु वाहर व्यवः द्वो वद्व अर्हे र नः धेव वाशुर्य स्या गर्गामाराउदारे पार वि न केदारीं र शुराहे। र समा इस शार्कें र माय श्री स मन्याग्रह्स्याविदात्तुः केंद्राय्या देः द्वेत्रक्ष्य्या हेया देः उंसासामित्रासासी नस्तरामा निर्माय निर् ने सूर्व त्रम्य राज्य है ते देव हैं वा की या नियम है । सूर्व स्वर्ध है । सूर्व स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य यरकेरविया विक्रिंगर्डेन कुर्र् ग्राम्यायायाय यह सार्रे राष्ट्रा देवे कें महुद्दर्भेत भें के ला बेत प्रेंत पायम्य विमामी या हुद्द वद्द से मुराधिर इस्राद्युर्नान्स्रवायम्। नावे वर्षे नाधेनाम्युरावस्रासा सन् ग्री प्रमास्र स्रम् सम् । ने पाउँ मार्थ स्थान स्था ने। सक्समायान्र पर्देव सहदावमा श्रुव स् देव से के या नत्नामा सर बुर्यास्यायायाद्याच्या वाद्धरावीया राद्धेत्राहोत् क्वायाराध्ययात्रासु विस्रक्षान्त्रवाः वेरावाधाः दे नरातुः वाद्वाकाः विस्रक्षान्तः विस्रा वर्षात्रज्ञात्रभूतास्यात्रम्। देवित्रात्मा त्रुतात्मात्र्यात्मात्रम् स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्

वशायवी मिर हेर रे नवियाया वर्र वियय मुं का याप हो व की याविया पर यहंत देव.मू.क.तम्बेयमात्रहास्त्री.मात्रमाहेमायार.पर्वरमा मि. ग्र-१८-वेद्-ग्रे-भ्राम्दिर-प्राप्य-श्रिम्श्राप्तिः द्र्यापा त्रस्य राज्य र क्रिया ग्रैशक्षियायम् अह्राने। न्गुमर्थानकुन् दुः इपाठेगायाः निम्बेर्षेशग्रीः वश्रेयान्यवार्षुः सेन्यार् हिंवा व्यक्षित्र इस्र स्थितः हिंवा सः मदे भ्रेम्भ्रास्य स्वाधित सम्बद्धिया स्वाधित स नग्रःभिश्रायरःशुरःहैं। विःश्चेत्रःग्रहःश्चरायःरेत्रःसे वहःगिहेश्या गड्द रेत्र में हो कुया ना पद र वे विषय कुया श्रेश में गापाना देत्र में हो म्यायायाय्या देवार्या के याहे र क्वा या श्रुवार्थ क्षे अद्याया श्रुवार्थ व्यायायायायायायायायायायायायायायायायाया उन्यम्बिन्यायार्थेग्यायायायात्र्रीत्रात्री।

देव-चें-के-ग्रावाय-वर्धन्यन्ति। न्येंव-वियान्यन्ति। य्येंव-वियान्यन्ति। य्येंव-वियान्यन्यन्ति। य्येंव-विय

र्भे अटशरादी भे अटशरावेटशरादे वया नम् सह दाराश्रे

सरमायम्यामा हे सेर सुनायाय र्वेत्र त्यायस तु वर्के न से दाया हर्नित्रमाहिस्तर्भात्रस्य विद्या स्रिकास्तर्भात्र मान्यस्य विद्या केर'नर'तुर'रें। कियान'रेव'र्य'के'वे। धेव'केव'सरसाक्त्रसांभीतरादर ૡૢૹૡ૽ૺ૾ઌૣૺૹૹ૽૽ૼૼ૾૱ઌ૽ઌૢૺૹઌ૽૾ૢ૽૾ૹૣૹૹૢ૽૽ૼૹ૽૽ૹ૽૽૾ૡઌ૽૽ઌ૽૽ૼ૾ૡૼ૾ૹૢૢૻઌૡૢૹૹૄ न्गुरःवें नर्डे ख्रायासम्बर्धे क्रूनान्दर्स्रिनान्धेन प्रमायान्य स्वर् सहरित्री सक्ष्याम्यायायाः नहित्रव्यायाः स्वान्याया निग्रित्ये निर्देशन्त्र यन्तुमःशुःसेनम। हे श्रुवःस्मान्तेव क्षन्यः सहन् नमान्त्रिम्यः निरा नगुर लें नड्र नगु या यही हिर नु हैं हो समह से हैं हैं न पर्म यह श्चितः भरः श्चिरः या या या राष्ट्रितः धुरः नः या इस्र या या त्र श्चेतः हैं या या सहिता है। व्यास्त्रुनारासहित्राय्यास्त्रुयानस्त्रुम् वुरायात्तुम्। नृगुम्रायास्यास्य यःविदःश्रें ख्यायी वें व्यापाद्व अदे वें अर से नशा हे हुन स्वि द्वी हिट रु वेनार्यापिते वि: वें प्रेत्रा वें सुया दुः इन्मासुया नत्नाया यत् देना वेंना ननशरमञ्जूरकें अरग्रीअरगातुस्रअरम्भरगार्वे प्रत्यासे प्रत्या हिना सम्म के यत मार्य अप्राचित्र। मान्तर यद श्रे मुं से दा है र र र ही या के दे मुल से इस्रभःग्रे ग्राट्यत्यानासटात् ग्रुम् देव्यात्वा दुः इत्यान्वेयायासे से

लूश.ग्री.क्र्रश्चर्यु.चक्कर्रात्राच्या.चंद्रार्युट्या.श्चा.च्याच्या वार्टर.चंब. नश्रासे में ना नी कर न्दर देंद्र के दर्श ना है श जुद नश्र है स ना शुस न्दर वेर'न'वुर्'। गर्र'मेश'ग्रर'गश्रर'यद'गहेश'वेंदा गर्र'श्रुरश'रादे' कें नुरक्ति केत्र सेंदि अर्के दिने तुर नित्र निरित्र निरामित के विष्य र्शेग्रथान्यम् पुरसेन्या क्षेत्र प्रास्त्र न्या स्त्रीत्र स्त्र स्त्रीत्र यसप्तर्वस्य विषाना विषा दि सर प्रवर्गमिते दि सक्षर उत् से ग्रासर दु विंत्र कुयान मेत्र सें के या पाउटा पड़ पाड़े रामा पाड़े मक्ता मेत्र सें के या हॅररेवरपत्विरमायम्। वड्राविमायदी वर्षेस्मिवरिवर्षेकेत्रे भ्रेराणराम्यायाराते। यास्यास्यामी त्यात्याद्वित्या भ्रेतान्येत्रम्यायापाया यश्रास्तानुष्ट्रा अळवारेवाळेवार्रेहे सार्यार्थया वे निः भुः सार्वेश्राया न्त्रमासु र्वेत्वमाहे सुन्यू रूप्ताया है पु स्थायायायाय र्वे वि शे'गशेन'नर'म'द्रा र्श्वेन'द्र्येत'णर'मर'मर'म'द्रा ग्रथर'र्श्वेन'र्श्वेद ख्रकाराः इस्रायायाया निहेत्र हैं वाया सहिता हेते हे या सु हे त्या नाया न सु ह ग्री:केंश:इस्र संहें नाया पर नायता वें निर्वा ने संग्री नर दुः स्यापाद्यः यदियाची हैं या अपन्य है या भेया आपन्य है त स्वार्थ सह द या अपन्य सिंद हो स्वार्थ स्वार्थ से स्वार्थ हैंग्रायायायम् सेंत्र देश्याम्यायाये दुर्दु वर्षात्रेत्र्यायाम्यस्यया

ग्रम् न्गुरः वें म्युः पर्युः पर्ये से से सं म्युः पर्वे । नव्यामा रनःगवमान्द्रःहेवःवन्नेयःयःसदयःनहेमा सर्वेनःसरःसिवः मः र्रेषायामधेन्यन्। तुः रूट्यार्थे कुटः मी न्याय्यायायार्थे या नायन्ताः मश्राक्रीं कुन् ग्री प्रविषा माली क्षेत्र खना में माली नर्मेत्र खना में माली नर्मेत्र खना में माली माली क्षेत्र खना में माली माली क्षेत्र खना का माली क्षेत्र खना माली क्षेत्र खना का माली का म <u> हे 'द्रथय' इसर्य ग्रेय' देव' यें 'के 'य' हे 'दु 'ग्र'द्र' ह' सबीव'द्र द्राय्य अध्यर</u> सर्वेदःचःवःश्रीम्यान्वःविःविन्त्रन्त्रम्यमः तुःसेदःचः सद्य महतःस्रदःसेवसः राक्षेत्रत्राक्त्याचार्देवर्ये केवेर्त्वेत्राया<u>र्ह</u>ेष्यायाव्ययाग्चीःर्स्रे यदया वर्चन मुन्द्र न्यायाय वर्ष निविद्या है। यान्त्र अदे भ्रें अद्या मुस्या ही भ्रें वा अधिवा न्वारार्वे न्वा इः इताशुअन्य सुवाश वे त्वुवा वी वेदि कें राह्म न इः महिरामित्रेन्त्रमित्रमित्रा वेरित्रे व्यादर्गे सर्वे त्रव्यम्या स्याप्य मित्रम् गर्राश्चरमाममामे करार्या गर्रामामे अर्केगार्या ह यम्वेत्रन्ता र्रेष्यायन्ता स्वान्यम्यान्यम्ययः र्रेत्रवेता रेत्रमञ्जयः नमगाः हुः सेन् मः भ्रितः र्वे । ने व्यानुः र्सेन सम्य ग्रह्मा सम्य ळेत्रग्रुत्रग्रय्थायः देत्रळेत् कुयः ये बेराय्य हे नद्वत्ये याया हुरानदे विग्रायान्यानी क्रिय्या इस्यान हुत्वत्ता दे वित्तु वेत्यान्या र्शेग्रास्य स्पृत्ती ।

रेत्रसंक्रिः म्यायायायो भीयायाती न्यंत्रसम्बन्धः कुषामी ख्रायाती र्वि:र्वे:वनव:व्या नु:रेव:केव:लेश:रना रेव:र्वे:के:ना गहेश:अर्केट्:मा न्सॅन सेन केन भुन्य न्द्र नवि विद्यास्य स्व सेन से के म्यायाया न स्यायार्थि है। यायायहिरया गर्विव वृष्या है है वृष्य म्पार्टिया है र देविव र्'ल्याः भूयाः यश्चयम् रे हे मा क्यायि यामा स्वार्धे गुर्रे व्यवस्य हुन्। क्रिंश्विद्वस्थराङ्ग्वारायस्यायम्। देवराराश्चर्यासर्वेद वसवाशासदे श्रुव श्रूम र्ज्जेवा विवाशाम में त्या सर्ने श्रूम पाळम में उसा सिवा म चुर द्राय के अर्य के वर माना वा श्री र व द्राय दि वा वा के वा वा व वश्रुवाराः अह्न वे विष्ठिशाराः भ्रुवाशार्थेः श्रुवाः वाप्त्रायान्त्रः स्र स्र स्र स्र स्र स्र र्नेरप्रयामिशपर्वेमा प्रिंदिकेद्रम्युवप्रयाद्यायम् नेवे हिर वेवे कु ह य गुन के व खु कुव प्रश्न न कृव है य न यस प्रश् यह्री ग्रुनः केत्रः प्रश्नान्त्रः श्रेष्यः नुः सेन्यः प्राप्यः देतुः सेन्यः प्राप्यः प्रम्यायः प्रो नदे-नुश्राधीत्। विष्टामान्त्राश्रम् क्रिंत्वश्राधीयाश्रम् व्याधीत्। विष् श्रेयः मरः वृरः में हे विद्यार्थ। मेर् मेर् के मिर्श्य अर्केन परी स्वायः में हि

यायिष्टिश जूर्यंताराजाई श्रियंत्राची विषया वश्चित्राश्चराज्य क्ष्यं बिन्यायम् रमः मुः हुन्यिः सळ्दः म्यायायः सेदः छेदः नुः मन्याया निवः नडुःमःशःश्रें त्यूरःयान्द्रःश्रमः र्जेद्या वे हिः शुः स्पित्रं यो नमः नुः नत्याशा है न्वे ज्ञानाय दें न न कुष न्य निष्ठ य ग्रीय स्वा सर्वी नाव न नय स्व न ने वि हिर नर्डे म भुष्त्र अपन्तु न सुन ग्री मोर्स में मार्शिन सम् उत्तर स्मेर मुस्स ग्राम्प्रिम् मी मेर्ट्स्य प्राक्षे क्रिया में या स्थान परःग्राम्या न्गृरःसॅ नुगा दुः इ गडिया पः सुयायः सॅ हिते स्य ह्वा या या शुया यदेकि भुष्याश्वरायानियाया नुदासर्के द्रायसायदे याद्रव सर्वाय्य रेटायान्त्रम्यायां के यानि हेटायान ने दर्व रेव के वासुनया ८८.७८.केश.भपु.श्रमाश्री.के.सू.मी.का.मी.का.पर्वित्या तीयाता.सी.केया नवर में अर में वुरा श्रुव मोर्वे व व वे र र श श शामव में छ य र र र र श्चित्र-दर्भेत्र-विदः नर्ड्व-तुः इदशः यः त्यशः द्याः नुः तुः द्युः दः नवे अळ्वः ग्राण्या शः यः मुयासळं त्र प्रायो स्वापत्र में छ्या प्रम्य प्रायम् प्रायम् प्रम्य प्रायम् प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य धेवा न्यवर्ये गर्वेव वु नवन ये न्यान्य वित्र वे निर्मा निर्मेव ये येत्रप्रश्चीत्र क्याया पहिरासकेत्र प्राचित्र इस्र अल्ला इस् यु।पर नशक्रिंशे। व्यायापार देव केव वाक्रिंश क्रिंट इसमापार वामवा

ने नुष्ठा हो न त्या के वा क्षेत्र वर्षे न न त्य वर्षा या क्षर व वर्ष खर न क्ष्रवा व्या वर्ष हो । शे'न'न्र'स'कुष'र्से'श्रेष्राश्र'ष'नगद'नकुन्'ग्रे'ग्रान्सश्र'पदे'वेन'क' इस्रभःग्रम्भत्। ने त्रभःभ्रम्भाष्ठीः नर्हे नक्कुन् नः भन्न हित्र वे भूः नडुः इयाडेगायी नरः र्केंग्रया युः निया न्या निया निर्मा नि इस्रशायास्त्रस्त्रसित्रम् न्याचित्रस्य न्याचित्रस्त्रीस्य न्या न्दःशेदःमोवेःविःवःमानेगशःसःसर्वेदःनवदः हुदः। न्गृदःवेः हुमाः हुः इः नकुन्यासुन्यार्थार्थे क्रिनदे त्या क्रियान क्रियाया निवास गर्राश्चरमानमानेरानश्रेषायरार्गेत्र । विराधरावता श्रेष्ट्रायान दु गिरेश रेत र्रे के र्रा १ १ वं र में भी र्रे न साम स्थान र मिन से न र न र्रे न दुःगिहेशःशुःश्रुनःमः सहनः मश्यासे द्वासिवः सहतः नः नहा स्यासे दुः ८८। व्यायार्थे वार्वेव पार्वेव पार्वेव पार्थ के याय्यों वर्षे वे विषया विषय पार्वे व र्शेग्राश्चरात्रुं विता धेःस्यायस्द्रियासेन्देवान्वितायानेश्चरा नकुर्ग्ये नम्भवायदे नद्या स्राप्त स्थाय स् गिरेशयाश्वर्यात्री विःश्चित्यायत्र्याःश्चित्यात्रितः रेत्र केत्रश्चित्रश्चीः श्रभः पृदेः भेः पृ। वद्यः पृष्ठिभः प्रायम् स्याय। इतः वर्भे प्रवस्य वा वा वा विष्य वा वा वा वा वा वा वा वा वा व म्ययातियात्रात्यया येवायान्येयात्रात्रीयायात्रात्रीत्यातिविष्या निरास्रीया

यासे हिंगा निरामा संग्रामा स्था हिंदा सर उत् हुरा से महुदाया है या येनमा नृगुःषः मान्दः क्रेदः गणुरः इतः नर्भेनः दसमा नृगः स्मिनः दस्य नर्भेर्याहेशयश्रास्य हुर्युर्यस्य सळ्द्रम्याश्रास्त्रेशस्य हुर्यह्माश्रा क्रेश्रानि मायाक्रिं विदान्स्यशाह्री नामाया नगुरावे हैं भुदे हैं ग प्रभावत केत सेट कुया नाया नस्रेत पर हिंगा सा केंस हे सुसा ना नु क्रॅ्रेन्देन्स्रे हो कुषाश्रमात्रेन्यायार्येन्यायार्येन्यायार्ये षरः त्युर्यः क्रेंद्रः ग्रीः श्रूर्यः क्रेंद्रः दुर्द्यः क्रेंद्रः ग्रीः नक्षेत्रः यः दुरः द्यः यह्री यहूर्य-रामधिय-तास्य-य-तास्याच्या श्रम्भानः म्बारम्भास्य से के मानी करायम् सरात्र निर्मा निर्मार में स्थान स्वार मिन राख्यायाची त्यापाद्व स्थर हिंदा वे रायह याहिया यह याहिया स्थाह्या हा हा याडेवा'स'सुवास'सें हिते ह्वा'न'न्वा'सदे हें 'य दु'वाशुस्र त्या नेवास हें स' निवायस्यानिवी इरिनेविर्मेरिनिविष्ठीत्राभीस्भीत्यीः श्रीत्राम्या য়য়য়য়য়য়ৼ৾য়ৼৼঢ়ঢ়৾য়য়ঀ৾৽য়য়ঢ়ৢয়য়য়ৢঢ়য়ৼয়য়৸ ऄয়য়ঀ৾৽য় म्रास्त्रियुरे ते त्यापित्य मानम् केम्या स्वाप्त केम्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त त्रदे से ज्ञा की श्रुवाका गा दक दें द के स दर्शे का स क्षु खुका का के सारा मुयाश्रशम्यायारादेवायात्रह्यायाद्वेशःग्रीख्रायादेशःवर्श्वायाय्या

यहरी च श्रे.चारुश्राचायारे वो चर्त्रेष्ठायहरे है। यद्ध्या वाष्ठायायाया चिरा ख्रेना हुनन्यश केंशः द्वापी विद्याराय्य क्षितः द्वारा क्षियः क्षायः वर्षः निविदेश्चित्रभाष्ट्रीत्रभार्भित्रभार्भित्रभाष्ट्रभा न्गुर वें नरें ख्रमाय न्यय थ्व न्नु सान्य प्राप्त कें व मार्विव न्नरायाययास्य पुर्वा नुषा श्रीयायूर श्रीयाप्त र्श्वेयाप्त र्श्वेयाप्त र्श्वेयाप्त र्श्वेयाप्त र्श्वेयाप्त र्श्वेयाप्त र्छ्याक्त्यान्यान्यराङ्ग्रिन्यहर्ने नस्रेन्यराङ्ग्याया नद्धानुवाराया यान्वरश्यरायेनश नङ्गन्गुव्यर्थाः नकुन्ग्रीः नम्भून्य्यायायिः कें। हेर्न्ववायायदेन्यायायदेन्यात्रेयादेन्याहेर्याचे चार्यायायायया वह्रमायर श्रम्भार्य सहर् में अर वें न इ नुमान बुम्या कुय स्था विवायासेट्रा वें केत्र च्रह्र से वायाया के या सह वायवा क्षुत्र ह्या यात्रेयायाद्रायदे अर्क्षेया विषयाविषया अर्देव स्य साम्रिव साम्या स्रे वट न न मारा से द न सर्वे साहे दे न तु वि मान न तु मारा न तु मारा न दि मारा न तु म केंशानरात्रासकेंद्राग्रीशाश्चितारसामीत्रेमाशास्त्रासमेंद्रान्यदरात्रुदा द्यादर वर्दे त्यः क्रें शहे रहे र विदेश रा विद्या विद्या विद्या विद्या से स्थान से सार्थ वर से विद्या विद्य कर्नन्। देरन्त्रेयाग्रार्भरन्तर्त्त्र्वा हेन्द्र्वार्द्धरावामा केवार्येया ग्रम् विनयः द्वार् ना प्रनायः दयः के यः द्वार्यः से नायः यः वनः के यः इययः

यायव। वियायाः स्वितः हिर्म्यायाः हियायाः या हितः श्रुवः रिविः यसूवः यहेयाः या र यहरिं।

म् भू भूष्य भूष्य भूष्य भूष्य भूष्य । स् यान्नो नश्चेत्र सहन् कें अ विन इससामासन् नेते हे सासु श्वेतु नार्ने ट नु क्रिंश हे : ह्यु: सार्वा स्था साम्य : सेंग्य साम्य : क्रिंग क्रिंग मिल्य : स्था सेंग : यःगन्तर्भः अह्न युः अरः न्वो निष्धः अरः नुः वर्ळे वार्यः प्रदे अरः करः वर्षेत्रः सहित दे व्याः वे कित्र हिर है दिर समित केत मिर्वित दिन दिन स्था हैं न न्स्य-क्ष्याक्रियास्यमायमायभ्रेत्यमःह्यामा स्रेत्यान्दिःहेत्ये स्र क्राक्ष्यविष्य भे भे स्वामी क्रिन्त्र द्वार क्रिस्य क्रिस्य क्रिया क्रिय श्रीवाश्वास्तर्प्त्राच्यात्र्यः विवाशः न्याद्यन्त्रः स्वर् विव्या न्यायः स्वर न्नायान्यायार्क्ष्यार्भेटानी हेयान्यत्याय्यत्त्या क्रियार्भेटाक्टानायदी श्चित्र दर्भेत्र नर्भेत् म्याया याया वित्र राज्येया कें अः श्रुॅंद्र नी अः भ्रेव व्ययः नश्रुवः यय। ह्युद्रः में अः नाद्वः यः यदेः भ्रेवः व्ययः यः यः क्रुनः राया विदः से स्थयाया के या तस्या प्राची प

द्रियाश्वास्त्रस्य स्वास्त्रम्य स्वास्त्रस्य स्वास्त्रस्

यान्त्रः स्वरः स्

म्नें में रास्य प्राप्त विष्य के साम के स निव राया हे या बदा दुर्गा मिहे या मार्थिया हे रामि हे मार्था यह स्था नडन्द्रिंत्रर्भे अह्द। हेर्गहेश्राया समित्र केत्रश्रद्धिं न दर्। समित् येनश व्रःकेतःरेत्रगर्वेतःयायानगवःनकुर्ग्याःग्रान्यसायः इससार्ह्गासः नर्यायवा द्वायायात्रियात्रुयात्रुप्तावयात्रेराष्ट्रायायायीयाः भ्रग्रायार्थि श्रेतु त्यायिहरम्। श्रुव श्र्यायाया श्रुदः राया द्यो प्रश्लेव श्री श्रूयाया विश्रा श्रुवःश्रानर्श्वन् यावायायायाः क्रिया हिन्या स्वाप्तवः क्रेवः म्याशर्देर्यान्दर्श्वेतान्देव्रकुषामुयानायश्चरनातुन्। केश्वेतान र्द्ध्याविस्रसानवरार्ध्सानम् निविदे न्नरान्सुम् नम्गानिहेसायान्स्रम् ब्रैंट्यह्ट्यम् देश हे अवित्र वार्ष्यम् हे देव में के हैं नवट ग्राम्य पर्ट यर-र्-पायवा हेर-र्गु-प्र-श-र्थे है-न-त्य-पार्व-श्र-हैंवा ह्य-केव-रेव-मिर्विद्रायायानम्बर्ग्यकुर्ग्यी केंद्राह्मिर्द्रस्य सात्र्या सार्थे ख्रमामी खें लाहे र्त्ते नवर म्यायायाया यावत केत कुषा नवर या यायर क्रेंत पाय है हि ग्यात

न्वायः मुखः सळ्दः ग्रीयः सहनः ने न्वाः ने यः ने विसः नश्चे दः प्रसः हे वाया यान्वरश्यर विः न्त्रा नत्याश्यात्रशः शेर्त्र न्त्रा स्वीतः विः ह्ये द्विर विः ह्या न्या न्त्रः यिष्ठेशरावे केर वक्क र त्या ने या श्री के शहे वर्षे द वर्ष शक्क र वर्षे वर्ष स्वाप्त स न्ययानबराधिती यनानन्याधित्वयानेवाकेवानान्या सुमाबित्वानेवा केत्रवह्स्यायायित्रातास्यार्थ्यार्थ्यात्वित्यायद्गात्त्राक्ष्यायाः स्रो स्रियायीः र्ये.ज.भें.वधिरमा श्रिय.श्र.वर्ध्यमानर.भयजा.भह्र.त.ख्या.वैद्यायमा समित्र केत्र निगाय न दुः परि मार्श्वर निशा ह्या समायाय समायाय सम्मायाय सम्मायाय सम्मायाय सम्मायाय सम्मायाय समाय नुषाशुःशुव्यानद्वान्यस्यवयासद्दान्यविषाः तुदानमा केषाः हे सामहः श्रीशादिन या रेंद्र वा श्रया श्री निया कवा शासूया में पेंद्र पर पर पर वर्षा से श मुश्रम्यायावित्रः । इत्यायदे याष्यारे प्राययाची प्रमास्य स्वा र्रे प्रिंद्र यर वर्षा हे अ या शुर् । शुः कुर र द्व अ श्वा अ या अव वि र या वव । स्वानस्यानविवासाय सुवाळनाटटावीसाववुटा न्वाटार्वे नुवाया यासित्रकेत्रस्त्रें नायापित्रद्या चीत्रम् ची न्त्रम्या नह्यायिष्ठेशयायायवार्श्वेर्यस्ता देवेर्त्युव्याववरकेव्यायायार्देर्यः ८८। श्रूचर्चेव्रवेर्चरम्यर्दा र्याङ्ग्यःक्ष्यःश्रूचःक्ष्यः र्नायमासहित्तेरार्ना कुत्र विष्याश्वराष्ठी नरात् कुत्री यास्तर हुति सहर्पिते भूतरा निया हु। केंगा है यो या रापा या सुदा खुना सकेंगा हु।

त्रुवारानक्केता वहवा विहेश वसवारा सळव वस्य स्वार्थ दिव प्राप्त विश्व ख्र-ज्य-वायवा जे.क्यायविंद्रस्तिः हेयावावन ज्यायवा क्रियः हे चुनः मुयानायाकें न्नमा केंशक्षानाकेंशन्नया नेशन्नायामनाकें नह धे ने श सर्वे व रे दे हे श यावर । शुर्मा श सदे कु यावर सव र या र र नरुरामायार्थेम्रामान्ता न्ययायम् स्याचित्रमायायस्य स्याधार्थेम्रा यान्यवा अविव केवानगवान दुर्याया ग्रे हिराञ्चा नग्रि निराद्र है म्रेट्र नवे न्वर र्श्वे मार्थ स्था स्थान स्यान स्थान स श्चर्रार्ह्यमेत्रयार्श्यायायायाया स्था हिराम्यायायात्या वर्षेराणे केशाचे द्विराम क्ष्राप्ता मह के वा शेष्ठ में मुन्न मह न रायतुष्ठाः क्षें माशुष्ठाः श्रेंदा न्युः माडेमा प्रायः हे श्रायदः नु माश्रदः सहरित्रे नहनामिक्ष्याम्बरमा नेरिहिट क्षेत्र निर्मेव भीरित्र निर्मेव मान्य महेव वशःक्षन्याद्योषाश्चीः श्वायाश्चीन्याह्यन्य स्वाययायान्याया 

रेग्रायात्युराञ्चरम् केंग्राहे केंद्राग्चे प्रमेराक्यात्र स्वर्गावेदाहरम् यः कें अः भ्रुटि गी निर्मेष्ठ स्था सहित्स्य अध्यात्र गुः भें द्या विष्य सिर्दे कें हेश वट दश देवाश पर हु नदे हे हैं द पहें द प है न हु र स हु न ह धिरविर्वश अयरभ्रे किर्णे से से रिन्ति तर के तर के तर है न स्टिन्त स्टि वयःक्र्यःग्रीःवर्षेरःवर्भेर। देवेःक्रेःश्चेरःवेरःखरःयःवःयावयःविरःश्चः व्यव्येश्वराक्ष्याविः श्रूषार्थे विदेश्वराविष्य श्रीत्रेष्टिः विश्वराविष्य श्रीत्रेष्टिः विश्वराविष्य नन्ग केत प्रह्म न् ज्ञान में के। क्रिंत मं ते प्रदे मान ज्ञान मान मान क्रिंत मान ज्ञान मान क्रिंत मा नस्मारामास्ना नेवे के हें जूगा इस माहेराय में रा बुद या रें माराय रे त्रे त्रम् ग्रम्स स्त्रम् देवे के में म्या केत्र में स्थान्त्र में स्थान्त्र में स्थान्त्र में स्थान्त्र स्थान गुरामर्थ। क्रेंन'न्सेंन'नेर'र्नेन'न'र्मेंर'स्मानयः क्रेंन्'सदे गुर-त्रेन्य न्वीयानुमा नेवयावीमाययार्श्विमान्येवानुष्ये वर्मान्यार्थे नर्भेशन्याम्यापरान्द्रः क्रियानरायान्त्रवायायाः सामान्द्रात्या यहिंदा अन्तर्भा विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय श्चेंन-दर्मन्यावेसमा स्टूर-त्रव्यामा सुन्य स्वा यावेसमा यापिया पार्नेन यरयामुयाग्रीयाव्ययाद्वीराम्याययायळ्वार्याम्या करा केवारी ननाव्यादे नक्षाया मुद्दा दे व्यायक्षवादे हेदाया नवायूदा व्याद मी सर बुर रु स्वावया स्टें व नवद इससा नम्मस्य दे व साववस वर

यार्चेत्रपात्। वनशारीशाद्धरावर्षायेरानवेरकेरानि विर्मरासेताहरिया वैवित्वर्या मुद्दान्य विवित्त मित्र है। धर द्वेविवर से र श्रुव श्रुर गुव श्रुर स र दे द्वर द्वर से वस श्रुव श्रुवे इट्य राष्ट्र मारे राष्ट्र राष् न्यार पत्याय अस्ति वया क्षित्र के वार्वे व सः श्रुव दिन्या वितः इसरायेगराम्याया शुःमगराये भुःमगराये । वर्षे वर्य धेरप्रतुः भ्रुष्यः वर्गायः यहगायः दया देः मार्द्रः यः यः यहगायः हेः यतुग्रयः व्यः हे मिडेग हि नर्झे अयायय। मेर् या सर सेंट सेंट र् नश्चर्याययः हिरारे विह्ने व व वर्षे प्यर प्राप्त प्राप्त क्षित्य। वीत्य के वर्षे या नगव न ग्रीवर ळशः इस्रशः वाश्वरशः द्रशः वश्चिषा दे द्रशः वे वश्वरः वश्वरः वर्षः वश्वरः ग्रम् मुयान्य में दाया के दार्या या वया नम् वुया वया श्रुवाया विया यद्या न यहर्ने। ध्रम्यक्रियाष्ट्रियाम्यान व्याप्यान विवायाप्य वित्रम्यान विवायाप्य वित्रम्य वित्रम्य वित्रम्य वित्रम्य वॅरिस्स के तर्रे दे देवें रिस्स साया यही दुर विवादस्य राज्य दिवा स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार व्या केव में पेंव मेव पानर्शि हो माव हमा प्रया के या है हि न येवाया परःकुषःनशः विदः केवः ये नित्रशः विष्या श्रीष्या श्रीष्ठा । पर्वे विष्या ।

ने क्र अस्ति क्

यायवा ने न्यायी भ्रम्य राजे न न्यु र श्रम्य स्थायव के व श्राम्य स्थाय र जे राज्य स्थाय याश्चित्रायात्राचे सूरावरायदे के निर्मेश स्थान में शासदी में स्थान में रावरातु शुन्दरमाते। सूरावरासे सायमात् पठमारा सुमात्रया ते नमा हीरा येनशःर्वे नाडेगानी नरः नुः श्रुवाशः सुरः गे नश्रुवः इवाः वे छिवाः सुरः परः याववःमीर्थाक्षे अर्देवः धरः अहं । नर्गेवः याश्वरः नुः र्जेवः धवः छेवाः वसूवः ने'यशर्मेव'नश्व अ'य'य'सूट'नदे'नने'या वे'तु'न'य'र्सेग्रांसदे' यगुरम्बर्म्या ने वयाने हिंग्यायायाय वसेयाय जीना सेन्। सदयायार देन यार्याययव्यविवार्षुः शुर्म् अवयाय् श्रुवार्ये र स्रेटाय्रुवा प्रस्थायये स्रेयर यश्च स्थान् । यह से निष्य विषय । स्थान स्य चर.यो.चेयोश्वाराष्ट्रत्याचेयोशः हूरश्रःश्ची.योजः रेथे.जाः क्षेयो.छेरः क्ष्र्रः हे नया. नियान्यया हेपाया है। यदे न्वरार्धे न युरानदे में का शुनु न्दर्या नया यानेवाशः ह्रेट्यः ग्रुवः वद्यवः व्या स्वाः ख्रुदः रहेयः गः विः स्रेट्यः शुः नव्यायाः सूत्र सर्वेतः सं प्याप्त न्याया के या हे से ते से कि हिया वर्षामा बुद्र स्ट्री स्वर दे त्या न त्वा मार्थ या ने न माय न कु द्र देव से रहे . श्चे न्द्रमाद्व राष्ट्रिय नद्या में हित्या राष्ट्र या शुः पद से द्या शुः प्रमाश्चर विश्व 

क्ष्र-ग्रुव-प्रदे-द्वर-र्स-देश-स्वर्यार्श्वयःत्रम्। सः भ्रूर्यः वस्रमः उत् ग्रीः त्रुग्रायायायायायाँ यार्षे दाये दाये दाये दाये हो स्वार्या स्वार्या से दाये हो। बे से सुन्त्र निर्मे सूना नी नर निर्म र के दे में निर्म कु है निर्मे निर्म न्द्र-न्द्र-भे के कुट मी है अ गान्त भेन भर लु पर्देन भेन भाषा भर प्र स्या कु के व से वे बिद यावद । यादव अवे अयव क्षेत्र पद दे दे वो प्रवर व <u> २८.५२४.स.शेट.पोट.चगोद.जश्र.ध.यटेती ब्रियोश.वश्रश.२२.२.शरश.</u> क्रुशयस विवादे त्र चत्वाश पेर्प पर पर्वा वेश वार्रे में र रेश्य त गठ्यानरात्री मार्थरान्त्री माठ्याने हान्य गाहरान्त्री सहया देशा द्वारा स्वीतायश मास्रिम्दित्रामायाक्षुरे न्यास्रु इत्यामदे ह्यामास्र स्याम् ययर नित्र परि नगय निह्न पर्य अधीय निकन निर्देश स्थाय र्शेवार्यायते.त्रायायाय क्षेत्रम् विद्यान्त्र विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त्र विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त विद्यान्त् निवत्तुः सुः इत्या सुः नुगानः यातु सः या चुः निवे वित्ते वित्ते वित्ते स्वा से वित्ते स्वा से वित्ते स्वा से व इससायान्वेरायाके दार्या हो दाया विना हुरानाया पराद्वी पर्तु दाही। र्क्षेनामासु नित्र मान्हें द्रायमा दे द्वायमा से स्टार्ट निवस्त मान्य मान्य गन्वरभान्दरहेरानरावगवाविगामी भागु भागा आधीवारान सूवरपेर से क्ट्रम्स्रस्टि स्ट्रें स्ट्रें हे स्ट्रें हे स्ट्रें स केव'र्स'त्य'र्सेनार्यापदे'र्से'र्सेन्यहेव'रा'सम्यान्य'न्गु'क्सय्य'तुर'नु'ख्याय'हे। ने क्रियं राष्ट्रेया निवे मान्या मान्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्र प्र प्त मुन् मुः अरेवर्रे के पार्वेवर्रेन प्रश्वे पने अर्के पार्ने अर्थे प्राप्ते प्रश्वे प्रत्ये प्रते प्रते प्रश्वे प्रश्वे प्रते प्रते प्रते प्रते प्रते प्रते प्रते प्रते प्रते ग्रीअ'विनय'य'ग्रीअ'पय'नक्षेत्र'पर'यह्री तु'ळेत्रहेंग्य'स्त्र वन'विन ग्रीशपर्मे निप्रदेव वुशनवर देर शर वी नर दुवर सर दु नवुग्रा न्गुर में वे नुग राय कु रेव रें के यश गुन रादे के सर रायेग्रा रार निवेद्र भर्षे विषानि मित्र स्वरान्य स्वर्भ स्वर्थ मिव्र प्रश्चित से म्या सा मुना ने भ्रान प्यार श्रेमायायायया ग्राम श्रेमायाय दे न्याय ग्रुम प्रमाने माया व्यानिरार्थे सूर्वाची र्वे ह्वा ना न्दर्भे देश सर देवे हेर वाडेवा या र्के या ग्री न्वेत्राशुःभुते नर्गेन्यान्या ने त्याभुतिरम्भया ग्रीमायहे यानद्या नमानेराविष्यानरायाचाया न्यारावेरावि नद्यः इत्या निष्यापाधीया ने वसारीये प्राम्यायायाय वर्षे द्यायायाय वर्षे क्रूनशक्तेत्रभं धरद्या पर्यस्यक्षुत्रभा याद्वरश्रेत्रस्र सक्ति । यह द्वर्ष ग्री अर्के द में तर के न न ग्रा निया क्षें अदया ग्री म्हारा उत्र हे गा न ने द हे अ अदे ' न न न से मान अ मान कुर न न मान अ याश्वरः स्वाशः ग्रीः अद्येतः स्वेतः तुत्रः क्षारा स्य ग्रीतः ग्राटः याद्वः श्रदेः चत्वाशः

विःरेवःर्रे केः नेवः हुः गाव्रवः धरः दर्गे दर्भ वाद्यः शरः अः गत्वग्राशः ग्रहः यात्र भः क्रेत्र पुरर्शे प्रदेश देश द्वा अभाषा अधिया भाषित या शुर्भ प्रभा विः नरःगिनेगशन्यःवयःश्चितःत्राः सर्वेनःयद्देवःयःवे सरःतः गुरः र्येन। यान्व अवि कुः र्रे जिते वर रेरे हैं शुर र्हें र या ने हे या निवारी केव रेरे गुव त्राःनिरःमः विदेश्यः त्वः नाउष्णि विषाः प्रदेशके या नाउष्णः के या ग्रेः हे स्ति से । *के* 'द्रथय'दवा'वी 'द्रवट'र्से 'द्रश्र्ट 'र्से 'च डु' द्रुवा'च बे अ' घ' बेवा' देव 'र्से 'केदे ' यान्वरक्षेरामेवे विष्याम्ब्याका स्वार्थिया ने व्यवस्था स्वार्भा में व्यवस्था इरमी रुषमा बेर्याय पहेत त्या क्षेमार्टित वया मार्ति यर सर स्ट हिंद सहर्विश्वित्रात्त्र्या है विश्वित्रात्त्र हुन्याय कुर्से हुवावाय कुर्ने यानवःवर्गे कें या श्रें रागवि नन्ना इस्य राग्ने या श्रुव न्दर्य हे नान्व सेर मेदे'हि'य'नत्मार्था । पर्वे सर्वे दर्वे से के पहुर्य द्यार्य रिट सर्वे यदेःग्रन्दःस्वर्यःग्रेःभ्रवर्यःश्री।।।

## न्त्रे'तिर'ळेँ अ'हे'न्दें अ'ब्रॅन'न्द'नङअ'नवे'ब्र्ननअ|

मःसबदःग्रिमः ५ दिवेदःसरः श्रुदः रेदः श्रुदः नःषः द्रश्रुसः संदे ः श्रुः सळेदः रेव रें के क्या या गहिशाधिव है। के रें के ग्रामशास प्रेंव हवा के के यग्वात्यतिया क्र्या हे रूकार्य हे हैं का स्वायायाय विषयाया यर्देशवर्शःश्रुवःयःविवःयःववर्शःविदः। विस्रशःश्रृदःग्रीःश्रृःवःइस्रशःग्रीःश्रुः यर्गुर्यय्येर्देर्देर्ये के लेया वायाया द्वार्ड्ड रामुर्यायाया नेवाया न्यरमेत्रभे के दी निरमें हाया यहार यात्र या के में में नाया के ता में यर्स्त्र अर्रे श्रून्त्र न्यान्य मे हासर्युर्ध्य वर्षे वर्षे के लेया ग्राम्या कुषानु ५८ महुव से इससा ग्री सु सम्प्रमा मुन्ने ५ से ५ ५ से ग्रम्स्य अर्थेग्राम्य प्रति मार्ख्या त्यमा निर्द्रम् स्रम्भः ग्री प्यदः विनमः हिंगाः कुः केर्न्स्यूनमा नन्त्र दुः इन्निन्य से से सिन्यम् निन्यमा निरम्य क्रॅंश ग्रे में 'हेर'वाहेश रेत' से 'केंदे 'वा शुर में श शु में श 'वेर हिर ग्रे 'रेस' मश्रुवासार्भुदानरासद्दामित्रे सकेवादी स्वापन केन्द्रेन केन्द्रान नराये न-१ इयावर्डेराग्री-१नराधुनानरार्ध्यापाइयापान्तेरार्थे।

दे त्याद्ययायमा स्वार्थे मु प्रश्नाद्य मिन्द्र विष्ट्र यहरेते। ब्रिट्रियः क्षेत्राकेवायवरः संकितात्रेता ब्रिट्रियः क्षेत्राकेवार्यया नवर न देन देर वेश न श्रू र न तर्म के द र्रो श श्रू र न श्रू द र के श हे वि ते षिर.स.ध्री लिज.र्जेथ.र्क्रूर.याडू.र.रे.षुश्र.यी.यरी लय.परीया.क्य.क्री.रपु. गर्रा हैट अदे गुन र्चेन अस सक्ता नर्डे स स्व प्रमें है प्रहेग्य वेत्रयाम्यावर्वेत्रत्यह्त्रपदिःहिः वेशाव्यात्रत्य श्रूश्यादे म्यावर्वेत्र यान इति या वे या नु निर्देश्य या सु रहा हैं। या निर्देश या निर्देश निर्देश स्था । वार्वे व रहा या व यनक्रिंशययकेर्याहेता नेरक्षारानवे सुनो हुरानश हेंर् हैं त्र्या धुगार्भे प्रगार्भे गार्भे अञ्चरमात्रे। देवे खेव श्रीमार्भ प्राप्त मार्भ । नवरःसहिता ने न्यान्ग्रारावे नित्रा वित्रा वित्र षर गुरा हे रेग्राय पर सुन पर दर ग्वावन पर है या सेवा वेद यात्र रायि के। न्ययायया से या प्रति सूत्र या या सत् प्रति से से न्यया स्वा से या प्रति स्व न्वायःश्रुश्रास्त्रदः हुर। ने वश्राक्षः क्रेवः दुरः बन् न्दरः वदशः हे न्द्रायः सवाः र्अं गुर्रेह्यः हर् दरह इस्र स्थान्य प्रसाद के प्रवेश हरी कि के प्रमाद के प्रसाद के प्रमाद के प् वन्यान से येन मुस्ति स्थान ने स्रा हित्र में विष्य निया निया से प्रा विषय से प्र विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्र विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्र विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्र विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्र विषय से प्रा विषय से प्रा विषय से प्र विषय स उँ अर्क्षेण अर्गुम्। इन्ने प्रबेश प्रशादमें प्रदेश अर्गे दर्भे दे विष्य मी प्रमेश वर्षिरः सर्दर्भः दृदः धृतः सर्गुरः स्थः श्रुवाशः द्वदः वर्गवेदशः सर्वे वरः शुरामाणदासिवाने। वर्षे सर्वे निवानियान्य द्यो नवो नस्रेवार्षे न दिना नदा यारेकेवरवर्षाक्षे द्यानभूषायायराधराधराधराहित्रस्ययाशीरिवार्त्रावा नः शुर्पार्यो वर्षाशुर्पा व्हें नाशारे वर्षाव्याया वर्षे प्राप्त वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्

द्यमासहरायासँग्रायस्यार्यो निश्चेत्रार्या उत्रात्यायाया ग्निस्र राग्यम् राम्य के साम्य साम्य राष्ट्र हिंदि न हे दास देव सुमानु ग्रिम्यायायाये प्रेम्ये क्षेत्र केत्र में दिन्त वित्या वर्षे स्वीत्र में वित्या दुर दु येनर्भात्रभात्त्र्याञ्च इत्याद्वेश्यन्य वर्षे निर्वेश्यम् वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा षे छुट सुना पर सुना रा द्या या न तुना या पर रा र्से सुर सहे द्या र्रे विया हुर। दर्वे दर्भाराया इया सेया हु व्याया हे या तुर से या से स नरः ग्रुःश्रुश्रात्रशायर्भेरः सरः स्वर्गा भेरित्राश्चुतः रशाम्बेग्रशः ग्रीःश्चुः विगः लूर्याया. मु. येर् अ. येर् अ. येर् अ. येर अ. या. मु. येर अ. या. येर अ. या. वा ८८:स्र-८-मी.स्या.यस्यायस्या दे.वस.स्रम्भः वर्षः वस्याः वरः ग्री:सूग् नस्य नससस्य स्माग्राम्य से न प्रते स्ने न हे के द में कुर्ने सून कुत्रे अय्य प्राप्त विष्ठ र भे वर्षे वरत् वर्षे ळनःग्रीशावेरशा ग्लुमिर्निने प्यरायिम् प्राप्त स्याम् सुरायशायर्षेतः वसःस्टिन्यम्बिम्सा देखेरात्वराबस्याउत्वस्यायरात्वाः ग्राह्माव्यस् न्नाः वन्नाः न्यु अः र्रे न्दः निवेदे वदः नरः व। भेः विवेदे वयः प्रसः अरः न्या डेश.च.य.यश्रम्य नेम.कु.वन्य.क्र्याची.वस्य.वर्.वर्. शुंशर्रुः शुंर्य द्रथयः हे रु.ग्राश्रग्राद्ययः त्रश्र्वा श्रद्शः सुर्यः हे द्रर्रः सर्द्धन्यामित्रेमी तसरामहेया देवयात्र स्वाप्त से विद्यास्य हे नावव हे विद्यास्य हे नावव हे विद्यास्य है विद्य मदे नाय न्त्र नान्त न्त्र मदे के। वेन मन्य मानुन में अभार्य न्य यानयः क्रितः क्रीयः भुष्य द्वार्तः च्रियायः च्रियायः च्रियः प्या दःहेवः द्योः पश्चेवः नुःश्रीदान्यायदीयान्द्र्यायाधीत्। नुःश्वेत्रयाग्रदान्त्राद्युदान्वेद्यायाः वुरा अन्यरिर विवाय हे के दार्य यह से या स्टिर्स यह से या द्यार म् श्रम श्र स्वायावित श्रम स्वायाय स्वाय स्वाया व्यय स्वया स्वय स्वयः सुराना ग्रमारेश्वेरनामुख्यामायनुषायहिन् मुस्रसामीसासहराने किंगा र्ह्मिशाग्री निश्चेत्रायराह्मिशाया सहित। वाष्ट्रयायर्द्धिताया गुराव गन्व'र्यापर'र्वे'र्दे'ग्राशुयानु'हे'नार्डगायह्ना शुयादुः इपन्तुव'रा'र्यार्थे' यगायायत्री। तिरात् सेनमा वे ते ते के त्या मह्दं व गाय र न कु मसाया हुरा नरःभ्रन्यः नेनाः तुःनाद्यः ते स्येरः वर्त्तेनः परः क्याः प्रया गत्रनः बदः ख्र्यः नशुःनदेःनर्गेन्यःकुःकेन्द्र्यः गुरुषः पन्देन् र्सूनःहेः शुः इः नवेः पर्यापेनाः यान्त्रीयायान्यस्य याउदानीयार्थेः भूनिवातुः के निवान्तर्भाः विवा ग्राम्या विवास स्वीम्या सुम्या सुम्य र् विंग् क्षेर्नो क्रेंट्नो र्ने प्र्ति न्ने पर्त्र नम्प्र नम्प्य नम्प्र नम्प्य नम्प्र नम्प्र नम्प्र नम्प्र नम्प्र नम्प्य नम्प्य नम्प्य नम्प्य नम्प्य नम्प्य नम्प्य नम्प्य गन्ययः प्रयाने वित्व केन हेनाया प्रमाय सिन् प्रते हिन या यह सि हिन *ॸ॒ॸॱॾ॔ॱॺॺॱॾॖॱॸॱख़॔ॺॱक़ॕॸॱॸॗॸॱॸऀॱऄ॒ॱख़ॸॱॶॺॱॸ॒ॸॱॸऀॱ*  विन् वस्र राष्ट्र विन सम् सहि। हेन परिण तर् रापि किन् ग्राम परि रा ग्री.येर.र्ह्रेय.ज.क्र्यायायात्र.ष्ट्राक्षेत्रक्रेंट.कं.यभि.के.से.प्रेय.के.तर्या ट्रे.लट. ८८.५४.२५८.५५.१५४.४९.४५८४.२५८.२८.५५५५.३४४.२८.११४.२ त्रुग्रायात्रक्षेत्रात्र वाह्य त्रुं क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्यक्षित्र व्यक्षित्र व्यक्षित्र व्यक्षित्र व्यक्ष उदानु निवेदाया कें राहे देवारे के दे सदस कुरा ग्री मार्द्य धेवा ही द कर्षेने ने निष्या व्याप्य विद्या स्थानि क्रिया में स्थानि क्रिया में स्थानि स्थ सरसः मुसः वससः उदः दर्गे दसः या देवा सरः विदा सुदः वी रहें सः यः षटःसःर्रेषः हुः द्वेतःसः इटः सूग्रामः ग्रेः द्वेत्रामः समाना नगदर्भेयानमा गर्राटर्सिग्यारेसास्य ते सम्बद्धा स्वामाने स्वामाने स्वामाने स्वामाने स्वामाने स्वामाने स्वामाने स सेससमाहेसन्हे न सेन् मित्र स्टानिह स्टानिह स्टानिह से मार्थे। नमून मदे इन्न न्यो प्रमुन प्येत विद्या ने प्यर कुष विस्र से देश के या र्या यश्चरम्या विषया वश्चर हिन्द्य यदि यदश्चर अध्य अधि विवाया नसरन्दरकर वी दे उस प्याय हैं वा क्रें वास सम्बन्ध उन् ग्राहर कुषानिस्रास्त्र सुराक्षेयाक्षेया साम्मान्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व रान्याग्रम्ययाप्यम्भाश्चार्यः सूत्राय्याः सूत्रायः सूत्रायः सूत्रायः सूत्रायः सूत्रायः सूत्रायः सूत्रायः सूत्र

विया ने सूर अर अ कु अ की अहं न पा उत्र ने ने। न न में र नु अ या शुअ यद्येत्र प्रत्ये दिन्द्र वित्ते वित्ते क्षेत्र प्रत्ये के वार्य स्थाने वित्ते के वार्य के वार के वार्य के वार के वार के वार्य के वार्य के वार्य के वार्य के वार्य के वार विश्वाल्या भ्रेशन्त्रान्याः द्वाः द्वेतः क्षेत्राः स्वान्यान्ये के। से क्ष्मेन्याः न्यानर्डे अरम्भागळे महळे दायी मा इट में त्या से में मान विरम् हे मा सूस ব্ৰ-শ্ৰেষ্-মানদ্নাৰ্মাৰ্ম মিনামানেইনিটো নেনান্ত মান্ত্ৰিনাট্ৰ মান্ত্ৰিনাট্ৰ नक्षनशःहै। गरेगायवे लेश ग्रुनिश से मिश्व क्षेत्र प्रेत्य सुन ग्रुन् कुनः शेसरान्यवः नेतः केतः नयवः नुः श्चे नः श्चन्यः तयः वेनः पेनः ने वाः सुवा गठिगारङ्गागुःते वेशा ग्रुपार्यं गायगा। परा स्वारा क्रिया से सरा न्या अवाध्वःनिरःहः विनाधिनः वाद्या निवादिः क्रुष्टिः विनाधिनः यादेशः स्या गठेगानेशाक्षुक्तेत्रार्भित्वेगानित्रार्भात्र्गारम्भानेते स्वार्भागारः र्शे केर नत्त्वारा यही । वही । विष्टा प्रस्ता । वहीं । विष्य स्व विष्य विषय । विषय । क्रिंगर्ग्र महत्राम्या हे मान्या ग्रे मुं या नसूस्र या पदी पा यस से द ग्रीशार्विष्यास्यानहेना ग्रुश्यास्य। र्विष्यन्त्रशाहे श्रुष्टाम् ग्रुह्य पह केत त्रुग्र प्रस्ति के हे नहुव्याने ग्राये देन प्रस्ति विष्या दे हिव्य वर्ष वियानन्त्रम् अः र्रेवा रेशमेश्याम् विषयाय्याः श्रीम्याय्याः स्त्रम्

यार्शेषानानिनाम्या वयानित्त्व विज्ञानिन्त्र विज्ञानिस्त्र विज्ञानिस्त्र विज्ञानिस्त्र विज्ञानिस्त्र विज्ञानिस् र्सेन-नर्भन्याः सुर्गः सिनायायाः भेगानयम्यायायात् नेप्पनः सेन्द्रनः वुर्याः नमा विकारनी स्वाविषा शुरानदे नहे ने पित से निष्ठा न से वा पर ने हे क्षेत्र:श्रुभःवःवश्वदःव्युभःवभ। त्राःतुःश्रुदःवःवविवःयःत्रःवीःवेःश्राद्यः सहस्रानिकें सामें सामें वा ने सामम्याना मुकान है साम हा के वान मुका सु येनशक्षात्र्यात्रीत्र र्से स्मान्त्र त्या व्याप्त स्मान्त्र विष्ट स्मान्त्र विष्ट स्मान्त्र विष्ट स्मान्त्र विष्ट स्मान्त्र विष्ट स्मान्त्र समान्त्र समान कु न वि हुव के न थेव ने प्रिक्ष यान मह मार्थ महिला के नि वन्तर्व्यापया प्राचेत्रम्यायाः कुरान्त्रम् मुत्रम् मुत्रम् यर्याक्त्र्यायायविवासाम् यत्री विद्यास्य स्त्रीतार्येष्यास्य हिन् ग्रीय प्यय के त्र से नयम्य। न् विन् त्रे न् न् न् र्यो स्य न् व्यय प्य ग्रीमा केंगालुमानासुरमानमा ने मुर्ने माग्ररादे वित्र प्रवित प्राम्य दे वयाहे नद्वायायायह केवा श्रीया ने सुनिये हेयायाने या नायाया तुया मशा मान्यायदेराने अर्केनामी ख्रामर निमानने रसान रेया पर् वर्गुरम्बर्गरान्यवित्रः भ्रापदः प्यायायायायः चित्रः स्री । देः भ्रानुदेः नन्गिक्षेन् केव से ने वे ते ते न्व व कु इ स् न वे या या से से साम मी ते त्या

यानेयारायते रुषा यसूता वे त्ये त्या कुषा यहेत ते त्या पानेयारा से से से वस्रशंख्यास्त्रित्रायात्रित्रायात्रीया यानेवार्यायम् हेर्यात्र्या मशा निक्र शहे मेत में मान नुमाने मारा ने माल्य माता निमान में वर्ग्ने विद्रम्म क्षेत्रम्भ अभिन्न विषय अभिन्न विद्या विद्रम्भ विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या उं-रे-पाधु-अर्ळेर-र्जेत-प्रशः श्चिन्य अर्केन् हेत्। ज्ञन्य राज्ञेत्य श्चित्र प्राचित्र प्राचित्र या मदे नर्गे न्या हे क्षा न निवान्ति । न्या निवानि विवानि विवास ने हे अ रे द रें के प्यय न सुन्य पा विना सहन वि नर ग्रिन्य द्या सून यान्द्रिं में इसरान्त्रियान् क्षेत्राम्य केत्रां विनानक्षुन्या क्षेत्रायापर मुन'रा'नहेश'रा'नम्रा'नर्से नुर्श्नाग्रा ही श'र्से 'निरे'ने केत्र'रें ही राज वा हे श्वनश्रम्भ देव में के। नर्वेव देव में के। या इट देव में के। या है या प्राप्त क्रिंगमाशुमा नर्रेन लेर वर्रुटा नर्रेन स्रूममा सेट मा है से रमा पी रे स्वापा न सर्वेत्या श्रेश्चिनया नैया येत्र यो है या ग्राह्म स्वापा श्रेश्वा या ग्रीटा बटा स्थाय। याष्या र उत्यया ग्राम्या श्रुपार्या यह मे याह्या या वर्तु नव निरम्भाया व्रास्कृत हैं है वा सेनामा सामा वर्त्त केंत्र हैं।

ইম'বার্ব'। বার্বির'ঘর'র্ম'য়ৢ'অব'গ্রীম'র্কম'র্মম'য়বাম'ঘর'বয়ৢৢৢয়ম यक्षव के न में अर प्या श्रु र अर प के व में यह न प्या से न इस अर प विव न न नर-कर्-भे-देर-नदे-बन्भा-बु-सूध-भ्रे-भुँ त्र-प्रशः केंश हे स्थय में र प्रेन्श यन्तरम्य केंग्राहेत्याश्रुरावीशाच्यासहिरावार्वेत्रायास्य गुरावश्रेत क्रियाया ग्रीकाला व्याचित्र प्रति व्यास्त्र प्रति व्यास्य स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स न्दः श्रूषः हे शः श्रूचः न्देवः सहन्द्रयः क्षेषः हिष्यं शः सहन्। श्रूनः ग्रीशः वर्षेः षिर.री. मुंच, योर्था सामा अये. खुर. में केश्या शी. य खुरा स्था हूं यो या सामिर. नम् उत्रायविष्य। जीयान्याक्ष्या क्षेत्रान्याक्ष्या व्याविष्या विषया स्या धेराने रोते भ्रात्र त्रुत्र प्राया सहत प्रया मुया न भ्रात्र स्या मुया न ध्यायाधेरान्यो पत्तापारान्यया हु सेनाया स्थान्य स्थान् गडंदर्नुर्गे वर्त्न् श्री केंवायायायश्चरया केंया श्री वर्षे रावें रावें रावें रावें रावें रावें रावें रावें रावें केंदे-श्चन्यान्त्र-त्युः नेयान्त्रने केत्रात्तेन नित्रयान्त्र स्वाप्ति । यर र्वा इंड माठेग यं भेट सें ह्वे दुवे कें लाग भेगमा भेट ह्वे पदी पदी षिटःकूराई योज्यायाययाया प्रमानिक्रिया हो।

वन्त्र-द्यानः क्रिंशः भेट्यानः द्ये। विस्रयः शुः भ्रुन्यायः हीः वावहित्यः वया यन सेया ग्री केंया हैं है वह नया हो न त्या वहीं मन् सहना कुन

द्वेर् रुषः वर्षः वर्षे । सुदः दुर्वे । स्वाः स्वाः वापः वर्षः वर्षा वर्षः स्वाः दे । दे वर्षः ग्रिस्याप्तरावरात्र्वरात्र्वराक्षेत्रा त्रास्य राज्यस्य म्यायाः कें में न्री भू तरे वस्र उन् तर् स्त्रा न्र में स्त्री स्त्र त्रा स्त्र र्शेट्ट निवे अर्के निक्व अट में मुन्न न्यायट्य शुः हे निव श्वस्य उट्ट श्वट कट्ट ने भुन्य सु र्सेट द्या र्सेवा वी भ्रेट से स्वा व्यय भ्रेट र्नट भ्रे सेट र्सेवाय शुः र्रिता गर्णः गुः केवः र्रेः गुरः नः यः नरः करः र्देरः नरः ग्रेने ग्रायः वया देः नर्यानित सुरक्षिर हिराद्री सिरात्री नियान स्थानित स्था सुना सुर नमायन् ना इसमा क्ष्मा स्थार प्रदेश सिरान् रेहिर से सिरान्तर सिरान् नहना नेरन्नो तर्व भीव हु अर नर तर् अ स्थाद है। सिर नी त्याव हूर वर्त्तीं न वर्त्त्वा नर्वे न वर्षे न व द्वार्थार्थे व्यानेया ही हैं में ना हेना हेना सुना नेवा केवा ही ना हिया त्रेव क्ष्म व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त विश्व क्षा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क रात्यार्श्रेयात्रास्यस्यस्य ग्रीत्राया बुद्या वयात्रात्रास्य ते वसवात्रायदे ह्रितास क्क्रिनन्देव अंतु इन्ने न धीव सम्मन वेनन्ते।

न्ययः क्रेत्रः क्रें शंधीशः दे। क्रेंशः हे या यान्सश्यः स्त्रस्रशः याश्रदः विनः

यात्रिस्यायार्थियाः धुतः सेटः तुः सहित्। यार्हेसः तयारः याहेसः दरः धुतः हेयाः हः ड रेर में वा देवे के नाहें अ वनार नाहे अ दर अ श्वर पवे ना अर स्ना अ शे गुद्दानु क्षेत्र प्रायम् केषा केषा हे या दा दा दा दा विकास वित्र विकास व स्वायाग्री गुरार्श्वे प्रश्चे प्रश्चे या प्रमाय स्वाया स्वया प्राया स्वया स्वय न्वाह्यन्यम् उव सम्भेष्य वर्षे में वर्षे में वा सेम्यो । वा नवे प्यम् सूर्य साथिता रेव में के नवि वर्षे राजे राजे राजे नवे नवे नवे राजे के राज रेवा राज वर्ष राजे रेवर सहर्। यरे याय है । सिराय विषा कराया विषा हो । यर ही । यर ही । यर्डिन्स्रेन्स्रेन्स्रेन्स्राम्हित्यास्राह्म्य्रास्याच्या भे अरमी अम्मन्याया धेवा देरहे रया प्राप्य हेरा विरायह व हैराया यप्रमायाक्ष्याहेदे:दुर-तुःसर्वे प्रक्रानुः द्वेत् प्रयावयासर्वे राग्यान्तः दे मान्स्रस्य त्वस्य स्था वित्त क्षेत्र क्षेत्र स्था विष्ठे स्वरू केत्रायदरकें अयार पुष्पा नसूत्र प्रेत से प्रेर में ग्रुप न सेत्र परि से केव संवर वहसम्। नर्वेव लेर वहुर वे। मन्त शुरा नेवे वर कंव कें से या ने या भ्रम्म अस्या है या या या या विषय के वा नि या नि या नि या के वा नि स्वा के वा नि स्व विषय के वा नि स्व गिहेश'यश'द्रथय'ळेद'र्दे। यन'र्झेद'रा'श्रद्रशः कुश'द्रथय'वेश' गुःत'हे' यर पदे हुं न ने न प्रयास्याय सक्त हिन् ग्री के या सन् ने या स क्रॅंशयुत्र वेश चुर्न वेना से देरमहेश या अश चुन प्रश्र अं विना से नर्त्रायहरमायदेके नर्नेत्रिक्ने रावहरा देखें मुन्या न्याय म। बःक्रम्भःश्रुवःश्रुअःसंगर्दे। ।देःवःदर्वेदःवेरःवरुदःवेःवहेषाःहेवः यर्गे व रेरे वे खे त्या हे हुव स्वे त रुप महास्वार से से खेया व वह स्था ব্রামের্র্যান্র ব্রামান্ত্র বার্মান্তর ব্রামান্তর বার্মান্তর বর্মান্তর ব্রামান্তর ব্রামা यदे स्यानु भ्रेम नुषा भ्रेषा इसा मराहे हे मेन में के दे हैं सा सून प्रशान् मे ग्रभराम्बर्भामित्रेर्भित्रेष्ठिम्याळम् नद्यम्बस्यार्भेष्ठ्रम्याम्य न्दः सुः र्वे न्यः अविश्व न्दः र्वे न्रः स्वः वर्वे न्रः यः विः त्रः र्वे न्रः यदेः र्वे न्या न इः न तु त न वे रा स दे र कें ' न स त्य न म सु न र सु न र सु त र सु स्याने न्द्राचर स्यान्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरासे स्वरास्य स्वरास् नविर्न्स् व स्वाक्तिः केव्यं देविः श्रीयान्य व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व के'ग्राव्यान्यक्र्यायायायने'सु'प्येव'रास्रेव'ययास्रे क्रीया न्यार्वेन'यर्वे निय वहेव या केव में किया वेंद्र या शुद्र । के पुरम व्याद्र दश्य या केवा था देवे ही । सर्गेत्रस्नित्रस्य क्षेत्रस्य सर्वेत्रम् स्वर्भः स्वरंभः स्वरंभः स्वर्भः स्वरंभः स्वरं गशुर्याची नर वेंद्र भें हुँ दार्थे दे हैं दिन पहें वा हे वा से वा से वेंदि सुर्य हु वा स्वार्थ के वा से वा से व निव हि नेवा रेया ग्रीया नी स्वयं में निव है वा निव स्वयं निव निव स्वयं निव स्ययं निव स्वयं निव स

हेव'सर्गेव'र्रे केंश'ग्राह्म प्रदेन्त्र'न्रेश्व प्राच्ये प्रदेन प्राच्ये स्वर्थ प्राचित्र त्रःयेग्रयः सर्गर्भेश त्रुः अदे वित्रयः र्हेग् दरः यदितः यादियः गाःयः समयः सेन् प्रभामसम् । उत्ति । स्वितः स्वितः सेन् । नगवः तत् स्वितः सेन् । गन्दर्भः श्रीभः गशुद्दः नः त्यः श्रुवः चः त्ववः विवाः श्रेदः धरः वुभः धरः श्रीभः देः गार्ज्यायाहेयासुः धरायादरा वहिनाहेदः सर्वेदः सेवेरनग्रं भेयार्से सरया ग्री वर हैं र अ दर हे व प्रवेश वस्त्र अ उर ग्राम सुर सुर सुर सा वाले वा श हे अ श्चु गर्द मी गहेर सह दिने इट बद ग्रम्स में दिन स्र में के दे बार र्नेनामञ्चर्, नव्यायाश्यायार्थयात्रयात्रेत्राच्यात्रयात्र्यायाः केत्र से दिया प्रते प्रति स्वर स्वर प्रत्या मार्थि । सिर से या प्राप्त से र र र र नग्-१० अर्पदे हेत्र प्रदोष इसस्य ग्रम् सहि। निर्मे स्थान हिंग सम्बन्ध न्वीव-न्-नत्वाया यः सं-धिय-न्दे वे व्यान्ने से स्वन्य सम्यन्निया अ दे ना ल सुना कु के द से दे हि द ना द द रे ना हे ना नी हिंग र पा य न में दा स्तरमन्गापार्छे नान्ध्रान्त्रभेत्रम् मुन्नि स्तर्भान्त्रम् वसन्नरम्भेससम्भेत्रम् ने त्यास्मित्रम् वित्रम् मास्रवत्सेन्यासहन्। महेन्स्सर्भेन्यास्यानवराने इसस्यानेवातुः र्शेश्वरम् नेवे के विरावित्र प्राचित्र विश्व विश्व विश्व विश्वर विश्व वि वुरानायानहेवावयाकुरवन्या हेवावनेया मस्या उत्रायर्वित्तु या नदुःसःनरःदेवःग्रीअःवयःग्रीअःनवेश ह्रेंद्रभ्राअःशुःर्यःनत्वाशः वशर्रे न्तु मं निर्रे नुदे में लावने निर्नु नुने दे में सह्या लाहें चनायाचेनाया ययानु नससायसा सु रहे सा हु पान्ट सहया विटः र्रामेशावनशाहेत्रप्रमानुश्रिशारेरानश्रूसशादशादगेपर्तुतादर नडर्भायर्भान्यु, नः सह्य विरास्ताया विवासा स्रेत्र है। लूट न है वासा द्रा नव्यायासु नहुन के या भी नासु र सो र अद्या रे भी ना नव्याया यश्रिरः परार्द्धे विषा या वेषा शाहे । विदे रे ये या खें विषा व शादवे । विरान् यव्या नःक्रंतःक्रेमःनह्म्या नेवेःन्वमःश्रूनःश्रूनःर्म्यनःश्र्र्यःयःयमःर्मःर्मेःनेःख्रः स्या विः वेदिः न्गुन् सानरः क्रः सेनशः न्शः विनः केशः नक्कः न्रः न्गुः नदः यः क्षेप्तर्वे दश्याविवाधियो राजर्वे विश्व दिन्ते दिन्ते विश्व विष्य विश्व विष यह्री वाववःलटार्स्यायार्ग्याराच्याःश्रीतेर्ध्वःर्र्वः वर्ष्ट्रयायाः 5:XE5:31

श्ची प्रत्ये श्वी स्थान स्थान

सन् । ग्रुट'गर्डेट'ङ्गा'गे'न'श्'नकु'रे'वर्षा क्रें'त्रगा'त्र्रा'व्यापरामुट्रा'वा नर्ने न ने न्या से मुल्य हिंदा हु द स् ने दें के सावन सम्मान प्राप्त स्वाप्त स्वाप श्चर र में वा सेर शेर में र में स्थापर विंद रद मी सास दिन वस न सु न मान्य शुव्रश्वे दुर दुर दुया हेव स्याप्त्र अ के अ वहे या बु अ प्रश्न महूर पारेव में के'ल'नकुर्'मदे'र्केशर्रा नकुर्'मर्मेद'र्मे केदे'मुन'मदे'स्रवदमि गश्रम्भा ने न्यायने । सुर नेयाया नेता नशुर न नुर में याया न्याया याया व वशः र्रेव हे दर्भव दर्भ वश्य वश्य वश्य वश्य के सहि देर पर भ्रासकेत गशुस्रासं वहूं या क्रांट्रा व्यासेसास्य न्याट्यात्य वहेया चीटा व्यासे व्यासेत्र वर-तु-नर्भव-रेव-भेन्द्र-विन्न्या क्षुन-ने-वि-र्मान्य-विवाद-व न्वीरशायियात्यः क्षेत्रशायन्त्र न्याय्याया क्षेत्र प्राया विष् यद्र.हेव.तम्बाराश्चित्रयायाटायायह्टायरात्राच्यायाहे श्वित्रस्यायाङ्ग्रीया श्चरः यरः श्वरः में रः र्वेता हैं र्ने या हे निवेषा न्वर वहेव श्वरः यर गुरः ग्रारः स वेग्रभा देव से के द्रारा वग्र व्या र व्या अद्र में व्या के का स्र मा अव रहें र यः न द्वः इः यः न वे या पः सुना या वे ता या न वे न या वि सा से के से सा या वि न वि सा या वि सा वि सा वि सा वि स ळॅंशः हे प्रहेषा हेव अर्थेव से प्रम्या मुरा मुगमा प्राप्त हो स्थे प्राप्त हो स

नरःविषाग्रीशानवेश। अमिर्दार्भाष्ट्रियावहित्ग्रीःहेशायाञ्चर्यादेवान्तः यरःलटःचर्वियायःश्री । दिसयः भ्रीः देश्याः संदी यहेषाः हेवः सर्वे वः संः यः गन्ययायायायवाययायायायहैयावयायर्भे सुन्-र्मेद्र्याय्या न्यग्रानु से न्या सुराद्या प्राप्त से निष्ठा स्था निष्ठा से निष्ठा वे। विष्ट्रमाणुया बरमारी सुरगुर सुराया धेव। ने प्यर मुळे व मुसमा हु वस्यापावम्याद्राक्षे क्रिंशहेदेः स्वायागाराधेः वो अराङ्ग्यायार्थेवायार्थेदः हत्र-तु-सास्तरक्षि । यदार्क्षेशः हेते र्र्स्नेन सामार्थनः विमार्थेशः गुनिये गुनि र्वेन रेग मेश्यम्भयम् । वित्र कर या स्थान वित्र कर या स्था स्थान वित्र कर या स्थान व तुश्रासर्केन्दिरःश्रम्भी नम्द्रास्य कन्द्रास्य विष्ट्री नेदे हेश्र शुः विम्दर यरःश्चेत्रायाधीता पिकः प्रवाहिक्वेतः प्रमान्त्राप्तर्वे साम्याप्तर्वे साम्या ह्मिश दे हे अपि के नामिश्य विवाधित है। यह त कुषान में विद्रेश में वर्दे कुः भेग पवे र्श्वेन साथे व पाया द्वे या त्वा सम्भेर व या कुः भेग पाया द्वा कु: केव सें वा नर्गे न न्वा या सें सें या कुया की या निना परि वर्षिया है से निना से यह्री ट्रे.व्यान्मेवित्यामिष्ठेयायान्दरावर्षुमा हेयाथुव हिमा हुः हेशन्त्रयाहित्व वर्ष्ट्रभावाध्यम् हेर्न्यस्थ्रित्वा वर्ष्ट्रम् वर्ष्ट्रम् मश्रादाकृते नरादु र्वे रे निविद के शाक्षेत्र मी दुरादु अवता क्षेत्र निवे र्वे वा

कुवायाकनायमार्थित। ने हे यायात्रया युनामेवाकेवा कुषायक्वा ने हे या वशनःभ्रः व्यवः नुः त्रः या श्राप्तः विष्यः विष्य वशकेंशः मुणः रेवः केवा रेवः केवः र्वेः ग्रेश पः भूरेवः केवः प्राया प्रवरः इस्र र्शे । पार्ट विया यी भुं भ्रे वार्य केतर्थे प्रेतर है। देवे प्रवृत्य र यावर्यः कंत्रः याश्वराश्चीः न्यायः स्वतः धेत्रा हेतः ते 'न्योः श्चेंनः नुः नत्याया याध्यनः श्चे न इस्र राम् दिन विमानी सुन्द त्य कर वी सर्के न रा गुरु राय राष्ट्र व ग्रीॱबॱर·८्गोॱश्लॅटॱवबे·ॲटॱबेर·घणटॱॲ८ॱट्री विद्येॱसिटॱक्रिंशः हे '८्टेंशः শ্লুব'দ্বতদ্বরি'শ্লবম'র্মা।।।

## पन्ने'तिर'सदे'ग्**न**्न'रनस'ग्रे'श्लनस्

ने या गान्त अदे रनम दी। यापन रेन में के में हे खुवा विस्र संविद र्सि हि से या के राहे माने मार रूप रे मिले में त्या के माने रामान्त रामा सि माने रामान्त रामा सि माने सि माने से माने र्टार्खेरे नकुट्र प्राध्याय श्रुवाय श्रुवाय श्रीत श्रीत द्वा श्रीत वा वा विवाय। देवेर हे या श्री न्वॅब्देवर्से के दे के रूर् है वे या नुम्यो म्वॅब्से खेता के के खें ख्या थ विद्या वर्षित्रपरे नुष्य शुः र्रे से देवे विषय नुष्य विषय स्था र्वेन। शैं पाठेग प्राया केंश हे पानेग्रा कुः हत्र शनि एहेरे प्रस्थे पर्जुः गशुस्रामित्र स्रास्ति हे श्रुव रू भेट खुग ल तिहिस्स इग उग उप भेट ह यायत्री। सिर्ट्र सेन्यान्यायान्य याच्यात्रेयात्रेयाया स्त्री। साम्यान्याया निराधिकायानियाका हिक्काराये सुवाराया दुरारेरा के में हे यापाकारा स्यायास्यात्यात्यात्वात्या केंयाहे यानेवायात्यात्यातत्वा नर्वेदायानेवाया न्यानेरानवी वे.कं.त.चीराल्यानियायरान्यान्याचीया राम्यान्यायाय यान्वेनामा मेनामानाने त्रिक्त सेराने से से मार्थिया निर्दाणने नामा नुसारमासुसानिसा साधिसान्सानिर ग्रितान्त्र मान्त्र सा यह्री रट.जू.ट.ट्रगु.य.ज.यो.चेयाया अक्षयय.यउट.य.च्यायाय.य.य.र्सूट. वस्रश्युम्रास्रित्ते प्रति विष्टाम् विमानियायन्त्रात्र्रा वे नुम नदार्थे वे न्तु'रासानी नेपाया नेत्राया ने सर्वस्थान्य । स्टार्स्य नडुः जुन रहः वें र्रे नकु द्रायं भेदा वें या ने ने ना में हि कु या दें से तिहा वें ब्रेख र्रेर रेव पायन्य नुयार्थ पादेया रहाये रे पकुन पायुग्य प्य यानिवाया क्रिंग्यी:क्रियार्थ:वीटार्थ्य:यार्यायायाया वर्षःवर्त्रद्रायायार्देहें। मुलारी वन्या हे रेवारी के हैं नवर ग्राम्याय प्राव्देव हैं नाया धेवा वदेवे हेशयादुरावलेशयाहेदाया द्वरावा केंशहादुराकेदार्दे। केंशा की का



र्रेशिन् स्वाश्वाप्तवेशप्रिये के हे मेन में के विद्या वहेगा हेन सर्वेन र्रे तिश्वरमान्यार्रे हे कुषार्रे मिनेगमायापनायार्थे हेमानकुर्रा वर्त्ते । विदः चरित्र वित्र स्वर्थः ग्री अवर्थः भी ।

## *ลู*ฦ'ผูร'ฺน'ลัฺ๊ร'ฺฆ'รุร'รฺธฺฆ'ฺนฺริ'ฆฺรฺฆ

न्ययः श्रृयाः सुनः श्रदः भ्रयः स्वाः स्वः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः नियान्ययात्री नायर निरामें राम्भेरया सुःयन नात्र ह्रित प्रवर में निरा ৻ঀয়৾য়য়ঀ৾৽ঀ৾৽য়য়৽ৼয়৾৽য়য়৽য়৾৽য়য়৽য়ৢ৽ড়৽য়৽ঢ়ৢঢ়৽ড়৾৽ড়৽ড়ঢ়য়ৢঢ়য়৻ नेदे भ्री के त्री किर के अ है त्रिहर अ संभी गर्र र र अ र वर्ग वि र वर्ग र व्यद्यास्याने या नुस्यान्या यदासुर्से हिंग्या भीगा व्यद्यास्यानेया त्रुस्रस्य स्त्रात्वा देव्याकेर स्रुक्षि स्वाद्य दिन्दि स्वाद्य स्त्री स्वाद्य स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स लय.ग्रेश.यग्राया यर्ड्.यक्चेर.यध्रश्च.घर.श्चे.खं.वर.री.धं.वर.रायु. यर:ब्रॅंशवया याववःसंनाःक्रॅवःब्रःवारःवःलेशरवःहेंहे दरःक्रॅवःद्वंवः क्रम्भूव्रङ्गे अद्यायाययाम्य पृत्तुम्। देःक्रम्य प्राप्त ग्रीयाम्य स्व

याश्चेन। यनम् ने हिन्याविस्रमायान्यानार्यन् वेन सुन्ने त्वनरार्येवे तुः धेतः वेरः त्रायाया विषया शुः सामवा । सामवः स्या यर्वःम्यः ठेगाःमी म्यायः सर्वो रः चल्या दे वसः द्यो चले सः च्याः द्यों दः सः यः वर्चेयाकुरा र्श्वेर्पद्वा नक्ष्मनानहुर्या यसःश्वेषा रेप्त्रह्मस्यानस्य नेदे-तुअ-सु-कु-वार-तु-पर्वेद-पत्वेद-प्येद-स-य-ध्य-स-स्व-स-सेर-प्यवपः वुः नशः मुःग्र-रुर्गे वेरःनश रेःदरः वृदः कदः ग्रुशः शशः विः शः ग्रुटः नरः ब्रैं अ से र-न न्नु अ अ अ र र र त्र्री वा अ व अ व र र है अ वि र र न व र व अ र र्शेट्य अरहे अरअर वेत्र इटापट प्रयूप्त हो या प्रयूप से या विकासी या बॅग्'दर्गेशचुर्। देवशपर त्रुः अर्जुः अरकुः ग्रर्जुः वेर्त्रः वेर्त्रः यदियाःवःर्र्भेः नःयदिशःनगायःवस्यःसळ्दःवःर्त्तेवःसस्यावःननयःसस्यानः नन्दर्भ्रेयम्नुहा वनःनिःशुय्यदेश्वाःशुरन्त्र्भ्रेनःमन्दर्स त्रुयः क्षेत्रः त्र्याः पर्याः न्त्रीयः प्रमः त्रुमः। वरः क्षुः क्षेत्रः वर्षः यानहेत्रत्राञ्चरानायदी त्रस्या उत्दे दिन्दे दिन्दे दिन्दे दिन्दे व सर्यायसारु यसाळे रास्रायारा नदीया बुरासासे दारा हेया हु सुरासे दा वनार्से केवर्से हेना न्राध्या नेयायन्य वाष्ट्र प्रयासेवर्से केया खेते। ८.भितामीशाद्या.थे.पश्यातमा ८.मूटामूटामशेषामीशामीयामीया रे। ब्रिन्यने यन् न केवा वेंद्र पद्मिर पद्मिर पद्मिर क्या विवा वेंद्र वेर न क्षेत्र वर्त्रों सर्वो व र्त्ती माश्रुर दर प्यर सम् श्रुव पर श्रुव । दे व य भ्रव य भे द र प्रवर सम्वानि के के नायन्याया से रामी वितास सम्यान स्थान स्य ग्रुट सेर न बट हुं करने न हैं न ल वर्षे नर वर्ष में हैं है मानी सरे सा हु स व्यर्गे क्या प्रवस्त स्वा से पा से स्वर्भे स्वर्भ से स्वर्भ से स्वर्भ से स्वर्भ से स्वर्भ से स्वर्भ से स्वर्भ स डेगा'नल्गार्थ'हे। ने'न्या क्षेय'ने र'नल्गार्थ' त'त्रु' स'र्सेग'त्य' समा'र्से म्यु' मदेः भुःवनवाः हेवाः नभुरः हुरः नः वा हिन् रहाः वास्तरे सहेरः वास्तरे भुःवनवाः हेवाः नभूरः हुरः नः वास्तरे । नमःसरःसेदेःकुःग्रातुरःनमःसर्केद्रायः । वदेदेःहरःहेगाःसः त्र्वात्रभूष्रासंदेखे नडद्रप्रमुद्रमा देख्याद्रमुष्रास्त्रीत्रापर्यम्या ययानुः भ्रुयान्दियायात्रहेयायान्यान्द्रेत्राययाः विवापित्रः याचेत्रः वः र्वेद नेर न से या ही या पर्वेर सर्वेद मी विष्य दया है कि में प्येद गासुर । हे व्यायवी रिया शुर्चे याव्या हेटा ये रातु विवा हे व्या श्री ना दिवा याद्या मुशः भुनशः उत् : दुः निः चुः : दुः निः । विषाः विषाः विषाः विषाशा देः तशः

सर्रेर:क्रें-क्रेर्र्स शु:र्रेत त्र मा क्रेया से किया प्राप्त है या मान्य से क्रिया मान्य नमा रनःवर्धिमभावमाकुमाने सि. हिरानिमान्याना हमा हिराहि हिना वा मिरा धुवानु सर से वहुं वा या शु वर्षे ना न्दा वर्षे वा या त्या है ता या है या यह नहीं श्लेम ने उन्तर्रेयामान्द्रमें न्याने मान्यस्य स्थित् स्थानि स्थान भूव या गडिया वरो देन ग्री प्याया या शुवा वित्र हो स्वया वित्र चुदेः क्वें विरादचीयायाधेवा वेरावयाविराद्या विवायायया विदाया यसनिर्देन निष्ठ दिन निष्ठ दिन निष्ठ दिन निष्ठ विष्ठ विषठ विष्ठ विष वर्षात्तुःर्ने सेन्यम् वृद्याय्यात्या हित्रेत्र हे स्टिन् सेन्या ने वर्षा ने वर्षा हे स्व वाबदः से वाहे अर्दरः वर्षेद्रअः दशः वतु दः प्रशः है वर्षः वसः वदः पः दशः न्वीव प्रते अन्गर भ्वापो अर्थे । ने वश्रें स्र र्धेव वश्वर प्रत्य विव है या गुर्यायया पर्वेषा कुटा नया क्षें नगाग सेटा क्षेत्र ग्रीया सुर्येत गुर्या है हैं। हिरायाञ्चर स्रम्या गर्भर र्या यो भारत्या यो भारत्या विष्या हित स्था वर्षे सर्वे व ग्री वियावयात्रमा करात्रमा सुरा कुषाने तु । हिराग्रुषा या या हिरो महाया यर विं वें हैं हे यान्व व यन्या ग्राम हिन वें र दिन वें र या थेवा है जान्व व यन विं वें वित्रे त्वा या या या वित्रा वित्राया के वित्राया वित्राया वित्रया वित्रया वित्रया वित्रया

मुकामिर्म्स्य प्रमान्त्र मान्य मिन्न नवे नर नेर सर मवे खुरायरा सर मायर न के मा कर द सा वि र्चे त्या वियागशुरा ने त्या शुः विवा वे हिंदाया युः सायदे राज्या विवा रेंदा ने वे यह वयाहिन्यार्ड्यादने देंदावाश्वा नेते नुयाशु सुरायादने वाराया वया इवाराक्षेर्विट्रियाया बुट्य हे वाव्याञ्चयाञ्चेयाञ्चयाञ्चेयायाया वर्रे ग्रुप्थुव्य न वर्र न अर माशुर् । ने न श्र ह्य न माशुश्र न र ने ग्रू न प्राय ग्रम्यार्थेयानान्त्रम्यार्थेयास्त्रस्यात्रेयान्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् मीर्भासह्यानुसान्सान्यानातु नुसान्दिर्भानुनाकृतु हेमानुनामाने यान्स्रसः त्याः ग्राम् स्रो व्यवः देयाः चतुनः व्यवः यासे मः चते स्रा सह्यास्त्रिम्नाव्याव्याप्त्राच्याप्रसाम्यस्यास्त्रिम् सह्यः वश्यव रेगाव र्केश ग्रुट र्कं न श्वर न्दर वि र्वे त्या वक्कु न प्रायने न से प्रायन याधिवा हिंदायादवीं यायदे द्या भेवा देंदा वेंदाव लु हुयादें या शुन यश्राबेत्रमाकुरान्येत्रने खुराधी या डेमा खेत्र या धेत्र कुमारात्र ने कुम वेव पा कुर क्षे न कुर क्षेर पा केवा पेर पा पेर पा थर वा या निव पा गन्ययः दगः भेता रदः मेया १३ स्या शुः श्रेंदः नः सर्दः दगः भेतः गश्रदः नया ने भ्रेत कर केंग निवेष्य प्यत्र कर गुरुट बस्य उर या धे गेर स वे या प

येन्याश्रम्। हेन्देनायान्ययम्यायादेयायाश्रम्यायाहेन्द्र्यायात्र्यः हेगार्रेशयाद्वेशव्याद्वेरार्द्वेषा नेवश्वरान् र्द्वेवावशायश ने भ्रेत कर नहेर ने गराया ग्रुट समा से ग्रुट में ज्रुत कर लें मासुस रस यॅव्यवेर्न्य अर्जिन्द्र स्थाने स्थानित्र स्वापित्र स्वापित्र स्वापित्र स्वापित्र स्वापित्र स्वापित्र स्वापित्र थेव'ग्रुर्। मिं नेदि र्हे भ'ग्रे'न्न्ना में हिंद् ग्रे भ ग्रेद पा थेव पार ग्रुर्। न्नो र्श्वेर रेना ने अपाश्रर न त्या यह ना श्रुव पा हो न पा हो र स्था न ने र्श्वेर भ्रे. ग्रेन्यर लु लु मारम् न्यया मु र्ये प्यार न्यो क्षेर प्येत है। यात्र सा स्रें यार्वे नित्र नर्झे अअप्तिम दिरायर थे के तार्वे से सिमा खेता होता द्वीं या पा धिव'ग्राश्रुर्। भ्रूनश'लेट्'र्ग्वोडेसर्यासय'व'न्त्वग्र्याराय'स्र्र्र्सेट्'र्यदे क्रिंशःक्षंत्रः हेगाः श्रुगाशायाः यहित्या ने सः वर्गे स्थानि स्थिताः स्थितः स्थानसः तश्च्यस्यः वशः र्रेवः है। ध्रमाः अपिरः श्रम् राग्रारः मान्दः वर्षः यदे विः वे सेवः सर्वः से नियापाश्रम। तुनारेगापानाग्रीयानेतु कुरेगान्नेताम्स्याप्यान वदासे। बद्रानदेगिर्द्रम्यावेद्रमञ्जूद्रम्याधेद्राम्बुद्रम् यद्यायाश्चेराधेगाया याडेवा हो व पर हो थे व कर के द र हु हा के पर हो हो । प्रा द के र के पर हो हो । प्रा द के र के र के र के र के र नुः इनिवेदे नर्भा स्रोदे नुसायमा से मुरमेनस्र वे जिन्ना समा से मुरम्बन्स न्ययः सम् सें मुः रामिन्य राष्ट्र राष्ट्र मार्च मार्थे मुरः नत्य मार्थे स् न्त्रेवःस्रुवाःन्नः व्यवः स्वाः स्वाः स्वाः स्वायः स्वायः । वर्षे वायः वयः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः यार्चेत्रिने प्रकर्पायायार्केशयायात्रा ने त्रश्रामुद्रा भेति न्यायायात्रा स्थरा रायवायःविवान्दरायर्थेवायात्रयः र्वेत्राययार्वेदास्ययात्राते व्याने र्थेया वेदा नःया देरःदवेःबुरुःदवुरःश्रृंदःवदेरःश्रुवःसःश्रुवःसःश्रेषाःग्रेदःद्वेषः नवीरश्रासाग्रुमा ने वश्रासिन् स्रिने । विद्यासिन स् केवर्याधिरार्चेवर्याद्रार्झियवावार्षुः अह्यावशार्वेदरद्रात्वशार्वेदरवी ह्या सर्केन्-नुः वरः सर्वो न्वेवि सर्-न्युव केवा नत्वाया नेवे न्धेन् वया से म्रेर्न्यत्वामा नेन्यापस्यावसाहरा वार्षेत्राप्त्र साम्राप्त्र साम्याप्त्र साम्याप्त्र साम्याप्त्र साम्याप्त्र साम्याप्त्र साम्याप्त्र साम्याप्त साम्यापत साम्य साम्यापत साम्यापत साम्यापत साम्य साम्य साम्यापत साम्य यगः र्रे गुर्रे व्यथा गर्रः हेव नवेरशः यदे वयः नदः दरः युः नर्वेदेः नश्चेत्रानगुरायान् ग्रूराकेषा नत्वाया त्या स्वाया स्वया स्वाया स् यहरी शुम्रिम्यविषयाम्य स्त्रिस्त्रिम्य स्त्रिम्य स्तिम्य स्त्रिम्य स्तिम्य स भ्रमावन्य परार्चेत्र प्रमा वर्षात्र प्रमार्थे मुरादे मासुर सुर सुर स्रूर र्वेशव्यावरात्र र्वेवरे वित्र शेष्ट्री मास्य स्वार्थे स्वार्थियास्य स्वार्थे स्वार्थर स्वार्थर स्व स्र-स्वाःस्र वास्ते वास्र-वोस्र वित्रं वार-दर्शे नर-हिन्दिन राधित मश्रद्भारा में प्राप्त स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्ध स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वयं स्य सर्यानमेशर्ये हेगाया समिन्ये (तुर्या यश्यी सून न्येन सर्या हिस बराना ग्राया स्रोता वर हें दार्श्व से स्रोता स्यास महिता है से स्यास स्यास है ता स्रोता स्थाप स् हैंग्या देव्यापर से सेरावव्ययाय दे हैं। प्रयय द्या नश्राह्य सेना

वित्र प्रश्नित्र प्रति स्वार्थ स्वार्

ने न्यान्में न्यान्या में के भ्रीत्रकन्तु मानियायाययाय हेन्यर वैवार्चेत्रस्यान्रस्यद्रस्थेवार्षात्वा वर्षेत्रस्यान्तरो सर्रस्यास्यर्वेरः नःदर्भः न्यो निर्मा श्रीं में निर्मा निर्मा स्वाप्तिया स्वापतिया स्वाप्तिया स्वापतिया स ठेग्'ग्रर'र्पेर्'बेर'नश्र भूग्'श्रर'र्'बे्ब्'व्या'व्यर'त्र्या'व्या'त्रर'र्'रे त्रान्त्व्यामा देवमाश्रम्याश्रम्यो सर्हे स्वे में मिन्ने स्थानिय वर्दे वर्ते नदे अर्वे द रें रे द रें के शन्तु द वें र् जुन के शरा शर्थे न्नू द वी वें व भू खुरा ही नर्गे द पान इ निहेरा सह द परे कें। भू खुरा ही नर्गे द मःगडियाःग्रीसःस्र्याःस्रदःग्रीसःत्रस्रसःउदःव्यसःग्रीसःवडवासःविदःह्रीतः वीयान्यस्य भे। स्वाख्राची यात्रस्य उत्स्वायावत्य प्राप्त स्वाया उन्रभ्गमा कु सहन द्रमा वर्गे निय सर्गे निय में में में में में के दे विय द्रमा हिन

ग्रे ब्रेन प्रश्न के अपने अपने के अपने अपने के अपने के अपने के पिस्रश्राद्मी वट न प्रेंद प्रशाहित पिस्रश्रा होत्रा प्रेंद । देदे हेश शुः श्रृंत्र ग्री त्यश ग्री श न श्लें श मित्र श निवा प्र र त्या प्र श मित्र श नेराधेवायमाममाम्याम् मामाधेवा नेप्यरामाभेवानु स्वाप्तिमामा शुर्रायदे तदे के वा वी शाश्चाद्र शायदे खुः वदे वा तुवा क्वाद्र वा पुरा है । म्वर्यायमासुर्याग्रहासे नेदायाधेदायाया वितियात्रस्य उदावन्याग्रीया चरुग्या व्यायदे वस्य रूप्ता वस्य रादे वस्य प्रमान्य स्था वर्षामवर्षाने हिन् श्रीरा नेवाया वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा निष्य उत्तर्भे वर्षा निष्य उत्तर्भे । द्वियाया वेयायायार्थ्ययायाययास्य प्रमायायाया याञ्चा द्वराष्ट्री ५.२५ स्रवा खरा से विंदा स्थान ने से निर्मा स्थान ने देर-५न८-धुनान्नन्थ-ग्रेश-वेद-अर्देर-धेद-ध्रश्रश्राधिःश्रुट-धेश्राधर्नेः त्र्वा नेरःम्यायायरःनुःवर्द्धम्या युःहे र्वेदःकुरःनःन्दः येन्यरं नयः यविरायशकेवारी होता है या हु या त्र या स्मार है। या न सुता न है। भ्रेंवायदेरसे भ्रेंद्र व्यायस्त्र अयदेरसे भेंद्र भ्रवाखर र्वेट व्यायः वयानयाद्वेयाये ना हेना हो ना प्यान मुख्या व्यान स्थान वयान्याञ्चयार्देरावाश्चयान्यार्थेन्। यदे वया स्ववा ख्रारानु वान्व उत्याने।

न्त्रान्त्रं शुक्ष दुः श्रें न्त्रा पाश्या शार्थ है। नते वे वे वा स्त्रा न्त्र न्त्र वा स्त्र स्वा श येनव्यान्व्याया ने'न्यानु'र्रेग्'मीय'निर'न्र'र्वेट'न्य'हे'ह्रेन्'हिर' वशन् भेषे त्राप्त निष्य में त्याद सें द न दि विस्र शत्र स्त्र स्त् व्यान्य विष्या विष्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय वर्षायायर भ्रेंगामी कुष्ययायार्थय। न्नर सेर ह भ्रासे भ्रेया ह्या रुषा विस्तु:स्यानर्द्वेस्यागुरःवयाग्रिया विःर्वेयःगुःधुरःश्वर्यःगुःध्वेदःयः धेवाम्बुरा देव्यावयान्तरातुम्बिम्बरम्यावेसस्याया न्तरा मुंग्राश्चेत्रमुश्रायविष्या तुरासुंग्राशान्यस्य सामयः दूरशः श्रीरादेश्यः र्रीट.यश रेटु.क्री.अक्ष्य.विश्वास्था घट.क्री.ध्यश्चार्यश्चार्यहे.यहु.स्योश धेव'ग्राश्रम्। धेम'वम'हे'स'न्म'स्या राष्ट्री ग्राथि'सेसस'उव'क्सस्य ग्री'मेव' यह्र ना त्रीय विश्व विश् वयार्येयावयार्गे हिसान् नत्याया ने वयान्य से त्यार्थेन सर्ने नयात्या चित्रात्रकातिष्ठकाकी विवादात्र क्षात्र क्षेत्र न्वरानग्रनानेराम्यान् निर्वास्य निर्वास्य निर्वास्य निर्वास्य निर्वास्य निर्वास्य निर्वास्य निर्वास्य निर्वास्य न्दर्स्टरम्यायळस्यवेत्वर्त्त्र्युत्वर्त्त्रम्। न्रर्सेवेत्सर्वेत्स्या न्वर्सेद सर-रु:धेर-स-नहर-द्य-र्-र-र्रेट-महिस-र्न-रु-तर्या रे-द्य-सूत्र-

नशःश्रुवःइन्यःहेःश्रुयःमःन्यनःदुःवदुय। वद्यवःग्रुःह्यःवरःसह्दःख्यायः ह्म न'नाडेग'मी कें अ'नाडेग'न्य अ'नावय'र्स्ट्रेट'मी नरमी अहं न खुनाय'दे 'र्से रम्यार्थ्ये, येथायं प्रत्यायं भार्थी विश्वासद्ती दे व्यास्यो दे व्यासंख्या ने न्यायार्थे वा प्रदेश व्यायम्यात्यात्रात्रे यात्या ग्रीया श्रुवास्ये यार्थेन यानहे। ग्रास्ट्राच्येट्यार्स्तु। भ्राप्ययाखेयटे तुराद्याप्यवेयाया वहेब्रसंख्। देवे देराया मृत्या वर्षे वर्षा हो दारा दिन से दिन से ता मुक्त हो। यावर्या ग्रीयाल्या याववरशुः प्रप्या स्था यावेयायाः स्वराई सारवः नर-तु-गशुद-गर्डेत्। र्दे-रत्त्रभःहे-गत्रभःग्रीशःसर्केद्-रा-गहे। गशुदः नठन्यनेन्यम्ल। भुष्मभाष्यभाष्ये ननेल। कनकः भूषानल। वर्षेत्रमें थे केव पर्ने ५ 'द्रों अ' पें ५ 'व खु अ' व अ' पर्ने द्रा में 'चेव व अ' के अ' वि' पर्ने वा सहयार्देशा इसमा सहया विदासहदा देवमा हे दर्भाया प्रमानदा कनक्षंभ्रियानात्। देवार्याकेप्यान्वेस्रसाध्येषानुर्जेवान्यान्युराम्हेन् क्रनःकं'वार्शेषः'न्द्रःपः'न्द्रःवाशुदः'न्यन्तेन्। क्रनःकं'वार्शेषः'नःलु। क्रनः क्र'वर्डेन'र्देश'र्धेन'न्र'वर्नेन्। ध्रेशक्रिंगशक्रेन'र्सेन'र्सेन'न्रश्नेन्द्रिन'वा यहिंदासासहंदात्रभाषासुदायार्वेदा हे यात्रभाग्री यहिंदाहा क्रिया वार्षित 

विस्रक्षःच वटः वटः के कार्य द्वारा वटः व्याप्त स्थान व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व धुः वरः छे प्रवेशः ल्या गशुरः गर्छे र प्राः इस्रशः व्याः रे प्रवेदः ग्रीः सहरः प्राः धेवा अन्वस्य सामने व माश्रू र के सामे विदा न न न न सम्मानित स्थाने दिया नइः इना नमानमा क्रेंट नर ५ क्र न लेम से द न सु द र पर से सहया पिट पर पर्चेत्य अर्धेट । अर्र राम्य प्रेन भेगा अर्थेट । यगा से गुर पत्राम्य रेट ला पट नापरा नापेंद्र नावद र पर्मेंद्र सार्धेंट । यन से मुर्मिस र्रेश यात्रेसर्भाष्ट्रत्र्त्र्रात्र्योस्रास्त्रेहित्। यट्ट्योत्र्र्त्र्त्याः स्ट्रिश्यात्र्र्भः न्यम्बिन्यायदेवायार्श्वेना श्लेनाय्येनातुः करार्वेनायार्श्वेना तुन्येन्श्लेना नहरम। कनः भूतः महिरम। त्रमहिरम। त्रास्त्रा त्रास्त्री वर्गानेर्पायार्थेग्यारेने नेर्पायार्थेग्या देश्यक्र प्रमान सर्वेदा नेशन्तर्यस्य ग्रीशः श्वाशः हे केतः सें रः सर्वेदा ग्वाल्य प्यदः पदे सर्केना भूत भुग हे नड्व सम्सर्भेट न स्थानित स् ५८। अतिःचर्गेन्यः ५ अः ५ अः वाडेवाः वः अर्वेन्यः वः अवायः वः यः ।

नर्सिं निष्ये निश्रुअनिर्देशिया विनासिष्ये निश्चा विनासिष्य नत्नामः नुमार्भे साममार्भे मान्या से मुः मिन् मान्या से मुः मिन् से स् वन्दानरार्वि र्वे निरामिने विषया सान्दान्य सार्श्वे हा। श्रुवाया सुन् याडेवाराधेवरवाश्वरा वावेश्रश शुंखर् स्रिवर्र्यवर्षेवर्षेत्रर्ये न्दर्वेश्वर्यः इस्रायायने निर्मायाय विवास पर्मा विवास प्रायम स्थानि । नरत्न्व नरे नरम्भेवायामित्रं रूटा धेवावश्रम् दे त्या श्रेरा हु स ब्रि.ज.पबर्मा पर्रू.पक्रेर.ज.रच.थे.वैरा थे.वि.इ.चब्र.ज.रचमार्था.व्रूच. वशावर्वे अर्वे वर्षे द्वा पश्चे व है जुर इन् गुर वर्षे द अर्दे द र्वे व विद अर्दे र्भे हो। घट अर्वे इसमार्थ के दिन्त में निस्ति हो से निस्ति हो है निस्ति है न त्रे ता भूगा सुर र मे न भ त्रा से रि. सु अ न सु म से र न र र र न तु ग भ ग् रान्यमा हु से ना तर्सा सु सन्दानर मु रा सु सा से मार्थ क्रॅशन्दरम्भेरन्द्रयाम्चीत्वनुषानन्द्रया हुर्या वर्षाः स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे स्वार्थे यव ग्राह्म अंतर्भे वि साय ग्राह्म प्राप्त स्त्र स्त्र प्राप्त स्त्र येन्या रेन्ने स्रुचेन्न्द्र्यायम्। ययम् स्रुयन्त्यायुर्ने प्रवेन्यु ह भैग दुग छ। दर वर भूट र्कें गशुश सहैं ह नकु। गशेर स्टानकु ञ्चानी सरसे। नेर विन पर्सेना सामा दुना ही र सना से नुर सरसे

हैशनकु नकु न दुः इत्वाशुंशन द्वाशा वनवापर से हैं से वर्षे न तुव नकु। शुःर्ने द्रम्या हि से दाया वारो र श्रुस्य द्रम्या था से द्रम्य वार्षे द्रम्य वार्ये द्रम्य वार्षे द्रम्य वार्ये द्रम्ये द्रम्य वार्ये द्रम्य वार्ये द्रम्य वार्ये द्रम्य वार्ये द्रम्ये द्रम्य वार्ये द्रम्य वार्ये द्रम्य वार्ये द्रम्य वार्ये द्रम्ये द्रम्य वार्ये द्रम्य वार्ये द्रम्य वार्ये द्रम्य वार्ये द्रम्य ८८ श्रुयः क्रूँट ताः श्रेष्य श्राट्या श्रेट स्वा श्रार्थः श्रुवः श्रीः वे ताः वाः श्रेष्य क्रिंशः इस्रशः पाद्रवः इत्राधः पायवः प्रशः क्रिवः श्रुयः श्रुवः श्रुवः श्रुवः वश्रभुः विस्रकारमः नदे वनः विदः दरास्या विदरः द्युवः दे व्यवः द्यादः हरः यश्रास्त्रम्। श्रुदेःरेस्रार्मे होत्यर्त्त्रास्यास्याम् इगाद्धः ह्या निवश्याम् स्वितः निधिन् निन्न निम्न स्वाप्तान् स्वाप्त स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः स्वापः यश्रास्त्रुम्। सर्वे १६दे के श्राम इन्त्रुमानी नुम क्रिम मिन में त्राम के यहूर्जी. कु. श्रुवा. वायर वर्षा ब्रिट्र. वर्षा हिंद्र. वर नमार्विट वी मानवा मर क्रिंट वाश्रामा क्षेत्री वा श्री वा विवा वी मानवा वा वा वा वा नम्ला सेससाउदायायदार्चेनासायदेर्भ्रेदायसाउनाग्रम्लुल्सायसा यह्री च व्यःचर्वः व्यः क्ष्यां व्यःच स्त्रा के राष्ट्रः वियः च स्यः प्रः मशुरमा नर्डे नकु न त्यवर रहें नाम सु र्वेदा न दु न्त्रा वे न ते निर्मा ह । पिये 

र्यायम् श्री त्राय्य के व्याय श्री या व्याय स्थाय स्थाय स्था स्थाय स्था

यरः भुः वालेवाया देःवः सदयः मुरुः भ्रें सः चः वदेः वर्षे वदेः सर्वे दः देवः देवः केदेः क्रें नः अप्धेन प्राप्त रुषः द्वे अप्देश अर्गे न प्राप्त विष्य स्वाप्त प्राप्त विष्य स्वाप्त स्वाप्त स्व राक्रेत्र'र्स्र म्हन्याचिना हु न बुवाया रा दे 'धेत्र'र्दे । अना खर बर या केव भेरि नर्भेव भेरि न्या मार्थ विश्व यहा वर्षे अर्थेव भेरे के छिन स्र्या ख्र- वर परे वेत यम क्रिंट र्ग्या माय र्ग्येत पर पेत प्रमा क्षेत्र प्रमा क्षेत्र ग्राम्या सक्तान्दिरामेत्रकेत्रसर्गेत्रते। यनासुयागुःसुनामे सूनामयना निन्तुरम्भेत्र क्षेत्रम्भः स्ट्रिस्याविद्यायात्रीरम्भान्त्रस्य यश्रिसर्थे द्राचे प्रत्ये अव्यावेषा द्राप्त विद्राया विद्रान्त्रे स्वा खरा बराया केत्र'र्र'न्र्रम्डिम् अन्नत्त्र्र्त्त्र्रम् अर्मे अम्बाम् धुम्राहे ने मात्रद्रम् भूमः वया अर्वे प्यायायायादि र विवाशीयादर माश्रुरा श्रुर य द्रा शिंद शीः नुयानु मान्य सुरा हो मा हो या व्यापा हो या व्यापा हो या वर्यकाश्चीत्रामश्चरायत्राकावम्यावित्र। देवत्राक्ष्यामश्चित्रामश्चराद्यः वर्द्धरासुः ना ने ना शान् क्षाय व्हुं रासुः निवे मान् ना शाना रागी शा हो ना हो राजा य। भूगाखुर बर पदे गुरुर क्या वर्द्ध र सु पदे गान्त सामार ग्री स हो र 

व्यार्थे प्राश्चारा कु स्नाराया प्रव्याप्त स्त्राया विराप्त स्त्राया स्वया यानेवार्यायाधेत। वेर् नडु याडेवा वेर् न देर हेर हेवा खुट वट नर्या सुवा छुट मी कथा के मारे मारी या श्रु इत्या परि मात्र श्रु व यत र र मारे मात्र यह या है या यने नद्व प्राम्येय। अटावि भूत मियायायाया स्वाप्त प्राम्येया বর্ত্তর্বর্ণার্থী বর্ত্তর্ভার্ত্তর্বর্ণার্থী বর্ত্তর্বর্ণার্থী বর্ত্তর্ভার প্রত্তিল্ভার্ত্তর্ভার প্রত্তিল্পালিল বিশ্বর্ভার বিশ্বর্ভার বিশ্বর্ভার বিশ্বর্ভার বিশ্বর্ভার বিশ্বর্ভার বিল্পালিল বিশ্বর্ভার বিশ্বর বিশ্ नुयान्या सूना सुर र र से व या र नो र ने या नुया के या सूनया न या हिर यः अप्याप्याप्यम् यान् अभारमा भ्रेत्र प्राप्त स्वर्मा वर्षे प्रेत्र प्राप्त स्वर्मा वर्षे प्रेत्र प्राप्त स्वर्मा स्रायम् से के प्रत्याप्त के स्रायम् से स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् स्रायम् र्नः तुः चुरः। अपिनः र्र्ह्मेनः योष्ठेशः दरः नयाशः सुरः राः यः र्ह्हेशः अरः रुप्याश्रम्। न्ग्रान्यान्युयायायान्न्य्यासुर्वेषा ध्रयासे इसमाग्रीयास्रुया सुन ह्या यन्ते। तुःर्के यः हो दा हे र व र र द र या सद ग्राट से हैं र्के या ही या निवा वेरःवयः धेरः श्रॅटः। अगाःस्टान्यः वयः वयः श्रेः शेः वहरः वः दरः सुदः सेः सः। वरः यहवान्याययाविः त्यान्तुः तुः सुरावः त्र्यान्या स्वान्यायिः देवः सूर्याः खुर बर प्रवे वाशुर व्या न्र नगर में डेवा व्याय सामी या वस्र न्र रेवा क्तनः तुः र्द्धवास्य देशवेयायाय स्ट्रान्स् रह्णानः हेवा व्यून्य स्वीय द्वीय द्वीय द्वीय स्वीय स् इस्रमाग्रीमापावरायावसुर्वान्त्रीमाग्रुद्रा देवसाद्रस्थ्रवान्त्रवायास्व

हेत् गुरात्रा कुत्र सूर सहया प्रवार निस्मा पर्दे ले साउत् सहन कुर्या ख्र- वर प्रदेग्नाश्रु- द्वरा श्रुरानु र्देश न कुषायस माश्रु- प्रश्ना श्रुन्देव ग्रीशक्षत्रम्य गुरम्यश्रम्य राष्ट्र श्रीत्र स्रम्य स्त्रम्य देश्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम्य स्त्रम् हुःहुःचक्कुषार्याया यात्राभी स्वाभी स हिन्-रनामर्स्यार्थेन। नद्वं वर्ष्ट्रनामे र्केन् हिन् ग्रीयायी में या विवासी हिन् वर्षावेदारेवाम्बर्दा देव्यास्त्रित्मा वेत्रम्भेवास्त्रीयास्त्रीयान्त वन्नावन्यस्त्र विन्तु नवे स्रम्य स्याने निम्य सुन्य स्रम्य स्याने नि यरःश्चरायार्थे नतुवासहत्। देवे तुर्यासुम्मा सुरावदायासुरावया ब्रीट ग्रायेन वदी व न्य इव छट ग्राडिमा गीय से समा उव द्राया हु से द प्रि र्देव हो द रा मार्डे मार्थे द मार्थ द । द्या द र्थे मार्थ द या । यशः र्सून अदशः क्रुशः र्सूसः या या अदः क्रें नः र्सून द्रिन अदशः क्रुशः इसशः निवरमिर्देर्ना इसीमायार्श्विन्ह रामिव सहित्या है । न्युरःसहन्द्रशःर्रेशःकेदःर्रिः।वरःर्वेगः हुः नश्चुरःनःवःर्शेग्रशःसरःनुः यह्री श्रुम्भूगाख्रावरायाळे दार्याचे प्राम्नुमा है भुगवे यापि छे स्र्याः श्रदः चरः यः क्रेवः र्वे यः व्रवा हेवः हेवाः सुः प्रायः वः सुः सुर्याः हेवाः न्यान्वसम्भा देगविवादुःसह्दास्याद्भात्रम् दान्यस्यर्थदः वस्रशक्ते न देवा देंद्र वाशुद्र दिने सहेंद्र श्री खेंद्र सेवा वाहद वस्र वदे व सेर-स्रु-गुरु-पासेत्। हेत्वविषाश्ची मात्र किमान्द समार्से शुप्ति मास्र । डेगायामहेत्रामाधेता हिंदाग्रीमानसूत्रान्त्राममासुलुत्या ह्या शेराययर ग्रुर शेराद्र देवा केवा अर्गे वा गृहेश सूना खुर क्रें रावाया हिरा यानेवारानिः ज्ञानः कुः केत्रः भें इस्र सास्ता सामतः भें नरान् भेत्रः भें के मश्राद्ये कार्यवर म्वीने मश्हें मा सह द मर लु ने र नशा सम्बर्धे ना दे भूजाग्री नकुरायायरे भूजायायर्व र गुरायदे र मासु कुर केंद्र र र मदे न्वो न ने अ डे अ उद देंदर न प्येत त्र अ मा सुद त्र भा मा न स्था भा तु न इसरायानारायानारायन्यान् स्त्रीया नवरान्यायन्यास्यायाः व्यान्या है अ'अह्न वावव ग्रीअ' क्ष्रवा खुर बर चर अर्बेर व ग्राह्म अरेन पा ग्रुर भुवे नर्गे न मन् अस्न अस्न प्राप्त अत्र अत्र न मन् मन् यात्र प्राप्त स्थान

न्द्राचि अर्केना अर्मन्य अर्थेन विद्राचित्र अर्थेन विद्राचित्र अर्थेन विद्राचित्र मयर कुं केव में अदय नवे लें कु श ग्राम अद नुं पेंदा मावव व न न दि में यन्दर्भेद्राचन्द्रप्रद्राक्ष्यश्राकेष्ठ्रभावन्त्राधाः इस्रश्राहेष्यभ्राभेदे म्बर्द्धः रेशःम्बर्धेशःमयरः म्बर्धः सेन्यः सहित् सुःवतुसः वतुसः विरः न्रः नरुर्भायत्रात्रवेद्य। वनुर्धापरायी रुदे न्या नर्मेश्वाय । वन्या नसूरा या न्धन्यावनःवःनभूनःपर्याञ्चः स्रवेः ज्ञः रेः धेवः पः नर्जे राः पर्याः वनः वेन्। न्द्यःश्चीःवानुनःविनःश्चित्वानः विवान्तः अर्थे वान्त्वः विवानिवेन्या ने हेयः न्द्रयाची मन्द्राम्य केत्र से हि सदि न्यीय त्या से स्थ्रा न स्वर्म यगःश्रॅं गुःमदे अभु ह्युग्रयायाय तत्राया ५५ या निर्म्य उदः ग्री हैं सदि'न्ग्रीय'न्न्न्य'ने'गठिग'य'निन्रा'सदे'सूग्'स्र्रा'स्र्र भु'नत्नार्यायादेशानवेदया देवे स्वा'या स्वा'स्रा'स्रा श्रीयिवेट्या देर्यावर्श्चियायाश्चियायात्रीयायात्रम्ययायाया श्चित्र न्वेत्र नित्र ने। अर्केन नित्र के वित्र श्चित्र श्चित् गर्भरावनुसानकु नर्भार्श्वेया केत्र हेगा न्यावा नेत्र मान्या नाम्या नाम्य सर्केन्। प्रमायन् वित्रास्य तुः श्री सावित् ग्रम् श्री मान्य तुः वेरानश्

न्गुरार्थे शुरा हु इ निवे निवेशमा निरार्थे हु तु त्र रागहिंगायमा निरास्ते त र्बे हिनायाया बुवा विवाया विद्या विद् नगागान्य भेर्ने न्य भेरान्य भेरान्य भेराय भेराय प्राप्त मेरी भून भारतु र्येन् अर्देवे खे सेवा स्वा रु सुर नशा ने त्या नहेन नशा वर्षे । सुर परे न्येन र्से अवना अर्थे द विषय भेद विदेश सम् लु अ विषय विषय भेद विषय भेद इस्रभः इरम्। व्रदःगामः भः नह्रगमः सम्भः श्लीरः नीः वेदः प्रदः पः हेगः व्रुमः व नवर वेर द्रश्र भीर में अर्गेर गुर्भ। अर्केर विर गान मुर द्राय विस्र क्रूॅर्गाक्र निवासी प्राप्त निवास क्रूर्गाक्र मार्थसाय है निवास वर्यायायिक्याय द्वार्या द्वार हो न द्वाराय हो स्वर्य न विकार नडुःगशुंसार्धेत्। ही:नार्खेःयाह्यस्यार्द्धेत् सूत्र्यं साम्बर्श्सेनानर्भेसः वश्यास्य वृत्यभूयाय प्रमा केंश भ्रें यहे प्रमा व्रवाय भूप भ्रें साभ्य यहे प्रमु वह्या देव में के मन्दर्भे भूगा सुद बद मा केव में दे हमा बर हे भूग नविव नुःसहन्। मन्सरादमाःयःनश्चेःनश्चन्। मर्सयःयनेनरान्दःश्चेत्रःयसःयः नश्चर्त्राक्षेत्रात्महेनात्मत्रात्राह्म ह्नाः हुः हेनाः सुरान्त्रम् नत्याः र्श्यायायह्यायाश्चित्। न्यान्त्रियात्रियात्रियात्रिया सर्केंद्र करे प्रतृषान चुर कंद्र श्रु सर्द्र रूप केंद्र महिद्र प्रतृषा हेद्र प्रतृषा हरेद

द्यमाः हुः चित्रेशा मात्रवः श्रेशः सूना वमाः कमाशः याद्यनः श्रेशः सहना वमाशः कनाराणे दे हो देश सहित हैं तर से दाय दे विषान मुखा से मार्स् मार्स यर येनयः नुयार्थे दानन्यायी विषय इसया ग्राट सुन ने प्यया सेन ग्राट ने इस्र ग्राप्टर्न् मु अरुषु प्रसेषा वतुषान दिन्य प्रदान प्रवासी से हिना वरावशास्त्रवाशायसी दार्वोशासारा भेवातुः स्वरायस्थित्। दे स्वर्धाया सः रे लापणा हो नाय हो ना वाववा इसमायाय वावार रे हो से कवा है पा ला है। न्व्यान्त्राम् वरास्यावस्य वित्रम् स्वर्णान्य स्वरत्य स्वर्णान्य स्वरत्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर्याप्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर्णान्य स्वर सब्दान्त्रावद्गान्त्रम् विदान्न्य स्वयायात् स्वतात्रम् विदान्य स्वर्थात् स्वराम्य यरमुर्भेर्भेर्भेर्भ्राम्यम् वर्षम् ग्रीशानित्या न्टार्सेन्यान्वायम् श्रीवानुसाम्या स्थया सी विग्रीया परि विस्त न जुर्भ ग्रम् अपन में अपने स्थान ग्रम विवादिय सेवा निवादिय सेवा निवादिय सेवा निवादिय सेवा निवादिय सेवा निवादिय मन्त्रम्मुर्द्रसायस्रसेन्यं वृत्त्रद्रा ने हेत्यायस्य स्र हेशःह्रेंद्रः नकु नुद्रा देः यद्ययात्र यास्य यास्र यास्र द्रान कु रहें नाया श्चेतार्राष्परासरानु विसेवा वानेवासानु सार्ते व्यास्ट्रें राज्यार्से वासा नरार्रा यान्व अर से न अ यार्ने ट र र व अ विया य र व र या अ ये र या र ये र खेट खे र की न्रायाश्चित्रा ध्रीम्यया विष्या ध्रीम्यया विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या

क्रियमाश्चिर्यं । वित्रम्भान्त्रम् वित्रम् वित्रम्

नेतिः वा निकार्यः निकार्यः निकार्यः विकार्यः वि

यावर के व ना क्रें व न्ना या प्राप्त क्रिं न प्राप्त क्षेत्र न क्षेत्र सक्रव-नेशन्त्रास्य वर्षणा वर्षानित्रस्य सम्मान्य स्थितः न्में त्रवाशायायान्स्रशायास्त्राचा स्त्राचीतात् सुनायास्त्र यात्रिस्याप्तराची पिराची र्याची सारस्या रासिया सारा नु विदा व स्तिया यान्त्रमासुर्जेत्रत्रमासुनासुर्वात्र्रम् सुन्ति। क्रिं बिट्र इस्र अप्पेट्र शुः हैं वार्य प्यर्वा स्वावतः विवादित्य विद्रास्त दिन् हैं वार्य दिन षिः क्षेत्र न्दा ग्रायदः क्षेत्र क्षेत्र निर्मेतः देव क्षेत्र स्थाय स्वाप्त स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय ह्मिया में नर्डे खूरे नर्नु सुन मासही सर्व मरसाहित मासह केवारी सद्य शुस्र दुः इति यसे से हे दुः यः शुः प्ययः देवः से के या ने या राष्ट्र स यान्व अर से नशा या शेर त्र तु अ न्दा न न तु या श्री या न न न न स के न न्दः कुदः नः अदः में निबेदशा गिशुदः स्नः क्रुवः वर्देवः नृदः वें से निवेदः वर्देवः मदे र्सेष सर र नहुंग्या सूर्ड ग्रम्स से र मर मर मुग्न ग्रम से र नि स्या न्नो पन्त अअ क्षें र न्या न क्या पर्दे र पा क्या के अ न्या विष्य यदःद्वाःयदःवश्चुद्या वश्चवःयःदेवःदेःकेःह्यःयःवाश्वयःयःवार्द्वःदेःवःयह्दः वया नवी वन्त्र सी क्षेट इस्स्य राग्य विषय वा सिस्य राज्य स्वित कि स्वाप्त स्व 

गुर-रु-विद्-अदिर-श्रुव-विदेव-दु-विद-ध्या विद-ग्री-व्या-अद्य-क्रुय-पर-बुँबर्क्क्ष्मश्राद्भुँबर्बर्प्याप्ट्रिंद्र श्रीदर्भुंबर्भुद्र स्वित्यादर्भेप लुय्योश्वर्यया अर्थाक्येशलर.वृष्ट्येश्वर्य्याश्वरत्वेष्ट्रयाच्य ममा राम्भित्राचरातुः प्यारात्रमित्राची मेमा मामा मामा मामा प्यारा प्राप्ति । है। ८.य. सपुरा श्रीत्र श्रे किया या श्रीत्वया सुर्य विषय । सुर्य प्राया श्रीत्वय विषय । सुर्य प्राया श्रीत्वय रान्द्रम्याः हे हेंद्रस्त्। अदशः क्रुश्यः यद्रम् वित्रम् वित्रम् गुरः भे : अर्वेदः न : वःदे : देदः अर्वेदः न : दे : ब्रिट् : इस्र अ : वः दि : ब्रिट : अर्वेदः गशुर। अरशःकुशःषरःव्विरःघशःदेदःग्रीःदर्वेदःवेरःचगःविशःव्वःधशः अर्गे. चेश क्षेत्रा खेट. यदु के अ जवा नेट. य दश सद मिया विकेट हिन्यहिन्यरिन्यः वन्त्र वन्त्र वन्त्र वन्त्र विष्याया कुर्ये हिन्या विषया यानेवार्यापरःहेःवाद्यात्र्यात्र्यायायावाय्यायायात्र्याया नरःध्विवार्यः र्षः १८ म्या प्रति विष्या स्र के साहे । या स्र साह स्र सामा प्रति । नेराम्बर्धायानार्भेताम्बरा महरास्ट्रह्मायात्रास्यात्रास्यात्राह्याम्या से र्हेग्। दर देर नश्चेय कर सूर नन। श्रुग्य स्थाय द्वाय प्रदर देर नश्चेय सर द र्जेन नि।

स्वाश्वराम् अभाग्वराम्य । अभाग्वराम्य । अर्थे । अ

षागुर्वा कें राष्ट्रम्य प्राप्त विदेश विद्या प्राप्त व्याय विद्या भुनश व्रनःग वर्षः द्रान्यविष् । व्रायः व्यक्तिः प्रयः व्यव्यास्यः व्या त्र्वित्वर्भाश्चायायाये भूवर्भात्र श्रुष्ट्रवा ख्रात्र विवाया सङ्ग्या गुर्ह्य विश्वम्या भ्रम्यायाः विश्वम्याः याद्रीः याद्रीः याद्रीः याद्रीः विश्वम्याः विश्वम्यः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्यः विश्वम्यः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्याः विश्वम्यः न्गुरःर्वे न इन्ज्ञान्यः यायव्य से निर्मु न न्रा क्षेत्र न से वायव्य स म्यामान्यान्य । त्राम्यान्य । त्राम्य द्वीतायायन्य । त्राम्य द्वीतायायन्य । ८८। ह्र.म्.इ.४४१० कि.४१४८१ म्या स्थानमा मान्या स्थानमा मान्या स्थानमा मान्या स्थानमा स र्रे लाग्रेदे हें हे दरा रुष प्रिंदर्दा मुष्ट प्रज्ञें व मुष्ट प्र ते। भूगाः सुरा चराया के तार्ये देश वर्षा स्वाः स्व केंशा इत्योण यटे अकेंगा श्रुव यकुरा शेसशा श्रुट श्रुश श्रुण देव केत्रचेराःभूषा नगरानी यगायेता वनार्धे व्यायदे हेषाम्वरा यया ध्वेर नन्द्रायाद्रायानी देशमा सरासे नन्द्रम् सुद्राय सुद्राय सुद्राय सर.मूर्। रेयर.मुध्यस्त्री.ययोदःसर.रे.धिश्री हे.सी.इ.र्ज.य.रेयंश्री. 

शुःसगुरः परः गशुरमः है। न्नः सः दे दे सिंहे दः पर्रः शुग्रामः देवः है। नवर न हे न प्येत प्रमाय में न खेर है ने हे न प्या प्रमाय है है ने हे न प्या प्रमाय है है ने हे न प्या प्रमाय है ने है न प्या प्रमाय है न प्रमाय है ने है न प्या प्रमाय है ने है न प्या प्रमाय है न प्या प्रमाय है न प्रमाय र् अरम मुम्यापर र्वेद र्राया विस्रम द्रम स्वित प्राप्तिर य सर्ने ।पस्य अवस्था द्या यो द्या मुरायवा या संस्थित याहेर हो न दिरसाया यग्राम्या वित्रास्य वित्रास्य स्थिताम् स्थानम् स्थिताम् स्थिताम् स्थानम् स्थिताम् स्थिताम् स्थिताम् स्थानम् स्थिताम् स्थानम् स्यानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्यान सुर-र्शेट। नर्वेव-र्शेन्स्न क्षेत्र-त्राभेत्र-तृत्वभुः श्वर्टा अन्तर्भः वर्षः वर्षः वर्षः वशार्वे व्याप्ता व्याप्त प्रमान्य वर्षा सर्वे स्ता वर्षे ना वर्षे ना वर्षे ना वर्षे ना वर्षे ना वर्षे ना वर्षे तुर्रायाने राकें न रदारे वे नकुद्राया विद्यान कुद्राधित प्रशासुन या नाया के'नश्रुन'म'य'गर्डें'र्ने ग्रीशयायन्म मर्मेन गर्मा वरानर त्रास होरा यायासहयाद्रमानुसास्या वदासीवसाहानिती तुरस्यार्श्विषादा हार्डुंगी नेरः बुषः विदेश होरः यः यः निरः वुषः विदः बुषः विदः बुषः विदः वुषः विदः वुषः विदः वुषः विदः वुषः विदः विदः विदः वस्त्र द्वा विष्य विष्य के विषय के विष न्विशः त्रुः अशः अह्य। वैं दि छिद् त्या अपितः वैं विदः द्यारः पर्दितः वेरः द्युदः म्बर्भ क्रिन-नर्भेव-अम्बर-नर्भेव-मःनेव-क्रेव-नग्-विश्व-शःश्रीमश्वशः नश्रेव'नर'हेंग्या देवस'सदस'क्रुस'णर'र्जेव'र्जे'र्ज्रूर्रेवे'र्केस' इग्'र्र्युग्'कु'केव्'र्से'य'र्सेग्रार्यान्स्रस्'र्यस्'र्र्य्या

इगः हुः शुः न्दः धदः से सहयः नदेः सुः सळ्स्र सः नसः सह नः द्राः हुगः हुः नश्रमान्त्रायात्रम् स्वापाया निर्देश्य स्वाप्ति । यानहैशन्या रेंगिठियामी हैं यात्रायायायात्वर यात्रेर यार्थर यह गठिना बर भू न दुः नार्श्या रें माठिना मी हिंगार्थ पार्टर न दर्भ पार्थ स्था मुश्राणर मुंद्राया स्वा वे न इ नुवा से द हे श है श मुवा वसवा श रा वे द वयास्त्रभूरायेत्रयायेत् श्रुवास्त्र हिंवावयास्या स्वास्त्र हिंवा नेवे के वर्षे अर्वे दिस्याय पर नर्वे द यार्थे या यत् द सह न द या गा द्वा ह येत्रश्राया वित्रक्षत्रभ्याञ्चत्रश्राद्यायायायायायायायायायायाया नन्गागहेरःसहन्पदेख् नास्याम् साध्याम् साध्यानानितः पिरःश्रृणाःख्रारः चः व्यवेदः या इस्र सः द्राः स्वरः च श्रुर्यः च श्रुर्यः च विदः तुः मुक्षाम्या विवयः श्रुः त्रा विवयः स्रुः त्रायाः विवयः गन्व अर मेन अन्त अहं न श्रुटि इस अन्य म्या अर में निर अ इस अ ग्री । ख्यायानिवर्त्या यहेवर्यस्य अद्वित्यस्य अद्वित्यः । ळेत्र'र्सं निवेदसं परि दुसं शु। व्रैसं पा इससं ग्रीस दे रहा वासे र ग्रीस से । र्ध्वारायया रगः भुः हैं रेदिः भुः कं नः उं या उवा निहराया वह ना विष्यायया गर्भरःरं या सेरारे कुया में केता में या पेरा गर्भरा केता की सार्थ केता की सार्थ गर्भरः त्रे द्वा ग्वावर द्वर प्रायः श्वायः भीवः तुः सरः वरः धित्। गत्वः सरः येनराहेरासुम्पर्दितान्याःविराद्यायाःविराद्यायाःविराद्याः नर्वे खूना साया सेना सास दिन केटा। खु के दार्से दाना सुसा विया नार्दे दान विदसा धरावह्रस्र सारिके दें नाद्र भे त्या व्या मित्र प्रवास के विष्युवास न्वीरशः गुनः न्यः देर। रशः ग्रारः हे न्या ग्रेः विनयः हे ना ग्रेनः न्या हरीयान्त्रान्त्रान्त्र्यां न्या न्यान्या न्यान्यां न्यान्यां स्थान्याः शुःशःवार्धेः नःवःश्रेवाशःभवेःक्ष्रशः विदःभरः उत् सरः दः वृहः। करः नवेः दुशः शुःकेंशःहेः द्रमयः नवरः सं द्रा गुड्रः गुः व्यान्त सामवः सं गुडंरः मा क्षेत्रः न्स्य-मिकात्मा ग्रीटामान्य-जी याथ्य-स्यान्यात्यात्यात्यात्याः यह्री निरःश्चेष्टिः वरः र् जिरः रेशः रहा हेरः शुः इयशः ग्रहः विदशः रायः र्शेनामामाने ज्ञानान्त्रा हिं सेनामा सिंहि शुक्त स्ट्री वर्त्तराषी के राम इन्त्रणाया देव में के नमया मनर में सुभ सके न शेरा न्त्र यानिवर्तुः नर्नेवर्से न्ययान बर्से यान्वर्यायने क्रिन्या याद्धरायीया

<u> ५५.अ६८.५४४.५४५.५५८६४.४१.५५८५८४.५४८५५५५५५५५</u> नम्'वेन'यम्'अह्'न्वर्रावे'नम्'वोर्या ग्रिट्'र्स्ट्रुट्र्राप्रर्भ्, स्वाराध्यार श्रुव गश्रु अ र्श्वेव विदा देद न श्रेय ग्राट अद र र श्रेव विदा

कैंशा हे 'द्रमण' प्रवट भें 'दे। व्र भुवश ग्री ख्रा भारति । या देव 'या देव 'या के वर्यभा प्रवट:यी:यंजाय:ईसमार्स्य । लिंभार्क्य में सेमार्स्य मेमार्स्य में सेमार्स्य में सेमार्स्य में सेमार्स्य में सेमार्स्य में सेमार्स्य में सेमार्स्य में सेमार्य में सेमार्स्य में सेमार्य में सेमार्स्य में सेमार्स्य में सेमार्स्य में सेमार्स्य में सेम यायवा याश्चुःवार्ययायाः स्वायाया यज्ञःवानुदे नुदः नुप्यावः नकु ग्री'ग्रान्सर्थापात्रस्थर्थारुत्र्वत्त्रम्यायस्य स्टार्थे'बे'ग्रीर्थापार्थे'से स्टार्थ यान्व अर से नशा र या शुअ पा अ से र नु त्या र हु या र नु या न्व अर न त्या श शुःगर्शेयात्रभागुत्रश्चरशासह्य रामितायात्रम्भार्थात्रार्थात्रीयात्रे गिनेग्रा कॅशहेर्द्वगुरुदी गण्टर्नेट्रिंटर्स्हर्म्स्रास्रस् यायहिर्याने। श्रेयावे मा बुर्या सुया वेया चुर्य । यापवा केवा मर्शे प्रवय्या धे·वेशनान्द्रः क्षेत्रन्देव सेदाव व्यापाय सम्प्राप्त क्षा विष्व कुत्तु वा मायायहसान् ग्रुम्यामेवाकेवाकुयायक्वामान्यायस्यावयाक्यायमानु यायवा न्याराया वर्षान्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा के सर्या कु सन्द्राया नवर्यते दुर्द्र ग्रे देर्द्र प्राचित्र वर्षे यह । वालेव हे द्याववा वाहेर

इनायः स्वायः प्रदे नगदः सरः सं दर्भ द्रः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः क्रॅंशनव्यायायात्रययाच्या है.स्याहेयायायाच्याच्याचेत्रां के अदशः मु अद्भयान वदः में अः थ्रुं के दः न वेदशः भरेः द्राना व शद्दः थ्रुदः ठेगा-तुःमान्व-अर-मत्ग्राश्रामार्थिय। विःने-याः शःश्रुर-र्त्वेद्व-द्रशःयह्रः न्वर्यामा नन्यादिर केवारी य्यायामा क्यायक्वा गुवान्याय सेट यो क्रमानकेवानमार्के मान्या ने निमाने में मिन्न क्षेत्र मान्या ने निमाने मिन्न मिन्न मिन्न मिन्न मिन्न मिन्न मिन् इर-५-अहयान्या गुन-भूरमानमामान में। नभून-परे-मुयासळन ग्रीशः र्स्नियः न्येव। ग्रीवः अद्येवः प्येवः न्वः मुः अर्द्धः अर्द्धः अर्द्धः अर्द्धः वर्षः नश्रेव पर हैं गुर्या गुव श्रुर या नवे दुर दुर दुर दुर वो र नवर से र हो। र्श्वेर:इगाय:सँग्रम्प्रम्यम्यम्। हिस्रिर्म्यम्। व्यव् हिन् धरः उदः विद्या गुदः श्रूरमः नः धरः विदः पुः सहेमा । दे दमः हिः वे वः सि सेनमा वें दे वार्रे के स्मान के साम के साम के मान क वतुस्राविद्यायायार्थेवायायवे गुन्नामु केत्रिं म्स्य्यासहित्ते। स्टार्थे ॔ख़ॱॻॹॖॹॱॻऻढ़॓ॴॴऒऒ॔ॱऄ॔ॴॴज़ॻऻॶ॓ॻऻॴ ढ़ॕॴॻॖऀॱॾ॓ॱॸॾॗॱग़ॱॸॱढ़ऻ ल्य निया विया था हे स्भित्र भारता श्रीया या बित्या श्रीया या श्रीया या श्रीया विद्यान्त्र विद्या हेत् हें स्टून्तु स्टून् देन देन स्टून्तु स्टून्तु स्टून् स्टून्तु स्टून्तु स्टून्तु स्टून्  यर्यामुयानवरार्याययावराश्चाय्यापरातुरात्रात्त्रात्र्यात्रा यात्रारश्रासक्तरमार्सिया महाकेत्रभूग्राःभूतिः सूस्रामक्ष्रम् केत्रक्रियाम्याद्यास्य स्वाप्तात्रम् स्वाप्तात्रम् स्वाप्तात्रम् स्वाप्तात्रम् स्वाप्तात्रम् स्वाप्तात्रम् स्व यायमानभ्रेत्यमाहेषाम। वर्षमाग्रामाभ्रम्भ्रम्भ्रित्रम्भाभ्रम्भ केव भें। व्व केव गुव क्वें त्य श्रें ग्राय प्राप्त । प्राप्त क्षें या वह सप्त वह स र्देव प्यें द या के अ हे न से द वस्य सम्यासक्त सम्यास में दूर द न मान यर रु यहरी रे वय हैं से वर रु में वय मुर से सम मुल पे पार्श्वेर नुगानी होत् त्रा अस्य त्रोय र्भू र इस्य अ र्पे रस्य सु हिंग्य राम्य ग्या स्व नमानित्र दे त्र की भे हो। ने नमा भूगा खरा नु किं नमा सङ्ग्रा नु दे नि र् नगदनकुर्गे के अस्य सुरुप्त ग्रायम् ग्राविष्ट प्यस्य स्त्र अस्य र्शेग्राश्रास्त्राम्यम् विदःगाः चुगाः तुन्याय। स्दःविः चवुः पञ्जाः श्रासः र्धेश्वायान्त्रस्य हिंता देन्द्रहेन्यदे हेश्रस्य सुरम् न्या नेवाश्वर्षा ञ्च केत् क्वा ना अर्थे हैं शु समिति मारा ना मार्थे र त्यु सा अर्थे हैं शु र्षे द रा ५८। नश्रुव वर्षु र निवेद स पाया से निया राजा के ते से स्मारा सहि। इ्गायार्सेग्रायदेवित्रस्यरायह्य। स्टाहेत्यात्स्ययोत्यास्यराण्ये क्राम्य निवर्त्य स्ट्रिं वाववर्त्या ग्राम्य स्ट्रिंग वाववर्त्या ग्राम्य स्ट्रिंग स्ट

नडवः विस्रसः निवतः नुःसह नः ने स्टार्से नुना दुः इत्नि है सः पाष्ट्रिया सः से न्यूटः यानिनामा ने प्यत् श्री मेत्र में के इसमा निसमान माने नमा पाना श्रूर्यात्रयायायात्रवरायाः नवरायाः त्र्याचेत् त्रुप्तात्र्यायाः भित्राहे। वयास्रामयः नमयः न वरः में दी। व्यवः न न न वो पो भी सः मेवः केवः न न पुरा द्या से निया खेदे स्र मा सु कु से जि. या तमत पुरा ही निर पुरा निया है वर्त्युट्ट न उस श्री श्रीट हे के द में विद्या श्री मी विद्या पर देश श्री श्रीट में क्रियायायते स्रूटान क्रुवान् गुटानया स्रयासेट प्यटास्ट्रा रामन्याया माल्य प्यतः प्रतः कुः अर्के गुरु न्यायः में वयः समयः मेवः केवः लेयः ग्रम्प्रम्याया है। क्रिंव ग्री व्यया ग्री प्रमार्थीय स्थित व्याप्त स्थान स्थान स्थान वें नित्त न्या के के व्याप्य का नित्त में नित्र के निकार र्षेत्रप्रायश्चर्मा मुद्धर्। मुद्धर्म मुद्धरम् मुत्रायम् मुत्रायम् मुत्रायम् । मर्शिया कें नकुन्याया अर्देव ने शायब्दिया न्गुर कें नकुराया नह्ना यदिशामी ते या अक्रवाया अवायाया मुद्दा के राज्या या विद्दा नदे ह्या शक्त्रश्राच क्षेत्रश्राच स्थान स् ळ्ट्रासेट्रा क्रुॅं. ११ मार्चा वर्से वर्से वर्षे वर् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व ख्याया वर्षे वे देव हैं याया वर्षे न से ह्या पाइस्य नहें या सामे वर्षे

विधिर्या भुंभुें नर्भ्या मुंगिर-दर्गिर्द्राया स्वीया स्वाप्तर विधिर्या स्वाप्तर शुःकें अःग्रायव्यवः स्वेरः या शुरः स्वे। देः वः श्रें ग्रायः प्रायः प्रायः हः से द वयर सया केर से पाशुर। पावश यदेर में पार्ड न कुर हें द पिट हैं व एस नन्न हुरके कं न में सुस सुस सु में निवा मान्स्य मान्स्य निवा हित क्रवश्रायाचेश्रायाक्षेत्रा नृगुत्रावे वर्षे व र्ये केत् ग्रुट हे प्यय पुरायित् र्रेट पहुण श्रुव परि प्रेंद्र मुक् रत्रायार्श्वेष्यायाय्ये प्रायाः स्ट्रिंग्या श्रुष्यायाः श्रुष्ट्रिं श्रुष्यायाय्याः मुश्रम्। मिर्स्याञ्चे नासम्स्मर्त्यात्रिम्या श्रुम्यायया के श्रे। के विदेम षरन्गवर्से वृत्। देशर्देव या हैयान सा वृत्रा गुरा वेत्रा सर वृत्रा दर र्रे सुर्म्याया ग्री के या जी वा को प्येत न यथ या ग्रुट हो। दा सुर् ते वि वि व्यय वित मःके'न'सेन्'म्सून्। भूनसःविगाः हुःसन्सः क्रुसः र्नेन र्धिन् मुनःसदेः सुगानः नै तुर्दे श्रूर नहेर् नर्त् के अपार न न क्ष्र्यय पदे र सुर कुन से के र तुर यशर्दिन्।वर्द्धेश्वाप्रश्नार्वि देवि खुश्रास्त्रम्।वर्द्धन्वर्धन्।वर्द्धन्वर्धन्।वर्द्धन्वर्द्धन्वर्धन्।वर्द्धन्वर्धन्।वर्द्धन्वर्धन्वर्धन्वर्धन्।वर्द्धन्वर्धन्वर्धन्वर्धन्वर्धन्वर्धन्वर्धन्वर्धन्वर्धन्वर्यम्।वर्द्धन्वर्धन्वर्यम्।वर्द्धन्वर्यम्।वर्द्धन्वर्धन्वर्यम्।वर्द्धन्वर्यम्।वर्द्धन्वर्यम्।वर्द्धन्वर्यम्।वर्द्धन्वर्यम्।वर्द्धन्वर्यम्।वर्द्धन्यवर्यम्।वर्द्यम्।वर्यम्।वर्यम्वय्यम्।वर्द्यम्।वर्द्यम्।वर्यम्वय्यम्।वर्यम्वय्यम्।वर्यम्।वर्यम्।वर्यम्वय्यम्यम्।वर्यम् र्रेर्गुर्ग्यरम्ब्रा विर्वेशम्बर्ग्रं अप्यार्थर्ग्यस्य विर वर्नरहिरादेश्वरश्चे शुरानाधिन वाके गश्चर श्वे गुनकेन खार्के राष्ट्र श्वे

इसे न्यूर धेव पर निवेद राष्ट्रीय क्षेत्र र नुमानक्षेत्र सार्य स्वया प्रसार् र्दे सार्सर ग्राट मार्से या वर्षे या शुरुष या हे मा हुए। वर्ष माहे मा नर्से सर्भातः अर्क्षेवायम् नियान्य क्षेत्र म्यानिया श्री मान्य स्वर्थन स्वर्यन स्वर्थन स्वर्यन स्वर्थन स्वर्यन स्वर् र्नेव र्षेन कुष अर्क्वा र्वेषाय सेन या केया हे सुभान्य या केया है सहू गारायार्शेवायानुवार्वयानस्त्री ने हेया शुः हैं सूत्रायावत केत्रावाया रहेया न। यशःश्रॅनःक्ष्यः त्वा श्रॅनः द्वेतः श्रॅनः क्ष्यः स्वयः ययः द्वादः विः विः इन्तर्वासायाञ्चास्रामार्थेवासराहेवास। न्त्रामार्थेके भुः इन्त्रावे नम्र न्वरळेंशन्गुवरळेंशयळग्यरन्यर्वेस् नह्ग्याविश श्रुन्द्ग वियःसदः देशूरमा क्रिया क्रियः स्वया ययः यव्ययः वाशुरमा विः शुः स्वाः रात्यासङ्घात्रास्यानीयात्रात्रत्राः भूतिन्या क्षेत्रहेत्रास्त्रास्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र निवेदश्यायाः श्रीवाश्यायाः सहित्ते वात्रवाश्याः स्त्रीत् वित्री वित्रक्षेत्राश्याः नश्चरमा श्चेर-इनानो विर्धिन देश्या है सः धेना त्यः सेना सः नह न नर्डेशन्यम् पुरसेन्यम् । वनःस्ति वनःस्ति मन्स्रश्यान्यस्य ग्राम्यम् गृहः मन्स्रस्य येग्रयारान्यभूत्या त्यायेर्चराष्ठी नत्र ना कु केर सहत् न वेद द्रा इट अ गुन गर्डें नें र भु अळं अर में त त न न न र्या प्राप्त कर हु यान्व अर न वियाया श्री र वस्य अ उद ग्या र द्यो प्रत्व श्री से स्ययः

ग्रद्धायालेटात्रम्कुशकेर्दि।

ने वसारे व रें के नग्र ने सार्या न हे ग्रासाय ग्राह्म सर न बुग्रस शुःगर्शेषःत्रम शेःत्रेरःवेरं नविदेः नरः नुः नवुगमा नक्षेत्रः पदेः रेसः भः नरे अर्केना नराम नेरान्यराया अहरा हिन्य से अर्थे राजा प्रमा <u> ज्ञापायायाद्या स्राप्ति स्</u> बे नर्व नकुर्णे क्रेंरायक्षेता केव पेरिना श्रुर न नबिव रर्षे बे नर्व क्रेत्रायार्श्यायारायवेटयार्शि । ने सूर्त्रात्यायायने ते सूत्राभु भु नास् यायर रें र श्रुर्या परे श्रुयातु के दर्ग वावद प्रयाद्य प्राप्त र तु सु। वसवार्यास्तरे ध्युव्य नु वनवा उवा र्स्ट्रेन विवास्तर क्षु नर्या से सर्वा विन् ग्राम्य नुभाग्री प्रिंम् रेवे प्रमास्य नमा श्रि नुभागारमा मेरे हे सिंप् पर्ने स्वा । प्रमा यया.र्या.र्वेय.क्षश्र.श्र.श्र.श्र.र्थरश.षुश्र.रटा । क्र्.र्वर.क्र्.य्या.क्यश यन्। वि:नन्त्रः वेदान्यः केयाः न्या वि:न्नुः वेदान्यः न्याः स्वायः नेया । न इ: ५ वा व्यवः के स्वरः धेवः ५ दा । ईः हे वेवा सः देयः सरः हैंग्या । ५ वे वेग ग्रुस ५ में ६ स स्टे में । ग्रुस सु से न में में स हैंग्या वेयःग्रह्माशुह्मार्यह्मार्दे।

क्रिंश हे निया कि अन्यया न हे ना अन्ति। धना गुन न्नाय न के अना हे न

८८.लीश.यहंश.८राज.श्चेर.यादेश.ग्री.संश.शं.श.शं.संया.या.या.या.सं. नक्षमभा केंमाहे राष्ट्रामारा ग्रुटात्मभा श्रिमा । मैशः व्यायः निरः वेदः क्रीयः नक्ष्यः या सहि। वर्षे नः नयमः हः येदः य सर्हेन्यावर्षासुरव्युर्ग्यर्यस्य न्युर्वे न्युर्वे न्युर्वे न्युर्वे न्युर्वे न्युर्वे न्युर्वे न्युर्वे न्युर् क्षेत्रायानेत्रावित्रचीरायत्री स्वाप्यार्थिषायान्य व्याप्य विष्यायि कें र्रेन निर्मेन ने ने के न निर्माण न निर्मा न निर्माण न निर्माण के निर्माण न য়য়য়৽ঽৢঢ়ৢ৽৸ঀৢয়৾ৼ৽য়ৣৼ৽৸য়ঢ়৽ৠয়৸য়ৣ৽ড়য়৽ঢ়য়৽ঀৢয়য়৽য়ৢয়৽৸ शुंभीव हु नड्व मा अर्देव पर भेषाम कु केव में अदयन दे या शुंद है। कुर्याशुंश्रास्त्र रवार्द्राच्यास्य वास्त्र विद्रास्य विह्राम्य विद्रास्य व्यटः तरः सहित् श्रुरिः यह वा प्रदः ने सः र्या वक्कः यः यः से वा सः यः सरः दुः ग्रम् न्यु न्यु न्यु न्य भित्र में के द्या समित न्या न्या न्या समित में सळ्य.च्या.चेश.र्यय.च्ड्रेग्य.धे.सदे.र्यट.स्.च्यूट.चढे.स्. गर्सेषाने। ने ने मेन में के न्या यापया न्याया न न में वे या व्यापया न नि मानविव निम्मारायर वर्षा दे व्या के राज्य मानिया विवास क्रॅंश-इ्या-इर-ध्या-क्रु-क्रेद-सेंग्य-सेंग्य-संयायद्य-स्यायसः श्री-हेंद्र-ह्यायः

नश्रमा क्री श्राचित्रासाय बित्र श्राचित्र वित्र यानव्यायाळ्ट्रायायवा श्रें रात्र्यायो हिर्व्यायाया हिर्दे वर्धे श्रें र् मिते श्रु रातुवा वायर वर्षा रेसा स्वेत हिरादर ववा हिरा श्रूरा द्यर हिरा न्तुःसेस्रयःग्रेःसेस्रयःनभ्रेत्। र्ह्वेः श्रें नःर्न्त्यन्त्रम् गर्नेनःन्सरःनेवःनः र्श्वेरासेन वसावन्या गर्हेन्स्ययायासँग्रास्य स्त्राम्यम् वर्हे नक्तुन मासे से त्रुवा वी ले लावा द्वा सर क्रिंव वस के सारी वित्र में कि के वर्षे मदेः भेः तुः न्वोः भ्वें नः नः न्दः श्वेषः मः न्वें वः व्यवाशः मशः नशुः नः क्रुः के वः भेंः सहया ने वस वें के व जुर है सा समिव में। वें र्वू न ज्ञान साम कुया सर्वत मश्रीं न न में नश्रेव पर देवाया वें केव या तुया वें र वें नदे अर्क्षेना द्या से पा के द्यमा से द्या श्री मुश्रासंदे द्यद द्या से म्यामश यायाम्यरावर्ष्यर्भात्सरावित्। ग्रेव्स्रित्। नदेव्सर्केषायास्या न्नरःसरःस्। नुस्राय्विरःकुन्यवोय। न्नरःसर्नरःनक्ष्र्वःस्यवोय। र्न्तः न्यानश्चेत्रायार्थेग्यार्यान्या सेस्यायम्यायात्वतः इस्याप्ता नुसा

विनयः भ्रुतः नकुनः न्या धुः सेदिः नाययः भ्रुतः नविः न्या धेः वेयः श्रुतः भ्रुता है ह्या ह्यून या निर्मे सेन पर्के वे ह्यून स्वाप्त स्त वर्षामी क्रिंस्च्या र्षापिर क्रुंद्धी या यर्द्र प्रमुषाद्र सेंदे वर्षेया यासीयार्थे सूराया त्रे से सुरात्वा यात्र मिले दे त्यो याया वर्गाया वर् ग्री प्रथा रेथा वार्षा मार्पा पुरसे दारा मुख्या है से दे सुदार स्वापा स्वाप यारोरःयार्शेयः नगरः से त्यः से याराये सर्वे सर्वे नः सं के तर्भे सहित। सर्वे स खुगानी वें वः सेत्र सें के त्रा सामय न्याय न बर सें ग्रेने ग्रा ले रा प्रमुद हे। देव रें के पर्दानी क्या वर्ष गुव श्रूर या वे गार्य या मार्ये वा या स्र वशर्राक्रिवि नितुव राषाया नेवाया वात्व सर्वे वर्षे राष्ट्रे स्था से राष्ट्र वर्ग नग्रः नेशः द्रम्यः हेग्राश्रः प्रदेः ह्रयः वर्तः ग्राद्र श्ररः ह्रुयः यः नङ्ग्रीश दे हे अ ग्री खुवा य के अ हे व अ अविय द्यय व बद में वा नेवा अ बेर व श्रुटरायरासे में निया में करा क्षुस्ता देर नसेयाया से नासा पार्पा हु से र मर्ज्या ग्रेन्यरायन्याम् म्यास्य स्वार्थः म्यास्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम्य प्रम् पिट हि.योट सी के. कुरी यशिट रच अट से क्षेत्र में भी है है अ अपिर हे न य हैं र वे अ न्यम इर अ पदे नर यह न ने न अ कृम शुर र रे न अ वशाहित्।पान्यत्रासेत्।यानहनःसे के या ग्री पित्रा में के वर्षे न से न

सहर्भेर्द्रम् स्थान्य न्या स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य श्चीयाप्रदे विस्राम्य मेर मेर के प्रदेश सहित स्राम्य भीत्र के पर्देश श्चे श्वरापदेगान्त्रसानात्रसम्यार्थायदेश्चयाम्सम्यम्यार्थान्यः रेग्राश्यानमुत्रायाचेत्रायायार्थेयानास्या नसूत्रायदेनन्यार्थेरः न्नरम्भूरमिरे सळव १८ १५ १५ । से स्वा के राम्रे प्राप्त में मुर्भः न्दा विनः समः गुर्नः श्वरः अवयः अविवः नियः नवनः सेविः श्रुवाशः न्वीरशः हैं ग्रायाये भ्रीतः नुत्राया विष्या ग्री से न्वीतः वस्या विष्या भूजामु इसामलगामु केतारी सद्या देवे मु लेगात्र सार्वे मले राभू सक्समानिव मुन्यायायायावियामाने। मेरारे प्रहेव यासम्मानिया नशः ब्रेंट्रशः केवः में चुटा देव्यः केंया हे गुव नग्ययः नः दुः क्रेट मी नरः दुः येत्रश्रायायासम्या नन्नासेन्ः भ्रुत्रे नर्वे भ्रुते न्ननः यास्यास्या यसत्त्रभाद्राक्षेत्र्युदेः भूदास्त्राच्या स्वराद्ये हे भाशुः सनाः से न्युः सदे दर वित्राचुराव्या नराभ्रान्यार्थात्र्यानाम्बराश्चेवावयानस्यरातुः सहित हे हेशन्तरः ज्ञान्याया सुत्यः सळ्दाः भूराये नयः पदेः छे सहयः नः यः येनमा हैं में या सरामया सुसान कुते दगार से। गासेर स्टान विदेखया

गरेन श्रूयःश्रुरः नदः त्वः रेः नदः सङ्यः यः र्श्वे गर्यः यदेः सर्हे नः यः कुः के तः र्थः वर् निवेद्यात्राञ्चयार्थेर श्रुव रद्या द्वार्थेदे श्रुवर् वर्षावर वर्षेर क्रिंटा देवे क्रेंट क्रुवाय य सेवाय पान द्वाया वह्य सुट दुवट द्वार से त्रप्तत्रत्। शुत्रश्चर्केशःग्रीःशेटःनो प्रायाचेरः त्रुवावार्शेन्।श्वरादिः प्र्नुः स्त्र ग्री'वर्षणन्। सरम्'वर्गेन'न्र'गठर्भ'रासम्। स्'भ्रीर'ग्रह्मेर्भ'न्र' क्रिंगाशुर्यायदे देयाया प्यरायदा स्त्री स्वापित स्वाप्ते व्यस्याप्ते व्यस्याप्ते व्यस्याप्ते व्यस्याप्ते व्यस्य मेशःश्रुवःइरमःमदेःरेमःयःर्वेरःयःभ्रूरःदःमेनमःवम। भ्रूरःनदेःश्रुवःशः वसास्रावतः न्ययः हेवासः कुयः रेविः नस्रेवः हेवासः ग्रीः सवनः रेवः सहन्। भूतशःवर्देर:रॅट:रॅंग्यःवर्त्ते।तुरःयवे:र्देट:हे·वर्शेर्व्वस्थःरेवःकेव्यत्तीशः <u>न्यग् गुरुक्त्रअर्द्ग्रेन् अर्वेद्रस्निन्दिन्दियः यद्भः स्ट्रम् अर्द्धः स्ट्रियः अर्द्ध</u> <u>ঀ</u>৾ॱढ़ॺॱय़ॻॱऄ॔ॱॻॖॖॸॱय़॓ॸॺॱय़ॱख़ॱॸॺय़ॱ୴ॺॱॶॖॱय़॓ॸॺॱय़ढ़॓ॱख़॓ॱॺॗ॓ॱॻऻॸॕ॔ॸॱ वयास्यदेव मुद्दा हेव ग्रास्य समय उद्या सहया हिन्स सम्बद्धे दे न्तुः र्विन् श्रुण्यायाम् गा श्रुत् त्र्या ध्युत् सेतः नरः नत्याया हे सेया सक्षेत्रया सुर-र्त्तेत्र-प्रश्नावार-श्रर-श्नु-विविद्य-इश्रश-वर्त्तेत्र-त्रावः वर-तुर-वःवा रेत्रिं के हेत्वत्र अथाया असे गायर नत्त्र या अर तु अर्थे ।

गर्नेटर्नु सेन्यर्भ संदे कें न्नट्रम्म या साम् वा सक्त स्था सुट से हिर्मु न वि वयानशुर्या विवानविरानविवाया नद्याने नदायां सेरासेर नदान नवर सर.मुद्रात्ययायाचिरा वितयीयात्रः क्रमान्यसभाश्वेतरान्त्रमभा क्रूर वर्षासुःविचाःचिवेचायविचायावयाचेयार् सेनया वेयानयानसुःचाकुः केन में सहन न्यायहणा श्रेया ५ सुप्त देन में के त्या सहत्य निवे के र्श्वेन क्षर्यातुर्रानास्यार्थे जुरा श्रुवार्यान्ये द्वार्यात्र्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्राम्यात्र नःकेत्रःस्निद्धाःस्राधाःस्रीयायाःस्यायाःस्ति। वेयाययाःग्राद्धाःत्रियाः वर्ववारायश्वराश्चित्राश्चाराश्चर्य श्रूवाख्टाव्यासर्वेराषटासेवशा दे वयान्त्रेराययाञ्चायान्तराम् वरायार्थेषायास्य मेत्रा निरायरात् मु निष् मेनमान्याकें साम्बुरमानयायाये हेंगानी कर हुयार्वेद रं या नुपन्। यदेव:भ्रम्मनश्राक्ष्यःहेर्नानविवागिनेग्रायायाक्षवेराग्न्वरद्देवःश्रीःहर बिट वी शाक्षेत्रश हिंगशास्त्र वित्राम् के विष्ट वर्षेत्र प्राप्त । क्षेत्रे वित्र वि के'न बर द्रमण न'सर पर्दे द'रा इससा सिंद द्रमा होत पा द्रमा केता निवेद्यानुयायने रानमें याना सुदान्य या में या या है सुदानुदाना प्रा सबैट मी नुस्र मदे खुट बना कट् मर है न सहित माय से नुस्र मदे सदित नर्स्मित्रित्रस्यामित्रस्य वित्रस्य वित्रस्य वित्रस्य स्त्रस्य

ह्यःश्रुवाः र्वेवायदेवः वर्षवायः द्वो वर्त्वः श्रेदः दरः श्रुयः वक्क्यः वेरं वाश्रुयः वःक्रम भ्रम्भान्त्रः स्वाद्यः देशः नवेः वत्याः नशः भ्रम भूवः सेवः सेवः वदः मीः धुयात्राभ्रामे ने निवे में निम्बून नुमार्थे तार्थे नुमाननुतामे नशेषा प्रवे श्रियाधित्यायाम्ब्राच्यान्ययाम्यायाम्यायास्य स्वर्भन्ययायाः देवे वर्धे नियानु न दुवा प्रशासे शुरा दुर न उन्। ने हे श हे से दि सें के वीं दार्श रेपारेगानहरान्यार्थान्य प्रियार्था न्याराधीर्या न्याराधीर्या वेर वुर प्रथा वुः अप्यह्य प्राया सेर पो प्रत्र द्र रासे वुर पी कुय में वर्गुरायाळें शामन्त्र कुयारें या भुवा न्तु वृत्यारें ग्रमाया नभूरवर्गमञ्जूनवर्गमा कुलर्ने देवरो क्वेरसरम्वायम् वश्योत्।व्दःमीः भ्रुप्रशान्वशः भ्रूपाः शुदः सः धीवः वेदः वशा वेदः विदः वेदः नन् सुया श्रुव श्रुद मा बेर न हे ना ययद न से र सद नु हो व व स से प्विर विश्व कितार्त्र विरयाने रहेश क्षरा देवा देवा स्था से या विवा रिक्व वा विरय रा यःकवाः श्चें व्याद्याराष्ट्र विद्या वस्र संस्था विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या म्यायायात्राम्यात्राच्यायात्राच्यात्राम्या व्यायात्राम्या रेम्सासरानु सहन् वत्रा सामाधिका केवा से मुहान्वरामाई मालमा प्राप्तरामी निरः स्वितं । प्रदानित्र से स्वारं निर्मा से न मे निर्दर्गित्र राष्ट्र सार् सुर्वा स्वाप्त स्वापत स्वा मात्रशः इस्रशः सेन् प्रदे पुष्पः नुः इत्याष्टुः केतः र्वे पि से मानी शः भ्राः सन्तः नुः रेन्स्य र्विट:इस्रमःसर:परेता यायमाधिःत्रम्य न वदायाथमा वेतःपा वुटा र्ढ्या बिस्रयाग्री दे रद्र सुद्रा सुद्रा रहें ग्राया सुर्य सुद्रा द्रा प्रवा प्रवे हुँ द्राया ह्रा स्राया ययर है। यद्यत्र से स्थान से साम से सा म्रे नरम्रे नर्तु सर्ति स्वर्ति स्वर् र्रे इस्र र्रिट कुरे ५ विट व से वार्य राया ग्राट सुरे वार्रे के वर्षे द राया वुस वर्चा ग्री म्याय द्वारा स्वार्थ ग्री स्वार्थ म्याया स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्व नशः हैं सन्दर्वशन्तु न्या सहन्। वेषः नुः वेनशः हेतः त्रसः सामदः वः वहरः रेशक्याप्तवे प्रवृत्याश्वर्यादेश्यादेशासे राजवे दें प्रवेश स्वाप्य प्याप्त प्रवित्र दर र्शेर पर्त्रेत प्रमा है सामस्य राउन नियो निया के स्नाम प्रमा स्वाप्त राज्य राज धीवा देन त्याने देन वोषाना केव में हिना धेन माश्रम विमार्चेवा दें निवेश विगाः एः हाम्याय्या भीषा विदाने वाप्याये स्थापतः श्रीयः दर्गे वाप्याय्यायः हितः

वस्र अन्तर्भवास्र देन हायदेव सर्वेद स्वेदा होन संस् वस्र मुण सळव पाया निवास स्वास मित्र प्रें देन ग्रे सून नसर पर्ने बेट। देन रहा वी सुग्र मार्से रासेंद्र नत्वार यान्व क्षेत्र शुःयान्व देन्य यः चतुयाय शुःयार्थेय याश्वर द्या यतुयायः यन्दर्वयानकेत्रिं सह्य स्याम् सायित्रन्वर्वे वार्षी क्राव्युवा यम्या स्त्रा स्वा स्त्र म्या स्त्र मात्र साय स्त्र मात्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र ने हे अ गुर रेव रें के अ गन्व अ न भुरुष ने व अ भुव भू रेव रें के अ गन्नः सरः र्रेवः प्रत्या नः कृते नरः नुः गन्नः न्युनः देः सः सेनः प्रयान्तः वर्तेव प्रासिंद्य में दास इसस प्रमाश्वामा है दिर होत प्रमास स्वामा के नः धेव म्यूर्य स्या श्रुव स् देव में केवे माश्र द्वरा ग्राट । नगव नविव श्रुनःधरः लुःगश्रुरः। देःवश्रःश्रेःगर्देरः देनशःधः थः १८ स्विः १ वदः। वर्षानतुन्यम् अर्वेन। यथाकेवानेवाकुषानयाकेनयानवियावयावनया कु'या सन्तेषा प्रमान बुद्दारा सर्वेदान स्विता स केत्रभास्त्रम् त्र्यान्यात्रायात्रम् भ्रीया श्रुत्यास्त्र भ्रीयायात्रम् त्र्या

नमा न्से क्षेत्रम्भूत्रम्भ स्थित्रम्भ मेरित्रमः कुषः र्रेष्णे न्तर्योभः गुः भ्रेते व्ययः गा ५५ यः शेष्ट्रायः गार्दे से दः दरः वरुषः प्रदे वादरः श्रेतः यर में पावर वश्रासेना नेते छे विगान सुर्गेनेन त्यान हेव पते नसूव र्से नेगा ठेगा ग्रुट त्रश्रभु देश द्रमग हु से द रासद्य के राहे ग्रुट कुन कु सर्के न यान्वरश्रम्भा नेवश्रमे भीयावर्द्रशा क्षेत्रके वम्युमा नेवर्द्रश ख्यायालुयायय। देयायजुदाइवार्धिकेवायायहेवावयासुदासेययास्ट्रीत ग्राम्य अर्था कुर्ति ने अर्मे वर्षा वर्षा अर्व स्था स्था वर्षा है हे पळट त्रशा इनि ह्या अदे पर पुर्वेता देवे देवा देवा प्राया थी प्राया स्था ने निरंदेश निरंभरमा क्रुमा ग्रुमा से समा क्ष्या क्ष्या निरंदि विषा कुर्मा निरंदि विषा कुर्मा निरंदि विषा कुर्म र्शे के अर्भुट प्रदान उर्थाया याया या या प्रदान है है या सुना कु के दारि पर नुमान्यान्य स्वास्त्र स्वा नर्ष्यत्रम्पर्रात्र्यर्ष्या मित्रा मित्रम् सम्बन्धः मित्रम् सम्बन्धः सम्बन्यः सम्बन्धः सम्वनः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्यः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः सम्बन्धः यः नहेत्र त्रा दुना दुः इ दुना न वे या या ने दाया नि न या यानेवार्यापरःवार्रावः वारान् । वार्ववारान् । वार्ववाराः हिर्याः ग्री हेव वहवा है या है टावी वया यावदाय वेंटा वया वार्षेया वार्षेया वार्ष्व हा वार्ष्व हा या र्वेद्रास्त्रस्रम् ग्राम्यत्विद्राम्याद्रयाद्रम् व्यव्याद्रम्याद्रम् व्यव्याद्रम् व्यव्याद्रम् र्रेयार्सेदे सुर्स्य स्वायायायापाय प्राची यात्रेस्य प्राप्त यो से दार्प से दार्प प्राप्त यात्र से स्वायाय स्वयाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वयाय गानानर्वन् भागानास्त्र तु न्यूनान् । वित्र स्त्र न्यूना । वित्र स्त्र स्त्र न्यूना । वित्र स्त्र स्त्

कें राहे जिट किया में अर्के है। के से लिया यी ले जिया के लिया वर्दे कें शहे नग् ने अन्यया नहे ग्राया प्रदे प्रवे प्रवृत्त व्या स्वार्थ के प्दी दी दमय अपिय हैं दिन पे पे पार्थ पार्थ हैं वर्शी प्रमेव में पे हिंगी पर-तेर-रे-वेश-भुःणयानवे-र्सेन-सानग्-वेश-ग्राम्था-पर-शुर-पवे-हेत र्रे विरुचेर र्रे १६ पु इ गहेरा नविरुप भिर र्ये प्रचुग य ग्विन रूर येनमा भुगमार्थे हिते नर्नु विदेश्तर्नु ने निस्मागुन श्रम्यासद्दाने या सूर् श्रु । श्रु । श्रु । श्रु । श्रु व य य उत्तर् । श्रु व य य व व य व व य व य य यात्रेय्याप्तरायात्रेय्यास्त्रेयात्र्याह्या यवरागेरास्य ययात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र दे अर्दे विस्रस् सु र्चेत्रत्र्यं गृत्य चु द्या हु से द र प्रमूह्या वे द्या नवेशनार्श्यस्तित्वातातार्थन्त्रम् । प्रमान्त्रम् विष्णाः

न्ययःदिन्यः अस्ति है नायायहिन्या है नुः इपाश्यायवेयायदे स्वायाहिः यान्त्रस्र भ्रम् भ्रम् स्वा विष्ट्रस्य स्व स्व विष्य विषय विषय स्व विषय विषय स्व विषय विषय स्व विषय स्व विषय स रटार्के.के.यथे.के.यथेशायखेशायखेयात्राययीयात्रायाचीयात्रा क्रूत्राक्री.हे. रेव में के त्या न्यर म्यायाय प्राप्त प्राप्त विष्य प्राप्त के स्वाप्त के स्वा श्चेरानुन्यायानुः यायानश्चेत्रात्यायार्रेयानुः श्चेतायान्या मः अरः रु: अर्द्रा श्रुवः वर्षुरः ग्रीः वार्व्ययः यः अरः रु: वायवा विरः प्रयः वार्वरः য়ৢ৾ঀ৵৻য়ৢ৾৾৻য়ৢ৾৾য়৻য়য়য়৻য়ৼ৻য়ঢ়ৢ৾য়৻য়৾৻য়ৢ৾য়৻য়ঢ়৻য়৾য়৸য়ঢ়৻ भ्रेअ.य.र्यात्रायात्रद्रायभ्रेषा र्यायार्थे क्षेत्राभ्रेट्याद्रायाः भ्रेष्य मदे न्यात्र सामा स्वास्त स्वास विया नगुर र्थे निवि न दुः इन्नि निवेश माधुमाश से सुवाया गन्त सर येनमा वटानी सिव्याप्त प्राचित पार्पा प्राचित प्राच प्राचित प्राच प्राचित प्राचित प्राच येत्। गर्द्धगायगापर केत्र सदि । वनमार्ने गायहेत् क्ष्मामा मसमा उत् गार हिन्यर नु तयवाय या सही नवो त्रनु व ही से के व से प्यर न्र हु या शु गुरा न्ययः स्र्याः स्टार्यदे यहेवा हेत् स्वाया ग्राटः के या हे रेत् से के वर्देवे देर विंत्र दर कुषा के। या वी खूर वी कुषा विस्र शापत कर दु नु नु न वस्र १८८ विवास स्रुव स्रव्य पा हिन् ग्री सार ग्री वा से से में नि पहें व पा वस्र स 

यस्याश्ची सहँ न् श्चें न् इस्य स्वर्ते नवा । श्चें व्यय स्वर्य श्चें न् स्वर्य स्वर्य

सर्यान्त्रम्त्रापान्त्रम् नर्याप्त्राप्त्रम् न्वाप्तः त्रुत्ताः त्रित्तः त्रुत्तः त्रित्तः त्रुत्तः त्रुत्तः त र्दसायसासाम्बर्म। देवसार्वे नतुन दुः ध्रुमामी नरः तुः नतुसाम्बरः क्रय्यायवार्द्धवायवनार्द्धिनाग्रीयानारावितान्नो पत्तुवाग्री से स्वेता दे वया हा केन रेदि देन प्रम्प्त अपार्ट से दुग ग्राय पर्दि देन ग्री अप्तरी पर्दुन ग्री श्रे'सद्दुत्रेयाद्द्द्व श्रे'सद्दुद्व श्रे स्ट्रियाद्द्व स्ट्रियाद्द्व स्ट्रियाद्द्व स्ट्रियाद्द्व स्ट्रियाद्द मीशानुः श्रेटानुः निगे त्रनुन्थः नकुः नर्गेट्रायः न्दा कुत्यः नुः श्रेः हः थः नकुः द्याययर्ताराश्चायायात्र्यं त्ययायरार्त्र चुरा द्वेयात्रायायायायात्र श्रु गर्दानकुर्वाने क्यायास्यायाने विष्या वस्त्रायाची वर्षेत्रायाची वर्षेत्रायाच वर्येत्रायाच वर्रायाच वर्येत्रायाच वर्येत्रायाच वर्येत्राय रं सायसासा मुद्दा यदा हे द्वासारे दे से वासायदा से वासारे वासारा से र्शेन्स् केत्र में नद्वायानाया गन्त्य याने वान्त्र स्रो नदे स्रो न मिलेम्बराहेशव्याध्यतः देटातुः मित्रायाः सेत्रास्यास्य स्मात्राह्या वॅर्ग्ये खुलावर्र राम्बर्याचिमा हुर्गे वर्त्त ही से नहीं म्यादि है। हिर वेयाके नाधेता नुषा द्वीयाया भूग्यया न्वीत्याया से नाइना नाइनायना पिट.टेट.हेथ.वश्रश.कट.यञ्जीयोश.हे.थेश.धेश.शट.टे.वैटा क्रेयो.सेट.स.वु. ५८.सूर्याः खराबरायश्चर्योत्रायान्यायात्रश्चरात्रीः वराञ्च

रवश्यास्तर्नु क्रिंत्रायाया द्वाया वितादित्र ने वित्र क्रिंस् क्रियायाया नेरायरान्यरान् सुदेष्यरायार्वेनावके सेनाने। क्रियायायीः वहिनायाना केत्र में जुरात्या गुरात्या क्यया में ताय दिवाया वर्चेश्वरातात्व क्षेत्रासिरातात्वाम् र्रात्यात्वेर् । वर्षेत्रास्त्रे वर्षेत्रास्त्रे । हिट राया खुर्से से से पादिया पिट सिट पी या इप्तर पी महर के दारी है । पिट या रात्यः भूना खुर प्रदेश न कु ग्थूना केना नी रात्ने तुन हु प्रस्था पर निर्मा सर्दे रात्रः र्केशः श्रे : द्धं पार्या द्वरा देरा यहा गी । यहा तु : वि द : तु : यहा यहा से हा गुहा से हा ग्रेन पुन्तु न् सेन ग्रीया से मानसू नर न ग्रायन दे के या विस्थान हा दुस्या येव मी ख्यायाप या विवास परी वे प्रमाव हा न प्रमाय से प्रम से प्रमाय से प्रम से प्रमाय से प्रम से प्रमाय से प्रमाय से प्रमाय से प्रमाय से प्रमाय से प्रमाय से शुःरेवायान्या त्रायारे इसमाग्रारहेव यहेवा श्रेवाया विव हासावमा मश्राक्षे खुनाशालीव पुरि देरान रानावशायाधीव के सूस्रानु न स्रास्था हो षटः क्रें अः श्रें वि न्टः सें ख्रुवा अः सें ही निवे वें वि वा निवास क्रांत हा अरा है। दिरः सरः वी से सिं हो दुः पव त्यः वे हि सः वक्कुः दरः द्वा व व दः सः व दुवः व द्वा यधिवर्दि।

 वर्षावित् विंत्र हे सुर विर व्यवे वर विंद्र स्था सु से वर्षा या व्यव्य व्यव्य विंद्र स मः कुरः रु 'डे गः श्रें व व व राषः नवे 'र्रे गः रु 'र्रे व रमः व र व रेरे दे रे व राषः वर्ते अरमर दें न्याप्पर सहन्। वर्ते हे श्रुस र्यो नवे श्रुते श्रुर नेपा कें वस्रवास्तरम् नम्भवासे में वास है । विषय है साने माने से सामें मिन से सामें त्रेयायात्त्वः र्वे देवाः विदाद बुदार्येदायादे त्र्यया द्वारायदा विद्याया स्वराये श्रुवा हेन्से हे न प्यत्सहन श्रुक्ष श्रुत् से मिर्वित वु स त्यादे सुव क वर्षे ग मासहत्यमा भी सामान्य स्थान न्यान स्थान केत्रर्भित्राश्चर्यायसर्भेद्रायातुषा देखार्स्यायायातीसर्भित्रेत्रातीर्थे वस्यानी सहरामानीय हासा नगुराके नहुः मासुसाय सहसामुका पर त्र्वेत्रश्चे अर्भः स्वाद्वात्र्यः अर्भः स्वाद्वात्रः स्वाद्वात्वात्रः स्वाद्वात्रः स्वाद्वात्वात्रः स्वाद्वात्यः स्वाद्वात्यः स्वाद्वात्यः स्वाद्वात्यः स्वाद्वात्यः स्वाद्वात्यः स्वाद्वा अ.अ.अ.स.२८.। तम्.य.अम्य.अम्य.म्.स.म.म.म.म.म.म.म.म.म.म.म.म.म. रायासूत्र न कुर् प्रवयं विवा पुरवव्यवायाया स्यास्य सामा विवाया स्यास्य गवरके क्रें क्रिंन निर्मेश्यापने क्री अधिक ज्ञान क्रेन ने। अपिक क्रें बर यग्नायायार्थेग्रायायात्त्रुयाये विष्याया केत्र से इस्र रायेग्रायाया गशुरुषायान्दा ग्वितःर्देवःतुःगिवेरःतायाग्यदःतःवतुषायवेःवर्गयायाः वेशः ह्य अदशः क्रुशः धरः हिंदः या नेयाशः वरः याद्वः शः याद्वः श्रुरः शदशः

मुश्राप्य मुंतरिश सुंश्रास्य स्वर्थ श्राप्य व्यवाश मार्चित मश्राक्षित्रभाशुः व्यविष्यविष्याम् । प्रतिः नुष्याशुः प्रविष्या सङ्गायान्य स्वारायायान्य मान्य मान्य मान्य सङ्गायान्य सङ्गाया सङ्गायान्य स्वार्थ सङ्गाया सङ्गाय सङ्गाया सङ्गाया सङ्गाया सङ्गाय सङ्गाया सङ्गाय सङ्गाया सङ्गाया सङ्गाय सङ्गाय सङ्गाय सङ् सदसः क्रुसः धरः र्चेदः हेदः ग्रेः गाददः सः सहदः दर्गेसः प्रदेः क्रुः सळदः सदः दुः गश्रम् गहेशर्रे त्रायदे गम्दर्भाष मुग्य से समुद्रा त्रुम् त्र न्र्वेन'गन्न'र्थ'र्थे'ग्रिया'यह्नं न्य्याप्यय्यःशु नत्नु न्य्ये यान्य न्यू नः स्नाख्र के राहे दे न से या निर दर नी हमा सूर सूस में या से ना सामा र्गे व्रथम सहरे ने नश्रम्म नावन हेन में सक्त उन ममम दि है यद्वारा अत्र स्वाप्याप्य प्रमान विष्य स्वीप्य । स्वाप्य प्रमान विष्य स्वीप्य । स्व अजान्द्राचर्यासेराधिवायसार्ह्से स्थित्राचर्ने व्याप्ता दायार्हेद्राया हैवाद्रा ल्यानाड्या विष्टा दर्भाने प्राया विष्टा विष्या विष्टा विष् ग्रेन्न्यार्वेन्याहेरमात्याधिन्द्री के याद्या हिमार्येन्या स्मार्था मुर्जित्रपित्रपि प्रतित्रम्भयाग्रीयाग्राद्यानित्रप्रात्य स्था मुश्रापर मुंद्र मुःगशुर ग्रीश यदे मुश्रश्राद्र स्था भी पदे प्राप्त स्था भी पदे । गश्रुरःमः भेंत्। ते व्रुः भेव व विः ते विः ते विवः नश्रुरः व श्रुरः व सः नश्रुरः व सः ग्रुरः

याया वार्श्रयायाद्यार्षायाव्ययार्थ्यवाया देवसावस्थार्थः हिंद्ययार्थः र्थे ही नदे थे। रावे हैं शु इन्ज्वायय रे में के नित्र दिर सर में नर र्'विस्थान् के निर्देश्चे के निर्देश्चे के निर्देश के न ग्रम् अवतः नृतु अरये ग्रायः सम् विष्यः स्यान् विष्यः म्यान् विष्यः म्यान् विष्यः म्यान् विष्यः सम्यान् विषयः सम्यान् स र्भदे वियानम् प्रविद्याधित वसास्त्रस्र स्रो । स्टार्वे निवि न द्वास्त्र स्रो स्रो स्र श्चेतुःयामिनाया रेंपाद्रायानेयाया विवासम्बन्धाः विवासम्यासम्बन्धाः विवासम्बन्धाः विवासम्बन्याः विवासम्बन्धाः विवासम्बन्धाः विवासम्बन्धाः विवासम्बन्धाः विवास हेर-रुग्-य-अ-र्थे-ही-य-व-वर्गेर-रे-र्रेर-रर-विद्या अरश-क्रुश-वर-गुश्रद्रायश्वर्थाः क्रुश्रायद्रात्तेत्राक्षे द्वातुर्द्वेत्रः शुर्द्वेत्रः शुर्द्वेत्रः श्वर्षः सहयः वश्रभुः नः अरः वेरः हे अः शुः गा तुरः। ५ त्यवः नगायः देवः हे गा अः धरः वेवः डेशमशुर। तुमा इसमाडेमा त्या क्रीं र दर्गे व यह या यह स ग्रुअःयःग्नेनेग्रा यर्ने प्यरः ध्रुगः क्रुं केत्रः रेविः ययः यः यर्दे यः य नगायः खुद र वं सा क्रीं दिन सुवा नर तु सा मा । । । । सा से सा वि सा वि सा रुश्चेन। हमर्थिमानभूषानायाश्चेतुः अर्धिते हमर्पिमानग्री दर्धिर न्वेंत्रस्तित्वायान्न्यभावन्यानाम्यभाग्यम्स्ति केरास्रेया सङ्गायानाः रुष्यः इट से दिन से सप्ते प्यट मुन में न हिन है न स्त्राय स्तर्भाव धे अरातु अहति दिवे दिवे दिवे अङ्गाया रहा दे हे या अष्ठ या से दावा या

रा.मिता.प्रमालिट.ता.श्रीयात्रात्रश्रीट.प्रमित्रात्रायक्ष्मीयाः मिता.प्रमिता.पक्षेत्रात्रात्रश्रीयात्रात्रम्थात्रात्रक्षेत्रात्रा विष्यात्रात्रम्थात्रात्रम्थात्रात्रम्थात्रात् प्रमिता.प्रमिता.पक्षेत्रात्रात्रम्थात्रम्थात्रम्थात्रम्थात्रम्थात्रम्थात्रम्थात्रम्थात्रम्थात्रम्थात्रम्थात्रम्

## ๆผมฯสุรฯผลิหาสุ

वर्त्ते अर्गे व र्त्ते : ते के व न् न् रित भूष ध्वर पो ने य ये र मो दी भे र र र याप्रयाशुः हैं सुगा हेया गुन्न स्रुवा स्ते या स्वे के से दे हैं या न स्या सुरा सुन सुन धीवा नेते के खुया वे न्यमाया वयम इति मार्था नेते न्या सुनया विन सक्समान्मा मिना प्रति स्वापर्मे रामानि सक्ति। स्वापन् से विवापित् स नेशन्तरम्भूम्। क्षायर्चिम्यने त्याहे स्थाने डिगार्जिन्यापर विरायान्ता धुयाने न से सुन स्थित से हिम्से ग्रीश मिंद्र मी में स्थाप मिंद्र स्टामा सेंद्र पुर न सा हो द त सा सेंद्र पुर न सा हो द सा सा हो द सा सा हो द स स्यायास्य कृत्य नया वार्षिया दया से दिन दे हो हो दे हो से प्रमें या द्या यो । नश्रन्थशक्रिया वेदा विदेश्यया प्रदेश अविया त्र म्या वीदेश अक्षत्र अदर प्रेन्। ने न्यान्यायो नयम् देयायम् न्यायम् न्याये सुमान्ये सुमान्ये स्ति । न्दा हैं से दे दूरी सर्दा ने विवासे वना से दे द्वार से से से से से से से स

यान्य वेशः वृः रः नः हेन् ग्रीशः याश्यम् । वृः रः नः श्लुः क्षे रः वेनः वेव वया रः नुः रे'अर्वेट'न'र्डअ'ग्रीअ'र्स्स्अ'रट'ग्रुट'र्'ल्य र्स्स्अ'ळेव'ग्रेश'ग्रीअ'र्स्स्अ' ग्री मेर र्श्वेर शानुशास्त्र। दे र्श्वेस पीता तर रामा ग्राम स्विस स्वर पार रामा ग्राम स्वर मा स्रुस्य त्या न्वेति पर हें त्या पर्वे सर्वे सर्वेत पर्वे स्वर्थ प्रवेश ब्रिंदिक् के कि सामित्र के वा निया कि वा निया कि निया मदे के प्यार अदे खुमा से समा निर्मा हिंदा स्टाया के साम हिंदा स्टाया है साम हिंदा साम हिंदा स्टाया है साम हिंदा साम न्यायाया न्यायेयार्थेन्यये ह्यायायु । वित्र यायायायायायायायाया धेव'ग्राश्रुद'व्या दें'श्रेंद'हेग्'नहन'यथ'हेग्य'न।हिद्'नद्रव्याद्रिद्या श्रीटायटा सुवायुत्रायो क्रिया से विकासे द्वारा स्वर्था सुवार न्वेवित्रायन्त्र ग्रिस्याप्तराची स्वाह्य स्वाही हिमार्देश या वित्र रता नी स्वीका र्वश्यदःर्रे प्यदःवेश वित्वःश्यवाः र्योत्युरः प्यदः श्रुवः र्ये के स्वाः य र्शेषायान्य विवाले न्याया में देश हैं निया में या या प्राया में या है है। देश हेशस्यान्त्रान्त्र वित्रात्ते देष्य वित्रात्त्र स्थान्त्र स्थानित्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थानित्र स्थानिति स्यानिति स्थानिति स्यानिति स्थानिति स्थानिति स्थानिति स्थानिति स्थानिति स्थानिति स्थानिति स्थानि वनुसःश्चेत्रचुःनःस्वरव्यूःसःधेन्यःवेनानीःस्रसःसुःसःस्रान्तेव्याःवीःवीःवाः गर्डर विषा श्री न्यर से र विष्ठरमा गर्विद मदे नु सा श्री विर नु सुवानाया

न्गॅ्व सर्ळेन सर्ळेन स्थान स्

श्चित्रदर्भवात्रे। नद्भवाद्भन्याने नद्भवाद्भन्य निम्मे विद्याने नद्भन्य निम्मे विद्याने निम्मे निम्मे विद्याने निम्मे निम्मे विद्याने निम्मे न मश्रमा ने नश्रमो र्श्वेम् अह्म सम्प्रम् विषय है कु नुस्य विषय सम्प्रम् वें नरें नर्मु न्यायायावत्यें सुनयान्या क्षेत्र नरें त्ये न्या न्या गक्षान्य सामा निम्ता गार्था है ना स्त्रीन निर्मित से कर ता व्राप्त निम्ने न नरः ह्रें न्या वें वृः वृन्ने ने नरः नुः अविदः सेंदे वृदः नुः नत्ने न्या वर्षः वर्षः नःश्राम्यान्यः नस्त्रम्यान्यः नस्त्रम्यान्यः वर्षः इमिहेशमासुग्रासमितियां स्ट्रीति । संस्थाने स्ट्रीता स्ट्रीता संस्थाने स्ट्रीता स्ट्र क्ष्र-श्रानुमायाम्स्यमानेर-ध्रित्याम्स्यमार्चेमाग्राट-ग्रामायायानरः केंशनवि तुर नदे कें वर केंशन सह र व्यायरें इन प्रायय বাধ্যমে। মানবংশ্ৰেমেমেমেইটেংক্ট্রেম্বর্মের বার্মির্মের ব্রিম্বর্মের डेगाग्री सम्ब्रु:इन्सामदे:वजुवान:सुवानसासम्बर्धे:सहेस्। हिन्यास्रुःनः वर्ने त्यः के शास्त्राच्या निर्मात्र विष्ट्राच्या विष्ट्र यान्यो यन्त्र मुः विदायवे याहे साम मान्य स्ता विद्या साम्य सि ग्रुवरु:५गरःग्वेग्राय्या शुःद्वः श्रुरायदेः श्रुः वर्यद्यायः वर्षयः रेवः न्दावर्शियात्राने वाराये नत्रायां के विष्या विषयां विषयां विषयां विषयां विषयां विषयां विषयां विषयां विषयां विषय सरसः क्रिसः दिया पत्यासा स्रूटः ससः या त्यास्या सयाः स्रिः युः सदेः नुःकेत्रःधेतः वेरः नःग्रायत्वयः द्वरः प्रः श्रुव्यः व्यः व्यः व्यः व्यः सहयानार्यसाग्रीसाञ्चासदे त्रुवासान्दाविसासु से दारि हैवासाम विष्ट्रमा देवमान्द्रम्भिन्मस्य स्वर्धान्य स्वर्धान्य विष्ट्रम्भिन्द्र सहयात्रभात्रभात्रीत् स्तरमा र्सेन प्रेन प्रमान्य स्तर्भन प्रमान ग्री वियासहया अराद्या उर्देश स्था माना विवास सहित नेरा नमः दुरः सः नृतः सर्या सहया सरः ध्रेमः सँ मः गुमः न्यमः हुः सेनः सँ नः वश्रास्त्रास्त्रास्त्रात्रम् वहित्। वसवाध्ययान्त्राम् न्त्राम् न्त्राम् न्त्राम् न्त्राम् स्त्रास् नश्चेर्विया श्राण्यानश्चर्याञ्चर्यात्रश्चर्यात्रश्चरात्र्याः विया देव्याः विवा यार्चेत्राम्याहे वर्चे सिराया वया सहयात्र यार्के या श्रुत्र हेगा ग्रामा या न्गुर लें शुश्र दुः या वा वतुश हिर नु वहि गा हेत हिं शा नहर मी श्रुनाय सहत्। देवे धे के न्यान प्रमान के निष्ण स्थान स्य नसमासुरमण सर्चेन लुकामका क्षेत्र न्वेत नेव से लानगदमादर

वसान्वेवार्धसाङ्गायर्धेनास्ये निमानिमा निमानिमानिमानि न्यग्रापुरसेन्यायाबुरस्यायाव्याव्यायस्त्रम्याव्यायस्त्रम्य ने न्यान से निर्देश के त्या का निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्म ५८। ५कुःगुदेःअगुवावायार्सेनायास्य नतुनाया देवे श्वीःर्से न्नास्य देवे द्वीः व्याप्तराक्षेत्रम् स्वाक्षित्रकेष्ट्रम् वित्रप्तरः स्वाक्ष्यः वित्रप्तरः स्वाक्ष्यः यसः तूर् देवे के सः तुना यः सेना सः मान्द द्वा दः वि वे द्वा देवे वि वे दिव वि व धरायत्वामाश्रुरावशासहेश। यत्रुसाविरात्त्रात्वास्रोतायासे हिंवा ह्यूरा नशः सुरा से में निष्या परि सुर म्या वा राग्य मुद्दा प्रा प्र पर सुर पा वा वर्षे दशः पिर विवार्भे नर्र है ग्रुट व्या श्रेव श्रीय न स्वय श्रिट र नविवाय मदे के कु वत्र अपेग्राय मा अधिव मा या सेग्राय वे पेंत मुत्र प्रसा ८८.कु.मैय.धेश योध्याश्च्रीं स.टे.श्रिस.स.ह.धे.योवश.लुशे टे.वश.हू.टे. गुरःक्रुवायार्चेत्रायसाम्बुग्रसंद्रीरायर्चेत्रायाः चुरःद्रसार्वेगावस्य विसा नु'ण'ये'य'वार्डेन्' श्रुव'वार्डवा'य'तुया वृ'र्नन्य सवा'र्से गुर्नापर'रा हैवा' या ने सम्मुन प्रमान्य मा हिन् मे साम मान्य स्था में नि वहेत्रपरि सून्याया कवा वासुर। से द्वापा भीर ही त्याव के यह केत्र में र

र् र्चेत्रा निश्चरार्धेत् नन्गा चेन् पराप्तरा ह्या स्वार्था स्वार्था से निश्चन्या से निश्चराया से प्रार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वायावायस्य वार्यात्रा देवे ही वे से से से स्वयं वार्या वेवाया ने वया र्क्षेण्या राज्ञ हुर्या सूर्या भीता हुर राष्ट्रेन र्खेन यह वर्ष्य स्थारी धिव रान्दा वित्वुवावी सेवाया स्वाया है सन्दर्स्य से वाहे सञ्चया स्वाया यःश्रेवाश्वार्यास्य स्थित्या दिन्द्रित्यः वर्षः नि.इ.र्ज.वी व्हि.ह्येचाराचालूर्यस्य भिष्याचित्रयाशी विष्यः कुर्वाचार्यर ही. म्त्रायात्रविद्या विष्युन्द्रे इस्यानि विष्या विष्याम् तदी स्रित्या श्रीता विष्या मन् । न्यामिके के या मुस्राया पकन्ति । देया मुस्यामिक विष्या नु पर्देवा कें शरी कुष में पदी नवीं वर्ष पत्र महन हे शत्र भाषा वर्ष हिन सून् सर्वे श्री हैं येच लर भ्रीरशन्तर वेर देव मध्य शेल्य नर्वा शेरे शक्ष वर्षिरःश्रीःगर्रिः मेर्रान्त्रः इत्याने क्ष्याने स्वार्थित्यः स्वार्थितः स्वार्यः स्वार् हुनिविन्य दुः इन्थ्। मानुयानु निविन्य दुः इन्यनु वुन् विन्। ने द्वस्य सर्वेन हेवरेरन्थर हीवरङ्गन्यर के गाशुर्। गाव्यर गाव्वर प्राप्य सुद्राप्य सुद्राप्य स्वाप्य इससाशुः के सादिर ग्री गरिं में सह दारा दिया के साहि ग्रुट नाया ग्राह्म या गुराया केंद्रायिं राया गुरायदे यत्याया मुस्राया गुर्मिया मुस्राम् र ठव म्बिम्य मदे सूर न पर सर न चुर हैं। । नुय विवा में के प्रसुख्य

र् अर्थर्भर्भ्य विष्यं विष्यं यहत् अहं द्राय्या अप्तार्भित् ८८.यधु.यभी रय.थे.वैट.य.धु.कू.यहे.कु.त.यहेश श्राय्य स्थाप्य स्थाप्य सद्रक्षेत्रामित्राच्या स्थापका नायस्य नायस्य स्थापित्र स्थापका क्षेत्र स्थापका स्थापका स्थापका स्थापका स्थापका यदियाः पर्केषाया चुराकेषाः क्षेयाः ध्या श्वायर् अत्र द्यायः स्वायः यवा र्वेद त्यार सर्वेद रें पार्टेर सवा में शुवाक में र देवा पारम स याशेर-छः।पः पत्रा क्रें न्यापान्य शुष्य खुवा परासुरश ग्रुः शरे परायः यस कु सहि ग्विन देव सुव देट र सहि वर्ग द्यार के द्या द हा स यासुवार्यास्य सुव्या की विषया विषया विषया की विषया की विषया की विषया की विषया की विषया विषया की विषया की विषया नश्चित्रामित्रे वित्तव्या श्चित्राया श्चित्रामित्रामित्राया वित्रास्त्रित्र प्राप्ता रे'न'सदसम्बर्गानुर्माय मेंर्ग्यार्द्रार्भारम् सुराधुः स्र्रीया ग्रोराक्षेपा यदयः क्रुयः वे द्वीवः वायरः यः यदयः क्रुयः क्रुवः द्वययः वी क्रॅंश हे मिलेम्बर हे अ. लेट से हित्र अ. हे मित्र अ. ट्रेस केत हे स्था ग्री अ. कु र्थे सूर्वा वी नर वाद्व र अ वे द्वा सह द वस वालेवास देवे हे स सु हैं वास য়ৄয়য়ৢয়৽য়৾৽ঢ়ঀৗ৽য়য়য়৸ড়ৼ৻য়ৢয়৽ড়ৢ৽য়৽ড়য়য়৽য়য়ৢয়য়ঀয়৽য়য়ৢয়৽য়৾৽য়য়ৼ৽য়৽ शुअ इ इ न कु द माद्व श अहंदा माई मायम । मद के व से मह मादि है रे ह्रे अ शुः अपिर : कुः न : क्रें अ : न अ अ : वें न अ : शुः न अ : वें न अ : वे नर्डे नकु न जान्त्र रासही वर्ने सुन केत् छु कु त परे हैं न सर हैं है हिया

वर्त्ते स्थराख्र प्रमुद्या दे हे रासार्थे समाद्या व्यान्य स्थर समाय स्थान ग्रीश कु हिदे नर वे हैं शु इ निव गार्व श सह । गाहिय क्व गार्श सर् वर्या श्रीतानी नात्व राया द्वा ते हे रामातृतान कुत्या निया दिता श्रीया ढ़ॖॱऄ॔ॱय़ॻॱढ़ॺॱॷॻऻॺॱय़ॕॱॺॢॻॱॻ<u>ॏॱ</u>ॸॸॱऄ॔ॱढ़ऀॱॶॱॾॱॸक़ॖॖॸॖॱॻऻॸढ़ॱॺॱॺ*ॾ*ॸऻ वर्रे विः दूं न ग्राम्या या मुला सर्वद ग्री प्या हिन सामित्र या वर्षे या प्रमान्त या ञ्च्यायायायाः वित्रायायात्र व्यापितः स्तरम् युत्र स्तर्यायायाः देर्पान्ते। निरासे या पात्र विष्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान निरमें हे तु नर में रान दु इ नि नित्र या सह द है। रह में नित्र दु द यामिनेनामा यदे त्रमान्द्रमान्द्रमान् इत्नामा वदे मार्के माहे ह्रामा न्यायदे वा वे अर्था वार्षिया ग्राम्य सम् । तुः क्रें तः में ति ते वे त्या के वा व नक्षेत्रत्रशःक्षेत्रास्यः नुष्या वर्षे व्यः क्षेत्राह् । क्षेत्राह् राष्ट्राह् राष्ट्राह्या वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे । वशकेंशसर-रु.वाशवार्ते। । दे हे शाक्षु वर्शे द्वस्य शर्दे द वे र प्रश्नः विदार्शे त्रुत्वराओ से हिते नर ५ 'वे 'हे 'शु क्षा वि हो हो या है । हो या हु न हो न के प्राप्त का वि स दिन्सहेशम्याये स्वाप्त्राह्म सुत्राच्या है सुत्राच्या है स्वाच्या है स्वाच स्वाच्या है स्व श्रुवाग्री नरावें हैं श्रान्तव्याय। दे त्यार क्षेत्रे से श्रेष्ट्रेष्टि नर र् यश्रियार्श्वर्ग श्रिम्य पाययाय वादार्क्ष्या हे या ये त्यादा वाद्या व्याप्य या ये ये श्री।

ब्राह्म न्यान्त्र श्री स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य

## ळॅसहेन्रस्तित्रकेव्यान्वर्यस्तित्रस्ति

प्रस्थान्य स्थान्य स्

ने न सुर पर शुर हे अ शु के नर पर श्वाम्या ने न स दियो न ने स दिया बरायायार्यात्रातुरा हें क्षेत्र्यी महत्याल्यात्रायास्त्रा न्त्र्यायात्राया न्-द्राप्तान्नेरामित्र्यामे स्वाप्तान्य स्वापतान्य स्वापत्त्य स्वापत्य स्वापत्त्य स्वापत्य स्वापत्य स्वापत्य स्वापत्य स्वापत्त्य स्वापत्य स्वापत्य स्वापत्य स्वापत नश्चनश्राभी श्रेषापास्परातु प्रति द्वापास त्राप्ति स्वाप्ता विद्या विद्य न्दा नदे अर्केनान्दा सनार्थे इससानासना दे तसानसेन स्रूसिया सहि डिट हैं त'राया श्रुत सेंया ही दात्र राख्या यया रहस्य। दे प्यट श्रें त यह या क्रुशर्वेग्। धर-५५ सेवा क्री नसूद धावा ५ में द्विट कुन से समा ५ घट गिरेश ग्रीश तुन् सेन ग्री वित्र राया कें सामस्त्र राया ग्राव्य न्वी सिन् तुना द्धिरे श्रे विवा र्पेन पा इसमा ग्रीम ग्रुम क्वा से समान्य ने विवा र पदे के अ'ग्री अ'भूर'न'न निमा ने अ'भ्री में इस अ'ग्राट ने मिहे अ'या अ'न्न यर गुरा यय द्या रे दे दे मे व ग्री य द्यो से द ज्या द रे द हुय व यर सुर विराध्यतः सेरासे मानुशा दे त्रशास्त्रुणः श्रुतासायहिषाः हेता दुः श्रुतः स्वेरक्षेः न्नो र्श्वेट नुना दुः र्से अ शे खु अ र्षे न न न अ र्श्वेन प्रते र्श्वेन स्ट र स्ट र स्वाया नर्डे अःस्व वित्या ग्री अन्ते । इस्र अग्री व्यया ग्री ख्या ग्री स्व या स्व प्र व्या ग्री र्स्यान्वियायायायारात्र्या देवायाराय्यायायायायायायायाया धुवानान्दर्ना स्राप्त्र प्रमान्त्रवार्य देवे सेवाया शुः श्री प्राप्त स्राप्त हो हे नड्व भीर वे ने क्षय ग्रे वर वया ग्रह र द्वा से समा निय नहें व प्या म देंन् ग्रुन धेव पर न्गेंव न हेग्य भ्रिया विवाय प्रायम स्वित पर स्वित नर्गुरा देवे द्वा श्चेव ग्री त्यश श्चेषा सश श्चुरि त्ये र त्ये र त्या श्चिव से पर वर्तेयानाधीत्। | सनामुन्दिरानदेग्नस्त्रमामानुस्रमामा स्रुत्रसे दरे। दरे ঢ়ৢ৴:ঊ৴ব'অ'র্ন:শ্লুঅ'বাঈশ'গ্রী'অম'এই ম'মী'বার্র ৴'ঘর'বা৴মম'ঘ'উ৴ धरप्र्याध्याला विर्योगेरोषायेरळेयाधेत्रवेरप्रयाप्रदेष्या यशम्भेराष्ट्रेरव्यादर्गे सेंद्र ग्रुश्व्याष्ट्र राह्य राष्ट्र राह्य व्या रशःकुरःनदेःग्रान्सशःभः इसशःग्राश्वा नेरःधनःधुशःग्रहेशःग्रशः । नवदःस्यार्गेयारेग्या हिटःक्टानःस्याक्टानःद्र्यान्टायह्यान्तरः यश्रिटःसटःर्रे यात्रदःचायः इटः बदः बे क्रिंसः भ्रेत्रे साम्या दुसः ब्रेस् यासा अर्बेन्सॅर्स्यूर्न्न्याग्यरःहॅर्न्ने कुर्न्नरः ग्रुर्म्याशुर्म रेरायनः युवा यद्वेशःग्रीशःस्थाःमदेःकःस्याथानुया हिरःक्टानशःग्रटःस्थःक्टानदेः गन्त्रः सरः सेंदः देवा देशः ग्रास्त्रः प्रथा देंदः ह्र सः ग्रादः नुसः देशः र्वे देर विवा हेर ग्री प्रार्थ के स्थाय कु में हिरे वे वा वे देर होता दश कुर-न-त-तिर-भुग्राश-र्शे-श्रुयाश-दे-त्य-पानिग्राश-त्रशः सहत्या दे-हेश-रशः देन्'वर्ग'र्देरअ'त्रअ'र्क्षेअ'लुर'र्देरअ'रा'धेत्'राय'वुग्य'य'यान्ग्य'रार

यः नैवायश्रम्। ने वश्येते श्रुवः श्रूमः त्रें व वशा वे श्या वे श्राप्ते व्या ने व नत्ग्रायाम्ययापादाङ्ग्रीयाद्राह्मयानवगानवरानावेगाग्रारायहित्। न्नरः धरः बुर्या ने हे सः सुर्यायाया न्यस्य सः इस्र श्वरा है सः वुर्ये स য়ৢঌ৽ৼ৽ৼ৾৽ড়ৼ৽৻ঀৢঌ৽য়য়৸ৢৢৢৢৢৢয়৽য়য়৽য়ৼয়ৼয়৽য়য়ৢয়ৼ৸ৢয়য়য়য়৽ गन्ययः द्याः त्रययः उत् कंदः नरः गव्दः। क्षेत्राः रेशः द्वः यदः से वियः नवेः वियोशास्त्रीयायशास्त्र राष्ट्राक्षे यान्ययायाताक्ष्टाचरायाद्राचयान्यः वह्रअःतुवेःत्त्रीरःवःगन्ययाः प्रारः स्टाययाः केः नः सेन् स्रुयाः प्राप्तः हुरा शुवायायायान्ववायायातु न्यराच दुवावायाये वाळात्र वे विचा वावयायवा नु श्रे'न्गर में 'हेन' हुर न त'रे। र हे 'वें 'व्र्'न हिंद 'ग्रे'नें न ग्रुन देंदर नर वर्गाचेर वृता ग्वन्यपर तुर र्र्भे अप्ट वुर र्रे साय र्रेग्या अप्या रित्र केव गावव क्रम्म स्थान मान्यस्य प्राप्त प्राप्त में व्या ने क्रम न्त्र म्या क्रम इ.इ.चक्चर्.स.चुर.झ्.चे.च.स.स.स.स.स.स.स.स.मसर.म्राम र छिर.चल्रा देन ग्री माह्रवायने श्रेव से व्हें मात्र श्री की नवे खुर स प्येव माश्रूर। ने व्या बॅर्ने हेन्य या बॅर्म्स्य हें वर्ष अन्त्र के अन्तर्रे न कुन् के अर्थे या यःकंद्रः सेद्रः संभूषा निद्रः द्वः वद्रे स्रस्यः ग्रद्रः श्रुवः वः विद्रः वः से सूस्राया तुरा वर्षे निवेशसर्वे दारे देया वर्षे राज्या वर्षे राज्याया थे। श्चेर्यायाया भ्वेरास्थायानीत्रात्रम्थायास्थ्यायास्थ्यायाः यर्गेव्रस्थानिद्या द्यान्वदा द्यान्वदात्व्यः व्यान्वस्थान्यः नयावगाम्युयात्रःहिंग्यायाः हिंद्रायरा उत्राद्ये त्यायात्र यात्र विद्याः है। र्थे निर्वाद्या निर्वाद्य विष्या निर्वाद्य में स्थाय सामें साम सक्ष्य सा च्यावरायमें सर्वे न्यो चुर्त् चुंवा हे पी वयावराया कुवा सदे देवा । नर्स्रेयमःनेगामसुरःक्रानर्स्रेयमःयग्रम्भा । नर्स्रेयः ग्रुर्ःस्र्यः ग्रेरः क्रूं र व्याप्तया क्रिया श्रुव अर्द्ध यया गुर क्रुं प्यर से ग्यूर देश विया गुरा यः सँग्रम्भः मदेः सगुर्मः सह ५ छ ६ देन सम्मान्यः स्थान्यः । वर्षे नदेः समेनि दर्भः यर-द्यान्यर-द्योश देन्ध्रर-भेन्स् विन्यदेन्द्यर-भ्रान्यम् अयान्यन्थ्रिः युर नव्यामा ने नम देव है है नम सुर्दे से निया सुर वर्त्तीं अर्गे व की कुर कुर कुर के विषय के विष र्षरःलरः सरः र्'न्रह्ररसः राज्यासः हे वर्षेरः सः हतः वुरुः रास्। राज्यतः वर्षेः नशः हेर्या रशः हेत्र दर्वेषः ठेवा ग्राटः ग्रेट्या श्रुटः तथा श्रुतः श्रेटः वटः वीः षरख़ग्रम्भः सुःनभ्रुत्य। दर्भः हिंदः ग्रीः सः स्रदे र्वेदः षदः केदः वेदः प्राप्तः स्रदे द *ড়ৢয়*ॱॸॖॱऄॕॸॱॺॱॺॱॺढ़॓ॱक़ॕॕॸॱॾॺॺॱॺॱॺॕॸॺॱक़ॕॸॖॱॸऀॻॱॻॖॺॱॸ॓ॱॸॸॸॱ। ॸ॓ॱ वशस्रीरस्त्रिवाने भ्रायमानीया नुस्यार्थ वर्षा सुर्धिया स्वर्षा

नक्षेत्र प्रभा दे साये ग्रमा सम्मित्र स्व सम्मित्र सम्मित्र स्व सम्मित्र समित्र समित อ्रथःग्रद्रास्त्रास्त्रीःचित्रेत्र्रात्वद्रयःप्रशामस्याःस्याः र्रे त्या तुर्या स्था क्षेत्र द्वेत्र क्षेत्र स्था प्राप्त स्या श्रीत क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्था स्था श्रीत क्षेत्र र्वेदायार्चेत्रा देरावत्यायाचुरायात्र्यस्यसाग्रदा दायगवायकुदाग्रेःत्रास्री वर्क्कराम्यान्य स्थान्य विष्या स्थान्य यान्यायानुन्येन् ग्रीमानुवायावन्य केवा सुर्या नेवे नन्यानेन् प्रवेश्वे याधिव डिमा तुः सॅटार्टे। । सः स्र्व ग्रीया हिटार्वेर मावव से मावेट ग्राट हायहै। क्षेत्रभा इ.५२.भ्रॅ.ज.चेश.यश.सेज.चशा सवा.ध्र.वीर.६.८.सेज.चश.ट.६. भे वर्देन कुषान वें त्यास्याम् सुदान्या वें स्ट्रिन्न्य वें त्या वें प्रें दे सेंगा से र प्रवृत्तासा दे त्र स्वा स्वा सें चु प्रवि र त्र स्वीं प्रवे स्वीं त्र सें ग्नेग्राय्यस्थ्रम् प्याः श्रुप्त्राः वेत्राय्त्र्या यतः श्रेष्यः वेत्राः याः श्रेष्टाः वयः वर्यासदायायात्र मूराहिरास्यक्र्याक्षात्रात्री । न्यवासयास्यास्या वनायाद्वित्वा वियायायार्थेनायायदेयम् न्तवेत्या नेवयात्वयः ग्रडम्ने अरक्षास्य प्रमुक्तिन्त्र व्याप्त व्यापत इत्याद्यायारे नित्याया त्राया त्राया विष्याया विषया विषया

गश्रुर्न्न शुर्द्र वर्षा र्वे च्रिन्स्यापर कुः क्षेत्र कुर्न्न स्थर्भ ग्री न्यमा वि नगम श्चु नर्शे द नर्दे नश्च स्था ह्या ह्या स्था सद में जुद है। विद नी ख़ु के द मी से द स यहरामित वर्षा वर्षा वर्षा स्वाप्त वर्षा यनाः स्वा-स्वान् स्वान् स्वान्यम् स्वान् स्वान् स्वान् स्वान् स्वान् स्वान् स्वान् स्वान् स्व हे हिया विस्तर व द्वा परि श्रूम न चुमा मे व्या के या सर्वे र किन सिव सिवर वर्त्रों अदे म्वादान मुद्दान्य मुद्दा में इस निवाद ने मुकारा वादार ५८। ब्रैंव से क्या द्वा ५८। से सम् भी में है दे न के दिन पा दिन। क्या पर्वे र वह्रमायान्ता नने अर्केमामी न्यीयादिन र्यी कें माया सेमासाम सम्म निटा व्याञ्चनायदे सुमायने या ग्रामा है पद्वा क्षीर व्या ग्रुमाय थेवा मुँग्रायाम्यययाः उत् 'त्रवें 'त्रवे 'त्रवे 'त्रवे सहंत हेट हें 'त्रें में में होता में या स्वार्य न्में व र परे पा वे पा बुर व र पा वव र ने व र यह स्मार प्र पा वे र र श्चेंन सम्बन्ध समित् ग्री में सम्पन्द र सिंग सम्बन्ध समित्र समित्य मदे के। न्या के वा ख्रामा श्रम् विमार्थे माने प्रति वर्षे वा से वा से वा सम् नदे से गहिरा मुद्द नदे मुद्द मी राक्षेत्र सामि गदे पित्र में सामि रामि ब्रेडिट, स्. विवादियात्र प्रतिनिध्य क्षित्र विवादी 

दर्वः सुरु र न्या धिन् या शुरु र न्दे र न विव या विया श र प वस्य र उन् ग्री सु गश्रुरः त्रुग्रभः नृत्रेः नः सेन् रम्रः सेस्रभः ठतः त्रस्रभः उन् ग्रीः खुर्भः न्याः धेनः বার্রম'ঝ'নপ্রাম'নম'ন্যম'নার্মঝ'ন'নদ্ন'র্বেশ্বন্ধ্রম'ন্ वशुराग्रानवे देव उत्राप्त । धी यो विषाव विषा व हे न इव विषा श्चरसुनायार्ने ज्ञान्यम् ग्रुनायन् व रे ज्वे ते गायह्र पायर श्वरसुन ८८. विराश्चेत्राश्चा श्वास्त्र स्थान

नेते हैं न सार्के माहे पार्ट पार्थ पो माहे हो। यह रमाये पुरा हे न्द्रियादशःग्रीःअगुवाशुद्राङ्गित्।विवेदेःकरःविद्या यनःमुः बुरःर्ने स्वा मे 'दर'। धुस्र'सर'ग्वत्र'दर'श्चेर'ग्चे'स्र्रा'नत्त्र'त्त्रुर'ने स्रास्रु' भुग्रास्र सुया ग्री वे वा प्रमुद्दा या या सुरास्र प्रमा से साम साम से सा माया धुसाम्री सार्वे दार्थे हेना या नित्र हे सक्त नाधुर हुर द्रमय हु भ्रयाध्वानु नया विदान्या विदान र्स्या नस्त्रम्। नदुःग्रासुस्रान्यः स्त्रिनः न्द्रिनः हः बदः नदेः सदः वी सुस्रः नव्यास्यस्य सर्वे प्राप्ता वे प्रोत्य वि से प्राप्त वि से यायार्श्वेतान्यवाराष्ट्रान्यदेश्यरार्श्वेत्त्व्यार्थान्यकुत्त्व्या र्हेग्रम् केत्र द्रायं स्थाय स्वाया ने स्व सुद्र मिले के वा र्षेत् पवर सळस्य रावड र सार्वे रावर विवा क्षेत्र र विवादि र रे वा या हिंग्या केव रेग्राश हैं ग्रायायवा क्षेत्र द्वेव पर्द एक त्य क्षु वसुव द्वाया है। केत्रर्भे महिरासाम्यम् र्भे प्रसासी स्थाने स गुन्कुयायासळन्नहें दिसाबरावी स्वाप्तितादिन या ब्राम्या हे के द'रें हैं 'रें 'सुग्रायायदा न्गुन'र्ये है 'सु इगिहेय'य'याय ग्रीय हैं न न्सॅन्सानराख्रामाञ्चनान्याने। कॅसाहे क्रेंन्सरानेत्न्त्राकेंसा यश्रिस्या दे:ब्रिंद्रायास्य वर्ष्य म्नीर-र-शुर-व-नत्वायायायाः कृत्रो यार र्डमामी स्वारेत सहित सहित वर्गाम् शुर म्रोट्स म् १ त्या वया वर्षे वर स्र-र्ज्वित्वर्याम्स्रराटमाःव्यान्यस्यावमाः नत्त्वत्रस्यः स्राप्तिः नेरावनुसामसाधुनारेरानु नसूरा नेप्त्रसामस्मित्यार्ज्यार्सरानी मुयार्खे सुर्यात्रयास्या हातुरायर इरमा नेरासर्केन्।परासेगा रायायुप्रासुम्बर्भायम् निर्मान्य स्वर्भायाय्य स्वर्भायाय्य स्वर्भित्रे स्वर्भायाय्य स्वर्भित्रे स्वर्भायाय्य स यायनेनश्राणी पर्वाप्यशाम्येर विंगार सुवात्यश्राणीया सळस्य राज्ञानर व्यामया हिन्ना होत् स्टा हो तुः कुन्न नु स्टा हो साम्या होना ने सामय्या स्था न्नु सामासहै या दाप्ता मान्य या प्राप्ता यो या है । यह या प्राप्त न नुस्रमा न्नास्य मुन्य स्थान स्थान

त्रुमान्यान्य विषयात्रमा दिः क्रिमानि । विषया गश्रुरःव्यासहेय। देव्याङ्ग्रानःष्ट्राययाञ्चराययाञ्चित्रार्देखस्यकेना यर भ्रेश अर्केन वर्षा के अर्थन के अर्थन के वा के ना में ना के ना क वेश ग्रम्भराद्या म्रम्भराउट्र क्ष्ट्र न्यर तुर्भ द्र हिर वु न रहेग्र द्र न वर्षे म्नेट नुषान्य विषाया श्रुवायया लेया स्वाउद नी म्यावया नुहा स्वायदे वयात्रमा दायाळे माने मादिमादिमाद्रमा दे से सके सुमाया मया वया वया द्या र र्येगान् से रहा लुका प्रका हिंदा मा से हिंदा में से से प्रकार के का भूदे सळ्द हे द हे या नविया सर वु वु रा स्या भ्रे वयाया याद्य या शुरा दर चलानाधिताम्बर्गास्ता देन्त्रम्यास्तराधराधरास्त्रम्भूरात्रवार्धाम्बर्गा नमायवासेन् हेरासहेमायर शुरा ध्रायान् मुनामायेवान् हें वामाया यासवार्सिते होत् क्रुन्य भीवा ग्रम् सहिता हे त्या स्रास्त्र हित्त्य या न्यात्र वन्नाःकरःसहन्त्रभानक्ष्रिस्रभागस्य कुरःधिरःवरःनश्चे नुस्रान्दा हिनाः रायार्चेवार्यारासे द्वार्थे द्वार्थे द्वार्थे द्वार्थियाय्ये स्वार्थियाय्ये स्वार्थियाय्ये विष्यात्राच्ये विषय र्केन्न्रायम् मुद्रावयात्वयात्वयात्वयाया हिन्न द्वार्वे स्थायात्वरायने क्षेत्र:श्रुट्रान:धीव। दें सळ्द्र:छे गश्रुट्र। श्रु रःश्रु:सुत्र:वें ख्रु:नत्वाश्रादेटायः यान्ययः प्रयाः त्रयाः वितः वितः वितः वितः वितः वितः क्रिंग न्यूर्य म्यूर्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

मकेन्यिकेमायाम्यान्यान्या मान्याया मान्याया द्यमाखेत्रन्द्रन्वरुषायाया हे सूर्यमित्रे नसूत्र वर्षे शळ द्रमित्रे माधे माधे । योर्न्यम्ति अकेन्र्स्यायाः भूष्र्यायाः स्वाप्ति । यस्यायाः वर्षित्रअः धरः अह्ना ने व्यापाववः नुः श्रीयः नुः वर्षे वरः व्याप्या अः वर्षेः नर्रदे श्रुस् म् बुर्ग श्रुर्ग र्यु । वर्षु मा वर्षे स् राये स् राये स् राये । वुरा त्रुः अदेः गशुरः ग्रीशः र नभूषः न वरः षः नहेतः षः वनशः षशः श्रुँ रशः गश्रम भ्रवानवर्गे इरार् वेंबावया व्यायया वर्षे भ्रमानवर व्या नमा भूषान वर्षित् हो नमान्त्र हो नमान रायाबिदायानहेन्दारिक्षेत्र्यायान्त्राच्या अरावे बुद्दा विदाररास्य पुत्र नःसर्दिन्यःवर्त्तेःर्नेनःश्चिन्यःवर्ता देन्यम् ने स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास्त्रः स्वास् कुंव व हैं ग्रायाय अर्थे न हे गाणिव हो। ये रूट र प्रत्याय परि र प्राये ग्राय मया ग्रावर वयार्थ या सर्मायाया सेर सेर या शु र्रेव वया इया म ब्रम्यामया मिन्सिंडिनाहिन्सुदेः श्रेंनायाधितः वेना नः हेः नद्वतः श्लेनः वीः वेयावर्षः श्रुः सुरः र्श्वेदः याद्या श्रीरः यानेयार्थः वेदः वर्षा देरः द्वेद्रश्रः यः क्रियायाययाम्ययाम्ययाम्ययाम् वित्रायाः वित्रयाम्य वित्रयाम्य थे अर्वे दिया रे विश्व राज्य विश्वित्वरात्र स्था में मुंदि हो है मुर्थ राजी वित्र स्था नरःसहि भुःनर्रेन्ग्रहित्र्यः भुेषा हत्त्वाः छ्टः ठेवाः नश्रूस्रशः सुरः षासाहें सें त्यासुत्या नार् रानहेन रचा नात्र रात्र नार्न रात्रे तर्न सा वन्नावन्यस्न्यस्न्यस्न्यस्न्यस्यः कन्यीः मूर्द्रियः हे। क्ष्यदे वस्र स्वर्ये स्व न्यमान्त्रेन्यान्रास्य स्थान्य र्शेवायाया वृत्। नेरावराळन् वयया उन् वेवा क्रीयाया स्वायाया वयास्रायतः यास्त्र न में रामा निवासी में रामा निवासी में निवासी में निवासी में निवासी में निवासी में निवासी में ग्रम्याचिम्या देराधे ने सासमें दारी नियामाचिम्या दे पुरायस हुरि न्दः वेद्रशः श्रुन् व्यापार्वे दः देवा या या या या या या देवा विद्याया विद्याया वशहे नद्वा रशकुर प्रशानि र नु श्रुश प्रवे रे श्रुं स्रश श्री र नु न ग्राट ने रेश र्वेता नेते के नग्र लें हैं शु इन्गु राश शें ग्रु धेता ने त्र शर्में में रश्यायास्यानु र्चेत्रत्रश्रेत्रे व्याची मिन् रत्या विन् राम्या डेगायन्गायास्ता नेवसा गुः सूरसान्दः कुः र्वे से त्या स्वासाय प्यान्य स्वासाय रे'नत्गमा वर्ने'हिट'र्-र्जेन'नमार्केममार्केम'ममा भ्रेट'हे भ्रे'नदे वनर्यातु वेर नदे थी में सुयान्या सुम्यतु त्र ते साहे रन्य हु वुर विमा

गश्रा क्षेरहे य र्गम्भ ने सर्वे देव देवस स्ट्रिं य न स्ट्रिं ८८.६.५४. भूषे १८५८ म् १८५४ म् १८५४ म् १८५८ म् १८५४ म् र्ग्नेटर्न्थायह्या देख्ययात् न्नायावट्यी दुटर् र्ज्नेव्य क्राह्याया स्था नमामहेम। भ्रेट हे भ्रे नदे वनमा तुमामम हिंद या निवस्ता न्या न वर्षाश्चेराहे हें हें निया अयावरा श्चेराहे या विया अक्वर में विवा हे शाग्रारास्य हु: हुर ग्राश्रर नशर्मो रहं व्य ही अपित में नवर न व्य त्या विश्व न स्रेत हैं ग्राश ग्री अपित् में बिट रूट में अ अहं द द्या द्या प्राया के अ अ द ह या शुरा त्य के या क्रियायायहर्ता ने त्रयायार्वर सुर्यायान्य संस्थाया स्वर्धिया से दिन्दीया से दिनीया ग्रन्तं।पःद्धंतःकन्न्।भेन्नंप्रन्ना ग्राव्यःश्चीःव्यन्यःश्चीन्नेतःव्यनः नर्सहर्भात्रा विष्यान्यस्यस्य सहर्भात्राहर्षात्राचार्वास्य नन्भुत्यन्यः सँग्रास्यन्यगः हुः सेन्यः सहन्। वनुगः हुः नर्गेत्यः यहनः नशर्वे दे हिर्य श्रुवारी श्रूर हम श्रेनश दे त्र श्रायर शास्त्री वारा इसरा शुःदर्शे देव या र्श्वेव विदाबद से ने या प्रदे दिया ये शुदान से या शुर्मिया य श्रे नेश ग्रद्धा स्थान व्याप्त विष्य के स्थान के स्थान है । শ্বুবাদা ন্নামবি:র্মমান্যুমানার্স্তমান্ত্রিমান্ত্র্যান্ত্রমান্ত্র্যান্ত্রমান্ত্র্যান্ত্রমান্ত্র্যান্ত্র 

स्र्वाः र्से न्दः हे से वार्थः स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वायाय स्वयाय स्याय स्वयाय स् ग्रीभागश्रदानवे नगव ग्वदान्य वर्षे स्वित्त स्वीत सम्बा श्रिन श्री श्री हिन यय नर्डे नकु ५ ५ तत्तु ग नि दे नु क्षेत्र ग्री या या विनाय से ५ नु न नु ह है। वज्ञुगायायामिन्यायादे र्श्वेस के दाधे दा श्रे देश देश दिस है । ग्री:ळग्रश्यूटर्द्रायश्च्यायास्त्रेद्राचेद्रात्त्र्यायः विद्रात्त्र्यायः विद्रात्त्र्यायः क्रिंश हे प्दी दी द्रमण दूर्रे प्रदेश हुया पर म्यामा अपिटा स्या केर देश मायादार्ह्माम् । देवसाभुक्तिवदेवे भ्रेत्रास्य हिंग्यास्य सम्वादार्थे थ्र नडुः इःगडिगः पः थुग्रायः सें खुग्। ची : न हु रः ह्वा चः स्ट्रियः ग्रीः सरः रेदिः से यः नडुदे में रहराया विवासा वार्टर नतु नदे हेत पह दे गुर रहरा हो ग मी कर नन। क्षय के नार है जि. हा नाडिया या क्षुत रस्य ना वे नार ग्री क्षु है जि इयाडेवार्ड्वत्रस्थारळे नरख्र रुपातुर हेवर् प्रविवासर्थे । यदिस ग्वितः र्नेतः क्रुं केरः न्रभुर्यायिः श्रेतायिः यकेषाति। दरः रेतः केषाः श्र मुद्राचित्रभा नद्रातु के ना मुख्य राष्ट्रभा वास्त्र के ना वें में द्रापित्रभा ब्रेशः शुर्दे।

ने यः श्वः ने नि नि स्वास्त्रः स्वास्त्रः विष्यं नि स्वास्त्रः विष्यं स्वास्त्रः स्त्रः स्वास्त्रः स् कैंश हे 'ग्रह्म प्राप्त प्रमुद्दाय हैं द्रार्थ के शहे 'ग्रह्म प्रमुख प्रमुख विद यवाःश्वरःकुः त्रं त्रावः निरायः श्रे वाश्वरः प्रायः विद्याः विद्याः कुः त्रावः विद्याः कुः त्रावः विद्याः कुः त्रावः विद्याः विद्याः

दे त्यः श्चित्र स्वितः स्वतः स्वत

मुद्रार्थात्मनात्वे। द्रार्थात्मद्राप्तात्वेगाः प्रस्थान्यते । व्राप्तात्वेगाः व्याप्तात्वेगाः प्रस्थान्यते । व्याप्तात्वे । व्यापत्वे ।

सह्तःस्य मु: प्यायायः प्रमुद्दः स्रेतः सुदः स्रितः सुः प्यायायः प्रमुद्दे । । स्रितः स्रितः

क्रिंश हे मार्ड र पार्श मित्रा शहेश शु पूर्वे द र श प्र र श शेर मे श

यान्त्रस्यस्त्रप्रधेति। नेतिःनेत्रय्याः विवायाः हे सिन्द्रस्याः स्वायाः स्वायः स्वायाः स्वायः स्वायः स्वयः स्वय

र्श्वरम् १ व्याप्त १ व्या

ञ्च त्राच्या वर्ष वर्ष मुन्द्रवाय सेट वोदे सुस सुस्य विद्रस्य विद्रस्य विद्रस्य विद्रस्य विद्रस्य विद्रस्य विद्रस्य

नेश्वास्त्राक्षेत्राचित्रां क्षित्राच्या क्षेत्राच्या कष्टाच्या क्षेत्राच्या कष्टाच्या क्षेत्राच्या कष्टाच्या कष्टा

यद्दः याद्वः याद्वः स्वयः द्वः स्वयः यद्वः स्वयः स्वय

## ञ्चन'वनुन'ने'ञ्चनका

र्वेगायान्दानरानु के नानि से लाद्ये निर्दे नुष्या निर् वररेशस्त्रिं। इस्रायरवरायंत्रेग्रिययानरस्रस्त्रें। विस्तरस्ते नःर्वे में न्याहेशयथ। केंशहे वें रस्य पति। यानु न वें त्र प्येत प्रस्ते यश्यक्रव्यक्षाश्वराष्ट्री मृत्र्रमी म्याश्वरक्षेत्र शत्रा यम मृत्र वर्षे म्य <u>ध्रुयः ये मात्रदार्श्वेदः दे त्वेयः ग्रुपः मात्रेयः ययः ययः येदः वया हेर्ने व्युप्य यहेर</u> केन्सिरेनुरानुः अर्केन्यासुयानेन। नुःवनुरानराम्रोयानानन्नायम्। शुव रम्यायवियाया ग्री विव स्वयं यया यया युवाया स्वयं प्रवाद में प्राप्त वर्षा है। ये.स्.जिया.या.स्.यक्ष्यमा क्ट.रे.यम.क्र्या.या.क्यामा.स.याहे्यामा त्रेश्याम्बद्धाः हे सेदि हु यद्द से मत्वामा में द्वाद्य संस्थान यर अधिवा वें न इन्त्राप्य के शहे न इन्य न विन्तु हैं व या या न न या र्वेन केर नश्चेत नगुर केर गुर्भ न इन्त्तर पाय हे में र स है वर र नुस्रयायायेनसामिके प्याप्यसास्रयाम् स्राम्य । वर्षे नकुन् रायार्चेशवश्रुंरार्वे त्युरातुरातु स्वापन र्ये स्वापने त्यारा रायार्चे रायाय्वे राया वे नियर धुर्गा नर्हे व वर्ग्युय स्थिति । दे व्यय हे में र स्वरे हुव स्टर्म वर्ग्या ध्ययम्भानभ्रेग्राम्या हुत्यम् हेते वियानम् नरक्तान् से वर्षे प्रमान

यव्यव्यव्यव्याम्बर्यः ध्रयः र् मुँवः र मुं यः मुं स्थयः ग्रीयः नवाः सः नशुयः वया भ्रुग्रायः वह्र्याः यः व्यायाः व्यायः व्याय नमा हेते सुन स्र में राजे में जी पातृ राजें पार राजे पित पर्ये कित पर्ये किया राजें कित पर्ये किया राजें किया विश्वास्या दे:र्श्यास्य वश्चेत्। विद्यास्य उत् क्षेत्रेश्वास्य स्या कृतः सहित्। देवे क्रूब दे के शहे में राया ध्या ५ क्रुब ५ र या वया के या वित्र नक्री या है वर्तेषा इस्र भागी भार्के भा हे 'वें दास्राया वर्दे 'वर्त्तर भारते 'रागाव पात्र दार्दे भा बुर्यायया गान्यायवार्रा मीयायरे नयाया बुर्यायया रायके नदे के हिर हे नर्या र्वेषा श्रे निया श्रें माया नया ग्राम्य न्या स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्व र्शेन्यरायाशुर्यायया देरार्केन्यरायात्रस्य उत्त्याश्चुत्रः स्तर् देरा यनवार्श्वेष्य्रायात्रम्य विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात् विष्यात्र विष्यात् विषयात् कें वर्ते भ्रेते सें भव ते सेर भ्रेत मार्य र मार्थ र म वर्चनारिस्नामास्त्रेम्। स्वरात्तर्वेषा र्या स्वरादेशम् स्वरादेशम् स्वराद्या यर्रे इन्यायार्शेषायायायव्यविदानसूत्रया नह्यायिष्ठेयाद्रायाः यःश्रेषाश्राप्तते कुन्ना रें ज्ञायाश्रेषाश्रापते वना केंशन्ता नने सर्केषा यः श्रेंग्राश्रास्ते श्रुवामातुर स्राटानु म्याया ने त्रश्राध्यान श्रुवामा स्राप्ता । विता रेट रें र अ वें त पर प्यय प्यय क्ष्य के अ हे प्यें र प्र प्र य क्ष्य र ग्विट.रे.श्वेय.रट्या प्रिय.हेश.हेंट.चक्चर.चक्चेश.वार्ट्यश्य.य.

नश्रमाश्चीश्राधी विनामास्य विगेष्ट्वा इस्राम्यायदराक्षेत्रास्याचारास्य न्तुःके:न्दःषशःन्देवःगुवःषःवनुषःनःह्यःनव्नाःन्दःदेगशःनवदःदेः स्यावसार्क्षसायित्रान्त्रीत्। स्याधारम्भवत्र्रीत्रावन्तर्भेत्रा यर न्या यर सहन् अवय निवे विक्र केंद्र केंद्र केंद्र विन् ने से दे से सम् उट्-क्रिंश-स्वित्राश्चार्श-स्ट्रिय-स्ट ग्राह्म प्रमान्त्रम् । म्याया व्याया विक्रात्में विक्रात्म विक्रात्म विक्रा नु:कुन-नु:सहन्या विसायवे बेसाश्चरमा रसामुन। ग्रास्टान गर्नेर यानकुः इत्याळगाना क्षेत्रयान उत्तन्त्र यहिता हेते विषान्या हिताया न्यानरुदादि द्वययान्वीयाकु सेनाने। श्रनाययाण्यान्वीत्र्वानुनादाना शुन्यमन्यानवदादि इसमार्थे नुगानी नरन् शुन्या ने नमार्वे ननेर सहर्तान्यरा देवशकुणारकीत्राहित्यास्यान्यर्भेग्रायर्भे क्रूर्याश्रम्य मान्त्राम्या देरम्य श्रुव ग्रीमा ध्रम्य स्थित श्रीमा स्थित स्थान यान्यान्ता यकेन र्योग्या श्रीया कवाया सूर होन पान्ता सुया पानीया वदःक्ष्यश्रकेः यः दृदा श्रुवाशः सुदः यः श्रेवाशः यदेः ववायः स्रेवः द्ववार्थः सुदः षद्। मुः अदे : अँ अ : गु अ : द्रद्रा यय : वर : वर अ अ : उर : द्रे ने : श्रु र : श्रु : व्री : श्रु : गुरा ने न्या नार्ड र नु हे दे विषय मुर नु हे विर मान्यय प्राय स्तर नु मायवा

न्तुश्रासु र्केश विदे तुरन् । विदासुर विदेश से वाश र्केश स्थ्या ग्रार सक्समार्यरमायम् वृत्तिः भुः सः सः या वित्रमा देः वयापरमामी हे से हें से में यर नवुमय प्रया वर्के न दे से दा है र र यारशासुन् केवार्से सुन्दवशासुः से प्वीन प्यान सुन्द से न्या प्यान स्वाप्य स्वा ८८। रे.चवेव.रे.हे.सं.चारश.८८। शे.सं.हे.८८। श्रूर.लट.हे.सं.चारश. वर्त्युद्रासेदेश्वरःळद्राव्यःस्वार्यायद्वा द्रगावः श्रुवः ग्रीः वोवार्यायः स्वार्यायः म्नें वियायन्य या सार्थे मुदाया मुस्या मुन्या मुन्या मुन्या मुन्या स्था सें दिया वराणे ने या ग्री सून या मुया सर्वा पर ने या रा के वा री पर एवता सु यात्रस्य राष्ट्रराष्ट्रिया सुर्या सुरा नसूत्रा राष्ट्रित यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र यात्र न्नो प्रमुक् अर पु प्रमुक्ष प्राम्म अराय क्षेत्र या निमान कर के प्रमुक्ष प्रमुक्य प्रमुक्ष प् यर:र्-अहर् कु:श्रेमार्म्यर्शें प्रा निरः भ्रम्यप्रा भ्रम्या श्रम्या श्रीयाप्रा <u>५तु:रे:व:श्रेग्राय:पवे:५र्गेव:य:य्व:रे:यहं५:वर्याव्व:रेंव:वश्रुट्या</u> <u> इन्। सर न्तुः रेर कें नितुव नत्वाय प्रथः कें नय प्रदर क्रेंट खूना उया</u> वर्षा श्रेंग्रामने वहिष्यामा उदाशी मालेद प्रमाने प्राश्चित श्चर्यावम् रु. प्यारायहेग्रास्य र्या श्चे रेते ते यस वम्यहं ग्रस्य य र्शेग्राश्चीत्राम्हिराधराकुः केरासहित यदीः त्रशानस्यशान्यशान्तरशा षरः सरः नुः वर्तु यः नः निष्टः निष्टः मुह्यः यसः वर्षा भ्रेषः भ्रुटः रेषः यसः नर्नेन्द्रमः हैं से स्पर्नेन्या नर्षेत्र र्सेन म्रम्भ उन्तर्भानेन्द्रमा वी वर्षे द्राया मुद्दा दे द्राया सुद्दा स्वाद वी वि व्याद्र वाद्र वि व्याद्र यर.रे.यबुरमा रे.यम.कुँ.यया.मधर.कर.वूरी मधर.कुरु.कै.धर.यर. विष्यानी अवियान इस्र अप्यान नियान सम्यास्य अपित यो से मारी क्षा सक्त नद्वाया ने न्यास्त्र नुसम्बद्धा स्त्र न्या स्त्र स्त्र न्या स्त्र न्या स्त्र स्त् मःयान्त्रमा देःवयः येदः वोःदेदः येवयः वया देदः द्वोः श्चिदः वश्चवः यः इर:बन्'क्ट्रेन्'प:इसर्थ'ग्रान्'क्ट्रेन्'नर्हें थ'ते न्'न् दुव्वा'न्य'र्न तुन्'क्ट्रेन न्द्रभ्रात्रकुर्द्रस्यायानदेरसर्केषाची न्वद्रास्त्रे के कुरुष्य विषा ग्रह्माव्दा दे वयानुयायर्केन् केवार्थे यहन्यया ह्याना सेन्या होना न्या है या सेन्या ह अःकवाःचरःवाशुरशा धुवाशःसिः वितेःवेः त्वारः वे वाः दुः इः निवः सः त्वाः वः न्ना प्रते के अहे ज्यादेना व्यानिम्या हा न हिन्स दे के अन्व देना व्य भू यार्ट्रात्वारायास्यायरा श्राराया श्राराया स्वाराया स्वराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वारायाया स्वाराया स्वारायाया स्वारायाया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स यर-५-भ्रिता रें-सर्खर-नदे-क्ष्र्य-ग्राम्-बार्य-ग्रीय-से-सेन्। नेदे-सेय-नरु-गठिगायार्थे, यंगाक्ति, यंगाति प्राप्ति प्राप्ति

वॅर्स्यामियायाहेयासुर्नेत्राचेर्त्राचेर्त्राच्याम्त्रायान्त्र्याम् श्चे वार्विर्द्वापर मुळेर सहि। युन विन सर्विद प्रेमाय स्वापारि सर्गेत्र में त्री धुषा श्वर स्नेत्र हो हो ह्या विस र्योटा धरा हिट में नर्से द्वस्य न्ययान्तायुरायदे से हि यदेव न्यया ही स्रमासु सार्वे यद्वापाया नक्ष्रमा नदे-रुश-शु-धुमा-दुमा-प्युर्-रुश्य-विमाम्बिम्या अर्क्षद्र-नर्शेर्-द्रश्यशः यसः मुत्र-तुः वेत्यपरः देन्याशयः तुः वर्षे रः सः वर्ने ना वे विः व्यवशः श्रीसः रम्भुभाशुः गुम्द्रास्य मेथा वे पुनान पुन वे स्थान वे स्था ब्रे क्रेंब अटश कु अद्रा ब्रे क्रेंब अर्वे व रेंदिन वाधु विवाहें कु या था र्शेग्रायायो में ग्रास्ट्रायदे के राग्रादाया हैं या है दार राह्य राष्ट्री राया है नन्। ग्वन्थर्गव्न नर्भे ग्रेर्चे न्याया स्वाया प्रमाया स्वयं उत्यार वेवा हैं गब्रम्थ यः र्सेन नक्षत्र या स्वाविन न्रम्वन न स्वाविन न्य

स्राप्तरास्तरः नेस्रा कें प्रज्ञुः कें त्रा दे कें प्राप्तरः कें प्राप्तरः विश्व कें प्राप्तरः नुन्सेन्पर्नेन्नेन्न्सर्हेर्यायार्त्रेयान्याय्यान्यः नुन्सेन् क्रूॅब्रायास्यानु शुद्धात्रयाधीरा वेयास्यायशुद्धात्रयाय्या विष्ठा व्या नश्रस्त्री क्रें अन्तिविन प्रस्था वृत्। दे धुवा के वाका शुः अळ अरु न्या र्ये ग्रुम हे निर्मे सम्बा रेत से के सम्भेत ग्रीम सम्बाधित है । नरः ह्रेंग्या विंसुः वें नः वः ग्रुः वरः नुः से समाने नः रामा विंसुः वें नः वार्या विंसुः वें नः वार्या विंसु केत्रवर्त्वु प्रत्यु इस्र शत्यु स्र्वाया हेवा वे पर्वे प्रद्या विष्यु पर्वे प्रदेश विष्यु विषये नदुःनतुन् ग्रीःनरः ग्रुषा देःन्षाः न्तुः रेःनवेः क्षृनः पाण्यम् न्याः न्तुः रेरः बुँव्यव्यार्थाः वक्कुन् श्रीः वरः वर्षेव। विवः तुः श्रुवायायः वर्देवायः यरः श्रुदः व्यायनुगायिः के या भूरान्तरानगायः वस्या उत् केरानराग्यम् वे छे। नुःयः यान्त्राम् वार्मे वार्मे वार्मे केवार्मे सुदानया यन्त्रा यहार स्वार्मे वार्मे वार्मे वार्मे वार्मे वार्मे न्ययाची नम्रेन्या मुखानमान्या व्यान्या व्यान्या व्यान्या व्यान्या व्यान्या व्यान्या व्यान्या व्यान्या व्यान्या कॅग्नाम हुर विर विश्वास्य ग्रामके नर हुर। क्षेरे के नर हुर हें नर हुर कैंशासुराक्र्यशासुपद्याप्त्युरासहित्ते सुग्रास्त्यासहित सेटामे दिरा न्नरः संकित्रः सहन् प्रवे के विर सेन् प्रत्नित्त स्त्रीत्रः व से विर व स्त्रीत्रः व से विर व सिर व वश हु:नःगंडेगःगे:नर:नुःश्वाःमःगव्दःवशःन्नरः धरःर्वेग अपविःर्वेः क्रूंत्रस्याचा सम्बर्धेत्रस्याचा सम्बर्धेत्राचा सम्बर्धेत्राच वर्षानात्रवा क्षेत्रान्येव श्वानात्राव क्षेत्रायाळ दाया में दाव्या के या थी। या न्नरः कुन् इसस्यायास्य र्सेन न्येन स्थायास्य न्युःसन्दर्भः स्थेन्दरः য়ৢ৾৾ঀড়৾ঀ৸য়ঢ়ঢ়ঢ়ঀয়ঢ়ড়ঢ়য়ড়য়য়ড়ড়ঢ়ঢ়য়ড়ৢঢ়ড়ৣ৾য় इसरान्यस्य स्थान्त्रस्य स्थान्यस्य स्थित्यान्यस्य स्वाप्तान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य इस्रभःग्रम् वर्ष्णः एःस्रम्भः क्रुमः द्वेतः स्रभः वर्षः बुर्या धरःवर्धेवाचीः श्रेंवः द्वेंबः र्रेवः श्रेंबः वः श्रुवेः वश्रुवः वर्षेत्रः त्र्या स्वा ष्ट्रिट रहंट निये नु रहे व निये व सके वा निव रहे व राय निया रहा सूत्र न कु न र् र् निया इस्र त्या क्षेत्र देव क्षेत्र पार्वेद त्या क्षेत्र पार्वेद से प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त के प्राप्त क्षेत्र प्राप्त के प्राप्त क्षेत्र प्राप्त के प्राप्त क्षेत्र प्राप्त के प हेर'नन्ग्रा हैं'य'यर'अळंद'हेर'ग्रे'न्तु'य'ह'ने'य'र्सेग्र'रें'ने'यर' र्रे दिर्। स्वार्थः ग्रे त्रायिक्राया स्वार्थः स्वार्यः स्वार्थः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्थः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वर्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वर्यः स्वार्यः स्वर्यः स र्देर्न्स् वार्षिर्देशम् वार्षे नश्चर्यान्य निष्ठिष्ठ निष्ठ वार्ष्य विष्ठ सम्याश शुर्म्पत्रा विर्वेश सिंद विश्व स्वाप्त गुर्भाम्य। भ्री:इस्रमान्दे। नद्वन्कुर:वर्दे:वर्द्दे:वेशःस्वाके:नःवह्र न्वर्यास्य भीता वेरावया वह्यान्वर्या सर्वेत्र स्वाप्या के या हे वि

या श्रुदा श्रेष्ट्रा श्रेष्ट्रा श्रेष्ट्रा स्थाप तथा दे द्वा स्थाप श्रेष्ट्रा स्थाप ममा हैंन् सून् ग्री सळसमागु नु खुर नु न्वें न दु ह गशुस्रायायायायास्यानेगम्। र्नेन्ट्रिं वित्रक्षाय्यां स्वाकंषास्य यव। न्नु-दे-ढुंव-ळन्-नु-ब्रिंय-यन-से-ळेंग्य-प्रदे-सेयय-उत्-ग्री-देव-य-शेश्रश्चित्र'न्द्र'न्द्र'न्द्र'न्द्रम्यान्यश्चान्द्रम्यान्त्रम्यान्त्रम्यान्त्रम् ग्वितः देवः वर्षः भेषः यः व्या वर्षेषः सहरः प्रवेश्वश्वरं वर्षेषः ग्रहः स्वायः ग्री'न्नर'क्रुन्'वर्षोव्य'स्रव'न्या'यो'र्भेन्'न्न' सक्वंव'हेन्'ग्री'यात्र्र'न्न्नि' नसूर्यासर में निर्म से नियन निर्मा स्थान स्यान स्थान स वहिना हेत ग्री नश्रूत नर्डे शासर में निरा शत् मु श्रून नर्जे नाय सेना शासरे नर्विते नर्वत्र नर्वे अया स्ति प्राप्त क्राप्त मार्ग कि अपने प्राप्त स्वरंग स्व यंक्षेत्रः हुः सदः नदः नहस्रम् कुः वृषाः देः देः हुः सूदः पदः हुँ वृद्धे । देः सूदः स् रशक्षातकुर्पाक्षश्याश्चर्पात्रुगार्दा केर्पाक्रातक्षातकुर्पा इस्रश्रात्यः क्रेंत्र त्र्युवा छे शः यावाशः प्रश्रा त्र्युवा क्रेंत्र वाव्य प्रस्रशः उत्ते । यिष्ठेशः श्रीः यास्रेतः तुः विस्रायः व्हार्युक्तः स्वी । श्चरः विद्युवाः योः श्ली ।

## कॅ्रिचें दायातुः के वादान क्षाय विष्म्रवा

केंश्रा शे हे में दार्क प्रभाग में विष्टे हैं है। कें निया दें कि प्रमानित

लय.के.कत्त.सूर्ययोश.८८.लेश.बीयो.सू.८८तत.क्रिय.यो.४४.मी.सूर्य. <u> स्वर्शेर्यायया सेत्यार्थे त्वर्शेत्र्यं नार्थे त्वर्णे स्वर्शेत्र श्रेत्र श्रेत्र श्रेत्र श्रेत्र श्रेत्र श्</u>रेत्र श्रेत्र सळव्यमें वर्षे प्रमण पुष्पाया भावा स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स् लुट्र-ट्रिट्रा वाश्र्र-स्रुव्र-प्रश्नात्यायाया श्रुवाशाय्त्रीवाशायदे प्रश गर्विव रित रित में रित रित रित रित स्व नेरःश्लॅं नः नर्रेन संवुष्णाययारेया श्लें नः नर्रेन श्लें नः पान्तुः या श्लें नः नर्रेनः धुःभेःनःयःश्चेन्वह्य श्चेनःनर्भेन्विन्वरःयःवर्षेयःहरःयाश्वनःहै। ययःहेनः ळ्र-रेश्याद्येव.त.वैर्। क्रेश्यत्व.वीश्यःभूर-रे.व्येव.वश्यूर्यः र्श्वेत्रायमार्वेत्रायहन। ध्रयात्राक्ष्मायद्वारा होत्रायो के वार्य स्वराह्य यानव नवे गुर वयारे क्या गीया नर्गेव पर खर मी कें या है कु रया या यानेवाराराया भ्रेटवरारटार्डेंगायावीवारा ग्राचिरायायाराया यक्षव्रः व्यान्य व्याप्य व्यान्य व्याप्य व्याप श्चित्रया बुवा श्चित्रा बेरावा केवा त्या त्याया ही त्ये वर्षा त्या व्या स्वारा हुन्य कैंग्राकें राग्रुट न न्दायह्य ने न्दानु न्या हु तुर सक्त सर्गे व से हैं। हेर-पन्नामा अहलारेमाग्रीमार्क्साहे विवादह्यार्दर विदाश्वामाया ननग्रा देरमहिंरप्तराहेगाम्बर्यस्थान्त्राहित्वगाहिः भुः इपिनिमाहः रोसरान्भेता रोसरान्भेत्रकेत्रों इयादर्दिरान्ने। युवारेनाभ्रेया र्श्वेरा वनशायशर्शे विता रें र्श्वेशशर्शे प्रश्चेषाश्चाराश्चरर्शे रनश्चर्त्वा क्रेमार्क्रम म्यार्श्वेराययाम्याम्यायार्थम्यायार्थम्यायार्थम्या यः श्रें ग्राश्च न्यः क्षें ग्रा ग्रें श्रें श्र गिहेशसायार्शिमाराम्बर्धराउट्गीख्टाम्बर्म देव्यावनुमानुर्वेद व्यः त्रुः नः नाशुः अः नुः त्रुः नुः यहः न्। व्यायः व्यायः व्यायः श्रीयायः अदः नुः यायवा न्नो पन्त श्रु दे निरन् प्राप्त वा पर्ति । स्यापा प्राप्त वा । यम् कें न्यह्न प्रमाञ्ची नायान्या प्रमे ह्या या चुरा वर्षे । स्त्री । स्त्र विश्वास्थान्यवराव्यान्त्रः द्वाराष्ट्रीत्रायाः ग्रीः त्वायाः स्वारास्य विश्वा वर्त्रेयालुया वर्त्ते। सिरानु निरामें रार्के वाया के या वाया के या निवानाशुरन्यत्य हिंद्र शे विद्राह्म स्यानाशुर्। ह्य लुयायया देव नुःश्चेरःद्धवःकन्नुःश्चेव्यव्याःश्चन्यःयःन्दःयद्ययःनःयःश्चेन्ययःनःन्दः सहयानमागुराकें माहे रस्यामाया सें मानु माके रासें दा दे द्रमाकें माहे वे श्चायन्त्रन्न्त्र्वेत् र्रेया हेर्रास्यायात्र्यम्यानेवाया यर्धन्नेर्वेया ग्राम्यानि से प्राप्त विकेते खुवाप्ता इं व्यव इं माया स्वाप्ता विता शुःगुनःहग्रायायारे प्यारान्ध्रम् विन्यम् हं त्यमः इत्यायर्वे स्या न्सॅन्याने न्यायर्रे रामने वित्यावर्रे रामने वित्यावार्या ने राक्षेत्रायायायाया शुन्देर होत क्रम्य ग्राम के नम हुम। क्या वहीं माय हो के शिया वनया इन्दर्भिन्रविष्वे प्राचन्त्र भीता विष्यम्भेर्दिन्त्र रेव्यायया । क्रिंग मुद्र ग्रीय निस्त्र न्या या द्वार हुं में र नर्से सया प्रया है । पर हे या यरसासुरा सुर-वेद्-दु-सेवसाहे द्वाया से द्वाया बदा वी द्वीया दु-सेवसा उ'त्यार्शेषाकु सेन्यमा सुख्या ग्रेष्ट्रियमा वित्यम्युर्याया नेर्येत् र्रे डिना हुर न या नित्र र न रा शे रेदि श्रुया या हिराया न वर हु। यह र्षेदा न्यानुयामया मिंत्रामे। होन् केंयामायने इस्यायने मिंत्राधेता नगायाम श्चित्यान्त्राम्यःश्चित्वेन्द्रव्यान्त्र्यान्त्रान्त्रा श्चुःयवे श्वाप्यावः श्चितः वुरावरासुरावेरार्चेता सेरारेरारानी वक्कायन्यार्वरार्वेदार्से सेर्

अन्तरमाश्रम्भ न्यो अन्तर्यो अन्यदे मानु अप्यम्माश्रम्। ने न्या मानु सम्म र्चेत्रव्यान्नेत्रम्यान्यायो नर्नेत्रची विषाव्याव्या नर्नेत्रची विषाव्याव्याचित्र र्राष्ट्राप्तनः तुः श्रुनः राज्यः नतु ग्रायः न्या श्रुनः श्रुनः स्वायः द्वायः द नशर्सिः अः भ्रापनः तुः र्र्वेद् रद्धः श्रुवः र्रिः र्वेषः तुः विष्यः तुः स्रुवः यः शेसरान्यवाधेतासुसाया चुरायश ने सामगा हु सेसरा सरमा मुरासुर्दे र्श्वेन् प्रते त्रुः अप्यायायाय दुः पानम् अर्थेन् नाश्चिन् वित् त्रु यात्र यात्र यात्रुन्। ने भ्रितःकन् सम्साम् साम्री पन् स्वेसान्म पन् साम्रीमा ने साम्री पास्या नव्यायान्त्रायात्रक्षं यद् वया श्री या त्रिया या द्वया श्री श्रूत्र कु वदः तु नत्वारायश्यारी वार्षे नर्सिन् वार्रेयान वे कुरमुरान विन्यो हेन डेगा सर्वे त्याय ५ ५ नवे रे डिगा ५ मा प्येन ५ विन मा हिना'वर्ना'रा'वा'रानावा'रामा हुवा'रेदि'राम्'र्नेमा'रामे निमानी' कें त्रायापय या श्रुवा श्री कर प्रमाय परि श्रूट मा श्रुट विटा देश में त्र श्रुव श्रूव वश्यक्षुव्याहे वुरावदा शुरातुरमा ते वशात्रेव रशा थी वुरातु त्रेंत्रपश्चेत्रपरःहेंग्रायायह्य देव्ययः देव्याः वित्रव्याः वित्रव्याः वित्रव्याः नव्यामा गणुःसर्ळे भूरानाया र्रेव प्रमायत्यम् सामयाय्ये सामेरा योदे पार्देर उत्राष्ट्रीशयाशेराश्चीयाशयादायात्रदात्रुदान्यद्राः सर्वेदाः सर्वेदाः सर्वेदाः देनाः देनाः व रे'त्'नत्वार्यार्यात्र्यरात्रे'वार्षेवा'त्रवद'वेवा'सह्द्र'प्रश्रःह्र'विद्र'न्द्रत्य ग्री-विटानु-शेर-विटानुदा अक्तिन्यम् अभाग्री-इस्रायाः श्रीवायदेवः ग्रीशःश्रुवाराङ्गाः हुः श्रॅटः श्रॅटः ग्रीः नरः नुः सहित्। श्रुवाशः वे र्वेदः परः ग्रुटः गश्रा नेरः तुरा डेगा सदयायसानु दर हैं। बस्र राउन सर्वेद द्रा रिंगा रा क्रॅट नर क्रेंट न क्रेंका द नि हीर क्रेंवा वाया के क्रेंवा सूया राजा के दगर नरःशुरःवया अरः परः भ्रेंब वयः र्केयः हे 'दर्वेद 'दरः यहत्या दर्वेद भ्रीः वियान्या हिन् मुनायान्या यसेया नर हुर यन्त्रा प्राया न र देश हिन पाने र नःश्रीशःगश्रुदः। विःर्ने तः क्षेत्रः दुर्ने त्रेत्रः त्रुशः प्रश्राः यात्रदः। र्मेगशः सं भ्रेंगारिशक्तासराम् सेजा ग्रेंट्रिलियासेजायमा ट्रिस्रिस्रिया यक्षेत्राया बेद्रपदेश्यार्श्वेष्य्रार्श्वास्त्रप्रेत्रायदेश्वर्ष्याद्यस्त्रस्य स्त्रात्रस्त्रस्य स्त्रात्रस्त्रस्य स्त्रस् हुं के माशुर्। नेराया क्रेंन् नुर्जे व्यथा ग्रुरें मार्कर नुर्प क्रुवाया विमार्थे नर सहयात्रम्। गुत्र-त्वर-र्ये गुन्न-वर्ने स्टाधित सूस्रापि से सामा गुरा यान्सर्यात्यात्रात्वितः स्वार्थात्रः न्यात्रः ने यात्रः ने त्र्याष्ट्रः न्यातः नु र्वे निश्वाम्य म्या श्वाय न्या भेति हित्ये या नेर भेगात्र निया में विगानुरः वर्भावर्गेरम् याया सुँग्रमार्थे र उत्त हे म्ववस्य नर्भे र सूँस्रमाया

र्शेट्ट न ने प्यट मु ने किंदि न किंदि में किंद में किंदि में किंद में किंदि में किंद में किंदि में किंद में किंदि में किंद में किंदि में किंद में किंदि में न्वीरमान्यावर्षेत्रायदे त्रायत्त्र या निष्याया निष्या स्रा [ चुःर्रेषाः क्षंटः रु: र्चेद्वः द्वशः हेः ण्वद्यः सुरुषः हेः ण्वर्यः स्थाः द्वेदः स्थितः मित्रेशमान्द्रम् धराधरादमारातुः हे निद्धत्ये स्थित् विनशः हे शार्धे दाशरा न्चर्डिणानव्यायायायारा श्रुण्यान्याययेषा ने त्या में नर्दर्ग् भेर व्यायक्षय्या में प्रयायक्ष्य द्वार्थे यह वा यव्यायय प्राप्त से प्रयाप्य अळ्यशानुशान्यावन देन केन सेंदर देर ने रानशासळ्यशासहि। मूर्यायान्त्रः भूषाचीयान्त्रः भीषान्त्रः याषाः यश्चेष्रयाः याषाः याद्वेष्ययः याषाः याद्वेष्यः यापाः याद्वेष्य वटामयानु मुदाया क्षेटार्देयाची यार्देव मससाउन में नार्केट नुस व्यः क्रें यः व्रवः यः अर्वेदः वया व्यः प्वतः देवः से अहं दः यः सूर्यः पदेः ह्रें र्धेन्'रानेन्'र्वेग ने'व्यार्सेन्'र्क्ट्'व्यार्धेव'व्याय्यार्थेन्'श्रीःने'श्र्या क्रयश्रार्चेत्रविराग्यरार्धेत्यह्म देण्यरार्केशाहे विषयाव्या केता इययाशुःनने सूना श्रुः र्कें नाया गुराना क्रेन निरान श्रेया परिता क्रिना निरान यत्न इ.पाश्यान् चुर नवर चुर कुन ग्री से सम ग्रीस निवा विवा रहा षरः अर्देरः नरः क्रेवः ध्रमः क्रेवः केवः सं र्दरः नश्रे अः प्रश्रधः विदः श्रुरः नरः र्शेश्याप्ता हेत्रवर्शेषासहत्तास्य के वर्षेत्रवेत्रायास्य म्याप्ते गुना

मदेखळंद्रायायदयःविदा हिन्यम् नुक्रायम् हेंग्यायप्य विदेशःशुः वश्रद्राश्चित्राश्ची वाश्रुस्रायवा कर्त्र पुर्वा क्चा केव सेवि हिरारे विहेव पुर्वा वयावश्रद्भार्थेन्यान्ता कें विदेशम्यायम् में वायाम्यान्या न्नो क्वें र ग्री मर्डे ने सुना क्रु के द में न्र स्य न्य निर्धे स ग्री स नि द स सहराम सर्वास्त्रम् व्यवास्य वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् व्यानुःश्रुयायदेः नर्हेत् त्युयाप्टाय्येता केयान् त्यदार्वेन्यायायेता मदेः नेशः स्वायम्यः हो। वीः सेरः मत्याशः रुषः सुरः सेरः स्वाः मैश्रासुः द्वेषा। वरान दुषा। दुरानशा दे। द्वेदाळ दार्वेदार् दुष्ट्यारा प्रदेश हैं श यासी ने यासासे दाना सुदान पीवार्वी । दे वया भु के दे सूदाया से दार्ची द्वा शुन्द्रन्ता हरम्भेता नदे केव क्षेत्रभा नर वर्षे वार्टे हे भ्रीत वर वर्षे वार्थ मंदे न्वें व मा सर न्वा न्वें व मा से से व का ग्राम नवें व तुव क्षुव मा से र्ना तुः ज्ञूराव्यार्थि देना शुर्या विदास्य देना देना देना विवासा हिना विवासा श्चनःमंदेः वित्रान्यान्य विवर्ते वित्राने सार्वा सावरः कुरः वे वाश्वराद्राः हैं शुः इत्या है से दिरहें यहू रूर वें निवे से हैं हैं शुः इत्या स्वापन हु वें याशुस्र हे से याहेश र देन से याशुस्र हे से खू हु म न नगरमित्रम्भ स्वास्य म्रेस् मेर् स्वास्य मेर् स्वास्य मेर् स्वास्य मेर् स्वास्य स्वास्य

क्षेर में र लें न इ न सुस न तुन स है । स्र न इ इ न कु न न रे के द क्षेर स र र न्वायः भ्वाविष्ठाः शुः विष्ठे व्यः विष्ठाः भ्रेष्ट्रवाः श्रुः चनुवा श्रुः सः न्वोः श्चिर-५८-१६-१ विश्व श्वादिया के ने निष्ठिया के ने निष्ठिया के निष् नव्यायाने नत्त्र दुर्वे । दे सूराया में हाया द्वीरया पार्थेरया सु सु हा द्वा यशयन्याहे यानगयन कुन् ग्री नसूत्र या यह ता यह ता हे या ने दे रहे या शु: चुर रुव से समाद्याय साम मान वि सुव चु वर से द से वा मान शु: विष्ट्रमान्य से से से प्राचित में मान्य में मान्य में मान्य ह्याद्राच्याचालेशाचु प्रमाने प्रविदाया ने या शासा ह्या शेया लेशाचु प्रमा यर्याकुर्तिःवेयानगवानसूत्रात्र्। । यानेयायाहेयासुप्तियानसूत्राह्रया निवेद्यामार्सेन्याया होत्रायमारी वित्रह्मस्य स्था हो हिंदा निवास वित्राया हो हो स्थान हिंदा है स्थान होता है है स्थान होता है है से स्थान है से स्थान है है से स्थ ग्रीश अवदर दे बिंद लें दे अदे नगद कु प्यर ग्रवर दें। दि त्य श्लिन अ यर-र्-चुर-न-प्यश्रम्याश्री-स्यश्यार-प्यर-र्नोत्रन। गुनःकेत्रध्यम् या ब्रम्भिम्या केंग्राहे ते सेम्याया सुरे ना सहस्रोते सह नगरना हे सन्तर्वा वे हो न सर्वे व से अद्या हु य विया प्राया क्रीर निरम्साया भूगुरसाया यद्र समाय सेवास सर दुर्जे वर्ते।

श्चितःक्वाशःस्टःद्रः अष्ठशःयः यः से श्चितः द्यासः वर्षा शःध्यः वर्चिट्र सळ्स्य संस्तृति व्याप्त नित्र वित्र वार्य वित्र स्थित । त्रि स्थाप्त वित्र स्थित । त्रि स्थाप्त वित्र द्वाकार्श्व विटानेटाक्षरावी वरानु क्षु वर्ष केवा वत्वाकार्या स्वाक्षे

न्गयः श्रुन्नः स्टान्यः अष्ठसः स्युः से स्वान्त् विष्यळेष्वा स्युः स्वान्त् स्युः स्वान्तः स्युः स्वान्तः स्यु स्वान्तः स्युः स्वान्तः स्वानः स्वान्तः स्वा

ञ्चनायाः स्वानाया नेवाया श्वेराहे स्टान्टा सहस्रायाः सन्तु सायस्य ग्वत्यर्भे में के म्वेश्यूर मुद्री

न्नाःश्रूमः मम्मान्यक्रयः याते सम्यान्ते। नेवे प्यनः सेयाः म्ययः वी उव ग्री क्षेत्र या यहंता वे निकु त्र निवे थुना देवे ख्राया सुव कं यन र दी। श्रुटः र्रेट्र अर्गे गुर्के हें न्या गुर्मा श्रुयः रहे हें निटः निवेदमा श्रुरके हो । र्रायम्या देवे श्रमाञ्चा हे या वा ना ना ने वा श्री वा श्री वा स्वा वे वा श्री वा श्री वा स्वा वे वा श्री वा श्री वा स्वा वे वा श्री वा स्रेव क्षंत्र सके न व्यवे व्यव्या स्वाप्त मान्य विष्य स्वाप्त क्षेत्र के विषय स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत र्वेशन्तुग्रामार्डे में राष्ट्रेरमाये स्रमादे समाने सम्माय स्त्री यने सम्माय केन प्राकुर पुरास्या दे त्या स्र स्वा चुर वित वे प्रेर साम प्र वि क्रियायाधीया सक्तरमरे येगाया मुया सक्ता निरार्थे मुराया है नु इनिहेशमासे में हित्र में दिन्द वासे दिन्द वास मान्य वास वास वास विद्युत्ता वास यहर्व में दिल्ला निवास स्वे ही से सार्थ स्वाप्य में से दर्भ निवा है व्याग्री से है . भु . इ मा शुक्षाया स्टार्थे . सू . य दु . इ . य तु त . य . यू मा य . यू . यू . यू . यू . यू . यानेवामा भैं है न न न सेंबा में क्षेत्र में से क्षेत्र में न में न किंदा नःतुःकेवः ५८ न्य उर्भः भीत्र भीत्र भीत्र

## क्ष्रॅन'वनुन'ने'क्षनका

कुयानकें निक्रम्यदे क्षेत्रायाकुयानायम् निव्यान्यविषान्यविषान्य ने वे त्वित्यास्य स्रिन् क्वेंदे न्वेंदि न वेंदि साक्ष्म वित्ति है ता स्राप्ति व्याप्ति व बर्यासाळन् प्रदेश्च कुन्या वे र्जुण दुन्य न्यास्य स्वत्र र्जुन्य विनाद्रस्यावेषानुः नाष्ट्रस्य म्यून्यायानु नाष्ट्रस्य विष्याना सून्यायानु द्राणे । न्व केव में अदय विद नेव अकव द्वो क्षे र मी अपदिय पा विवा पे दि पा दे ५८। धुयाम्यादर्भिरायार्क्यायर्भेरावेयान्त्राचानेयान्ययास्याकुर्या चिते ते ता भी नक्षित्रया गर्टा देश हैं दालेया लीया मी क्षिया शेर विगया मदे के त पुरा व है स निर्मा निरम् न व के निरम् निरम् यर में दिर्। हिर हे वहें व रह विद्वहरू शुः शुः शुः न वृह्म न वृह्म या विद्या स्था से र र्भे अप्लें त्र सम्पाशुम पर्वे त्र अधित हो। विषा सम्भुनशःशुः सके देः चुः नदेः गश्रुर वृहा र्रोमान्द्र भे मोद्र नश्चन अन्ति या नश्रुर वर्वे द अविद या हेन्द्रशासुयामी अर्थेना इन्याहे वर्षिन वर्षेन्या इययान्या प्रदेश्वेया वनवः विवार्यः नश्च्यः नवे वाश्वरः वर्ते विदा भ्रेशः अवात्र वार्वे नवेः नन्गाः हुः शुरुः भित्रुः नक्ष्ययः पदेः नुयायः पनः देः से नत्वायः ग्रदः सः र्वेदिल्यम्भी वर्षः वर्षा वर्षः वर्षः

भ्रे गिर्द्र से न त्वर्र दुर्चे गुर्भा ति से गिष्ठ दुर्भे देवे से स्वर्थ मिश्र्र वशनत्व दुर्नेव वृष्ण मानेगमा देशमा क्षु सदे से कुर वनर नर बिरामिन में मित्रा वे स्थानिक गश्रम्भा वहिमा हेव प्रसम्भ उद् दुः श्रुव प्रति श्रुव विकार व यरयाक्त्रयाभ्रीतार्भेद्वार्ट्ट हे लेया ग्रानालेगा भ्रुया गुष्या ग्रीया ग्रामार्ट्ट यानेयामा देवारी के नानु कुरादेया यहिवावया नरानु हिंदा हे नहीया यर:सर्द्रायशः श्रुवायः द्याये विषयः स्थाः वया यार्स्ट्रेन्ट्रिंग्विम्याध्ययाय्यार्ट्रिन्ययाष्ट्रेत्र्यात्रुन्त्रिंग्या डेग्। चुर्। यर्रे नेश्रायदे नुपाडेग्। वेर् प्रश्राने सहया नुपर्मे प्यरापर गश्रा धेश्यर्या मुराधे नर्भेन हैं ने हैं हैं हैं के त्रा के निर्मा हें स्थार निवासें राम्या स्थार मार्थ स्था है या स्था विवादक या से सुर से शे.कुट'यनर'न'टा । शृःसदे'यस'दर्शे सट'न'धेन । न्नु'सदे नुन् नुन् बियायाना स्थापा । भ्राप्ता वाच्या वाप्ता निर्मे या प्राप्ता विष्ठा वाष्ट्र वाष चल्पनाधेवा । श्रुन्पश्चमाञ्चमाचलानाधेवा । वच्चमाचुरमेर्नेषामाचलाना लेवा वेशन्त्रानायार्श्वम्याम्याम्यान्यात्रम्या सहेश्यत्रमान्यार्थाः श्रुर हे हैं वाश के दाया भ्राप्तवाश परिष्या राष्ट्रिया गुदाव बदश ग्री खु ग्रा यरशःमुयःग्रेःश्रुवःपःश्रुवयःशुःयकेरी ।वाशुरःवयःश्रुवःकवःशेवःग्रेयः

सहि देर्शित्राविद्यास्य स्वत्य निष्ठित्वी याहेर्शित्र क्रिं राह्य स्वर्थ दिर हि वेर्गम्या वे र्वाप्तिकाराये के सुवार्मर मये वर्षा हु वस्रवानी निम्हार दिवायामा केत्र में दे कुन वान्ययान्या निम्नवयामा ८८। यगवयारसमा वे ग्रेन गर्डेन एसा यसप्रम्भेर में र वय यान्स्रमः क्रुनः कें सः न्दः नडसः पदिः कें सः न्ययाः तुः सेनः या स्वा स्यः न्यर्ग्निर्द्यान्त्र्याम् । न्यार्ग्यान्यान्याः न्यार्ग्यान्याः । गन्न संस्ति राकुर गी रु संन संस्ति सर ने सारा सारा सुके हैं। यानक्षेत्रप्रेत्वात्रार्भे न्यापा र्में प्रकर्ण या अः भुप्तात्रकेता हे भुत्रथा यरयामुयारयाकेता मुःयार्दे द्राकुटायायार्ये वायायाम्ययायया उद्गीरकें अया शुअर्यर सें व्यय्सा सहित से द्वा व्या व्या से वा अर्थ वा अर्थ वा अर्थ वा अर्थ वा अर्थ वा अर्थ वा ग्वित्याहित्त्वत्रा न्ग्रात्येष्ठे भुः इत्याहेश्यायायायाव्याय्याय्याय र्श्याप्ताया यश्स्रीयमा यागरा म्राम्य म्राम्य प्रमायायायाया म्राम्य दुवे दुर र र र स्रेव पर हैं वाया अर्व कुष अर्व र र र र र र र वार्य या ही या न्वै रे मान्य भेर्य ग्री प्रें न मान्य देर मान्य ग्री से या भेर मदे धुर के महिना में नर हैं है क्षेत्र न्यूर महिना में राज बुनारा नेर स बद्द्राचे वा अप्यादे पाद्य स्वयः स्वयः सुः प्यदः विदः हो दः दिने दः पः नक्षेत्। भ्रिनःभुक्ष्रवायः के नयः र्रिम्यायायवयः नमान्याः वयः यद्भायः स्त्रीनः यः

हि: ख्रवा निक्य क्षित्र या क्षेत्र या क्षेत्र विकार वितार विकार व

देतः श्चें या क्रियाय वे या त्रियाय या त्रा या त्रियाय विष्णा वि

र्यःधिःवोःविःयःग्रथत्। यःहःस्र्वःयःयःवर्वेःर्ग्ग्रेवाःयःस्वारुःवस्यःविहः ग्रम्भद्रास्य म् ने द्रम्भ में मिर्म स्थाने में मिर्म स्थाने मिर्म स्थाने स्थान न्तुर वें नडु गडिया वेंद्र भ डिया हैंद्र भ न्र सहय द्रश हैं श न्यया ये द्रभी या दर्पः द्वी वा स्वार्थः के वा वा श्री स्वार्थः द्वी स्वार्थः स्वार्थः वि नरःगिनेगशःग्रेःनरःवें शुक्षःदुः इःध्वेःनरः नुः वनशः नुदः वगःगदेगः ग्राट्स त्राया तर श्रुव श्रूर तत्वा या या श्रुव श्रूर तर ग्राया या के या है त्या नव्यायायते यायर हेट यो न्नर यान्ययाय ख्राय स्वायायार नव्यायात्रययात्रम् में न्यापिते नुरानुतर के यायर नुरानु क्ट.रा.जवट.वर्चेवा.भूर.वश्रश.१८.वाश्रयी श.राष्ट्राज.श.भी.राष्ट्र.क्र्या ग्वर भर हु अ न बर र गु ल म हु ग र र र ग र र र र र र र र र गु र र र श्रुनःचंदेः कुषः अळंदः नर्द्धनाया नाद्यः खुनायः ग्रीः हैं नायः सन् । ध्रीयः देरः र्रर्भत्वियायात्रयाळेचायायायवराययायात्रभूत्यायया बुर्भ्यायाप् गुनः र्वनः है। या अर्वे दाया अवाया प्रदे हिंग्या थ्वा ग्रीः श्वें नाया यहा नु विवादी

ब्रम्स्यायित्रेश्चित्रयात्रे क्रियाय्य क्रियेय्य क्रिये

ययदार प्रविश्वित्र अवित्र विद्रा त्या विद्र प्राचित्र विद्रा विद

यानेवामा नेति स्वत्त्व प्राप्त स्वत्त्व स्वत्त्र स्वत्त्व स्वत्त्

र्वेदे सु विया य न्या र से र श्रुया स न्या सहित। वित र र वी सु वि न विव से वि रेव गुन गुरा मुनारा भेवा भी व्या भी व् र् तेवर् र् र्वेवर्म दर्वेवर्मे सेवर् युवर्वरो क्रुम्य क्रुवर्य र्मेटर्षेट्र प्रय यस-रु-स-सहयायस नेना नेना में निन्दिन समासु यदा मुह्द पर्या मा भ्रे अ'सर्केम्'नश्रामान्द्रम्ययम्दे दुर्द्रास्य केशमाश्र्रम्ये केश विदे विश्वास्य स्वाप्त स्व स्वाप्त स्व वेव सहि क्षेत्र वस समय स्थान विष्य में स्था विषय में स्था में यवियायायाया न्यायायायाया मुरासुयावे यहिन्न्राय्येव यावियायावियाया ने भूर भ्रे अ अर्के ग्राप्ता क्रिंत में जित्र में राजा यह राजा निस्ता राजा यहा ञ्च स्टार नु र्वेद द्वर रेपा परे त्युपा श्व त्य के राव्या में र रेप र वेद द्वर द्वर र क्रिंशहे सिवदर्श्वे द्रायायान्ययायाया स्थाने श्रीमें राष्ट्रिव परि के युग्राशः सुः भरः सहित्। देःयः स्वाराधिः त्रः सः स्वरायसः ग्राह्मराः वया ने हिरमाबुर मी शुरर र न्यर हेर ह्यून य सहन ने हेर ह हैं र धुन रेट र न विवाय प्रथा के या हे हा हैं निर म्वायाया हे न यय करा करा निर व्यान्या नेत्रियम् । विद्यान्या ने हे रास्त्र स्वत्याय ने विद्यान्य स्वत्याय विद्यान्य विषान्ग्राम् सहिन् वर्षाः विषय प्रमान्य विषयः मूर्वा प्रमान्य विषयः मूर्वा ह्र क्षेत्र क

श्चेशः सर्केनाः श्चेतः यसः नरः ग्रामायः यादियः ग्रीयः ग्रीयः ग्रीयः स्वियः र् न्ययानायशहेंग्रायार्थेन। ग्वितःकेंशाग्रीयाववेषानवे त्रुःयाते वितातुः यदा ग्रेज्या मुःर्केश हे नेश रन द्रमय नश्य सुर्ने ने नदे नुय द्रायोग यर में प्यें निया है व हिवा ने या यह सम्बर्ध निर्देश या समूद्र में स्वाप्य प्रविष् वयारे नरी भूगाया गरेर सर में पित्र मवया समिता न वर में त्या न सुर मुग्रायाये द्वारा मुयाया द्वारा स्थाय स्था षरम्बेरप्रविषानम्बेरम्ब्राम्या म्बर्याम्बरम्ब व्यायाश्चित्राचराम्चीः त्राया म्ययायायायो मरास्या विदाया द्ययाया व्यायया न्नायान्द्रायान्ययात्रात्रितातुः यदा केया हे त्रयायानदान नदारी नयान्द र्रेराम्नाराख्ररान्त्रन्। भ्रेशाळनाळेदान्राम्याम्यान्त्रायाद्वा भ्रेशा यर्केना'नय'सु'नेना'नन्न। इस'न'निनेश'ग्राय'र्केश'नेन'नेत'तु'न्नेन'नेते र्सून'

यद्भन्त्रम् व्यास्त्रम् वयास्त्रम् वयस्त्रम् वयस्त्रम्यस्त्रम् वयस्त्रम् वयस्त्रम् वयस्त्रम्यस्त्रम् वयस्त्रम्यस्त्रम् वयस्त्रम्यस्त्र

यर कुया नाय पर दर्ग वा निर्मा के नाय के नाय

यायमान्नुनान्ननाञ्चरम्भुम्नुनाक्षेत्राम् यायमान्यद्वन्यम् न्यायमान्निम् यायमान्नुनान्नम् यायमान्नुन्यस्य स्वायमान्यस्य स्वयम् विद्यास्य स्वयम् स्वयम्यम् स्वयम् स्वयम्यम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम्यम् स्वयम् स्वयम्यम्यम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वयम् स्वय

गुनः र्वेन प्रत्या विग व्याय देव के वार्षे ग्राया व्याय के या प्राया व्याय के या व्याय मःसरःनुःसहन्त्रमः श्रीःनेरःवन्नाःवज्ञरःवे ननुनःसहनः प्रवे के हिन्या व्यव केव से दे द्वा श ही वा श ही वा या ना सामा स्ट हुट है है द्द देवा वहें त नार्वे त नु कु य में वा र्या या या ये त सु या या या त सु त । व सु न र ग्रथः हे म्यार्थः थः श्रीम्थः प्रदे प्रवेत् प्राम्यथः शु प्रविम्था मे प्रिं प्यतः कर्र्यात्र्वे निर्दे मुं केवर्ये अह्र वित्यात्व केवर्ये वार्वेवर्या विया वर्षेश्वरायायः वर्षु द्राग्चे स्रायः स्रायः ग्री स्रायः वर्षः यद्रायः यविष्यः यः सव मान्या अ रावे मा शुर र न ग्यार त्या व लेवा न गेरि व दे वे ने वे तु ग्या वा अ यःके'नशःइसःइरःकुशःयःयशःर्येद्गःतृत्वस्यशःवेशःयरःगुर्वे। क्विनःवनुषाः गे'भूनशर्शे||

## **ภู**न'ळे ब'स'ऄॣॕन'नकुन्'न्न'नकश्रन वे'ऋनश्

धरान्ययार्मेन कं रायदे श्रुवाया ग्री श्रूया या क्रिया के ता प्रीय प्रीय के ता प्रीय प्रीय

नेवे'श्रशन्तरःकुन'र्धेव'न्व। ने'व'श्रशन्तरःकुन'कु'सर्वे'न्दरकेंश'ग्री'कु' सर्ळें विश्वान्याविशानुरायादेशानुरायादेशाने साथिया से हें हे गुवान्तर वशन्तुशाग्रहर्न्, र्वेव। युर्भून्भुष्यशाशुःभ्रेनामवे के ज्यर्के नवः ने नर्डे नकुन् ग्रे किंद्र नर्धे द मार्थे मा मार्थ अ मार्थ द में देश सर्वेद स्थित स् इशः वेदः वेदः वयः मृदः ययाः सुदः यः यः वक्कुद्य। देदः गुवः श्ववः दे। दः हिन्यिहेशयायुनःहर्मशर्षिन्दार्श्वरायिन्त्रश्रव्याययन्त्राचेन् म्ड्रास्याद् रे। रश्-सुर-मदे-विन-तेंव-हेग्-गुत्य-बेर। गुहेव-ग्रीश-वहेग्राश-शे-न्वीयाधीयाश्वरत्यान्ययाहासधीयानु । इ. अन् वेरयावाश्वरा नश्चन्यायाया दे व्ययया उदान कुषा द्या न कुषा यह या प्राप्त दि दे द्या या ग्रीयागुयामयान तुन् केराधरान्यामदेख्यायान हुन्। ग्रुट कुन कु सर्वेदे कुषाकं नर्भे द्वस्य वस्याया देवे स्याप्ते व देवे स्थापते देवे स्थापते देवे स्थापते देवे स्थापते स्थापते देवे स्थापते देवे स्थापते नुपायो से या श्रास्य वि निरासुस्य पश्चिम चुरायदे युवा के दाय दे कुरास्या धेवा भ्रम्यासी में विष्य भ्रम्य विष्य अळव सेट में न्यय नुमार्थिय व्रिमामित्रे पुरान्या देवीत्यामान्या वर्षे द्वार्या प्राप्ति स्वार्या स्वर्या स्वार्या स्वर्या स्वार्या स्वार्य न्दःसॅरः व्यापानुया ने त्या क्षेयायानु क्षेर प्रदेश्येयया वदे न्दानु रहे वर्गाः कृर्ने अर्ने स्थान सुरा यन सुरा यन सुरा वहन से निहेना येन ने स्वय ति.सूरु-रे.सूर्य र.क्ष्रान्टर मेर्ट्र त.सूर्य वेरः ग्रुमः त्रमः सरः रु. न भुस्रमः समा हिः र्वे मः रु. नु नु न स्थः न रु न वयान इन्ज्यानी नरन्। यास्य नरेन्स् येषा स्वार्ट्स व्यायायायाया राष्ट्र क्रुट्र त्र्योषः श्रुवः व्रवस्य स्युवा त्येवः द्राट्य व्यवस्य व्यवस्य स्वरः नक्षनमा ने नमानगुर में न इन्जान या में ने दार्थित हैं में ने केत्र हे से त्या सर्देत्र पार्वी र देवा करास हमा ने सार पर्वोता कुरा ग्रम् विद्या वक्ष्य क्षेत्र क्षेत्र म्या शुक्ष व्यायम् त्र से द्या विष्य विद्या ने वया के या हे सिंदा कंदा या नदे के वा क्षेट्या वया क्षुटा खुटा दु वर्धे वा परि यममें सिरसिर्यान्त्रियम् स्थान्य क्रिमहे में दिस्य मान्य उव विवा प्रम्य दिर वाश्रार विदेश राम्य सहय सहित सहय स वया.क्ट्रायमायद्यायदे प्रत्यासीमा सुर्फ्रिया सुर्फ्रिया न्दानुराक्ष्रदारेगावासुगाहेत्रम् कदान्दास्यानेते नशुदानदे नगे। नश्रेव सह द नश्रा केंश हे दे लिय वश्रा र्सेन द में व हें श्रेश द वे नह व र न न्याविन्सेन र्स्स्याय बुनाय नगर दे। दिन्य प्यत विन्यो स्वा विन्य क्री न स् अवर न इं त पा के वा प्येत प्यर । क्र ने में में ने ले या वे वा में जुर द्यवायायात्रुदा केंबाहेबागायात्रुवायात्रुवायात्र्यात्र्यात्र्याह्यावा

यर्ग्यार्थ्यायराहेत्रवियाधरावयीय क्रिंशहेते वयात्रमा हिन्या हेता द्वे स्र-रेंद्र-द्वेश दश्युग् कु के दर्ग नश्रुद्र प्रशः र्वेष प्रायः विषयः बेन्याश्वरा नेवयार्वे स्ट्रान्यस्रे हेन्ययायायवीयास्तायात्रा यदः भ्रूरः इस्रयः विवायः ययः ययः कवायः यश्रवः यरः वर्षः विरः यर'यथ'नकु:इ'वाठेवा'य'वावेवाथ'य'उंध'ग्रीथ'बुवाथ'य'ग्रुट्। **५**गुट' ग्रेंहे. भुः वेदान के के में में मान है भाषान में विदान स्था ही मान स्थान करानभ्रेतायराहें नाया सळवारेवाकेवान्ययानु नार्यया ने वयायां नहुः महेशसुरभूत महेगा प्रते न हुल लुम्बर महर लेर लिए लायर से महिला क्रॅंश हे 'देव हे 'त्य तुर्वा दार्वेर तर्वे 'त्यु वा वा त्या वा व्या वा व्या व्या व्या वा व्या र्थात्र्र्यःक्ष्याःस्यायायायायः स्राच्या हिराया श्रुट्यायेया यर्स्य हित्र विरागी या श्रुर्म वी शानु शान विराग स्था की शाहि है। उसी ख्यायायायायाययार्वेदायाश्वरादयाः त्रुपावियाः तुः व्यवियाः तुः व्यवस्तराद्ययः बर्भें वर्षान्यायायार्थेयानान्त्राच्या ग्रम्यायसानु सहयावेटा ख्राप्पर नमूत्र दे स्रम्भाक्ष्म क्ष्या क्ष्या क्ष्या के स्रोत्म स्रोति । सरसहत्यन्तुः विवासमा न्योवन्यरायेनस्य स्थान्य हैंग्रस्य प्राप्तित्या क्रिंस हेंदे दुर दुर दुग्याय च कुर छै । या द्रायाय स्वर द्राया ग्रम्भव विदःहे सुन्य प्रविव र र श्रुम्य या या यहित्य। स्रम्य या भेर्य र विदः र प्रविव र या या यहित्य। यर-रुष-ग्री-विर्दर-विदे-र्गाव-ब्रेट-स-य-ने-न-इसम-गर्डे-रा-य-वर्जे-नमसम्पर्तिन्वमानम् निर्मायम्यमा ग्रीप्रतेयानस्ति। यमप्रतेयासु कुत्र-दर्धिन्नेरर्वेत्रन्त्राश्रम्। सन्देर्नेरिन्द्रन्तर्धिन्नाश्रम्नाथा वदेः वर् भेर नुराद्याद विया व्याप्ताय व्यव है भू न नविव र प्याप्त बुद्रा देरफायशही क्रिंग्हेर्फिन्सिक्सिर्ज्याप्रमिन्दिर वे सामायवा वदे वर् नदे सिवस मार्दि न दुवा विवास विश्व मार्थ विश्व में भी भी में में में में नुसानुन्सेन्नसर्से डिगागीस में हि डिगानी वा ने सेन्य सूर्य सूर्य नुर नर्दुन-र्रान्यर्थियः नर्सिनः स्रीः यसमा बुदः हेगां मासुदः तसा न्यर्थियः नः नन्नाम्याद्वीत्वयानु किया हे सेवार्या के नुयाय विस्ताया यह या है हिये। ळ नुन्नु अहं न व्यान्य प्रायिक्त मी नियम मुख्य प्राया के वा व्याप्त विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या ने श्रुवःश्रमः श्रेवःप्रभः श्रेवः प्रवेवः हिष्यद्ववः श्रुवायः क्षेत्रः ययः वाश्रमः। विवः हुःक्षेत्रायम्य। देःवदःनवेः धुमाःये दः स्राम्यः मः सुःवः नक्षम्यः वुयः मया यानदःदर्वे समानभूनमार्धेव निष्ठित ने हित्सु कुव नु दर्वे नर लुमा

वर्षान्दर्भेरागुद्राक्षे सेद्रागुरियानसूनायायार्गुवा सुग्रमान्स्रानेवर् वसेयानशर्भराग्री केंशानहेरामा सम्भाउदार्शिशा देवशाहे सेरार्भेदा व्यः विवाशः नेवा वत्वाया दे वया समः खुवा नहः मः जुहः वया यसः सर्वेवः वशाहं यङ्क रूर में ग्राया अके न थे में व्यापालव प्रसम्भ उन भेर में ग्रायालव प्रसम्भ उन भेर में ग्रायालव प्रसम्भ ज न्ययाणे न्दर्विष्या र्श्वेत्राया श्चित्राया श्चित्राया स्वीत्राया ८८। विट्रायर श्रेमार्सेदे हिन्य अस्य सम्बन्ध अस्य विद्या स्थान स्थान स्थान भुः सुरायार्द्रेवा प्राप्त सुद्रा इतः विवायक्रेयानायादे साम्राप्त विदर्भः है। विनर्भार्त्रे सद्दी देंद्रिके विभाग्य मान्य हिंदि है ग्रैशप्दी ते ग्रुव र्वेन फुप्द्वा विंद् ग्री ग्रु श्रूद पर है प्दर व रेंदर दस ने द् कुः र्वे के तर्भे पार्वे पार्यो प्रम्यास पुरायात्र साम् विष्या प्रमुक्त प्रदेश सूर प्रदर निम् ने म्रम्य उन्न हुय लुग्य ग्रीय ने या ग्रीय यवता शु मुन हुय म यरहेंया नेरहें हे इया वर्षेर सा श्रून वर्षेट संदे नु संदे वा नुवा शा शु नुस्राया हेया यो सार्कें दास्रार्के दायादा हो दावेदा हो दा हो साम स्वरूप स्वरूप स्वरूप ग्रे श्वेन पदे श्वेन अप्तर्भ उत् श्वेत्र अपि निष्ट निष्ट भी न'निवेद'र्'श्वम्रायायहर्य। र्रें हे क्याय र्रें र संहेर्'ग्रे भूर'न हेव'व्या वयःश्चीःगन्सर्यायप्यायदा नेवरा नेवराश्चिरःश्चित्र विकेषायस्य नमा पिकिते कुषारे मार्गे दार्भे सुमा दुर्ज मानिया मन्यामा पार्मे प्राप्त

नुः खन् ग्रम् म्या सकेन् पादि संगा दे प्यम् सादेश सम् मिन् नु सेन्स यात्र के शाहे में नाक नाक ने नाक प्रत्या हेत्य से नाक प्राची निक्र मदे नगद ग्वर प्रत्या र देवे नगद विस्था कर के से द श्वर स्था है व निवेद्रशः गुद्दः त्वादः देः सहित् देः त्रशः भ्रुवाशः सें गुद्धेः वें व्याद्वेदः स्त्रिनः सदः र्रे हें दे मन्तर्र्धेता ने र ग्रुट कुन ग्रे ने द माने माया या गुत हें न ग्रुट कुनःग्रीःशेयशःनर्देशःयःयःधेन्यः स्टात्वुत्या स्टार्केशःहेःर्नेट्रक्तः नदे गशुर में अर् क्षेर् वे न इ गहि अत् हि र य र में क्षेर मा न द अर हे मा क्षेर मुश्रुर्-तःने विने र विनुषा नर्गे र सामा मुद्दा न से या न स्वया न स्वया स्वया न गिवे निर्मा ने अ र्थे मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा वर्षिरः सहराम्याने सामरा साम्या श्रीया वियानि यन्ना ने न्यरानु वर्ष वयाद्यारिवे भ्रेवाययाञ्चयाद्यीयायार्के राहे याञ्चया है हियाप्तर पु नन्गान्तान्या ने धेत कन्ते इसायम् से हिंगायदे ने नरे पहेत <u> ५८.वि८.क्ष्यःग्रे.भ्रथ्याविश्वः२८.भूर.क्ष्यःग्वरःश्वरःयरःश्वरःग्वेरःग्रे</u> नुदे द्वा पर्वे र पा के द में र शुर है। श्वु द नुर श्वे र ग्वे वा र पर द द नुवा याने रामे स्थान सूत्राम्यात्र पाने त्या स्थान स् ग्रीशास्त्रत्व सर्ने मुन्गी केंशायायने से सिन्न मुन्य प्राप्त से न्यु

यार्धेर्याहेशयाह्यार्थेर्रेर्द्रायळें श्रुयार्शेयाश्यर्णर र्हेता याववर ही र्नेत'रा'दर'र्न्र'र्ने 'दर'र्न्,'यह्नी हीरा'क्रियाची'र्या'ये 'ये 'ये सहिता'र्या र्नेराणुयानु र्चेत्र मुयार्थाया मुर्गित्र र्यो के त्यव दिवाया चुयार्थ रेत्र रागी। वर्षिर वेदि न ग्री व वर्षिर न ग्री व वर्षिर विष्ट के वर्षिर विष्ट शुर्रायदे रेव रें के वस्र रह कुल रें या की वार राम रें दिन र हैशयह्दायाया कुषार्येशयीक्तायीत्वात्रया राङ्गार्वेदिरादेवा यन्त्रन्तुर्णरर्वेन्यानग्रात्र्यास्त्रम्यासूत्रास्त्र्यासूत्रायासेन्यो मदेग्वाश्रुरःवीशःवेषःग्रीशःसत्त्रमशःमुषःमेंग्वःश्रुत्रःकनःसरःमेंग्वुरः। कु: खुव्यः त्रशः दिर्देशः सेवि: या बुदः नः विनः संसः ध्यः प्यदः सेदः यदः स्रीतः हिन्। हेः क्षः नुदेः ग्रुनः केवः रेवः सें कें रे न कु र दुः सः सः सें नुदेः सें त्यान ने गया ना सुरः यश दशनक्षेत्रक्षुत्रवि नक्ष्र्त्रत् सुद्रान्य सुद्रान्य सुद्रान्य सुद्रान्य सुद्रान्य सुद्रान्य सुद्रान्य सुद्र वज्ञवारविरवक्कुन्दिं वर्षशांविन्छेव्यक्कुन्वा वर्षे वें र वेन्द्र वर्षा बेशमाशुरानाकृरमान्स्रारमानीमार्डमें के कामहिश्राशुम्परिय प्रमुमा क्रींरायावी स्वाम् के केवारी वे हिंगा या उवा नेवा हु। या प्राप्त केवा हिंदी क्रीं वा अ-र्ग-तर्। भे-तर्कु-तर-त्र्-तर्म-स्याधरमायाः स्वाधाः मार-स्वरः वहिषायायायेदायायदादी। देहिषायुयाची प्रस्नेत स्नुवाल्यायेदे स्निवायाये क्ष्मान्य स्थान क्ष्मान क्ष्म

क्रॅंश हे ज्ञुं न्यां अत्यो हें हे दे क्रें ना त्या क्रा नित्रे क्रें ना व्यवा क्रा कर्त नित्र क्रें ना व्यवा क्रा व्यव्य क्रें ना व्यवा क्रा व्यव्य क्रें ना व्यव्य क्रें व्यव्य क्रें ना व्

न्द्रस्त्रस्त्रम् व्याद्रम्यायायात्वाया विद्राव्ययायया केर्स्यास्त्रस्या यारश्यान्त्रेयात्रा देवश्याम्बरक्वेत् च्रह्मक्ष्रार्थेदानो त्याम्बर्थया र्हेग्रम्भरम्याम्य देन्हिरम्बद्यस्य वेयः विदेन्देन्यस्ट्रम्यः स्ट्रम् नर्स्रेययाययास्त्राम् केत्रित्रेदेर्द्रम्ययायायहेया स्रेयास्त्राम्यायया येग्राराष्ट्रियायरम्गरः स्वरंगे वित्रयः नेरः स्वेषः वित्रयः नेरः नव्यायायाया केंयाग्री हे नेव में के में न सुवा ग्रावायायाय सदे सक्व उव ग्रीया ने निर्देश्वा प्रमानम् निष्या राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया राष्ट्रया ८८। नगदनकुर्ग्रेग्न्यश्यः इस्रथः श्रेप्रम्थः पात्रः नव्यः सेनशः मदे केंदर ह शुन ने शुन नर्श्वे समाम समान ने हिन नु सुन के न से दे ह्रियाश्वास्याबहुरशा वसयाश्वास्यक्ष्याचित्रः सहेशहो वित्रस्य में स्वास्य स्त्वराग्वरा देवरास्याराज्वराहरूरायाः र्शेग्रयायि त्रुप्तायाय से निष्ठित वित्र ग्रान्ययाय स्था निर्वित क्रमार्ग्यात्रवाहिन्यान्यम् नुस्ति श्रमार्यम् नत्वाम्यायदे छे न्वी सम् पिट वी क्षेट र पुर्वेद के वर्षे प्रमुद्द प्रवेद के वर्ष श्रुवाय है या या वर्षित हुर ग्रीःह्यायात्रयाः कुत्रदानुः भूदानाः यावदादर्शे यायदार्भे या यद्वी या यदार्भे या विद्वार्थे । यहेत रात्यःश्रेष्यश्रान्दा इत्यात्यायळ्व्यादादे त्याहे उत्यान्यव्यायाद्या 

क्रॅंशर्भेरश्रामी में वित्रवाना भेदे वर्षा में म्यायाय पर्वार वावया परिष्य गुर्भायाः सर्केषाः प्रदायम् वाष्ट्रायाः निष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः केव में सही श्रेमक से प्रायमित्राय प्रियम वर्षा द्यीर के प्रायमित्र से से स बे के र्से प्रिंश में ज्ञुन पार्श्वराय दे हेर पार्द्ध राया के नेते हे अ शु गान्व अ कें अ हे न र्रोन व्यय स्मृत्य सर्वता कें अ हे अ र अ क्रिशः र्से अंगिष्ठे अः ग्राटः सुः अया से यो हिया सदे से अयो अर्टा स्वा स्वा स्वा केव में विश्व मार्थे न से दिन्दे नित्र ने ति से साम होते हैं नेयान्यापानी कॅराहे र्मेन सुगाम्याप हेन ग्रीयाग्यापार्वे न नियान्या नरःखरःनमूनःमःनिनःभ्रें सम्बदःन्यान्यभःयान्यः ग्रुःबन्यःवे । नेःवःयान्यः यान्यर्भेन्द्रवय्याक्त्यायर्ष्य्यस्थित्या व्यावद्यात्त्रम् व्यावद्यात्त्रम् व्यावद्यात्त्रम् व्यावद्यात्त्रम् व र्शे ख्यायी नर र र त्व्याया दे त्यार पृते से से द्वे दि तर र र विं त द यश्यार्शेट है। है रायवार्शे वाराया नेवायायरे ख्रायाय हवा द्या द्या द्या याद्यान्यायायायात्राच् के पित्रम्य देवे द्वा रह समार्थिय पाय के साहे समित हैं दाय दा के साहे श्चेंत्यामान्द्राम्याच्याकेत्रित्रांके के न्यायाक्यान्या दे वर्षानुषा दुःश्लेराष्ठ्रिराद्या वर्षा वर्षा से श्लेष्ठ । या वर्षा से स्थित । या वर्षा से स्था । या वर्षा से स यःश्चित्राचकुत्त्र्त्राच्यायवेःभ्रवयाते। श्चेत्रावव्यायवेःभ्रवयायी।

#### **ब्रिं**पुंचवेः श्रुनश्

वर्शे अर्गे व रेव रें के वे रव के व रेव रें के कुय के वे। व रव रूप वह्याग्री सुरायर सूर्वयात्रयायात्र स्रूर रेवि ग्री दराव मुत्रस्वाय हेर यदे-दिस्यानुनायायद्यायह्दायाः भाष्यानुहान्याद्याः ध्रयाः भाषान्याः विष् য়য়৻য়৻য়৻য়৻ঀৣঢ়৾৻ড়৾৻ড়৻ড়ড়ৢঢ়য়৾।৾৽ড়৾৾৻য়য়য়৸য়৾ঀয়৾ঀয়৻ यदे र्या वया वहिया हेव त्या या कवाया श्वीट के या या रवाया व्या या सेव या या गतुरक्षिया क्रेंनन्येव्याव्याया रयासेन्याया न्योयनेशहः स्याया मुः अर्देरावया भ्रदः ने यः रवः मुः या यदवः रे यः भ्रुः श्रृं वा द्ययः त्री ह्रिशक्षराया कें. हे. हे. तर्म्या कें. हे. जेश रच यवर में हें. यह विशे वनरः इस्रयाया से सिंदे के याया दुन्य व दुर्या सु दुन्य दिन्य व दुन्य । यार्चेत्रा गर्धेरार्गे स्वामाञ्चर रु. स्वास्त्र स्वास्त् कें रागी मुयारी सेराकेंद्रागुदाक्षेटा है वासरे ही के दूर वर्के रागी वहर र्यते र्श्सेन सम्मानेन केन केन र्यो प्राप्त मुस्या सुस्य निमान राम स्था र्ये.धे.पी.इ.र्ज.यातियारी.यूरी कु.यर्ट्रेयात्तरास्ती क्रूशायवायार्.जा. नन्त्र धनः ग्रीः वियान्या प्राचनाः संस्थाः येताः येताः वित्राम्यान्याः स्थान्येतः

धरःगिर्देरःवयाःगिर्दःग्रदःधनःयःदेयःग्रेयःव्याःधयःध्रयःग्रदःनः यरः र्वेन ने न्यायरः तुः यान्येन पाने व्याप्तारः रेजा वुः रेन र्वे रेजा सरयः रेशः रावरः श्रुँ सा न्यो प्रेश श्रुँ सूर्वा न्यो प्रेश श्रुँ सूर्वा इ.रु. न्नेवर्क्टरमो निर्माणेवा श्रूरायान ख्या विस्रास्त्रम्या मिन्ने प्रमे र्रेडिया गेरगेर्द्रियायाया नयोर्वियास्यस्य नस्यस्य न्यायास्य नहींर्ये इ। मुःसर्देयानकेन्देर्मस्ययायकेंशल्या नेन्स्यम्मुरायना म्राचीर वर्ष्ट्रमा वैट. टे. ब्रिया ट्रेट. व्राचीय क्रमाचीयमा स्वास्तर है. याश्यी ट्रेन.सिया.सि.कुरु.कुर्नार्ट्याश्वरातिन्त्रमा ट्रे.यश्वरा बरशरीर कुरश्रद्धायहत्य केंश ग्राट लुश देवे के क्षेत्र कुता प्टायर सहयाने के सालुसा सामाने माया से ता हो स्रामा से माया से ता हो ता सामाने सामान सामान सामान साम यान्वेन् ध्या वे उ न मुन्य ने अन्ति न मुन्य के न मुन्य न्यामा कु ग्राम् प्रम्या गृहेश ग्रादे ह्या या बेर्या में ह्या प्रायद हें या विश हीराम्यानकुर्छ्सनिक्षानविष्या रेज्याध्यार् क्रिं क्चें लेव से नहरा क्षेय नक्कुर सह दाव रामना से नुर त्र्य पार दि दिने यसःभूर्यः र्रोग्रायः मुःसःयः सद्दः स्ट्राः हेर् राक्ष्याः तुरा नेतुः द्र्यः

नःवहें वःचः व्यवदः के शःग्रायवा दे वया त्रुः सः वः श्रेः श्रुष्यः नग्रीदे नगद सुरा भर तुरा स्था ध्या सर र तुरा या सुर विरादि वारा मः इस्रयायः के या ही व हि वा वा शुराना हुरा। यस नुवर श्वाये व हो ना सरा। ने नशर्ने न से ने मर्जे न नशर्म स्याय स्थाय है स्यावी साम्याय स्थाय यावतः सं विदः वि सहे सः यः वि सः तस्रे तः सः हे वा सा द्वो सि दः वि से ः रे'र्र'वर्ग्रेग्रायर'र्ग्रिया वर'नर्ड्र्न'र्न्न्न्, खुर'ग्र'य'विं'स्दे'र्र्य'रे' हैं भा न्तुः हे न्दः ज्ञद्रापदः यः श्रीम्यः यः ज्ञयः द्याः व्रुवः हे स्वुः द्यः नसूर्या गर्डे नें र मुग न्याय भ्रेया भ्रम्य भीग हिस्रें त य छ य ने य र्शेम् अप्यायः विमायः न्यम् कुरुषः ययायः ने मात्रम् व्या व्या विमायोः भ्रेगाया इर वर्षा यरे ना अर्गे वर्षे स्वार्थे सुपर हिंव है। सुर शेशश्रान्यामित्या हेत्रत्रेया व्याप्तिया हेत्रात्रेयान्युत्रात्रेशः शुःर्वे म्या न् भ्रे में भ्रें में मान के मान के सम्मान के समान के सम्मान के सम ग्नेग्राश्री देविंद्रान्नेद्रान्त्र्रु इस्न कुर्या निर्धे प्रियायान्ये नर यानेवाशःश्री वाद्धरःसःगुद्धःस्वरःधरःशःसःवत्तुवाःवःविद्या सवाःस्यःगुरः गठेत रेंदि कुग्रा श्रेण र रेंद्र रामा हे नईत से पदि क्या वर ग्रास्ट रा  स्यान्त्रात्त्रात्त्रेश्वात्त्यान्त्रियाया स्वर्त्तात्त्र्वात्त्रेश मुन्द्रित्त्रात्त्र्वेत्त्र्यात्त्र्वेत्त्र्याः स्वर्त्त्रेत्र्याः स्वर्त्त्रेत्र्याः स्वर्त्त्रेत्र्याः स्वर्त्त्रेत्रः स्वर्त्त्रेत्र्याः स्वर्त्त्रेत्रः स्वर्त्तः स्वर्त्त्रेत्रः स्वर्त्तः स्वर्तः स्वर्त्तः स्वर्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्त्तः स्वर्तः स्वर्त्तः स्वर्तः स्वर्तः

मृत्यक्तं न्द्राण्या मृत्य स्वार्था न्य स्वर्था न्य स्वार्था न्य स्वर्था न्य स्वर्य स्वर्था न्य स्वर्था न्य

याग्यवारास्त्रास्त्र अह्त्। क्रियाय्विराचुराचा स्थयाशुः हेत्ययाग्यरा ग्वित्रसंभारम् नुभा र्भेन न्येत्रम् विद्यान्य द्याप्य प्रमुख्य वित्रभार्ने ग्र ग्राट केर निश्चन्य। न दुः न तुन्य सूर पिते श्वाया श्रया हे सूनि गुन न न ट र्थे नकु न् दुः इनकु न् र्येदः मः देवा विः सु मः श्रु दः इन् राद्या देयः में मान्यः श्रीवाश्वास्त्रे प्रतीयायिष्ट्र व्यानि । व्यवास्त्रे त्या विष्ट्र या विष्ट्र व्यानि । व्यवास्त्रे व्यानि । ध्रेयायर्चेत्रापराचार्मेरामार्वेरयाग्री इसार्थयारेया हे सूँवागुवाव वाराया है। यसर्राट्स्अभावद्गेषासँगाग्रानाग्रुटानसाम्स्यास्याग्रीहेसाग्रद्गापटा ग्रम् वे वे न्यु न्यु प्रायाय विद्यास्य स्थाय विद्या विद्य नदे कें दू अवश्रम डेग कें र परे का कें दू न न भूनश मंश सुवा र जुर नर्सित्र वें ने वारे के के किया के मानवारी निर्मित पार्टर न्गरःश्रीराष्याः श्रीन्। गुनःध्वार्यायायाः म्रीनः सहनः वयानस्रेवः धराईवामा नेवमाग्रद्यायाय्त्यायास्य विश्वेरावे सेवार्यायाद्वेमा शुःनभ्रेवःवयास्याम्याम्यास्यस्य विष्ट्रिमः याद्याः यात्राम्यः याद्याः स्र यववःगान्द्रच्याः प्रवे मुवः श्री यावदः गाविदे हिंगाः पः श्रुदः प्रयाः विद्याः प्रायाः स्व सक्सरायद्यात्रायद्यात्रेरायाः केरायाया देवे देवा देवा का वास्या स्टार्टे स्टा र्दे निर्मा स्था स्था राष्ट्र निर्मा राष्ट्र निर्मा निर्माद

नन्यान्युःगश्रुयानुःनः इययः वुया वे हेरः नवे नायः हे कुयः कं ग्वेन्यः राधिताने। यानेवासावरार्वसावसावारम्ससासरार्त्राच्या र्दानिवर्द्ध्यायायर्थेन्यत्वा चुन्नियः स्ट्रा वर्षे नवे नवर नभूर पर सहन ने नव माने वाका नेर मुयाळवे भुवित्वत्र हेत् प्रवेद्याय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय हेर निवेरायानयार्धेराक्या नयार्धेराश्चेनात्रयाम् केत्रानुङ्गान्वे यास्नाया यक्षव्रिन्गी सुन्यामायम् नुयह्न नेमहे नद्व व्यो मुन्य स्थावया विव वीश्वानक्षत्रभा हे नद्धव से ज्याने ग्राम दे से ही में प्यापन म र् नशुला रे हिरम्ह के दाई ने शुन्दरमा अर्थे के निवेद्या परे नर्गेर्प्य होर् छो । वेर्प्य कवार्वा नर्वे अव्य होत् नर्प्य हो । विर वी अ मङ्गेन्द्रमाद्या क्रिया मन्त्रम्। महक्रेवादे याश्वरश्चामक्रिये हिंदान सहद्वराष्ट्रिय श्रेमार्था दे हिर वर्षिर इसमा भ्रामित स्थानि हैं या ना हो ना नु ना नु मान्ये न हिंदा वनावःविनाः में सेंदेः वः सें वः अर्षे व व व कः मुः न्यः मुः ने द्वः सेंदः व द व व व व्या नेत्रयाम् केत्र्युव इत्याव्या निर्मे वी निर्मे त्या मिन्या न्रह्म के वार्ष्य के वार्ष के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्य के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष्य के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्य के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्य के वार्ष के वार्ष के वार्य के वार्ष के वार्ष के वार्य के वार्ष के वार्य के वार के वार्य के वार के वार्य के नवेर्नेवरमह्य नेन्द्रां नव्यविष्यायायेरनम् श्रीर्वे द्वरम्ययाये द्वर नशः अहं ५ किया हुया हुया हुया वा सूर्वित रा के दे र सि सुह र या सुरा सामा के र अदे क मेन द्वापा पावन म्या के देवाय पर से से दिन पर वा र्शियायायायायावराश्चेत्रात्यायाद्या श्चेयायाकेरायानेयायायात्यायाद्यारेया ग्री नर र भ्री य श्रदायह्दा द्वा मुर्ग मुर्ग प्रमाण के मार्ग मिर प गवितः इस्र भुः सर्वः रु: सेरः स्र स्र मार्थेरः सेषः सः स्र स म्बर्ग ने व्यान्त्र केव वे ने ने न्यो या स्थान वे ह्या दुर बन् यह साम्बर्ध यराविकेर विवादिया देर विवादिया है सामित विवादिया विकित विवादिय में क्रयश्याम् स्वयः येवायायम् वार्ययः भिटाने मः क्रयः शुः सह नः त्याः भिटार्यः इटशरामाईमायमापिटाञ्च केत्र इटर वडशरा विद्यास या स्मिश्य क्यायर वर पाक्यया निव हु कु के ना यया द्विंग्या दंया नसूया है जीया प लेवा अंकुत्रः श्रून् त्यान्त्र्याश्यात्र्वेत्।त्रमः विःस्याय्यायाः केवः सं नश्चेनः मदे कें ना सहर द्रभार्त्य भारति माने ना भेगा भारत द्राया भीता है यःरेवःर्ये के कुयः कं न्रायुवः भ्वाद्वयः म्यापेष्ठे शहे हे स्यापे विश्वयः कु केव रेवि हैं नाय पान क्रेन प्रति प्रति ये श्री के या है वि दूं पा यर देव रें के कुय कंदे ग्रान्यय प्राय महेव वय श्रुग कु केव रें दे

हत्वा हु त्वहित्य सदे ज्ञुन हैं न हे न से के के तथे तथा है न हैं न से स्थान स्थान हैं न से स्थान स्था

#### बन्दे व्या के 'सून्यान्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विषया

र्श्वेस्य संक्ष्य विस्रम स्ट्रीट स्य अप्य स्वाम प्रति देव नि से सम्प्र प्रति विद्र स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व

ल्यात्रात्रात्रम्या नमयासमास्यात्रीत्मात्रात्रात्र मञ्जानित्र मिन्त्र स्वात्र ग्री'नम्'कम्राम्'म्'न् ग्रुट्'बेट्। हिट्'मर'र्थे'स्'र्ज्म'र्येत्र'र्ये के'प्पराग्रीश न्ध्यानवे सूनानस्यानभून प्रमा नर्गे द्रमाने ने ने न्या प्रमान स्थान देशम्या भ्रम्मा द्वास्याप्तरःभ्रम्भारम्यास्य नेरावसान्त्रेत्रस्य स्वर्भान्त्रेत्रः नगायः सेन् भी दुर दु खुना दूर भू र न सहि वें न तुन सं स्था खुस दूर याडेवर्रोकार्स्यायेवार्ययाकाराम्यास्य म्याप्याचे त्राक्ष्यायायाः यन्दरसद्वाहेन्। स्वाह्म वार्षिनायायाया नद्वायाया स्वाह्म न्या विवा यासळंत्र नहें नाया से नाया स्वा न दुः ना हे ना सारे हो ना सारे हो ता र्ग्येशः ह्रेरः दर्। गुरः दर्। यः दृः सृः पृः यः शेंग्यायायाया वह्यः दयः ग्रमाथ्रवायान्वित्रायदाः अह्ना अअानुः वेर्षः द्वायाः अहित्रायाः नदाः व्या यःश्रेष्यश्रास्य अदः तुःष्यश्रम् वर्षे वर्षे वर्षे प्रायः वर्ष्य स्वतः वीः वर्षे श्रापः वीदः वर्षः श्चित्रसम् विष्यसम् । विषयम् सम् विषयम् । नु इन्निश्यायायार्स्य निर्मेत्र स्रिन् चु नाया महेत्र विस्थाया न्नम्या नेम्प्यम्यम्वः श्रुन्योः श्रेवःययाः विष्याः यहना हैः शुः स्वावेषः यश्रादर्शे स्रदादी सर्वायसार् स्रुप्तराह्मा स्रिया सर्वे सम् श्रुवायर्गनिये सेससाउदारेटारी विगासर्वित दसातुनारी ग्रासा कुटारेटा

र्सेन्स्स्रिन्। नेन्स्स्रिन्द्रन्य्युव्यन्देन्यः विवायवर्षेवायः हेन्द्रवे से व्यन्स्रुयः य गुरा गरोर नाधुरा सर्रे र में गरा से हिंग या सर्हे से दाया सुवारा प्रश मुेव नुषावयायिर नायाधिर पनुराधर द्वाप्य स्थाने स वर्षेते हेत्र पहिं र नह्नश विषा पी इ अपे क्षेत्र अभ क्षेत्र प्रेत् क्षे प्रत्या याने द्वाया होता हे ता व्याप्त होता ने द्वाया होता या हा या हा या विषय केरस्य हुरा है शुः इन् नायाय दर्गे व नहे नाया नहे नाया स्थापन प्राप्त केवा र्रे तिविद्याने। सिव्यार्रे रात्वी नवे नवे सामिन्रे वास्तर क्षेत्र नित्र क्षेत्र न्सॅन्ज्रनायायायाया वायराङ्ग्रेन्या बुराधूरायार् नाइस्रायायाया स्रेन् नरः ह्रियाशासळे व तर्हे व त्या शाया शाया शाया शाया व या विया पुरे या शाया न्द्रभूत्रक्ष्याः सहित्। त्राचन्नवायहे नवे नुष्याया मिन्नायाः सुर्याया सुर्याया नर्गेषानरः ग्रुटः कुनः सूटः नश्निषायायः सेंदः भ्रेरः सह्दः केटः नत्वायार्यः वा न्ययः मुर्गेर् र्शेषायः पुरमेनयः पदेर शुक्र स्रमः त्रेव। वयः सर्वेदः परं सः त्रीयः न्नायायात्रीय। भ्रम्यास्त्रात्त्र्या कें विदेशेदायां मित्राम् मुस्रामा ग्रीमाम् ग्रीमामी व'नविव'र्'गुर्'। । हुल'र्क्केव'र्र'र्स्स'र्श्चेस'हेर'रे'वहेव'शे'र्नर'गवर' बिटार्श्वे रात्र्यात्यार्थयायायात्त्रुटार्स्टियायटात्र्यात्रह्म्यायटात्र्यायह्म्ययायया

सर्वे त्र न त्य से न स्व द्वार न त्युर रुषायार्थेरमार्श्वेर्पायश्चेषा वरायवावयाय्ये त्राचित्रार्थेर्पाय्येरा दे वशर्मराध्या ग्री प्रवेव पाइस्य श्राम् र्स्स्य स्त्रा स्वा क्ष्य प्रवेश प्रवेश विगायिते मोग्रास्त्रीया हु न इंतर् मुर्गे विग निम्न है न इंतर थेर न'म'य'न्दर्भेर'भे'ने नहरंन्य। ह्यान्य'भे'ने ने सम्बर्धाने सम्बर्धान र्शेयात् ह्वानाणम् केशायार्विमा ग्रामा सुमाग्रुमा हिम्मा वियासहया ध्रितातू र्रे प्रदे व्यय अप्या इस्र अप्या वर्ष वर्षे स्र अप्य अपे वु न प्र प्र प्र प्र नुशके दे वित्रवर्षेता अराधर वे वाश्वराशें राज्य प्राप्त के वे प्राप्त वित्र वाश्वरा वित्र सहया ग्रम्भरात्वाःभ्रमास्त्रम् देन्न्यःवर्द्वेदःतुःवःर्भ्रम्भःस्वरः नत्गम। यनद्रमभः र्भेमाष्ट्रमभः र्सेट्रान्नदः में सदः त्रुदः नः य। त्रुदः र्वे र्से ग्राह्म प्राप्त स्त्रीय द्वीय प्राप्त स्वर् हिना स्त्रीय स्वर् हिना स्त्रीय स्वर् हिना स्त्रीय स्वर् यावर वर्ष नर्से समानमा ने मार्ग रा ग्री हिया है। या श्री र र र ग्री हिया अर-र्रे खायनेवे नेव पर्ने खेव पर पर पर वा परिवे नेव पर्ने खेव पर पर पर वा स्रुयापा हुटानय। र्सेनान्येन स्रेयापित्वयानय। नेप्रययाउदानहर्गा न्धन्यीः नेश्वान्य प्रमान्धन्य चेत्रा चेत्र स्वान्य चेत्र स्वर्धे स्वरं नेया हेत्

ग्री:पर्दे:ग्रीत:क्वर्यापा:रे:पाधेद:पाशुर:द्यापक्ष्यंयय:प्यापार्वेद:द्र्यः रेवि:दे'विं'व'हेद'खूद'वी अ'हेवा अ'हे। वर्षिर'वद्र अ'अ'यथा चु:चेद'व्रथअ' उर्'गावि' इ'र्र' त्रय' नर' श्रुगाय' शु' खुर्। सूर'र्र' मी' के य' त्रा वा वे र यान्त्रन्यात्रस्यसाग्रदार्देवार्ष्ट्रन्यादेन्यस्य स्वाद्यायात्रात्रे। हे.हे.लट.चर्ट्या श्रूच.ट्राच्यंच.श्रूच.त.त.व.वंच्यःच्या चगवःचर्च्ट्राव्दे.व. विव्यक्तिम्यार्थित्। ते द्वार्यितः नः धेव। तः द्वाराक्षीयः स्तरम्यम्यायायाया ने भू तुरे हें अ पा अदय अदा वसे या वसे ना नगा से सुदान अ सन अ त्या या वन दिन दें निर्मेश्वर निर्माय के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष का विष् न'न्र'सहत्या ग्रम्सर्यात्व्रा'मर्यानुसर्यान्र'स्ट्रेर'हे नुरक्तानी शेशश्यायार्भेगशर्भेत्र विटामुनामानहेशात्रशाम्ह्यायमान्तराद्भा केता चर्नेट्या देवे.क्र.मेंद्रायायायायात्रास्त्राया यायसास्या यायायावर्दः ह्यायाक्षेत्रासहित नगायाययायायात्राह्मस्यायात्रात्रम्यायाप्यात्रम्याया नभूयात्रशायवर्गा गुनामदे श्रुनिम श्रुक्तिम्शामा सहनिने। ग्राव्य श्री र्बेर-र्नेट-न-नगद-र्बेट्-ग्री वट-हेट्-ग्रीश हैं-र्ने-ख्र-नर्व्व-व-ग्नान्यश्य-यथा विं र्वे अदिगाहेत् र्ह्मे अपन्ता वहिषाहेत् न्दाये अवास्त ग्रीशकेंद्र'त्रशः भ्री सेद्र'त्रयायापदे दर्द्र, क्रयाग्रीश प्रयाद्रशः द्र्यात्रीश र्रे वित्र रायम्बर्भ वित्रिते भ्रिते भ्रिते

व्या र्रेनियः श्रेन्यायाम्ययायानियायायाववय्यन्ये विवानी र्रेन्य यार्नेट नर नर्ने व के के या गुष्य प्राची स्वाप्त या स्वाय या न्या व गिवि दरम् मुष्य विस्रस्य दर्भासम् दरम् सुन्य स्वर्मा स्वरं मित्रा स्वरं मित्रा स वर्रे दर्प वर्षेया न गहिर द्रश्य नर्दे वा द्राव्या श्राया श्राश्चा विश्वा वाश्चरश यने वित्रहे। यावव शै देव क्रम्य र्ये के दे सुर्य अहर प्रयापत्य कुर गठिगामकुः शॅम्ब्रामनी गर्भे त्या विष्यम् विष्यम् स्थि।

देवे.तु.श्चेन नाव्यायया सेट रु. यहनाया यासू दे या व्यायावय देंद्र द्युष्यामके अर्देन विस्वामायाम वर्षा या देन वर्षे स्वाप्त वर्षे स्व म्यायायाम्ययान्ता यद्यायोन् वृत्यायो वेयान्या म्योयायो य यः श्रेंग्राशः हेंग्राशः प्रप्रः ध्रवः विष्णाव्यः ग्रीः देवः तुश्रः प्रायः पुरः है। ।देः रे पिते नुर्गे व स्मानित स्मानित से नुर्मे व से प्राप्त के सम्मानित स्मानित स्मानित स्मानित स्मानित स्मानित स देवसदेन्त्रगुःसूर्वस्ययस्यस्यस्यस्यस्य न्वीत्रमञ्जीरमाश्रुमन्। वर्षेषाः प्रमाश्रुम्यः सेवायम् वहनः वे । हे ह्यः वेद ग्रैअः वृः द्वृता निन्नः क्षेरे के अर्भुट नी निगयन निन्न स्त्राम्य स्त्री । विस्वास्तर्वान्द्रियः वर्षेत्रने विष्ट्रियः सुव्यम् विस्वा हिः स्वा हिः स्वा हिः स्वा हिः स्वा हिः स्वा हिः स्व 

## 

यःरेवःर्रे के अर्थः कु शःगविवः वुःगन्वः शरः नर्नेव। विरःगेशःगन्वः शर सें स्था सें त्रा से स्था त्या निव शासर साम साम साम साम से साम राज्य साम से साम साम से साम से साम से साम स न दुवा त्र शः क्षें अर्थे न न न । अर अ वार्विद स वार्व अ वि है . शः वि है . शः वार्य अरथः य ख्याया केयाया देव में के या के रावर हेर या या या वाय का या सळ्य.के.स्राची.जा.जाविरशायशास्त्राच्चेर.चर्चशारा.कुची.पु.च्या.पु.च्या.पु.च्या. गन्व'सर'नभ्गेंसा गन्व'स'र्से'सुस'रु'र्से'गशुस'सर्न्। नगुर'र्से'नर्त्र इनिवेशमाकुपत्तुमायमिनेम्या देवार्यक्रियस्य देवाराये से मर्भावे द्वा पवे रामा देवा या द्वा रामा द्वा राष्ट्र पा सुवा र मिनेम्या ने से स्टारेन से के न्यू या वतु सामा नि टार्से सूट से स्था शुसा हु इन्तर्वनियायित्यस्यक्ष्या देहिरकुर्ये स्वाह्मयाह्य यिष्ठेश्रासात्याके स्वीत्यायात्रास्ट्रा चेत्र स्थाया विषया कुःस् स्थापदी स्थिता न्सॅन्जूराक्चियाची खें सें प्यं याया वह सान्जूर सेन्कुयाची रानु वेग्या देव'र्रे के नृगुर्व्ययायान्व सर वे न दुन्व ग्रम हे सुग्रम से ष्ठि या मिन्नमा देव से के जुर कुन द्रमय न बर से द्रम सुम दुरम विगार्याने त्यापन्त सम्प्रम्भित्राने। स्यात्रास्त्रयायायहित्या व्यावित्र यान्वरश्यस्त्रने से सिं हो दुःयःयानेवास। ने हे सः ह्युवर सः यावासः यानेवसः याहेत्रसः कुः सें हि या यहिर्या सें द्या या से सें हि या या द्या स्था से सें हि या या द्या से से से

यान्त्रस्य विद्यान्त्र स्वाप्त विद्या क्ष्या विद्या विद्या क्ष्या विद्या विद्य

## से अस दिन 'ग्री 'न कुन भने 'स्निन भा

कैंशहे सुसर्ये नदे सून सामें ने प्ले में रामें मुंग न न न साम है। लर्भीरश्राचेष्ट्रयाश्राच्यालयाश्राचरः ह्रियः सूर्ये लयः वरः ह्रियः प्रयेटः याव्याद्री ध्रमात्रः स्री । व्यव्यक्षि । व्यव्यक्ष यात्रिया व्यव्यक्ष यात्र्य । नरःसरःविद्या गर्वेदःरुशःदयःगर्दः अन्तेयःरुःश्रुदःश्रग्रेरःर्वेगः यदे वित्र या या पृताया अपनिवा के या विया विया स्वास्त्र स्वी प्राप्त स्वास्त्र स्वी स्वास्त्र स्वी स्वास्त्र स्वी स्वास्त्र स्वी स्वास्त्र स्वी स्वास्त्र स्वास्त्र स्वी स्वास्त्र स्वास्त श्रीत्राव्या ने व्याप्युवा परे श्रीया केव प्रवत्य विवाधाय व प्रविवायाय ८८.के.सूर्यायेष्ट्रयाग्नीत्वयात्रायायेयाया ट्रे.ययायायायेयास्याये विगापिस्र स्रायते द्वार प्रायत् स्रीय स्रायत् स्रीय स्रायत् स्रीयः विश्वा स्रायत् स्रीयः स्रीयः विग नेरर्ने वाम्यास्य स्थान्य ने त्या क्ष्या ने त्या क्ष्या ना स्था सर्वे र र्चेत्रविद्या देरादेख्रच्यामी।यात्रःश्चेत्यार्चरद्यायर्गयः मुनायायहेतः व्यासूनयामानुया कें वसुवाधारके नरानुरा ही वार्ये हे देशी देवा

गितरिरिस्सिस्थित्राधित्रास्थित्रात्वमा न्दर्भिस्सिस्सिस्सिस्सिस्सिस्सिस्सि व्यानुयामयाया उदे वर्षे या दें देवा नुमा दे नववा व्यानक्षामया सुया र्रेदि कुन ग्री अर्के अङ्ग्य द्या र्रे ज्या हे सुक्ष र्रे नका सुका पदे या हे र ग्री वि न्ता वर्देवः यः वें प्यान्य स्त्रितः सुदः वसूवः यमः वे वा यः यम् वा वयः ने त्रायर्थे नर पर्देन या वाषे से वार्या न या स्वा कर्या स्व या स्व वार्य स्व वार स्व वार्य स्व वार्य स्व वार्य स्व वार्य स्व वार्य स्व वार स्व वार स्व वार स्व वार्य स्व वार स्व वार स्व वार वार स्व वार वार वार वार्य स्व वार वार वार वार वार वार वार वार वार निर-५८ वर्गा साव शुर त्र शर्मा शर्मे शिम् शरी माणर के त्र में त्या नन शरी क्ष्यते गुरुषा वहर में नम्या हे सुर्या में र विंदा के देन में के दें र हैं न या नश्रेत्राधरार्हेग्राथात्या अळंत्राचेत्रा छेत्राचनरार्धेराचन्याया न्वीर्या महिनानम्मनास्ट्रास्ट्रिमा ग्राम् लुमा निम्स्रिं स्याप्तामा मि सक्समारीयोषमार्सेट हेगायार्स्स शियात्रीयात्रमा निटाल्स मियास्तर हेर-रगुदे-हेद-पार्थेपा-डेपा-विर-रे-धेद-प्रथा गुद-ग्रीय-पादय-थे-हेर-वेर-यायाययाधेगादिष्यानविवार्त्वेव। हेन्वयायर्केर्त्वायदेष्ठियापदेष्ट्रेन वितितेतु तु येते मा तुम्या से र प्ये र र रे प्यतुमा स मार्थिमा से या सर्वे र प्या वर्दे में दंशी नवे न्या निक्र निक्र निक्र में का में निक्र में निक्र में निक्र में निक्र में निक्र में निक्र में खरार्स्ट्रियी सर्कें माद्रवाय पर्ने प्यत्ते होता सर्हे हें प्यत्त्वा हु सर्हें स मश्राविष्यरार्चेश्वातुराविः श्वयार्थे रार्श्वेषा श्वारायाः श्रीषा प्रवारायाः श्वेषा प्रवराव्याः दर्द्रगर्से वियाद्वर्वायाते। यक्षे व्यायात् वर्षाया द्वायायः स्था

र्रे न्द्रा नर्द्व रेवा सेवास या वासेवा सर्वे न न्वीस वर्षा प्रवट गुरुष विया य न भुषा वि या द यो दिया व श हैं भूषा हेया यो व द व वे द यो हेया वर्गायने कं श्रेया गुरायहें दाया में त्रा दे भ्राया में श्रेया या विकास में त्राया में विकास में इैल.८४.र्ब.५५.स्.कु.७५५.कं.५८.५४.स्.५५०.५५०.५५०.स.ल.स्. कुरुप्ते क्रिंप्याम्बर्प महिर्द्धि देवे दुः येर् न दुम् वरुष्ट्र मार्थन हुः स्था ग्वित ह्या हिर द्या स्था स्ट्रिय वर्षे ग्री वर्षे व्या से हिर देवा था विष यर में या वें वर पर वें वर हे ही वा दे वया उर देर क्षेत्रा गूर या दुर यह र वें श्चितः ग्रेन् ग्रुमः प्रभः श्चित्राम् सम्भः ग्रीमः यहेत्रामः स्रामः स्रिनः विद्यानः सम् मैर्या भी राष्ट्रिया के व्याप्त के मिर्या के विश्व के विश यान्त्वम्या क्रूँवापानासर्वे साननात्याक्षाम्यान्याक्षाम् रानदे दे नानक्ष् नवे वर्ते अर्गे व ने व के व अहे अ नु न हे न हि न व न ने र के या न न से या नःधेवः वेम् विन्वोः श्वे रः नवरः वे र्षे नः प्रश्वावव्यः इस्रश्यः श्वेवः प्रसः रे गठेग'यद'ळ५'ग्रे'नेंगशप्देंद'ग्रेद'सशहेंगशप्तिश्वर'सर'ठद'कुँ५'य भुेश देवसम्बर्धानम्बर्धन्तम् । विसर्ध्वाप्रवर्धान

श्र्याश्वास्त्रः त्या विष्याश्वा । अवसः विष्या स्त्रा । अवसः विष्या स्त्रा ।

ने या र्रेजिय से ने ने नित्र मुख्य र से नित्र से मती मुः सन्वियः विवाः श्रुद्धः वा रुः रेः रुषः या होः सर्यः या र्दे सर्वः रुषः म र्रेन् स्थरम स्वाक्तरम्य मंत्राया स्वाक्तरम्य स्वाक्तरम् नती विधिन्यालीया बेराश्रामरी बारीरारी रमा शिरीरारी शक्या है है अहं या देवाइस्रमार्स्टरम्यास्ट्रम् इस्मेदेविनमार्देग्यारायेग्यास्यस्यह्र श्रुतुःग्राम्यःभेरः श्रुग्रयः प्रस्तः यहारः प्रयाश्रुयः तुः तुः त्रयः यरः ग्राग्रय। ग्राव्यः लर. रे. ब्रिट् अट. स्रूर. च ब्रुवाशा स्वा क्रु. के व्य दिरे दिरे अ स्व व व स्व गर्विव तु हे श शु ग बुद न धीव है। गर्द सु श सामय है। वर्धे श मि सूर यी पर्चिया हु स्टें प्रवि है एस प्रयंत्र वि या हैया पर सु से मु । से स प्रवे । क्रेट्सानवे विनयाया पुरायात्रया स्यान्त्राट्या । कें या वित्याराहेषायायराषायवा न्यारावेषिरायाष्ट्रियायापे सेराविता नेरा 

राक्रेत्रस्र्रेयाराक्ष्यशामीः श्रेन्याराध्यराव्येता त्याराया ग्रास्पर्नेत् गर्विव कु नर र र र्जेव के श ग्री मान्य यह र प्रश्नाविद सय पर यह र रे। र्विट मी बट लु डिमायर्मा प्राप्त स्था हिन क्रें न से न से न मः धेतः वाश्वरः मः सहित्। सावसः मः शुः दृरः स्वरः ग्राटः हुसः से ः सुः से ः रेषः मःकुषःसळ्दःषःस्वायःसळे न्त्रादेःक्षःसरःशुरःग्रमः न्त्रीदःसरःसेनयः अविवानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक्यानिक नवदःदरः के चुरः गर्रेष। नर्डे न द्युराद्युराद्यः स्राध्यः स्राध्यः स्राधः स्राध गिरेशाग्रम्हे नद्वात्रेशायदे न्माय्य न्यास्य ने यास्त्री ना सामान्य र्षित् ग्राट्र गर्डि र्ने दे। अन्य स्टिन्से के नर्से न्त्रस्य मुल्य सक्त न्यय नवर रेवि विष्य स्वराधिव है। व्यः केव राषा से समावित ग्रायव वर्ष देवे बिन्धेग्। ग्रम्भह्न ग्रम्भः ग्रम्भः भ्रम्भः भ्रमः भ्रम्भः भ्रमः यिष्ठेशगिदेः र्सेन्या दे से अप्तान्या द्या यात्र यात्र प्राचेत्र विषया या पित्र है। नेशः त्रः याद्यः यादेशः याद्यः याद्यश्रः याद्यश्रः याद्यश्रः याद्यश्रः याद्यश्रः याद्यश्रः याद्यश्रः याद्यश्रः निदा रे निवाक्तरवी स्ररवार्डे दाय वित्र स्वर मिर स्ट्रिंट वाक्ष्य सर हो दाय डेगामी सर नत्यास पात्र स्या कु केत्र सेंदि हें ग्रस पात्रहरसा सेत्र कर कें विदेव द्वापर हैंगाप वस्र राउन वर्षे सावस्य विद्यान स्वापि हैं व याडियाकिन् ग्री क्षेट र किट हे र दे दिन त्या विंद स्थ्या कुर वत्या विंद स्थ्या कि विवास के विंदि विंद के विंद से विंद गर्वेद्रायदे वे द्वायायय से हायायहर्मा द्या स्याप्त स्यापत स्याप्त स्याप्त स्यापत स्या योर्चयाया यटाक्र्यान् श्रीट्यायायायाची यार्चियायायायाची यार्चियायायायाची यार्चियायायायाची यार्चियायायायाची या য়৾ঀৗয়৻৴৻য়ড়ৣ৻ৼয়৻য়ড়৻ঽৼয়৻য়ৣ৽য়ৣয়য়য়৻ঀ৾য়য়য়৻ঢ়ৢঽ৻য়ৢ৻য়৾ঽয়য়৻ राम्यवाराधिवाते। विद्यास्यास्य में दास्य माया ही सदी मार्टा स्था श्रम्। यनस्माभुनयन्माध्यादे हे कुन्निक्षा के या शुर्भा शुर्भिम से ही य.ज.पिर्धरम् क्रि.र्थेशक्र्मा इंस्ट.वैट.ट्रं.हेयु.वैट्रं.लय.लेश.ब्रेम. हिर्द्यानिया सर्वायानिया वर्षे नर्त्रनम्द्रात्राद्रीः स्वाप्ता देव्यास्यात्रयान्यात्रायाः स्वायाया क्रिया ख्रीत त्या र प्या र प्या द्या हिसाय क्रिया क्रिया या क्रिया सक्तान् सामन केन नगर धुमा ने सामन सामन में नरा क्रियान में रेव में के जुर कुन न्ययान वर या बुर्य क्यार न मुजुर । अर्क्ष न न न ध्यार्टे हेर्यार्थेया सुः अर्थे हे ५ गुरु द्याय सुया अर्द्ध रेशेया अर्थ या अर्थ मःसरःतुःसह्त न्गुरःर्वे न्युःनवे मःत्यः नह्गागिवे सःन्। नैःन्सरः नन्त हेर्याडेगायायामस्यान्त्रप्राचित्रप्राचित्रस्यान्त्रप्राचित्रस्य इ८५ अपिन में सेट मे ५ मारा से मारा स्थान से न स्थान से मारा से

क्रूश्चिरम्यन्यरः सैया-रे.यासूजा यावयः लटः यालयाः मै.स्ट.कुरः सूयायः ययर कें अयर र नु तु अ। अकंय र नु अपनि सें अर न गयर न न सह र र प्रश यायर द्यों व श्री मादव यर नव्याय प्रते के। व्यामा हे मा स्ट प्यय दुः विव हुःसहेसामदेग्नुन्सेन्थुन्। यन्नेर्न्न्वाचेरानेगाद्याया।परकेत र्रे हिना हु हिन् क्रिं हो नदे न्दर निन हु धर्मा स्वर्के मा सर र्रे पर्ना क्षें ग्रायर मा क्षु विया यो नवर सर में वर्षा प्रया रे रे रे व्या हो या या रे इस्र ग्राम् में हिन्दु स्र मिन्स प्रमुवा के से वा वी में दित के दारें हिवा विन्य गहर्व्या दर्भ्स्ययाग्रीमहेर्म्ग्रियार्द्रम्। नसूत्रपदेविनयार्ह्गाळेप धिव वेर न से सा सर वर न र तुः स सुतु स स वर्ते र सुर के र तुः र से र वनन्यासह्त्रन्त्व्वायायात्यात्र्वात्त्रेत्राते सहया केया स्वार्धात्र्या स्वारास्य यहर्पयमार्थे मारे। यर या प्याप्य स्था के के तार्य पा तु सार्थे पा मार्थिया कुंर-प्यर से समा विर क्रेंर क्समा मान्द न मार्गिर मी सर यस र प्यार सुर येट्रियामीयान्सूयाद्यार्च्याच्यायेव। क्रियान्यायेवा द्रिः भ्री नवरार्ने नाउन पुरान्य अपन्ती अपन्य अहिता से नाय के के अपन न्दीरमामायदरासूरासेन्। मसमाउन्। हो। वि व उन्। या व व व के माहिन्। सक्रमानाकेन्द्रम् मित्राचित्रमान्द्राच्यायासेन्द्रमित्रम् वित्राच्यास् 

र्विग्रामायदे दिन्दो नगयदे व प्येव प्रमुख्य विष्य विष्य प्रमुख्य नहेव वया भेगा कतर सासुया सम्दा श्री राह्मा सामक सम्बा मुयाश्रमाद्रीसेद्रास्त्र श्रुवास्त्र प्या सेमासेवायमा स्र नर जुर। गुर्दर र्देद मे जुर । प्रदापर न बुग्र अ । ये के के अ हे के में अ न वद र्स्थार्शेययादिन व्याप्ति नेदे द्वाराम वर्षित विष्ति । विष्ति । यानव केव पर देव केव प्रायान बर में या के या हे हे र जा है या पर पर हैं । न व न मार्थिया विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र में विश्वास्त्र विश्वास्त्य यान्ययायायने प्रविष्ययाया । यो यया विष्या याने स्यो से प्रविष्याया विष्य वशनिर्श्वरमी से से हे तु पव ता वें नकु न्र नु वा दु इ ना देवा कें रा श्रेश्रश्चित्यी नक्षुत्रप्रि भूत्रश्ची।

# यहिंग'हुन'तु'यर'यदे'नगद'नकुन'नेन'न्रग्रयंदे'नगद'नकुन'तु' न्नामायवि'नात्रअपनास्य अपनाहित्'यवे'स्रानमा

ने सूर न्यय न्याय सेवि नगाय न कुन हे या ग्याय या यने ही किया मी नक्कु द ना अप्यो देव की नक्कु द ना भी वा भी देव भार सुमा कि केव र्रे दे असे द्रायि हैं ग्राया परि प्रकृत पायी व है। व्याया प्राया प्रया कु के व र्रेदे हिंग्र पर वें न पर हे त्या हा नदे हा अदे हिंगा हिंगा विया या र्वेदर्रमाह्यसेदियो नेयम्भेर्द्रम्य देवे स्वया मेया माम र्येदे:हेंग्रर्भारामञ्जेद्रायरायह्दायरा हेंग्ररायदे देयायरायदान विदादी | द्वाश र्से देत र्से केश दी। यश द्र देश न द्वर न भूर स र्षे न पार्य षरः ध्रम् कु केव रेवि हैं मुश्राया न क्रेन प्रस्य सद्दाया वे सर्दे वा पुः ध्रिव प्रदे ख्यायाने। दे प्यट द्वायार्थ देव से क्रिया द्वाया स्वार्थ स्वार्थ दे स्रीया ग्री सुगा क् रकेत में प्रदेश गात्र देश पर्वे प्रदेश स्व प्रदेश ग्रुस्य प्रस्थ सह द मदे नेया म के त में कु न सु स्रोधित मह्रम न के रापने पी त ले रापा शुर रा भी र । न्यवास्याः स्याः स्याः स्याः हे विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्या वर्त्ते। सिट्या द्वित्र श्रूष्ट्र व्या श्रुट्य व्या स्था श्रुष्ट्र वेषा या के व्या श्रुष्ट्र श्रूष्ट्र श्र नन्द्रायास्त्रात्त्र विद्राप्ता ने विद्राया के साहे सा क्षु प्रसाद में या हु धेव'रादे'स्यारायाध्याकु'केव'रेदि'श्रसूर्'सेर्'हेर। ध्याकु'केव'रेदि' षो नेश ग्राम् धित माने ते न्यम श्रम्भेश मित्र पो नेश मित्र धित ते नेश निविद्या में निविद्या में निवासी स्वित्य में निविद्या में वह्यायम् यर्सेयानुष्टिवायायायस्वायम्यर्हेवाययेन्तर्मारम्

वि'नावश्वर्यात्रविद्यात्रेष्ठ्यात्रविद्यात्रेष्ठ्यात्रविद्यात्यविद्यात्रविद्यात्यविद्यात्यविद्यात्यविद्यात्रविद्यात्यवि

वस्यानेन भ्रेगमार्गे सेर भ्रून वहसन् ग्रुट्स नर्सेन दसस्